पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ के सभी 2,790 मोजेज़

इस फ़ाइल में संग्रह की सभी 2,790 प्रविष्टियाँ हैं, पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ की ज़िंदगी के क्रम में। हर प्रविष्टि अपना स्रोत और प्रामाणिकता का दर्जा बताती है। ज़ईफ़ (कमज़ोर) और मौज़ू (गढ़ी हुई) रिवायतें भी शामिल हैं और साफ़ तौर पर चिह्नित हैं, ताकि उन्हें प्रामाणिक रिवायतों से अलग पहचाना जा सके।

पैग़म्बर के मोजिज़े · miraclesoftheprophet.com/hi/

सहीह (प्रामाणिक): 893 · हसन (अच्छी): 219 · ज़ईफ़ (कमज़ोर): 1,608 · गढ़ी हुई (मौज़ू): 70

01 · जन्म से पहले: आप की सृष्टि और पूर्ववर्ती नबियों को आप के बारे में बताया जाना

1. सृष्टि में पहले और भेजे जाने में अंतिम नबी

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप ने फ़रमाया: “मैं सृष्टि में नबियों में सबसे पहला और भेजे जाने में सबसे अंतिम हूँ”; मीसाक़ (वचन) की आयत (सूरह अल-अहज़ाब, आयत 7) में आप का ज़िक्र दूसरे नबियों से पहले हुआ है।

सृष्टि से पहले (अज़ल)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 7 (yaratılışta ilk nebi olma bâbı)

2. अहदे अलस्त में सबसे पहले “बला” कहने वाले

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

अहदे अलस्त में “अलस्तु बिरब्बिकुम” (क्या मैं तुम्हारा रब नहीं हूँ?) के संबोधन पर सबसे पहले “बला” (क्यों नहीं) कहने वाले आप ही थे; इसी कारण सबसे अंत में भेजे जाने के बावजूद आप नबियों से आगे हैं (मुहम्मद बाक़िर की व्याख्या)।

सृष्टि से पहले (अहदे अलस्त)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 7 (yaratılışta ilk nebi olma bâbı)

3. आदम के रूह और शरीर के बीच होने के समय की नबूवत

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

मैसरतुल फ़ज्र के प्रश्न “आप कब नबी बने?” पर आप ने उत्तर दिया: “जब आदम रूह और शरीर के बीच थे”; इरबाज़ की हदीस में आप ने फ़रमाया: “जब आदम अपनी मिट्टी में पड़े हुए थे, तब मैं अल्लाह के यहाँ ख़ातमुन नबिय्यीन (नबियों की मुहर) लिखा जा चुका था।”

सृष्टि से पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 7 (yaratılışta ilk nebi olma bâbı)

4. आदम से पहले नूर की सृष्टि और उसका स्थानांतरण

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आदम की सृष्टि से दो हज़ार वर्ष पहले क़ुरैश (का नूर) अल्लाह के सामने तस्बीह करने वाला एक नूर था और फ़रिश्ते उसके साथ तस्बीह करते थे; यह नूर आदम की पीठ (सुल्ब) में रखा गया और नूह और इब्राहीम की पीठ से होता हुआ आप तक पहुँचा।

सृष्टि से पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 66 (nesebinin temizliği bâbı)

5. अर्श और जन्नत के दरवाज़ों पर आप का नाम लिखा होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

मैसरतुल फ़ज्र की रिवायत का विस्तृत रूप: जब अल्लाह ने धरती बनाई और आसमानों को व्यवस्थित किया, तो अर्श पर “मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” लिखा गया, जन्नत के दरवाज़ों पर भी आप का नाम लिखा गया और आदम को बताया गया कि

आप उनकी संतान के सरदार हैं।

सृष्टि से पहले / आदम का युग

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 26 (Ebvâbü bidâyeti nebiyyinâ, 1. bâb)

---

6. कअबुल अहबार की नूरे मुहम्मदी वाली रिवायत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

कअबुल अहबार की रिवायत: जब अल्लाह ने आप को पैदा करना चाहा, तो जिब्रील से आप की क़ब्र वाली जगह से एक मुट्ठी सफ़ेद मिट्टी मँगवाई; वह मिट्टी तस्नीम के पानी से गूँधी गई, जन्नत की नहरों में डुबोई गई और आसमानों और धरती में घुमाई गई, ताकि फ़रिश्ते आदम को पहचानने से पहले ही आप को और आप की श्रेष्ठता को पहचान लें; आप का नूर आदम के माथे पर दिखाई देता था, जब हव्वा शीस से गर्भवती हुईं तो वह उनमें चला गया, और हर बार जुड़वाँ जनने वाली हव्वा ने आप के सम्मान में शीस को अकेले जना; यह नूर पवित्र पीठों से पवित्र गर्भों में होता हुआ आप के जन्म तक पहुँचा।

सृष्टि से पहले – आदम का युग

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 27 (2. bâb: Yaratıldığı toprak)

---

7. मुहम्मद के हक़ के वास्ते आदम की क्षमा-याचना

गढ़ी हुई (मौज़ू) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जब आदम से भूल हुई, तो उन्होंने बताया कि उन्होंने अर्श के खंभों पर “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं, मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” लिखा देखा था, और “मुहम्मद के हक़ के वास्ते” क्षमा माँगी; उन्हें उत्तर मिला: “अगर मुहम्मद न होते, तो मैं तुम्हें पैदा न करता।”

आदम का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 12 (isminin Arş'a yazılması bâbı)

---

8. आदम का शीस को सृष्टि में लिखे लेखों के बारे में बताना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आदम ने अपने बेटे शीस को वसीयत में बताया कि उन्होंने मुहम्मद का नाम अर्श के पाए पर, आसमानों में हर जगह, जन्नत के हर महल पर, हूरों के गलों पर, तूबा और सिदरा के पत्तों पर और फ़रिश्तों की आँखों के बीच लिखा देखा।

आदम का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 12 (isminin Arş'a yazılması bâbı)

---

9. आदम के दोनों कंधों के बीच का लेख

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आदम के दोनों कंधों के बीच “मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं, ख़ातमुन नबिय्यीन (नबियों की मुहर)” लिखा हुआ था।

आदम का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 14 (isminin Arş'a yazılması bâbı)

10. आदम के अकेलेपन में जिब्रील की दी अज़ान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जब आदम हिंदुस्तान में उतारे गए और उन्हें अकेलापन महसूस हुआ, तो जिब्रील ने अज़ान दी और दो बार “मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” कहा; आदम के प्रश्न “मुहम्मद कौन हैं?” पर उन्होंने उत्तर दिया: “नबियों में से आप की अंतिम संतान।”

आदम का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 15 (ezanda anılması bâbı)

11. आदम का अपनी संतान में अहमद का चमकता नूर देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जब आदम को उनकी संतान दिखाई गई, तो उन्होंने सबसे नीचे एक चमकता हुआ नूर देखा और उसके बारे में पूछा; उन्हें उत्तर मिला: “यह तुम्हारा बेटा अहमद है; वही पहला है, वही अंतिम है और वही सबसे पहले शफ़ाअत करने वाला है।”

आदम का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 67 (nesebinin temizliği bâbı)

12. आदम का अपने बेटों को सबसे सम्मानित सृष्टि के बारे में बताना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

सईद बिन जुबैर की रिवायत: जब आदम के बेटों में इस पर बहस हुई कि अल्लाह के यहाँ सबसे मूल्यवान सृष्टि कौन है, तो आदम ने अर्श पर लिखा देखा हुआ मुहम्मद का नाम प्रमाण के रूप में पेश करते हुए कहा कि वही सारी सृष्टि में सबसे श्रेष्ठ हैं।

आदम का युग

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 26 (Ebvâbü bidâyeti nebiyyinâ, 1. bâb)

13. आदम को मक्का और अंतिम नबी के बारे में वह्य

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

वहब बिन मुनब्बिह की रिवायत: अल्लाह ने आदम की ओर वह्य भेजी: “मैं बक्का का स्वामी अल्लाह हूँ; उसके निवासी मेरे चुने हुए लोग हैं और उसकी ज़ियारत करने वाले मेरे मेहमान हैं; इस घर को मैं तुम्हारी संतान में से इब्राहीम नाम के एक नबी से आबाद करवाऊँगा; उम्मतें सदियों तक उसकी ज़ियारत करेंगी, यहाँ तक कि अंत में तुम्हारी संतान में से मुहम्मद नाम के मेरे अंतिम नबी आएँगे।”

आदम का युग

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 27 (Ebvâbü bidâyeti nebiyyinâ, 1. bâb)

14. मुहम्मद के लिए नबियों से लिया गया वचन (मीसाक़)

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

अली और क़तादा की तफ़सीर के अनुसार (सूरह आले इमरान, आयत 81) आदम से लेकर हर नबी से यह वचन (मीसाक़) लिया गया कि जब मुहम्मद भेजे जाएँगे तो वे आप पर ईमान लाएँगे और आप की सहायता करेंगे, और अपनी क़ौम से भी यही

वचन लेंगे।

आदम से लेकर (पूर्ववर्ती नबी)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 30 (4. bâb: Tevrat ve İncil'de zikri)

---

15. पिछले नबियों का आप के आगमन का शुभ समाचार देना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

पूर्ववर्ती नबियों (इब्राहीम की दुआ, ईसा का शुभ समाचार) ने आप के आगमन की ख़बर दी।

जन्म से सदियों पहले

स्रोत İbn Kesîr s.105; 1000 Mucize giriş no.3 (s.7); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 16; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 29; Hûî, The Prolegomena to the Qur'an (çev. Sachedina); Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 56; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Daha Önceki Peygamberlerden Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkında Ahd ve Mîsak Alınışı" (kitabın dipnotu: Saf:6 / İbn İshak, İbn Hişam, Sîre, c:1, s:248 / Ebu'l-Ferec İbn Cevzî, el-Vefâ, c:1, s:67 / Yuhanna İncili, bab:14, fıkra:16; bab: 15, fıkra:26; bab: 16, fıkra:7 / Rahmetullah, İzhâru'l-hak, Türkçe terceme, c:2, s:262-263); "İsrail Oğullarının Gelmesini Bekledikleri Üç Peygamber + İbrahim ve İsmâil aleyhisselâmların Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkındaki Dilekleri ve Dileklerinin Kabul Olunuşu" (kitabın dipnotu: Bakara: 127-129 / Bakara: 151 / Nisa: 113 / Rığıb el-Isfahânî, Müfredât, s:402)

---

16. इब्राहीम का हाजरा को मक्का में छोड़ना और शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जब इब्राहीम हाजरा को बुराक़ पर ले जा रहे थे, तो वे हर उपजाऊ जगह पर उतरना चाहते थे; पर जिब्रील ने उन्हें मक्का में ही उतारा और कहा: “तुम्हारे बेटे की संतान से उम्मी नबी यहीं से निकलेंगे।”

इब्राहीम का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 17 (Allah'ın onu İbrâhim'e bildirmesi bâbı)

---

17. हाजरा को दिया गया उम्मी नबी का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जब हाजरा अपने बेटे इस्माईल के साथ निकलीं, तो रास्ते में मिले एक व्यक्ति ने कहा: “तुम्हारा बेटा बहुत-सी क़ौमों का पूर्वज है; हरम में रहने वाले उम्मी नबी उसी की संतान से होंगे।”

इब्राहीम का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 17 (Allah'ın onu İbrâhim'e bildirmesi bâbı)

---

18. इब्राहीम को मिली पत्थर की तख़्ती का लेख

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

इब्राहीम को एक पत्थर मिला जिस पर चार पंक्तियाँ लिखी थीं; दूसरी पंक्ति में लिखा था: “मैं अल्लाह हूँ, मेरे सिवा कोई पूज्य नहीं; मुहम्मद मेरे रसूल हैं, धन्य है वह जो उन पर ईमान लाए और उनका अनुसरण करे।”

इब्राहीम का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 62 (eski taşlarda adının bulunması bâbı)

---

19. सूरह अल-कहफ़ के दो अनाथों के ख़ज़ाने की तख़्ती

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

सूरह अल-कहफ़ में बताए गए दो अनाथों का ख़ज़ाना ठोस सोने की एक तख़्ती थी, जिस पर बिस्मिल्लाह, उपदेश और "अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं, मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं" लिखा था।

मूसा और ख़िज़्र का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 14 (bâb (Kehf hazinesi, Süleyman'ın yüzüğü))

---

20. मूसा का पड़ाव और मअद की संतान के बारे में वह्य

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जब मअद बिन अदनान की संतान के चालीस लोगों ने मूसा के पड़ाव को लूट लिया और मूसा ने उनके लिए बद-दुआ करनी चाही, तो अल्लाह ने वह्य भेजी: "उनके लिए बद-दुआ न करो, क्योंकि उम्मी नबी और रहमत पाई हुई उम्मत उन्हीं में से हैं।"

मूसा का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 18 (Allah'ın onu Mûsâ'ya bildirmesi bâbı)

---

21. अहमद के बारे में मूसा को वह्य

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अल्लाह ने मूसा की ओर वह्य भेजी: "जो अहमद का इनकार करके मुझसे मिलेगा, उसे मैं आग में डालूँगा; मैंने उनका नाम अपने नाम के साथ अर्श पर लिखा है; जब तक वे और उनकी उम्मत प्रवेश न कर लें, जन्नत सब पर हराम है।"

मूसा का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 23 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

---

22. तौरात में मुहम्मद का नाम चूमने वाले व्यक्ति की क्षमा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बनी इसराईल का एक व्यक्ति, जो दो सौ वर्ष तक अवज्ञा करता रहा और (मरने पर) कूड़े के ढेर पर फेंक दिया गया, इसलिए क्षमा कर दिया गया कि वह जब भी तौरात खोलता, मुहम्मद के नाम को चूमकर अपनी आँखों से लगाता और दुरूद भेजता था; मूसा को वह्य द्वारा उसकी जनाज़े की नमाज़ पढ़ने का आदेश दिया गया।

मूसा का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 29 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

---

23. सुलैमान की अँगूठी के नगीने का अंकन

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सुलैमान की आसमान से उतारी गई अँगूठी के नगीने पर अंकित था: "मैं अल्लाह हूँ, मेरे सिवा कोई पूज्य नहीं, मुहम्मद मेरे बंदे और मेरे रसूल हैं।"

सुलैमान का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 14 (bâb (Kehf hazinesi, Süleyman'ın yüzüğü))

---

24. ईसा को वह्य और अर्श का थम जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अल्लाह ने ईसा की ओर वह्य भेजी: “मुहम्मद पर ईमान लाओ और अपनी उम्मत को भी इसका आदेश दो”; पानी पर डोलता हुआ अर्श तब ठहरा जब उस पर “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं, मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” लिखा गया।

ईसा का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 14 (isminin Arş'a yazılması bâbı)

---

25. ईसा को उम्मी अरबी नबी की पुष्टि का आदेश

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अल्लाह ने ईसा की ओर वह्य भेजी: “मेरे आदेश में दृढ़ रहो, ढील न करो; उम्मी अरबी नबी, ऊँट वाले (साहिबुल जमल) की पुष्टि करो।”

ईसा का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 129 (Yaratılışının vasfına dair toplu bâb)

02 · पवित्र ग्रंथों में शुभ समाचार (तौरात, ज़बूर, इंजील और सहीफ़े)

26. तौरात में हमारे नबी और आप की उम्मत के गुण

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात में आप के गुण और आप की उम्मत की विशेषताएँ लिखी हुई हैं।

जन्म से सदियों पहले

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.309; Beyhakî, Delâil c.5 s.597; İbn Kesîr s.113; web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, bâbü sıfati'n-nebî fi'l-kütüb, no. 5-8; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 18; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 30-33; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz aleyhisselâmın İsim ve Sıfatlarının Ehl-i Kitab Nezdinde Belli Oluşu" (kitabın dipnotu: A'râf:157 / Bakara:146); "Daha Önceki Peygamberlerden Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkında Ahd ve Mîsak Alınışı" (kitabın dipnotu: Ahzab:35 / Dârimî, Sünen, c:1, s:14-15; Ebu'l-Ferec İbn Cevzî, el-Vefâ, c:1, s:38-39; Zehebî, Târihu'l-İslâm, s:94); Kütüb-i Sitte: Buharî, Büyû 50, Tefsir, Feth 3; Tirmizî, Menakıb 3, (3621) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5558, c./s. 15/376; no. 5559, c./s. 15/377]

27. इंजील में अहमद / फ़ारक़लीत का शुभ समाचार

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

इंजील में आप का शुभ समाचार दिया गया है (अहमद / फ़ारक़लीत)।

जन्म से लगभग 6 सदी पहले

स्रोत İbn Kesîr s.119; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 227, 232; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 62-63; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 76-77; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz aleyhisselâmın İsim ve Sıfatlarının Ehl-i Kitab Nezdinde Belli Oluşu" (kitabın dipnotu: A'râf:157 / Bakara:146); "Daha Önceki Peygamberlerden Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkında Ahd ve Mîsak Alınışı" (kitabın dipnotu: Saf:6 / İbn İshak, İbn Hişam, Sîre, c:1, s:248 / Ebu'l-Ferec İbn Cevzî, el-Vefâ, c:1, s:67 / Yuhanna İncili, bab:14, fıkra:16; bab: 15, fıkra:26; bab: 16, fıkra:7 / Rahmetullah, İzhâru'l-hak, Türkçe terceme, c:2, s:262-263)

28. शअया के सहीफ़े का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शअया (यशायाह) के सहीफ़े में आप का शुभ समाचार दिया गया है।

जन्म से लगभग 13 सदी पहले

स्रोत İbn Kesîr s.118; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 32; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 23; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 231-232; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 56, 63-67; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 75

29. अरमिया के सहीफ़े का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अरमिया (यिर्मयाह) के सहीफ़े में आप का शुभ समाचार दिया गया है।

जन्म से लगभग 12 सदी पहले

स्रोत İbn Kesîr s.119; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 232

---

30. हिज़क़ील के सहीफ़े का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हिज़क़ील (यहेजकेल) के सहीफ़ों में आप का शुभ समाचार और इस बारे में हिज़क़ील के कथन मिलते हैं।

जन्म से लगभग 12 सदी पहले

स्रोत İbn Kesîr s.117, 118; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 232; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 74-75

---

31. नबी इलयास के सहीफ़े का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नबी इलयास के सहीफ़े में आप का शुभ समाचार दिया गया है।

जन्म से सदियों पहले

स्रोत İbn Kesîr s.116

---

32. नबूवत की किताब का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

“नबूवत की किताब” में आप का शुभ समाचार दिया गया है।

जन्म से सदियों पहले

स्रोत İbn Kesîr s.117

---

33. इब्राहीम और याक़ूब को दिए गए शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

इब्राहीम के सहीफ़े में लिखा है: “तुम्हारी संतान से क़ौमें आएँगी, और अंत में ख़ातमुल अंबिया (नबियों की मुहर) उम्मी नबी आएँगे”; याक़ूब की ओर भी वह्य भेजी गई: “मैं तुम्हारी संतान से बादशाह और नबी भेजूँगा; अंत में हरम वाले वह नबी भेजूँगा जिनका नाम अहमद है और जिनकी उम्मत बैतुल मक़दिस को आबाद करेगी।”

इब्राहीम और याक़ूब का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 17 (Allah'ın onu İbrâhim'e bildirmesi bâbı)

---

34. मूसा की अहमद की उम्मत में होने की कामना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मूसा ने तख़्तियों में एक ऐसी उम्मत के बारे में पढ़ा जो “अंतिम है पर आगे निकल जाने वाली है, जिसकी दुआ क़बूल होती है, जिसकी किताबें उसके सीनों में हैं”; हर बार उन्होंने कहा: “इसे मेरी उम्मत बना दे”, और उत्तर मिला: “यह अहमद की उम्मत है”; तब उन्होंने दुआ की: “मुझे अहमद की उम्मत में से बना दे।”

मूसा का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 21 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

35. तौरात में ईसा की क़ब्र के बारे में शुभ समाचार

हसन (अच्छी) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात में आप के गुणों के साथ यह भी लिखा है: “मरयम के बेटे ईसा उनके पास दफ़न किए जाएँगे।”

तौरात; पूर्ति: आख़िरी ज़माना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 31 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

36. ज़बूर में दाऊद को दिया गया शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अल्लाह ने ज़बूर में दाऊद की ओर वह्य भेजी: “तुम्हारे बाद एक सच्चे नबी आएँगे जिनका नाम अहमद और मुहम्मद है; उनकी उम्मत रहमत पाई हुई उम्मत है; मैंने उन्हें छह ऐसी विशेषताएँ दी हैं जो किसी और उम्मत को नहीं दीं।”

दाऊद का युग

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 26 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

37. दानियाल द्वारा बुख़्त नस्र के सपने की ताबीर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

दानियाल ने बुख़्त नस्र का भूला हुआ सपना बताया (एक मूर्ति जिसका सिर सोने का, बीच का भाग चाँदी का, निचला भाग ताँबे का, टाँगें लोहे की और पैर मिट्टी के थे; आसमान से आए एक पत्थर ने उसे चूर-चूर कर दिया और बढ़ते-बढ़ते पूरी धरती को भर दिया) और उसकी ताबीर करते हुए कहा: “वह पत्थर उस उम्मी नबी का दीन है जो आख़िरी ज़माने में अरबों में से भेजे जाएँगे।”

जन्म से लगभग 12 सदी पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 41 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

38. मुहम्मद की उम्मत के धरती की वारिस होने का शुभ समाचार

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात और ज़बूर में बताया गया है कि धरती की वारिस मुहम्मद की उम्मत होगी (सूरह अल-अंबिया, आयत 105); सुयूती ने ज़बूर की जो प्रति देखी, उसकी चौथी सूरह में लिखा था: “धरती मेरी है, मैं इसे मुहम्मद और उनकी उम्मत को विरासत में दूँगा।”

दाऊद का युग; पूर्ति: विजय अभियान (हिजरी 13 के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 51 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

39. इस्माईल की संतान के बारे में तौरात का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात में इब्राहीम और हाजरा को शुभ समाचार दिया गया कि इस्माईल की संतान से एक बड़ी उम्मत और बारह बड़े सरदार निकलेंगे और उनकी संतान आसमान के तारों की तरह बढ़ेगी; इब्ने कसीर ने इसे आप और आप की उम्मत पर लागू किया।

इब्राहीम का युग (तौरात के अनुसार)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 229 (Tebşîrü'l-kütübi's-sâbika bih)

---

40. मूसा के जीवन के अंत में एक नबी का शुभ समाचार

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मूसा ने अपने जीवन के अंत में (तीह के उनतालीसवें वर्ष में) बनी इसराईल को शुभ समाचार दिया कि एक ऐसे नबी भेजे जाएँगे जो भलाई का आदेश देंगे और बुराई से रोकेंगे, पवित्र चीज़ों को हलाल और गंदी चीज़ों को हराम ठहराएँगे।

मूसा का युग (तौरात के अनुसार)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 230 (Tebşîrü'l-kütübi's-sâbika bih)

---

41. तौरात में तूर, सईर और फ़ारान का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात के अंत में आए वाक्य “अल्लाह तूरे सीना से आया, सईर से उदय हुआ और फ़ारान के पहाड़ों से प्रकट हुआ” को क्रमशः मूसा, ईसा और (फ़ारान = हिजाज़) आप की नबूवत का संकेत माना गया है; यह सूरह अत-तीन की पहली तीन आयतों (यरूशलम, तूरे सीनीन, बलदे अमीन) से मेल खाता है।

तौरात के अनुसार (जन्म से सदियों पहले)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 230 (Tebşîrü'l-kütübi's-sâbika bih)

---

42. ज़बूर में नबी के गुण

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ज़बूर (दाऊद के भजनों) में आप के गुण मिलते हैं: आप का राज्य समुद्र से समुद्र तक पहुँचेगा, बादशाह आप के लिए उपहार लाएँगे, आप निर्बल को छुड़ाएँगे और आप का ज़िक्र सदा बना रहेगा।

दाऊद का युग (ज़बूर के अनुसार)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 230-231 (Tebşîrü'l-kütübi's-sâbika bih)

---

43. तौरात में बनी इसराईल के भाइयों में से एक नबी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात में बनी इसराईल को बताया गया कि “उनके भाइयों में से एक नबी” भेजा जाएगा (इब्ने क़ुतैबा ने इसे तौरात से नक़्ल किया है; इसके साथ इस्माईल से बारह सरदारों का वादा और “फ़ारान के पहाड़ों से प्रकट हुआ” वाला वाक्य भी बताया जाता है)।

तौरात; जन्म से सदियों पहले

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 57-61 (4. bâb: Tevrat ve İncil'de zikri)

44. हबक़ूक़ की किताब में अहमद का नाम

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

इब्ने क़ुतैबा द्वारा नक़्ल किया गया हबक़ूक़ का कथन: उनके सहीफ़े में अहमद का नाम आया है और बताया गया है कि धरती उनकी प्रशंसा (हम्द) से भर जाएगी।

जन्म से सदियों पहले

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 57-61 (4. bâb: Tevrat ve İncil'de zikri)

45. फ़रिश्ते का हाजरा को इस्माईल और उनकी संतान का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात में फ़रिश्ते ने हाजरा से कहा: “तुम इस्माईल नाम के बेटे को जन्म दोगी; वह उम्मतों में महान होगा, उसका हाथ हर हाथ के ऊपर होगा”, और जब वे प्यासे रह गए तो कहा: “बच्चे को तुच्छ न समझो, मैं उसे एक बड़े काम के लिए तैयार कर रहा हूँ”; इस्माईल की संतान में यह बात केवल आप में पूरी हुई।

इब्राहीम का युग (तौरात की ख़बर)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 73 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

46. तौरात की पाँचवीं किताब में मूसा जैसा नबी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात की पाँचवीं किताब में कहा गया है: “मैं बनी इसराईल के लिए उनके भाइयों में से तुम्हारे जैसा एक नबी उठाऊँगा और अपनी बात उसके मुँह में डालूँगा”; बनी इसराईल के भाई बनी इस्माईल में से मूसा की तरह किताब लाने वाले एकमात्र नबी आप ही हैं।

तौरात की ख़बर (नबूवत से सदियों पहले)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 75 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

47. ज़बूर के गुणों की नबी के रूप में व्याख्या

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ज़बूर में दाऊद के इन कथनों की व्याख्या आप से की गई है: “रब की नई तस्बीह से तस्बीह करो... अल्लाह ने उसके लिए उसकी उम्मत चुनी और उसे विजय दी; वे अपने बिस्तरों पर उसकी तस्बीह करते हैं, उनके हाथों में दोधारी तलवारें हैं”; “ऐ चुने हुए, अपनी तलवार बाँध; तेरी शरीअत तेरे दाहिने हाथ की हैबत से जुड़ी है, उम्मतें तेरे अधीन होंगी”; “अल्लाह ने सिय्योन से एक प्रशंसित (महमूद) मुकुट प्रकट किया”; “वह समुद्र से समुद्र तक शासन करेगा, फ़ारस के बादशाह उसे सजदा करेंगे” और “ऐ अल्लाह, सुन्नत स्थापित करने वाले को भेज, ताकि लोग जान लें कि वह (मसीह) मनुष्य है।”

नबूवत से सदियों पहले (अहले किताब की ख़बर)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 76 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

48. शअया में गधे और ऊँट पर सवार दो सवार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शअया की किताब में पहरेदार ने कहा: “मैं दो सवारों को आते देख रहा हूँ, एक गधे पर और दूसरा ऊँट पर; एक दूसरे से कहता है: बाबिल और उसकी मूर्तियाँ गिर गईं” (गधे के सवार ईसा हैं, ऊँट के सवार आप)।

नबूवत से सदियों पहले (अहले किताब की ख़बर)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 76 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

---

49. इंजील में प्रतीक्षित नबी की रिवायत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

रिवायत है कि इंजील में यहया ने क़ैदख़ाने से पूछा: “क्या आने वाले आप ही हैं, या हम किसी और की प्रतीक्षा करें?”, और ईसा के उत्तर “इलयास के आने की प्रतीक्षा है” में वास्तव में “अहमद की प्रतीक्षा है” लिखा था, पर नाम बदल दिया गया।

नबूवत से लगभग 6 सदी पहले (इंजील की ख़बर)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 77 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

---

50. अहले किताब के यहाँ सुरियानी नाम “मुशफ़्फ़ह”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अहले किताब के यहाँ सुरियानी भाषा में आप का नाम “मुशफ़्फ़ह” है (शफ़्ह = हम्द; मुशफ़्फ़ह = मुहम्मद)।

नबूवत से पहले (अहले किताब की ख़बर)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 78 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

---

51. शअया की किताब में हज का वर्णन और नींव का पत्थर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शअया की किताब में हज का वर्णन: “रेगिस्तान भर जाएगा; धरती के छोरों से बुलाए जाएँगे, वे दौड़ते हुए आएँगे और उसकी तस्बीह थल और जल में फैलाएँगे” और “मैं सिय्योन में अल्लाह के घर से एक मूल्यवान पत्थर की नींव रख रहा हूँ।”

नबूवत से सदियों पहले (अहले किताब की ख़बर)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 78 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

---

52. तौरात में नबी और आप की उम्मत के गुण

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तौरात में आप का वर्णन इस प्रकार है: “अहमद मेरा चुना हुआ बंदा है; वह न कठोर है न रूखा, बाज़ारों में शोर नहीं मचाता, बुराई का बदला बुराई से नहीं देता बल्कि क्षमा करता है; उसका जन्म मक्का में, हिजरत तैबा को और राज्य शाम में होगा; उसकी उम्मत हर चढ़ाई पर हम्द करने वाली ‘हम्मादून’ है; वे सूरज का ध्यान रखते हैं, उनके मुअज़्ज़िन आकाश के खुले में होते हैं, नमाज़ और युद्ध में उनकी सफ़ें एक जैसी होती हैं, वे रात को राहिब और दिन को शेर होते हैं, और जहाँ भी नमाज़ का समय आ जाए वहीं नमाज़ पढ़ लेते हैं।”

तौरात की ख़बर (नबूवत से सदियों पहले)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 79-80 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

---

53. क़ुरआन के अनुसार तौरात में सहाबा का वर्णन

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

क़ुरआन के अनुसार तौरात में आप के सहाबा का वर्णन ऐसे लोगों के रूप में है जो काफ़िरों के प्रति कठोर और आपस में दयालु हैं, रुकू और सजदा करते हुए अल्लाह की कृपा और प्रसन्नता चाहते हैं, और जिनके चेहरों पर सजदों के निशान का नूर है (सूरह अल-फ़त्ह, आयत 29)।

तौरात की ख़बर (नबूवत से सदियों पहले)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Daha Önceki Peygamberlerden Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkında Ahd ve Mîsak Alınışı" (kitabın dipnotu: Feth:29); "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Hayber Yahudîlerini Hakkı İtirafa, Allah'a ve Allah'ın Resûlüne İmana Davet Edişi" (kitabın dipnotu: Bakara:256 / İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:193, Beyhakî, Sünen, c:10, s:180)

---

54. क़ुरआन के अनुसार इंजील में सहाबा की उपमा

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

क़ुरआन के अनुसार इंजील में आप के सहाबा की उपमा उस खेती से दी गई है जिसने अपना अंकुर निकाला, फिर उसे मज़बूत किया, वह मोटी हुई और अपने तने पर खड़ी हो गई, जो किसानों को भली लगती है (सूरह अल-फ़त्ह, आयत 29); किताब इसके प्रमाण में मरकुस की इंजील में अपने-आप बढ़ने वाले बीज की उपमा प्रस्तुत करती है।

इंजील की ख़बर (नबूवत से लगभग 6 सदी पहले)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Daha Önceki Peygamberlerden Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkında Ahd ve Mîsak Alınışı" (kitabın dipnotu: Feth:29 / Markos İncili, bab: 4, fıkra:26-29)

---

55. यूहन्ना की इंजील में प्रतीक्षित “वह नबी”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

यूहन्ना की इंजील के अनुसार यहूदी इलयास और मसीह के अतिरिक्त एक तीसरे नबी की प्रतीक्षा कर रहे थे जिन्हें केवल “वह नबी” कहा जाता था; उन्होंने यहया से पूछा: “क्या आप वह नबी हैं?” और उत्तर मिला: “नहीं”; किताब के अनुसार इस अंतिम नबी की प्रतीक्षा ईसा के बाद भी होती रही।

नबूवत से लगभग 6 सदी पहले (इंजील की ख़बर)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "İsrail Oğullarının Gelmesini Bekledikleri Üç Peygamber" (kitabın dipnotu: Markos İncili, bab: 4, fıkra: 26-29 / Matta İncili, bab: 11, fıkra: 14-15 / Matta İncili, bab: 2, fıkra: 1-5-6 / Yuhanna İncili, bâb: 1, fıkra: 21-25)

03 · जन्म से पहले: आप के पूर्वजों, अहले किताब और काहिनों की ख़बरें

56. तुब्बा का मदीना को नष्ट करने का इरादा छोड़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तुब्बा ने मदीना को नष्ट करने का इरादा तब छोड़ दिया, जब यहूदी विद्वानों ने कहा: “यह आख़िरी ज़माने के नबी की हिजरत की जगह है।”

जन्म से लगभग 2–3 सदी पहले

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.85; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 47; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; Questions on Islam, "Glad Tidings about the Prophet's Coming Before His Birth"; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 42; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 81; c. 3, s. 1073-1074

57. अब्दुल मुत्तलिब को ज़मज़म का कुआँ दिखाया जाना

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

ज़मज़म के कुएँ की जगह अब्दुल मुत्तलिब को सपने में दिखाई गई और उन्होंने उसे खोदा।

लगभग 540–550 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.65; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 75-76; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 82

58. औस बिन हारिसा की कविता में नबी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

औस बिन हारिसा ने अपनी कविता (वसीयत) में आप के आने की ख़बर दी।

जन्म से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

59. कअब बिन लुअय के ख़ुतबे और कविता में शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप के पूर्वज कअब बिन लुअय ने अपनी कविता और ख़ुतबे में आप के आने की ख़बर दी।

जन्म से सदियों पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

60. हारून के वंश के यहूदियों का यसरिब में बसना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बुख़्त नस्र के बाद बिखर गए बनी इसराईल में से हारून की संतान का एक समूह अपनी किताबों में आप के गुण और आप की हिजरत की जगह पाकर, आप से मिलने की आशा में यसरिब में बस गया; उनके वंशजों ने आप को पहचानने के बावजूद इनकार किया।

जन्म से सदियों पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 44 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

61. काहिन सतीह का ग़ैब और नबूवत की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मक्का लाए गए काहिन सतीह ने अपनी पहचान छिपाकर आए चार क़ुरैशियों (अब्दे शम्स, अब्दे मनाफ़ बिन क़ुसय, अहवस बिन फ़िह्र, उक़ैल बिन अबी वक़्क़ास) की पहचान और उनके छिपाए हुए उपहार को जान लिया; उसने कहा: “इस नगर से हिदायत पर एक नबी निकलेंगे”, और तुकबंद वाक्यों में उनके बाद के ख़लीफ़ाओं और फ़ितनों की ख़बर दी।

जन्म से लगभग 150 वर्ष पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 57 (kâhinlerin haber vermesi bâbı)

62. सतीह और शिक़्क़ द्वारा बादशाह रबीआ के सपने की ताबीर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

यमन के बादशाह रबीआ बिन नस्र लख़्मी के भयानक सपने को काहिन सतीह और शिक़्क़ ने अलग-अलग जान लिया और उसकी ताबीर की: हबशियों का यमन पर क़ब्ज़ा, सैफ़ बिन ज़ी यज़न का उन्हें निकालना, और उसके राज्य का “ग़ालिब बिन फ़िह्र की संतान से, जिस पर वह्य आएगी, एक पवित्र नबी” के द्वारा अंत।

जन्म से लगभग 1–2 सदी पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 60 (kâhinlerin haber vermesi bâbı)

63. वंश-शृंखला का व्यभिचार से सुरक्षित रहना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आदम से लेकर आप के माता-पिता तक आप की पूरी वंश-शृंखला व्यभिचार से दूर, निकाह से आई; आप ने फ़रमाया: “जाहिलियत के व्यभिचार में से कुछ भी मुझे नहीं छू सका; अल्लाह ने मुझे पवित्र पीठों से पवित्र गर्भों में स्थानांतरित किया; जब भी वंश की दो शाखाएँ अलग हुईं, मैं उनमें से बेहतर में रहा”; कल्बी ने आप की पाँच सौ पूर्वज माताओं के नाम लिखे और उनमें से किसी में व्यभिचार नहीं पाया।

आदम से जन्म तक

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 63 (nesebinin temizliği bâbı)

64. अब्दुल मुत्तलिब का पेड़ वाला सपना और उसकी ताबीर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अब्दुल मुत्तलिब ने हिज्र में सोते हुए देखा कि उनकी पीठ से एक पेड़ उगा, जिसकी चोटी आसमान तक और डालियाँ पूरब और पच्छिम तक पहुँचीं, और जो सूरज से सत्तर गुना अधिक चमकीला था; अरब और अजम उसे सजदा कर रहे थे, और उसे काटना चाहने वाले क़ुरैशियों को एक सुंदर चेहरे वाला युवक रोक रहा था; क़ुरैश की काहिना ने इसकी ताबीर की: “तुम्हारी पीठ से कोई ऐसा निकलेगा जो पूरब और पच्छिम पर शासन करेगा।”

जन्म से पहले (लगभग 560–570 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 67 (Abdülmuttalib'in rüyası bâbı)

65. यमन के यहूदी विद्वान का नबूवत और राज्य का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अब्दुल मुत्तलिब सर्दियों की यात्रा में यमन में जिस यहूदी विद्वान के मेहमान बने, उसने उनकी नाक के नथुनों को देखकर कहा: “मैं एक हाथ में राज्य और दूसरे में नबूवत देखता हूँ; इसे हम बनू ज़ुहरा में पाते हैं, लौटकर उन्हीं में शादी करना”; इसके बाद उन्होंने हाला बिंत वुहैब से शादी की और अपने बेटे अब्दुल्लाह की शादी आमिना बिंत वहब से कराई।

जन्म से पहले (लगभग 568–570 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 68 (hamlinde görülen âyetler bâbı)

---

66. तैमा के यहूदी का अब्दुल मुत्तलिब में निशानी पहचानना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

कअब बिन मालिक ने अपनी क़ौम के बुज़ुर्गों से रिवायत की कि उमरा के लिए मक्का आए तैमा के एक यहूदी ने अब्दुल मुत्तलिब को देखकर कहा: “हमारी अपरिवर्तित किताब में लिखा है कि इनकी संतान से एक नबी निकलेंगे जो हमें आद की क़ौम की तरह मार डालेंगे।”

जन्म से पहले / बचपन (लगभग 570–578 ईस्वी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl (yetişmesi), no. 101

---

67. ज़मज़म की यात्रा में पानी फूटने का मोजिज़ा

हसन (अच्छी) पानी से संबंधित मोजिज़े

ज़मज़म के विवाद के लिए शाम की ओर बनू साद (हुज़ैम) की काहिना के पास जाते हुए क़ाफ़िला रेगिस्तान में प्यासा रह गया और लोगों ने अपनी क़ब्रें तक खोद लीं; जब अब्दुल मुत्तलिब अपनी सवारी पर चढ़े, तो उनकी ऊँटनी के पैर के नीचे से मीठा पानी फूट पड़ा; यह देखकर क़ुरैशियों ने ज़मज़म उन्हीं के लिए छोड़ दिया।

लगभग 540–550 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 75 (Abdülmuttalib'in Zemzem'i kazması sırasında görülen alâmetler)

---

68. ज़मज़म का हौज़ बिगाड़ने वालों का बीमार पड़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

ज़मज़म के पास अब्दुल मुत्तलिब के बनाए हौज़ को रात में बिगाड़ देने वाले ईर्ष्यालु क़ुरैशियों के विरुद्ध उन्होंने सपने में सिखाया गया यह वाक्य घोषित किया: “ऐ अल्लाह, मैं इसे नहाने वाले के लिए हलाल नहीं करता; पीने वाले के लिए यह हलाल और जायज़ है”; इसके बाद हौज़ बिगाड़ने वाले हर व्यक्ति के शरीर में रोग लग गया और वे रुक गए।

लगभग 540–550 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 76 (Abdülmuttalib'in Zemzem'i kazması sırasında görülen alâmetler)

---

69. अब्दुल्लाह के जन्म का नूर और पक्षी वाला सपना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अब्बास के बयान के अनुसार जब (आप के पिता) अब्दुल्लाह पैदा हुए तो उनके चेहरे पर सूरज की रोशनी जैसा नूर दिखाई दिया और अब्दुल मुत्तलिब ने कहा: “इस बच्चे की बड़ी शान होगी”; सपने में उनकी नाक से एक सफ़ेद पक्षी निकला, जो पूरब और पच्छिम तक पहुँचकर काबा पर आ बैठा, क़ुरैश ने उसे सजदा किया, फिर वह पक्षी धरती और आकाश के बीच पूरब से पच्छिम तक फैला एक नूर बन गया; बनू मख़्ज़ूम की काहिना ने कहा: “इसकी पीठ से ऐसी संतान निकलेगी जिसका अनुसरण पूरब और पच्छिम के लोग करेंगे।”

जन्म से पहले, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1067-1068 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

70. नबी ﷺ पर ईमान के बारे में तुब्बा के शेर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नबूवत से पहले कहे गए वे शेर जिनका अर्थ है: “मैं गवाही देता हूँ कि अहमद जीवों के पैदा करने वाले अल्लाह के रसूल हैं; अगर मेरी आयु उनकी आयु तक पहुँचती, तो मैं उनका वज़ीर और चचेरा भाई होता और मुशरिकों के लिए अज़ाब बन जाता” (स्रोतों में ये शेर तुब्बा से जोड़े जाते हैं; तबरसी के पृष्ठ पर कहने वाले का नाम पढ़ा नहीं जा सका)।

जन्म से पहले (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 60-61 (er-Rüknü'l-evvel, 2. bâb: âyetleri ve mucizeleri – bi'setten önceki alâmetler)

---

71. पहले तुब्बा का पत्र और यसरिब के विद्वान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

पहला तुब्बा जब यसरिब आया तो उसने औस और ख़ज़रज से कहा: “जब तक यह नबी प्रकट न हों, यहीं रहना; अगर मैं उन्हें पाता तो उनकी सेवा करता और उनके साथ निकलता”; उसने चार सौ विद्वानों को वहीं बसाया और एक पत्र लिखकर छोड़ा जिसमें आप पर अपने ईमान की घोषणा की; यह पत्र हिजरत के समय अबू लैला के हाथों आप तक पहुँचा।

जन्म से सदियों पहले; पत्र का पहुँचना: हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 17-18 (fasl fi'l-beşâir bi-nübüvvetihî)

---

72. हाथी की घटना में अब्दुल मुत्तलिब की दुआ और महमूद हाथी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

जब अबरहा काबा की ओर बढ़ा, तो अब्दुल मुत्तलिब ने काबा के दरवाज़े का कुंडा पकड़कर दुआ की; उनके माथे का नूर काबा पर पड़ा और उन्होंने इसे विजय का संकेत माना; उन्होंने “महमूद” नाम के हाथी को पुकारा: “क्या तू जानता है कि तुझे क्यों लाया गया है?”, और हाथी काबा को गिराने के लिए आगे नहीं बढ़ा।

570–571 ईस्वी (हाथी का वर्ष)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 26 (fasl fi'l-beşâir bi-nübüvvetihî)

---

73. ख़ालिद बिन सिनान का नबूवत का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अब्स क़बीले के ख़ालिद बिन सिनान ने ईसा की तरह आप के आने का शुभ समाचार दिया।

जन्म से पहले (फ़तरत का दौर; किताब कोई निश्चित तिथि नहीं देती)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Abs Oğullarına Hâlid b. Sinan'ı Soruşu ve Onlara Onun Başına Gelenleri Haber Verişi" (kitabın dipnotu: Diyarbekrî, Târîh, c:1, s:200)

04 · माता-पिता और माँ का गर्भकाल (लगभग 569–571 ईस्वी)

74. अब्दुल्लाह का 100 ऊँटों के बदले क़ुर्बान होने से बचना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

अब्दुल मुत्तलिब की मन्नत: आप के पिता अब्दुल्लाह क़ुर्बान होने से 100 ऊँटों के फ़िदये के बदले बच गए।

लगभग 565–569 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.69; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 77; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 82

75. नबूवत के नूर का आमिना में स्थानांतरण

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप के पिता अब्दुल्लाह के माथे का नूर आमिना से शादी होने पर उनमें चला गया।

लगभग 570 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.72; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 8. fasıl, no. 72-75; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 69-71

76. अबाबील पक्षियों द्वारा हाथियों वाली सेना का विनाश

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

हाथियों वाली सेना काबा तक पहुँचने से पहले ही अबाबील पक्षियों द्वारा नष्ट कर दी गई।

570–571 ईस्वी (जन्म से लगभग 50 दिन पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.85; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 10. fasıl, no. 84-88; Questions on Islam, "Events that Took Place..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 73-74; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 89-90; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 226, 236; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 114; Kütüb-i Sitte: Buhârî, İlim 39, Lukata 7, Diyât 8; Müslim, Hacc 447, (1355); Buharî, Şurût 15 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4285, c./s. 12/233; no. 4266, c./s. 12/172-181]

77. आमिना का सपना और सिरहाने रखा सोने का पन्ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप की माँ आमिना से सपने में कहा गया: “तुम सृष्टि में सबसे श्रेष्ठ को गर्भ में लिए हुए हो; जन्म होने पर उनका नाम अहमद और मुहम्मद रखना और यह लेख उन पर लटकाना”; जागने पर उन्होंने अपने सिरहाने सोने से लिखा एक पन्ना (एक अल्लाह की शरण में देने की दुआ) पाया।

570–571 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 9. fasıl (hamilelik ve doğum alâmetleri), no. 78

78. लैला अदविया का अब्दुल्लाह में नूर देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप के पिता अब्दुल्लाह जब धूल-मिट्टी से भरे कपड़ों में लैला अदविय्या के पास से गुज़रे, तो उस स्त्री ने उनके चेहरे का नूर देखकर सौ ऊँटों के बदले स्वयं को उनके सामने प्रस्तुत किया; अब्दुल्लाह ने मना कर दिया और आमिना से शादी की, जिसके

बाद उस स्त्री ने कहा कि नूर आमिना में चला गया।

लगभग 570 ईस्वी (जन्म से पहले)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 69 (Abdullah'ın alnındaki nur ve Âmine ile evlenmesi rivayetleri)

---

79. क़ुतैला का अब्दुल्लाह के चेहरे पर नूर देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

वरक़ा बिन नौफ़ल की बहन क़ुतैला बिंत नौफ़ल ने अब्दुल्लाह के चेहरे पर घोड़े के माथे की सफ़ेदी जैसा चमकता नूर देखकर स्वयं को उनके सामने प्रस्तुत किया; जब अब्दुल्लाह आमिना के पास से लौटे, तो उसने यह कहकर इरादा छोड़ दिया: “तुम्हारे चेहरे की चमक अब नहीं रही।”

लगभग 570 ईस्वी (जन्म से पहले)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 71 (Abdullah'ın alnındaki nur ve Âmine ile evlenmesi rivayetleri)

---

80. आमिना को गर्भ में कष्ट और भारीपन न होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप की माँ आमिना ने आप के गर्भ के दौरान वह भारीपन और कष्ट बिल्कुल महसूस नहीं किया जो दूसरी स्त्रियाँ महसूस करती हैं, और पूरे गर्भकाल में उन्हें कोई कठिनाई नहीं हुई।

570–571 ईस्वी (गर्भकाल)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 71, 79 (Hamilelik ve doğum alâmetleri)

---

81. क़ुरैश के पशुओं का गर्भ का शुभ समाचार देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

जिस रात आप की माँ आप से गर्भवती हुईं, क़ुरैश के सभी पशु बोल उठे: “अल्लाह के रसूल गर्भ में आ गए।”

570 ईस्वी (गर्भ का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 81 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

---

82. बादशाहों के सिंहासनों का उलटना और काहिनों का मौन होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जिस रात आप की माँ आप से गर्भवती हुईं, उसकी सुबह दुनिया के सभी बादशाहों के सिंहासन उलटे पाए गए, उस दिन बादशाह बोल न सके और काहिनों का ज्ञान कट गया।

570 ईस्वी (गर्भ का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 81 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

---

83. पूरे गर्भकाल में सृष्टि का शुभ समाचार और आसमानी पुकार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

जब आप की माँ आप से गर्भवती हुईं, तो पूरब और पच्छिम के जंगली जानवरों और समुद्री जीवों ने एक-दूसरे को शुभ समाचार दिया; गर्भ के हर महीने धरती और आकाश में पुकारा गया: “अबुल क़ासिम के प्रकट होने का समय आ गया, शुभ हो!”

570–571 ईस्वी (गर्भकाल)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 81 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

---

84. अनाथ के लिए फ़रिश्तों की दुआ और अल्लाह का उत्तर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जब आप के पिता अब्दुल्लाह की मृत्यु हुई, तो फ़रिश्तों ने कहा: “तेरे नबी यतीम हो गए”; इस पर अल्लाह ने फ़रमाया: “मैं उनका वली, रक्षक और सहायक हूँ।”

570–571 ईस्वी (जन्म से पहले)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 81 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

---

85. फ़ातिमा बिंत मुर्रा और नबूवत का नूर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

इब्ने अब्बास और अबुल फ़य्याज़ ख़सअमी की रिवायतें: तबाला की रहने वाली, किताबें पढ़ी हुई काहिना फ़ातिमा बिंत मुर्र ख़सअमिय्या ने अब्दुल्लाह के चेहरे पर नबूवत का नूर देखकर सौ ऊँटों के बदले स्वयं को प्रस्तुत किया; अब्दुल्लाह ने “हराम से तो मौत भली” वाले शेर के साथ मना कर दिया और आमिना के पास गए; लौटने पर उस स्त्री ने कहा: “वह एक बार की बात थी, आज नहीं है; अल्लाह ने वह नूर कहीं और रख दिया।”

लगभग 570 ईस्वी (जन्म से पहले)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 84 (Abdullah'ın Âmine ile evlenmesi bâbı)

---

86. आमिना के रक्षा-लोहों का चमत्कारी रूप से टूटना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

गर्भ के दौरान स्त्रियों की सलाह पर आप की माँ आमिना ने रक्षा के लिए बाँह और गले में जो लोहा बाँधा, वह हर बार टूटा (कटा) हुआ मिला।

570–571 ईस्वी (गर्भकाल/जन्म)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 85 (17. bâb: Âmine'nin hamileliğinde olanlar)

---

87. अब्दुल्लाह को यहूदियों से बचाने वाले फ़रिश्ते

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप के पिता अब्दुल्लाह जवानी में जब शिकार पर निकले, तो अल्लाह के नूर को बुझाने आए तलवारों और छुरियों से लैस अस्सी यहूदियों ने उन्हें घेर लिया; पास ही शिकार कर रहे वहब बिन अब्दे मनाफ़ ने देखा कि बहुत-से हथियारबंद फ़रिश्तों ने यहूदियों को भगा दिया, और इसी कारण उन्होंने अपनी बेटी आमिना की शादी अब्दुल्लाह से कर दी।

जन्म से पहले (लगभग 569–570 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 129 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

88. फ़ातिमा बिंत मुर्रा की नबूवत के नूर की खोज

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

किताबें पढ़ी हुई एक स्त्री फ़ातिमा बिंत मुर्रा ने अब्दुल्लाह के चेहरे पर नबूवत का नूर देखकर सौ ऊँटों के बदले स्वयं को प्रस्तुत किया, पर अब्दुल्लाह ने मना कर दिया; आमिना से शादी के बाद उस स्त्री ने कहा: “मैंने तुम्हारे चेहरे पर नबूवत का नूर देखा था और चाहती थी कि वह मुझमें आए; आज वह नहीं है।”

लगभग 570 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 26 (fasl fi'l-beşâir bi-nübüvvetihî)

89. यहया का ख़ून से सना चोग़ा और यहूदी विद्वान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

यहूदी विद्वानों के पास यहया बिन ज़करिय्या के ख़ून से सना सफ़ेद ऊन का एक जुब्बा था, जिससे उनकी किताबों में बताए गए संकेत के अनुसार ख़ून टपकने लगा; इससे उन्होंने समझ लिया कि आप के पिता (अब्दुल्लाह) प्रकट हो गए हैं, और वे अब्दुल्लाह को मारने के लिए इकट्ठे हुए पर सफल न हो सके।

लगभग 570 ईस्वी (जन्म से पहले)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 27 (fasl fî mevlidihî)

90. अब्दुल्लाह के माथे का नूर और उसके बाद

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

अब्दुल्लाह के माथे पर नूर था; जिस रात उन्होंने आमिना से शादी की, दो सौ स्त्रियाँ ईर्ष्या/दुःख से मर गईं; आमिना के आप से गर्भवती होने के बाद किसी ने अब्दुल्लाह में रुचि नहीं दिखाई।

लगभग 570 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 27 (fasl fî mevlidihî)

05 · जन्म के समय घटित घटनाएँ (571 ईस्वी)

91. आमिना का देखा हुआ, बुसरा के महलों को रोशन करने वाला नूर

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप की माँ आमिना ने गर्भ के दौरान/जन्म के समय अपने भीतर से निकले नूर से शाम (बुसरा) के महल देखे।

571 ईस्वी (हाथी का वर्ष, जन्म)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.51; web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 569; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Questions on Islam, "Events that Took Place Before the Assignment of Prophethood"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 78-79; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 91-92, 29; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 293; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 1066; 1068; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 55; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 31; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 331-332; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "3- HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN DOĞUMU GECESİNDE MEYDANA GELEN HÂRİKULÂDE HÂDİSELER, MU'CİZELER (3. madde) + Peygamberimiz Aleyhisselâmın Annesine Teslim Edilişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:102; Zehebî, Târihiu'l-İslâm, s:47. / İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:102 / İbn Sa'd, Tabakât, c: 2, s:137; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:32; Buhârî, Sahih, c:5, s:98; Nesâi, Sünen, c:5, s.203)

92. जन्म की रात की अद्भुत घटनाएँ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जन्म की रात तारों का निकट आना, घर का नूर से भर जाना, आप का ख़तना किए हुए और नाल कटे हुए पैदा होना जैसी अद्भुत घटनाएँ हुईं।

571 ईस्वी (हाथी का वर्ष, जन्म)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.51; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb mevlidihî, no 13839; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 9. fasıl, no. 76; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Questions on Islam, "Events that Took Place..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 78; c. 1, s. 90; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 92, 93-94; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 299; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 507; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 31

93. किसरा के महल का हिलना और कंगूरों का गिरना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जिस रात आप पैदा हुए, किसरा का महल हिल गया और उसके 14 कंगूरे गिर गए।

571 ईस्वी (हाथी का वर्ष, जन्म)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.97; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 9. fasıl, no. 82; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Questions on Islam, "Events that Took Place..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 87-88; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 30; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 414; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 94-97; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c. 1, s. 126-129; Ebû Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, s. 138-141, no 82; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 56; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 510; WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "3- HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN DOĞUMU GECESİNDE MEYDANA GELEN HÂRİKULÂDE HÂDİSELER, MU'CİZELER (10. madde)"

94. मजूसियों की हज़ार वर्ष पुरानी आग का बुझना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जिस रात आप पैदा हुए, मजूसियों की हज़ार वर्षों से जलती आग बुझ गई।

571 ईस्वी (हाथी का वर्ष, जन्म)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.97; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Questions on Islam, "Events that Took Place..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 87; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 403, 414; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 94-97; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c. 1, s. 126-129; Ebû Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, s. 138-141, no 82; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 56; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 510; WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "3- HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN DOĞUMU GECESİNDE MEYDANA GELEN HÂRİKULÂDE HÂDİSELER, MU'CİZELER (11. madde)"

---

95. सावा झील का सूखना और मूबज़ान का सपना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जिस रात आप पैदा हुए, सावा की झील सूख गई और मूबज़ान ने सपना देखा (सतीह की ताबीर)।

571 ईस्वी (हाथी का वर्ष, जन्म)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.97; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; Questions on Islam, "Events that Took Place..."; Questions on Islam, "Glad Tidings..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 87-88; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 94-97; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c. 1, s. 126-129; Ebû Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, s. 138-141, no 82; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 56-58; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 510-513; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 25; c. 1, s. 29; WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "3- HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN DOĞUMU GECESİNDE MEYDANA GELEN HÂRİKULÂDE HÂDİSELER, MU'CİZELER (7. madde)"; "3- HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN DOĞUMU GECESİNDE MEYDANA GELEN HÂRİKULÂDE HÂDİSELER, MU'CİZELER (8. madde)"

---

96. दोनों कंधों के बीच नबूवत की मुहर

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप के दोनों कंधों के बीच नबूवत की मुहर थी।

जन्म से ही

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.204; web: Wikipedia, "Miracles of Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 101-103; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 32; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 108; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezail 112, (2346); Tirmizî, 42, (3647); Tirmizî, Menakıb 19, (3642); Buhârî 190, 5670 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5542, c./s. 15/363-364; no. 5543, c./s. 15/364; no. 5537, c./s. 15/358]

---

97. जन्म के समय सजदा और हाँडी का फटना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जन्म के समय आप अपने हाथों के सहारे धरती पर आए और सिर आसमान की ओर उठाया; आप पर ढका गया बड़ा मटका दो टुकड़े हो गया।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 9. fasıl (hamilelik ve doğum alâmetleri), no. 80

---

98. दाई शिफ़ा ने जन्म के समय जो सुना और देखा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

अब्दुर्रहमान बिन औफ़ की माँ शिफ़ा (दाई) ने कहा: “जब आप मेरे हाथों में आए और आवाज़ निकाली, तो मैंने एक आवाज़ सुनी: ‘अल्लाह तुम पर रहम करे’; पूरब और पच्छिम के बीच सब कुछ मेरे लिए रोशन हो गया और मैंने रूम के महल देखे।”

जन्म, 571 ईस्वी (हाथी का वर्ष)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

---

99. हस्सान बिन साबित का सुना हुआ अहमद के तारे का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सात वर्ष के हस्सान बिन साबित ने भोर के समय मदीना के एक बुर्ज पर हाथ में मशाल लिए एक यहूदी को चिल्लाते सुना: “आज रात अहमद का तारा उदय हुआ है; यह तारा केवल नबूवत के साथ उदय होता है।”

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 45 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

100. यहूदी विद्वानों का जन्म और नबूवत को स्वीकार करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

क़ुरैज़ा, नज़ीर, फ़दक और ख़ैबर के यहूदी विद्वानों ने आप के जन्म की रात कहा: “अहमद आज रात पैदा हुए, यह (लाल) तारा उदय हुआ”, और जब आप नबी बने तो कहा: “अहमद नबी बन गए”; क़ुरैज़ा अपने बच्चों को आप का नाम और गुण पढ़ाते थे, पर आप के प्रकट होने पर ईर्ष्या के कारण इनकार कर बैठे।

571 ईस्वी (जन्म) और 610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 46 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

101. ज़ियाद बिन लबीद की सुनी हुई नबूवत की आवाज़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ज़ियाद बिन लबीद ने मदीना के एक बुर्ज पर रहते हुए एक आवाज़ सुनी: “ऐ यसरिब वालो, बनी इसराईल की नबूवत चली गई; अहमद के जन्म के साथ यह तारा उदय हुआ है; वे अंतिम नबी हैं और उनकी हिजरत की जगह यसरिब है।”

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 48 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

102. जन्म की रात काबा की मूर्तियों का गिरना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जिस रात आप पैदा हुए, काबा की अधिकतर मूर्तियाँ औंधे मुँह गिर पड़ीं।

571 ईस्वी (हाथी का वर्ष, जन्म)

स्रोत Questions on Islam, "Events that Took Place Before the Assignment of Prophethood"

---

103. समावा घाटी का पानी से भरकर उमड़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पानी से संबंधित मोजिज़े

जिस रात आप पैदा हुए, हज़ार वर्षों से सूखी पड़ी समावा की घाटी (नदी) पानी से भरकर उमड़ पड़ी।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan

---

104. पूर्ण रूप से स्वच्छ और निर्दोष जन्म

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप जन्म के समय बिल्कुल स्वच्छ पैदा हुए, आप पर कोई मैल या गंदगी नहीं थी।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 79 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

---

105. जन्म के समय एक मुट्ठी मिट्टी पकड़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जन्म के समय आप ने हाथ से एक मुट्ठी मिट्टी पकड़ी; यह सुनकर बनू लिह्ब के एक व्यक्ति ने कहा: “अगर यह शगुन सच्चा है, तो यह बच्चा धरती के लोगों पर विजयी होगा।”

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 80 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

---

106. जन्म की रात के ब्रह्मांडीय और आसमानी चिह्न

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जन्म की रात आसमान और जन्नत के दरवाज़े खोल दिए गए, फ़रिश्ते उपस्थित हुए, दुनिया के पहाड़ ऊँचे हुए और समुद्र उमड़ पड़े, सूरज को एक महान नूर पहनाया गया और सत्तर हज़ार हूरें हवा में आप के जन्म की प्रतीक्षा करती रहीं।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 80 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

---

107. जन्म की रात शैतान का ज़ंजीरों में बाँधा जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जन्म की रात शैतान को सत्तर ज़ंजीरों से बाँध दिया गया।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 80 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

---

108. कौसर नहर के किनारे के पेड़ और आसमानी दुआएँ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप के जन्म के सम्मान में कौसर नहर के किनारे कस्तूरी के सत्तर हज़ार पेड़ उगाए गए, उनके फलों को जन्नत वालों के लिए सुगंधित धूप बनाया गया और आसमान वालों ने आप के लिए सलामती की दुआ की।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 81 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

109. काबा से आई आवाज़ और उसका तीन दिन हिलना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप के जन्म पर कई दिनों तक काबा के भीतर से एक आवाज़ सुनाई देती रही जिसका अर्थ था: “मेरा नूर मुझे लौट आया, मेरे ज़ियारत करने वाले आ रहे हैं, मैं जाहिलियत की गंदगियों से पाक हो रहा हूँ”, और काबा तीन दिन और तीन रात हिलता रहा।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 81 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

110. प्रसव के समय आमिना के देखे दृश्य

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप की माँ आमिना ने प्रसव के समय देखा कि एक सफ़ेद पक्षी के पंख ने उनके दिल को सहलाकर उनका डर दूर किया, उन्हें एक सफ़ेद पेय पेश किया गया और लंबे क़द की स्त्रियों ने उन्हें घेर लिया।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 82 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

111. आमिना के देखे फ़रिश्ते और तीन झंडे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप की माँ आमिना ने प्रसव के समय हवा में चाँदी के लोटे लिए हुए लोग, पन्ने की चोंच और याक़ूत के पंखों वाले पक्षी, और तीन गड़े हुए झंडे देखे: एक पूरब में, एक पच्छिम में और एक काबा के ऊपर।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 82 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

112. पैदा होते ही सजदे में गिरना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

पैदा होते ही आप सजदे की हालत में देखे गए।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 82 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

113. जन्म के समय बादल का ढकना और पुकारने वाले की आवाज़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जन्म के समय एक बादल ने आप को ढककर आँखों से ओझल कर दिया, और एक पुकारने वाले ने पुकारा: “इन्हें धरती के पूरब और पच्छिम में घुमाओ, ताकि सब इन्हें पहचान लें”; फिर यह कहते सुना गया: “मुहम्मद ने विजय, हवा और नबूवत की कुंजियाँ ले लीं।”

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 82 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

114. फ़रिश्तों का आप को नहलाना और नबूवत की मुहर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप के जन्म पर तीन व्यक्ति (फ़रिश्ते) चाँदी का लोटा, हरे पन्ने का तसला और सफ़ेद रेशम में लिपटी एक मुहर लेकर आए; उन्होंने आप को नहलाया और आप के दोनों कंधों के बीच नबूवत की मुहर लगाई।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 82-84 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

115. यहूदी व्यापारी का जन्म की रात नबूवत की निशानियों की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मक्का में रहने वाला एक यहूदी व्यापारी जन्म की रात क़ुरैश की सभा में आया और बोला: “आज रात इस उम्मत के नबी पैदा हुए हैं; उनके दोनों कंधों के बीच घोड़े की अयाल जैसे बालों वाला एक तिल है, वे दो रात दूध नहीं पिएँगे”; बच्चे को देखकर और निशान पाकर वह बेहोश हो गया और बोला: “नबूवत बनी इसराईल से चली गई।”

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 84 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

116. राहिब ईस का जन्म और उसकी निशानियों की पहले से ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मर्रुज़्ज़हरान में एकांत में रहने वाले शाम के राहिब ईस ने पहले ही ख़बर दे दी थी कि मक्का में एक नबी पैदा होंगे, और जन्म की रात अपने पास आए अब्दुल मुत्तलिब को उनके पोते के जन्म और उसके निशानों की सूचना दी।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 85 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

117. इब्लीस का पास न आ सकना और जिब्रील द्वारा फेंका जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब आप के जन्म पर धरती नूर से रोशन हो गई, तो इब्लीस ने कहा: “आज रात एक ऐसा बच्चा पैदा हुआ है जो हमारा काम बिगाड़ देगा”; जब उसने आप के पास जाना चाहा, तो जिब्रील ने उसे लात मारकर अदन फेंक दिया।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 86 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

118. इब्लीस का सातों आसमानों से पूरी तरह रोक दिया जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

सातों आसमानों तक चढ़ सकने वाले इब्लीस को ईसा के जन्म पर तीन आसमानों से और आप के जन्म पर सातों आसमानों से रोक दिया गया (आप सोमवार के दिन भोर के समय पैदा हुए)।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 87 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

119. क़ुरैश की मूर्ति का गिरना और हातिफ़ के शेर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जिस रात आप पैदा हुए, वरक़ा बिन नौफ़ल, ज़ैद बिन अम्र बिन नुफ़ैल, उबैदुल्लाह बिन जहश और उस्मान बिन हुवैरिस क़ुरैश की जिस मूर्ति के पास गए, उसे औंधे मुँह गिरा पाया; तीन बार सीधा करने पर भी वह हर बार ज़ोर से गिर पड़ी; इस पर उस्मान बिन हुवैरिस ने शेर कहे, और मूर्ति के भीतर से एक हातिफ़ ने शेरों में आप के जन्म की ख़बर दी।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 88-89 (Doğum gecesi görülen mucize ve hususiyetler)

120. अब्दुल मुत्तलिब का आप का नाम “मुहम्मद” रखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप के जन्म पर एक मेढ़ा ज़बह करके आप का अक़ीक़ा करने वाले दादा अब्दुल मुत्तलिब ने पूर्वजों के नाम छोड़कर आप का नाम “मुहम्मद” रखा और कारण यह बताया: “मैं चाहता था कि आसमान में अल्लाह और धरती पर लोग इनकी प्रशंसा करें।”

571 ईस्वी (जन्म के तुरंत बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 134 (Allah'ın isimlerinden isim verilmesi hususiyeti)

121. जिन्नों का कविता में जन्म का शुभ समाचार देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप के जन्म पर जिन्नों ने अबू क़ुबैस और हजून (जहाँ क़ुरैश अपने कपड़े भिगोते थे और जिसके नीचे क़ब्रिस्तान है) पर आप के जन्म का गुणगान और आप के वंश की प्रशंसा करने वाले शेरों से पुकार लगाई (अब्दुर्रहमान बिन औफ़ की रिवायत)।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. Mustafa Abdülkādir Atâ, Beyrut: Dârü'l-Kütübi'l-İlmiyye, 1408/1988; tek cilt), s. 93 (Ebvâbü bidâyeti nebiyyinâ, 21. bâb: Âmine onu doğururken olanlar)

122. दोनों आँखों के बीच चमकता नूर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप के चाचा अब्बास ने आप के जन्म पर आप के पास जाकर आप की दोनों आँखों के बीच एक चमकता हुआ नूर देखा।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1068 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

123. काबा का सजदा करना और मूर्तियों का गिरना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जन्म की रात आधी रात को काबा के पास रहे अब्दुल मुत्तलिब ने देखा कि काबा अपने चारों कोनों के साथ मक़ामे इब्राहीम की ओर सजदे में झुका, फिर सीधा होकर पुकारा: “अल्लाहु अकबर, मुहम्मद मुस्तफ़ा का रब! अब मेरे रब ने मुझे मुशरिकों की गंदगियों से पाक कर दिया”, और मूर्तियाँ धरती पर बिछ गईं।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 28 (fasl fî mevlidihî)

124. जन्म के बाद फ़रिश्तों का आना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जन्म के बाद अब्दुल मुत्तलिब ने आमिना के पास जाकर उनके माथे के नूर के बारे में पूछा; आमिना ने कहा: “मैंने उन्हें जन्म दे दिया; पक्षी उन्हें अपने घोंसलों में और बादल अपने पास ले जाना चाहते हैं”; जब उन्होंने बच्चे को देखना चाहा, तो कहा गया: “तीन दिन तक कोई उन्हें नहीं देख सकता”; जब वे तलवार खींचकर भीतर जाना चाहे, तो भीतर से निकले एक व्यक्ति ने कहा: “लौट जाओ; फ़रिश्तों की ज़ियारत पूरी होने तक आदम की संतान में से कोई उन्हें नहीं देख सकता”, और अब्दुल मुत्तलिब काँपते हुए बाहर निकल गए।

571 ईस्वी (जन्म)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 29 (fasl fî mevlidihî)

125. मूर्तियों का गिरना और आसमान से आई पुकार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप के जन्म पर काबा की मूर्तियाँ औंधे मुँह गिर पड़ीं और आसमान से एक पुकार सुनाई दी: “ऐ क़ुरैश! तुम्हारे पास सावधान करने वाला (नज़ीर) आ गया; उसके साथ स्थायी सम्मान और बड़ा लाभ है; वे नबियों में अंतिम हैं।”

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 31 (fasl fî mevlidihî)

126. ब्रह्मांड का नूर से भरना और सृष्टि की तस्बीह

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

अली के बयान के अनुसार आप के जन्म पर काबा की सारी मूर्तियाँ गिर पड़ीं, “हक़ आ गया और बातिल मिट गया” की आवाज़ सुनाई दी, उस रात सारी दुनिया रोशन हो गई, हर पत्थर, हर ईंट और हर पेड़ मुस्कुरा उठा, और आसमानों और धरती की हर चीज़ ने अल्लाह की तस्बीह की।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 31 (fasl fî mevlidihî)

127. जन्म की रात शैतान की चीख़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जन्म की रात शैतान ने अपने जीवन में मारी गई चार बड़ी चीख़ों में से एक चीख़ मारी।

571 ईस्वी (जन्म की रात)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "3- HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN DOĞUMU GECESİNDE MEYDANA GELEN HÂRİKULÂDE HÂDİSELER, MU'CİZELER (6. madde)" (kitabın dipnotu: Süheyli, Ravdu'l-ünüf, c:2, s:149)

06 · शैशव और दूध पिलाने वाली माँ हलीमा के पास (571–575 ईस्वी)

128. पालने में चाँद से बातें करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

आप पालने में चाँद से बातें करते थे, और आप की उँगली जिस ओर इशारा करती, चाँद उसी ओर झुक जाता; जब अब्बास ने यह याद दिलाया, तो आप ने फ़रमाया: “मैं उससे बात करता था और वह मुझसे बात करता था, वह मुझे रोने से बहलाता था; जब वह अर्श के नीचे सजदा करता, तो मैं उसकी आवाज़ सुनता था।”

571–572 ईस्वी (शैशव); रिवायत: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 91 (Beşikteyken ay ile söyleşmesi)

129. पालने में बोलना और फ़रिश्तों का पालना झुलाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

पैदा होते ही/पालने में आप बोले, आप का पालना फ़रिश्ते झुलाते थे, और आप के पहले शब्द थे: “अल्लाहु अकबर कबीरा, वल-हम्दु लिल्लाहि कसीरा, व सुब्हानल्लाहि बुकरतंव व असीला” (हलीमा ने जब आप का दूध छुड़ाया, तब भी आप ने यही कहा)।

571–573 ईस्वी (शैशव)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 91, 93 (Beşikte konuşması)

130. दूध-भाई के हक़ का ध्यान रखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप ने हलीमा का दायाँ स्तन पिया और बायाँ (दूध-भाई का हक़ समझकर) पीने से इनकार कर दिया।

571–573 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 100 (Süt emme döneminde görülen alâmetler) — Halime Hatun'un ailesinin Peygamberimiz Aleyhisselâm yüzünden hayra ve geçim bolluğuna kavuşması hadisesi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:172-173; Taberî, Târih, c:2, s:127; Beyhakî, Delâil, c:1, s:134;İbn Seyyid, Uyünu'l eser, c:1, s:33)

131. हलीमा के स्तनों का दूध से भर जाना

हसन (अच्छी) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

हलीमा के सूखे स्तन आप को लेते ही दूध से भर गए।

571–575 ईस्वी (दूध पिलाने वाली माँ हलीमा के पास)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.102; İbn Kesîr s.73; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl, no. 94; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 92, 97-98; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 105-107; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 81-82; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "4-PEYGAMBERLİĞİNDEN ÖNCE, ONUN NURÂNÎ ŞAHSİYETİYLE ALÂKALI İRHÂSÂT MU’CİZELERİ — Halime Hatun'un ailesinin Peygamberimiz Aleyhisselâm yüzünden hayra ve geçim bolluğuna kavuşması hadisesi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:172-173; Taberî, Târih, c:2, s:127; Beyhakî, Delâil, c:1, s:134;İbn Seyyid, Uyünu'l eser, c:1, s:33)

132. हलीमा की ऊँटनी और गधे में बरकत

हसन (अच्छी) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

हलीमा की बूढ़ी ऊँटनी दूध देने लगी और उनका दुबला गधा क़ाफ़िले से आगे निकल गया।

571–575 ईस्वी (दूध पिलाने वाली माँ हलीमा के पास)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.102; İbn Kesîr s.73; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 92; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 105-107; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 82; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 32; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "4-PEYGAMBERLİĞİNDEN ÖNCE, ONUN NURÂNÎ ŞAHSİYETİYLE ALÂKALI İRHÂSÂT MU'CİZELERİ — Halime Hatun'un ailesinin Peygamberimiz Aleyhisselâm yüzünden hayra ve geçim bolluğuna kavuşması hadisesi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:172-173; Taberî, Târih, c:2, s:127; Beyhakî, Delâil, c:1, s:134;İbn Seyyid, Uyünu'l eser, c:1, s:33)

133. अकाल के वर्ष में हलीमा की भेड़ों में बरकत

हसन (अच्छी) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

अकाल के वर्ष में हलीमा की भेड़ें भरे पेट और दूध से भरे थनों के साथ लौटती थीं।

571–575 ईस्वी (दूध पिलाने वाली माँ हलीमा के पास)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.102; İbn Kesîr s.73; web: Questions on Islam, "Events that Took Place..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 92, 98; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 105-107; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 82; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 32; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "4-PEYGAMBERLİĞİNDEN ÖNCE, ONUN NURÂNÎ ŞAHSİYETİYLE ALÂKALI İRHÂSÂT MU'CİZELERİ — Halime Hatun'un ailesinin Peygamberimiz Aleyhisselâm yüzünden hayra ve geçim bolluğuna kavuşması hadisesi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:172-173; Taberî, Târih, c:2, s:127; Beyhakî, Delâil, c:1, s:134;İbn Seyyid, Uyünu'l eser, c:1, s:33)

134. सीना चीरे जाने की पहली घटना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप का सीना चीरा गया और दिल से शैतान का हिस्सा निकाल दिया गया (पहला शक़्क़े सद्र)।

लगभग 575 ईस्वी (4–5 वर्ष की आयु में)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.331; web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, alâmâtü'n-nübüvve, 1. fasıl, no. 5852; Dârimî, Sünen, Mukaddime, bâbü keyfe kâne evvelü şe'ni'n-nebî, no. 13; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 569; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb fî evveli emrihî ve şerhi sadrihî, no 13841; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 93-96; c. 1, s. 109-110); ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 107-111; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 32; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Göğsünün Melekler Tarafından Yarılışı ve Tartılışı" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:175-176; Taberî, Târih, c:2, s:130; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:135,145-146); Kütüb-i Sitte: Müslim 162

135. बादल का आप पर छाया करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

दूध पिलाने वाली माँ हलीमा ने देखा कि जब आप उनके पास थे, एक बादल आप पर छाया करता था; यह बात आप के दूध-भाई से भी रिवायत की गई है।

571–575 ईस्वी (बनू साद के बीच)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

---

136. ज़ुल-मजाज़ के मेले में काहिन की चेतावनी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप की दूध पिलाने वाली माँ ने आप को ज़ुल-मजाज़ के मेले में एक काहिन को दिखाया; बच्चे को देखते ही काहिन चिल्लाया: “ऐ अरबो, इस बच्चे को मार डालो; अगर यह जीवित रहा तो तुम्हारे दीन को मिटा देगा”, और दूध पिलाने वाली माँ आप को लेकर भागीं और आप को बचा लिया।

लगभग 572–575 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 9. fasıl (hamilelik ve doğum alâmetleri), no. 79

---

137. हबशियों का नबूवत की निशानियाँ देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हलीमा के पास रहते हुए आप दो वर्ष की आयु में चार वर्ष के बच्चे की तरह विकसित हो गए; हबशा के (ईसाई) लोगों के एक दल ने आप के कंधों के बीच और आँखों की लालिमा को देखकर कहा: “यह एक नबी हैं, इन्हें अपने देश ले चलें”, और हलीमा आप को लेकर भाग गईं।

लगभग 573–575 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl (yetişmesi), no. 97

---

138. जिब्रील का आप का ख़तना करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जिब्रील ने आप का दिल पाक करते समय आप का ख़तना भी किया (अबू बकरा की रिवायत)।

बचपन, लगभग 575 ईस्वी

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü hitânihî, no 13853 (8/224)

---

139. उम्मत के दस लोगों से तौला जाना

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

सीना चीरे जाने के बाद फ़रिश्तों ने आप को आप की उम्मत के दस लोगों के साथ तौला और आप को भारी पाया।

लगभग 575 ईस्वी (4–5 वर्ष की आयु में)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 94, 96 (Süt emme döneminde görülen alâmetler)

---

140. हुज़ैल के अर्राफ़ (भविष्यवक्ता) का पागल हो जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हलीमा आप को हुज़ैल के जिस बूढ़े भविष्यवक्ता (अर्राफ़) के पास ले गईं, उसने चिल्लाकर कहा: “ऐ हुज़ैल, तुम्हारे देवता!”, और आप के बारे में बुरी बात कही; फिर वह पागल हो गया और काफ़िर की हालत में मरा।

लगभग 572–575 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 99 (Süt emme döneminde görülen alâmetler)

---

141. बचपन की घटनाओं के कारण यहूदियों का हत्या का षड्यंत्र

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जिन हलीमा को आप की माँ ने प्रसव के समय की देखी बातें बताई थीं, उनके पास से गुज़रते यहूदियों के एक दल ने बच्चे का हाल सुनकर आप को पहचान लिया और आप को मार डालने की बात करने लगा।

लगभग 571–575 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 99 (Süt emme döneminde görülen alâmetler)

---

142. मक्का में खो जाना और एक पेड़ के पास मिलना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

कअब की रिवायत: हलीमा जब आप को मक्का ला रही थीं और बड़े दरवाज़े के पास आप को ज़मीन पर रखा, तो एक ज़ोरदार शोर सुनाई दिया और आप खो गए; अब्दुल मुत्तलिब ने “या आले ग़ालिब” कहकर पुकारा और क़ुरैश के साथ हर जगह खोजा, काबा का तवाफ़ करके गिड़गिड़ाए: “मेरे रब, मेरे सवार मुहम्मद को मुझे लौटा दे”; आसमान से एक पुकारने वाले ने कहा: “मत रोओ; मुहम्मद का एक रब है, वह उन्हें अकेला नहीं छोड़ेगा और न नष्ट होने देगा; वे तिहामा की घाटी में यमन के पेड़ के पास हैं”, और आप वहाँ पेड़ की डालियाँ खींचकर खेलते हुए मिले।

लगभग 575 ईस्वी (हलीमा का आप को वापस लाना)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 112-113 (30. bâb: Halîme'nin onu Mekke'ye getirişi)

---

143. दूध छूटने के समय से फ़रिश्ते का साथ रहना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप का दूध छूटने के समय से अल्लाह ने अपने सबसे बड़े फ़रिश्तों में से एक को आप का साथी बना दिया; यह फ़रिश्ता दिन-रात आप को उच्च चरित्र का मार्ग और संसार के अच्छे गुण सिखाता था (अली: “मैं भी आप के पीछे ऐसे चलता था जैसे ऊँट का बच्चा अपनी माँ के पीछे; आप हर वर्ष हिरा में एकांत में चले जाते थे, मेरे सिवा आप को कोई नहीं देखता था”)।

लगभग 573–610 ईस्वी (बचपन से नबूवत तक)

स्रोत Nehcü'l-Belâğa, hutbe 192 (el-Kâsıa) — usul.ai neşrinde s. 474-475 (Subhî Sâlih neşrinde s. 300-302)

---

144. अबू तालिब के सीने से दूध उतरना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जन्म के बाद कई दिनों तक दूध न मिलने पर अबू तालिब ने आप को अपनी छाती से लगाया, अल्लाह ने वहाँ से दूध उतार दिया और हलीमा को सौंपे जाने तक आप कई दिनों तक उसी से दूध पीते रहे (अल-काफ़ी में जाफ़र सादिक़ से)।

571 ईस्वी (जन्म के बाद के पहले दिन)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 31 (fasl fî menşeihî)

---

145. रास्ते में नूरानी व्यक्ति और हिरनों का सलाम

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

हलीमा जब आप को ले जा रही थीं, तो रास्ते में एक व्यक्ति, जिसका नूर आसमान तक उठ रहा था, सामने आया, आप को सलाम किया और कहा: “अल्लाह ने मुझे इनकी रक्षा पर नियुक्त किया है”; रास्ते में मिले हिरनों के झुंड ने पुकारा: “ऐ हलीमा, तुम नहीं जानतीं कि तुम किसे पाल रही हो; ये पवित्रों में सबसे पवित्र हैं”; जिस घाटी में वे उतरते और जिस टीले पर चढ़ते, वह आप को सलाम करता।

571 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 32 (fasl fî menşeihî)

---

146. हलीमा के पास असाधारण स्वच्छता और फ़रिश्ते की रक्षा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

हलीमा के पास आप के कपड़े कभी गंदे नहीं होते थे, आप का सतर कभी नहीं खुलता था, और आप दिन में केवल एक बार (एक निश्चित समय पर) शौच जाते थे; हलीमा ने अपने बिस्तर पर आप के पास एक युवक (फ़रिश्ते) को आप के कपड़े ठीक करते देखा।

571–575 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 32 (fasl fî menşeihî)

07 · बचपन (575–583 ईस्वी)

147. सैफ़ बिन ज़ी यज़न का नबूवत का शुभ समाचार देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

यमन के शासक सैफ़ बिन ज़ी यज़न ने अब्दुल मुत्तलिब को ख़बर दी कि उनका पोता नबी होगा।

लगभग 573–575 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.335; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 50; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; Questions on Islam, "Glad Tidings..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 139; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 119-125; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 226, 236; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 114-115; c. 1, s. 129-130; c. 3, s. 1071-1073; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 62-65; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 20; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Yemen Hükümdarı Seyf b. Zî Yezen'in Yanında Sakladığı Bir Kitapta Peygamberimiz Aleyhisselâm Hakkında Yazılı Haberleri Abdulmuttalib'e Açıklayışı" (kitabın dipnotu: Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:95; Beyhakî, Delâil'ü Nübüvve c:2; s:9 / Ebu'l-Ferec, İbn Cevzî, el-Vefâ, c:1, s:12 / Süheylî, Ravdu'l-ünüf, c:2, s:88 / Ebu'l-Ferec İbn Cevzî, el-Vefâ, c:1, s:123 / Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s.95-97; Beyhakî, Delâil'ü- Nübüvve, c:2; s:10-12 / İbn Abdi Rabbih, Ikdu'l-Ferîd, c:2, s:27; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:98 / Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:98-99; Beyhakî, Delâil'ü Nübüvve c:2, s:10-13 / İbn Abdi Rabbih, Ikdu'l-Ferîd, c:2, s:27, Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:98, Beyhakî, Delâil, c:2, s:14; Ebu'l-Ferec, el-Vefâ, c:1, s: 128 / İbn Abdi Rabbih, Ikdu'l-Ferîd, c:2, s:27; Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:98; Beyhakî, Delâil, c:2, s:14; İbn Kuteybe, Kitâbu'l-maârif, s:278)

148. अब्दुल मुत्तलिब का आप के वसीले से वर्षा की दुआ करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

सूखे के समय आप के दादा अब्दुल मुत्तलिब ने आप को कंधे पर उठाकर दुआ की और बारिश हुई।

लगभग 577–578 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.341; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb fî kerâmeti aslihî, no 13837; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 136; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 118; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Abdulmuttalib Dedenin Yağmur Duası İçin Peygamberimiz Aleyhisselâmı Ebu Kubeys Dağına Omuzunda Çıkarışı" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:89-9o,102;Beyhakî, Delâil, c:2, s:15-17;Suyûtî, Hasâis, c:1, s:198; İbn Cevzî, el-Vefâ, c:1, s:120-121; Belâzurî, Ensâb, c:1, s:83)

149. अब्दुल मुत्तलिब की आप को अबू तालिब के हवाले करने की वसीयत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

धर्मगुरुओं से सुने निशानों के कारण अब्दुल मुत्तलिब ने मृत्यु के समय आप को अबू तालिब के सुपुर्द करने की वसीयत की।

लगभग 578–579 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.346; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 138; ayrıca: Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 61-62

150. अबू तालिब के लिए धरती से पानी निकालना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पानी से संबंधित मोजिज़े

प्यासे चाचा अबू तालिब के लिए आप ने (ज़ुल-मजाज़/अरफ़ात के पास) ज़मीन पर एड़ी मारकर पानी निकाला।

लगभग 580–590 ईस्वी

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.35; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 9. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 14. fasıl; Questions on Islam, "Miracles Concerning Water"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 207; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 128; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 45-46, no. 10/10

---

151. बादल की छाया और बहीरा की गवाही

हसन (अच्छी) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

अबू तालिब और क़ुरैश के सरदारों के साथ शाम की यात्रा में जब आप राहिब के पास आ रहे थे, तो एक बादल आप पर छाया किए हुए था; राहिब ने बताया कि अक़बा के पास पहुँचते समय सारे पेड़ और पत्थर आप को सजदा कर रहे थे और उसने आप के कंधे पर नबूवत की मुहर देखी, और इस तरह उसने आप की नबूवत की ख़बर दी।

नबूवत से पहले, अबू तालिब के साथ शाम की यात्रा (लगभग 582 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.350; 19. Mektup listesi (183.txt) no.159; 1000 Mucize no.208 (s.189); web: Tirmizî, Menâkıb, bâbü mâ câe fî bed'i nübüvveti'n-nebî, no. 3620; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl, no. 109; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 8. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 141-145; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 428; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 130-131 ve 137; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c. 2, s. 24-25; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 231; c. 17, s. 354-355; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 30; c. 1, s. 71-72; c. 1, s. 138; c. 3, s. 1084-1085; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 65-67; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 36-37; WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Rahip Bahîra'nın Kervan Halkına Ziyâfet Çekişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:153; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:168; Beyhakî, Delail'ü Nübüvve c:2, s:24-25; İbn Hacer,İsabe, c:1, s:176 / Beyhakî, Delâil'ü Nübüvve, c:2; s:24-25; İbn Hacer, İsâbe, c:1, s:176; Süheyî, Ravdu'l-ünüf, c:2, s:220; Mes'ûdî, Murûcu'z-zeheb, c:1. S:75); "Rahip Bahîra'nın Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkındaki Teşhisi ve Ebu Tâlib'i Uyarışı" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:11, s:155; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:170; Beyhakî, Delail'ü Nübüvve, c:2; s:27; Abdurrezzak, Musannef, c:5, s:318); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb 5 (3624) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5557, c./s. 15/373-374]

---

152. पेड़ की छाया का झुकना और राहिब की चेतावनी

हसन (अच्छी) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

शाम की यात्रा में क़ाफ़िले ने पेड़ की छाया घेर रखी थी; जब आप उनके पास पहुँचे, तो पेड़ की छाया आप की ओर झुक गई और राहिब ने कहा: "देखो, पेड़ इनकी ओर झुक गया"; राहिब ने चेतावनी दी कि रूमी इन्हें मार डालेंगे, इस पर अबू तालिब आप को वापस ले गए।

नबूवत से पहले, अबू तालिब के साथ शाम की यात्रा (लगभग 582 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.209 (s.189); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl, no. 108; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 142-143; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 131; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c. 2, s. 25; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Rahip Bahîra'nın Kervan Halkına Ziyâfet Çekişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:153; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:168; Beyhakî, Delail'ü Nübüvve c:2, s:24-25; İbn Hacer,İsabe, c:1, s:176 / Beyhakî, Delâil'ü Nübüvve, c:2; s:24-25; İbn Hacer, İsâbe, c:1, s:176; Süheyî, Ravdu'l-ünüf, c:2, s:220; Mes'ûdî, Murûcu'z-zeheb, c:1. S:75); "Rahip Bahîra'nın Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkındaki Teşhisi ve Ebu Tâlib'i Uyarışı" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:11, s:155; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:170; Beyhakî, Delail'ü Nübüvve, c:2; s:27;

Abdurrezzak, Musannef, c:5, s:318); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb 5 (3624) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5557, c./s. 15/373-374]

---

153. आप के साथ खाने पर अबू तालिब के परिवार का तृप्त होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) खाने से संबंधित मोजिज़े

बचपन में जब आप चाचा अबू तालिब और उनके परिवार के साथ खाना खाते, तो सब का पेट भर जाता और वे तृप्त हो जाते; आप के न होने पर खाते तो उनका पेट नहीं भरता था।

लगभग 578–590 ईस्वी (अबू तालिब के संरक्षण में)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

---

154. सुबह तेल लगे बालों और सुरमे वाली आँखों के साथ जागना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

अबू तालिब के दूसरे बच्चे सुबह बिखरे बालों और कीचड़ भरी आँखों के साथ उठते, जबकि आप तेल लगे बालों और सुरमा लगी आँखों के साथ उठते थे।

लगभग 578–590 ईस्वी (अबू तालिब के संरक्षण में)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

---

155. उम्मे ऐमन का आप को कभी भूख-प्यास की शिकायत करते न देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप की दाई उम्मे ऐमन ने कहा: “मैंने आप को न छोटेपन में और न बड़े होकर कभी भूख या प्यास की शिकायत करते देखा।”

बचपन और उसके बाद

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

---

156. मदीना के यहूदियों का पीठ की निशानी पहचानना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

छह वर्ष की आयु में आप अपनी माँ और उम्मे ऐमन के साथ मदीना में अपने ननिहाल (बनू अदी बिन नज्जार) से मिलने गए; यहूदियों ने आप को देखा और आप की पीठ पर निशान देखकर कहा: “यह इस उम्मत के नबी हैं; यह जगह इनकी हिजरत की जगह है”; आमिना डर गईं और लौट आईं।

लगभग 577 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl (yetişmesi), no. 99

---

157. बुवाना मूर्ति के पास जाने से बचाया जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

क़ुरैश जिस बुवाना मूर्ति की हर वर्ष ज़ियारत करते थे, उसके उत्सव में आप अपने चाचाओं और बुआओं के आग्रह पर गए और डरे हुए लौटे; आप ने बताया: “जब भी मैं मूर्ति के पास जाता, एक सफ़ेद, लंबे क़द का व्यक्ति चिल्लाता: ‘पीछे हटो, ऐ मुहम्मद, इसे मत छुओ’”, और इसके बाद आप उनके किसी उत्सव में नहीं गए।

नबूवत से पहले (बचपन/जवानी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl (ismet ve korunması), no. 129

158. इसाफ़ मूर्ति के पास खड़े होने से रोका जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

बचपन में जब आप अपने चचेरे भाइयों के साथ ज़मज़म के पास इसाफ़ मूर्ति के पास खड़े हुए, तो सिर आसमान की ओर उठाकर लौट आए और कहा: “मुझे इस मूर्ति के पास खड़े होने से मना किया गया है।”

नबूवत से पहले (बचपन)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl (ismet ve korunması), no. 130

159. काबा की मरम्मत में सतर खुलने से बचाया जाना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

बचपन में जब अबू तालिब ज़मज़म की मरम्मत कर रहे थे और आप पत्थर ढो रहे थे, आप ने अपनी तहबंद ऊपर उठाई तो बेहोश हो गए; होश आने पर आप ने कहा: “सफ़ेद कपड़ों वाला एक व्यक्ति आया और बोला: ‘अपना सतर ढको’”; इब्ने अब्बास ने इसे नबूवत का पहला देखा गया निशान माना।

नबूवत से पहले (बचपन)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl (ismet ve korunması), no. 135

160. दस वर्ष की आयु में दूसरी बार सीना चीरा जाना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

दस वर्ष और कुछ महीने की आयु में रेगिस्तान में आप के सिर के ऊपर दो व्यक्ति (जिब्रील और मीकाईल) प्रकट हुए; उन्होंने आप को ज़मीन पर लिटाकर बिना दर्द और बिना ख़ून बहाए आप का सीना चीरा, द्वेष और ईर्ष्या निकालकर उसकी जगह स्नेह और दया रख दी (उबई बिन कअब की अबू हुरैरा से रिवायत)।

मक्का के आसपास, लगभग 581 ईस्वी (10 वर्ष की आयु में)

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13843-13844 (8/222-223)

161. खोए ऊँटों के लिए अब्दुल मुत्तलिब की प्रार्थना

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

दादा अब्दुल मुत्तलिब ने खोए हुए ऊँट ढूँढने के लिए अपने बालक पोते को भेजा; उसके देर करने पर वे काबा का तवाफ़ करते हुए गिड़गिड़ाए: “मेरे रब, मेरे सवार मुहम्मद को मुझे लौटा दे”; जब आप ऊँटों के साथ लौटे, तो उन्होंने कहा: “मैंने इन्हें जिस काम के लिए भी भेजा, ये अवश्य सफल होकर लौटे” (किंदीर बिन सईद की अपने पिता से रिवायत)।

मक्का, लगभग 577–578 ईस्वी

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13854 (8/224)

162. मृत्यु-शय्या पर आमिना के शेर और जिन्नों का विलाप

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप की माँ आमिना ने मृत्यु-शय्या पर आप को देखते हुए ऐसे शेर कहे जिनका अर्थ था: “अगर मेरा सपना सच्चा है, तो तुम प्रतापी अल्लाह की ओर से लोगों की ओर भेजे जाओगे; तुम इब्राहीम के दीन के साथ भेजे जाओगे और मूर्तियों से दूर रहोगे”;

उनकी मृत्यु पर जिन्नों के विलाप करने की आवाज़ सुनी गई।

लगभग 577 ईस्वी (अबवा, 6 वर्ष की आयु में)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 135 (Annesinin vefatında görülen âyetler)

---

163. बचपन में अब्दुल मुत्तलिब की गद्दी पर बैठना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बचपन में आप काबा की छाया में अब्दुल मुत्तलिब के लिए बिछाई जाने वाली उस गद्दी पर बैठ जाते थे जिस पर उनके बेटे भी नहीं बैठते थे; जब चाचाओं ने आप को हटाना चाहा, तो अब्दुल मुत्तलिब ने कहा: “मेरे बेटे को छोड़ दो, इसकी बड़ी शान होगी; मुझे राज्य का आभास हो रहा है।”

लगभग 577–579 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 138 (Abdülmuttalib'in onun şanını bilmesi)

---

164. बनू मुदलिज का आप के पैर की उपमा इब्राहीम के पद-चिह्न से देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

पद-चिह्न पहचानने में कुशल बनू मुदलिज के एक समूह ने अब्दुल मुत्तलिब से कहा: “इस बच्चे की अच्छी तरह रक्षा करना; मक़ाम (इब्राहीम) के पद-चिह्न से इसके पैर से अधिक मिलता-जुलता पैर हमने कभी नहीं देखा।”

लगभग 577–579 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 138 (Abdülmuttalib'in onun şanını bilmesi)

---

165. नजरान के बिशप का आप को पहचानना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अब्दुल मुत्तलिब से बात करते हुए नजरान के बिशप ने कहा: “बनी इस्माईल में से बाक़ी रह गए नबी का वर्णन हम अपनी किताब में पाते हैं”; उसी समय आए बालक की आँखों, पीठ और पैरों को देखकर उसने कहा: “यही वे हैं”, और आप का वंश पूछा।

लगभग 577–579 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 138-139 (Abdülmuttalib'in onun şanını bilmesi)

---

166. अहले किताब के तीन लोगों के षड्यंत्र को बहीरा का विफल करना

हसन (अच्छी) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अहले किताब के तीन लोग (ज़रीर, तम्माम, दरीस) आप को मारने के इरादे से बहीरा के पास आए; बहीरा ने कहा: “अल्लाह जो चाहे, उस काम को कोई रोक नहीं सकता”, और किताबों में बताए आप के गुण याद दिलाकर उन्हें उनके इरादे से रोक दिया।

लगभग 582–583 ईस्वी (12 वर्ष की आयु में)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 144 (Ebû Tâlib'le Şam yolculuğu ve Bahîrâ haberi)

---

167. अबू तालिब का आप के चेहरे के वास्ते वर्षा की दुआ करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

मक्का में भीषण सूखे के समय क़ुरैश के अनुरोध पर अबू तालिब अपने भतीजे को, जिनका चेहरा सूरज की तरह चमक रहा था, साथ लेकर गए और उनकी पीठ काबा से टिका दी; बालक ने उँगली से इशारा किया तो बिना बादलों वाले आसमान में बादल इकट्ठा हो गए और घाटियों को भर देने वाली बारिश हुई; अबू तालिब ने यह शेर कहा: “वह गोरे मुखड़े वाले, जिनके चेहरे के वास्ते बादलों से बारिश माँगी जाती है।”

लगभग 580–590 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 146, 208 (Ebû Tâlib'in onunla yağmur duasına çıkması)

---

168. बालक अहमद को देखकर यहूदियों का डर जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अबू तालिब से माल लेने आए यहूदी उनके बालक भतीजे को देखकर डर गए और लौट गए, और पूछने वालों से कहा: “हमने एक बड़ी बात देखी: अहमद धरती पर चल रहे हैं।”

लगभग 580–590 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 146 (Ebû Tâlib'in onunla yağmur duasına çıkması)

---

169. उकाज़ के राहिब का आँखों के दर्द वाले बालक को पहचानना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सात वर्ष की आयु में मक्का में आप की आँखों में ऐसा तेज़ दर्द हुआ जिसका इलाज न हो सका; अब्दुल मुत्तलिब आप को उकाज़ की ओर एक राहिब के पास ले गए, जिसने कहा: “यह बच्चा इस उम्मत का नबी है”, और अहले किताब से आप की रक्षा करने की सलाह दी।

लगभग 578 ईस्वी (7 वर्ष की आयु में)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 98 (doğumundan vefatına olayların özeti bâbı)

---

170. मक्का आए काहिन की क़ुरैश को चेतावनी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अबू हाज़िम की रिवायत: जब आप पाँच वर्ष के थे, मक्का आए एक काहिन ने आप को देखकर कहा: “ऐ क़ुरैश, इस बच्चे को मार डालो; यह तुम्हें बाँट देगा और तुम्हें मारेगा”; अब्दुल मुत्तलिब आप को लेकर भाग गए, और क़ुरैश काहिन की बात से सदा चिंतित रहे।

लगभग 576 ईस्वी (5 वर्ष की आयु में)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 113 (30. bâb: Halîme'nin onu Mekke'ye getirişi)

---

171. अब्दुल मुत्तलिब की उम्मे ऐमन को वसीयत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

उम्मे ऐमन की रिवायत: अब्दुल मुत्तलिब ने दाई बरका (उम्मे ऐमन) को ताकीद की: “मेरे बेटे से असावधान न होना; अहले किताब कहते हैं कि मेरा बेटा इस उम्मत का नबी है।”

लगभग 577–579 ईस्वी

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 117 (32. bâb: Abdülmuttalib'in kefâleti)

---

172. शाम के रास्ते में बादल का फल बरसाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

अबू तालिब के साथ शाम की यात्रा में आप पर छाया करने वाला बादल समय-समय पर क़ाफ़िले पर तरह-तरह के फल बरसाता था।

लगभग 579 ईस्वी (8 वर्ष की आयु में)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1085 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

173. शाम के रास्ते में हौज़ों का भरना और बहुतायत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पानी से संबंधित मोजिज़े

उस रास्ते पर, जहाँ पानी की एक मशक दो दीनार में मिलती थी, उस यात्रा में वे जहाँ भी पड़ाव डालते, हौज़ भर जाते, पानी बहुत हो जाता और ज़मीन हरी हो जाती; उस वर्ष क़ाफ़िला समृद्धि में रहा।

लगभग 579 ईस्वी (8 वर्ष की आयु में)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1085 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

174. हाथ लगाकर न चलने वाले ऊँटों में जान डाल देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

अबू तालिब के साथ शाम की यात्रा में आप उन साथियों के ऊँटों के पास गए जिनके ऊँट चलना छोड़ चुके थे, उन्हें हाथ से छुआ और ऊँट चल पड़े।

लगभग 579 ईस्वी (8 वर्ष की आयु में)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1085 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

175. बहीरा के देखे फ़रिश्ते और निशानियाँ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

बहीरा ने क़ाफ़िले वालों से कहा: “तुम नहीं देखते, मैं देखता हूँ”, और बताया कि आप के आते समय उसने आप के आगे धरती और आकाश के बीच एक नूर देखा, और ऐसे फ़रिश्ते देखे जो हाथों में याक़ूत और ज़बरजद के पंखे लिए आप को हवा कर रहे थे और आप पर फल बरसा रहे थे; बादल आप से अलग नहीं होता था, और हवारियों के समय से सूखे पड़े हौज़ भर गए थे।

लगभग 579 ईस्वी (8 वर्ष की आयु में)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1087 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

176. शाम के महलों का हिलना और उठता नूर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब आप अबू तालिब के साथ शाम के निकट पहुँचे, तो शाम के सारे महल हिल उठे और उनसे सूरज की रोशनी से भी बड़ा एक नूर उठा; यह ख़बर फैल गई और सारे विद्वान और राहिब आप के पास इकट्ठा हो गए।

लगभग 579 ईस्वी (8 वर्ष की आयु में)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1090 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

177. विद्वान नस्तूरा का नबूवत की मुहर चूमना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शाम में नस्तूरा नाम का बड़ा विद्वान तीन दिन तक आप के सामने बैठकर आप को देखता रहा; तीसरी रात आप का नाम जानकर उसका रंग बदल गया; उसने आप की पीठ खुलवाई और नबूवत की मुहर देखकर उस पर गिर पड़ा, उसे चूमकर रोया और अबू तालिब से कहा: “इन्हें जल्दी इनके जन्मस्थान ले जाओ; अगर तुम जानते कि इस धरती पर इनके कितने शत्रु हैं, तो इन्हें यहाँ न लाते”; आप ने उसकी दी हुई क़मीज़ स्वीकार नहीं की।

लगभग 579 ईस्वी (8 वर्ष की आयु में)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1090-1091 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

178. अबू तालिब का रात को महसूस किया कस्तूरी-सुगंधित आवरण

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब अबू तालिब आप को अपने पास सुलाते, तो उन्हें अपने और आप के बीच एक ऐसी चादर मिलती जो उन्होंने नहीं रखी थी, जो हर कपड़े से कोमल और कस्तूरी की सुगंध वाली थी; रात को बिस्तर पर टटोलकर आप को न पाते, तो आप पुकारते: “मैं यहाँ हूँ, चाचा।”

लगभग 579–585 ईस्वी (अबू तालिब के संरक्षण में)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 35 (fasl fî menşeihî)

---

179. अबू तालिब की ज़बानी बचपन के गुण और नूर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

अबू तालिब के बयान के अनुसार: बचपन में आप खाना “बिस्मिल्लाहिल अहद” कहकर शुरू करते और “अल्हम्दुलिल्लाहि कसीरा” कहकर समाप्त करते; आप के सिर से आसमान तक फैला एक नूर देखा जाता; आप से कभी झूठ, जाहिलियत का कोई काम या बेमौक़ा हँसी नहीं देखी गई।

लगभग 579–585 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 35 (fasl fî menşeihî)

---

180. यहूदियों का हराम और संदिग्ध भोजन से परीक्षा लेना

गढ़ी हुई (मौज़ू) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जब आप सात वर्ष के थे, यहूदियों ने यह कहकर आप की परीक्षा ली: “हमारी किताबों में लिखा है कि उनका रब उन्हें हराम और संदिग्ध चीज़ों से बचाता है”: अबू तालिब के दस्तरख़्वान पर लाई गई छीनी हुई (हराम) मुर्ग़ी को आप ने हाथ नहीं लगाया, और जब उन्होंने उसे आप के मुँह में डालना चाहा तो उनके हाथ दूसरी ओर मुड़ गए; बिना क़ीमत चुकाई गई (संदिग्ध) दूसरी मुर्ग़ी से आप ने जो कौर उठाया, वह आप के हाथ से गिर गया; यहूदियों ने कहा: “यह एक बड़ा निशान है।”

लगभग 578 ईस्वी (सात वर्ष की आयु में)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 35 (fasl fî menşeihî)

181. फ़ातिमा बिंत असद के सूखे खजूर के पेड़ का हरा होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

फ़ातिमा बिंत असद के आँगन का सूखा खजूर का पेड़ बचपन में आप के हाथ लगाते ही हरा हो गया और ताज़ा खजूरें देने लगा; एक दिन जब खजूरें नहीं थीं, आप ने पेड़ की ओर मुड़कर कुछ कहा, तो पेड़ ने झुककर अपनी चोटी आप की ओर बढ़ा दी, और आप ने जितनी चाहीं खजूरें तोड़ लीं, फिर पेड़ अपनी जगह लौट गया।

लगभग 579–590 ईस्वी (अबू तालिब के घर में)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 36 (fasl fî menşeihî)

182. बहीरा के मठ का क़ाफ़िले की ओर चलना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब वे बुसरा के निकट पहुँचे, तो बहीरा का मठ (सौमआ) सवारी की तरह चलकर क़ाफ़िले के पास आया और रुक गया; राहिब ने आप को देखकर कहा: “अगर कोई है, तो वह आप ही हैं।”

लगभग 579–583 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 36-37 (fasl fî menşeihî)

183. बहीरा के पास के सूखे पेड़ का फल देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

बहीरा के पास आप जिस कम डालियों वाले, फलहीन सूखे पेड़ के नीचे उतरे, वह हिल उठा और अपनी डालियाँ आप पर झुका दीं, उसकी डालियाँ बढ़ गईं और उसने गर्मी-सर्दी के तीन तरह के फल दिए; हवारियों के समय से सूखे पड़े हौज़ भर गए।

लगभग 579–583 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 36-37 (fasl fî menşeihî)

184. बहीरा के लाए भोजन में बरकत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) खाने से संबंधित मोजिज़े

बहीरा केवल आप के लिए जो थोड़ा-सा खाना लाया था, उससे आप के “बिस्मिल्लाह, खाओ” कहने पर क़ाफ़िले के एक सौ सत्तर लोगों ने पेट भरकर खाया।

लगभग 579–583 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 37 (fasl fî menşeihî)

185. सात वर्ष की आयु में ईसाई व्यापारियों को डाँटना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जब आप सात वर्ष के थे, मक्का आए ईसाई व्यापारियों ने सफ़ा और मरवा के बीच आप को आप के गुणों से पहचान लिया और आप का और आप के पिता का नाम पूछा; फिर धरती और आसमान की ओर इशारा करके परीक्षा ली: “इनका रब कौन है?”; आप ने कहा: “अल्लाह”, और उन्हें डाँटा: “क्या तुम मुझे अल्लाह के बारे में संदेह में डालना चाहते हो?” (इब्राहीम के यक़ीन के समान)।

लगभग 578 ईस्वी (सात वर्ष की आयु में), मक्का

स्रोत Tabersî, el-İhticâc (thk. M. Bâkır el-Hursân, Necef: Matbaatü'n-Nu'mân 1386/1966), c. 1, s. 317 (İhticâcü Emîri'l-mü'minîn ale'l-Yehûd min ahbârihim... fî mu'cizâti'n-Nebî)

---

186. अज़्दे शनूआ के आइफ़ का हमारे नबी के बारे में निष्कर्ष

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

मक्का आए अज़्दे शनूआ क़बीले के एक आइफ़ (वेशभूषा और निशानों से पहचानने वाले भविष्यवक्ता) ने अबू तालिब द्वारा दूसरे बच्चों के साथ लाए गए बालक नबी ﷺ को देखकर आग्रह किया: “उस बच्चे को मेरे पास लाओ; अल्लाह की क़सम, आगे चलकर उसकी बड़ी शान होगी”; अबू तालिब ने आप को नहीं दिखाया और चुपके से घर ले गए।

लगभग 579–583 ईस्वी (अबू तालिब के संरक्षण में, बचपन)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Ezd-i Şenue'li Âif'in Peygamberimiz Aleyhisselâm Hakkındaki Teşhisi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c.1, s:190; Firuzâbâdî, Kâmusu'l-muhit, c:3, s:185)

---

187. बचपन में पत्थर ढोते समय सतर की रक्षा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

बचपन में क़ुरैश के बच्चों के साथ खेल में, जब सब अपनी तहबंद गर्दन पर लपेटकर पत्थर ढो रहे थे, किसी अदृश्य ने आप को एक दर्दनाक घूँसा मारकर कहा: “अपनी तहबंद कमर पर बाँधो!”, और साथियों में केवल आप ही ढके हुए पत्थर ढोते रहे।

नबूवत से पहले (बचपन, लगभग 575–583 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Her Türlü Kötülüklerden Korunarak Büyütülüşü (1. madde devamı)" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:194-195, Beyhakî, Delâil, c:2, s:30, 31)

---

188. बहीरा के लात और उज़्ज़ा वाले प्रश्न को ठुकराना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

बारह वर्ष की आयु में राहिब बहीरा ने आप की परीक्षा लेने के लिए कहा: “लात और उज़्ज़ा के वास्ते मेरे प्रश्नों का उत्तर दो”; आप ने उत्तर दिया: “लात और उज़्ज़ा के नाम पर मुझसे कुछ न पूछो; अल्लाह की क़सम, मुझे किसी चीज़ से इतनी घृणा नहीं जितनी इनसे है।”

लगभग 582–583 ईस्वी (12 वर्ष की आयु में, बहीरा से मुलाक़ात)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Her Türlü Kötülüklerden Korunarak Büyütülüşü (3. madde)" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:154, Beyhakî, Delâil, c:2, s:35)

08 · युवावस्था (583–609 ईस्वी)

189. नबूवत से पहले शिर्क और गुनाह से सुरक्षा

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

नबूवत से पहले आप ने मूर्तियों के नाम पर ज़बह किए गए पशुओं का मांस कभी नहीं खाया, किसी मूर्ति की पूजा नहीं की और कभी शराब नहीं पी; आप ने फ़रमाया: “मैं हमेशा जानता था कि वे जिस चीज़ पर हैं वह कुफ़्र है।”

नबूवत से पहले (571–610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 150, 152 (Gençliğinde câhiliye işlerinden korunması)

190. नींद में डालकर जाहिलियत के मनोरंजनों से बचाया जाना

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जवानी में जब आप ने जाहिलियत के मनोरंजनों में जाना चाहा, तो दोनों बार आप पर नींद डालकर आप की रक्षा की गई।

लगभग 585–595 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.357; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ismetihî mine'l-bâtıl, no 13864-13865; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 128; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 149-150; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Her Türlü Kötülüklerden Korunarak Büyütülüşü (5. madde)" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:153; İbn Kuteybe, Kitâbu'l-maârif, s:65)

191. फ़रिश्तों की छाया और नस्तूरा की गवाही

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

ख़दीजा के क़ाफ़िले में दो फ़रिश्तों/बादल ने आप पर छाया की और राहिब नस्तूरा ने गवाही दी (मैसरा का बयान)।

लगभग 595 ईस्वी (25 वर्ष की आयु में)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.389; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl, no. 110; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Questions on Islam, "Events that Took Place..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 154-155; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 141-143; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 308; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 139-141; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 38-39; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Rahip Nastura'nın Peygamberimiz aleyhisselâm Hakkındaki Teşhisi" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Ferec, el-Vefa, c:1, s:143; Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:173; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:1, s:218); "Busra'dan Mekke'ye Dönüş" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:130,156,157;İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:200)

192. काबा के निर्माण में सतर की रक्षा

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

काबा के निर्माण के समय जब आप ने अपनी तहबंद कंधे पर रखी, तो आप ज़मीन पर गिर पड़े और आप का सतर खुलने से बचा लिया गया।

लगभग 605 ईस्वी (35 वर्ष की आयु में)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.367; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 132-134; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 148-149; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Her Türlü Kötülüklerden Korunarak Büyütülüşü (2.

madde)" (kitabın dipnotu: Buhârî, Sahih, c:1, s:96, Müslim, Sahih, c:1, s:268); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Hacc 42, Salât 8, Menâkıbu'l-Ensâr 25; Müslim, Hayz 76 (340) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4591, c./s. 13/172]

---

193. सिदरा (बेरी) के पेड़ के नीचे बहीरा का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बीस वर्ष की आयु में आप अठारह वर्ष के अबू बक्र के साथ शाम की व्यापारिक यात्रा में एक सिदरा (बेरी) के पेड़ की छाया में बैठे; अबू बक्र जिस राहिब (बहीरा) के पास प्रश्न पूछने गए, उसने ख़बर दी कि आप नबी हैं, और अबू बक्र के दिल में पुष्टि बैठ गई।

लगभग 591 ईस्वी (20 वर्ष की आयु में)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 145 (Ebû Tâlib'le Şam yolculuğu ve Bahîrâ haberi)

---

194. शाम में मूर्तियों की क़सम खाने से इनकार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

शाम में ख़रीद-फ़रोख़्त में जिस व्यक्ति से आप का मतभेद हुआ, उसने कहा: “लात और उज़्ज़ा की क़सम खाओ”; आप ने उत्तर दिया: “मैंने उनकी क़सम कभी नहीं खाई”; उस व्यक्ति ने मैसरा से कहा: “यह वही नबी हैं जिनका वर्णन हम अपनी किताबों में पाते हैं।”

लगभग 595 ईस्वी (25 वर्ष की आयु में)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 154 (Hatice'nin malıyla Meysere ile yolculuğunda görülen âyetler)

---

195. मक्का के उत्सव में अहमद नाम के नबी का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

रजब में मक्का की स्त्रियाँ एक मूर्ति के पास जिस उत्सव में इकट्ठा होती थीं, उसमें एक व्यक्ति/आवाज़ ने पुकारा: “तुम्हारे नगर में अहमद नाम के एक नबी प्रकट होंगे; तुममें से जो उनकी पत्नी बन सके, बन जाए”; स्त्रियाँ उसे पत्थर मारकर भगा रही थीं, पर ख़दीजा चुप रहीं और यह बात मन में रख ली।

लगभग 595 ईस्वी से पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 155 (Hatice'nin malıyla Meysere ile yolculuğunda görülen âyetler)

---

196. बचपन से मूर्तियों और जाहिलियत से सुरक्षा

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

बचपन से ही आप के मन में मूर्तियों से घृणा डाल दी गई थी, और आप को जाहिलियत के कामों से दूर रखकर बचाया गया।

नबूवत से पहले (571–610 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

---

197. यात्रा में सूखे पेड़ का हरा होकर छाया देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

नबूवत से पहले की एक यात्रा में आप एक सूखे पेड़ के नीचे उतरे; उसके आसपास का क्षेत्र हरा-भरा होकर फूलों से भर गया, पेड़ में पत्ते निकल आए और उसने अपनी डालियाँ आप पर झुका दीं; वहाँ मौजूद लोगों ने इसे देखा।

नबूवत से पहले, एक यात्रा में

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

---

198. हजरे असवद रखने में पंच बनना

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

काबा के पुनर्निर्माण में हजरे असवद को उसकी जगह कौन रखे, इस पर क़बीले युद्ध के कगार पर पहुँच गए, तो वे इस पर राज़ी हुए कि दरवाज़े से जो पहले प्रवेश करे, वही निर्णय करे; प्रवेश करने वाले आप थे, और उन्होंने कहा: “अमीन आ गए”; आप ने पत्थर को एक चादर पर रखा, हर क़बीले के एक व्यक्ति से उसे पकड़वाया और अपने हाथ से उसकी जगह पर रख दिया।

लगभग 605 ईस्वी (35 वर्ष की आयु में)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl (yetişmesi), no. 113-115

---

199. फ़रिश्तों की बातें सुनकर शिर्क की रस्म छोड़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

नबूवत से पहले मुशरिकों के साथ एक रस्म में उपस्थित होने पर आप ने अपने पीछे दो फ़रिश्तों को बात करते सुना; एक ने कहा: “आओ, इनके पीछे खड़े हों”, दूसरे ने उत्तर दिया: “अभी-अभी तो इन्होंने मूर्तियों को छुए जाते देखा है, हम कैसे खड़े हों?”; इसके बाद आप फिर कभी उन रस्मों में शामिल नहीं हुए (जाबिर की रिवायत)।

मक्का, नबूवत से पहले

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13866 (8/226)

---

200. ज़ैद बिन हारिसा को मूर्तियाँ छूने से रोकना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

तवाफ़ में इसाफ़ और नाइला मूर्तियों को छूने वाले ज़ैद बिन हारिसा को आप ने यह कहकर रोका: “इसे मत छुओ”; स्वयं आप ने वह्य आने तक किसी मूर्ति को हाथ नहीं लगाया।

मक्का, नबूवत से पहले

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13867 (8/226)

---

201. जाहिलियत के दौर में अरफ़ात में ठहरना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जाहिलियत के दौर में जब क़ुरैश (हुम्स) मुज़दलिफ़ा में ठहरते थे, आप अल्लाह की तौफ़ीक़ से दूसरे लोगों के साथ अरफ़ात में वुक़ूफ़ करते देखे गए।

नबूवत से पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 152 (Gençliğinde câhiliye işlerinden korunması)

---

202. हजरे असवद का रखा जाना और नज्द का बूढ़ा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

हजरे असवद को उसकी जगह रखते समय नज्द का एक बूढ़ा आप को पत्थर पकड़ाना चाहता था; जब अब्बास ने पत्थर दे दिया, तो वह क्रोधित होकर चिल्लाया: “प्रतिष्ठित, बुद्धिमान और बुज़ुर्ग लोगों के रहते इन्होंने अपने सबसे कम उम्र वाले को

आगे कर दिया”; कहा गया कि वह इब्लीस था।

लगभग 605 ईस्वी (35 वर्ष की आयु में)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 153 (Gençliğinde kavminin onu yüceltmesi, hakem kılması ve "el-Emîn" demesi)

---

203. बिगड़ैल ऊँट का बैठ जाना और पानी का सूख जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

किशोरावस्था में आप अपने चाचा ज़ुबैर बिन अब्दुल मुत्तलिब के साथ यात्रा पर निकले; रास्ता रोकने वाला एक उद्दंड ऊँट आप के उसकी ओर बढ़ते ही बैठकर ज़मीन पर लेट गया; सामने आए पानी को अल्लाह ने सुखा दिया और वे पार हो गए; क़ुरैश ने कहा: “इस लड़के की कोई शान है।”

लगभग 585 ईस्वी (किशोरावस्था में)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 98 (doğumundan vefatına olayların özeti bâbı)

---

204. जवानी में देखे सपने और दिल का चीरा जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

उबैद बिन उमैर की रिवायत (अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर के प्रश्न पर): बीस वर्ष की आयु में आप ने अबू तालिब से शिकायत की: “मेरे पास कोई आता है, उसके साथ उसके दो साथी होते हैं”; अबू तालिब ने कहा: “यह सपना है”, फिर आप को मक्का में अहले किताब के एक चिकित्सा जानने वाले के पास ले गए; उस व्यक्ति ने जाँच करके कहा: “यह लड़का बिल्कुल पाक है, इसमें भलाई है; अगर यहूदियों को पता चला तो इसे मार डालेंगे”; फिर सपने में (घर की छत खुली और चाँदी की सीढ़ी से उतरे) दो व्यक्तियों ने आप का दिल निकाला और कहा: “कितना पाक दिल है; एक नेक व्यक्ति का, एक नबी का दिल”; ख़दीजा ने कहा: “अल्लाह आप के साथ भलाई ही करेगा।”

लगभग 591 ईस्वी (20 वर्ष की आयु में) और उसके बाद

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 138-139 (41. bâb: Yirmi yaşında meleklerle olan hâli ve Ebû Tâlib'e anlatması)

---

205. सपने में देखा शुभ समाचार और मक्का के विद्वान का निष्कर्ष

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

बीस वर्ष के क़रीब आप ने अपने चाचा को बताया कि सपने में एक व्यक्ति एक और के साथ आया और उन्होंने कहा: “क्या यह वही है? – वही है; जब यह बड़ा हो तो इसके अनुसार करना”, और फिर वह व्यक्ति जागते में भी आप को दिखाई दिया; अबू तालिब आप को मक्का की घाटी में एक चिकित्सक-विद्वान के पास ले गए, जिसने आप की जाँच करके कहा: “तुम्हारे भतीजे की बड़ी शान है; इसने जो पाया है वह वही नामूसे अकबर है जिसे नबियों ने पाया” (इमाम जाफ़र सादिक़ से)।

नबूवत से पहले (लगभग 590 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 83 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

206. शाम के क़ाफ़िले में रास्ता छोटा होना और बरकत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

ख़दीजा के शाम जाने वाले क़ाफ़िले में रास्ता छोटा हो गया (कई दिनों की दूरी एक रात में तय हो गई) और उस यात्रा में चालीस वर्षों के व्यापार से अधिक लाभ हुआ; मैसरा ने कहा: “जब हम उनके साथ खाना खाते, तो पेट भर जाने के बावजूद खाना जैसा था वैसा ही बचा रहता।”

लगभग 595 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 39 (fasl fî menşeihî)

---

207. छत से फेंका गया पत्थर और यहूदी की क्षमा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

(जवानी में) मैसरा के साथ खाना ख़रीदने आप यहूदियों के जिस मोहल्ले/क़िले में गए, वहाँ एक यहूदी ने आप को अपने घर बुलाया और अपनी पत्नी से छत से आप पर पत्थर गिरवाया; जिब्रील ने उतरकर पत्थर को अपने पंख से मारा, पत्थर दीवार को छेदकर चक्की के पाट की तरह यहूदी की गर्दन में फँस गया; होश आने पर उस व्यक्ति ने कहा: “मैं आप को मारना चाहता था; मुझे क्षमा कर दीजिए”, तो आप ने दया करके उसे क्षमा कर दिया और पत्थर उसकी गर्दन से अलग हो गया।

तिथि अनिश्चित (नबूवत से पहले, मैसरा के साथ)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 67 (fasl fî hıfzillâhi lehû mine'l-müşrikîn ve keydi'ş-şeyâtîn)

---

208. बिना बादल के वर्षा और धरती का हरा होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

जब आप भेड़ें चरा रहे थे, तो बिना बादल के आसमान से बारिश हुई, ज़मीन ने तुरंत घास उगा दी और आप ने अपनी भेड़ें उसी घास में चराईं (जाफ़र सादिक़ से उनके बेटे इस्माईल की रिवायत)।

नबूवत से पहले (बकरियाँ चराने के वर्ष), तिथि अनिश्चित

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 88, hadis no. 70/1 (bâb 1, fasıl 10: istiskâ ve bulutun gölgelemesi)

---

209. मैसरा की गवाही और खजूरों का न घटना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) खाने से संबंधित मोजिज़े

शाम की यात्रा से लौटे मैसरा ने ख़दीजा को बताया कि राहिब ने कहा था: “इस पेड़ के नीचे ईसा के बाद केवल एक नबी ही बैठेंगे”, और यह कि उनके साथ खाया गया खाना हमेशा बढ़ जाता था; ख़दीजा ने इसे परखने के लिए खजूरों की एक थाली मँगवाई और अपनी बहन हाला को बुलाया; सब के पेट भर जाने के बावजूद खजूरें बिल्कुल कम नहीं हुईं।

लगभग 595 ईस्वी (25 वर्ष की आयु में), मक्का

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 47, no. 12/1 (fasl: âyâtühû fi'l-et'ime ve'l-eşribe)

---

210. कवि ज़ुहैर का कविता कहने में असमर्थ हो जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने सौ वर्ष के कवि ज़ुहैर बिन अबी सुलमा को देखकर कहा: “ऐ अल्लाह, मुझे इसके शैतान से बचा”; इसके बाद ज़ुहैर मरते दम तक एक भी शेर न कह सका (अल-अग़ानी से)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 68 (Bâb 8: düşmanlarının şerrinden korunması)

---

211. टिड्डियों द्वारा हमलावरों का विनाश

गढ़ी हुई (मौज़ू) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

शाम की एक यात्रा में आप को मारने के लिए पीछे लगे दो सौ यहूदियों ने जब आप को अकेला पाकर तलवारें खींचकर हमला किया, तो अल्लाह ने आप के पैरों के नीचे की रेत से टिड्डियाँ निकाल दीं; टिड्डियों ने उन्हें खा लिया और एक भी व्यक्ति को बाक़ी न छोड़ते हुए नष्ट कर दिया।

शाम की यात्रा, नबूवत से पहले (रिवायत में तिथि नहीं)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 268 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

212. पद-चिह्न का इब्राहीम के पद-चिह्न जैसा होना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

लगभग बीस वर्ष की आयु में क़ुरैशियों ने पद-चिह्न और वेशभूषा पहचानने वाली एक काहिना स्त्री से पूछा: “मक़ाम वाले (इब्राहीम) से पद-चिह्न में हम में से कौन सबसे अधिक मिलता है?”; बारीक रेत पर बिछे कपड़े पर चलने पर उस स्त्री ने आप का पद-चिह्न देखकर कहा: “उनसे मिलने में तुममें सबसे निकट यह है”; इसके लगभग बीस वर्ष बाद आप नबी बनाकर भेजे गए।

लगभग 591 ईस्वी (20 वर्ष की आयु में)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın İzinin Makam'dakine En Çok Benzediği" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:332; İbn Mâce, Sünen, c:2, s:787 / Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:332); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 2350 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6717, c./s. 17/274-275]

---

213. दो फ़रिश्तों का आप पर छाया करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

बुसरा से लौटते समय दोपहर की गर्मी में मक्का में प्रवेश करते नबी ﷺ को अपने घर की ऊपरी मंज़िल पर नफ़ीसा बिंत मुन्या और दूसरी सहेलियों के साथ बैठी ख़दीजा ने इस हाल में देखा कि दो फ़रिश्ते आप पर धूप से छाया किए हुए थे; उन्होंने यह दृश्य अपनी सहेलियों को भी दिखाया और सब चकित रह गईं।

लगभग 595 ईस्वी (25 वर्ष की आयु में)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Busra'dan Mekke'ye Dönüş" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:130,156,157;İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:200)

09 · नबूवत से पहले: अहले किताब के विद्वानों, राहिबों और काहिनों के शुभ समाचार

214. सलमान को रामहुर्मुज़ की गुफा में मिला शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सलमान ने बचपन में रामहुर्मुज़ की एक पहाड़ी गुफा में बालों के कपड़े पहने एक लंबे क़द के व्यक्ति को देखा, जिसने ईसा के बाद आने वाले अहमद और उनके गुणों की ख़बर दी (वे तिहामा के पहाड़ों से निकलेंगे; उनके कंधों के बीच कबूतर के अंडे जैसी एक मुहर होगी, जिसके भीतर “अल्लाह एक है, मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” और बाहर “जहाँ चाहो जाओ, तुम विजयी हो” लिखा होगा)।

नबूवत से पहले (लगभग 580–600 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 37 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

215. यहूदी विद्वानों और राहिबों का आप के आने का शुभ समाचार देना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

यहूदी विद्वानों और ईसाई राहिबों ने अपनी किताबों में दिए गुणों के आधार पर आप के आने की ख़बर दी।

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.398; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 39; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz aleyhisselâmın İsim ve Sıfatlarının Ehl-i Kitab Nezdinde Belli Oluşu" (kitabın dipnotu: A’râf:157 / Bakara:146)

---

216. यहूदी यूशा का आने वाले नबी का शुभ समाचार देना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बनू अब्दुल अशहल के पड़ोसी यहूदी (यूशा) ने कहा: “अगर यह लड़का बड़ा हुआ, तो उस नबी को देखेगा।”

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.403; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 34; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 40; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 40-41; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Yahudilerin, Gelmesini Bekleyip Durdukları Peygamberi, Gelince İnkâr Etmeleri" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:417)

---

217. इब्नुल हय्यबान का शुभ समाचार और सअया के बेटों का ईमान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शाम के इब्नुल हय्यबान ने क़ुरैज़ा को नबी के प्रकट होने की ख़बर दी; इसी कारण बनू सअया मुसलमान हुए।

ख़बर: नबूवत से लगभग 2 वर्ष पहले; पूर्ति: हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.404; Beyhakî, Delâil c.3 s.136; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 42; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 386; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 49; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 1082-1083; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Muhammed aleyhisselâma Vahiy ve Peygamberlik Gelmeden Birkaç Yıl Önce Cereyan Eden Hâdiselerden Bazıları (1) + Şam'dan Medine'ye Gelen İbn Heyyeban'ın Yahudîlere Peygamberimiz aleyhisselâmın Geleceğini Haber Verişi ve Ona Uymayı Vasiyet Edişi + Üç Gencin Benî Kurayza Yahudîlerini Uyarmaları ve Müslüman Olmaları" (kitabın dipnotu:

Beyhakî, Sünenü'l-Kübrâ, c:9, s:114 / İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:227-228; C:2, s:165 / İbn İshak- İbn Hişam, Sîre, c:1, s:226-228); "Benî Kurayza Lideri Ka'b b. Esed'in İtirafları ve Benî Kurayza Yahudîlerine Teklifleri" (kitabın dipnotu: İbn İshak- İbn Hişam, Sîre, c:3, s:246-247; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:502); "Sa'ye Oğullarının Benî Kurayza Yahudîlerini Öğütlemeleri + Sa'lebe ve Esid'in Müslüman Olmaları" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:503; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:3, s:228; İbn Hacer, el-İsâbe, c:1, s:33 / İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:3, s. 227-228; İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:1, s:160-161)

---

218. अम्मूरिया के राहिब के सलमान को बताए तीन निशान

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अम्मूरिया के राहिब ने सलमान फ़ारसी को तीन निशान बताए (उपहार खाते हैं, सदक़ा नहीं खाते, कंधे पर मुहर है), और सलमान ने इन्हें अपनी आँखों से देखा।

ख़बर: नबूवत से पहले; पूर्ति: हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.406; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13899-13900; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 32; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 49; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 150; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 60; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 18-19; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Selman-ı Fârisî'nin Kendi Dilinden Dînî Hayatı ve Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:228-234; İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:4, s:75-79; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:S, s:441-443)

---

219. हिरक़्ल के ख़ज़ाने में नबियों के चित्र

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हिरक़्ल के ख़ज़ाने में पिछले नबियों के चित्रों के साथ आप का चित्र भी था, और यह सहाबा के एक दल को दिखाया गया।

अवलोकन: लगभग हिजरी 13 (634 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.321; 1000 Mucize no.829 (s.683); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 10, Kayser'e mektup bâbı; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kayser Herakliyus'un Çekmecesinde Sakladığı Peygamber Resimlerini İslâm Elçilerine Gösterişi" (kitabın dipnotu: Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:50-53; Zehebî, Târîh, s:529,532-535; Beyhakî, Delâil, c:1, s:386-387388; Dineverî, Kitâbu'l-ahbâr, s:18; Muhyiddin b. Arabî, Muhâdarâtu'l-ebrâr, c:1, s:100; Alâüddin Ali, Kenz, c:12, s:466-467-469; Ebu'l-Fidâ, Tefsîr, c:2, s:252 / A'râf: 157 / Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:50-53,54-55; Beyhakî, Delâil, c:1, s:386-387-388-389-390; Dineverî, Kitâbu'l-ahbâr, s:19; Alâüddin Ali, Kenz, c:12, s:471; Zehebî, Târîh, s:531)

---

220. क़ुस्स बिन साइदा का उकाज़ वाला ख़ुतबा

गढ़ी हुई (मौज़ू) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

क़ुस्स बिन साइदा ने उकाज़ में आने वाले नबी का शुभ समाचार देने वाला ख़ुतबा दिया।

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.411; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 55; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 49; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; Questions on Islam, "Glad Tidings..."; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 21, 23; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "İrhâsât Mu'cizeleri" (kitabın dipnotu: Aliyyü'l-Kari, Şerhu'ş-Şifa, c:1; s:740); "Kuss b. Sâide'nin Müjdeleri" (kitabın dipnotu: Kurtubî, el-Câmi'li ahkâmi'l-Kur'ân, c:16, s:145 / İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:315; Câhiz, el-Beyân ve't-tebyîn, c:I, s:52 / Mahmûd Şükrî el-Âlûsî, Bulûğu'l-ereb, c:2, s:245-246)

221. मठ के स्वामी का आने वाले नबी की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

एक मठ के स्वामी ने बताया कि नबी अरबों के निकट के एक क्षेत्र से प्रकट होंगे, और उनका नाम भी बताया।

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.411; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 40

222. एक ईसाई का उमय्या को नबी की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

एक ईसाई ने उमय्या बिन अबिस-सल्त को ख़बर दी कि एक नबी भेजे जाएँगे।

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.411; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13886-13887; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 41; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 45-48

223. जुहनी का आने वाले नबी पर ईमान लाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बेहोशी की हालत में जिसके पास (कोई) आया, वह जुहनी आने वाले नबी पर ईमान ले आया।

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.451

224. ज़ैद बिन अम्र का बनी इस्माईल से नबी की प्रतीक्षा करना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ज़ैद बिन अम्र बिन नुफ़ैल ने कहा: “मैं बनी इस्माईल में से एक नबी की प्रतीक्षा कर रहा हूँ”, और वरक़ा ने इसकी पुष्टि की।

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.455; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 52; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 43; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; Kütüb-i Sitte: Buharî, Bed'ü'l-Vahy, Enbiya 21, Tefsir, Alak Tabir 1; Müslim, İman 252, (160); Tirmizî, Menakıb 13, (3636) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5563, c./s. 15/389-390]

225. काहिन शाफ़ेअ बिन कुलैब की भविष्यवाणी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काहिन शाफ़ेअ बिन कुलैब ने पहले ही आप के आने की ख़बर दे दी।

नबूवत से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

226. काहिन शिक़्क़ का नबी का शुभ समाचार देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काहिन शिक़्क़ ने पहले ही आप के आने की ख़बर दे दी।

नबूवत से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

---

227. काहिन ख़ुनाफ़िर का नबी का शुभ समाचार देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काहिन ख़ुनाफ़िर ने पहले ही आप के आने की ख़बर दे दी।

नबूवत से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

---

228. अफ़आ नजरान का नबी का शुभ समाचार देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नजरान के काहिन अफ़आ नजरान ने पहले ही आप के आने की ख़बर दे दी।

नबूवत से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

---

229. काहिन जिज़्ल किंदी की भविष्यवाणी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काहिन जिज़्ल बिन जिज़्ल किंदी ने पहले ही आप के आने की ख़बर दे दी।

नबूवत से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

---

230. इब्ने ख़लसा दौसी की भविष्यवाणी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काहिन इब्ने ख़लसा दौसी ने पहले ही आप के आने की ख़बर दे दी।

नबूवत से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

---

231. साद बिन बिंत कुरैज़ की भविष्यवाणी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काहिन साद बिन बिंत कुरैज़ ने पहले ही आप के आने की ख़बर दे दी।

नबूवत से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

---

232. काहिना फ़ातिमा बिंत नुमान की भविष्यवाणी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काहिना फ़ातिमा बिंत नुमान ने पहले ही आप के आने की ख़बर दे दी।

नबूवत से पहले (जाहिलियत का दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

---

233. कअबुल अहबार का तौरात में हमारे नबी के गुण पाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

कअबुल अहबार ने तौरात के वे पन्ने खोले जिन्हें उनके पिता ने मरते समय मुहर लगाकर/दीवार में चुनकर छिपा दिया था, तो उनमें यह वर्णन पाया: “मुहम्मद अल्लाह के रसूल, ख़ातमुन नबिय्यीन; जन्म मक्का में, हिजरत तैबा को”, और आप की उम्मत की विशेषताएँ भी; वे उमर के दौर में मुसलमान हुए।

खोज: नबूवत से पहले; इस्लाम क़बूल करना: लगभग हिजरी 17

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 25 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

---

234. अब्दुल्लाह बिन सलाम और पुरानी किताबों का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अब्दुल्लाह बिन सलाम ने बताया कि उन्होंने अपनी पढ़ी हुई किताबों में लिखा देखा: “मक्का में एक झंडा उठाया जाएगा; अल्लाह उसके और उसके धारक के साथ है, वह उसे सभी नगरों पर प्रभुत्व देगा।”

नबूवत से पहले की किताबें; रिवायत: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 27 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

---

235. अनाथ सहल का इंजील में हमारे नबी का वर्णन पढ़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मरीस के निवासी ईसाई अनाथ सहल (ग़ुसैमा के आज़ाद किए हुए) ने अपने चाचा की इंजील में गोंद से चिपकाया हुआ पन्ना खोलकर आप का वर्णन पढ़ा (मध्यम क़द, गोरे, दो चोटियों वाले, कंधों के बीच मुहर, सदक़ा स्वीकार नहीं करते, गधे और ऊँट पर सवारी करते हैं, नाम अहमद); चाचा ने उसे मारा और कहा: “वह अभी आए नहीं।”

नबूवत से पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 28 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

---

236. ख़ैबर के यहूदियों की नबी के वास्ते विजय की दुआ

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ग़तफ़ान से युद्धों में हारने पर ख़ैबर के यहूदियों ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, जिस उम्मी नबी मुहम्मद को आख़िरी ज़माने में भेजने का तूने वादा किया है, उनके वास्ते हमारी सहायता कर”, और वे विजयी हुए; पर जब आप भेजे गए, तो उन्होंने इनकार कर दिया।

नबूवत से पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 39 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

237. अबू बक्र का उमय्या से नबी का वर्णन सुनना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अबू बक्र ने काबा के आँगन में ज़ैद बिन अम्र बिन नुफ़ैल के साथ बैठे हुए उमय्या बिन अबिस-सल्त से सुना कि प्रतीक्षित नबी वंश की दृष्टि से अरबों के सबसे बीच के घराने से होंगे और अत्याचार नहीं करेंगे; नबूवत के आरंभ में वे तुरंत ईमान ले आए।

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 42 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

238. मूसिल के राहिब का ज़ैद बिन अम्र को शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ज़ैद बिन अम्र बिन नुफ़ैल और वरक़ा बिन नौफ़ल सच्चे दीन की खोज में मोसुल के जिस राहिब के पास पहुँचे, उसने ज़ैद से कहा: “लौट जाओ, तुम जिसे खोज रहे हो वह तुम्हारी धरती पर प्रकट होने वाला है।”

नबूवत से पहले (लगभग 595–605 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 42 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

239. जज़ीरा के बूढ़े का ज़ैद को शुभ समाचार

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ज़ैद बिन अम्र बिन नुफ़ैल ने आप को (नबूवत से पहले) बताया कि जज़ीरा में एक बूढ़े ने उनसे कहा: “तुम्हारे नगर से एक नबी प्रकट हो चुके हैं या होने वाले हैं; उनका तारा उदय हो चुका है, लौटो और उन पर ईमान लाओ।”

नबूवत से पहले (लगभग 600–605 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 42 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

240. शाम के राहिब का ज़ैद बिन अम्र को नबी का शुभ समाचार देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शाम में एक राहिब ने ज़ैद बिन अम्र से कहा: “तुम इब्राहीम के दीन की खोज में हो; अपने नगर लौट जाओ, तुम्हारी क़ौम में से एक नबी हनीफ़ दीन के साथ भेजे जाएँगे।”

नबूवत से पहले (लगभग 595–605 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 43 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

241. अम्र बिन अबसा को दिया गया नबूवत का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जाहिलियत में मूर्तियों से मुँह मोड़ने वाले अम्र बिन अबसा सुलमी से अहले किताब के एक व्यक्ति ने कहा: “मक्का से एक व्यक्ति निकलेगा, जो अपनी क़ौम की मूर्तियों से मुँह मोड़ेगा और सबसे श्रेष्ठ दीन लाएगा”; अम्र मक्का से आने वालों से पूछते-पूछते आप तक पहुँचे और ईमान ले आए।

ख़बर: नबूवत से पहले; पूर्ति: लगभग 611–613 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 44 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

242. मालिक बिन सिनान की सुनी नबूवत की निशानियाँ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मालिक बिन सिनान (अबू सईद ख़ुदरी के पिता) ने बनू अब्दुल अशहल में यहूदी यूशा से यह बात सुनी: “हरम से अहमद नाम के एक नबी के प्रकट होने का समय निकट आ गया है; वे मध्यम क़द के हैं, उनकी आँखों में लालिमा है, तलवार उनके कंधे पर है, और यह जगह उनकी हिजरत की जगह है”, और क़ुरैज़ा में ज़ुबैर बिन बाता से यह सुना: “वह लाल तारा उदय हो गया है जो केवल किसी नबी के प्रकट होने पर उदय होता है।”

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 46 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

243. अबू बक्र की पेड़ से सुनी आवाज़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जाहिलियत में अबू बक्र एक पेड़ के नीचे बैठे थे कि एक डाली उनके सिर तक झुक आई और पेड़ से एक आवाज़ सुनाई दी: “यह नबी अमुक समय प्रकट होंगे; उनके साथ सबसे सौभाग्यशाली तुम बनो।”

नबूवत से पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 51 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

---

244. यमन के विद्वान का अबू बक्र को पहचानना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नबूवत से पहले अबू बक्र यमन में अज़्द के जिस 390 वर्ष के, किताबें पढ़े हुए विद्वान के मेहमान बने, उसने कहा: “हरम में एक नबी भेजे जाएँगे, उनकी सहायता एक युवक और एक प्रौढ़ व्यक्ति करेगा; प्रौढ़ व्यक्ति गोरा, दुबला है और उसके पेट पर एक तिल है”, और उनके पेट पर काला तिल देखकर कहा: “काबा के रब की क़सम, वह तुम ही हो।”

नबूवत से पहले (लगभग 605–610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 52 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

---

245. शाम के राहिब का उमर से अभय-वचन लेना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जाहिलियत में उमर ने शाम में जिस मठ में शरण ली, उसके राहिब ने किताबों में दिए वर्णन से उन्हें पहचान लिया और कहा: “तुम ही वह व्यक्ति हो जो हमें इस मठ से निकालेगा और इस देश पर शासन करेगा”, और अपने मठ के लिए उनसे लिखित अमान ले ली; उनकी ख़िलाफ़त में जब वे शाम आए, तो राहिब वह लेख लेकर आया।

लेख: नबूवत से पहले; प्रस्तुति: हिजरी 16–17 (637–638 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 52 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

---

246. काहिन मामून का नबी की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

160 वर्ष के तुफ़ैल बिन ज़ैद हारिसी ने उमर को बताया कि काहिन मामून बिन मुआविया ने जाहिलियत में नबी की ख़बर दी थी और कहा था: “काश, मैं उन्हें पा लेता”; और यह भी बताया कि जब उन्होंने तिहामा में यह ख़बर सुनी, तो कहा: “यही वह है जिसकी ख़बर मामून ने दी थी”, और मुसलमान हो गए।

ख़बर: नबूवत से पहले; रिवायत: उमर की ख़िलाफ़त

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 61 (kâhinlerin haber vermesi bâbı)

---

247. मक़ामे इब्राहीम के नीचे मिला लेख

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

क़ुरैश को मक़ामे इब्राहीम के नीचे एक लेख मिला; जिस हिमयरी व्यक्ति से उन्होंने उसे पढ़वाया, उसने कहा: “इसमें एक ऐसी बात है कि अगर मैं बताऊँ तो तुम मुझे मार डालोगे”; वे समझ गए कि यह मुहम्मद का ज़िक्र है और उसे छिपा लिया।

नबूवत से पहले (काबा का पुनर्निर्माण, लगभग 605 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 62 (eski taşlarda adının bulunması bâbı)

---

248. काबा में मिले खुदे पत्थर का लेख

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काबा के पहली बार गिराए जाने पर मिले एक खुदे हुए पत्थर पर यह लेख पढ़ा गया: “मेरा चुना हुआ, भरोसा करने वाला बंदा; जन्म मक्का में, हिजरत तैबा को; टेढ़ी क़ौम को सीधा किए बिना नहीं जाएगा; उसकी उम्मत हम्द करने वाली है।”

नबूवत से पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 62 (eski taşlarda adının bulunması bâbı)

---

249. यहूदियों की विजय की दुआ और सूरह अल-बक़रह की आयत 89

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

नबूवत से पहले यहूदी औस और ख़ज़रज के विरुद्ध “प्रकट होने वाले नबी” के वास्ते विजय की दुआ करते थे; जब आप अरबों में से भेजे गए, तो उन्होंने इनकार कर दिया; मुआज़ बिन जबल और बिश्र बिन बरा ने उन्हें यह बात याद दिलाई, और सूरह अल-बक़रह की आयत 89 उतरी।

नबूवत से पहले; आयत: मदनी दौर

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl (önceki kitaplar, kâhinler ve meliklerin beklentisi), no. 43

---

250. चार लोगों का अपने बेटों का नाम मुहम्मद रखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अदी बिन रबीआ, सुफ़यान बिन मुजाशेअ, यज़ीद बिन अम्र बिन रबीआ और उसामा बिन मालिक जब शाम में इब्ने जफ़्ना के पास जा रहे थे, तो एक मठ के राहिब ने कहा: “तुम्हारे बीच से जल्द ही मुहम्मद नाम के एक नबी भेजे जाएँगे”; चारों ने अपने यहाँ पैदा हुए बेटों का नाम मुहम्मद रखा।

नबूवत से पहले (लगभग 570–600 ईस्वी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl (önceki kitaplar, kâhinler ve meliklerin beklentisi), no. 49

---

251. पुराने पत्थरों पर “मुहम्मद मुस्लिहुन अमीन” का लेख

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

पुरानी लिपि में लिखे पत्थरों और क़ब्रों के पत्थरों पर “मुहम्मद मुस्लिहुन अमीन” (मुहम्मद सुधारक और अमानतदार हैं) वाक्य मिला, और इसे देखने वालों में से कुछ ईमान ले आए।

नबूवत से पहले (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Questions on Islam, "Glad Tidings..." — Bazı Mezar Taşlarında “Muhammedün Muslihun Emîn’e Selâm Olsun” Yazılı Olması" (kitabın dipnotu: Kadı Iyâz, eş-Şifâ, c:1, s:467)

---

252. जुन्दअ बिन सुमैल के पास आया हातिफ़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जुन्दअ बिन सुमैल के पास एक आने वाले (हातिफ़) ने आकर कहा कि मूर्तियों को छोड़ दो और उस नबी का अनुसरण करो जो जल्द ही हरम से प्रकट होंगे और अरब और अजम पर शासन करेंगे; जिस चचेरे भाई राफ़ेअ बिन ख़िदाश को उन्होंने यह बताया, वह हिजरत के बाद आकर मुसलमान हुआ।

नबूवत से पहले; इस्लाम क़बूल करना: हिजरत के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 182 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

---

253. ख़ालिद बिन सईद का नूरानी सपना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नबूवत से पहले ख़ालिद बिन सईद ने सपने में देखा कि मक्का को ऐसे अंधेरे ने ढक लिया है कि पहाड़ और मैदान पहचाने नहीं जाते; ज़मज़म से दीपक की रोशनी जैसा एक नूर निकला और ऊपर उठकर पहले काबा को, फिर पूरे मक्का को, फिर यसरिब के खजूर के बाग़ों को रोशन कर दिया; और उन्होंने नूर के भीतर से ये आवाज़ें सुनीं: “सुब्हानहू, सुब्हानहू... उम्मियों के नबी आ गए, किताब अपनी नियत अवधि पर पहुँच गई।”

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 609–610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 204 (Hâlid b. Saîd b. Âs'ın rüyası)

---

254. बतहा में यात्री का नबूवत की मुहर देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नबूवत से पहले बतहा में आप को मिले दो यात्रियों में से एक ने पूछा: “क्या इस नगर में अहमद नाम का कोई है?”, और उत्तर मिला: “मेरे सिवा न कोई अहमद है न मुहम्मद”; तब वह अपने ऊँट से उतरा, आप का कंधा खोलकर दोनों कंधों के बीच की मुहर देखी और कहा: “मैं गवाही देता हूँ कि आप अल्लाह के रसूल हैं; आप अपनी क़ौम की गर्दनें मारने के लिए भेजे जाएँगे”, और आप से रास्ते का भोजन और क़यामत में पहचान के लिए दुआ माँगी (ज़ैद बिन सल्लाम के दादा अबू सल्लाम से)।

नबूवत से पहले

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 126 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

255. सलमान की शीराज़ में सुनी आवाज़ और देखा लेख

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सलमान (रूज़बेह) के बयान के अनुसार शीराज़ में ईद के दिन उन्होंने एक मठ से आवाज़ सुनी: “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं, ईसा रूहुल्लाह हैं, मुहम्मद हबीबुल्लाह हैं”, और मुहम्मद का प्रेम उनके भीतर उतर गया; ईद से लौटने पर उन्होंने अपने घर की छत पर लटका एक लेख पढ़ा: “यह आदम से अल्लाह का वचन है: वह उनकी पीठ से मुहम्मद नाम के एक नबी पैदा करेगा, जो अच्छे चरित्र का आदेश देंगे और मूर्ति-पूजा से रोकेंगे; ऐ रूज़बेह, ईसा के वसी के वसी के पास जाओ।”

नबूवत से पहले (लगभग 580–600 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1078-1079 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

256. सलमान का कुएँ से बचाया जाना और अरबी सीखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

मुहम्मद के प्रेम से न हटने के कारण जिन सलमान को उनके माता-पिता ने कुएँ में डाल दिया, उन्हें उसी दिन अरबी सिखा दी गई; उनकी दुआ “तूने मुझे मुहम्मद और उनके वसी का प्रेम दिया, उनके वास्ते मेरी मुक्ति जल्दी कर” पर सफ़ेद कपड़ों वाला एक व्यक्ति आया, उनका हाथ पकड़कर कुएँ से निकाला और मठ तक ले गया।

नबूवत से पहले (लगभग 580–600 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1080 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

257. राहिबों का सलमान को नबी के गुण बताना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सलमान का नाम लेकर स्वागत करने वाले मठ के राहिब ने मरते समय उन्हें अंताकिया के राहिब के पास भेजा और एक तख़्ती दी जिस पर मुहम्मद के गुण लिखे थे; अंताकिया के राहिब ने भी उन्हें मुहम्मद और उनके वसी के गुण सिखाए और मरते समय कहा: “मुहम्मद बिन अब्दुल्लाह के प्रकट होने का समय आ गया है।”

नबूवत से पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1080 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

258. बहीरा का रोना और भविष्य की ख़बरें

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

विदा होते समय बहीरा ने रोते हुए कहा: “ऐ आमिना के बेटे, मानो मैं देख रहा हूँ कि अरब एक ही कमान से तुम पर तीर चला रहे हैं और रिश्तेदारों ने तुम्हें छोड़ दिया है”; उसने अबू तालिब को बताया कि वे खुलकर ईमान नहीं ला सकेंगे, पर उनका एक बेटा पैदा होगा जो खुलकर ईमान लाकर आप की सहायता करेगा और दो शहीदों का पिता होगा; उसने यह भी ख़बर दी कि आप लात और उज़्ज़ा को तोड़ेंगे, काबा की कुंजियाँ जहाँ चाहेंगे रखेंगे, और अरब और अजम आप का अनुसरण करेंगे, और कहा: “इन्हें यहूदियों से बचाओ, इन्हें इनके देश ले जाओ।”

ख़बर: लगभग 579 ईस्वी; पूर्ति: 610–630 ईस्वी

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1088-1090 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

259. शाम की यात्रा में राहिबों के सरदार की गवाही

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शाम की यात्रा में क़ाफ़िले में शामिल ख़ालिद बिन असीद बिन अबिल ईस और तलीक़ बिन अबी सुफ़यान बिन उमय्या ने बताया कि उन्होंने रास्ते भर जंगली जानवरों और पक्षियों का आप के प्रति व्यवहार देखा; बुसरा के बाज़ार में पीले चेहरों वाले, काँपते राहिब उन्हें बड़े गिरजाघर में अपने प्रमुख के पास ले गए; हाथ में किताब लिए प्रमुख ने कहा: “तुम उसे नहीं लाए जिसे मैं खोज रहा हूँ”, और जब उसे पता चला कि बनू हाशिम में से “अबू तालिब का यतीम” भी आया है, तो वह बेहोश होने को हो गया; बाज़ार में आप को देखकर उसने पहचान लिया, “आप धन्य हैं” कहकर आप के निशानों के बारे में पूछा, और कहा: “अगर मैं इनका समय पाता, तो तलवार का हक़ अदा करता; जीवन और मृत्यु इन्हीं के साथ है, जो इनसे जुड़ेगा वह जिएगा, जो मुँह मोड़ेगा वह मरेगा”, और आप का चेहरा चूमा।

लगभग 579–595 ईस्वी (शाम की यात्रा)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1091-1093 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

260. राहिब अबुल मुवैहिब की बुसरा में गवाही

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जिस वर्ष आप ख़दीजा की ओर से शाम गए, बुसरा में अबुल मुवैहिब नाम के राहिब ने क़ुरैशी व्यापारियों अब्दे मनात बिन किनाना और नौफ़ल बिन मुआविया से पूछा: “क्या तुम्हारे साथ क़ुरैश में से कोई और आया है?”; उत्तर मिला: “बनू हाशिम का मुहम्मद नाम का एक युवक, जो ख़दीजा का कर्मचारी है”; उसने कहा: “मैं उसी को खोज रहा था”, और बाज़ार से आप को आते देखकर बोला: “वही, वही!”; उसने कुछ देर आप से अकेले में बात की, आप की आँखों के बीच चूमा और ख़बर दी: “अल्लाह की क़सम, यह इस ज़माने के नबी हैं।”

लगभग 595 ईस्वी (25 वर्ष की आयु में)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1093-1095 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

261. बनू नज़ीर का मुहम्मद बिन मसलमा को आने वाले नबी की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नबूवत से पहले बनू नज़ीर के यहूदियों ने, जिन्होंने मुहम्मद बिन मसलमा को यहूदी बनने का प्रस्ताव दिया था, उन्हें आने वाले नबी के गुण बताए (शरीअत वाले और योद्धा, आँखों में लालिमा, यमन की ओर से आएँगे, ऊँट पर सवारी करेंगे, तलवार गले में लटकी होगी, हिकमत से बोलेंगे) और यह भी कि उनके इलाक़े में लड़ाइयाँ होंगी; हिजरी 4 में दूत बनकर आए मुहम्मद बिन मसलमा ने यह याद दिलाया, तो उन्होंने यह बात कहने का इक़रार किया।

ख़बर: नबूवत से पहले (लगभग 600–610 ईस्वी); स्वीकारोक्ति: बनू नज़ीर, हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kinâne b. Suriya'nın Benî Nadîr Yahudîlerini Uyarışı ve Öğütleyişi" (kitabın dipnotu: Taberî, Târîh, c:3, s:37; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:492-493)

10 · पहली वह्य और नबूवत की शुरुआत (610 ईस्वी)

262. शैतानों का आसमान से ख़बरें चुराने से रोका जाना और काहिनी का अंत

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नबूवत के आरंभ के साथ जिन्नों और शैतानों का आसमान से ख़बरें चुराना तारों (उल्काओं) से रोक दिया गया और कहानत समाप्त हो गई।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.582; 19. Mektup listesi (183.txt) no.80; 1000 Mucize no.175 (s.152); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 184-186; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 226; c. 17, s. 356-357; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 508-509; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 92-93; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kehânet ve Çeşitleri" (kitabın dipnotu: İbn Esîr, Nihâye, c:4, s:214; Taberî, Tefsîr, c:1, s:444. / Cin: 8-9); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Tefsir, Cin (3321); Buhârî 773; Müslim 449 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5562]

263. मक्का में एक पत्थर का नबी ﷺ को सलाम करना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

नबी बनने से पहले मक्का में एक पत्थर आप को सलाम करता था।

नबूवत से कुछ समय पहले (लगभग 600–610 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.60; 19. Mektup listesi (183.txt) no.42; 1000 Mucize no.96 (s.72); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, alâmâtü'n-nübüvve, no. 5853; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 571; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü teslîmi'l-haceri ve'ş-şeceri aleyhi, no 13955-13956; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6482; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 165; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 137, 419, 454, 456; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 156; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 368, 372, 380; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 46; c. 2, s. 494; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 80; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Muhammed aleyhisselâma Vahiy ve Peygamberlik Gelmeden Birkaç Yıl Önce Cereyan Eden Hâdiselerden Bazıları (3)" (kitabın dipnotu: Zehebî, Târıh, s:125,129-130; Zürkânî, Mevâhibu'l-ledünniye Şerhi, c:1, s:219; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:1, s:361; Diyarbekrî, Hamis, c:1, s:221) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "AĞAÇLARIN, TAŞLARIN HZ, MUHAMMED ALEYHİSSELÂMA SELÂM VERMELERİ İLE ALÂKALI MU'CİZELER" (kitabın dipnotu: Zehebî, Târıh, s:125,129-130;); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezail 2, (2277); Tirmizî, Menakıb 7, (3628) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5587, c./s. 15/440]

264. वह्य से पहले छह महीने सच्चे सपने देखना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

वह्य से पहले छह महीने तक आप जो सपने देखते, वे सुबह की रोशनी की तरह ठीक वैसे ही पूरे होते।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ, 40 वर्ष की आयु में)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.468; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 156-157; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 155 ve 159; Kütüb-i Sitte: Buharî, Bed'ü'l-Vahy, Enbiya 21, Tefsir, Alak Tabir 1; Müslim, İman 252, (160); Tirmizî, Menakıb 13, (3636) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5563, c./s. 15/389-390]

265. हिरा में जिब्रील का पहली वह्य लाना

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

हिरा में जिब्रील आकर पहली वह्य लाए।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ, 40 वर्ष की आयु में)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.468, 491; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 156-164; c. 1, s. 164; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 159; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "PEYGAMBERLERİN MU'CİZEYE İHTİYACI" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:194-195); Kütüb-i Sitte: Buharî, Bed'ü'l-Vahy, Enbiya 21, Tefsir, Alak Tabir 1; Müslim, İman 252, (160); Tirmizî, Menakıb 13, (3636) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5563, c./s. 15/389-390]

266. पेड़ों और पत्थरों का "अस्सलामु अलैका या रसूलल्लाह" कहना

सहीह (प्रामाणिक) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

नबूवत के आरंभ के दिनों में आप जिस पत्थर और पेड़ के पास से गुज़रते, वह कहता: "अस्सलामु अलैका या रसूलल्लाह।"

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ, 40 वर्ष की आयु में)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.468; İbn Kesîr s.59, 61; 19. Mektup listesi (183.txt) no.43, 155; 1000 Mucize no.96 (s.72), no.901 (s.748); web: Tirmizî, Menâkıb, no. 3626; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 3. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 158-159, 165-166; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 141; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 68, no. 49/4; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 157; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 137; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 214; c. 17, s. 309-310; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 43; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Muhammed aleyhisselâma Vahiy ve Peygamberlik Gelmeden Birkaç Yıl Önce Cereyan Eden Hâdiselerden Bazıları (3)" (kitabın dipnotu: Zehebî, Târıh, s:125,129-130; Zürkânî, Mevâhibu'l-ledünniye Şerhi, c:1, s:219; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:1, s:361; Diyarbekrî, Hamis, c:1, s:221) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "AĞAÇLARIN, TAŞLARIN HZ, MUHAMMED ALEYHİSSELÂMA SELÂM VERMELERİ İLE ALÂKALI MU'CİZELER" (kitabın dipnotu: Zehebî, Târıh, s:125,129-130;); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menakıb 8, (3630); Müslim, Fezail 2, (2277); Tirmizî, Menakıb 7, (3628) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5586, c./s. 15/440; no. 5587, c./s. 15/440]

267. वरक़ा बिन नौफ़ल की पुष्टि कि आने वाला फ़रिश्ता नामूस है

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

वरक़ा बिन नौफ़ल ने पुष्टि की कि आने वाला फ़रिश्ता वही नामूस है जो मूसा के पास आया था।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ, 40 वर्ष की आयु में)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.468; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb fî ba'sihî, no 13930; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; Questions on Islam, "Glad Tidings..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 156, 161-165; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 159-160; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 42; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Varaka b. Nevfel'in Peygamberimiz aleyhisselâmın Başına Neler Geleceğini Haber Verişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak- İbn Hişam, c:1, s:254; Taberî, Tarih, c:2, s:207-208); Kütüb-i Sitte: Buharî, Bed'ü'l-Vahy, Enbiya 21, Tefsir, Alak Tabir 1; Müslim, İman 252, (160); Tirmizî, Menakıb 13, (3636) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5563, c./s. 15/389-390]

268. क्षितिज पर जिब्रील को उनके असली रूप में देखना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप ने जिब्रील को पहली बार उनके असली रूप में क्षितिज को ढके हुए देखा (उफ़ुक़े आला)।

लगभग 610–613 ईस्वी (नबूवत के शुरुआती वर्ष)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.28; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13942; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 157, 164; c. 1, s. 160; c. 1, s. 200-201; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Kur'ân-ı Kerîm'in Mirac Hakkındaki Açıklaması + Cennetü'l-Me'vâ, Kürsî ve Arş" (kitabın dipnotu: Necm: 1-18 / Taberî, Tefsir, c:27, s:55; c:3, s:10; Nesefî, Medârik, c:1, s:128); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Tefsir, Maide 7, Bed'ü'l-Halk 6, Tefsir, Necm 1, Tevhid 4; Müslim İman, 287, (177); Buharî, Bed'ü'l-Vahy, Tefsir, Müddessir; Müslim, İman 257, (161) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5160; no. 5564, c./s. 15/391]

269. नबी के भेजे जाने पर मूर्तियों का औंधे मुँह गिरना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब आप नबी बनाकर भेजे गए, तो मूर्तियाँ औंधे मुँह गिर पड़ीं।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ, 40 वर्ष की आयु में)

स्रोत 1000 Mucize no.174 (s.151); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 183

270. “मैं और क़यामत इन दो उँगलियों की तरह भेजे गए हैं”

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप ने फ़रमाया: “मैं और क़यामत इन दो उँगलियों की तरह भेजे गए हैं”; आप का भेजा जाना क़यामत की निशानियों में पहली निशानी है।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ, 40 वर्ष की आयु में)

स्रोत 1000 Mucize no.541 (s.561); Kütüb-i Sitte: Buharî, Rikak 39, Tefsir, Nâziat 1, Talak 25; Müslim, Fiten 132, (2950); Tirmizî, Fiten 39, (2214) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5025, c./s. 14/315; no. 5026, c./s. 14/315]

271. फ़रिश्तों का नबी ﷺ को उम्मत से तौलना

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

अबू ज़र के प्रश्न “आप ने कैसे जाना कि आप नबी हैं?” पर आप ने बताया कि मक्का की बतहा में आप के पास दो फ़रिश्ते आए; एक ने कहा: “इन्हें एक, दस, सौ, हज़ार लोगों के साथ तौलो”, और जब आप सब से भारी निकले तो कहा गया: “अगर इनकी पूरी उम्मत के साथ तौलो, तब भी ये भारी निकलेंगे।”

मक्का, नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी), तिथि अनिश्चित

स्रोत Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 14

272. ख़दीजा की फ़रिश्ते और शैतान में अंतर पहचानने की परीक्षा

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

ख़दीजा ने परखा कि आने वाला फ़रिश्ता है या शैतान: जब जिब्रील दिखाई दिए, तो उन्होंने आप को अपने बाएँ घुटने पर, फिर दाएँ घुटने पर, फिर अपनी गोद में बिठाया और हर बार पूछा: “क्या आप उन्हें देख रहे हैं?”; जब उन्होंने अपना सिर का कपड़ा

हटाया और उत्तर मिला: “अब नहीं देख रहा”, तो उन्होंने कहा: “दृढ़ रहिए, शुभ हो; यह शैतान नहीं, फ़रिश्ता है।”

मक्का, 610 ईस्वी

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13935 (8/256)

---

273. वह्य के अंतराल में जिब्रील का नबी ﷺ को सांत्वना देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

वह्य रुकने (फ़तरत) के दिनों में आप दुःख के कारण जब भी पहाड़ों की चोटियों पर चढ़ते, हर बार जिब्रील प्रकट होकर “ऐ मुहम्मद, आप सचमुच अल्लाह के रसूल हैं” कहकर आप को सांत्वना देते।

लगभग 610–613 ईस्वी (वह्य का अंतराल)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 156, 164 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

274. पहले तीन वर्ष इस्राफ़ील की, फिर जिब्रील की नियुक्ति

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

चालीस वर्ष की आयु में नबी बनने पर पहले तीन वर्ष इस्राफ़ील आप के साथ नियुक्त रहे और आप को शब्द और बातें सिखाते रहे, क़ुरआन नहीं उतरा; तीन वर्ष बाद जिब्रील नियुक्त किए गए और क़ुरआन बीस वर्षों में आप की ज़बान पर उतरा।

610–613 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 157 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

275. नबूवत की रात सीना चीरा जाना और रिसालत का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

नबूवत के आरंभ के समय (सपने में/मक्का में घर की छत पर) दो फ़रिश्ते आए, आप का पेट चीरा, दिल निकालकर धोया और “कैसा नेक आदमी का दिल है” कहकर उसे उसकी जगह रख दिया; फिर जिब्रील मक्का के ऊपरी भाग में प्रकट हुए और आप को याक़ूत और मोतियों से जड़े एक क़ालीन (दुरनूक) पर बिठाकर रिसालत का शुभ समाचार दिया।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 157-159, 162-163 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

276. जिब्रील का नाम सुनकर दास अद्दास की आश्चर्य भरी पुष्टि

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ख़दीजा जिनके पास पूछने गईं, उत्बा बिन रबीआ के उस ईसाई ग़ुलाम अद्दास ने जिब्रील का नाम सुनकर कहा: “क़ुद्दूस, क़ुद्दूस! वे अल्लाह और उसके नबियों के बीच अमानतदार हैं; मूसा और ईसा के साथी हैं।”

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 158 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

277. जिब्रील का नबी ﷺ को वुज़ू सिखाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

नबूवत के आरंभ में जिब्रील ने आप की आँखों के सामने वुज़ू करके आप को वुज़ू सिखाया, और आप ने भी उसी तरह वुज़ू किया।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 159 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

278. पहली पुकार सुनना और वरक़ा की सलाह पर सूरतें सुनना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

अकेले होने पर आप ने “या मुहम्मद” की पुकार सुनी और भाग गए; वरक़ा की सलाह “दृढ़ रहिए, सुनिए” पर जब आप रुके, तो उस आवाज़ ने आप से कलिमा-ए-शहादत और सूरह फ़ातिहा पढ़वाई।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 161 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

279. वरक़ा बिन नौफ़ल को जन्नत में रेशमी वस्त्रों में देखा जाना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

वरक़ा बिन नौफ़ल की मृत्यु के बाद आप ने ख़बर दी कि आप ने उन्हें जन्नत में रेशमी कपड़ों में देखा, क्योंकि वे आप पर ईमान लाए थे और आप की पुष्टि की थी।

लगभग 610–611 ईस्वी (वरक़ा की मृत्यु के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 161 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

280. नबी ﷺ का वरक़ा को जिब्रील के आने का ढंग बताना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

वरक़ा के प्रश्न “जिब्रील आप के पास कैसे आते हैं?” पर आप ने उत्तर दिया: “आसमान से आते हैं; उनके पंख मोतियों के हैं और उनके पैरों के तलवे हरे हैं।”

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 164 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

281. नबूवत की रात किसरा का ऐवान और आसमानों का बंद होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

जिस रात आप नबी बनाकर भेजे गए, किसरा के ऐवान का मेहराब फट गया और दजला का बाँध टूट गया; किसरा के इकट्ठा किए काहिनों, ज्योतिषियों और जादूगरों ने देखा कि आसमान उनके लिए बंद हो गए हैं और उनका ज्ञान किसी काम का नहीं रहा, और हिजाज़ की ओर से उदय हुए एक प्रकाश को उन्होंने एक नबी के प्रकट होने का संकेत माना।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 183 (Bi'setinde putların yıkılması ve Kisrâ'nın başına gelenler)

---

282. इब्लीस का चार बार चीख़-पुकार करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

इब्लीस ने चार बार चीख़-पुकार की: जब उस पर लानत की गई, जब उसे जन्नत से उतारा गया, जब मुहम्मद ﷺ नबी बनाकर भेजे गए, और जब सूरह फ़ातिहा उतरी।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ) और सूरह फ़ातिहा का अवतरण

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 183 (Bi'setinde putların yıkılması ve Kisrâ'nın başına gelenler)

---

283. आसमान की रक्षा होने पर इब्लीस का तिहामा की मिट्टी पहचानना

सहीह (प्रामाणिक) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

आसमान की सुरक्षा कर दिए जाने पर इब्लीस ने कहा: “धरती पर कोई घटना हुई है”, और अपने सैनिकों से हर जगह की मिट्टी मँगवाई; तिहामा (मक्का) की मिट्टी सूँघकर उसने कहा: “घटना यहाँ है”, और उन्होंने आप को क़ुरआन पढ़ते/नमाज़ पढ़ते पाया।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 184 (Bi'setiyle göğün kulak hırsızlığından korunması)

---

284. तारों का फेंका जाना और सक़ीफ़ तथा क़ुरैश की घबराहट

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

नबूवत के साथ जब तारे (उल्काएँ) फेंके जाने लगे, तो क़ुरैश और सक़ीफ़ ने यह समझकर कि क़यामत आ रही है, अपने पशु छोड़ने और ग़ुलाम आज़ाद करने शुरू कर दिए; (अब्दे यालील/अम्र बिन उमय्या ने) कहा: “अगर जाने-पहचाने तारे अपनी जगह पर हैं, तो यह किसी नए उभरे मामले के कारण है”, और अबू सुफ़यान ने ताइफ़ आकर आप के नबूवत के दावे की ख़बर दी।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 185 (Bi'setiyle göğün kulak hırsızlığından korunması)

---

285. अबू क़ुबैस से इब्लीस का फेंका जाना और जिब्रील का हस्तक्षेप

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आसमान से ख़बर न पा सकने वाले शैतानों की शिकायत पर अबू क़ुबैस पर चढ़े इब्लीस ने आप को मस्जिदे हराम में नमाज़ पढ़ते देखा और (बहकाने के लिए) आप की ओर बढ़ा; जिब्रील ने उसे अपने कंधे से धक्का देकर उरदुन की घाटी में फेंक दिया।

लगभग 610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 187 (Bi'setiyle göğün kulak hırsızlığından korunması)

---

286. वह्य का अंतराल और सूरह अल-मुद्दस्सिर का उतरना

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

जाबिर बिन अब्दुल्लाह की रिवायत: वह्य के अंतराल के दौर में आप ने आसमान से एक आवाज़ सुनी और जिब्रील को एक कुर्सी पर बैठे देखा; आप डरकर “मुझे ओढ़ा दो” कहते हुए लौटे और सूरह अल-मुद्दस्सिर उतरी।

लगभग 610–613 ईस्वी (वह्य का अंतराल)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 159 (Ebvâbü nübüvvetih, 5. bâb: Vahyin başlangıcı)

---

287. चालीस वर्ष की आयु में नबूवत का शुभ समाचार और पेड़ों का सलाम

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

चालीस वर्ष के होने पर आप ने आसमान से आवाज़ सुनी: “ऐ मुहम्मद, आप अल्लाह के रसूल हैं, मैं जिब्रील हूँ”; जिब्रील घाटी के ऊपरी भाग में सुंदुस (रेशम) का जुब्बा पहने प्रकट हुए और आप को जन्नत के क़ालीनों में से एक पर बिठाकर आप की नबूवत की सूचना दी; चाचा की भेड़ों के पास लौटते समय हर पेड़ और मिट्टी के हर टुकड़े ने आप को सलाम किया और बधाई दी (इमाम जाफ़र सादिक़ से)।

नबूवत का आरंभ, 610 ईस्वी

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 83 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

288. सैंतीस वर्ष की आयु में जिब्रील का संबोधन और ख़दीजा की आशा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

सैंतीस वर्ष की आयु में आप ने सपने में देखा कि कोई आकर आप को “या रसूलल्लाह” कहकर संबोधित कर रहा है; कुछ समय बाद अबू तालिब की भेड़ें चराते हुए पहाड़ों के बीच एक व्यक्ति ने “या रसूलल्लाह” कहा और बोला: “मैं जिब्रील हूँ; अल्लाह ने मुझे आप को अपना रसूल बनाने के लिए भेजा है”; ख़दीजा ने, यहूदी, बहीरा और आमिना की ख़बरें जानने के कारण, कहा: “मुझे आशा है कि आप ऐसे ही हैं।”

लगभग 607–610 ईस्वी (नबूवत से पहले, 37 वर्ष की आयु में)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 102 (3. bâb: bi'setin başlangıcı)

---

289. पहली वह्य पर शैतान की चीख़ और अली की गवाही

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप पर वह्य उतरते समय शैतान की चीख़ (रन्नतुश शैतान) सुनाई दी; अली के प्रश्न “यह आवाज़ कैसी है?” पर आप ने फ़रमाया: “यह शैतान है; वह अपनी पूजा किए जाने से निराश हो गया। तुम वह सुनते हो जो मैं सुनता हूँ और वह देखते हो जो मैं देखता हूँ; पर तुम नबी नहीं हो, वज़ीर हो और भलाई पर हो”; अली ने कहा कि उन्होंने हिरा में वह्य और रिसालत का नूर देखा और नबूवत की सुगंध पाई।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ, पहली वह्य)

स्रोत Nehcü'l-Belâğa, hutbe 192 (el-Kâsıa) — usul.ai neşrinde s. 474-476 (Subhî Sâlih neşrinde s. 300-302)

---

290. वरक़ा बिन नौफ़ल का तीन रात देखा सपना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

वरक़ा बिन नौफ़ल ने कहा: “मैंने लगातार तीन रात सपने में देखा कि अल्लाह ने मक्का में मुहम्मद नाम के एक नबी को भेजा है; उसका समय आ गया है।”

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 42 (fasl fî mab'asihî)

---

291. जिब्रील और मीकाईल का रिसालत के लिए चुने जाने की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जब आप अली और जाफ़र के बीच सो रहे थे, जिब्रील आप के सिरहाने और मीकाईल पैताने बैठे; मीकाईल के प्रश्न “तुम्हें इनमें से किसके पास भेजा गया है?” पर जिब्रील ने कहा: “बीच वाले के पास”; जागने पर जिब्रील ने आप तक रिसालत पहुँचाई।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 43 (fasl fî mab'asihî)

---

292. वह्य का आरंभ, फ़रिश्तों का आदर और ख़दीजा का ईमान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

जिब्रील ने रेशम के एक टुकड़े में लिखा हुआ लेख निकालकर कहा: “पढ़िए”; फिर जिब्रील और मीकाईल सत्तर-सत्तर हज़ार फ़रिश्तों के साथ आए, आप के लिए एक कुर्सी लगाई, आप के सिर पर ताज रखा और आप के हाथ में हम्द का झंडा दिया; घर लौटते समय हर चीज़ ने आप को सजदा किया और साफ़ ज़बान में कहा: “अस्सलामु अलैका या नबिय्यल्लाह”; आप ने जिस घर में प्रवेश किया वह नूर से रोशन हो गया, ख़दीजा ने पूछा: “यह नूर कैसा है?”, और ईमान ले आईं; जब आप ने “अल्लाहु अकबर” कहा, तो सुनने वाली हर चीज़ ने आप के साथ तकबीर कही।

610 ईस्वी (नबूवत का आरंभ)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 43 (fasl fî mab'asihî)

11 · नबूवत की ख़बर फैलते समय: हातिफ़ों, जिन्नों और मूर्तियों से आई आवाज़ें (लगभग 610 ईस्वी)

293. मूर्ति से आई आवाज़ के कारण माज़िन ताई का ईमान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

माज़िन ताई ने अपनी मूर्ति के भीतर से आई आवाज़ से नबी के बारे में जाना और मुसलमान हो गए।

मक्की दौर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.607; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13911; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl, no. 63; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; Questions on Islam, "Glad Tidings..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 172 işitilenler); ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 151; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 91; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 76; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Bazı Putların Efendimiz'den Bahsedip Müjdelemesi" (kitabın dipnotu: Beyhakî, Delâilü'n-Nübüvve, c:2, s:255)

294. जिन्न से आई आवाज़ के कारण ख़ुफ़ाफ़ बिन नुदबा का ईमान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ख़ुफ़ाफ़ बिन नुदबा सुलमी जिन्न/आवाज़ से मिली ख़बर के कारण मुसलमान हुए।

मक्की दौर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.613; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 58

295. जिन्न का अपने मित्र काहिन को नबूवत की ख़बर देना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

एक जिन्न ने अपने मित्र काहिन को ख़बर दी कि नबी भेज दिए गए हैं (बैहक़ी का "जिन्न का अपने मित्र को ख़बर देना" वाला अध्याय)।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.593; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menâkıbu'l-Ensâr 35 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4391, c./s. 12/450-451]

296. सवाद बिन क़ारिब के जिन्न का उसे नबूवत की ख़बर देना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काहिन सवाद बिन क़ारिब के जिन्न ने लगातार तीन रात आकर उसे नबी के प्रकट होने की ख़बर दी; सवाद आकर मुसलमान हो गए।

लगभग 610–622 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.599; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13912-13913; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl, no. 62; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; Questions on Islam, "Glad Tidings..."; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 170-172 işitilenler); ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 148-149; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 92-93, 98-101; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 76-77; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menâkıbu'l-Ensâr 35 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4391, c./s. 12/450-451]

297. अस्क़लान हिमयरी का नबूवत की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अस्क़लान हिमयरी ने आप की नबूवत की ख़बर दी।

नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl (ehl-i kitab, kâhinler, putlar)

298. हुवैयिसा बिन मसऊद की सुनी दो चीख़ें

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हुवैयिसा बिन मसऊद ने बचपन में बनू अब्दुल अशहल की ओर से एक चीख़ सुनी: “ऐ यसरिब वालो, यह वह तारा है जिसके साथ अहमद पैदा हुए हैं”, और वर्षों बाद उसी आवाज़ में यह चीख़ सुनी: “मुहम्मद प्रकट हो गए, नबी बन गए, उनके पास वही नामूसे अकबर आया जो मूसा के पास आया था।”

पहली चीख़: 571 ईस्वी; दूसरी: लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 45 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

299. ज़ुबैर बिन बाता का अहमद का वर्णन छिपाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

यहूदियों के सबसे बड़े विद्वान ज़ुबैर बिन बाता ने अपने पिता की छिपाई हुई एक पुस्तक पाई जिसमें अहमद का वर्णन लिखा था, और नबूवत से पहले वह इसके बारे में बताता था; जब उसने सुना कि आप मक्का में प्रकट हुए हैं, तो उस पुस्तक को मिटाकर “यह वह नहीं है” कहते हुए छिपा दिया।

नबूवत से पहले और लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 47 (hahamların ve rahiplerin haber vermesi bâbı)

300. मदीना में नबूवत की पहली ख़बर लाने वाला जिन्न

हसन (अच्छी) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जाबिर बिन अब्दुल्लाह के बयान के अनुसार मदीना में आप की ख़बर सबसे पहले लाने वाला एक स्त्री का जिन्न साथी था: वह सफ़ेद पक्षी के रूप में दीवार पर बैठा और कहा: “मक्का में एक नबी भेजे गए हैं, उन्होंने व्यभिचार को हराम कर दिया और हमें (चोरी-छिपे सुनने से) रोक दिया।”

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 56

301. नबूवत से पहले उस्मान व्यापारिक क़ाफ़िले के साथ शाम जा रहे थे; वे जिस काहिना के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नबूवत से पहले उस्मान व्यापारिक क़ाफ़िले के साथ शाम जा रहे थे; वे जिस काहिना के पास रुके, उसने कहा: “मेरा साथी (जिन्न) मेरे दरवाज़े पर खड़ा हुआ और बोला: ‘मैं भीतर नहीं आ सकता; अहमद प्रकट हो गए हैं, ऐसा मामला आ गया है जिसका सामना नहीं किया जा सकता’”; उस्मान मक्का लौटे तो आप को दावत शुरू करते हुए पाया।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 58

---

302. सुफ़यान हुज़ली के बयान के अनुसार शाम जाने वाला क़ाफ़िला ज़रक़ा और मआन के बीच...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सुफ़यान हुज़ली के बयान के अनुसार शाम जाने वाला क़ाफ़िला ज़रक़ा और मआन के बीच रात को ठहरा, तो धरती और आकाश के बीच एक घुड़सवार ने पुकारा: “ऐ सोने वालो, उठो! अहमद प्रकट हो गए, जिन्न भगा दिए गए”; लौटने पर उन्हें पता चला कि मक्का में अहमद नाम के एक नबी प्रकट हुए हैं।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 59

---

303. ख़सअम क़बीले के एक व्यक्ति के बयान के अनुसार जब वे रात को निर्णय के लिए एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़सअम क़बीले के एक व्यक्ति के बयान के अनुसार जब वे रात को निर्णय के लिए एक मूर्ति के पास इकट्ठा हुए, तो एक हातिफ़ ने शेर में कहा: “पवित्र नगर के नबी प्रकट हो गए, वे नूर और इस्लाम लाए”; वे डरकर बिखर गए और कुछ ही समय बाद मक्का में आप के प्रकट होने की बात जानकर मुसलमान हो गए।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 64

---

304. हुवैलिद ज़मरी के बयान के अनुसार एक मूर्ति के पास बैठे हुए उन्होंने उसके भीतर से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुवैलिद ज़मरी के बयान के अनुसार एक मूर्ति के पास बैठे हुए उन्होंने उसके भीतर से आवाज़ सुनी: “चोरी-छिपे सुनना समाप्त हो गया, हम पर अंगारे बरसाए गए; मक्का में अहमद नाम के एक नबी के कारण, जिनकी हिजरत की जगह यसरिब है”; पूछने पर उन्हें पता चला कि मक्का में अहमद प्रकट हो गए हैं।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 65

---

305. अब्बास बिन मिरदास को दोपहर के समय सफ़ेद सवारी पर सफ़ेद कपड़े पहने एक व्यक्ति...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्बास बिन मिरदास को दोपहर के समय सफ़ेद सवारी पर सफ़ेद कपड़े पहने एक व्यक्ति दिखाई दिया और बोला: “क्या तुमने नहीं देखा कि आसमान पहरेदारों से सुरक्षित कर दिया गया है और युद्ध ने साँस ली है? भलाई और तक़वा लाने वाले सोमवार के दिन उतरे हैं”; उनके चचेरे भाई ने ख़बर दी कि आप ने छिपकर दावत शुरू कर दी है।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 67

---

306. ईसाई विद्वान इब्नुल अला ने आप को देखे बिना कहा: “मैंने इंजील में आप के गुण देखे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ईसाई विद्वान इब्नुल अला ने आप को देखे बिना कहा: “मैंने इंजील में आप के गुण देखे और ईमान ले आया; ईसा ने आप के आने का शुभ समाचार दिया था।”

नबूवत के आरंभ के आसपास (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Questions on Islam, "Glad Tidings..."

---

307. जाहिलियत में जिस क़ुर्बानी में उमर भी मौजूद थे, उसमें ज़बह किए गए पशु के भीतर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जाहिलियत में जिस क़ुर्बानी में उमर भी मौजूद थे, उसमें ज़बह किए गए पशु के भीतर से आवाज़ आई: “एक सुबोध व्यक्ति ‘अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं’ कह रहा है।”

नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी)

स्रोत Questions on Islam, "Glad Tidings..."

---

308. नबूवत से एक महीना पहले बुवाना की मूर्ति के पास क़ुर्बानी कर रहे जुबैर बिन मुतइम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नबूवत से एक महीना पहले बुवाना की मूर्ति के पास क़ुर्बानी कर रहे जुबैर बिन मुतइम और उनके साथियों ने मूर्ति के भीतर से एक आवाज़ सुनी: “वह्य प्रकट हो गई, आसमान की ख़बरें चुराना समाप्त हो गया; मक्का में उस नबी के कारण अंगारे फेंके जा रहे हैं जिनका नाम अहमद है और जिनकी हिजरत की जगह यसरिब है।”

बुवाना, लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13908 (8/244)

---

309. अम्र बिन मुर्रा जुहनी ने जाहिलियत में हज को जाते हुए सपने में देखा कि काबा से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अम्र बिन मुर्रा जुहनी ने जाहिलियत में हज को जाते हुए सपने में देखा कि काबा से एक नूर निकलकर यसरिब के पहाड़ों तक पहुँचा, और नूर के भीतर से आवाज़ सुनी: “अंधेरा छँट गया, अंतिम नबी भेज दिए गए”; नबूवत की ख़बर मिलने पर वे आकर मुसलमान हुए, अपनी क़ौम जुहैना की ओर दूत बनाकर भेजे गए और क़ौम ने अपनी मूर्तियाँ तोड़ दीं।

लगभग 610–622 ईस्वी

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13909 (8/244-245)

---

310. नबूवत के आरंभ के आसपास समुद्र में तूफ़ान में फँसकर एक द्वीप पर जा पहुँचे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नबूवत के आरंभ के आसपास समुद्र में तूफ़ान में फँसकर एक द्वीप पर जा पहुँचे क़ुरैशी व्यापारियों से वहाँ रहने वाले जुरहुम के एक बूढ़े ने मक्का के बारे में पूछा, उन्हें बताया कि उनके बीच से एक नबी प्रकट हुए हैं और उनका अनुसरण करने की सलाह दी।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 168 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

311. बनू ग़िफ़ार के एक समूह ने जब मूर्ति के लिए क़ुर्बानी करनी चाही, तो पशु के भीतर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू ग़िफ़ार के एक समूह ने जब मूर्ति के लिए क़ुर्बानी करनी चाही, तो पशु के भीतर से/मूर्ति के पास से एक स्पष्ट आवाज़ में “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं” की पुकार सुनी; मक्का जाने पर उन्होंने आप को नबी के रूप में प्रकट हुआ पाया।

नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 170 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

312. इब्ने वक़्शा के जिन्नों में से ख़बर देने वाले (रई) ने उसे ख़बर दी: “मक्का में...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इब्ने वक़्शा के जिन्नों में से ख़बर देने वाले (रई) ने उसे ख़बर दी: “मक्का में एक नबी पुकार रहे हैं, पर उनकी बात मानी नहीं जा रही”; जल्द ही आप के प्रकट होने की बात सुनी गई, और घटना सुनाने वाले सहाबी मुसलमान हो गए।

लगभग 610–613 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 174 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

313. जाहिलियत में (ग़िफ़ार के इलाक़े में) लगातार तीन रात शेर पढ़ने वाले एक हातिफ़ की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जाहिलियत में (ग़िफ़ार के इलाक़े में) लगातार तीन रात शेर पढ़ने वाले एक हातिफ़ की आवाज़ सुनी गई, और उसके बाद आप के नबी के रूप में प्रकट होने की ख़बर आई।

नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 174 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

314. शाम से लौट रहे उस्मान और तलहा बिन उबैदुल्लाह ने मआन और ज़रक़ा के बीच सोते हुए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शाम से लौट रहे उस्मान और तलहा बिन उबैदुल्लाह ने मआन और ज़रक़ा के बीच सोते हुए एक पुकार सुनी: “ऐ सोने वालो, जागो! अहमद मक्का में प्रकट हो गए”, और मक्का पहुँचने पर आप को नबी के रूप में पाया।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 174 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

315. शाम जा रहे अंसार के एक समूह ने रास्ते में एक अदृश्य आवाज़ को शेर में आप के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शाम जा रहे अंसार के एक समूह ने रास्ते में एक अदृश्य आवाज़ को शेर में आप के प्रकट होने की ख़बर देते सुना: “तारा उदय हुआ, उसने पूरब को रोशन कर दिया; अंधेरे से निकालने वाले आ गए।”

नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 175 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

316. जंदल बिन नज़्ला के जिन्न साथी ने आकर उन्हें नबी के प्रकट होने की ख़बर दी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जंदल बिन नज़्ला के जिन्न साथी ने आकर उन्हें नबी के प्रकट होने की ख़बर दी।

नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 176 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

317. नबूवत के आरंभ के समय शाम में मौजूद तमीम दारी ने रात को एक घाटी में ठहरने पर एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नबूवत के आरंभ के समय शाम में मौजूद तमीम दारी ने रात को एक घाटी में ठहरने पर एक पुकारने वाले को कहते सुना: “अमानतदार नबी भेज दिए गए हैं; हमने हजून में उनके पीछे नमाज़ पढ़ी और मुसलमान हो गए; जिन्नों की चालें समाप्त हो गईं, उन पर अंगारे बरसाए गए; मुहम्मद के पास जाओ”; सुबह जिस राहिब को उन्होंने यह बताया, उसने कहा: “उन्होंने सच कहा; वे हरम से प्रकट होंगे, उनकी हिजरत की जगह हरम है, वे नबियों में सबसे श्रेष्ठ हैं।”

लगभग 610–613 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 179 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

318. हुज़ैल के सईद बिन अम्र (के पिता) ने जब मूर्ति के लिए क़ुर्बानी की, तो मूर्ति के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुज़ैल के सईद बिन अम्र (के पिता) ने जब मूर्ति के लिए क़ुर्बानी की, तो मूर्ति के भीतर से आवाज़ सुनी: “आश्चर्य की बात! अब्दुल मुत्तलिब की संतान से एक नबी प्रकट हुए हैं; वे व्यभिचार और मूर्तियों के लिए क़ुर्बानी को हराम ठहराते हैं; आसमान सुरक्षित कर दिया गया, हम पर अंगारे बरसाए गए।”

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 181 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

319. अब्दुल्लाह बिन साइदा हुज़ली और उनके साथियों ने अपनी मूर्ति के भीतर से यह पुकार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन साइदा हुज़ली और उनके साथियों ने अपनी मूर्ति के भीतर से यह पुकार सुनी: “जिन्नों की चालें समाप्त हो गईं, नबी अहमद के कारण हम पर अंगारे बरसाए गए”; रास्ते में मिले एक व्यक्ति से उन्हें आप के प्रकट होने का पता चला।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 181 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

320. जाहिलियत में अपनी खोई हुई ऊँटनी को ढूँढ रहे एक व्यक्ति ने रात को एक ऐसी आवाज़...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जाहिलियत में अपनी खोई हुई ऊँटनी को ढूँढ रहे एक व्यक्ति ने रात को एक ऐसी आवाज़ सुनी जिसका बोलने वाला दिखाई नहीं देता था; वह शेर में कह रही थी: “ऐ रात को सोने वाले! अल्लाह ने हरम में बनू हाशिम में से एक नबी भेजा है”, और उस व्यक्ति ने शेर में ही उसका उत्तर दिया।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 181 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

---

321. यमन की घाटी में हातिफ़ का सलाम पहुँचाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जाहिलियत में हज को जा रहे चार लोगों ने यमन की एक घाटी में रात बिताते समय घाटी के भीतर से एक हातिफ़ को कहते सुना: “जब तुम हतीम और ज़मज़म पहुँचो, तो मुहम्मद को सलाम कहना; हम उनके दीन का पालन करने वाले हैं, यह वसीयत हमें मरयम के बेटे मसीह ने की थी।”

लगभग 610–622 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 182 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

---

322. दौस के काहिन का वह्य के आरंभ की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

दौस क़बीले में जिन्न से पैदा हुआ, कुत्ते जैसे कानों वाला एक काहिन युवक था जो छापों की पहले से ख़बर देता था; एक दिन वह झूठी ख़बरें देने लगा, तीन दिन बंद रहने के बाद अंगारे की तरह निकला और बोला: “आसमान की ख़बरें कट गईं; मक्का में एक नबी भेजे गए हैं” (मिरदास बिन क़ैस दौसी ने नबी ﷺ के सामने बताया कि आप के प्रकट होने से कहानत कैसे बदल गई)।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 185-186 (Bi'setiyle göğün kulak hırsızlığından korunması)

---

323. बनू असद की काहिना के जिन्न का साथ छोड़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बनू असद की एक काहिना स्त्री का जिन्न साथी वह्य शुरू होने पर उसके पास आया और कहा: “प्रेम और वचन समाप्त हुए; अहमद आ गए, उन्होंने व्यभिचार को हराम कर दिया”, और उससे अलग हो गया।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 186 (Bi'setiyle göğün kulak hırsızlığından korunması)

---

324. गाय के भीतर से आई तौहीद की आवाज़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मुजाहिद की रिवायत, रोड्स के अभियान में मिले इब्ने अंबस नाम के एक बूढ़े से, जिन्होंने जाहिलियत का ज़माना पाया था: एक गाय को हाँकते हुए उन्होंने उसके भीतर से आवाज़ सुनी: “ऐ ज़रीह की संतान! एक स्पष्ट बात: एक व्यक्ति ‘अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं’ की पुकार लगा रहा है”; मक्का आने पर उन्होंने देखा कि नबी ﷺ प्रकट हो चुके हैं।

नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 154 (Ebvâbü nübüvvetih, 2. bâb: Putların içinden işitilen sesler)

---

325. मूर्ति के भीतर से सत्य की घोषणा करने वाली आवाज़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जब अरब मूर्ति-पूजकों का एक समूह अपनी मूर्ति के पास इकट्ठा था, तो मूर्ति के भीतर से एक स्पष्ट आवाज़ में पुकारा गया: “मुहम्मद तुम्हारे पास आ गए हैं, तुम्हें हक़ की ओर बुला रहे हैं”; वे डरकर बिखर गए और वहाँ मौजूद अधिकतर लोग मुसलमान हो गए।

नबूवत के आरंभ के आसपास (लगभग 610 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 30 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

326. टीले पर बछड़े की तौहीद की पुकार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शराब और मनोरंजन की सभा में बैठे आले ज़रीह के लिए एक बछड़ा टीले पर चढ़ा और स्पष्ट भाषा में पुकारा: “ऐ आले ज़रीह! मक्का में एक पुकारने वाला ‘अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं’ की ओर बुला रहा है”; उस समूह ने मनोरंजन छोड़ दिया और आकर मुसलमान हो गया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 522 (el-Bâbü'r-râbi' aşer fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme; Câbir b. Abdullah'tan Velîd b. Ubâde b. es-Sâmit rivayeti)

---

327. काहिन ख़तर का बनू हाशिम से आने वाले नबी की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

(तारों के फेंके जाने पर) जब काहिन ख़तर बिन मालिक से पूछा गया, तो उसने ख़बर दी कि बनू हाशिम में से एक ऐसा व्यक्ति आएगा जो न्याय से शासन करेगा और अत्याचारियों को नष्ट करेगा।

571 ईस्वी (जन्म) / नबूवत के आरंभ के आसपास

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 30 (fasl fî mevlidihî)

---

328. हातिफ़ का हिरन छुड़वाना और नबी का शुभ समाचार देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

उमर के सामने बताई गई घटना: शाम जा रहे भूखे यात्रियों ने एक (टूटे सींग वाली) हिरनी पकड़ी, तो रात को एक हातिफ़ ने पुकारा: “ऐ चार तेज़ सवारो, डरी हुई हिरनी को छोड़ दो, उसके यतीम बच्चे हैं”; लौटते समय उसी जगह हातिफ़ ने चमकते नए नूर और भेजे गए नबी का शुभ समाचार दिया।

नबूवत से पहले या उसके आरंभ के समय

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 94, 97-98 (Bâb 10: cinlerden ve başkalarından gelen hâtifler)

---

329. रेगिस्तान में अचानक प्रकट होकर ग़ायब होने वाला घुड़सवार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मदीना में उमर की सभा में बताई गई घटना: रेगिस्तान में घोड़ों से तेज़ चलने वाला एक सवार अचानक प्रकट हुआ और “या अहमद... अल्लाह सबसे ऊँचा और सबसे प्रतिष्ठित है” पुकारकर ग़ायब हो गया (याक़ूब बिन ज़ैद बिन तलहा की रिवायत)।

नबूवत से पहले या उसके आरंभ के समय

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 97 (Bâb 10: cinlerden ve başkalarından gelen hâtifler)

12 · मक्की दौर (610–622 ईस्वी): मुशरिकों से आप की हिफ़ाज़त और दुश्मनों का अंजाम

330. अबू लहब और उसकी पत्नी के ईमान के बिना मरने की ख़बर

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बताया गया कि अबू लहब और उसकी पत्नी ईमान लाए बिना मरेंगे, और ऐसा ही हुआ।

ख़बर: लगभग 613 ईस्वी; पूर्ति: हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.518; web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl, no. 206; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 235; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 165, 203

331. उम्मे जमील का नबी को न देख पाना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

सूरह अल-लहब (तब्बत) उतरने पर उम्मे जमील आप को ढूँढने आई, और आप उसके पास मौजूद होने के बावजूद वह आप को न देख सकी।

लगभग 613 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.535; 1000 Mucize no.18 (s.29); web: İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6511; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 140-141; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 213; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 411; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 330; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 235; c. 18, s. 50, 59, 72-73; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 775-776; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 87

332. अबू जहल का आग की खाई और पंख देखना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

अबू जहल ने सजदे में आप की गर्दन पर पैर रखना चाहा, तो उसने आग की खाई और पंख देखे और पीछे भाग गया।

लगभग 614–616 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.522; 1000 Mucize no.17 (s.27); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, alâmâtü'n-nübüvve, no. 5856; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13871; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 158; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 211; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 411; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 332-333; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 60; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 63; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ebu Cehil'in Peygamberimiz Aleyhisselâmın Secdede Boynunu Çiğnemeye Yemin Edişi, Allah'ın O'nu Koruması" (kitabın dipnotu: Ebussuud, Tefsir, c:9, s:179; Belâzurî, Ensâb, c:1, s:125-126; Beyhakî, Delâil, c:2, s:189-192; Tirmizî, Sünen, c:5, s: 444; Hâzin, Tefsir, c:4, s:394.); Kütüb-i Sitte: Müslim 2797 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5603, c./s. 15/458-459]

333. सबीर और हिरा पहाड़ों की पुकार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

जब मुशरिक आप को ढूँढ रहे थे, तो सबीर पहाड़ ने कहा: “मुझ पर से उतर जाइए; मुझे डर है कि वे आप को मुझ पर पकड़ लेंगे”, और हिरा ने कहा: “मेरे पास आइए, ऐ अल्लाह के रसूल।”

लगभग 614–622 ईस्वी

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.166; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 5. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"

---

334. क़ुरैश के लिए सात वर्ष के अकाल की बद-दुआ

सहीह (प्रामाणिक) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

आप ने क़ुरैश के लिए “यूसुफ़ के वर्षों जैसे सात वर्ष” की बद-दुआ की, तो अकाल पड़ा और उन्होंने धुआँ देखा।

लगभग 616–619 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.682; 1000 Mucize no.965 (s.782); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 93 — Delâilü'n-nübüvve: semâvî mucizeler – istiskā; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 246; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 426-427; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 164, 200-201, 254; c. 17, s. 271; c. 18, s. 14, 49; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 912; 926; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 72; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Tefsîr 30; Daavât 58; İstiskā 13; Müslim

---

335. पीठ पर ओझड़ी रखने वाले क़ुरैशियों के लिए बद-दुआ

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सजदे में आप की पीठ पर ओझड़ी रखने वाले सात क़ुरैशियों के लिए आप ने नाम ले-लेकर बद-दुआ की, और वे सब बद्र में मारे गए।

बद-दुआ: लगभग 615–619 ईस्वी; पूर्ति: हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.695; Beyhakî, Delâil c.2 s.365; İbn Kesîr s.91; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl, no. 200; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 339; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 393; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 57; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 51; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 54-55; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Kureyş Müşriklerinden Yedi Kişi Aleyhinde Dua Edişi" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:393-397-41;Buhârî, Sahîh, c:1, s:65-131-132; Ebu Nuaym , Delâilü'n-nübüvve, c:1, s:209, 267,279; Beyhakî, Delâil, c:2 , s:274, 280; Nesai, c:1, s:162; Heysemî, c:6, s:17-18; Diyarbekrî, Hamis, c:1, s: 286; Zehebî, Târıhu'l-İslâm, s:217); Kütüb-i Sitte: Buharî, Vudu 69, Salat 109, Cihad 98, Cizye 21, Menakıbu'l-Ensar 29, Megazî 7; Müslim, Cihad 107, (1794); Nesâî, Taharet 192 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5598, c./s. 15/451]

---

336. उतैबा बिन अबी लहब के लिए बद-दुआ और शेर का उसे चीर डालना

हसन (अच्छी) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

आप ने अबू लहब के बेटे उतैबा के लिए बद-दुआ की: “ऐ अल्लाह, इस पर अपने कुत्तों में से एक कुत्ता मुसल्लत कर दे”, और शाम के रास्ते में एक शेर ने उसे फाड़ डाला।

लगभग 615–619 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.695; 19. Mektup listesi (183.txt) no.26, 101; 1000 Mucize no.343 (s.329); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles

occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 244-245; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 354; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 412; c. 18, s. 57-58; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 56-57; c. 1, s. 117; c. 2, s. 521-522; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 71; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ebu Leheb ile Karısının, Oğullarını Peygamberimiz Aleyhisselâmın Kızlarından Ayırmaları" (kitabın dipnotu: Beyhaki, Delâil, c.2, s:338-339; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:7, s:384; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:6, s:18 / Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:6, s:19;Beyhakî, Delâil, c:2, s:338-339; Belâzurî, Ensâbu'l-eşrâf, c:1, s:131-147)

---

337. मज़ाक़ उड़ाने वाले पाँच मुशरिकों का विनाश

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मज़ाक़ उड़ाने वाले क़ुरैश के पाँच सरदारों के मुक़ाबले में अल्लाह आप के लिए काफ़ी हुआ; जिब्रील के इशारे से उनमें से हर एक अलग-अलग रोग से मरा।

लगभग 615–620 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.680; 1000 Mucize no.518 (s.532); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl, no. 201-202; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 243-244; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 334-335; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 48-49, 54-56, 62-63; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 914; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 65-66; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâm ile Alay Eden Müşrikler ve Âkibetleri" (kitabın dipnotu: Hicr: 95-97 / İbn İshak-İbn Hişam, Sire, c:2, s:36,50-52; Suyûtî, Dürru'l-mensûr, c:4, s:108; Taberi, Tefsir, c:14,72; c:30, s:254)

---

338. अबू जहल के सामने आया विशाल नर ऊँट

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

सजदे की हालत में पत्थर से आप का सिर कुचलने की क़सम खाने वाला अबू जहल जब निकट आया, तो उसके सामने दाढ़ों वाला एक बड़ा नर ऊँट प्रकट हुआ और उस पर झपटना चाहा; आप ने फ़रमाया: “वह जिब्रील थे; अगर वह निकट आता तो वे उसे पकड़ लेते।”

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.522; 1000 Mucize no.908 (s.751); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 156; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 211; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 285; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 93-94; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 86; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 67; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 110-111, hadis no. 104/7

---

339. उकाज़ के मेले में भगाने वाले मुशरिकों के लिए बद-दुआ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

उकाज़ के मेले में बनू आमिर बिन सअसआ से संरक्षण माँगते समय जिस बजरा बिन क़ैस (फ़िरास) क़ुशैरी ने धमकी देकर आप को भगाया, उसके और उसके दो साथियों (हज़्न बिन अब्दुल्लाह, मुआविया बिन उबादा) के लिए आप ने बद-दुआ की, और तीनों लानत की हालत में मरे।

मक्की दौर, क़बीलों को दावत देने के वर्ष (लगभग 620–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.162 (s.140); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl, no. 215

---

340. हिरा में तिहामा के पहाड़ों के फटने की आवाज़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप को सताने आए हकम और उसके साथियों ने ऐसी आवाज़ सुनी मानो तिहामा के पहाड़ टूट रहे हों।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.905 (s.750); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 160; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 334

---

341. ज़ुबाआ की पुकार पर बचाव करने वाले तीन लोगों के लिए दुआ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

उकाज़ में ज़ुबाआ बिंत आमिर की पुकार पर बजरा और उसके दो साथियों के विरुद्ध आप का बचाव करने वाले तीन लोगों (ग़ित्रीफ़, ग़तफ़ान बिन सहल, उरवा बिन अब्दुल्लाह) के लिए आप ने बरकत की दुआ की; तीनों मुसलमान हुए और शहीद हुए।

मक्की दौर, क़बीलों को दावत देने के वर्ष (लगभग 620–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.163 (s.140)

---

342. चरवाहे अबू सरवान के लिए बद-दुआ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

क़ुरैश से बचने के लिए आप जिस चरवाहे अबू सरवान के ऊँटों के बीच बैठे, उसने इस्लाम की दावत ठुकराकर आप को भगा दिया; इस पर आप ने बद-दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसकी आयु और इसकी परेशानी लंबी कर दे”; अबू सरवान बहुत बूढ़ा हो गया और मौत की कामना करने लगा (बाद में वह मुसलमान हुआ)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.165 (s.143); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 293; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 16, 57; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 56; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 72

---

343. उक़बा बिन अबी मुऐत के मारे जाने की ख़बर

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

उबई बिन ख़लफ़ के उकसाने पर आप के कंधे पर ऊँट की गंदगी डालने वाले उक़बा बिन अबी मुऐत से आप ने कहा: “जब तुम मक्का से बाहर निकलोगे, तो मैं अवश्य तुम्हारी गर्दन उड़ा दूँगा”; उक़बा बद्र में बंदी बना और आसिम बिन साबित ने उसे मार डाला (बंदियों में केवल वही मारा गया)।

ख़बर: मक्की दौर (610–622 ईस्वी); पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.176 (s.153); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 341; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 69; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 118

---

344. बहिष्कार का दस्तावेज़ लिखने वाले बग़ीज़ का हाथ सूख जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बहिष्कार का दस्तावेज़ लिखने वाले बग़ीज़ बिन आमिर के लिए आप ने बद-दुआ की, और उसका हाथ लुंज हो गया।

मक्की दौर, बहिष्कार के वर्ष (लगभग 616–619 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.234 (s.205); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 251-252; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 60; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Müşriklerin Hâşim ve Muttalib Oğullarına İçtimâî ve İktisâdî Ambargo Uygulamaları" (kitabın dipnotu: Halebî, İnsânu'l-Uyûn, c:2, s:25,26; Beyhakî, Delâil,

c:2, s. 312; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:188, 209; Buhârî, c:2, s:158; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:375-376; Suyûtî, Hasâis, c:1, s:375-377)

---

345. नज़्र बिन हारिस का देखा शेर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

हजून की चढ़ाई के नीचे जब आप हाजत के लिए अकेले थे, आप को मारने के लिए निकट आया नज़्र बिन हारिस मुँह खोले अपनी ओर झपटते एक शेर को देखकर डर से लौट गया और यह बात अबू जहल को बताई।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.366 (s.352); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 155; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 215; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 66; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 68

---

346. क़ुरैशियों का सिर न उठा पाना और उन पर धूल फेंकी जाना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हिज्र में इकट्ठे होकर आप को मारने की प्रतिज्ञा करने वाले क़ुरैशियों के पास जब आप पहुँचे, तो उनकी आँखें झुक गईं, ठुड्डियाँ सीनों पर टिक गईं और वे सिर न उठा सके; आप ने “इनके चेहरे बिगड़ जाएँ” कहकर उन पर एक मुट्ठी मिट्टी फेंकी, और जिसे भी वह मिट्टी लगी वह बद्र में काफ़िर की हालत में मरा।

मक्की दौर (ख़दीजा के जीवनकाल में, 619 ईस्वी से पहले); पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.373 (s.362); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü te'yîdihî alâ a'dâihî, no 13872; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 139; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 241; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 60; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 63-64; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "IX-] KÂFİRLERİN ŞERRİNDEN KORUNMASI MU’CİZELERİ (başlıksız paragraf)" (kitabın dipnotu: Hâkim, Müstedrek, c:1, s:163)

---

347. मस्जिदे हराम में हमलावरों के हाथ बँध जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

मस्जिदे हराम में ऊँची आवाज़ में क़ुरआन पढ़ते समय आप को सताना चाहने वाले क़ुरैशियों के हाथ उनकी गर्दनों से बँध गए और उनकी आँखें अंधी हो गईं।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.903 (s.749); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 153; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 214

---

348. अंधे हुए क़ुरैशियों का दुआ से ठीक होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

हाथ बँधे और आँखें अंधी हुए क़ुरैशी आकर गिड़गिड़ाए, तो आप की दुआ से वे पहले जैसे हो गए; इसके बाद सूरह यासीन की आरंभिक आयतें उतरीं।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.904 (s.749); ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 66; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 68

349. भयानक आवाज़ से हकम और उसके साथियों का बेहोश होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

भयानक आवाज़ सुनकर बेहोश हुए हकम और उसके साथी तब तक होश में न आ सके जब तक आप नमाज़ पूरी करके घर न लौट गए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.906 (s.750); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 215

350. सफ़ा और मरवा का मिलकर रुकावट बनना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

अगली रात फिर सताने के लिए आप की ओर बढ़े हकम और उसके साथियों के सामने सफ़ा और मरवा की पहाड़ियाँ मिलकर उनके और आप के बीच रुकावट बन गईं।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.907 (s.750); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13870; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 215; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 334

351. पत्थर फेंकने आए अबू जहल के हाथ सूख जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

सजदे की हालत में आप पर पत्थर फेंकने के लिए निकट आए अबू जहल का चेहरा डर से पीला पड़ गया, उसके हाथ पत्थर पर सूखकर जम गए और पत्थर उसके हाथ से गिर पड़ा।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.292 (s.271), no.909 (s.751); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 152; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 214-215; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 334; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 227; c. 18, s. 52-53, 56, 58-59, 64; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 24; c. 2, s. 509

352. अबू जहल से भेड़िये के बोलने की घटना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

रिवायत है कि भेड़िये के बोलकर आप की नबूवत की ख़बर देने वाली घटना जैसी एक घटना अबू जहल और उसके साथियों के साथ भी हुई।

मक्की दौर या हिजरत के बाद (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

353. हकम बिन अबिल आस के चेहरे का काँपते रहना

हसन (अच्छी) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हकम बिन अबिल आस चेहरा बनाकर और आँख मारकर आप का मज़ाक़ उड़ाता था; आप ने उसे देखकर कहा: “ऐसे ही हो जाओ”; मरते दम तक उसका चेहरा फड़कता और काँपता रहा।

मक्की या मदनी दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl (duasının kabulü)

---

354. अबू लहब की पत्नी की बिछाई काँटेदार लकड़ियों पर पैर रखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

"हम्मालतल हतब" (ईंधन ढोने वाली, अबू लहब की पत्नी) आप के रास्ते में अंगारों जैसी काँटेदार लकड़ियाँ डालती थी; आप उन पर ऐसे चलकर निकल जाते जैसे नरम रेत के ढेर पर चल रहे हों।

मक्की दौर (लगभग 613–619 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl (ismet / korunması)

---

355. उमर का सूरह अल-हाक़्क़ा से प्रभावित होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

उमर ने कहा: "मैंने और अबू जहम बिन हुज़ैफ़ा ने एक रात आप को मारने की योजना बनाई; हम आप के घर आए; आप सूरह अल-हाक़्क़ा पढ़ रहे थे; जब आप 'फ़हल तरा लहुम मिन बाक़िया' (क्या तुम उनमें से किसी को बचा हुआ देखते हो?) आयत पर पहुँचे, तो अबू जहम ने मेरी बाँह पर हाथ मारकर कहा: 'बचो', और हम भाग गए"; यह उमर के इस्लाम की पूर्व-तैयारियों में से एक बनी।

मक्की दौर, लगभग 615–616 ईस्वी

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl (ismet / korunması)

---

356. बनू मख़्ज़ूम के एक व्यक्ति का आप को न देख पाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

बनू मुग़ीरा (बनू मख़्ज़ूम) का एक व्यक्ति आप को मारने आया; अल्लाह ने उसकी आँखें अंधी कर दीं, वह आप को देख न सका, केवल आप की आवाज़ सुनता रहा; वह अपने साथियों के पास लौटा, और जब तक उन्होंने उसे पुकारा नहीं, वह उन्हें भी न देख सका।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl (ismet / korunması)

---

357. इफ़रीत समहज द्वारा शैतान मिसअर का मारा जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अबू क़ुबैस पहाड़ पर एक जिन्न ने आप की और आप के दीन की निंदा में शेर पढ़े, और मुशरिकों ने उन्हें फैलाया; आप ने फ़रमाया: "यह मिसअर नाम का शैतान है, अल्लाह इसे अपमानित करेगा"; तीन दिन बाद पहाड़ से एक दूसरी आवाज़ ने कहा: "हमने मिसअर को मार डाला", और बताया गया कि यह समहज नाम का इफ़रीत था जो मुसलमान हो गया था और जिसका नाम आप ने अब्दुल्लाह रखा।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 60

358. सजदे के समय जिब्रील द्वारा इब्लीस का फेंका जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

मक्का में आप सजदे में थे कि इब्लीस आकर आप की गर्दन पर पैर रखना चाहता था; जिब्रील ने अपने पंख से एक फूँक (वार) मारी, तो इब्लीस उरदुन तक जा गिरा।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl (ismet ve korunması), no. 136

359. क़ुरैश के सरदारों को उनके वध की ख़बर देना

हसन (अच्छी) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काबा में उक़बा बिन अबी मुऐत ने आप की चादर आप के गले में लपेटकर कसी और अबू बक्र ने आप को छुड़ाया; इसके बाद आप ने क़ुरैश के सरदारों से फ़रमाया: “उसकी क़सम जिसके हाथ में मेरी जान है, मैं तुम्हारे पास ज़बह होना (विनाश) लेकर आया हूँ”, और अबू जहल से कहा: “तुम भी उन्हीं में से हो”; वे सब भयभीत हो गए और बद्र में मारे गए।

मक्की दौर; पूर्ति: बद्र, हिजरी 2

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl (ismet ve korunması), no. 159

360. इराश के व्यक्ति का हक़ दिलाना और ऊँट का दिखाई देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

इराश के एक व्यक्ति के ऊँटों की क़ीमत न चुकाने वाले अबू जहल के पास क़ुरैश ने मज़ाक़ के लिए आप को भेजा, पर आप सचमुच गए, उसका दरवाज़ा खटखटाया और कहा: “इस व्यक्ति का हक़ दे दो”; अबू जहल पीले चेहरे के साथ बाहर निकला, तुरंत भुगतान कर दिया और बोला: “मैंने उनके सिर के ऊपर एक ऐसा नर ऊँट (चमकते भालों वाले लोग) देखा जैसा कभी नहीं देखा; अगर मैं न देता, तो वह मुझे खा जाता।”

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl (ismet ve korunması), no. 161

361. उक़बा बिन अबी मुऐत के लिए बद-दुआ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शेरों में आप को धमकी देने वाले उक़बा बिन अबी मुऐत के लिए आप ने बद-दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे नाक के बल गिरा दे”; बद्र में उक़बा का घोड़ा फिसला, वह गिरा और बंदी बना लिया गया।

बद-दुआ: मक्की दौर; पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

362. क़ुरैश की गालियों का आप से फेर दिया जाना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप ने फ़रमाया: “क्या तुम्हें आश्चर्य नहीं होता कि अल्लाह क़ुरैश की गालियों और लानत को मुझसे कैसे फेर देता है? वे ‘मुज़म्मम’ (निंदित) को गाली देते हैं, ‘मुज़म्मम’ पर लानत करते हैं; और मैं तो मुहम्मद (प्रशंसित) हूँ” (अबू हुरैरा की रिवायत)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत İbn Hibbân, Sahîh (el-İhsân), K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6503 (14/431)

---

363. अबू जहल का मुग़ीरा के सामने स्वीकार करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

मक्का में मुग़ीरा बिन शुअबा के साथ चलते हुए आप को अबू जहल मिला, आप ने उसे अल्लाह की ओर बुलाया; उसके अलग होने के बाद अबू जहल ने मुग़ीरा के सामने स्वीकार किया: “अल्लाह की क़सम, मैं जानता हूँ कि वे जो कहते हैं वह सच है; पर बनू क़ुसय ने हिजाबा, सिक़ाया, नदवा और लिवा (काबा की सेवा, हाजियों को पानी पिलाने, सभा और झंडे के पद) ले लिए; अब कहते हैं कि ‘हम में एक नबी है’; अल्लाह की क़सम, मैं इसे नहीं मानूँगा।”

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 192-193 (Kur'an'ın i'câzı)

---

364. मस्जिदे हराम में अबू जहल का पास न आ पाना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब आप ने अब्बास से अबू जहल की यह क़सम सुनी कि “अगर मैंने उन्हें सजदे में देखा तो उनकी गर्दन पर पैर रखूँगा”, तो आप क्रोध में मस्जिदे हराम में गए और सूरह अल-अलक़ पढ़ी; “यह रहे मुहम्मद” कहे जाने के बावजूद अबू जहल आप के रोब के कारण आप के पास न जा सका।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 211-212 (Ebû Cehil'den korunması bâbı)

---

365. अबू जहल का आप को न देख पाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

“अगर मैंने मुहम्मद को देखा तो ऐसा-ऐसा करूँगा” कहने वाले अबू जहल से कहा गया: “यह रहे मुहम्मद”, फिर भी वह “कहाँ हैं, कहाँ हैं?” कहता रहा और आप को न देख सका।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 214 (Mahzûmoğullarından korunması bâbı)

---

366. दुआ से शैतानों के हमले का टल जाना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जिस रात शैतानों ने पहाड़ों और घाटियों से आप पर हमला किया और उनमें से एक आप का चेहरा जलाने के लिए आग की लपट लेकर आया, उस रात आप ने जिब्रील की सिखाई दुआ “अऊज़ु बि-कलिमातिल्लाहित ताम्मात...” पढ़ी, तो आग बुझ गई और शैतान पराजित हो गए।

तिथि अनिश्चित (जिन्नों की रात की रिवायतों में)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 229-230 (Cinlerin İslâm'ı ve ondaki âyetler bâbı)

---

367. तवाफ़ में मुशरिकों को उनके दंड की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तवाफ़ करते समय हिज्र में बैठे उक़बा बिन अबी मुऐत, अबू जहल और उमय्या बिन ख़लफ़ ने तीन बार आप पर ताने कसे, तो आप ने कहा: “अल्लाह की क़सम, अगर तुम बाज़ न आए तो अल्लाह का दंड जल्द ही तुम पर उतरेगा”, और उन सब को कँपकँपी छूट गई; आप ने अपने सहाबा से फ़रमाया: “शुभ हो, अल्लाह अपने दीन को प्रभुत्व देगा”, और उस्मान ने उन्हें मुसलमानों के हाथों मारे जाते देखा।

मक्की दौर; पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 240-241 (Müşriklerin eziyeti sırasında görülen âyetler bâbı)

---

368. काबा के पास अबू जहल को उसकी मृत्यु की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

काबा के पास जिन मुशरिकों में अबू जहल भी था, उनसे आप ने कहा: “तुम्हारे चेहरे बिगड़ जाएँ”, और वे सब चुप रह गए; आप ने अबू जहल को ख़बर दी: “अल्लाह तुम लोगों को मार डालेगा।”

मक्की दौर; पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 242 (Müşriklerin eziyeti sırasında görülen âyetler bâbı (fasıl))

---

369. वलीद बिन मुग़ीरा का विनाश

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

“मज़ाक़ उड़ाने वालों के मुक़ाबले में हम तुम्हारे लिए काफ़ी हैं” आयत में जिन मज़ाक़ उड़ाने वालों की ख़बर दी गई, उनमें से वलीद बिन मुग़ीरा, जिब्रील के उसकी बाँह की नस (अकहल) की ओर इशारा करने के बाद, तीर सीधा करने वाले ख़ुज़ाआ के एक व्यक्ति के पास से गुज़रा, तीर से वह नस कट गई और वह मर गया।

मक्की दौर (लगभग 615–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 243 (Müşriklerin sövgüsünün ondan çevrilmesi ve müstehzilere karşı korunması bâbı)

---

370. असवद बिन मुत्तलिब का अंधा होना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मज़ाक़ उड़ाने वालों में से असवद बिन मुत्तलिब, जिब्रील के उसकी आँखों की ओर इशारा करने के बाद, एक बबूल (समुरा) के पेड़ के नीचे चिल्लाने लगा: “मेरी आँखों में काँटे चुभो रहे हैं”, जबकि उसके बेटों को कोई दिखाई नहीं दे रहा था, और वह अंधा हो गया।

मक्की दौर (लगभग 615–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 243 (Müşriklerin sövgüsünün ondan çevrilmesi ve müstehzilere karşı korunması bâbı)

---

371. असवद बिन अब्दे यग़ूस का विनाश

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मज़ाक़ उड़ाने वालों में से असवद बिन अब्दे यग़ूस, जिब्रील के उसके सिर की ओर इशारा करने के बाद, सिर पर निकले घावों से मर गया।

मक्की दौर (लगभग 615–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 243 (Müşriklerin sövgüsünün ondan çevrilmesi ve müstehzilere karşı korunması bâbı)

---

372. सूरह अल-मुज़्ज़म्मिल की आयत 11 का बद्र में पूरा होना

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

"झुठलाने वाले उन ख़ुशहाल लोगों को मुझ पर छोड़ दो और उन्हें थोड़ी मोहलत दो" (सूरह अल-मुज़्ज़म्मिल, आयत 11) आयत उतरने के कुछ ही समय बाद बद्र की घटना हुई।

ख़बर: मक्की दौर; पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 339 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

373. मज़ाक़ उड़ाने वाले हारिस का विनाश

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मज़ाक़ उड़ाने वालों में से हारिस, उसकी ओर इशारा किए जाने के बाद, पीप बहते हुए मर गया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 63 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

374. नमाज़ पढ़ते समय मुशरिकों से छिपा रहना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

हजरे असवद के सामने काबा और बैतुल मक़दिस दोनों की ओर मुँह करके नमाज़ पढ़ते समय आप अपनी पढ़ी गई आयतों (सूरह अल-इसरा, आयत 45; सूरह अन-नहल, आयत 108; सूरह अल-अनआम, आयत 25; सूरह अल-जासिया, आयत 23) से पर्दे में रहे, और नमाज़ पूरी होने तक मुशरिक आप को न देख सके।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 87 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

375. फेंके गए पत्थर का हवा में लटके रह जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

मक्का में एक घाटी से गुज़रते समय अबू जहल का आप पर फेंका गया पत्थर सात दिन और सात रात हवा में लटका रहा; "इसे कौन थामे हुए है?" पूछने वालों से आप ने फ़रमाया: "वह जिसने आसमानों को बिना खंभों के ऊँचा किया।"

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 64 (fasl fî hıfzillâhi lehû mine'l-müşrikîn ve keydi'ş-şeyâtîn)

---

376. क़ुरैशियों के आगे और पीछे दीवार खड़ी कर दी जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

मस्जिदे हराम में "अगर मुहम्मद आए तो हम सब एक आदमी की तरह उन पर टूट पड़ेंगे" की प्रतिज्ञा करने वाले क़ुरैशियों के आगे और पीछे अल्लाह ने दीवार खड़ी कर दी; आप ने उनके पास नमाज़ पढ़ी और वे आप को न देख सके, फिर आप ने उनके

सिरों पर मिट्टी डाल दी, और पर्दा हटने पर ही उन्होंने मिट्टी देखी और कहा: “यह इब्ने अबी कब्शा का जादू है” (सूरह यासीन, आयत 9)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 67 (fasl fî hıfzillâhi lehû mine'l-müşrikîn ve keydi'ş-şeyâtîn)

---

377. पत्थरों का सलाम और मुशरिकों को कुचलना

गढ़ी हुई (मौज़ू) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

क़ुरैश ने आप पर और अली पर जो पत्थर फेंके, उनमें से हर एक ने उन्हें सलाम किया; “पत्थर बोलते नहीं, मुहम्मद ने उनके नीचे आदमी छिपा रखे हैं” कहने वाले दस मुशरिकों के सिर दस पत्थरों ने उड़कर कुचल दिए; जब उनके रिश्तेदारों ने कहा: “मुहम्मद ने अपने जादू से मार डाला”, तो लाशें बोल उठीं: “मुहम्मद ने सच कहा, तुमने झूठ कहा”, और ताबूतों ने “हम अल्लाह के शत्रुओं को नहीं उठाएँगे” कहकर उठाने वालों को ज़मीन पर गिरा दिया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 82 (fasl fî nutki'l-cemâdât)

---

378. हारिस बिन अबित-तुलातिला का काला पड़कर मरना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मज़ाक़ उड़ाने वालों में से हारिस बिन अबित-तुलातिला गर्म हवा (समूम) में बाहर निकला और हबशी की तरह काला पड़ गया; घर लौटने पर उसके परिवार ने उसे न पहचाना और मार डाला।

मक्की दौर (लगभग 615–622 ईस्वी)

स्रोत Tabersî, el-İhticâc (thk. M. Bâkır el-Hursân, Necef: Matbaatü'n-Nu'mân 1386/1966), c. 1, s. 322 (İhticâcü Emîri'l-mü'minîn ale'l-Yehûd min ahbârihim... fî mu'cizâti'n-Nebî)

---

379. मुक़्तसिमून समूह का विनाश

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

वलीद बिन मुग़ीरा ने हज के मौसम में आने वालों को आप से दूर रखने के लिए मक्का के रास्ते जिन सोलह लोगों (अल-मुक़तसिमून) में बाँटे थे, वे अल्लाह के उतारे दंड से सबसे बुरी मौत मरे।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 47 (Bâb 8: düşmanlarının şerrinden korunması)

---

380. अबू लहब के हानि न पहुँचा सकने की ख़बर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

धमकी देने वाले अबू लहब से आप ने फ़रमाया: “अगर तुम्हारी ओर से मुझे एक खरोंच भी पहुँचे, तो मैं झूठा हूँ”, और जैसा आप ने कहा था, अबू लहब आप को कोई हानि न पहुँचा सका (इसे आप की पहली भविष्यवाणियों में गिना जाता है)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 52 (Bâb 8: düşmanlarının şerrinden korunması)

381. मामर बिन यज़ीद की हत्या की कोशिश का विफल होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

बनू किनाना में सबसे बहादुर माने जाने वाले और बीस हज़ार योद्धाओं की धमकी देने वाले मअमर बिन यज़ीद ने हिज्र में सजदे की हालत में आप पर दस बालिश्त लंबी तलवार से हमला करना चाहा, तो वह अपने कवच में उलझकर गिर पड़ा, ख़ून से लथपथ चेहरे के साथ बतहा की ओर भागा और बोला: “मैंने उनके सिर के पास आग उगलते दो गंजे साँप (शुजा) देखे” (जाबिर और इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 65 (Bâb 8: düşmanlarının şerrinden korunması)

382. कलदा बिन असद के भाले का उसी पर लौट आना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

अक़ील के घर और इक़ाल के बीच कलदा बिन असद का आप पर फेंका गया छोटा भाला (मिज़राक़) लौटकर उसी के सीने में धँस गया, और कलदा डर से भाग गया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 65 (Bâb 8: düşmanlarının şerrinden korunması)

383. पत्थर फेंकते समय अबू लहब का हाथ सूख जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

सजदे की हालत में आप पर पत्थर फेंकने के लिए हाथ उठाने वाले अबू लहब का हाथ हवा में सूखकर जम गया; गिड़गिड़ाकर फिर ऐसा न करने की क़सम खाने पर वह ठीक हो गया, फिर अपनी बात से मुकरने पर सूरह अल-लहब (तब्बत) उतरी (अबू ज़र की रिवायत)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 66 (Bâb 8: düşmanlarının şerrinden korunması)

384. पाँच पर्दों द्वारा हत्यारों से सुरक्षा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

आप को मारना चाहने वालों से आप पाँच पर्दों द्वारा सुरक्षित रहे (उनके आगे दीवार, उनके पीछे दीवार, उनकी आँखों पर परदा, क़ुरआन पढ़ते समय छिपा पर्दा, उनकी गर्दनों के तौक़; सूरह यासीन, आयत 8–9; सूरह अल-इसरा, आयत 45), और वे आप को न देख सके।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 278 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

385. मज़ाक़ उड़ाने वालों में से आस बिन वाइल का विनाश

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मज़ाक़ उड़ाने वालों में से आस बिन वाइल सहमी का विनाश: किसी काम से निकलने पर उसके पैर के नीचे का पत्थर खिसका, वह गिरकर चकनाचूर हो गया और “मुझे मुहम्मद के रब ने मार डाला” कहते हुए मरा (इहतिजाज की रिवायत); ख़राइज की

रिवायत में उसके पैर के तलवे की ओर इशारा किए जाने के बाद गधे पर ताइफ़ जाते हुए पैर में चुभे एक काँटे से उसकी मौत हुई।

मक्की दौर (खुली दावत, लगभग 613–615 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 282 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

386. मज़ाक़ उड़ाने वालों में से असवद बिन हारिस का विनाश

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

मज़ाक़ उड़ाने वालों में से असवद बिन हारिस नमकीन मछली खाकर न बुझने वाली प्यास में पड़ गया, पेट फटने तक पानी पीता रहा और “मुझे मुहम्मद के रब ने मार डाला” कहते हुए मरा; इस पर यह आयत उतरी: “जो आदेश तुम्हें मिला है उसे खुलकर सुना दो... मज़ाक़ उड़ाने वालों के मुक़ाबले में हम तुम्हारे लिए काफ़ी हैं” (सूरह अल-हिज्र, आयत 94–95)।

मक्की दौर (खुली दावत, लगभग 613–615 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 283 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

387. चट्टानों का सलाम करना और मुशरिकों को कुचलना

गढ़ी हुई (मौज़ू) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

मक्का में अली के साथ चलते हुए अबू लहब ने “यह जादूगर और झूठा है” कहकर क़ुरैश के जिन युवकों को उकसाया, उन्होंने उन पर पत्थर बरसाकर उन्हें घायल कर दिया; नगर से बाहर निकलने पर चट्टानें अपने-आप लुढ़कती हुई आईं और सलाम किया: “अस्सलामु अलैका या मुहम्मद बिन अब्दुल्लाह... अस्सलामु अलैका या अली बिन अबी तालिब”; “मुहम्मद ज़मीन के नीचे आदमी छिपाकर बुलवा रहे हैं” कहने वाले दस मुशरिकों के सिरों पर दस चट्टानें उठकर गिरीं और सब को मार डाला।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 259-260 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

388. हिरा के रास्ते की घात में पहाड़ का आपस में मिल जाना

गढ़ी हुई (मौज़ू) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

ज़हरीली तलवारों वाले सत्तर यहूदियों ने हिरा पहाड़ के रास्ते में घात लगाकर आप पर हमला किया; हर हमले पर पहाड़ के दोनों किनारे मिलकर उनके और आप के बीच आ जाते; ऐसा सैंतालीस बार हुआ और आप सही-सलामत बच निकले।

मक्की दौर (नबूवत से पहले या उसके आरंभ में), तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 313-314 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

---

389. क़ुरैश के हाथ-पैर जकड़ दिए जाना

गढ़ी हुई (मौज़ू) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब क़ुरैश ने आप को मारने का प्रयास किया, तो अल्लाह ने उनके हाथ सुखा दिए और पैर जकड़ दिए, और उन्हें लौटना पड़ा (मुनाफ़िक़ों ने सलमान, मिक़दाद, अबू ज़र और अम्मार के सामने जिन मोजिज़ों को गिनाया, उनमें से एक)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 341 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

---

390. बनू मख़्ज़ूम के हत्यारे को दिखा भयानक ऊँट

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

बनू मख़्ज़ूम की हत्या की योजना में, जब अबू जहल आप को न देख सका और वलीद बिन मुग़ीरा केवल आप की क़िरअत सुन सका, तो “इनका सिर मैं कुचलूँगा” कहते हुए हाथ में पत्थर लेकर गया तीसरा व्यक्ति, आप और उसके बीच खड़े, कान हिलाते एक ऐसे विशाल नर ऊँट को देखकर, जैसा कभी नहीं देखा गया था, बेहोश होकर पीछे गिर पड़ा।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "IX-] KÂFİRLERİN ŞERRİNDEN KORUNMASI MU’CİZELERİ (başlıksız paragraf)" (kitabın dipnotu: Beyhakî, Delâil, c:2, s:154; Kurtubî, Tefsîr, c:15, s:7: Suyûtî, Dürru'l-mensûr, c:5, s:258)

---

391. काबा में बनू मख़्ज़ूम का भ्रमित किया जाना और सूरह यासीन की आयत 9

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

जब बनू मख़्ज़ूम सब मिलकर उस जगह की ओर बढ़े जहाँ उन्होंने काबा में नमाज़ पढ़ते समय आप की क़िरअत सुनी थी, तो आवाज़ के निकट पहुँचते ही हर बार वह आवाज़ उनके पीछे से आने लगती, और वे आप तक पहुँचे बिना लौट गए; रिवायत है कि “हमने उनके आगे एक दीवार और उनके पीछे एक दीवार खड़ी कर दी” (सूरह यासीन, आयत 9) आयत इसी हत्या-प्रयास पर उतरी।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "IX-] KÂFİRLERİN ŞERRİNDEN KORUNMASI MU’CİZELERİ (başlıksız paragraf)" (kitabın dipnotu: Beyhakî, Delâil, c:2, s:154; Kurtubî, Tefsîr, c:15, s:7: Suyûtî, Dürru'l-mensûr, c:5, s:258)

13 · मक्की दौर (610–622 ईस्वी): आप के मोजिज़े, दुआएँ और ग़ैब की ख़बरें

392. चाँद का दो टुकड़े होना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

क़ुरआन सूरह अल-क़मर का आरंभ इस बयान से करता है कि क़यामत क़रीब आ गई और चाँद फट गया। हदीस-संग्रह कई सहाबा के वास्ते से रिवायत करते हैं कि मक्का वालों ने नबी ﷺ से कहा कि उन्हें कोई निशानी दिखाएँ, तो आप ने उन्हें चाँद दो टुकड़ों में बँटा हुआ दिखाया।

मक्की दौर, हिजरत से पहले, जब क़ुरैश निशानियों की माँग कर रहे थे।

स्रोत आयत 54:1-2 (Surat al-Qamar); Sahih al-Bukhari 3637

393. रूमियों की जीत की पेशगोई

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सूरह अर-रूम का आरंभ इस बयान से होता है कि रूमी सबसे क़रीब की ज़मीन में हार गए, और अपनी हार के बाद वे कुछ ही वर्षों में ग़ालिब आ जाएँगे।

मक्की दौर, बाइज़ेंटाइन–फ़ारसी युद्धों के दौरान।

स्रोत आयत 30:2-4 (Surat ar-Rum)

394. बिना दूध वाली बकरी के बच्चे के थन से दूध दुहना

हसन (अच्छी) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

इब्ने मसऊद द्वारा चराए जा रहे रेवड़ में एक ऐसी बकरी के बच्चे का, जो कभी दुही नहीं गई थी और जिसमें दूध नहीं था, थन सहलाकर आप ने दूध दुहा।

लगभग 610–613 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.496; 1000 Mucize no.86 (s.59); web: İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6504; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 102 — Delâilü'n-nübüvve: sütün çoğalması; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 233; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 203; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 74; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 41; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 84, no. 67/1; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "MU'CİZELERİNDEN BİRİSİ DE BEREKETE DÂİRDİR" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:3, s:151; İbn Esir, Usdu'l-gabe, c:3, s:385)

395. एक टाँग मांस और एक प्याला दूध से चालीस लोगों का तृप्त होना

सहीह (प्रामाणिक) खाने से संबंधित मोजिज़े

जिस दावत में आप ने अपने निकट संबंधियों को बुलाया, उसमें बकरी की एक टाँग का मांस और दूध के एक बर्तन ने 40 लोगों का पेट भर दिया।

लगभग 613 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.511; 1000 Mucize no.252 (s.225); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü mu'cizetihî fi't-taâm, no 14109-14111; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 112 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 10. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15.

fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 205-206; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 281; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 231; c. 18, s. 44; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 92-93; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 47-48, no. 13/2

---

396. उमर के इस्लाम लाने की दुआ का स्वीकार होना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप की दुआ “ऐ अल्लाह, उमर के द्वारा इस्लाम को सम्मान दे” अगले ही दिन क़बूल हो गई।

लगभग 616 ईस्वी (नबूवत का छठा वर्ष)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.560; 1000 Mucize no.371 (s.357); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 219-223; ayrıca: Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb, (3682); İbn Mâce 105 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4389, c./s. 12/449; no. 6013, c./s. 16/505]

---

397. रूमियों के फ़ारसियों पर विजयी होने की ख़बर

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ख़बर दी गई कि रूमी कुछ ही वर्षों में फ़ारसियों पर विजयी होंगे।

ख़बर: लगभग 615–616 ईस्वी; पूर्ति: लगभग 624–627 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.689; İbn Kesîr s.124; 1000 Mucize no.517 (s.530); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 242-243; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 237; c. 1, s. 340; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 240; Hoyî, el-Beyân, «i'câzü'l-Kur'ân» bölümü (ikincil aktarımdan); Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 163, 186, 197-199, 206-209; c. 18, s. 129, 139; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 93; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Haberî Mû’cizeler" (kitabın dipnotu: Rûm:1-4); "Acem-Rum Savaşı Hakkında Müşriklerle Bahse Girişilmesi" (kitabın dipnotu: Rûm: 1-6 / Taberi, Tefsir, c:21, s:16-21; Ebu'l-Fidâ, Tefsîr, c:3, s:422-425; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:276; Kurtubî, Tefsîr, c:14, s:3; Zemahşerî, Keşşaf, c:3, s:214.); Kütüb-i Sitte: Tirmizî 3193-3194

---

398. चाँद का दो टुकड़े होना (शक़्क़ुल क़मर)

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

आप के इशारे से चाँद दो टुकड़े हो गया (शक़्क़ुल क़मर)।

लगभग 617–618 ईस्वी (हिजरत से लगभग 5 वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.616; İbn Kesîr s.19; 19. Mektup listesi (183.txt) no.7; 1000 Mucize no.13 (s.21); web: Buhârî, Menâkıb, bâbü süâli'l-müşrikîn, no. 3636-3638; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 572; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6495-6497; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 74 — Delâilü'n-nübüvve: semâvî mucizeler – inşikāk-ı kamer; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 209-210; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 30, 25-29, 425, 428, 436, 25-30; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 274-275, 273; Râzî, et-Tefsîrü'l-kebîr, c. 29, s. 288 vd. ve s. 337; islamveihsan.com, “Hz. Peygamber'in Mucizeleri”; Buhârî, Menâkıb, no 3636-3638; Tefsîr, no 4864-4868; Müslim, Sıfatü'l-kıyâme, no 2800-2803; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 280-281; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36, 35-36; Tabersî, Mecmau'l-beyân, c. 9, s. 281-282; c. 9, s. 309-310 (ikincil aktarımdan); Şeyh Tûsî, et-Tibyân, c. 9, s. 430-431; c. 9, s. 442-443; Tabâtabâî, el-Mîzân, c. 19, s. 33-35; c. 19, s. 64 (ikincil aktarımdan) (+12 kaynak daha: web_kaynaklari dosyasında); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas)

Mucizeleri -1 (2023), "Hadîslerde Geçen Kelimeler + MU'CİZE TARİFİNDEKİ İHTİLÂFLAR" (kitabın dipnotu: Buhari, Menakıb, 28; Menakıbu'l-ensar, 36; Müslim, el-Münafikin,46: Tefsiru's-sure (Kamer)) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "AYIN İKİYE AYRILMASI MU'CİZESİ" (kitabın dipnotu: Buhârî, c:4, s:186; c:6.s:52; Kadı lyaz, Şifâ, c:1, s:234-235; Suyûtî, Dürru'l-mensûr, c:6, s:133; Kurtubî, Tefsîr, c:17, s:127; Beyhakî, Delâil, c:2, s:267; Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:281; Kastalâni, Mevahib, c:1, s: 466-467 / Kamer:1-8); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3636-3638, 4864; Müslim 2800-2802 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5606, c./s. 15/467; no. 5607, c./s. 15/467-468]

---

399. बहिष्कार के दस्तावेज़ के लेख को दीमक के खा जाने की ख़बर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप ने ख़बर दी कि बहिष्कार के दस्तावेज़ के लेख को दीमक खा गई है और केवल "बिस्मिकल्लाहुम्मा" (ऐ अल्लाह, तेरे नाम से) शब्द बचा है।

लगभग 619 ईस्वी (नबूवत का दसवाँ वर्ष)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.673; İbn Kesîr s.134; 19. Mektup listesi (183.txt) no.108; 1000 Mucize no.234 (s.205); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl, no. 205; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 249-251; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 241-242, 469; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 308; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 120; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 85-86; c. 1, s. 142-143; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 59; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 320; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Müşriklerin Kâ'be'ye Astığı Anlaşma Sahifesinin Güve Tarafından Yenilişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:188-189, 209; Belâzurî, Ensâb, c:1, s:234; Halebî, İnsân, c:2, s:35; İbn İshak-İbn Hişam, Sire, c:2, s-16-17; Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:274)

---

400. ख़दीजा को जन्नत में मोती के महल का शुभ समाचार

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप ने बताया कि जिब्रील ख़दीजा के लिए उनके रब की ओर से सलाम और जन्नत में मोती के एक महल का शुभ समाचार लाए हैं।

लगभग 619 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.710; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menâkıbu'l-Ensâr 20, Tevhîd 35; Müslim, Fezâilu's-Sahâbe 71, (2432) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4481, c./s. 13/34]

---

401. रेशम के कपड़े में आइशा की सूरत दिखाई जाना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

शादी से पहले सपने में आप को रेशम के एक कपड़े में आइशा की सूरत दिखाई गई।

लगभग 620 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.85; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 299; Kütüb-i Sitte: Buharî, Nikah 9, 35, Tabir 20, 21; Müslim, Fezailu's-Sahabe 79; Tirmizî, Menakıb (3875) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5610, c./s. 15/484]

402. ताइफ़ से लौटते समय बेरी के पेड़ का दो भाग होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

ताइफ़ से लौटते समय आप ऊँघ रहे थे, तो आप की सवारी के सामने आया सिदरा (बेरी) का पेड़ दो भागों में बँटकर रास्ता दे गया।

लगभग 620 ईस्वी

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.158; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 5. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl; Questions on Islam, "Miracles Concerning Trees"; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 375; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 26; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 88; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 117; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 92, hadis no. 79/5

403. तुफ़ैल बिन अम्र के कोड़े पर नूर का चमकना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

तुफ़ैल बिन अम्र दौसी के कोड़े के सिरे पर उनकी क़ौम के लिए निशानी के रूप में नूर चमका।

लगभग 617–620 ईस्वी

स्रोत İbn Kesîr s.69; Beyhakî, Delâil c.4 s.295; 1000 Mucize no.351 (s.338); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 225-226; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 425; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 380-381; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 103; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 97, hadis no. 87/2; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Tufeyl b. Amr'ın Müslüman Oluşu ve Efendimiz Aleyhisselâmın dua mucizesi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:4, c:237-239; İbn İshak- İbn Hişam, Sire, c:2, s:22; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:3, s:98; Zehebî, Siyer, c:1, s:248-249.)

404. पेड़ का चलकर नबी के सामने आना

सहीह (प्रामाणिक) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

क़ुरैशियों के मारने से आप लहूलुहान होकर दुखी बैठे थे, तो जिब्रील ने कहा: “क्या मैं आप को एक निशानी दिखाऊँ?”; इस पर आप ने घाटी के उस पार के पेड़ को बुलाया, पेड़ चलकर आप के सामने आ खड़ा हुआ और आप के आदेश से अपनी जगह लौट गया; आप ने फ़रमाया: “यह मेरे लिए काफ़ी है।”

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.21 (s.32), no.882 (s.737); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 23; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 573; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 1. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 202; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 115-116; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 376; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "PEYGAMBERLERİN MU’CİZEYE İHTİYACI" (kitabın dipnotu: İbn Mâce, Fiten, 23; Beyhâkî, Delâil’ü-Nübüvve c:6; s:13) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "IX-] KÂFİRLERİN ŞERRİNDEN KORUNMASI MU’CİZELERİ (başlıksız paragraf)" (kitabın dipnotu: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:154); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 4028 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7213]

405. पुकारे जाने पर पेड़ (या डाली) का चलकर आना

हसन (अच्छी) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

मक्का में अपनी क़ौम के झुठलाने से दुखी होकर (दूसरी रिवायत में हजून में) आप ने अपने रब से दिल को तसल्ली देने वाली एक निशानी माँगी; आप ने जिस पेड़ की डाली को (दूसरी रिवायत में अक़बा की ओर के पेड़ को) बुलाया, वह अपनी जगह से उखड़कर चलती हुई आई और आप के आदेश से अपनी जगह लौट गई।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.24 (s.36); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14172; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.13; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 202; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 116; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 43; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "PEYGAMBERLERİN MU'CİZEYE İHTİYACI" (kitabın dipnotu: İbn Mâce, Fiten, 23; Beyhâkî, Delâil'ü-Nübüvve c:6; s:13)

---

406. ख़ब्बाब के लिए दुआ और उम्मे अनमार का सिर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मुसलमान होने के कारण अपनी मालकिन उम्मे अनमार द्वारा सिर को आग से दाग़कर सताए जा रहे लोहार ग़ुलाम ख़ब्बाब के लिए आप ने दुआ की: "ऐ अल्लाह, ख़ब्बाब की सहायता कर"; वह स्त्री सिरदर्द में पड़ गई और उसे अपना सिर ख़ब्बाब से दग़वाना पड़ा।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.951 (s.776); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "III-] HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂMIN GAYBDAN HABER VERME MU'CİZELERİ — Habbab b. Eret'e Yapılan İşkence" (kitabın dipnotu: Belâzurî, Ensâb, c:1, s:175,178-179;İbn Sa'd, Tabakât, c:3, s:165, 233;Ebu Nuaym, Hilye, c:1, s:144; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:2, s:114-115; Suyûtî, Dürru'l-mensûr, c:4, s:132;Ahmed b. Hanbel, c:5, s:11,56,109-111; Buhârî, c:3, s:56; c:4, s:238-239; Hâkim, Müstedrek, c:3, s:383)

---

407. जिन्नों के प्रमाण माँगने पर पेड़ का आना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

जिन्नों के प्रमाण माँगने पर आप ने एक पेड़ को आदेश दिया; पेड़ अपनी जगह से निकलकर आया और फिर अपनी जगह लौट गया (मुजाहिद की इब्ने मसऊद से रिवायत)।

लगभग 620 ईस्वी

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 7. misal (s. 188)

---

408. पेड़ों और पहाड़ों का नबी को सलाम करना

हसन (अच्छी) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

मक्का में आप के साथ नगर के एक ओर निकले अली ने कहा: "आप के सामने आने वाला हर पेड़ और पहाड़ 'अस्सलामु अलैका या रसूलल्लाह' कहता था।"

मक्की दौर, नबूवत के शुरुआती वर्ष (लगभग 610–613 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl (cemâdât)

---

409. हमज़ा को जिब्रील दिखाया जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

आप ने हमज़ा को काबा में जिब्रील दिखाए; हमज़ा (देखते ही) बेहोश होकर गिर पड़े।

मक्की दौर (लगभग 616–622 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl (melekler ve cinler)

---

410. सहायता करने वाले लोगों को सपने में देखना और किंदा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप ने सपने में देखा कि कच्ची ईंटों के घरों और खजूर के बाग़ों वाले लोग आप की सहायता करेंगे; फिर आप किंदा क़बीले के पास गए और इस्लाम पेश किया, पर उन्होंने आप के बाद शासन मिलने की शर्त रखी और (शर्त स्वीकार न होने पर) आप का प्रस्ताव ठुकरा दिया।

लगभग 620 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl (müşriklerle arasında geçenler), no. 216

---

411. क़ुरैश के लिए दुआ और अकाल का दूर होना

सहीह (प्रामाणिक) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

अकाल से पीड़ित क़ुरैश की ओर से अबू सुफ़यान ने आकर सिफ़ारिश की, तो आप ने दुआ की और अकाल दूर हो गया।

मक्की दौर (लगभग 616–619 ईस्वी; कुछ रिवायतों में हिजरत के बाद)

स्रोत İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye (Saâde bs.), c. 6, s. 93 — Delâilü'n-nübüvve: semâvî mucizeler – istiskā

---

412. क़र्नुस सआलिब में पहाड़ों के फ़रिश्ते की घटना

सहीह (प्रामाणिक) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

ताइफ़ में इब्ने अब्दे यालील के इनकार के बाद क़र्नुस सआलिब में जब आप ने सिर उठाया, तो एक बादल ने आप पर छाया की; उसमें से जिब्रील ने पुकारा और पहाड़ों का फ़रिश्ता भेजा; फ़रिश्ते ने कहा: “अगर आप चाहें तो मैं दोनों अख़शब (पहाड़) उन पर उलट दूँ”, तो आप ने फ़रमाया: “नहीं, मुझे आशा है कि उनकी पीठों से ऐसे लोग पैदा होंगे जो अल्लाह की इबादत करेंगे।”

लगभग 619–620 ईस्वी (ताइफ़ से वापसी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl (müşriklerle arasında geçenler), no. 213

---

413. काबा के पास की तिलावत का छप्पर में सुना जाना

हसन (अच्छी) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

रात को काबा के पास आप जो क़ुरआन पढ़ते, वह क़िरअत उम्मे हानी के घर की छत पर बनी छतरी में सुनाई देती थी।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 113 (Sesinin başkasının sesinin ulaşmadığı yere ulaşması)

---

414. “अल्लाह तुम्हारे पिता की रक्षा करेगा” का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अबू तालिब की मृत्यु के बाद क़ुरैश के एक मूर्ख ने आप के सिर पर मिट्टी डाल दी; इस पर रोती हुई अपनी बेटी से आप ने फ़रमाया: “मत रोओ बेटी, अल्लाह तुम्हारे पिता की रक्षा करेगा।”

लगभग 619–620 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 148 (Ebû Tâlib'le ilgili rivayetler)

---

415. ज़मज़म के पानी से अबू ज़र का तृप्त रहना

सहीह (प्रामाणिक) पानी से संबंधित मोजिज़े

मक्का में आप की प्रतीक्षा करते हुए अबू ज़र तीस दिन-रात केवल ज़मज़म के पानी पर रहे; उन्हें बिल्कुल भूख नहीं लगी और वे इतने मोटे हो गए कि उनके पेट की सलवटें मिट गईं; आप ने फ़रमाया: “यह बरकत वाला है, पेट भरने वाला भोजन है।”

मक्की दौर (लगभग 612–615 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 193 (Kur'an'ın i'câzı)

---

416. अबू तालिब के स्वस्थ होने की दुआ

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

बीमार चाचा अबू तालिब ने कहा: “भतीजे, अपने रब से दुआ करो कि मुझे शिफ़ा दे”; आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मेरे चाचा को शिफ़ा दे”, और अबू तालिब ऐसे तुरंत उठ खड़े हुए मानो बंधन से छूट गए हों।

मक्की दौर (लगभग 610–619 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 207 (Ebû Tâlib'in onun duasıyla şifa bulması)

---

417. उमर के इस्लाम लाने पर आसमान वालों का प्रसन्न होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जब उमर मुसलमान हुए, तो जिब्रील ने उतरकर ख़बर दी: “आसमान वाले उमर के इस्लाम से प्रसन्न हुए।”

मक्की दौर (लगभग 616 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 223 (Ömer b. Hattâb'ın İslâm'ındaki âyetler bâbı)

---

418. उस्मान बिन मज़ऊन की उपस्थिति में वह्य का उतरना

हसन (अच्छी) क़ुरआनी मोजिज़े

अपने घर के आँगन में उस्मान बिन मज़ऊन के साथ बैठे हुए आप ने आसमान की ओर टकटकी लगाई, फिर उनकी ओर मुड़े और सुनने वाले की तरह सिर हिलाया; पूछने पर आप ने बताया कि जिब्रील आकर सूरह अन-नहल की आयत 90 लाए हैं, और उसी क्षण ईमान उस्मान के दिल में बैठ गया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 227 (Osman b. Maz'ûn'un İslâm'ı bâbı)

---

419. आसमान की ओर उठता पेड़ और सबसे बड़ा नूर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जिब्रील आप की पीठ छूकर आप को एक पेड़ के पास ले गए जिसमें पक्षी के घोंसले जैसी दो जगहें थीं; एक में आप और दूसरी में जिब्रील बैठे, तो पेड़ ऊँचा होकर क्षितिज तक छा गया, आसमान का एक दरवाज़ा खुला और आप ने सबसे बड़ा नूर देखा, और जिब्रील टाट की तरह ढेर होकर रह गए (इब्ने कसीर: यह इसरा से अलग घटना है)।

मक्की दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 260 (İsrâ bâbı (Enes hadisi))

---

420. तीन नगरों में से हिजरत के स्थान की वह्य

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप की ओर वह्य की गई: “इन तीन नगरों में से जिसमें भी उतरोगे, वही तुम्हारी हिजरत की जगह होगी: मदीना, बहरैन या क़िन्नसरीन।”

हिजरत से पहले (लगभग 621–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 304 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

421. नबूवत से पहले रोशनी देखना और आवाज़ सुनना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

मक्का में बिताए पंद्रह वर्षों में से सात वर्ष आप (वह्य उतरे बिना) रोशनी देखते और आवाज़ सुनते रहे, और आठ वर्ष आप पर वह्य उतरी।

मक्की दौर (लगभग 610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 304 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

422. काबा की कुंजी और उस्मान बिन तलहा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हिजरत से पहले काबा न खोलने और आप से कठोर व्यवहार करने वाले उस्मान बिन तलहा से आप ने फ़रमाया: “शायद एक दिन तुम यह कुंजी मेरे हाथ में देखोगे, मैं इसे जहाँ चाहूँगा रखूँगा”; विजय के दिन आप ने कुंजी ली और फिर उसे सौंपते हुए यह बात याद दिलाई।

ख़बर: मक्की दौर; पूर्ति: मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 442 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

---

423. ख़दीजा को जन्नत में बेटे के दूध पिलाए जाने का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बेटे क़ासिम की मृत्यु पर जिनका दूध उतर आया था और जो दुखी थीं, उन ख़दीजा से आप ने फ़रमाया: “उसका दूध पीना जन्नत में पूरा होगा”; और कहा: “अगर तुम चाहो तो मैं अल्लाह से दुआ करूँ कि वह तुम्हें उसकी आवाज़ सुना दे”; ख़दीजा ने कहा: “मैं अल्लाह और उसके रसूल की पुष्टि करती हूँ”, और इसी पर संतोष किया।

मक्की दौर (नबूवत के आरंभ के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 148 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

---

424. उमर के दिल से द्वेष का निकाला जाना

हसन (अच्छी) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

जब उमर मुसलमान हुए, तो आप ने अपने हाथ से उनके सीने पर तीन बार मारकर दुआ की: “ऐ अल्लाह, उमर के सीने से द्वेष निकाल दे और उसकी जगह ईमान रख दे” (इब्ने उमर की रिवायत)।

मक्की दौर, नबूवत का छठा वर्ष (लगभग 616 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 279 (dualaın kabulündeki mucizeler: ailesi, misafir, Ömer ve Ali için dualaı)

---

425. बादशाह नबी या बंदा नबी होने का चुनाव

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

सफ़ा पर जिब्रील के साथ होते हुए जब आप ने आले मुहम्मद की आर्थिक तंगी का ज़िक्र किया, तो इस्राफ़ील, जो पहले कभी किसी नबी पर नहीं उतरे थे, धरती के ख़ज़ानों की कुंजियाँ लेकर उतरे, तिहामा के पहाड़ों को सोने और चाँदी में बदल देने की पेशकश की और आप को “बादशाह नबी” और “बंदा नबी” होने के बीच चुनाव का अधिकार दिया; जिब्रील के विनम्रता के इशारे पर आप ने बंदा नबी होना चुना (इब्ने अब्बास और इब्ने उमर की रिवायतें)।

मक्का, सफ़ा; तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 333 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

---

426. रिज़वान का दुनिया के ख़ज़ाने लाना

गढ़ी हुई (मौज़ू) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जब मुशरिकों ने आप की ग़रीबी पर ताना मारा, तो जिब्रील सूरह अल-फ़ुरक़ान की आयत 20 लेकर आए, फिर जन्नत के दारोग़ा रिज़वान दुनिया के ख़ज़ानों की कुंजियाँ लाए; जिब्रील के विनम्रता के इशारे पर आप ने उन्हें स्वीकार नहीं किया; आसमान खोल दिए गए और आप को नबियों के दर्जे और उनसे ऊपर आप का अपना दर्जा दिखाया गया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 334 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

---

427. टेक लगाकर भोजन न करने का आदेश

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

मक्का के ऊपरी भाग में टेक लगाकर खाना खाते समय जिब्रील ने आकर सावधान किया: “टेक लगाना नेमत वालों का काम है”; आप तुरंत सीधे होकर बैठ गए और फ़रमाया: “मैं एक बंदा हूँ; बंदे की तरह खाता हूँ, बंदे की तरह पीता हूँ”, और फिर कभी टेक लगाकर नहीं खाया (अता बिन यसार और अनस की रिवायतें; “मैं टेक लगाकर नहीं खाता”: अबू जुहैफ़ा)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी), तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 408 (ona özgü yasaklar (muharremât) kısmı)

---

428. पत्थर का नरम होना और बाँहों का उसमें धँस जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

मक्का की एक घाटी में आप ने (नमाज़ में) पहाड़ के एक पत्थर से टेक लगाई, तो पत्थर नरम होकर आप की बाँहों और कलाइयों के भीतर तक धँस गया; उसका निशान वाली जगह एक प्रसिद्ध स्थान बन गई जिसकी हाजी ज़ियारत करते हैं।

मक्की दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 448 (Dâvûd'a verilenler)

429. हिंदुस्तान में चाँद के टुकड़े होने का ऐतिहासिक उल्लेख

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

चाँद के दो टुकड़े होने की रात दूसरे देशों में भी देखी गई, इसके बारे में एक रिवायत: बताया गया है कि हिंद में एक इमारत पर एक लेख मिला जिस पर तिथि अंकित थी: “चाँद के दो टुकड़े होने की रात बनाई गई।”

घटना: मक्की दौर (लगभग 617–618 ईस्वी); लेख का देखा जाना: तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhim, el-Mektebetü't-Tevfîkıyye), s. 30 (inşikāku'l-kamer bahsinin sonu)

430. हिंद के राजा का चाँद के टुकड़े होते देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

रिवायत है कि भारत के मालाबार तट के राजा चक्रवर्ती फ़रमास ने अपने देश से चाँद का दो टुकड़े होना देखा, और मुसलमान व्यापारियों से घटना जानकर अरब गया और नबी ﷺ से मिला; अबू सईद ख़ुदरी ने कहा: “हिंद के बादशाह ने अल्लाह के रसूल को अदरक का एक घड़ा उपहार में भेजा, और आप ने अपने सहाबा को उसके टुकड़े-टुकड़े खिलाए।”

मक्की दौर (चाँद के दो टुकड़े होना); बादशाह के आने की तिथि अनिश्चित

स्रोत The Miracles of Muhammad (IslamHouse; kaynak: islamreligion.com, 2013), PDF s. 5-8

431. भेड़िये का चरवाहे से बात करके संदेश पहुँचाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

भेड़ें चराते हुए जिस चरवाहे की एक भेड़ भेड़िया उठा ले गया, उससे भेड़िये ने भेड़ छोड़कर स्पष्ट भाषा में कहा: “असल आश्चर्य की बात तो तुम हो: मुहम्मद मक्का की घाटी में हक़ की ओर बुला रहे हैं और तुम उनसे बेख़बर हो”; चरवाहा आकर मुसलमान हो गया, और उसकी संतान यह कहकर गर्व करती थी: “मैं भेड़िये से बात करने वाले (मुकल्लिमुज़ ज़िब) का बेटा हूँ।”

मक्की दौर (पाठ के अनुसार)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 27 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

432. मुसलमानों की बारी के दिन ज़मज़म के पानी का बढ़ जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पानी से संबंधित मोजिज़े

इस्लाम के आरंभ में मक्का में जब ज़मज़म का पानी एक दिन मुसलमानों और एक दिन मुशरिकों के लिए बँटा हुआ था, तो मुसलमानों के दिन कुआँ दो दिन का पानी देता, और मुशरिकों के दिन पहले जैसा ही रहता।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 908 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

433. सलमान की दुआ से रेत के ढेर का हटाया जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

सलमान को ख़रीदने वाले यहूदी ने जब उनसे रेत का एक बड़ा ढेर एक ही रात में ढोने को कहा, तो सलमान ने दुआ की: “मुहम्मद और उनके वसी के वास्ते मुझे बचा ले”; अल्लाह की भेजी हवा ने सारी रेत यहूदी की बताई जगह पर पहुँचा दी, और यहूदी ने “तुम जादूगर हो” कहकर उन्हें बेच दिया।

नबूवत और हिजरत के बीच (लगभग 610–622 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1081 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

434. पेड़ का जड़ों समेत आकर आप के सिर पर झुकना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

क़ुरैश के सरदारों ने कहा: “इस पेड़ को बुलाओ; यह जड़ों समेत उखड़कर तुम्हारे सामने आ खड़ा हो”; आप ने कहा: “मैं जानता हूँ कि तुम भलाई की ओर नहीं लौटोगे, और यह भी कि तुम में से कौन कुएँ (बद्र के गड्ढे) में फेंका जाएगा और कौन सेनाएँ (अहज़ाब) इकट्ठी करेगा”, फिर पेड़ से फ़रमाया: “अगर तू अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है और जानता है कि मैं अल्लाह का रसूल हूँ, तो अल्लाह के आदेश से जड़ों समेत उखड़कर मेरे सामने आ खड़ा हो”; पेड़ ज़ोरदार सनसनाहट और पक्षी के पंखों जैसी आवाज़ के साथ आकर आप के सामने खड़ा हो गया, अपनी सबसे ऊँची डाली आप के सिर पर और कुछ डालियाँ आप के दाईं ओर खड़े अली के कंधे पर रख दीं; उनकी माँग पर उसका आधा भाग आया और आधा अपनी जगह रहा, फिर आया हुआ आधा भाग लौट गया; अली ने कहा: “सबसे पहले ईमान लाने वाला मैं हूँ”, जबकि क़ुरैशियों ने कहा: “जादूगर, झूठा; इसके सिवा तुम्हारी पुष्टि कौन करेगा?”

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 74-75 (2. bâb, fasl: bazı mucizelerinin beyanı)

---

435. क़ुरैश की माँग पर मुर्दों का ज़िंदा किया जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब क़ुरैश ने आप से मुर्दे को ज़िंदा करने की माँग की, तो आप ने अली को बुलाकर उनके साथ क़ब्रिस्तान भेजा; अली की दुआ से मुर्दे सिर से मिट्टी झाड़ते हुए अपनी क़ब्रों से उठ खड़े हुए (यह अली का वह उत्तर है जो उन्होंने ईसा के मुर्दे ज़िंदा करने के मुक़ाबले में उस यहूदी को दिया, जिसने कहा था: “तुमने अपने नबी के लिए हर नबी का दर्जा गढ़ लिया”)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी; स्रोत कोई तिथि नहीं देता)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 505 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

---

436. सफ़ा पहाड़ी के सोना न बनाए जाने का चुनाव

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जब क़ुरैश ने कहा: “सफ़ा को हमारे लिए सोना बना दो”, और आप दुआ करने लगे, तो जिब्रील ने आकर कहा: “अगर आप चाहें तो सफ़ा सोना बन जाएगा; पर अगर उन्होंने फिर भी इनकार किया तो हम उन्हें दंड देंगे; और अगर चाहें तो तौबा करने वालों की तौबा के लिए छोड़ दें”, और आप ने दूसरी बात चुनी।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 50 (fasl fîmâ lâkāhü min kavmihî)

---

437. ज़िन्नीरा की आँखों का ठीक होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

मुसलमान होने पर जिन ज़िन्नीरा की आँखों की रोशनी चली गई, उनके बारे में क़ुरैश ने कहा: “लात और उज़्ज़ा ने इसे मारा है”; (आप की दुआ से) उनकी आँखों की रोशनी लौटा दी गई; क़ुरैश ने कहा: “अगर मुहम्मद का लाया हुआ भलाई होता, तो ज़िन्नीरा हमसे आगे न निकलती”, इस पर सूरह अल-अहक़ाफ़ की आयत 11 उतरी।

मक्की दौर (लगभग 613–616 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 102 (fasl fî mu'cizât ef'âlihî)

---

438. अबू तालिब की माँग पर पेड़ का सजदा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

अबू तालिब ने कहा: “अगर अल्लाह ने तुम्हें भेजा है तो मुझे एक निशानी दिखाओ; उस पेड़ को बुलाओ”, और आप ने जिस पेड़ को बुलाया, वह आकर आप के सामने सजदे में गिरा और अपनी जगह लौट गया।

मक्की दौर (610–619 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 112 (fasl fî i'câzihî (çeşitli mucizeler))

---

439. ताइफ़ में उत्बा और शैबा के तख़्त का ढह जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब आप ने ताइफ़ में प्रवेश किया, तो एक तख़्त (सरीर) पर बैठे उत्बा और शैबा ने कहा: “जब वे आएँगे तो हम खड़े नहीं होंगे”; आप के निकट आते ही तख़्त धँस गया और दोनों ज़मीन पर लुढ़क गए, और बोले: “तुम्हारा जादू मक्का में नहीं चला, तो क्या ताइफ़ आए हो?”

ताइफ़ की यात्रा, लगभग 620 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 113 (fasl fî i'câzihî (çeşitli mucizeler))

---

440. ऊँटों का नबी के पक्ष में गवाही देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

सत्रह ऊँटों पर उपहार लेकर मक्का आए एक व्यक्ति से आप ने पूछा: “सोना, चाँदी, मोती और याक़ूत से लदे सत्रह ऊँट कहाँ हैं?”, और ऊँटों का बोझ और उन पर सवार काले ग़ुलामों के नाम (मुहरिज़, मुनइम, बद्र...) एक-एक करके गिनाए; अबू जहल ने माल पर आपत्ति की और सत्तर हज़ार लोगों को भड़काया, तो अबू तालिब की मध्यस्थता में कहा गया: “ऊँट जिसे उत्तर दें, माल उसी का”; अबू जहल ने हुबल को सजदा किया और मन्नत मानी, फिर भी ऊँटों ने उसे नहीं, सात बार पुकारने वाले अल्लाह के रसूल को उत्तर दिया और आप की नबूवत की गवाही दी।

मक्की दौर (610–619 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 116 (fasl fîmâ zahara mine'l-hayevânât ve'l-cemâdât)

---

441. बतहा के पेड़ की तस्बीह की आवाज़ें

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

बतहा में आप ने एक पेड़ को बुलाया तो पेड़ ने आप को उत्तर दिया; उसकी हर डाली से तस्बीह, तहलील और तक़दीस की आवाज़ें सुनाई दीं (अली की रिवायत)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी), तिथि अनिश्चित

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 91, hadis no. 77/3 (bâb 1, fasıl 11: ağaç ve taşın itaati)

442. हिरा और सबीर पहाड़ों का निकट आ जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

जब आप हिरा पहाड़ पर और अली सबीर पहाड़ पर थे, तो मुशरिकों के आप को हानि पहुँचाने से डरने वाले अली से आप ने फ़रमाया: “अपना हाथ दो, ऐ अली”; पहाड़ खिसककर निकट आ गया और अली एक ही क़दम में दूसरे पहाड़ पर पहुँच गए (अबुल जारूद की मुहम्मद बाक़िर से रिवायत)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 93, hadis no. 81/7 (bâb 1, fasıl 11: ağaç ve taşın itaati)

443. अबू जहल के भेद और क़ुरैश का परिणाम बताना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

“अगर तुम नबी हो, तो मेरी कोई ऐसी बात बताओ जिसे कोई नहीं जानता” कहने वाले अबू जहल को आप ने उसके घर में गाड़ा हुआ सोना और उसकी छिपाई हुई एक बात (उसका निकाह) बता दी; अबू जहल ने इनकार करके कहा: “तुम्हारे साथ कोई जिन्न है”, इस पर आप ने ख़बर दी कि शैबा, उत्बा, वलीद बिन उत्बा और क़ुरैश के सरदार मारे जाएँगे, आप के घुड़सवार उनके इलाक़े में घुसेंगे, आप मक्का को बलपूर्वक जीतेंगे और आप का दीन पूरब और पच्छिम पर छा जाएगा (अली की रिवायत)।

ख़बर: मक्की दौर (610–622 ईस्वी); पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी) और मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 104, hadis no. 96/5 (bâb 1, fasıl 14: gaybdan haber vermesi)

444. एक अंधी स्त्री की आँखें खुल जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

ख़दीजा के पास मौजूद एक अंधी स्त्री से आप ने फ़रमाया: “तुम्हारी आँखें अवश्य ठीक हो जाएँगी”, और उस स्त्री की आँखें खुल गईं; ख़दीजा ने कहा: “कैसी बरकत वाली दुआ है!”, इस पर आप ने आयत पढ़ी: “हमने तुम्हें सारे संसार के लिए केवल रहमत बनाकर भेजा है।”

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 17 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

445. सूरह अल-कौसर का उतरना और शत्रु का अंत

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

आप के बेटे की मृत्यु पर आस बिन वाइल (क़ुम्मी के अनुसार अम्र बिन आस) ने आप को “अबतर” (निर्वंश) कहा, तो सूरह अल-कौसर उतरी; यह ख़बर पूरी हुई कि आप को बहुत भलाई और स्थायी वंश दिया जाएगा, और असल में निर्वंश वही होगा जो आप से द्वेष रखता है।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 165, 203, 209-210 (Bâb 1: i'câzü ümmi'l-mu'cizât el-Kur'ânü'l-Kerîm)

446. अबू क़ुबैस पर नूह के तूफ़ान जैसा मोजिज़ा

गढ़ी हुई (मौज़ू) पानी से संबंधित मोजिज़े

जब मुशरिकों ने नूह, इब्राहीम, मूसा और ईसा की निशानियों जैसी निशानियाँ माँगीं, तो जिब्रील के बताने पर आप ने नूह की निशानी माँगने वालों को अबू क़ुबैस पहाड़ की तलहटी में भेजा; बिना बादल के आसमान से बारिश हुई और ज़मीन से पानी फूट पड़ा, जो पहाड़ की चोटी तक चढ़ गया; जब वे डूबने वाले थे, तो पानी पर प्रकट हुए अली और उनके दाएँ-बाएँ दो बच्चों (अभी पैदा न हुए हसन और हुसैन) के हाथ पकड़कर वे बच गए, पानी उतर गया और वे ईमान ले आए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 239-242 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

447. इब्राहीम की निशानी माँगने वालों की आग से परीक्षा

गढ़ी हुई (मौज़ू) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

जब मुशरिकों ने पिछले नबियों की निशानियाँ माँगीं, तो इब्राहीम की निशानी माँगने वाले समूह को मक्का के बाहर रेगिस्तान में आसमान और ज़मीन से आई लपटों ने घेर लिया; हवा में प्रकट हुई एक स्त्री (फ़ातिमा) के दुपट्टे के किनारों को पकड़कर वे आग से बच गए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 241-243 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

448. अबू जहल को उसकी खाई और छिपाई चीज़ें बताना

गढ़ी हुई (मौज़ू) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ईसा की निशानी माँगने वाले अबू जहल को आप ने एक-एक करके बताया कि उसने उस दिन कौन-सी मुर्ग़ी खाई, मेहमान अबुल बख़्तरी के आने पर बची हुई मुर्ग़ी छिपा दी, और घर में अपने तीन सौ दीनार और लोगों की अमानत के दस हज़ार दीनार गाड़ रखे हैं।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 245-246 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

449. खाई हुई मुर्ग़ी की गवाही और उसका फिर से जीवित होना

गढ़ी हुई (मौज़ू) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

अबू जहल के इनकार करने पर जिब्रील की लाई हुई खाई हुई मुर्ग़ी बोल उठी, आप की नबूवत की गवाही दी और अबू जहल को झुठलाया; आप के उस पर हाथ फेरने से मुर्ग़ी का मांस पहले से भी भरा-पूरा होकर लौट आया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 247 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

450. गाड़े हुए धन का लाया जाना और अबू जहल का दंड

गढ़ी हुई (मौज़ू) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

अबू जहल के गाड़े हुए धन जिब्रील के हाथों आप के सामने लाए गए, और आप ने दस हज़ार दीनार उनके अमानत वालों को एक-एक करके लौटा दिए; जब अबू जहल ने ईमान लाए बिना बचे हुए तीन सौ दीनार लेने चाहे, तो आप के आदेश से मुर्ग़ी ने उसे अपने पंजों में पकड़कर हवा में उठाया और उसके घर की छत पर छोड़ दिया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 248 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

451. भोजन और दवा के बचे हुए भाग का बोल उठना

गढ़ी हुई (मौज़ू) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

ईसा की निशानी माँगने वाले जो लोग अपने रोगियों के ठीक होने पर ईमान ले आए थे, उनसे आप ने पूछा: “क्या और अधिक दिखाऊँ?”, और हर एक को बताया कि उसने उस दिन क्या खाया और किस दवा से इलाज किया; फ़रिश्ते उनके भोजन और दवा के बचे अंश बर्तनों सहित आसमान से उतार लाए, बचे अंश बोल उठे: “मुझमें से इतना मेरे स्वामी ने और इतना उसके सेवक ने खाया”, और उन्होंने आप की नबूवत की और इस बात की गवाही दी कि अली आप के भाई और वसी हैं।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 264 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

452. काबा के हवा में उठ जाने का मोजिज़ा

गढ़ी हुई (मौज़ू) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

मूसा की निशानी माँगने वाला तीसरा समूह जब काबा की छाया में बैठा था, तो काबा अपनी जगह से उठकर उनके सिरों के ऊपर ठहर गया; आप के चाचा हमज़ा आए, अपने भाले का फल उसके नीचे टिकाकर उसे थामे रखा और कहा: “निकलो, दूर हट जाओ”; उनके निकलते ही काबा अपनी जगह बैठ गया और वह समूह मुसलमान हो गया; फिर भी अबू जहल ने कहा: “पता नहीं, ये सच कह रहे हैं या नहीं।”

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 241, 243-245 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

453. चट्टानों से कुचले गए दस लोगों का जीवित किया जाना

गढ़ी हुई (मौज़ू) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

चट्टानों से मारे गए दस मुशरिकों की लाशें बोल उठीं: “मुहम्मद ने सच कहा, तुमने झूठ कहा”; उनके रिश्तेदारों के आग्रह पर आप ने अपने छह घावों की संख्या के बराबर छह को, और अली ने अपने चार घावों की संख्या के बराबर चार को दुआ से ज़िंदा किया; ज़िंदा हुए लोगों ने बताया कि उन्होंने बैतुल मामूर और अर्श के पास मुहम्मद और अली का ऊँचा दर्जा देखा, और दस में से सात ईमान ले आए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 261-262 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

454. तीस मुशरिकों का बीमार पड़ना और हुबल का स्वीकार करना

गढ़ी हुई (मौज़ू) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

मुशरिकों ने कहा: “तुमने हुबल के विरुद्ध ज़बान चलाई है, तुम पर कोई विपदा आएगी”; इस पर जिब्रील के बताने पर आप ने बीस और अली ने दस लोगों के लिए बद-दुआ की; वे तीसों लकवे, अंधेपन, कोढ़ और अपंगता में पड़ गए, केवल उनकी ज़बानें और कान ठीक रहे; जिस हुबल से वे गिड़गिड़ाए, वह बोल उठा: “मुहम्मद की दुआ के सामने मैं कुछ भी नहीं; वे दुआ करें तो मैं टुकड़े-टुकड़े होकर हवा में बिखर जाऊँ”; फिर आप ने बीस और अली ने दस के लिए दुआ की, तो सब पहले से अधिक स्वस्थ हो गए और तीसों ईमान ले आए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 262-264 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

---

455. हुबल मूर्ति का सजदा करके गवाही देना

गढ़ी हुई (मौज़ू) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

क़ुरैश आप को अपने बीच निर्णायक बनाने के लिए हुबल के सामने ले गए; हुबल मूर्ति औंधे मुँह ज़मीन पर गिर पड़ी और आप की नबूवत और अली की इमामत की गवाही दी।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 341 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

---

456. शिअब की घेराबंदी में अल्लाह के उपकार

गढ़ी हुई (मौज़ू) खाने से संबंधित मोजिज़े

जिन वर्षों में क़ुरैश ने शिअब में घेराबंदी करके भोजन आने से रोक दिया था, उनमें आप और आप के साथियों के पास मन्न और सलवा से भी अच्छी रोज़ी आती; हर कोई अपना मनचाहा भोजन पाता और उन्हें सबसे अच्छे कपड़े पहनाए जाते।

शिअबे अबी तालिब में घेराबंदी (लगभग 616–619 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 341 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

---

457. शिअब में पहाड़ों का फटना और पेड़ों का उगना

गढ़ी हुई (मौज़ू) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

शिअब की तंगी से परेशान मोमिनों के लिए आप ने अपने दाएँ और बाएँ के पहाड़ों की ओर हाथ से इशारा करके कहा: “हट जाओ”, तो पहाड़ हट गए और घाटी चौड़ी हो गई; आप के आदेश से ज़मीन से पौधे, पेड़ और फल निकल आए।

शिअबे अबी तालिब में घेराबंदी (लगभग 616–619 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 341-342 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

---

458. अबू जहल पर उतरी आग का लौट जाना

गढ़ी हुई (मौज़ू) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

दंड के तुरंत उतरने की माँग करने वाले अबू जहल और उसके साथियों पर आसमान से आग उतरी और इतने निकट आ गई कि उनके कंधों के बीच महसूस होने लगी; फिर उस समूह की पीठों से निकले नूरों (उनकी पीठों से आने वाली मोमिन संतान; अबू जहल के लिए उसका बेटा इकरिमा) ने आग को लौटाकर आसमान की ओर फेर दिया, और आप ने बताया कि इसी कारण अबू जहल को मोहलत दी गई है।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 352-353 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 3: semâvî mucizeler (şakku'l-kamer, reddü'ş-şems, bulut, gökten sofra))

---

459. आयत उतरने पर काबा की मूर्तियों का सजदा करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

जब काबा में हर अरब क़बीले की एक-दो मूर्तियों के हिसाब से 360 मूर्तियाँ थीं, तब “शहिदल्लाहु अन्नहू ला इलाहा इल्ला हू...” (सूरह आले इमरान, आयत 18) आयत उतरते ही सारी मूर्तियाँ सजदे में गिर पड़ीं।

मक्की दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 366 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

---

460. उत्बा, अबू जहल और क़ुरैश के परिणाम की ख़बर देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मस्जिदे हराम में अबू जहल ने बनू अब्दे मनाफ़ का मज़ाक़ उड़ाते हुए कहा: “यह रहा तुम्हारा नबी”, इस पर उत्बा बिन रबीआ नाराज़ हुआ; आप उनके पास गए और उत्बा से कहा कि उसकी नाराज़गी अल्लाह और उसके रसूल के लिए नहीं, बल्कि अपनी नाक (ख़ानदानी इज़्ज़त) के लिए है; आप ने अबू जहल को ख़बर दी कि जल्द ही उस पर विपदा आएगी और वह कम हँसेगा और बहुत रोएगा, और क़ुरैश के सरदारों को ख़बर दी कि वे न चाहते हुए भी जल्द ही उस चीज़ (इस्लाम) में प्रवेश करेंगे जिसे वे नापसंद करते हैं।

ख़बर: मक्की दौर (610–622 ईस्वी); पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (अबू जहल) और मक्का विजय, हिजरी 8 (क़ुरैश के सरदारों का इस्लाम क़बूल करना)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Müşriklerin Peygamberimiz Aleyhisselâm Yüzünden Birbirleriyle Tartışmaları ve Efendimizin Onların Âkibetlerini Haber Verişi" (kitabın dipnotu: Beyhakî, Delâil, c:2, s:284)

---

461. अबू सुफ़यान और अबू जहल से कहे गए वचन

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

एक और दिन अबू जहल ने अबू सुफ़यान का मज़ाक़ उड़ाते हुए कहा: “ऐ बनू अब्दे शम्स, यह रहा तुम्हारा नबी”; आप उनके पास गए और कहा कि अबू सुफ़यान अल्लाह और उसके रसूल के लिए नहीं, बल्कि ख़ानदानी जोश में नाराज़ हुआ है, और अबू जहल से फ़रमाया: “ऐ अबुल हकम, तुम भी बहुत कम हँसोगे और बहुत रोओगे।”

ख़बर: मक्की दौर (610–622 ईस्वी); पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Müşriklerin Peygamberimiz Aleyhisselâm Yüzünden Birbirleriyle Tartışmaları ve Efendimizin Onların Âkibetlerini Haber Verişi" (kitabın dipnotu: Beyhakî, Delâil, c:2, s:284)

---

462. इब्ने मसऊद के लिए दुआ और ज्ञान का शुभ समाचार

हसन (अच्छी) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

क़ुरआन सिखाने की विनती करने वाले युवा अब्दुल्लाह बिन मसऊद के सिर पर हाथ फेरकर आप ने फ़रमाया: “अल्लाह तुम पर रहम करे, तुम जो सीखना चाहते हो उसमें तुम्हें बरकत दे; तुम सिखाए हुए, बहुत ज्ञान वाले युवक बनोगे”; इब्ने मसऊद ने सत्तर सूरतें स्वयं आप के मुख से सीखकर याद कीं।

मक्की दौर (लगभग 610–613 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "MU’CİZELERİNDEN BİRİSİ DE BEREKETE DÂİRDİR" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:3, s:151; İbn Esir, Usdu’l-gabe, c:3, s:385); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Fezâilü'l-Kur'ân 8; Müslim, Fezâilü's-sahâbe 114 (2462) (yalnız 'yetmiş küsur sûreyi Resûlullah'ın ağzından aldım' kısmı;

bu lafız Canan'da bulunamadı, aynı bâbın İbn Mes'ûd rivayeti: İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4442, c./s. 12/514)

14 · मक्की दौर (610–622 ईस्वी): क़ुरआन का प्रभाव; अहले किताब, जिन्नों और हातिफ़ों की गवाही

463. अबू बक्र का सपना और राहिब की ख़बर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अबू बक्र ने मुसलमान होने से पहले एक सपना देखा / एक राहिब ने उन्हें ख़बर दी।

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.496; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 50

464. तलहा बिन उबैदुल्लाह की बुसरा के राहिब से सुनी बात

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

तलहा बिन उबैदुल्लाह ने बुसरा के मेले में एक राहिब से सुना: “क्या अहमद प्रकट हो गए?”

लगभग 610 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.496; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 166; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 50; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 125-126; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 23

465. ख़ालिद बिन सईद का आग के गड्ढे वाला सपना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

ख़ालिद बिन सईद ने सपने में देखा कि अल्लाह के रसूल ने उन्हें आग के गड्ढे में गिरने से बचा लिया।

लगभग 610–613 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.496; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 204

466. क़ुरआन के सामने क़ुरैश के वाक्पटुओं की असमर्थता

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

क़ुरैश के वाक्पटु लोगों (वलीद बिन मुग़ीरा आदि) ने क़ुरआन के सामने अपनी असमर्थता स्वीकार की।

लगभग 613–615 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.538; 1000 Mucize no.499 (s.494); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, i'câzü'l-Kur'ân fasılları; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Velid b. Mugîre'nin Kur'ân-ı Kerîm Karşısında Hayranlığı" (kitabın dipnotu: Nahl: 90 / Taberî, Tefsir, c. 29, s. 156; Kurtûbî, Tefsir, c. 10, s. 165;Beyhakî, Delâil, c. 2, s. 189)

467. नजाशी का सूरह मरयम सुनकर पुष्टि करना

हसन (अच्छी) क़ुरआनी मोजिज़े

हबशा में नजाशी ने सूरह मरयम सुनकर आप की नबूवत की पुष्टि की।

615–616 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.641; 1000 Mucize no.502 (s.502); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 247-248; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 133-134; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "MU’CİZELER

PEYGAMBERLERİN TEBLİĞİNE VESİLEDİR"; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Cenaiz 62, (3205) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5560, c./s. 15/378]

---

468. जिन्नों के एक समूह का क़ुरआन सुनकर ईमान लाना

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

जिन्नों के एक समूह ने क़ुरआन सुना और ईमान ले आया।

लगभग 620 ईस्वी (ताइफ़ से वापसी, नख़ला)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.572; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 259; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 228; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 918; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 257-258; c. 18, s. 77-80, 90; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 44-45; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 330; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Cin:1-2); "Peygamberimiz aleyhisselâmdan Kur'an Dinleyen Cinlerin İman Etmeleri" (kitabın dipnotu: İbn İshak, İbn Hişam, Sîre, c:2 , s:63 / Ahkâf: 29-32); Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıbu'l-Ensar 32; Müslim, Salat 153, (450) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5589, c./s. 15/441]

---

469. पेड़ का जिन्नों के क़ुरआन सुनने की ख़बर देना

सहीह (प्रामाणिक) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

नख़ला में जिन्नों के आकर क़ुरआन सुनने की ख़बर आप को एक पेड़ ने दी।

लगभग 620 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.572; 19. Mektup listesi (183.txt) no.157; 1000 Mucize no.156 (s.136); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 254; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 7. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl; Questions on Islam, "Miracles Concerning Trees"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 228; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 301; Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıbu'l-Ensar 32; Müslim, Salat 153, (450) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5589, c./s. 15/441]

---

470. जिन्नों की रात और हजून में क़ुरआन का पढ़ा जाना

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

जिन्नों की रात: आप हजून में जिन्नों के वफ़्द के पास गए और उन्हें क़ुरआन सुनाया; इब्ने मसऊद खींचे गए घेरे के भीतर प्रतीक्षा करते रहे।

लगभग 620–621 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.572; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü kudûmi vefdi'l-cin, no 14143-14145; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 260-261; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Questions on Islam, "Miracles concerning Angels and Jinn"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 228; c. 1, s. 229-231; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 78, 82, 90; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Emsâl 1, (2865) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4355, c./s. 12/397-398]

---

471. मरते समय इयास बिन मुआज़ की तकबीर और तहलील

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

इयास बिन मुआज़ की क़ौम ने कहा: "हमने मरते समय उनसे तकबीर और तहलील सुनी।"

लगभग 620 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.97

---

472. अबू क़ुबैस पहाड़ से सुनी गई अदृश्य आवाज़

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जिन दिनों आप क़बीलों के सामने स्वयं को पेश कर रहे थे, अबू क़ुबैस पहाड़ से एक आवाज़ सुनाई दी जो साद बिन मुआज़ और साद बिन उबादा की सहायता की ख़बर दे रही थी।

लगभग 620–622 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.107; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 308; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 91-92; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 76

---

473. तारिक़ बिन अब्दुल्लाह और भरोसा जगाने वाला मुबारक चेहरा

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

ज़ुल-मजाज़ के मेले में आप को आप के चाचा अब्दुल उज़्ज़ा द्वारा पत्थर मारते देखने वाले तारिक़ बिन अब्दुल्लाह का क़ाफ़िला हिजरत के बाद रबज़ा से मदीना आया, तो आप क़ीमत बाद में देने की शर्त पर उनसे एक ऊँट लेकर चले गए; क़ाफ़िले की एक स्त्री ने यह कहकर ज़मानत दी: “उनका चेहरा पूर्णिमा के चाँद जैसा था, वे विश्वासघात नहीं करेंगे”, और खजूरें पूरी-पूरी भेज दी गईं (किताब दिलों के आप की ओर खिंचने को मोजिज़ा मानती है)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित (पहली मुलाक़ात: मक्की दौर में ज़ुल-मजाज़ का मेला)

स्रोत 1000 Mucize no.275 (s.252)

---

474. अद्दास का नबी के हाथ-पैर चूमना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

ताइफ़ से लौटते समय उत्बा और शैबा बिन रबीआ के बाग़ में आप के लिए अंगूर लाने वाले नीनवा के ईसाई ग़ुलाम अद्दास से आप ने कहा कि उसका देश “नेक व्यक्ति यूनुस बिन मत्ता का नगर” है और यूनुस आप की तरह नबी थे; अद्दास ने आप का सिर, हाथ और पैर चूमे।

ताइफ़ की यात्रा, लगभग नबूवत का दसवाँ वर्ष (619–620 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.372 (s.361); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl, no. 221; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 300-301; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 76-77; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 61-62

---

475. क़ुरआन के दिलों को जीतने वाले प्रसिद्ध धर्म-परिवर्तन

हसन (अच्छी) क़ुरआनी मोजिज़े

क़ुरआन का दिलों पर गहरा असर: उमर सूरह ताहा और नजाशी सूरह मरयम का आरंभ सुनकर मुसलमान हुए; तुफ़ैल बिन अम्र दौसी नबी ﷺ से आयतें सुनकर ईमान लाए और अपनी क़ौम को इस्लाम की ओर बुलाया।

मक्की दौर (लगभग 615–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.498 (s.493); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Tufeyl b. Amr'ın Müslüman Oluşu ve Efendimiz Aleyhisselâmın dua mucizesi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:4, c:237-239; İbn İshak- İbn Hişam, Sire, c:2, s:22; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:3, s:98; Zehebî, Siyer, c:1, s:248-249.)

---

476. क़ुरैश के सरदारों का छिपकर क़ुरआन सुनना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

अबू सुफ़यान बिन हर्ब, अबू जहल और अख़नस बिन शरीक लगातार तीन रात एक-दूसरे से अनजान आप के घर के आसपास छिपकर रात की नमाज़ में पढ़ा गया क़ुरआन सुबह तक सुनते रहे; रास्ते में मिलने पर उन्होंने एक-दूसरे को कोसा और अंत में फिर न आने का वचन किया।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.500 (s.496); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 192; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Üç Müşrikin Üç Gece Peygamberimiz aleyhisselâmın Evinde Okuduğu Kur'ân-ı Kerîm'i Dışarıdan Dinlemeleri" (kitabın dipnotu: İbn İshak, İbn Hişam, Sîre, c:1, s:337-338; Taberî, Târih, c:2, s:218-219; Zehebî, Târîhu'l-İslâm, s:160-161)

---

477. सूरह फ़ुस्सिलत के सामने उत्बा बिन रबीआ का काँप उठना

हसन (अच्छी) क़ुरआनी मोजिज़े

क़ुरैश की ओर से धन, नेतृत्व और राज्य की पेशकश करने वाले उत्बा बिन रबीआ को आप ने मस्जिदे हराम में सूरह फ़ुस्सिलत का आरंभ सुनाया; उत्बा हिल गया और बदले हुए चेहरे के साथ लौटकर बोला: “यह न शायरी है, न जादू, न कहानत; उन्हें उनके हाल पर छोड़ दो।”

मक्की दौर, हमज़ा के इस्लाम क़बूल करने के बाद (लगभग 615–616 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.501 (s.498); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, i'câzü'l-Kur'ân fasılları; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 190-192; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 268

---

478. ख़ुतबतुल हाजा से ज़िमाद अज़्दी का इस्लाम लाना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप को “पागल” समझकर इलाज करने आए अज़्द क़बीले के झाड़-फूँक करने वाले ज़िमाद को आप ने ख़ुतबतुल हाजा (हम्द और शहादत के वाक्य) सुनाया; ज़िमाद ने उसे दोबारा पढ़वाया और कहा: “मैंने काहिन, जादूगर और कवि की बातें सुनी हैं, पर ऐसा कभी नहीं सुना”, और बैअत करके मुसलमान हो गए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.914 (s.754); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, alâmâtü'n-nübüvve, no. 5860; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 224; Kütüb-i Sitte: Müslim 868

---

479. सौदा बिंत ज़मआ का सपना और उनका विवाह

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सौदा बिंत ज़मआ ने, जब वे सकरान बिन अम्र की पत्नी थीं, सपने में देखा कि नबी ﷺ आए और उनकी गर्दन पर पैर रखा, और अगली रात देखा कि आसमान से चाँद उन पर आ गिरा; उनके पति ने इसकी ताबीर की कि वे स्वयं मर जाएँगे और सौदा आप से शादी करेंगी; उसी दिन वे बीमार होकर मर गए और आप ने सौदा से शादी की।

मक्की दौर, लगभग 620 ईस्वी

स्रोत 1000 Mucize no.996 (s.812); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 299

---

480. उनैस की गवाही कि क़ुरआन कविता नहीं

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

अबू ज़र के कवि भाई उनैस मक्का जाकर आप को सुनने के बाद बोले: “मैंने उनकी बात को कविता के सारे छंदों पर परखा, किसी पर नहीं बैठी; वे सच कहते हैं, वे लोग झूठे हैं”, और इस तरह गवाही दी कि क़ुरआन कविता नहीं है।

मक्की दौर (लगभग 612–615 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, i'câzü'l-Kur'ân fasılları

---

481. इब्ने सलाम का प्रश्न और सूरह अल-इख़लास

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन सलाम ने मक्का आकर परखने के लिए कहा: “अपने रब का वंश बताइए”, तो जिब्रील सूरह अल-इख़लास लेकर आए; इब्ने सलाम ने कहा: “मैं आप का वर्णन अल्लाह की किताब में पाता हूँ”, और कलिमा-ए-शहादत पढ़ा।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 19 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

---

482. यसरिब के यहूदी विद्वान का नबी के वर्णन की पुष्टि करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

क़ुरैश ने नज़्र बिन हारिस और उक़बा बिन अबी मुऐत को यसरिब के यहूदियों से पूछने भेजा; आप का वर्णन और यह सुनकर कि कमज़ोर लोग आप का अनुसरण कर रहे हैं, एक यहूदी विद्वान हँसा और बोला: “यह वही नबी हैं जिनका वर्णन हम पाते हैं; इनकी क़ौम ही इनकी सबसे बड़ी शत्रु होगी।”

मक्की दौर (लगभग 615–620 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 30 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

---

483. इब्ने मसऊद की उपस्थिति में फ़रिश्तों का हमारे नबी का वर्णन करना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

आप ने इब्ने मसऊद को अपनी खींची हुई रेखा के भीतर प्रतीक्षा करने को कहा; फिर जब आप सो गए, तो आप के पास आए फ़रिश्तों ने आप का वर्णन महल बनाकर दावत देने वाले स्वामी की उपमा से किया और कहा: “इनकी आँखें सोती हैं पर दिल जागता रहता है” (अबू उस्मान नहदी की रिवायत)।

मक्की दौर, जिन्नों की रात (लगभग 620–621 ईस्वी)

स्रोत Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 12

---

484. मैसरा बिन मसरूक़ का इस्लाम और यहूदियों की गवाही

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मिना में जब आप ने बनू अब्स को दावत दी, तो मैसरा बिन मसरूक़ ने कहा: “इस व्यक्ति का काम अवश्य प्रभुत्व पाएगा”; फ़दक के यहूदियों ने उन्हें अपनी किताबों से उम्मी नबी के गुण पढ़कर सुनाए थे और उनका अनुसरण करने को कहा था; मैसरा

हज्जतुल विदा में आकर मुसलमान हुए।

दावत: लगभग 620 ईस्वी; इस्लाम क़बूल करना: हिजरी 10

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl (müşriklerle arasında geçenler), no. 220

---

485. उकाज़ में किंदा क़बीला और एक यहूदी का ईमान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

उकाज़ में किंदा क़बीले ने आप की दावत ठुकराई, तो उनमें से एक युवक ने कहा: “अहले किताब कहते हैं कि हरम से एक नबी प्रकट होंगे”; एक यहूदी ने भी कहा: “तुमने भूल की; यह वही नबी हैं जिनके बारे में हमारी किताब में लिखा है कि मक्का में प्रकट होंगे और यसरिब को हिजरत करेंगे”, और वह आप पर ईमान रखते हुए मरा।

लगभग 620 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl (müşriklerle arasında geçenler), no. 222

---

486. अक़बा में ख़ज़रज के छह लोगों का ईमान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अक़बा में आप से मिले ख़ज़रज के छह लोगों (असअद बिन ज़ुरारा, औफ़ बिन हारिस, राफ़ेअ बिन मालिक, क़ुतबा बिन आमिर, उक़बा बिन आमिर, जाबिर बिन अब्दुल्लाह) ने यहूदियों की यह धमकी याद की: “प्रकट होने वाले नबी के साथ मिलकर हम तुम्हें आद और इरम की तरह मार डालेंगे”, और यह कहते हुए ईमान ले आए: “यह वही नबी हैं जिनसे यहूदी तुम्हें डराते थे; वे तुमसे आगे न निकल जाएँ।”

620 ईस्वी (नबूवत का ग्यारहवाँ वर्ष)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl (müşriklerle arasında geçenler), no. 223

---

487. हमारे नबी ﷺ के बारे में नजाशी की कामना

हसन (अच्छी) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

हबशा के नजाशी ने कहा: “काश, इस राज्य के बदले मैं मुहम्मद का सेवक होता।”

लगभग 615–616 ईस्वी

स्रोत Questions on Islam, "Glad Tidings..."

---

488. ज़ियाब बिन हारिस को हातिफ़ की पुकार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक हातिफ़ ने ज़ियाब बिन हारिस को पुकारा: “मुहम्मद किताब के साथ भेजे गए हैं, मक्का में बुला रहे हैं पर उनकी बात मानी नहीं जा रही”, और वे मुसलमान हो गए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Questions on Islam, "Glad Tidings..."

---

489. सामिआ बिन क़र्रा को हातिफ़ की पुकार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक हातिफ़ ने सामिआ बिन क़र्रा ग़तफ़ानी को पुकारा: “हक़ आ गया और चमक उठा; बातिल ढह गया”, और कुछ लोग ईमान ले आए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Questions on Islam, "Glad Tidings..."

---

490. बुसरा के मठ में हमारे नबी और अबू बक्र के चित्र

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

नबूवत के आरंभ में जुबैर बिन मुतइम व्यापार के लिए बुसरा गए, तो ईसाई उन्हें एक मठ में ले गए और चित्रों के बीच नबी ﷺ का चित्र और आप की एड़ी पकड़े अबू बक्र का चित्र दिखाकर कहा: “यह अंतिम नबी हैं, और यह उनके बाद के ख़लीफ़ा।”

बुसरा, लगभग 610–615 ईस्वी

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13889-13890 (8/233-234)

---

491. यहूदी विद्वान की भविष्यवाणी और मक्का की विजय

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अबू सुफ़यान के साथ यमन व्यापार के लिए गए अब्बास से एक यहूदी विद्वान ने पूछा कि क्या उनका भतीजा हाथ से लिखता है; “नहीं लिखते” उत्तर मिलने पर वह उछल पड़ा और बोला: “यहूदी तो कट गए”; अबू सुफ़यान ने कहा: “अगर यह सच है तो कदा से घुड़सवार निकलेंगे”; मक्का विजय में कदा से घुड़सवारों को निकलते देखकर अब्बास ने उसे यह बात याद दिलाई।

घटना: लगभग 610–613 ईस्वी (यमन); पूर्ति: हिजरी 8 (मक्का विजय)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 166-167 (Bi'seti sırasında görülen âyetler)

---

492. हाबिस बिन दग़ना को पहाड़ से उतरे बूढ़े के शेर

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अदी बिन हातिम के बयान के अनुसार घाटी में पहाड़ से उतरे गिद्ध जैसे दिखने वाले एक बूढ़े ने हाबिस बिन दग़ना को शेर में कहा: “ऐ हाबिस, वसवसों में न पड़ो; यह आग जलाने वाले के हाथ के नूर की रोशनी है, हक़ की ओर मुड़ो”, और हाबिस इस्लाम की ओर मुड़ गए।

मक्की/मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 177 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

---

493. बक्र बिन जबला का मूर्ति के भीतर से आवाज़ सुनना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बक्र बिन जबला ने एक मूर्ति के पास क़ुर्बानी करते समय मूर्ति के भीतर से आवाज़ सुनी: “ऐ बक्र बिन जबला, क्या तुम मुहम्मद को जानते हो?”

मक्की/मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 181 (Bi'seti sırasında kâhinlerden ve seslerden (hâtif) işitilenler)

---

494. क़ुरआन के सामने वलीद बिन मुग़ीरा का स्वीकार करना

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

क़ुरैश के वाक्पटु वलीद बिन मुग़ीरा आप से क़ुरआन सुनकर नरम पड़ गए; अबू जहल के उकसाने के बावजूद उन्होंने कहा: “शायरी, रजज़, क़सीदे और जिन्नों की कविता को मुझसे बेहतर कोई नहीं जानता; यह उनमें से किसी जैसा नहीं। इसमें मिठास है, इस पर सौंदर्य है; इसका ऊपरी भाग फलदार और निचला भाग बरकत वाला है; यह प्रभुत्व पाता है, इस पर प्रभुत्व नहीं पाया जा सकता”; हज के मौसम से पहले उन्होंने क़ुरैश से कहा: “ये न काहिन हैं, न पागल, न कवि”, और अंत में इन्हें “जादू” कहने का सुझाव दिया; उनके बारे में सूरह अल-मुद्दस्सिर की आयतें 11–26 उतरीं।

मक्की दौर (लगभग 613–616 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 188-190 (Kur'an'ın i'câzı)

---

495. नज़्र बिन हारिस का क़ुरैश के सामने स्वीकार करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

क़ुरैश के शैतानों में से नज़्र बिन हारिस ने अपनी क़ौम के सामने स्वीकार किया: “मुहम्मद तुम्हारे बीच सबसे पसंदीदा, सबसे सच्चे और सबसे अमानतदार युवक थे; जब उनके बालों में सफ़ेदी आ गई और वे यह लेकर आए, तो तुमने कहा ‘जादूगर, काहिन, कवि, पागल’; अल्लाह की क़सम, वे इनमें से कुछ नहीं; तुम पर एक बड़ा मामला आ पड़ा है।”

मक्की दौर (लगभग 613–619 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 190 (Kur'an'ın i'câzı)

---

496. क़ुरआन के बारे में असअद बिन ज़ुरारा की गवाही

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

अक़बा के दिन असअद बिन ज़ुरारा ने अब्बास से कहा: “वे जो वाणी सुनाते हैं, वह मनुष्य की वाणी जैसी नहीं; जो भी इसे सुनता है, समझ जाता है कि यह हक़ है”, और इस तरह गवाही दी कि क़ुरआन मनुष्य की वाणी नहीं है।

अक़बा की बैअत (लगभग 621–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 193 (Kur'an'ın i'câzı)

---

497. अम्र बिन जमूह का सूरह फ़ातिहा पर मुग्ध होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

बनू सलिमा के मुसलमान हुए युवकों में से अपने बेटे को सूरह फ़ातिहा पढ़ते सुनकर अम्र बिन जमूह मुग्ध हो गए: “कितनी सुंदर वाणी है! क्या सब ऐसी ही है?”

लगभग 621–622 ईस्वी (हिजरत से पहले का मदीना)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 193 (Kur'an'ın i'câzı)

---

498. क़ैस बिन नुशबा का क़ुरआन सुनकर मुसलमान होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

बनू सुलैम के क़ैस बिन नुशबा ने आकर आप को सुना और फिर अपनी क़ौम से कहा: “मैंने रूमियों के अनुवाद, फ़ारसियों की गुनगुनाहट, अरबों की कविता, काहिनों की कहानत और हिमयर के क़िस्सागोयों की बातें सुनी हैं; मुहम्मद की वाणी इनमें से किसी जैसी नहीं; उनका अनुसरण करो”, और मुसलमान हो गए।

मदनी दौर (लगभग हिजरी 5–8)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 193 (Kur'an'ın i'câzı)

---

499. उस्मान की काहिना मौसी का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

उस्मान की काहिना मौसी ने, जिस रात रुक़य्या का निकाह हुआ, उन्हें शेर में शुभ समाचार दिया और कहा: "मुहम्मद बिन अब्दुल्लाह अल्लाह के रसूल हैं; जिब्रील उन पर वह्य लाते हैं", इस प्रकार आप की नबूवत की ख़बर दी, और इसी पर उस्मान मुसलमान हुए।

मक्की दौर, नबूवत के शुरुआती वर्ष (लगभग 610–611 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 218 (Osman b. Affân'ın İslâm'ındaki âyetler bâbı)

---

500. उमर का सूरह अल-हाक़्क़ा सुनना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) क़ुरआनी मोजिज़े

मुसलमान होने से पहले मस्जिदे हराम में आप के पीछे चलने वाले उमर ने आप को सूरह अल-हाक़्क़ा पढ़ते सुनकर मन में सोचा "यह कवि है" और "यह काहिन है"; ठीक उसी क्षण आप की पढ़ी आयतों ने उत्तर दिया: "यह किसी कवि की वाणी नहीं... न किसी काहिन की वाणी है", और इस्लाम उनके दिल में बैठ गया।

मक्की दौर (लगभग 615–616 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 221 (Ömer b. Hattâb'ın İslâm'ındaki âyetler bâbı)

---

501. एक राहिब का अशज्ज को हमारे नबी की निशानियाँ बताना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अब्दुल क़ैस के अशज्ज के मित्र एक राहिब ने मक्का में प्रकट होने वाले नबी (उपहार खाते हैं, सदक़ा नहीं खाते, कंधों के बीच निशान है) की ख़बर दी और मर गया; अशज्ज के भेजे उनके भतीजे अम्र बिन अब्दुल क़ैस ने ये निशान आप में देखे और मुसलमान हो गए।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 224 (Dımâd'ın İslâm'ı bâbı (devamı))

---

502. रिफ़ाआ बिन राफ़ेअ के शकुन के तीर और उनका ईमान

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

मक्का आए रिफ़ाआ बिन राफ़ेअ और उनकी मौसी के बेटे मुआज़ बिन अफ़रा के सामने आप ने इस्लाम पेश किया; रिफ़ाआ ने काबा में सात बार शगुन के तीर निकाले और सातों बार आप वाला तीर निकला, इस पर उन्होंने कलिमा-ए-शहादत पढ़ा।

मक्की दौर, छह अंसारियों के इस्लाम क़बूल करने से पहले (लगभग 620 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 300 (Rifâa'nın İslâm'ında görülen âyet bâbı)

---

503. सड़ी हड्डी को जीवित करने के बारे में अल्लाह का उत्तर

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

इब्राहीम ने नमरूद को तर्क से निरुत्तर किया था, उसके मुक़ाबले में: सड़ी हुई हड्डी को चूर-चूर करके "इसे कौन ज़िंदा करेगा?" कहने वाले उबई बिन ख़लफ़ के उत्तर में आयत उतरी: "इसे वही ज़िंदा करेगा जिसने इसे पहली बार पैदा किया" (सूरह यासीन,

आयत 78–79)।

मक्की दौर (610–622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 307 (peygamberlere verilen faziletlerin benzerinin veya daha üstününün ona verilmesi (muvâzât))

---

504. मठ के प्रमुख का नबी की पुष्टि करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

जुबैर बिन मुतइम की रिवायत: क़ुरैश के आप को सताने को न देखने के लिए वे निकलकर जिस मठ में ठहरे, वहाँ तीन दिन की मेहमाननवाज़ी के बाद मठ के प्रमुख ने उन्हें आप का चित्र दिखाया; जुबैर ने कहा: “मुझे लगता है कि उन्होंने उनका काम तमाम कर दिया होगा”, तो उसने कहा: “अल्लाह की क़सम, वे इन्हें मार नहीं सकेंगे; जो इन्हें मारना चाहेगा, उसे ये मारेंगे; ये नबी हैं, अल्लाह इन्हें अवश्य प्रभुत्व देगा।”

मक्की दौर (लगभग 615–622 ईस्वी)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 51 (4. bâb: Tevrat ve İncil'de zikri)

---

505. भेड़िये का बोलना और अबू ज़र का ईमान

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

मर्र की घाटी में भेड़ें चराते हुए अबू ज़र ने भेड़िये की उठाई भेड़ वापस छीन ली, तो भेड़िया बोला: “क्या तुम अल्लाह की दी हुई मेरी रोज़ी में रुकावट डालते हो?”; अबू ज़र के चकित होने पर उसने कहा: “इससे भी अधिक आश्चर्य की बात वे नबी हैं जो (दो पथरीले मैदानों के बीच) लोगों को अतीत और भविष्य की ख़बरें देते हैं”, और ज़मानत ली: “तुम्हारे रेवड़ की देखभाल मैं करूँगा”; इस पर अबू ज़र मक्का गए और (जाफ़र, हमज़ा और अली की रहनुमाई से) मुसलमान हुए।

मक्की दौर (लगभग 611–613 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 86-87 (fasl fî kelâmi'l-hayvânât)

---

506. सूरह अर-रहमान पर जिन्नों का सुंदर उत्तर

हसन (अच्छी) क़ुरआनी मोजिज़े

सूरह अर-रहमान पढ़ने पर आप के सहाबा चुप रहे, तो आप ने फ़रमाया: “जिन्नों ने तुमसे अच्छा उत्तर दिया; जब भी मैं ‘तो तुम अपने रब की किन-किन नेमतों को झुठलाओगे’ आयत पढ़ता, वे कहते: ‘हमारे रब, हम तेरी किसी नेमत को नहीं झुठलाते’” (जाबिर की रिवायत)।

मक्की दौर (जिन्नों की रात); जाबिर की रिवायत मदीना में

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 78 (Bâb 9: cinler ve şeytanlar üzerindeki hâkimiyeti, bazı cinlerin imanı)

---

507. जिन्नों की रात और इब्ने मसऊद की रिवायत

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मक्का में एक रात आप ग़ायब हो गए और सहाबा चिंतित हो गए; सुबह आप हिरा की ओर से आए और फ़रमाया: “जिन्नों का बुलाने वाला आया था, मैं जाकर उन्हें क़ुरआन सुना आया”, और उन्हें जिन्नों के निशान और उनकी आग के निशान दिखाए (अलक़मा, इब्ने मसऊद से: “जिन्नों की रात आप के साथ हम में से कोई नहीं था”)।

मक्की दौर (लगभग 620–621 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 80 (Bâb 9: cinler ve şeytanlar üzerindeki hâkimiyeti, bazı cinlerin imanı)

---

508. बत्ने नख़्ल में जिन्नों का ईमान और बैअत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बत्ने नख़्ल में नसीबीन और यमन के जिन्नों के सरदारों में से नौ आए और ईमान लाए, फिर 71,000 जिन्न आए और रोज़ा, नमाज़, ज़कात, हज, जिहाद और मुसलमानों की भलाई चाहने पर आप से बैअत की (सुलैमान के अधीन जिन्नों के किए जाने के मुक़ाबले में)।

मक्की दौर (लगभग 620 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 292 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

15 · इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

509. इसरा और मेराज

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

क़ुरआन बताता है कि अल्लाह अपने बंदे को रातों-रात मस्जिदे हराम से मस्जिदे अक़सा ले गया। हदीस की विस्तृत रिवायतें आसमानों की सैर और पाँच वक़्त की नमाज़ के फ़र्ज़ होने का वर्णन करती हैं।

मक्की दौर का अंतिम भाग, हिजरत से पहले।

स्रोत आयत 17:1 (Surat al-Isra); Sahih al-Bukhari 3887

510. इसरा: रात में मस्जिदे अक़सा तक ले जाया जाना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा: एक ही रात में आप को मस्जिदे हराम से मस्जिदे अक़सा ले जाया गया।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.13; 1000 Mucize no.3 (s.18); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbü'l-mi'râc, no. 5863; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 252-253); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 415, 450; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); IslamHouse, The Miracles of Muhammad; Djamduri–Malinda, Journal of Islamic Education 6/1 (2021); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "İsrâ ve Mirac Hadisesinin Tarihi + İsrâ ve Mi'racın Ruhen mi, Bedenen mi Vuku Bulduğu Meselesi + İsrâ Hâdisesinin Kur'ân-ı Kerîm'de Açıklanışı + İsrâ ve Mi'rac Mu'cizesi Hâdisesini Rivâyet Eden Erkek ve Kadın Sahabîler + Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mekke'ye Dönüşü + Abdulmuttalib Oğullarının Peygamberimiz Aleyhisselâmı Aramaya Çıkışları" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Ferec İbn Cevzî, el-Vefa, c:1, s:218-219; İbn Esir, Usdu'l-gâbe, c:1, s:27; İbn Seyyid, Uyûnu'l-eser, c:1, s:148 / Kadı Iyaz, Şifâ, c:1, s:39; Ebu'l-Fidâ, el-Bidâye ve'n-nihâye, c:3, s:114; Kastlânî, Mevâhibu'l-ledünniye, c:2, s:4 / Suyûtî, Hasâisü'l-kübrâ, c:1, s. 447-448; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:6, s:36 / İsra:1 / Suyûtî, Hasâisü'l-kübrâ, c:1, s:378 / İbrı İshak-İbnHişam, Sîre, c:2, s:39,43 / İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:1, s:214); Kütüb-i Sitte: Müslim 162 (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5570; no. 5571, c./s. 15/407-415]

511. इसरा की रात सीना खोलकर धोया जाना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप के घर की छत फटी, आप का सीना खोलकर ज़मज़म से धोया गया और ईमान और हिकमत से भर दिया गया।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.13; 1000 Mucize no.2 (s.18); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbü'l-mi'râc, no. 5864; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 111-112); c. 1, s. 254, 273, 275, 284); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâm'ın Göğsünün Yarılıp Kalbine İman ve Hikmet Doldurulуşu" (kitabın dipnotu: Buhârî, Sahih, c:1, s:91, Müslim, Sahîh, c:1, s:14); Kütüb-i Sitte: Buhârî 349, Müslim 163 (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5568]

512. बुराक़ का लाया जाना और अधीन होना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

बुराक़ लाया गया और वह आप के अधीन हो गया।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.13; 1000 Mucize no.4 (s.18); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 258); ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 84-85; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Burak'ın Getirilişi ve Peygamberimiz Aleyhisselâmın Ona Bindirilişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:50, 214; Buhârî, c:4, s: 248; Müslim, Sahîh, c:1, s:145; Beyhakî, Delâil, c:2, s:363,396; Taberî, Tefsîr, c:15, s:5; Tirmizi, Sünen, c:5, s:301); Kütüb-i Sitte: Buhârî (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5568]

---

513. मेराज: सातों आसमानों तक उठाया जाना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज: आसमानों के दरवाज़े खोले गए और आप को सातों आसमानों तक ऊपर ले जाया गया।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.28; 1000 Mucize no.1 (s.13), no.5 (s.18); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbü'l-mi'râc, no. 5862; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 252-254, 273-275); ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 257, 281, 289-290; WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Göklere Çıkarılışı ve Orada Bazı Peygamberlerle Karşılaşıp Selâmlaşması" (kitabın dipnotu: İbn Esîr, Kâmil, c:2, s:52; İbn İshak-İbn Hişam, c:2, s:41, 44-45,48; Beyhakî, Delâil, c:2, s:383,391; Buhârî, c:1, s:92,248; C:4,S:248-249; Müslim, c:1, s:145-146,148,152; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:207,209,257); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3887, Müslim 164 (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5568]

---

514. नबियों से मिलना और उनकी इमामत करना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में आप नबियों से मिले और यरूशलम में उनकी इमामत की।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.28; 1000 Mucize no.8 (s.18); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbü'l-mi'râc, no. 5866; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 3. bâb, İsrâ faslı; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 255, 264, 269, 289, 295); c. 1, s. 264-265, 289-290, 294); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın İmam Olup Peygamberlere Namaz Kıldırışı" (kitabın dipnotu: Nesâî, c:1, s:222; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:214; Müslim, Sahîh, c:1, s:145; İbn İshak-İbn Hişam, c. 2, s. 39; İbn Esîr, Kâmil, c:2, s:52); "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Göklere Çıkarılışı ve Orada Bazı Peygamberlerle Karşılaşıp Selâmlaşması" (kitabın dipnotu: İbn Esîr, Kâmil, c:2, s:52; İbn İshak-İbn Hişam, c:2, s:41, 44-45,48; Beyhakî, Delâil, c:2, s:383,391; Buhârî, c:1, s:92,248; C:4,S:248-249; Müslim, c:1, s:145-146,148,152; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:207,209,257); Kütüb-i Sitte: Müslim 172; Nesâî 450 (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5568]

---

515. मेराज में फ़रिश्तों और मौत के फ़रिश्ते से भेंट

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में आप ने मौत के फ़रिश्ते सहित फ़रिश्तों से बात की।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत 1000 Mucize no.9 (s.18); Kütüb-i Sitte: Buhârî (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5568]

---

516. मेराज में जहन्नम के अज़ाब को देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में आप ने जहन्नम के अज़ाब के अनेक दृश्य देखे।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत 1000 Mucize no.6 (s.18); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâma Cehennemin Gösterilişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:45-46; İbn Esîr, Kâmil, c:2, s:55; Buhârî, Sahîh, c:5, s:190; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:3, s:111); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvud, Edeb 40, (4878, 4879); İbn Mâce 2273 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4323, c./s. 12/313; no. 6692]

---

517. मेराज में जन्नत की नेमतें देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में आप ने जन्नत की नेमतें (कौसर आदि) देखीं।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत 1000 Mucize no.7 (s.18); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 254, 256, 260); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Mirac Gecesinde Peygamberimiz Aleyhisselâmın Cennete Götürülüşü" (kitabın dipnotu: Al-i İmran: 133 / Buhârî, Sahih, c:1, s: 93; c:6, s:92; Müslim, Sahih, c:1, s:149; İbn Esîr, Kâmil, c: 2, s:55;); Kütüb-i Sitte: Buhârî (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5568]

---

518. ग़ैब के संसार की स्थितियाँ देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

आप ने ग़ैब के संसार की स्थितियाँ (बैतुल मामूर, सिदरतुल मुंतहा) अपनी आँखों से देखीं।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.28; 1000 Mucize no.10 (s.18); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 253, 274); ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 904; 917; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Göklere Çıkarılışı ve Orada Bazı Peygamberlerle Karşılaşıp Selâmlaşması" (kitabın dipnotu: İbn Esîr, Kâmil, c:2, s:52; İbn İshak-İbn Hişam, c:2, s:41, 44-45,48; Beyhakî, Delâil, c:2, s:383,391; Buhârî, c:1, s:92,248; C:4,S:248-249; Müslim, c:1, s:145-146,148,152; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:207,209,257); "Sidretü'l-Müntehâ'ya Yükseliş" (kitabın dipnotu: Buhârî, Sahîh, c:1, s:93; c: 8, s:24; c:4, s:249; Ahmed b. Hanbel, c:4, s:207-209, c:1, s:367; c:3, s:128, c:5, s:144; Bedrüddin Aynî, Umdetu'l-Kârî, c:4, s:45; İbn Ebi Şeybe, Musannef, c:14, s:304,309; Tirmizî, Sünen, c:5, s. 397); "Kur'ân-ı Kerîm'in Mirac Hakkındaki Açıklaması + Cennetü'l-Me'vâ, Kürsî ve Arş" (kitabın dipnotu: Necm: 1-18 / Taberî, Tefsir, c:27, s:55; c:3, s:10; Nesefî, Medârik, c:1, s:128); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Eşribe 12; Müslim, İman 264, (164) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5109; no. 5568]

---

519. सिदरतुल मुंतहा पर जिब्रील को उनके असली रूप में देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज की रात आप ने जिब्रील को दूसरी बार उनके असली रूप में सिदरतुल मुंतहा के पास देखा।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.28; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 200-201; c. 1, s. 270); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Kur'ân-ı Kerîm'in Mirac Hakkındaki Açıklaması + Cennetü'l-Me'vâ, Kürsî ve Arş" (kitabın dipnotu: Necm: 1-18 / Taberî, Tefsir, c:27, s:55; c:3, s:10; Nesefî, Medârik, c:1, s:128); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Tefsir, Maide 7, (Bed'ül-Halk 6, Tefsir, Necm 1, Tevhid 4; Müslim İman, 287, (177); Tirmizî, Tefsir, En'am (3070) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5160]

---

520. मेराज में पाँच वक़्त की नमाज़ का फ़र्ज़ होना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में पाँच वक़्त की नमाज़ फ़र्ज़ की गई।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.83; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 3. bâb, İsrâ faslı; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 253-257, 266, 268, 274); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim, Tirmizî, Nesâî ; İbn Mâce 1400 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5568; no. 5569; no. 2331; no. 6406]

---

521. क़ुरैश को उत्तर देते समय बैतुल मक़दिस का आँखों के सामने लाया जाना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

जब क़ुरैश ने परीक्षा ली, तो बैतुल मक़दिस आप की आँखों के सामने लाया गया और आप ने मक्का से देखते हुए उसका एक-एक विवरण बताया।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.13; 1000 Mucize no.11 (s.19); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbü'l-mi'râc, no. 5866-5867; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Yaqeen Institute, "The Physical Miracles of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 261, 266, 289, 294); ayrıca: Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 85; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "İsrâ ve Mi'rac Mu'cizesinin Kureyş Halkına Haber Verilişi + Müşriklerin Peygamberimiz Aleyhisselâma Beytü'l-Makdis ve Beytü'l-Makdis Mescidi Hakkında Sorular Sormaları" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:39,40, 43; Zehebî, Târîh, s:245-246,248-249; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:215; Ebu'l-Fidâ, Tefsîr, c:3, s:21 / Zehebî, Târîhu'l-islâm, s:246,250; İbn Sa'd, Tabakât, c:11, s: 215); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim, Tirmizî [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5570]

---

522. इसरा से लौटकर क़ुरैश के क़ाफ़िले का हाल बताना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

इसरा से लौटकर आप ने क़ुरैश के क़ाफ़िले का स्थान, खोए हुए ऊँट और उसके पहुँचने का समय बताया।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.13; 1000 Mucize no.12 (s.20); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 257, 263, 294, 296-297); ayrıca: IslamHouse, The Miracles of Muhammad; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 233; c. 18, s. 119, 133, 143; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 24; c. 1, s. 121-122; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 96; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Müşriklerin Kervanları Hakkındaki Soruları" (kitabın dipnotu: İbn Seyyid, Uyunul-eser, c:1, s:142; Diyarbekrî, Hamîs, c:1, s:315-316; Ebu'l-Fidâ, Tefsir, c:3, s:22; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:44)

523. क़ाफ़िले के पहुँचने के लिए सूर्यास्त का रोका जाना

हसन (अच्छी) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

इसरा की सुबह आप ने क़ुरैश को क़ाफ़िले और उसकी निशानी की ख़बर दी और कहा: “बुधवार को आएगा”; उस दिन क़ुरैश प्रतीक्षा करते रहे, दिन ढलने को था और क़ाफ़िला नहीं आया था; आप ने दुआ की, दिन एक घड़ी लंबा कर दिया गया और क़ाफ़िला आने तक सूरज रोक दिया गया (हब्से शम्स)।

इसरा के बाद के दिन, लगभग 621 ईस्वी

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 12. fasıl (inşikāk-ı kamer ve habs-i şems)

524. अर्श के पाए पर अली के उल्लेख वाला लेख देखना

गढ़ी हुई (मौज़ू) इसरा और मेराज

मेराज की रात आप ने अर्श के पाए पर लिखा देखा: “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं, मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं; मैंने अली के द्वारा उनकी सहायता की।”

लगभग 621 ईस्वी (मेराज)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 13 (isminin Arş'a yazılması bâbı)

525. अर्श पर ख़ुलफ़ा-ए-राशिदीन के नाम लिखे देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने अर्श पर कलिमा-ए-तौहीद के साथ “अबू बक्र सिद्दीक़, उमर फ़ारूक़, उस्मान ज़ुन्नूरैन” लिखा देखा; अबुद दर्दा की रिवायत में यह अर्श पर एक हरी तख़्ती पर सफ़ेद नूर से लिखा हुआ था।

लगभग 621 ईस्वी (इसरा)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 13 (isminin Arş'a yazılması bâbı)

526. हर आसमान में अबू बक्र का नाम देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

मेराज में आप जिस आसमान से भी गुज़रे, वहाँ “मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” और उसके बाद “अबू बक्र सिद्दीक़” लिखा पाया।

लगभग 621 ईस्वी (मेराज)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 13 (isminin Arş'a yazılması bâbı)

527. मेराज में अज़ान का सिखाया जाना और इमामत करना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

अज़ान सिखाने के लिए आप को बुराक़ पर रहमान के निकट के पर्दे (हिजाब) तक ले जाया गया; पर्दे से निकले एक फ़रिश्ते ने अज़ान दी, और उसके हर वाक्य की पर्दे के पीछे से यह कहकर पुष्टि की गई: “मेरे बंदे ने सच कहा”; फ़रिश्ते ने आप को आसमान वालों (आदम और नूह सहित) का इमाम बनाया।

लगभग 621 ईस्वी (मेराज)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 15 (ezanda anılması bâbı)

528. सिदरतुल मुंतहा पर तीन चीज़ों का दिया जाना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में आप को सिदरतुल मुंतहा तक पहुँचाया गया और तीन चीज़ें दी गईं: पाँच वक़्त की नमाज़, सूरह अल-बक़रह की अंतिम आयतें, और आप की उम्मत में से अल्लाह के साथ शिर्क न करने वालों के बड़े गुनाहों की क्षमा (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

इसरा और मेराज, लगभग 621 ईस्वी

स्रोत Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbü'l-mi'râc, no. 5865

529. इसरा के रास्ते में पवित्र स्थानों पर नमाज़ पढ़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा के रास्ते में जिब्रील के इशारे पर आप ने हिजरत की जगह तैबा (यसरिब) में, मूसा के अल्लाह से बात करने की जगह तूरे सीना में (मदयन में मूसा के पेड़ के पास) और ईसा के जन्मस्थान बैतुल लहम में उतरकर नमाज़ पढ़ी।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 255, 262 (İsrâ bâbı (Enes ve Şeddâd b. Evs hadisleri))

530. इसरा के रास्ते में दिखे प्रतीकात्मक रूप

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा के रास्ते में आप ने सड़क के किनारे एक बूढ़ी स्त्री देखी, रास्ते से भटके एक व्यक्ति ने आप को पुकारा, और तीन लोगों ने यह कहकर सलाम किया: “सलाम हो आप पर, ऐ अव्वल, ऐ आख़िर, ऐ हाशिर”; जिब्रील ने बताया कि ये क्रमशः दुनिया की बची हुई आयु, इब्लीस, और इब्राहीम, मूसा और ईसा थे।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 258 (İsrâ bâbı (Enes hadisi))

531. इसरा में दाएँ और बाएँ से आई पुकारों पर ध्यान न देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा के रास्ते में दाएँ और बाएँ से एक-एक बुलाने वाले ने पुकारा: “ऐ मुहम्मद, रुकिए, मैं आप से पूछूँगा”, और बाँहें फैलाए एक सजी-धजी स्त्री दिखाई दी; आप ने किसी पर ध्यान नहीं दिया; जिब्रील ने बताया कि ये यहूदियों का बुलाने वाला, ईसाइयों का बुलाने वाला और दुनिया थे, और कहा: “अगर आप उत्तर देते, तो आप की उम्मत यहूदी/ईसाई हो जाती और दुनिया को आख़िरत पर तरजीह देती।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 276-277 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd el-Hudrî hadisi))

532. दूध और शराब में से दूध को चुनना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

बैतुल मक़दिस में (कुछ रिवायतों में आसमानों में) जब आप के सामने दूध और शराब (कुछ रिवायतों में पानी या शहद भी) पेश की गई, तो आप ने दूध चुना; जिब्रील ने कहा: “आप ने फ़ितरत को चुना; अगर शराब ले लेते तो आप की उम्मत भटक जाती।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 252, 258, 263, 272, 286, 289 (İsrâ bâbı (Enes, Suheyb, Şeddâd, Ebû Hüreyre hadisleri))

---

533. जिब्रील का चट्टान में छेद करके बुराक़ बाँधना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

बैतुल मक़दिस पहुँचने पर जिब्रील ने अपनी उँगली से चट्टान में छेद करके बुराक़ को वहाँ बाँधा।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 261 (İsrâ bâbı (Büreyde hadisi))

---

534. आसमान पर आदम का अपनी संतान को देखकर हँसना और रोना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में दुनिया वाले आसमान पर आप ने आदम को देखा, जो अपने दाईं ओर की परछाइयों (अपनी जन्नती संतान की रूहों) को देखकर हँसते और बाईं ओर वालों (जहन्नमियों) को देखकर रोते थे।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 275, 277 (İsrâ bâbı (Ebû Zer ve Ebû Saîd hadisleri))

---

535. छठे आसमान पर मूसा का रोना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में छठे आसमान पर मूसा के पास से विदा होते समय मूसा यह कहते हुए रोए: “मेरे बाद भेजे गए एक युवक की उम्मत में से जन्नत में जाने वाले मेरी उम्मत के जाने वालों से अधिक होंगे।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 274 (İsrâ bâbı (Mâlik b. Sa'saa hadisi))

---

536. क़लमों की सरसराहट सुनाई देने वाले मैदान तक उठाया जाना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

मेराज में आप को एक ऐसे मैदान तक ऊपर ले जाया गया जहाँ आप ने क़लमों की चरचराहट सुनी।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 276 (İsrâ bâbı (Ebû Zer hadisi))

---

537. सिदरतुल मुंतहा की जड़ से निकलने वाली चार नहरें

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

आप ने सिदरतुल मुंतहा की जड़ से निकलने वाली चार नहरें देखीं: दो छिपी हुई (जन्नत में) और दो प्रकट (नील और फ़ुरात); अबू हुरैरा की रिवायत में ये पानी, दूध, शराब और शहद की नहरें हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 254, 274, 288 (İsrâ bâbı (Enes, Mâlik b. Sa'saa, Ebû Hüreyre hadisleri))

538. सिदरतुल मुंतहा को ढकने वाले अद्भुत रंग

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

आप ने देखा कि सिदरतुल मुंतहा को सोने के पतंगों (फ़राश) और तरह-तरह के रंगों ने ढक रखा है।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 259, 268 (İsrâ bâbı (Enes ve İbn Mes'ûd hadisleri))

539. अल्लाह के भय से जिब्रील को पुराने टाट जैसा देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने मलए आला में जिब्रील को अल्लाह के भय से पुराने टाट की तरह (सिमटे हुए) देखा।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 261 (İsrâ bâbı (Câbir hadisi))

540. मूसा को उनकी क़ब्र में नमाज़ पढ़ते देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने लाल रेत के टीले के पास मूसा को उनकी क़ब्र में खड़े होकर नमाज़ पढ़ते देखा।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 258-259, 266, 290 (İsrâ bâbı (Enes, İbn Abbas, Ebû Hüreyre hadisleri))

541. जहन्नम के दारोग़ा मालिक से भेंट

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने जहन्नम के दारोग़ा मालिक को उदास, क्रोधित चेहरे वाला देखा; मालिक ने आप को सलाम किया और बताया गया कि जहन्नम के बनने के बाद से वे किसी पर नहीं हँसे।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 257, 265, 272 (İsrâ bâbı (Enes, İbn Abbas, Ömer hadisleri))

542. इसरा की रात दज्जाल को अपनी आँखों से देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने दज्जाल को सपने में नहीं, अपनी आँखों से देखा और उसका वर्णन किया (भारी-भरकम, गोरा, एक आँख चमकते तारे जैसी, बाल पेड़ की डालियों जैसे)।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 264-265, 292 (İsrâ bâbı (İbn Abbas ve Ümmü Hânî hadisleri))

543. फ़िरऔन की बेटी की कंघी करने वाली की सुगंध महसूस करना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक सुगंध महसूस की; जिब्रील ने बताया कि यह फ़िरऔन की बेटी की कंघी करने वाली (माशिता) और उसके बच्चों की सुगंध है; उस स्त्री ने “बिस्मिल्लाह” कहा था, इसलिए उसे बच्चों सहित खौलते ताँबे के कड़ाहे में डाल दिया

गया, और उसका दूध पीता बच्चा बोल उठा: “धैर्य रखो माँ, तुम हक़ पर हो।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 261, 265 (İsrâ bâbı (Übey b. Kâ'b ve İbn Abbas hadisleri))

---

544. इसरा की रात जन्नत में बिलाल के क़दमों की आहट सुनना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने जन्नत में एक सरसराहट (क़दमों की आहट) सुनी और बताया गया कि यह मुअज़्ज़िन बिलाल हैं; लौटकर आप ने शुभ समाचार दिया: “बिलाल सफल हो गए।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 264 (İsrâ bâbı (İbn Abbas hadisi))

---

545. इसरा की रात जहन्नम में ग़ीबत करने वालों और ऊँटनी मारने वाले को देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने जहन्नम में मुर्दार खाने वाले एक समूह (लोगों का मांस खाने वाले, यानी ग़ीबत करने वाले) और लाल चमड़ी, नीली आँखों और घुँघराले बालों वाले एक व्यक्ति (सालेह की ऊँटनी को मारने वाला) को देखा।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 264 (İsrâ bâbı (İbn Abbas hadisi))

---

546. इसरा की रात ताँबे के नाख़ूनों से स्वयं को नोचने वालों को देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक समूह देखा जो ताँबे के नाख़ूनों से अपने चेहरे और सीने नोच रहा था; जिब्रील ने कहा: “ये वे हैं जो लोगों का मांस खाते थे और उनकी इज़्ज़त पर ज़बान चलाते थे।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 258 (İsrâ bâbı (Enes hadisi))

---

547. इसरा की रात आग की कैंचियों से होंठ काटे जाते ख़तीबों को देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक समूह देखा जिनके होंठ (और ज़बानें) आग की कैंचियों से काटे जा रहे थे, और कटते ही फिर पहले जैसे हो जाते; जिब्रील ने कहा: “ये आप की उम्मत के वे (फ़ितना फैलाने वाले) वक्ता हैं जो जो कहते थे, वह करते नहीं थे।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 259, 284 (İsrâ bâbı (Enes ve Ebû Hüreyre hadisleri))

---

548. जन्नत के दरवाज़े पर सदक़े और क़र्ज़ का लेख देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने जन्नत के दरवाज़े पर लिखा देखा: “सदक़े का बदला दस गुना और क़र्ज़ (क़र्ज़े हसना) का बदला अठारह गुना मिलता है”, और जिब्रील ने इसका कारण बताया।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 259 (İsrâ bâbı (Enes hadisi))

---

549. इसरा से लौटने के बाद की सुगंध

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

इसरा से लौटने के बाद आप की सुगंध दुल्हन की सुगंध जैसी, बल्कि उससे भी अधिक मनभावन थी।

इसरा के बाद (लगभग 621 ईस्वी से)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 259 (İsrâ bâbı (Enes hadisi))

---

550. इसरा की रात दर्शन और वार्ता का बँटवारा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने अपने रब को देखा; (कअब से) नक़्ल किया गया है कि दीदार और कलाम आप और मूसा के बीच बाँटे गए।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 259, 297 (İsrâ bâbı (Enes hadisi; mürseller))

---

551. नदी में तैरते और मुँह में पत्थर खाते सूदख़ोर को देखना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक नदी में तैरते एक व्यक्ति को देखा जिसके मुँह में पत्थर डाले जा रहे थे; बताया गया कि वह सूद खाने वाला है।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 262 (İsrâ bâbı (Semüre b. Cündeb hadisi))

---

552. नबियों का अपनी उम्मतों के साथ दिखाया जाना और सत्तर हज़ार का बिना हिसाब जन्नत में जाना

सहीह (प्रामाणिक) इसरा और मेराज

इसरा की रात नबी अपनी उम्मतों के साथ आप को दिखाए गए (किसी के साथ एक समूह, किसी के साथ कुछ लोग, किसी के साथ कोई नहीं); मूसा की बड़ी क़ौम के बाद आप ने क्षितिज को भर देने वाली अपनी उम्मत देखी और बताया गया कि उनमें से सत्तर हज़ार लोग बिना हिसाब के जन्नत में जाएँगे।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 266 (İsrâ bâbı (İbn Abbas hadisi))

---

553. इब्राहीम का उम्मत को सलाम और जन्नत के पौधों की सलाह

हसन (अच्छी) इसरा और मेराज

इसरा की रात इब्राहीम ने आप के द्वारा संदेश भेजा: “अपनी उम्मत को मेरा सलाम कहना; जन्नत की मिट्टी अच्छी है, उसका पानी मीठा है, वह समतल मैदान है; उसके पौधे सुब्हानल्लाह, अल्हम्दुलिल्लाह, ला इलाहा इल्लल्लाह, अल्लाहु अकबर (और ला हौला व ला क़ुव्वता इल्ला बिल्लाह) हैं।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 266, 270, 275 (İsrâ bâbı (İbn Mes'ûd, İbn Abbas, Ebû Eyyûb hadisleri))

---

554. इसरा की रात मूसा और इब्राहीम के संबोधन

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात रास्ते में ऊँची आवाज़ में अपने रब से विनती कर रहे मूसा ने कहा: “स्वागत है, उम्मी नबी”; दीपकों जैसे फलों वाले एक पेड़ के नीचे अपने परिवार के साथ बैठे इब्राहीम ने सलाह दी: “बेटे, आज रात तुम अपने रब से मिलोगे; तुम्हारी उम्मत उम्मतों में अंतिम और सबसे कमज़ोर है; अगर तुम कर सको तो अपनी पूरी माँग अपनी उम्मत के लिए करना।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 268-270 (İsrâ bâbı (İbn Mes'ûd hadisi))

---

555. मोती के महल तक पहुँचाया जाना और तीन गुणों की वह्य

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप को मोती के एक महल और सोने के एक बिछौने तक पहुँचाया गया और आप के बारे में तीन बातें वह्य की गईं: आप नबियों के सरदार, मुत्तक़ियों के इमाम और चमकते चेहरे और हाथ-पैर वालों (ग़ुर्रे मुहज्जलीन) के अगुवा हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 271 (İsrâ bâbı (Abdullah b. Es'ad b. Zürâre hadisi))

---

556. ऊँचे आसमानों में फ़रिश्तों की तस्बीह सुनना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप को इस हाल में ऊँचे आसमानों पर ले जाया गया कि आप के दाईं ओर जिब्रील और बाईं ओर मीकाईल थे, और ऊँचे आसमानों में आप ने अल्लाह के रोब से काँपती सृष्टियों की यह तस्बीह सुनी: “सुब्हानल अलिय्यिल आला।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 262, 271 (İsrâ bâbı (Abdurrahman b. Kurt ve Sehl b. Sa'd hadisleri))

---

557. बैतुल मक़दिस में मेराज की सीढ़ी का लाया जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

बैतुल मक़दिस में आप के पास वह अनुपम सुंदर मेराज (सीढ़ी) लाई गई जिसकी ओर मरने वाला टकटकी लगाता है और जिससे मनुष्यों की रूहें निकलती हैं, और आप उससे आसमान पर चढ़े।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 277 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd el-Hudrî hadisi))

---

558. दुनिया वाले आसमान के दरवाज़े पर फ़रिश्ते इस्माईल को देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

दुनिया वाले आसमान के दरवाज़े पर आप ने इस्माईल नाम के फ़रिश्ते को देखा, जिसके अधीन सत्तर हज़ार फ़रिश्ते थे और उनमें से हर एक एक लाख फ़रिश्तों का सेनापति था।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 277 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd el-Hudrî hadisi))

---

559. अनाथों का माल खाने वालों का अज़ाब देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

मेराज में आप ने ऊँटों जैसे होंठों वाला एक समूह देखा जिनके मुँह में आग के पत्थर डाले जाते और वे उनके नीचे से निकल जाते; बताया गया कि ये अनाथों का माल अन्याय से खाने वाले हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 278 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd el-Hudrî hadisi))

---

560. घरों जैसे पेट वाले सूदख़ोरों को देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

मेराज में आप ने एक समूह देखा जिनके पेट घरों जैसे थे (जिनमें बाहर से दिखने वाले साँप थे), और जो उठने की कोशिश करते ही गिर पड़ते; बताया गया कि ये सूद खाने वाले हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 278, 290 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd ve Ebû Hüreyre hadisleri))

---

561. मेराज में व्यभिचारियों का अज़ाब देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

मेराज में आप ने एक समूह देखा जो सामने पवित्र/पका हुआ मांस होते हुए भी सड़ा हुआ कच्चा मांस खा रहा था, और स्तनों (और पैरों) से लटकाई गई स्त्रियाँ देखीं; बताया गया कि ये व्यभिचार करने वाले हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 278, 284 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd ve Ebû Hüreyre hadisleri))

---

562. लोगों की बुराई करने वालों को अपना ही मांस खाते देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

मेराज में आप ने एक समूह देखा जिनके पहलुओं से मांस काटकर उन्हीं को खिलाया जा रहा था; बताया गया कि ये पीठ पीछे लोगों की बुराई करने और ताने कसने वाले (हम्माज़, लम्माज़) हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 278 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd el-Hudrî hadisi))

---

563. बैतुल मामूर में प्रवेश और अपनी उम्मत के दो समूहों को देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

आप ने बैतुल मामूर में प्रवेश करके नमाज़ पढ़ी; आप ने देखा कि आप की उम्मत का एक भाग सफ़ेद कपड़ों में आप के साथ भीतर आया, जबकि मैले (मटमैले) कपड़ों वाला दूसरा भाग भलाई पर होने के बावजूद बाहर रोक दिया गया।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 279 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd el-Hudrî hadisi))

564. ज़ैद को जन्नत की एक दासी का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

मेराज में जन्नत में प्रवेश करने पर आप को एक दासी मिली जिसने कहा: “मैं ज़ैद बिन हारिसा की हूँ”, और आप ने ज़ैद को यह शुभ समाचार दिया।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 279 (İsrâ bâbı (Ebû Saîd el-Hudrî hadisi))

565. ईलिया के धर्माध्यक्ष की इसरा की रात के बारे में गवाही

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

क़ैसर के दरबार में आप को नीचा दिखाने के लिए अबू सुफ़यान ने कहा: “वे कहते हैं कि एक ही रात में मस्जिदे अक़सा गए और लौट आए”; इस पर ईलिया (यरूशलम) के पादरी-प्रमुख ने गवाही दी: “मैं उस रात को जानता हूँ: हम मस्जिद का एक दरवाज़ा किसी भी तरह बंद न कर सके; सुबह मैंने दरवाज़े के पास की चट्टान में छेद और सवारी बाँधने का निशान देखा।”

इसरा की रात (लगभग 621 ईस्वी); रिवायत: हुदैबिया संधि का दौर (हिजरी 6–7 / 628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 280-282 (İsrâ bâbı (Ebû Süfyân hadisi))

566. इसरा की रात मुजाहिदों की मिसाल का दिखाया जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक समूह देखा जो एक दिन में बोता और एक दिन में काटता, और काटते ही खेती फिर पहले जैसी हो जाती; बताया गया कि ये अल्लाह के रास्ते में जिहाद करने वाले हैं, जिनकी नेकियाँ सात सौ गुना बढ़ाई जाती हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 284 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

567. नमाज़ को भारी समझने वालों का दंड देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक समूह देखा जिनके सिर चट्टानों से कुचले जाते और कुचलते ही फिर पहले जैसे हो जाते; बताया गया कि ये वे हैं जिनके सिर फ़र्ज़ नमाज़ के लिए भारी हो जाते थे।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 284 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

568. ज़कात न देने वालों का दंड देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक समूह देखा जिनके आगे और पीछे पैबंद लगे थे और जो पशुओं की तरह काँटेदार घास और जहन्नम के पत्थर चर रहे थे; बताया गया कि ये अपने माल की ज़कात न देने वाले हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 284 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

569. राहज़नों और अमानत में ख़यानत करने वालों की मिसाल

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने रास्ते पर एक लकड़ी का कुंदा देखा जो पास से गुज़रने वाली हर चीज़ को फाड़ देता था (रास्ता लूटने वालों की उपमा), और एक व्यक्ति देखा जो लकड़ियों के उस ढेर में और लकड़ियाँ जोड़ रहा था जिसे वह उठा नहीं सकता था (उन अमानतों का बोझ उठाने वाले की उपमा जिन्हें वह अदा नहीं कर सकता)।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 284 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

570. मुँह से निकली बड़ी बात की मिसाल

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक छोटे छेद से निकले एक बड़े बैल को देखा जो वापस घुसना चाहता था पर घुस नहीं पाता था; बताया गया कि यह उस व्यक्ति की उपमा है जो कोई बड़ी बात कहकर पछताता है पर उसे वापस नहीं ले सकता।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 284 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

571. जन्नत और जहन्नम की पुकारें सुनना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने एक सुगंधित ठंडी घाटी में जन्नत की पुकार “मेरे रब, जो वादा किया है वह दे” और अल्लाह का उत्तर सुना, और एक दुर्गंध वाली घाटी में जहन्नम की आवाज़ और अल्लाह का उत्तर सुना।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 285 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

572. नबियों की सभा में अल्लाह के रसूल ﷺ की श्रेष्ठता

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

बैतुल मक़दिस में आप नबियों की रूहों से मिले; इब्राहीम, मूसा, दाऊद, सुलैमान और ईसा ने बारी-बारी से अपने रब की उन नेमतों के साथ प्रशंसा की जो उसने उन्हें दी थीं; जब आप ने भी (सारे संसार के लिए रहमत, फ़ुरक़ान, सबसे श्रेष्ठ और मध्यमार्गी उम्मत, सीने का खोला जाना, ज़िक्र का ऊँचा किया जाना, और खोलने वाला और समाप्त करने वाला बनाए जाने के साथ) प्रशंसा की, तो इब्राहीम ने कहा: “इन बातों से मुहम्मद तुम सब से आगे निकल गए।”

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 285-286 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

573. तीन नहरों में नहाने वालों का पवित्र होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

सातवें आसमान पर जन्नत के दरवाज़े पर बैठे इब्राहीम के पास आप ने बिल्कुल सफ़ेद चेहरों वाला एक समूह और धुँधले रंग वाला एक समूह देखा; दूसरे समूह के लोग तीन नहरों (अल्लाह की रहमत, उसकी नेमत और शराबे तहूर) में नहाकर पाक हुए और पहले समूह से जा मिले; बताया गया कि ये वे हैं जिन्होंने अच्छे कर्मों में बुरे कर्म मिलाए और फिर तौबा की।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 287-288 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

---

574. सिदरा पर रब के अल्लाह के रसूल ﷺ पर विशेष उपकार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

सिदरा पर आप के रब ने आप से फ़रमाया: “माँगो”, और आप को संबोधित करते हुए बताया कि उसने आप को अपना हबीब बनाया, सारे लोगों की ओर भेजा, आप का सीना खोला और आप का ज़िक्र ऊँचा किया, आप की उम्मत को मध्यमार्गी और सबसे श्रेष्ठ उम्मत बनाया, और आप को सबउल मसानी, अर्श के नीचे के ख़ज़ाने से सूरह अल-बक़रह का अंतिम भाग, कौसर और आठ हिस्से (इस्लाम, हिजरत, जिहाद, नमाज़, सदक़ा, रमज़ान के रोज़े, भलाई का आदेश देना और बुराई से रोकना) दिए।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 288-289 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

---

575. आसमान में वज्र और शैतानों का दिखाई देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

मेराज में सातवें आसमान के ऊपर आप ने गरज, बिजली और वज्र देखे; उतरते समय दुनिया वाले आसमान में आप ने ऐसे शैतान देखे जो लोगों की आँखों के आसपास चक्कर लगाकर उन्हें आसमानों के मलकूत पर विचार करने से रोकते हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 290 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre hadisi))

---

576. अबू बक्र की पुष्टि और सिद्दीक़ की उपाधि

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

इसरा से लौटकर जब आप ने जिब्रील से कहा: “मेरी क़ौम मेरी पुष्टि नहीं करेगी”, तो जिब्रील ने कहा: “अबू बक्र आप की पुष्टि करेंगे, वे सिद्दीक़ हैं”; सुबह जब क़ुरैश झुठला रहे थे और कुछ लोग दीन से फिर रहे थे, अबू बक्र ने यह कहकर पुष्टि की: “मैं तो इससे भी आगे, सुबह-शाम आने वाली आसमान की ख़बर में उनकी पुष्टि करता हूँ”, और “सिद्दीक़” की उपाधि पाई।

इसरा के बाद की सुबह (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 290-291 (İsrâ bâbı (Ebû Hüreyre ve Âişe hadisleri))

---

577. जन्नत का फल और फ़ातिमा का गर्भ

गढ़ी हुई (मौज़ू) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप ने जन्नत में जिब्रील का दिया हुआ एक फल खाया, जो आप की पीठ में बीज (नुत्फ़ा) बना और ख़दीजा फ़ातिमा से गर्भवती हुईं; जब भी आप को जन्नत की सुगंध की याद आती, आप फ़ातिमा को सूँघते।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 291 (İsrâ bâbı (Âişe hadisi))

---

578. उम्मे हानी का अल्लाह के रसूल ﷺ के दिल का नूर देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

इसरा की सुबह उम्मे हानी ने “क़ुरैश को मत बताइए” कहकर आप का कपड़ा पकड़ा, तो कपड़ा आप के पेट से हट गया और उन्होंने आप के दिल के सामने ऐसा चमकता नूर देखा जो लगभग आँखें चौंधिया देता, और वे सजदे में गिर पड़ीं।

इसरा के बाद की सुबह (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 293 (İsrâ bâbı (Ümmü Hânî hadisi))

---

579. सिदरतुल मुंतहा पर अल्लाह का संबोधन और दर्शन

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

अल्लाह ने सिदरतुल मुंतहा पर आप से बात की: “मैंने इब्राहीम को अपनी दोस्ती दी, मूसा को अपना कलाम दिया; और तुम्हें, ऐ मुहम्मद, आमने-सामने बात करना दिया”; आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने मूसा को कलाम दिया और मुझे दीदार; उसने मुझे मक़ामे महमूद और हौज़ से श्रेष्ठता दी” (इब्ने मसऊद, सलमान और जाबिर की रिवायतें)।

मेराज, लगभग 621 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 330 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

---

580. इसरा की रात “दो कमानों” जितनी निकटता

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

इसरा की रात आप के रब ने आप को “दो कमानों के बराबर या उससे भी निकट” कर लिया और पूछा: “क्या तुम्हें इस बात से दुःख हुआ कि मैंने तुम्हें नबियों में अंतिम और तुम्हारी उम्मत को उम्मतों में अंतिम बनाया?” (अनस की रिवायत)।

इसरा, लगभग 621 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 331 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

---

581. यरूशलम की चट्टान का गुँधे आटे की तरह नरम होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

बैतुल मक़दिस की चट्टान आप के हाथ के नीचे गुँधे आटे की तरह नरम हो गई; यह निशान उस जगह देखा जाता है जहाँ आप की सवारी खड़ी हुई थी, और लोग आज तक उस निशान को छूते हैं।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 915 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

---

582. मेराज में रफ़रफ़ पर सवार होकर रब की ओर उठना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) इसरा और मेराज

मेराज में जन्नत से आया एक हरा-भरा रफ़रफ़ (रेशमी बिछौना) क्षितिज पर छा गया; आप उस पर बैठे, जिब्रील से अलग होकर अपने रब की ओर ऊपर उठाए गए और निकट किए गए, सारी आवाज़ें थम गईं और आप ने यह संबोधन सुना: “डरो मत, ऐ मुहम्मद, निकट आओ!”

लगभग 621 ईस्वी (इसरा और मेराज, हिजरत से लगभग एक या डेढ़ वर्ष पहले)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Refref ve Öteler Ötesindeki Buluşma" (kitabın dipnotu: Buhârî, Sahîh, c:1,91, c:6, s:51; c:8, s:24; c:6, s:51; Kadı Iyaz, Şifa, c:1, s:160-163; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:1, s:78-79); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Bed'ü'l-halk; Tefsîr (Necm sûresi) — İbn Mes'ûd: 'yeşil bir refref ufku kaplamıştı' (kitabın dipnotuna göre; Canan'da bulunamadı)

16 · हिजरत (622 ईस्वी)

583. हिजरत की जगह का सपने में दिखाया जाना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

हिजरत की जगह (दो काले पथरीले मैदानों के बीच खजूर के बाग़ों वाली जगह) आप को सपने में दिखाई गई।

लगभग 621–622 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.144; Beyhakî, Delâil c.2 s.513; İbn Kesîr s.136; 1000 Mucize no.981 (s.795); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3622; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 230; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 304; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 242; Kütüb-i Sitte: Buhari, Ta'bir 39, 44, Menakıb 25, Meğazî 9, 26, Menâkıbu'l-Ensâr 45; Müslim, Rü'ya 20, (2272) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 966, c./s. 4/533]

584. दारुन नदवा की हत्या की योजना की जिब्रील द्वारा सूचना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

दारुन नदवा में बनी हत्या की योजना की सूचना जिब्रील ने आप को दी।

622 ईस्वी (हिजरत)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.151; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 304, 306

585. घर घेरे मुशरिकों के बीच से अदृश्य होकर निकल जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

अपने घर को घेरे हुए मुशरिकों के सिरों पर मिट्टी डालकर और सूरह यासीन पढ़ते हुए आप उनके बीच से बिना दिखे निकल गए।

622 ईस्वी (हिजरत)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.151; 19. Mektup listesi (183.txt) no.77; 1000 Mucize no.20 (s.31); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 154; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 304-305; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 411; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 64; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 58; c. 1, s. 143-144; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Evin Cellatlar Tarafından Kuşatılışı ve Duvardan İçeri Girilmek İstenilişi + Peygamberimiz Aleyhisselâmın Müşriklerin Başlarına Toprak Saçarak Aralarından Geçip Gidişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, c:2, s:126-127; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:2, s:191-194 / Yasin: 1-10 / İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:127; Abdurrezzak, Musannef, c:5, s:390; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:228; Taberî, Târîh, c:2, s:245; Yâkubî, Târîh, c:2, s:39)

586. सौर की गुफा के मुँह पर मकड़ी का जाला और कबूतरों का घोंसला

हसन (अच्छी) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

सौर की गुफा के मुँह पर मकड़ी ने जाला बुन दिया और दो कबूतरों ने घोंसला बना लिया।

622 ईस्वी (हिजरत)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.158; 19. Mektup listesi (183.txt) no.167; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 229; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his

Enemies"; Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 305-306; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 392; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 25; c. 1, s. 144-145; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 78-79; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 111-112; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Sevr Mağarasının Kapısında Gerçekleşen Mu'cizeler + Müşriklerin Peygamberimiz Aleyhisselâm ile Hz. Ebu Bekir'i Aramaya Koyulmaları" (kitabın dipnotu: Ümmü Gaylan ağacı, (Kastalânî, Mevâhibu'l-ledünniye), c:1, s: 81 / Ebu'l-Fidâ, el-Bidâye ve'n-nihâye, c:3, s:181-182 / Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:3, s:179,181-183; Ebu'l-Ferec İbn Cevzî, Vefa, c:1, s:238; Heysemî, Mecmau, c:6, s:51-53; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:2, s:208-210- 211; Belâzurî, Ensâb, c:1, s:260-261; Kadı lyaz, Şifâ, c:1, s:292)

---

587. सौर की गुफा में मुशरिकों से उनकी सुरक्षा

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

मुशरिक गुफा में उनके पैरों के पास तक आ गए, फिर भी वे दिखाई नहीं दिए ("ग़म न करो, अल्लाह हमारे साथ है")।

622 ईस्वी (हिजरत)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.158; 1000 Mucize no.16 (s.26); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, 1. fasıl, no. 5868; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 231-232; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 305; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Müşriklerin Peygamberimiz Aleyhisselâm ile Hz. Ebu Bekir'i Aramaya Koyulmaları + Hz. Ebu Bekir'in Telaşlanışı ve Korkuya Düşüşü" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:3, s:179,181-183; Ebu'l-Ferec İbn Cevzî, Vefa, c:1, s:238; Heysemî, Mecmau, c:6, s:51-53; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:2, s:208-210- 211; Belâzurî, Ensâb, c:1, s:260-261; Kadı lyaz, Şifâ, c:1, s:292 / Süheyif, Ravdu'l-ünüf, c:4, s:212-213; Ebu'l-Fidâ, el-Bidâye ve'n-nihâye, c:3, s:181-182; Buhârî, Sahih, c:4, s:263; c:5, s:204 / Tevbe: 40); Kütüb-i Sitte: Buharî, Fezailu'l-Ashab 2, Menakıb 45, Tefsir, Beraet 1; Müslim, Fezailu's-Sahabe 1, (2381); Tirmizî, Tefsir [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5776, c./s. 16/200]

---

588. सुराक़ा के घोड़े के पैरों का रेत में धँसना

सहीह (प्रामाणिक) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

पीछा करने वाले सुराक़ा के घोड़े के पैर आप की दुआ से रेत में धँस गए।

622 ईस्वी (हिजरत)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.171; 1000 Mucize no.15 (s.24); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3615; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 586; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 234,236-238; Kâdî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 307; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 411-412; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 244; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 227-228, 236; c. 17, s. 387-388; c. 18, s. 61; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 23-24; c. 1, s. 145-146; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 77-78; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 64; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 108-109, hadis no. 102/5; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Sürâka b. Malik b. Cu'şum'un Peygamberimiz Aleyhisselâmı Takip Edişi ve Eman Dilemek Zorunda Kalışı" (kitabın dipnotu: İmam Zührî, Megâzî, s:101-103; İbn İshak-İbn Hişam, c:2, s:134-135; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:176; c:1, s:3; c:3, s:211; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:232; Buhârî, Sahîh, c:4, s: 259; Müslim, Sahîh, c:4, s:2310-2311; C:1,S:332); Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıbu'l-Ensar 45, Lukata 11, Menakıb 25, Eşribe 12; Müslim, Zühd 75, (2009) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5775, c./s. 16/199-200]

---

589. सुराक़ा को किसरा के कंगनों का शुभ समाचार

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप ने सुराक़ा से कहा: “जब तुम किसरा के कंगन पहनोगे, तब तुम्हारा क्या हाल होगा?”, और यह उमर के समय में पूरा हुआ।

ख़बर: 622 ईस्वी; पूर्ति: हिजरी 16 (637 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.24, 97; 1000 Mucize no.438 (s.430); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 193; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 258; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 131; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Sürâka'ya Bir Müjdesi" (kitabın dipnotu: İbn Esîr, Kâmil, c:2, s:105; Süheylî, Ravdu'l-ünüf, c:4, s:217; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c: 2, s:332)

---

590. उम्मे मअबद की बाँझ और दुबली बकरी से दूध दुहना

हसन (अच्छी) खाने से संबंधित मोजिज़े

उम्मे मअबद के ख़ेमे में दूध न देने वाली दुबली बकरी के थन आप ने सहलाए, तो उसने इतना दूध दिया कि सब का पेट भर गया।

622 ईस्वी (हिजरत)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.181; Beyhakî, Delâil c.1 s.217; 1000 Mucize no.87 (s.60); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14141; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 102 — Delâilü'n-nübüvve: sütün çoğalması; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 238; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 309-311; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 74; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 26, 43-44; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 25; c. 1, s. 146; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 76-77; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 105; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 85, no. 68/2; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ümmü Ma'bed Hatunun Çadırına Uğranılması + Peygamberimiz Aleyhisselâmın Sütsüz Koyundan Süt Sağışı" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:230; İbn Seyyid, Uyünu'l-eser, c:1, s:188 / İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:289-230)

---

591. अभी न ब्याई बकरी से दूध दुहना

सहीह (प्रामाणिक) खाने से संबंधित मोजिज़े

रास्ते में मिले एक ग़ुलाम चरवाहे की उस बकरी से, जिसने अभी बच्चा नहीं दिया था, आप ने दूध दुहा।

622 ईस्वी (हिजरत)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.185; Beyhakî, Delâil c.4 s.538; 1000 Mucize no.900 (PDF s.750); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14140

---

592. रेगिस्तान से आई बकरी का दुहा जाना और ग़ायब हो जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

एक बकरी रेगिस्तान से निकलकर आई, और दुहे जाने के बाद ग़ायब होकर चली गई।

तिथि अनिश्चित (यात्रा में)

स्रोत 1000 Mucize no.896 (s.745)

---

593. सुहैब के माल छोड़कर हिजरत करने की पहले से जानकारी

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

सुहैब के मक्का में अपना माल छोड़कर हिजरत करने की बात आप ने उनके आने से पहले ही जान ली और फ़रमाया: “सौदा लाभदायक रहा।”

622 ईस्वी (हिजरत)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.212; 1000 Mucize no.200 (s.176); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 313

---

594. आदेश पाकर क़सवा का मस्जिद की जगह पर बैठ जाना

सहीह (प्रामाणिक) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

मदीना में प्रवेश करते समय आप की ऊँटनी क़सवा को यह कहकर छोड़ दिया गया कि “इसे आदेश मिला हुआ है”, और वह मस्जिद की जगह पर बैठ गई।

हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.186; 1000 Mucize no.109 (s.84); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 313; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 115; Kütüb-i Sitte: Buhârî 7/196-197; Müslim 3/1623 (satırın kaynağı)

---

595. बूढ़ी बकरी का दूध देना और रेवड़ में बरकत

हसन (अच्छी) खाने से संबंधित मोजिज़े

अबू बक्र के साथ मक्का से निकलने के बाद वे अरबों के जिस डेरे पर रुके, वहाँ अकेली रहने वाली एक स्त्री की बूढ़ी और सूखी बकरी के थन आप ने सहलाए और बर्तन भर जाने जितना दूध दुहा; स्त्री, उसके बेटे और अबू बक्र ने पिया; वह स्त्री आप को “मुबारक” कहकर याद करती, उसका रेवड़ बढ़ गया, और बाद में वह मदीना आकर मुसलमान हुई।

हिजरत की यात्रा, लगभग हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.299 (s.276); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 311

---

596. क़ुरैश को ख़बर देना चाहने वाले चरवाहे को भुला दिया जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

हिजरत के समय उनकी ख़बर पाने वाला एक चरवाहा क़ुरैश को बताने के लिए दौड़ता हुआ निकला; मक्का में प्रवेश करते ही उसके दिल पर ऐसा असर हुआ कि वह समझ न सका कि क्या करे, भूल गया कि किस लिए निकला था, और अपनी जगह लौट गया।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl (ismet / korunması)

---

597. आप के आगमन पर मदीना का रोशन होना और वफ़ात पर अँधेरा होना

सहीह (प्रामाणिक) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

जिस दिन आप ने मदीना में प्रवेश किया, नगर में हर चीज़ रोशन हो गई, और जिस दिन आप की वफ़ात हुई, हर चीज़ अंधेरी हो गई; अनस ने कहा: “हमने आप को दफ़न करके अभी हाथों से मिट्टी भी नहीं झाड़ी थी कि अपने दिलों को अजनबी पाया।”

मदीना में प्रवेश: हिजरी 1 (622 ईस्वी); वफ़ात: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Tirmizî, Menâkıb, bâb 1, no. 3618

598. हुयय बिन अख़तब का नबी ﷺ को पहचानकर भी शत्रुता रखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) पैग़म्बर के जीवन की निशानियाँ

सफ़िय्या बिंत हुयय के बयान के अनुसार जिस दिन आप क़ुबा आए, उनके पिता हुयय बिन अख़तब और चाचा अबू यासिर आप के पास गए और सूरज डूबने पर थके-हारे लौटे; अबू यासिर के प्रश्न “क्या वही हैं?” पर हुयय ने कहा: “हाँ, अल्लाह की क़सम; मैंने उन्हें उनके वर्णन से पहचान लिया; जब तक जीवित हूँ, उनका शत्रु रहूँगा।”

हिजरत, हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl (önceki kitaplar, kâhinler ve meliklerin beklentisi), no. 37

599. मक्का में हातिफ़ का उम्मे मअबद वाले शेर पढ़ना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

हिजरत के बाद मक्का में (अबू क़ुबैस की ओर) एक ऐसे हातिफ़ ने, जिसका बोलने वाला दिखाई नहीं देता था, ऊँची आवाज़ में शेर पढ़ा: “अल्लाह उन दो साथियों को सबसे अच्छा बदला दे जो उम्मे मअबद के ख़ेमे में ठहरे...”; मक्का वालों ने इस आवाज़ से जाना कि आप किस ओर गए, और हस्सान बिन साबित ने शेर में इसका उत्तर दिया।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl (hicret yolundaki âyetler), no. 238

600. सौर की गुफा में साँप के डसे अबू बक्र का ठीक होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

सौर की गुफा में अपने पैर से छेद बंद करने वाले अबू बक्र को साँप ने डस लिया, तो आप ने दुआ करके हाथ फेरा और सूजन और दर्द दूर हो गया।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

601. सौर की गुफा के मुँह पर पेड़ का उगकर प्रवेश-द्वार ढक देना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

जब वे सौर की गुफा में दाख़िल हुए, तो गुफा के मुँह पर एक पेड़ उगकर हरा-भरा हो गया और उसने प्रवेश-द्वार को ढक दिया (कबूतरों और मकड़ी के साथ)।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

602. उम्मे मअबद के अपंग बेटे का ठीक होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

हिजरत के रास्ते में उम्मे मअबद के मअबद नाम के अपंग बेटे के लिए आप ने दुआ की, तो बच्चा ठीक होकर चलने लगा।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

603. कुल्ली के पानी से शिफ़ा देने वाले पेड़ का उगना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

उम्मे मअबद के ख़ेमे में आप ने कुल्ली किया हुआ पानी एक काँटेदार झाड़ी (औसजा) की जड़ में डाल दिया; सुबह तक वहाँ एक बड़ा, फलदार, कस्तूरी की सुगंध वाला पेड़ उग आया जिसके फल शिफ़ा देते थे।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

604. हिजरत के रास्ते में इनाम के लालच में सत्तर घुड़सवारों के साथ आप का रास्ता रोकने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिजरत के रास्ते में इनाम के लालच में सत्तर घुड़सवारों के साथ आप का रास्ता रोकने वाले बुरैदा बिन हुसैब असलमी आप से बात करते ही अपने साथियों सहित तुरंत ईमान ले आए।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

605. अक़बा की बैअत पूरी होने पर शैतान ने पहाड़ की चोटी से चिल्लाकर कहा: “ऐ क़ुरैश...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अक़बा की बैअत पूरी होने पर शैतान ने पहाड़ की चोटी से चिल्लाकर कहा: “ऐ क़ुरैश, औस और ख़ज़रज ने तुमसे लड़ने का समझौता कर लिया है”; आप ने फ़रमाया: “यह आवाज़ तुम्हें न डराए; यह अल्लाह का शत्रु इब्लीस है, जिनसे तुम डरते हो उन्हें यह नहीं सुना सकता।”

अक़बा की दूसरी बैअत (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 303 (Kendisini kabilelere arz etmesinde görülen âyetler bâbı)

606. अक़बा की रात जिब्रील वहाँ मौजूद थे, और उन्हें केवल हारिसा बिन नुमान ने सफ़ेद...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अक़बा की रात जिब्रील वहाँ मौजूद थे, और उन्हें केवल हारिसा बिन नुमान ने सफ़ेद कपड़ों वाले एक व्यक्ति के रूप में देखा।

अक़बा की दूसरी बैअत (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 303 (Kendisini kabilelere arz etmesinde görülen âyetler bâbı)

607. हिजरत की रात जब वे अबू बक्र के घर के पिछले दरवाज़े (ख़ौख़ा) से निकले, तो उन्हें...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिजरत की रात जब वे अबू बक्र के घर के पिछले दरवाज़े (ख़ौख़ा) से निकले, तो उन्हें सबसे पहले मिलने वाले अबू जहल की आँखों पर अल्लाह ने पर्दा डाल दिया; वे उसके पास से निकल गए और वह न आप को देख सका न अबू बक्र को।

हिजरत की रात (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 305 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

608. गुफा के ठीक सामने खड़े एक व्यक्ति को देखकर चिंतित हुए अबू बक्र से आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

गुफा के ठीक सामने खड़े एक व्यक्ति को देखकर चिंतित हुए अबू बक्र से आप ने फ़रमाया: “फ़रिश्ते हमें अपने पंखों से ढके हुए हैं”; जब वह व्यक्ति उनकी ओर मुँह करके बैठा और पेशाब करने लगा, तो पता चल गया कि उसने उन्हें नहीं देखा।

हिजरत (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 305 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

609. गुफा में प्यासे अबू बक्र से आप ने फ़रमाया: “गुफा के भीतरी छोर पर जाओ और पियो”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

गुफा में प्यासे अबू बक्र से आप ने फ़रमाया: “गुफा के भीतरी छोर पर जाओ और पियो”; अबू बक्र ने शहद से मीठा, दूध से सफ़ेद और कस्तूरी से सुगंधित पानी पिया, और आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने जन्नत की नहरों पर नियुक्त फ़रिश्ते को आदेश दिया, और उसने फ़िरदौस से गुफा तक एक नहर निकाल दी।”

हिजरत (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 307 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

610. अक़बा की बैअत के बाद हज़रमौत गए साद बिन उबादा ने लौटते समय रात को दो हातिफ़ों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अक़बा की बैअत के बाद हज़रमौत गए साद बिन उबादा ने लौटते समय रात को दो हातिफ़ों की आवाज़ सुनी; दूसरे ने कहा: “ज़ुहरा और यसरिब के बीच एक आश्चर्यजनक बात है: सलामती के नबी सबसे श्रेष्ठ वाणी के साथ भेजे गए, हरम के नगर से खजूर के बाग़ों और क़िलों वाले नगर की ओर ले जाए गए।”

हिजरत के दौरान (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 308 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

611. उम्मे मअबद की वह बकरी, जिसके थन आप ने छुए थे, उमर के समय के रमादा (अकाल) वर्ष...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे मअबद की वह बकरी, जिसके थन आप ने छुए थे, उमर के समय के रमादा (अकाल) वर्ष तक जीवित रही, और ज़मीन पर कुछ भी न बचे होने के बावजूद सुबह-शाम दुही जाती रही।

हिजरत (622 ईस्वी) – हिजरी 18 (639 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 311 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

612. हिजरत के रास्ते में जिस चरवाहे से उन्होंने दूध माँगा, वह एक बकरी लाया जो उस...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हिजरत के रास्ते में जिस चरवाहे से उन्होंने दूध माँगा, वह एक बकरी लाया जो उस वर्ष के आरंभ में ब्याकर दूध से ख़ाली हो चुकी थी; आप ने उसके थन सहलाकर दुआ की तो दूध उतर आया; आप ने अबू बक्र और चरवाहे को पिलाया, फिर स्वयं पिया; चरवाहे ने पूछा: “आप कौन हैं?”, और आप की नबूवत की गवाही दी।

हिजरत (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 312 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

613. “जिसने तुम पर क़ुरआन फ़र्ज़ किया, वह तुम्हें लौटने की जगह (मआद) पर अवश्य...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

“जिसने तुम पर क़ुरआन फ़र्ज़ किया, वह तुम्हें लौटने की जगह (मआद) पर अवश्य लौटाएगा” आयत द्वारा हिजरत के रास्ते में (जुहफ़ा में) ख़बर दी गई कि आप मक्का लौटेंगे, और यह विजय के साथ पूरा हुआ।

ख़बर: हिजरत (622 ईस्वी); पूर्ति: मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 312 (Hicrette meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

614. मदीना आने पर आप को देखने दौड़े अब्दुल्लाह बिन सलाम ने आप के चेहरे को देखते ही...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मदीना आने पर आप को देखने दौड़े अब्दुल्लाह बिन सलाम ने आप के चेहरे को देखते ही आप की सच्चाई जान ली और कहा: “यह किसी झूठे का चेहरा नहीं है।”

हिजरत, हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 314 (Yahudilerin onunla buluşması, soruları ve doğruluğunu bilmeleri bâbı)

---

615. बिना भोजन-पानी के मक्का से मदीना हिजरत कर रहीं उम्मे ऐमन रौहा के पास तेज़ प्यास...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बिना भोजन-पानी के मक्का से मदीना हिजरत कर रहीं उम्मे ऐमन रौहा के पास तेज़ प्यास से तड़प रही थीं, तो आसमान से सफ़ेद रस्सी से बँधी पानी की एक बाल्टी उतरी; उन्होंने पेट भरकर पिया, और उसके बाद सबसे गर्म दिन में रोज़े की हालत में भी उन्हें कभी प्यास नहीं लगी।

हिजरत, लगभग 622 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 120 (Türlerine göre mucizeler bölümü (alt bâb başlığı özetten alınamadı))

---

616. हिजरत में आप के पद-चिह्नों का पीछा करने वाले खोजी अबू कुर्ज़ ख़ुज़ाई ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिजरत में आप के पद-चिह्नों का पीछा करने वाले खोजी अबू कुर्ज़ ख़ुज़ाई ने पद-चिह्न देखकर कहा: “यह मुहम्मद का पद-चिह्न है; अल्लाह की क़सम, यह मक़ाम (इब्राहीम) के पद-चिह्न जैसा है।”

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 144 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

617. गुफा में क़ुरैश के डर से शांत न हो पा रहे अबू बक्र को तसल्ली देने के लिए आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

गुफा में क़ुरैश के डर से शांत न हो पा रहे अबू बक्र को तसल्ली देने के लिए आप ने गुफा की पिछली दीवार पर पैर मारा; वहाँ समुद्र की ओर खुलता एक दरवाज़ा और एक जहाज़ दिखाई दिया; आप ने कहा: “अब शांत हो जाओ; अगर वे दरवाज़े से घुसे, तो हम यहाँ से निकलकर जहाज़ पर सवार हो जाएँगे।”

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 145 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

618. सौर की गुफा का तंग मुँह आप के पहुँचते ही चौड़ा हो गया और आप के भीतर जाने के बाद...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सौर की गुफा का तंग मुँह आप के पहुँचते ही चौड़ा हो गया और आप के भीतर जाने के बाद फिर पहले जैसा हो गया; वाक़िदी की रिवायत में सामने आई खड़ी चट्टान फटकर रास्ता दे गई।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 111 (fasl fî i'câzihî (çeşitli mucizeler))

619. गुफा में आप ने अबू बक्र से फ़रमाया: “मैं जाफ़र बिन अबी तालिब और उनके साथियों के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

गुफा में आप ने अबू बक्र से फ़रमाया: “मैं जाफ़र बिन अबी तालिब और उनके साथियों के जहाज़ को समुद्र में डगमगाते और अंसार को अपनी सभाओं में बैठे देख रहा हूँ”; देखना चाहने वाले अबू बक्र की आँखों पर हाथ फेरकर आप ने उन्हें भी दिखा दिया (ख़ालिद बिन नजीह, इमाम सादिक़ से; यह रिवायत अबू बक्र के विरुद्ध व्याख्या के साथ नक़्ल की जाती है)।

हिजरत, 622 ईस्वी

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 109 (Bâb 11: gaybî haberleri)

620. अपने पिता से तौरात में बताए गए आख़िरी ज़माने के नबी के गुण सीख चुके अब्दुल्लाह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने पिता से तौरात में बताए गए आख़िरी ज़माने के नबी के गुण सीख चुके अब्दुल्लाह बिन सलाम आप के क़ुबा आने की ख़बर सुनकर काँप उठे और तकबीर कही; उनकी बूढ़ी बुआ ख़ालिदा बिंत हारिस ने डाँटा: “अगर तुम मूसा बिन इमरान के आने की ख़बर सुनते, तो भी इससे अधिक न करते”, फिर पूछा: “क्या ये वही नबी हैं जिनके क़यामत के निकट भेजे जाने की हमें ख़बर दी गई थी?”, और “हाँ” उत्तर पाकर मान गईं; बाद में बुआ भी मुसलमान हो गईं।

हिजरत, हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Yahudî Âlimlerinden Abdullah b. Selâm'ın Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: Şuarâ:197 / İbn İshak-Sîre, c:2, s:163-164,220; İbn Sa'd, Tabakât, c. 2, s. 353; Belâzurî, Ensâb, c:1, s:266; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:3, s:108,211,)

621. हिजरत के रास्ते में आप ने अपने को न पहचानने वाले, तुब्बा का पत्र लाने वाले बनू...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिजरत के रास्ते में आप ने अपने को न पहचानने वाले, तुब्बा का पत्र लाने वाले बनू सुलैम के अबू लैला को देखते ही उसका नाम लेकर पुकारा और कहा: “तुम्हारे पास तुब्बा का पत्र है, लाकर दो”; अबू लैला चकित हुआ: “आप ने कैसे जाना कि मेरे पास क्या है?”; पत्र पढ़े जाने पर आप ने तीन बार फ़रमाया: “स्वागत है, नेक भाई तुब्बा।”

हिजरत के रास्ते में, 622 ईस्वी

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın İçinde Yedi Ay Kaldığı Evin Tarihçesi" (kitabın dipnotu: İbn Asâkir, Târih, c:3, s:334-335; Süheylî, Ravdu'l-ünüf, c:1, s:163; Vâkıdî, Fütûhu'ş-Şâm, c:1, s:33)

622. हिजरत की रात आप के दरवाज़े पर आप का मज़ाक़ उड़ाने वाले अबू जहल से आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिजरत की रात आप के दरवाज़े पर आप का मज़ाक़ उड़ाने वाले अबू जहल से आप ने फ़रमाया: “हाँ, मैं यही कहता हूँ; और मुझ पर ईमान न लाने के कारण मारे जाने के बाद जहन्नम में जलने वालों में से एक तुम भी हो”; अबू जहल बद्र में काफ़िर की हालत में मारा गया।

ख़बर: 622 ईस्वी (हिजरत की रात); पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Müşriklerin Başlarına Toprak Saçarak Aralarından Geçip Gidişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:127; Abdurrezzak, Musannef, c:5, s:390; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:228; Taberî, Târîh, c:2, s:245; Yâkubî, Târîh, c:2, s:39)

623. अमानतें उनके मालिकों को लौटाकर रातों को पैदल चलते हुए क़ुबा पहुँचे अली के सूजे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अमानतें उनके मालिकों को लौटाकर रातों को पैदल चलते हुए क़ुबा पहुँचे अली के सूजे, फटे और ख़ून बहते पैरों पर आप ने हाथ फेरकर दुआ की, तो उनका सारा दर्द जाता रहा।

हिजरत, रबीउल अव्वल हिजरी 1 (622 ईस्वी), क़ुबा

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "X-] ŞİFA MU’CİZELERİ" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:3, s: 22; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:4, s:96)

17 · हिजरत का पहला वर्ष (622–623 ईस्वी): मदीना में बसना

624. आप ने अब्दुल्लाह बिन सलाम के उन तीन प्रश्नों के उत्तर दिए “जिन्हें केवल कोई नबी...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल्लाह बिन सलाम के उन तीन प्रश्नों के उत्तर दिए “जिन्हें केवल कोई नबी ही जान सकता है”, और वे मुसलमान हो गए।

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.216; Beyhakî, Delâil c.5 s.19; İbn Kesîr s.103; web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5870; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 584; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 247; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 314; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 216; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 345; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Yahudî Âlimlerinden Abdullah b. Selâm'ın Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: İbn İshak-Sîre, c:2, s:163-164,220; İbn Sa'd, Tabakât, c. 2, s. 353; Belâzurî, Ensâb, c:1, s:266; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:3, s:108,211,); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3329, 3938 (satırın kaynağı)

625. आप के कुल्ली किए पानी को तल्क़ बिन अली और उनकी क़ौम अपने देश ले गए और गिरजाघर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के कुल्ली किए पानी को तल्क़ बिन अली और उनकी क़ौम अपने देश ले गए और गिरजाघर को मस्जिद बना दिया; पानी कम नहीं हुआ।

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.232; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 47; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 69; Kütüb-i Sitte: Nesâî, Mesacid 11, (2, 38-39) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5524, c./s. 15/336]

626. मदीना आने पर सहाबा को लगा बुख़ार आप की दुआ से जुहफ़ा भेज दिया गया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मदीना आने पर सहाबा को लगा बुख़ार आप की दुआ से जुहफ़ा भेज दिया गया।

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.263; İbn Kesîr s.78; 1000 Mucize no.197 (s.174); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 319; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 49; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 9; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ashabın Medine'de Hastalanışı ve Peygamberimiz Aleyhisselâmın Medine Hakkında Dua Edişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:238-239; Müslim, Sahih, c:2, s:1000-1003; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:6, s:65,83,260;C:3,S:260; Buhârî, Sahih, c:2, s: 225;C:4,S:264; İbn Esîr, Nihâye, c:4, s: 308; Firuzâbadi, Kâmüs, c:1, s:349; Mâlik, Muvatta, c:2, s:885); Kütüb-i Sitte: Buhâri, Fezailu'l-Medine 11, Menakıbu'l-Ensâr 46, Mardâ 8, 22, 43; Müslim, Hacc 480, (1376) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4603, c./s. 13/184-185]

627. आप ने मदीना के नाप-तौल और उसकी रोज़ी में बरकत की दुआ की

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने मदीना के नाप-तौल और उसकी रोज़ी में बरकत की दुआ की।

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.263; İbn Kesîr s.78; 1000 Mucize no.196 (s.174); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 320; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ashabın Medine'de Hastalanışı ve Peygamberimiz Aleyhisselâmın Medine Hakkında Dua Edişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:238-239; Müslim, Sahih, c:2, s:1000-1003; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:6, s:65,83,260;C:3,S:260; Buhârî, Sahih, c:2, s: 225;C:4,S:264; İbn Esîr, Nihâye, c:4, s: 308; Firuzâbadi, Kâmüs, c:1, s:349; Mâlik, Muvatta, c:2, s:885); Kütüb-i Sitte: Buhâri, Fezailu'l-Medine 11; Müslim, Hacc 480, (1376); Buhârî, Büyu' 53; Müslim, Hacc 465, (1368); Müslim, Hacc 473, (1373); Tirmizî, Da'avât 55, (3450) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4603, c./s. 13/184-185; no. 4604, c./s. 13/186; no. 4605, c./s. 13/187]

---

628. अबू अय्यूब अंसारी के दो लोगों के भोजन ने बारी-बारी से 30, 60 और 90 (कुल 180)...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू अय्यूब अंसारी के दो लोगों के भोजन ने बारी-बारी से 30, 60 और 90 (कुल 180) लोगों का पेट भर दिया।

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.550; 19. Mektup listesi (183.txt) no.60, 120, 135; 1000 Mucize no.167 (s.145); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14112; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 111 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 2. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 80; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 90; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 282; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ensardan Yüz Seksen Kişinin Peygamberimize Bey'at Edişi" (kitabın dipnotu: Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:428, Kadı İyaz, Şifa, c:1, s:243-244)

---

629. अब्दुल्लाह बिन ज़ैद को सपने में अज़ान के शब्द सिखाए गए और अल्लाह के रसूल ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन ज़ैद को सपने में अज़ान के शब्द सिखाए गए और अल्लाह के रसूल ने कहा: “यह सच्चा सपना है।”

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.352; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 322-323; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd; Tirmizî ; İbn Mâce 707 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2454; no. 2453; no. 6199, c./s. 16/626]

---

630. हिजरत के बाद महामारी से घिरे मदीना में बीमार हुए अबू बक्र और बिलाल की शिकायत पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हिजरत के बाद महामारी से घिरे मदीना में बीमार हुए अबू बक्र और बिलाल की शिकायत पर आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, हमें मदीना से मक्का जितना, बल्कि उससे भी अधिक प्रेम दे और इसे स्वास्थ्यप्रद बना दे।”

हिजरत के तुरंत बाद, हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.195 (s.174); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ashabın Medine'de Hastalanışı ve Peygamberimiz Aleyhisselâmın Medine Hakkında Dua Edişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:238-239; Müslim, Sahih, c:2, s:1000-1003; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:6, s:65,83,260;C:3,S:260; Buhârî, Sahih, c:2, s: 225;C:4,S:264; İbn Esîr, Nihâye, c:4, s: 308; Firuzâbadi, Kâmüs, c:1, s:349; Mâlik, Muvatta, c:2, s:885); Kütüb-i Sitte: Buhâri, Fezailu'l-Medine 11, Menakıbu'l-Ensâr 46, Mardâ 8, 22, 43; Müslim, Hacc 480, (1376) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4603, c./s. 13/184-185]

631. मदीना आने पर नगर को घेरने वाली और आप के सहाबा को निढाल कर देने वाली महामारी से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना आने पर नगर को घेरने वाली और आप के सहाबा को निढाल कर देने वाली महामारी से आप स्वयं प्रभावित नहीं हुए और सकुशल रहे।

हिजरत के तुरंत बाद, हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.198 (s.175); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ashabın Medine'de Hastalanışı ve Peygamberimiz Aleyhisselâmın Medine Hakkında Dua Edişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:238-239; Müslim, Sahih, c:2, s:1000-1003; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:6, s:65,83,260;C:3,S:260; Buhârî, Sahih, c:2, s: 225;C:4,S:264; İbn Esîr, Nihâye, c:4, s: 308; Firuzâbadi, Kâmüs, c:1, s:349; Mâlik, Muvatta, c:2, s:885)

632. मदीना आने पर आप से बहस करने वाले अबू आमिर ने कहा: “जो झूठा हो, उसे अल्लाह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना आने पर आप से बहस करने वाले अबू आमिर ने कहा: “जो झूठा हो, उसे अल्लाह निकाला हुआ, परदेसी और अकेला मारे”; आप ने कहा: “हाँ, जो झूठ बोले, अल्लाह उसके साथ ऐसा ही करे”; अबू आमिर मक्का भागा, विजय के बाद ताइफ़, ताइफ़ के मुसलमान होने पर शाम भागा, और वहाँ निकाला हुआ, परदेसी और अकेला मरा।

कथन: हिजरत के बाद, लगभग हिजरी 1 (622 ईस्वी); पूर्ति: ताइफ़ के इस्लाम क़बूल करने के बाद शाम में, लगभग हिजरी 9–10 (630–631 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.281 (s.259); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 41; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 48; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 37; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Ebu Âmir Fâsık'ın Tâif'ten Şam'a Kaçışı ve Âkibeti" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:3, s:71; İbn Sa'd, Tabakât, c:3, s:540-541; Vâkidî, Megâzî, c:2, s:441, Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:81) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Kuba Münâfıkları ve Ebu Âmir'in Peygamberimiz Aleyhisselâm ile Tartışması ve Âkibeti" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, C:4.S:174,235; c:3, s:71; Taberî, Tefsir, c:11, s:24; İbn Sa'd, Tabakât, c:3, s:540-541; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:441.)

633. आप ने सपने में देखा कि बिखरे बालों वाली एक काली स्त्री मदीना से निकलकर जुहफ़ा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि बिखरे बालों वाली एक काली स्त्री मदीना से निकलकर जुहफ़ा में महयआ चली गई, और इसकी ताबीर मदीना की महामारी (बुख़ार) के वहाँ चले जाने से की।

मदनी दौर का आरंभ, लगभग हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.980 (s.794); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 319; Kütüb-i Sitte: Buharî, Ta'bir 41, 42, 43; Tirmizî, Rü'ya 10, (2291) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 968, c./s. 4/536]

634. राफ़ेअ बिन सिनान के परिवार ने जाहिलियत के समय से विरासत में संभाला हुआ एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

राफ़ेअ बिन सिनान के परिवार ने जाहिलियत के समय से विरासत में संभाला हुआ एक पन्ना, जिसमें आख़िरी ज़माने की उम्मत के गुण लिखे थे (वे समुद्र पार करेंगे; अगर उनकी नमाज़ नूह की क़ौम में होती तो वह तूफ़ान से नष्ट न होती), आप के मदीना आने पर आप के पास लाया गया, और पढ़े जाने पर आप चकित हुए।

हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 28 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

---

635. मस्जिदे नबवी के निर्माण के समय अबू बक्र ने मक्का में अपने घर में छूटे खंभों का...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिदे नबवी के निर्माण के समय अबू बक्र ने मक्का में अपने घर में छूटे खंभों का ज़िक्र किया, तो आप ने दुआ की और खंभे पंख लगाकर उड़ते हुए मदीना आ गए।

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

---

636. सलमान फ़ारसी द्वारा लाई गई पच्चीस खजूरों से सारे सहाबा ने खाया और बीच में लगभग...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सलमान फ़ारसी द्वारा लाई गई पच्चीस खजूरों से सारे सहाबा ने खाया और बीच में लगभग एक हज़ार गुठलियाँ इकट्ठा हो गईं।

हिजरी 1 (622 ईस्वी), सलमान का इस्लाम क़बूल करना

स्रोत Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan

---

637. मक्का के रास्ते से आए एक व्यक्ति से आप ने पूछा: “क्या रास्ते में तुम्हें कोई...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का के रास्ते से आए एक व्यक्ति से आप ने पूछा: “क्या रास्ते में तुम्हें कोई मिला?”; उसने कहा: “केवल एक नंगी, बिखरे बालों वाली काली स्त्री देखी”, तो आप ने फ़रमाया: “वह बुख़ार है; आज के बाद वह (मदीना) कभी नहीं लौटेगा।”

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 320 (Vebâ, humma ve tâunun Medine'den kaldırılması mucizesi bâbı)

---

638. मस्जिदे नबवी की नींव रखते समय जिब्रील के इशारे से बीच के पहाड़ हटा दिए गए (झुका...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिदे नबवी की नींव रखते समय जिब्रील के इशारे से बीच के पहाड़ हटा दिए गए (झुका दिए गए) और काबा आप को दिखाया गया; आप ने काबा को देखकर क़िबला तय किया, और फिर सब कुछ पहले जैसा हो गया।

मस्जिदे नबवी का निर्माण, हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 321 (Mescidin inşası sırasında görülen âyetler bâbı)

---

639. क़ुबा मस्जिद के निर्माण के समय आप ने स्वयं पत्थर ढोए और उसका क़िबला रखा, और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुबा मस्जिद के निर्माण के समय आप ने स्वयं पत्थर ढोए और उसका क़िबला रखा, और फ़रमाया: “जिब्रील मुझे काबा दिखा रहे हैं (क़िबले की ओर मेरी रहनुमाई कर रहे हैं)।”

क़ुबा मस्जिद का निर्माण, हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 321 (Mescidin inşası sırasında görülen âyetler bâbı)

640. मदीना आने पर आप ने दो सप्ताह के शिशु मुहम्मद बिन अनस बिन फ़ज़ाला के सिर पर हाथ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना आने पर आप ने दो सप्ताह के शिशु मुहम्मद बिन अनस बिन फ़ज़ाला के सिर पर हाथ फेरकर बरकत की दुआ की और फ़रमाया: “इसका नाम मेरे नाम पर रखो, पर मेरी कुन्नियत न दो”; बूढ़े होने पर जब उनके सिर और दाढ़ी के बाल सफ़ेद हो गए, तब भी आप का हाथ जहाँ लगा था, वह जगह सफ़ेद नहीं हुई।

हिजरी 1 (622 ईस्वी); असर: जीवन भर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 138 (Mübarek elinin değdiği yerde görülen eserler (saçın ağarmaması vb.) bâbı)

641. अबू अय्यूब अंसारी ने शिकायत की कि एक ग़ूल उनकी अटारी (सहवा) से खजूर/भोजन उठा ले...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अबू अय्यूब अंसारी ने शिकायत की कि एक ग़ूल उनकी अटारी (सहवा) से खजूर/भोजन उठा ले जाता है, तो आप ने फ़रमाया: “जब उसे देखो, तो कहो: ‘बिस्मिल्लाह, अल्लाह के रसूल की बात मान’”; पकड़े गए ग़ूल (बिल्ली के रूप में आने वाले जिन्न) ने फिर न आने की क़सम खाई, पर अल्लाह के रसूल ने हर बार ख़बर दी: “उसने झूठ बोला, वह फिर आएगा”, और तीसरी बार उसने आयतुल कुर्सी सिखाई; आप ने यह भी पहले ही बता दिया था: “कल उसमें तुम्हें एक बिल्ली मिलेगी।”

लगभग हिजरी 1 (622–623 ईस्वी), जब आप अबू अय्यूब के घर में ठहरे थे

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 163-164 (Ashabının cinleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

642. उस्मान के पास उपहार/संदेश ले जाने वाले दूत के देर करने पर आप ने फ़रमाया: “क्या...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उस्मान के पास उपहार/संदेश ले जाने वाले दूत के देर करने पर आप ने फ़रमाया: “क्या मैं बताऊँ कि तुम्हें किस बात ने रोका? तुम उस्मान और रुक़य्या को देखकर उनकी सुंदरता पर मुग्ध हो गए थे”, और दूत ने इसकी पुष्टि की।

हिजरी 1–2 (रुक़य्या की वफ़ात से पहले)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 180 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

643. मदीना की मस्जिद के निर्माण के समय पहला पत्थर आप ने, फिर बारी-बारी से अबू बक्र...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना की मस्जिद के निर्माण के समय पहला पत्थर आप ने, फिर बारी-बारी से अबू बक्र, उमर और उस्मान ने रखा, तो आप ने फ़रमाया: “ये मेरे बाद काम सँभालने वाले (ख़लीफ़ा) हैं” (सफ़ीना और आइशा की रिवायतें)।

ख़बर: हिजरी 1 (622 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 11–35 (632–656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 194 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

644. क़ुबा मस्जिद की नींव और ख़ुलफ़ा-ए-राशिदीन

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

क़ुबा मस्जिद की नींव रखते समय आप के साथ केवल अबू बक्र, उमर और उस्मान थे; क़ुतबा बिन मालिक के प्रश्न “क्या आप यह मस्जिद केवल इन तीनों के साथ बना रहे हैं?” पर आप ने फ़रमाया: “ये मेरे बाद ख़िलाफ़त के अधिकारी हैं।”

ख़बर: हिजरी 1 (622 ईस्वी), क़ुबा; पूर्ति: हिजरी 11–35

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 195 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

---

645. सलमान का सात लोगों पर छाया करने वाला बादल देखना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

सलमान जिस बाग़ में ग़ुलाम के रूप में काम करते थे, वहाँ उन्होंने सात लोगों को देखा जिनके सिरों पर एक बादल छाया करता हुआ उनके साथ चल रहा था, और कहा: “इनमें एक नबी हैं।”

हिजरत के आसपास (लगभग 622 ईस्वी), तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1081 (el-Bâbü'l-işrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

---

646. अबू अय्यूब की अंधी माँ का ठीक होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

“काश, मेरी आँखें होतीं और मैं उन्हें देख पाती” कहने वाली अबू अय्यूब की अंधी माँ के चेहरे पर आप ने हाथ रखा, तो उनकी आँखें खुल गईं; यह मदीना में आप का पहला मोजिज़ा था।

हिजरत, मदीना पहुँचना (622 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 115-116 (fasl fîmâ zahara mine'l-hayevânât ve'l-cemâdât)

---

647. असअद बिन ज़ुरारा के सरीद में बरकत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) खाने से संबंधित मोजिज़े

अबू उमामा असअद बिन ज़ुरारा हर दिन दोपहर और शाम जो सरीद का एक प्याला भेजते, उसमें से आप ने अपने साथियों के साथ खाया, सब का पेट भर गया और प्याला जैसा था वैसा ही लौट गया।

मदीना, हिजरी 1 (622–623 ईस्वी)

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 48, no. 14/3 (fasl: âyâtühû fi'l-et'ime ve'l-eşribe)

---

648. अबू अय्यूब के घर में बकरी के बच्चे का फिर से जीवित होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) जानवरों से संबंधित मोजिज़े

मदीना आकर जब आप अबू अय्यूब के घर ठहरे, तो घर में मौजूद अकेले बकरी के बच्चे और एक सा जौ से खाना बनाया गया और पुकारा गया: “जिसे भोजन चाहिए, वह अबू अय्यूब के घर आए”; बाढ़ की तरह आई भीड़ ने पेट भरकर खाया और खाना कम नहीं हुआ; आप ने हड्डियाँ उसकी खाल में रखवाईं और कहा: “अल्लाह के आदेश से उठ”, तो बकरी का बच्चा ज़िंदा हो गया और लोगों ने कलिमा-ए-शहादत पढ़ा (सलमान की रिवायत)।

हिजरत, हिजरी 1 (622 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 20 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

649. मस्जिद के निर्माण में पेड़ की गवाही

ज़ईफ़ (कमज़ोर) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

मदीना में मस्जिद बनाते समय आप ने एक पेड़ को बुलाया, जो ज़मीन फाड़ता हुआ आया, आप के सामने खड़ा हुआ और आप की नबूवत की गवाही दी।

हिजरी 1 (622–623 ईस्वी), मस्जिदे नबवी का निर्माण (सारांश अस्पष्ट)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 380 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

18 · हिजरत का दूसरा वर्ष (623–624 ईस्वी): बद्र

650. अली की शादी के भोजन में बरकत

ज़ईफ़ (कमज़ोर) खाने से संबंधित मोजिज़े

अली की शादी के भोजन में थोड़ा-सा खाना बहुत लोगों के लिए काफ़ी हो गया।

हिजरी 2 (623–624 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.128; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 11. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Concerning the Increase in Food and Drink"

651. उमय्या बिन ख़लफ़ के मारे जाने की ख़बर

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

साद बिन मुआज़ ने उमय्या बिन ख़लफ़ से कहा: “मुहम्मद ने कहा है कि वे तुम्हें मार डालेंगे”, और उमय्या बद्र में मारा गया।

हिजरी 2 (623–624 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.137; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3632; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 599; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 11. fasıl, no. 117; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 325; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 242-243; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Sa'd b. Muaz'ın Kâbe'de Ebu Cehil ile Tartışması ve Ümeyye b. Halefin Âkibeti" (kitabın dipnotu: Ahmed b.Hanbel, Müsned, c:1, s:400, Buhârî, Sahih, c:4, s:184-185, c:5, s:2-3; Zehebî, Siyer, c:1, s:203); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3632, 3950

652. बद्र से पहले आतिका का विपत्ति वाला सपना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आतिका बिंत अब्दुल मुत्तलिब ने बद्र से पहले सपने में क़ुरैश की तबाही देखी।

हिजरी 2 (623–624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.306; 1000 Mucize no.995 (s.809); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 326

653. मुशरिकों के मारे जाने की जगहें दिखाना

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बद्र से एक दिन पहले आप ने हाथ से एक-एक करके वे जगहें दिखाईं जहाँ मुशरिकों के सरदार मारे जाएँगे।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.302, 326; İbn Kesîr s.141; 19. Mektup listesi (183.txt) no.27; 1000 Mucize no.379 (s.366); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5871; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6498; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 328-329; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 243; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 309; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Bedir'de Müşrik Ulularının Vurulup Düşecekleri Yerleri Birer Birer Gösterişi" (kitabın dipnotu: Ahmed b.Hanbel, Müsned, c:3, s:219); Kütüb-i Sitte:

Müslim, Cihad 83, (1779); Ebu Dâvud, Cihâd 125, (2681) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4229, c./s. 12/88-89]

---

654. बद्र की रात वर्षा और सकीनत

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

बद्र की रात बारिश और हल्की नींद से मोमिनों को सुकून दिया गया।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.306; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 335-336; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 122-123

---

655. बद्र में फ़रिश्तों की सेना की सहायता

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

बद्र में आप की दुआ पर फ़रिश्तों की एक सेना सहायता के लिए भेजी गई।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.326, 360; 1000 Mucize no.179 (s.157), no.180 (s.159); web: Questions on Islam, "Miracles concerning Angels and Jinn"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 329; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 451; TDV İslâm Ansiklopedisi, “Mûcize”, c. 30; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 918; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "MU’CİZE TARİFİNDEKİ İHTİLÂFLAR + Yardım Mû’cizeleri" (kitabın dipnotu: Âl-i İmrân:122-123; Enfâl:9-10 / Âl-i İmrân:123-127; Ahzâb: 9) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Kureyş Müşriklerini Görünce Allah'a Dua ve Münâcatta Bulunuşu" (kitabın dipnotu: Enfal: 9 / Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c:3, s:35,51-54); "Mücahidlere Meleklerin Yardıma Geldiklerinin Müjdelenişi" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s:57,70-71,76 / Âl-i İmran: 123-124); Kütüb-i Sitte: Müslim, Cihâd 58, (1763); Buhârî, Megâzî 4; Tirmizî Tefsîr, Enfâl (3081); Ebu Dâvud, Cihad 131, (2690) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4230, c./s. 12/92]

---

656. बद्र में एक मुट्ठी मिट्टी फेंका जाना

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

बद्र में आप के एक मुट्ठी मिट्टी/कंकड़ फेंकने से मुशरिकों की आँखें भर गईं और वे पराजित हो गए।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.360; 19. Mektup listesi (183.txt) no.44, 171; 1000 Mucize no.380 (s.366); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 12. İşaret, 1. misal; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 335-337; ayrıca: TDV İslâm Ansiklopedisi, “Mûcize”, c. 30; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 67, 72, 73; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 30; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 83; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 70; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "MU’CİZE TARİFİNDEKİ İHTİLÂFLAR" (kitabın dipnotu: Enfâl: 17) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "3- CEMÂDÂTLA, KUMLARLA YAPILAN İLÂHÎ DESTEKLER VE YARDIM MU’CİZELERİ > Müşriklerin Üzerine Kum Saçılıp Mücahidlerin Hücuma Kaldırılışı" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, c:2, s:280-281; Vakıdî, Megâzî, c:1, s: 81 / Enfal: 12-13 / Enfal: 17)

---

657. अबू जहल की प्रतिशोध की दुआ और उसका अंत

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

अबू जहल की दुआ “अगर यह हक़ है तो हम पर पत्थर बरसा” का उत्तर बद्र में तलवार के अज़ाब और उसकी भयानक मौत के रूप में मिला।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.357; 1000 Mucize no.182 (s.161); Kütüb-i Sitte: Buhârî (listedeki kaynağa göre); Buhârî, Megâzî 8; Ebu Dâvud, Cihâd 142, (2709) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4235, c./s. 12/97]

---

658. उक्काशा की डाली का तलवार बन जाना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) हिस्सी (इंद्रियगोचर) मोजिज़े

बद्र में जिन उक्काशा की तलवार टूट गई थी, उन्हें आप ने लकड़ी का एक टुकड़ा दिया, जो उनके हाथ में तलवार बन गया।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.383; 1000 Mucize no.377 (s.365); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 12. İşaret, 3. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 338; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 254; c. 17, s. 382; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 911; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 104; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "5- CİHADLARDA, DÜŞMANA KARŞI YAPILAN İLÂHÎ DESTEKLER VE YARDIM MU’CİZELERİ (başlıksız paragraf)" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s:93)

---

659. ख़ुबैब बिन यसाफ़ के कंधे का ठीक होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

बद्र में चोट लगने से जिन ख़ुबैब बिन यसाफ़ का कंधा लटक गया था, आप ने उनके घाव पर थूककर उसे उसकी जगह चिपका दिया और वह ठीक हो गया।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.383; 1000 Mucize no.127 (s.103), no.230 (s.203), no.231 (s.203); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 4. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 337; c. 2, s. 116; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 201-202

---

660. मुअव्विज़ के कटे हाथ का ठीक होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

बद्र में मुअव्विज़ बिन अफ़रा (या किसी सहाबी) का कटा/टूटा हाथ आप ने अपने थूक से उसकी जगह जोड़ दिया।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.175, 180; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 4. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 10; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 50

---

661. रिफ़ाआ की घायल आँख का ठीक होना

ज़ईफ़ (कमज़ोर) शिफ़ा और हिफ़ाज़त

बद्र में रिफ़ाआ बिन राफ़ेअ की तीर लगी आँख पर आप ने थूककर दुआ की और वह ठीक हो गई।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.236 (s.208), no.943 (s.772), no.944 (s.773); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 338

---

662. अब्बास को बंदी बनाने वाले फ़रिश्ते की ख़बर

सहीह (प्रामाणिक) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

आप ने बताया कि बद्र में आप के चाचा अब्बास को बंदी बनाने वाला “एक प्रतिष्ठित फ़रिश्ता” था।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.374 (s.363); web: Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 334; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Meleklerin İslam Mücâhidlerine Nasıl Yardım Ettikleri?" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:117,353)

---

663. अब्बास के छिपाए सोने की ख़बर देना

हसन (अच्छी) भविष्यवाणियाँ और पेशगोइयाँ

बंदी अब्बास को आप ने वह सोना बता दिया जो उन्होंने मक्का में अपनी पत्नी उम्मुल फ़ज़्ल के पास चुपके से छोड़ा था।

हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.433; 19. Mektup listesi (183.txt) no.103; 1000 Mucize no.177 (s.155), no.378 (s.365); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 341-342; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 469; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 323-324; islamveihsan.com, “Hz. Peygamber'in Mucizeleri”; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 105, 130; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 61-62; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 93-94; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Hz. Abbas’ın Zevcesi Ümmü Fadl'a Verdiği, Gömmüş Olduğu Malları, Altınları İhbar Etmesi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:4, s:13-15; Ebu Nuaym, Delail, c:2, s:476)

---

664. बंदी सुहैल बिन अम्र के बारे में आप ने कहा: “आशा है कि वह ऐसी जगह खड़ा होगा जहाँ...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बंदी सुहैल बिन अम्र के बारे में आप ने कहा: “आशा है कि वह ऐसी जगह खड़ा होगा जहाँ तुम उसकी प्रशंसा करोगे”; आप की वफ़ात के दिन मक्का में सुहैल के ख़ुतबे ने लोगों को धर्मत्याग से रोक लिया।

ख़बर: हिजरी 2 (624 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.144; 19. Mektup listesi (183.txt) no.95, 96; 1000 Mucize no.422 (s.416); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 217; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Süheyl b. Amr'ın Ön Dişlerinden İkisinin Çekilmesi Hakkındaki Teklifin Peygamberimiz Aleyhisselâm Tarafından Kabul Edilmeyip, Kendisinin İleride Hoşa Gidebilecek Bir Konuşma da Yapabileceğinin Haber Verilişi" (kitabın dipnotu: Belâzurî, Ensâb, c:1, s:303-304; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:289, 304; Hakim, Müstedrek, c:3, s:282; İbn Esîr, Usdu’l-gâbe, c:2, s: 480; Vakıdî, Megâzî, c:1, s:107)

---

665. उमैर बिन वहब और सफ़वान ने हिज्र में चुपके से जो हत्या की योजना बनाई थी, वह आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उमैर बिन वहब और सफ़वान ने हिज्र में चुपके से जो हत्या की योजना बनाई थी, वह आप ने उमैर को बता दी, और वे मुसलमान हो गए।

हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.444; 19. Mektup listesi (183.txt) no.106; 1000 Mucize no.385 (s.372); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14063-14065; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 344; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 324; islamveihsan.com, “Hz. Peygamber'in Mucizeleri”; İbn Hişâm, es-Sîretü'n-nebeviyye, c. 1, s. 661-663; Vâkıdî, el-Megāzî, c. 1, s. 125-128; İbn Sa'd, et-Tabakātü'l-kübrâ, c. 4, s. 199-201; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c. 8, s. 284-287, no. 14063-14065; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 296; c. 18, s. 46-47, 140; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 119-120; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 113; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 101, hadis no. 93/2; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Esir Olan Oğlunu Kurtarmak Bahanesiyle Medine'ye Gelip Peygamberimiz Aleyhisselâmı Öldürmek İsteyen Umeyr b. Vehb'in Müslüman Olarak Mekke'ye Dönüşü" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s.316-318; Vakıdî, Megâzî, c:1, s:125-127; İbn Esîr, Usdu’l-gâbe, c:4, s:300; İbn Sa'd, Tabakât, c:4, s:200-201)

---

666. ग़नीमत और बंदियों के बारे में आप ने जो कहा था, वह ठीक वैसा ही हुआ

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ग़नीमत और बंदियों के बारे में आप ने जो कहा था, वह ठीक वैसा ही हुआ।

हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.433; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 341

---

667. बद्र की ख़बर मक्का लाने वाले अबू सुफ़यान बिन हारिस ने अबू लहब को बताया कि उनका...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र की ख़बर मक्का लाने वाले अबू सुफ़यान बिन हारिस ने अबू लहब को बताया कि उनका सामना धरती और आकाश के बीच घोड़ों पर सवार, सफ़ेद कपड़ों वाले ऐसे लोगों से हुआ जिनका मुक़ाबला नहीं किया जा सकता था; अबू राफ़ेअ ने कहा: “वे फ़रिश्ते हैं।”

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.178 (s.156); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Questions on Islam, "Miracles concerning Angels and Jinn"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 332, 342; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Meleklerin İslam Mücâhidlerine Nasıl Yardım Ettikleri?" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:4, s:74)

---

668. बद्र में एक मुसलमान ने अपने सामने वाले मुशरिक के ऊपर कोड़े की आवाज़ और “आगे बढ़...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र में एक मुसलमान ने अपने सामने वाले मुशरिक के ऊपर कोड़े की आवाज़ और “आगे बढ़ हैज़ूम!” कहने वाले घुड़सवार की आवाज़ सुनी, और मुशरिक को ज़मीन पर इस हाल में पड़ा देखा कि उसकी नाक कटी हुई थी और चेहरा कोड़ा लगने की तरह फटा हुआ था; यह बताए जाने पर आप ने फ़रमाया: “तुमने सच कहा, यह तीसरे आसमान से आई सहायता है।”

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.375 (s.364); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5874; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 330;

ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Meleklerin İslam Mücâhidlerine Nasıl Yardım Ettikleri?" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:3, s:1384-1385); Kütüb-i Sitte: Müslim 1763

---

669. बद्र में जब आप ने बताया कि शहीद होने वाला जन्नत में जाएगा, तो जन्नत वालों में...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र में जब आप ने बताया कि शहीद होने वाला जन्नत में जाएगा, तो जन्नत वालों में होने की आशा रखने वाले उमैर बिन हुमाम से आप ने कहा: “तुम उसके अधिकारी हो”; उमैर ने हाथ की खजूरें फेंक दीं और लड़ते हुए शहीद हो गए।

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.376 (s.364); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 340-341; Kütüb-i Sitte: Buharî, Megâzî, 17; Müslim, İmâret 145, (1901); Muvatta, Cihâd 42, (2, 466) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1016, c./s. 5/51-52]

---

670. बद्र में बंदी बने और फ़िदया देने के लिए कुछ न होने की बात कहने वाले नौफ़ल बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में बंदी बने और फ़िदया देने के लिए कुछ न होने की बात कहने वाले नौफ़ल बिन हारिस से आप ने फ़रमाया: “जिद्दा में रखे अपने माल से फ़िदया दो”; नौफ़ल ने कलिमा-ए-शहादत पढ़ा और उसी माल से फ़िदया दिया।

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.938 (s.770); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 342; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Bedir Esiri Nevfel’e Cidde'de Bulunan Süngülerini Haber Vermesi" (kitabın dipnotu: İbn Esîr, Usdu’l-gâbe, c:5, s:268-269)

---

671. बद्र के लिए 315 लोगों के साथ निकलते समय आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, ये पैदल हैं...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बद्र के लिए 315 लोगों के साथ निकलते समय आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, ये पैदल हैं, इन्हें सवारी दे; ये नंगे हैं, इन्हें कपड़े दे; ये भूखे हैं, इनका पेट भर”; विजय के बाद हर व्यक्ति एक या दो ऊँटों के साथ, कपड़े पहने और पेट भरे लौटा।

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.971 (s.786); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 327; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mücâhidler Hakkındaki Duası" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:2, c:20); Kütüb-i Sitte: Ebu Dâvud, Cihâd 157, (2747) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4233, c./s. 12/95]

---

672. बद्र का युद्ध जब ज़ोरों पर था, आप सजदे में गिरकर लगातार “या हय्यु, या क़य्यूम”...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बद्र का युद्ध जब ज़ोरों पर था, आप सजदे में गिरकर लगातार “या हय्यु, या क़य्यूम” कहते हुए दुआ करते रहे; अली लड़ाई से चार बार लौटे और हर बार आप को इसी हाल में पाया, और अंत में अल्लाह ने विजय दी।

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.972 (s.787); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 330; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "4- CESÂRET, METÂNET, KUVVE-İ MANEVİYE İLE YAPILAN İLÂHÎ DESTEKLER VE YARDIM

MU'CİZELERİ > Peygamberimiz Aleyhisselâmın Cesaret ve Metâneti"; Kütüb-i Sitte: Rezîn; Nesâî (Kübrâ) ve Hâkim (İbn Hacer, Fethu'l-Bârî 8, 291) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4234, c./s. 12/95-96]

---

673. बद्र में चिल्लाकर क़ुरैशियों को उकसाने वाले नौफ़ल बिन ख़ुवैलिद के लिए आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में चिल्लाकर क़ुरैशियों को उकसाने वाले नौफ़ल बिन ख़ुवैलिद के लिए आप ने बद-दुआ की: "ऐ अल्लाह, नौफ़ल से निपट ले"; यह जानकर कि अली ने उसे मार डाला, आप ने तकबीर कही और दुआ क़बूल करने वाले अल्लाह की हम्द की।

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.975 (s.789); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 339

---

674. क़ुरैश की सेना जब बद्र जाते हुए जुहफ़ा में ठहरी, तो जुहैम बिन सल्त ने नींद और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ुरैश की सेना जब बद्र जाते हुए जुहफ़ा में ठहरी, तो जुहैम बिन सल्त ने नींद और जागने के बीच एक घुड़सवार को यह कहते देखा: "अबू जहल, उत्बा, शैबा, ज़मआ, अबुल बख़्तरी, उमय्या बिन ख़लफ़ मारे गए"; अबू जहल ने मज़ाक़ उड़ाया, और जिनके नाम लिए गए थे, वे सब बद्र में मारे गए।

बद्र से पहले, हिजरी 2 (624 ईस्वी), जुहफ़ा

स्रोत 1000 Mucize no.994 (s.808); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 326-327

---

675. जुबैर बिन मुतइम ने आप को मग़रिब की नमाज़ में सूरह अत-तूर पढ़ते सुना; जब आप "अम..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जुबैर बिन मुतइम ने आप को मग़रिब की नमाज़ में सूरह अत-तूर पढ़ते सुना; जब आप "अम ख़ुलिक़ू मिन ग़ैरि शैइन..." आयतों पर पहुँचे, तो उन्होंने कहा: "मेरा दिल जैसे उड़ने लगा; यही वह क्षण था जब इस्लाम पहली बार मेरे दिल में बैठा।"

बद्र के बंदियों के सिलसिले में आने पर, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, i'câzü'l-Kur'ân fasılları

---

676. सेना को पानी की ज़रूरत पड़ी, तो उमर ने बारिश की दुआ की विनती की; आप के हाथ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सेना को पानी की ज़रूरत पड़ी, तो उमर ने बारिश की दुआ की विनती की; आप के हाथ उठाते ही बादल इकट्ठा हुआ, सेना की ज़रूरत भर बरसा और चला गया (इब्नुल जौज़ी: यह घटना बद्र में हुई और सूरह अल-अनफ़ाल की आयत 11 इसकी ओर संकेत करती है)।

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी) – इब्नुल जौज़ी के अनुसार बद्र

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret (s. 183)

---

677. बद्र के दिन जब आप हाजत के लिए अपने सहाबा से अलग हुए, तो मुनाफ़िक़ों में से एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र के दिन जब आप हाजत के लिए अपने सहाबा से अलग हुए, तो मुनाफ़िक़ों में से एक व्यक्ति (आप को मारने के लिए) आप के पीछे गया; "तुम्हें मुझसे कौन बचाएगा?" वाली घटना जैसी घटना हुई।

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl (ismet / korunması)

---

678. बद्र के दिन अपने तंबू में आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मैं तुझसे अपना वचन और वादा...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र के दिन अपने तंबू में आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मैं तुझसे अपना वचन और वादा पूरा करने की विनती करता हूँ; अगर तू चाहे तो आज के बाद तेरी इबादत न की जाए”; अबू बक्र ने आप का हाथ थामा, तो आप कवच पहने बाहर निकले और यह आयत पढ़कर पहले ही विजय की ख़बर दे दी: “वह समूह पराजित होगा और पीठ फेरकर भागेगा” (सूरह अल-क़मर, आयत 45)।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5872

---

679. बद्र के दिन आप ने जिब्रील की ओर इशारा करते हुए फ़रमाया: “यह जिब्रील हैं; अपने...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र के दिन आप ने जिब्रील की ओर इशारा करते हुए फ़रमाया: “यह जिब्रील हैं; अपने घोड़े का सिर पकड़े हुए हैं, उन पर युद्ध का साज़ो-सामान है” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5873

---

680. बद्र में कुएँ में डाले गए मुशरिक मुर्दों को आप ने नाम ले-लेकर पुकारा और अपने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र में कुएँ में डाले गए मुशरिक मुर्दों को आप ने नाम ले-लेकर पुकारा और अपने सहाबा से फ़रमाया: “तुम उनसे अधिक नहीं सुनते।”

रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Wikipedia (en), "Miracles of Muhammad"

---

681. बद्र में लगातार तीन तेज़ हवाएँ चलीं; बताया गया कि ये जिब्रील, मीकाईल और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में लगातार तीन तेज़ हवाएँ चलीं; बताया गया कि ये जिब्रील, मीकाईल और इस्राफ़ील का हज़ार-हज़ार फ़रिश्तों के साथ आना था (अली की रिवायत)।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

---

682. बद्र में साइब बिन अबी हुबैश को बंदी बनाकर बाँधने वाला लंबे क़द और गोरे रंग का...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में साइब बिन अबी हुबैश को बंदी बनाकर बाँधने वाला लंबे क़द और गोरे रंग का एक फ़रिश्ता निकला।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

683. रात को चुपके से अस्मा बिंत मरवान को मारने वाले अंधे सहाबी उमैर बिन अदी ख़तमी से...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

रात को चुपके से अस्मा बिंत मरवान को मारने वाले अंधे सहाबी उमैर बिन अदी ख़तमी से आप ने सुबह की नमाज़ में, उनके कुछ कहे बिना, पूछा: “क्या तुमने मरवान की बेटी को मार डाला?”

रमज़ान हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

684. मदीना में सोलह महीने बैतुल मक़दिस की ओर नमाज़ पढ़ने के बाद आप काबा की ओर मुँह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मदीना में सोलह महीने बैतुल मक़दिस की ओर नमाज़ पढ़ने के बाद आप काबा की ओर मुँह करना चाहते थे; आप ने जिब्रील से यह कहा और आसमान की ओर देखते रहे, तो क़िबला काबा की ओर बदलने की आयत उतरी।

रजब/शाबान हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 322 (Kıblenin çevrilmesinde görülen âyet bâbı)

685. पकड़े गए क़ुरैश के पानी ढोने वाले से आप ने पूछा: “वे दिन में कितने ऊँट ज़बह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

पकड़े गए क़ुरैश के पानी ढोने वाले से आप ने पूछा: “वे दिन में कितने ऊँट ज़बह करते हैं?”; उत्तर मिला: “एक दिन नौ, एक दिन दस”, तो आप ने फ़रमाया: “वे नौ सौ से हज़ार के बीच हैं”, और शत्रु की संख्या सही बता दी।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 327 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

686. बद्र में मुशरिक मुसलमानों की आँखों में (सत्तर से सौ जितने) कम दिखाए गए और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र में मुशरिक मुसलमानों की आँखों में (सत्तर से सौ जितने) कम दिखाए गए और मुसलमान भी मुशरिकों की आँखों में कम दिखाए गए; आप के सपने में भी वे आप को कम दिखाए गए।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 328 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

687. बद्र में दूर से लाल ऊँट पर बैठे एक व्यक्ति को देखकर आप ने फ़रमाया: “अगर उस क़ौम...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र में दूर से लाल ऊँट पर बैठे एक व्यक्ति को देखकर आप ने फ़रमाया: “अगर उस क़ौम में कोई भलाई है तो लाल ऊँट वाले में है; अगर वे उसकी बात मानें तो सही राह पा लेंगे”; पता चला कि वह उत्बा बिन रबीआ था, जो युद्ध से बचने की सलाह दे रहा था।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 328 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

688. बद्र में अब्दुर्रहमान बिन औफ़ ने आप के दाएँ-बाएँ दो और आगे-पीछे दो, कुल चार ऐसे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में अब्दुर्रहमान बिन औफ़ ने आप के दाएँ-बाएँ दो और आगे-पीछे दो, कुल चार ऐसे व्यक्ति (फ़रिश्ते) देखे जो बहुत ज़ोर से लड़ रहे थे।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 330 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

689. बद्र को पहाड़ से देख रहे ग़िफ़ार के दो चचेरे भाइयों ने निकट आते एक बादल के भीतर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र को पहाड़ से देख रहे ग़िफ़ार के दो चचेरे भाइयों ने निकट आते एक बादल के भीतर से घोड़ों की हिनहिनाहट और “आगे बढ़ हैज़ूम!” कहने वाली आवाज़ सुनी; एक का दिल का परदा फट गया और वह वहीं मर गया, दूसरा मरते-मरते बचा।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 330 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

690. बद्र में शामिल अबू उसैद साइदी ने आँखों की रोशनी जाने के बाद कहा: “अगर मैं अब...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में शामिल अबू उसैद साइदी ने आँखों की रोशनी जाने के बाद कहा: “अगर मैं अब तुम्हारे साथ बद्र में होता और मेरी आँखें देख पातीं, तो वह घाटी तुम्हें बिना किसी संदेह के दिखा देता जिससे फ़रिश्ते निकले थे।”

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 330 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

691. बद्र के दिन आप ने अली और अबू बक्र से फ़रमाया: “तुम में से एक के साथ जिब्रील हैं...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र के दिन आप ने अली और अबू बक्र से फ़रमाया: “तुम में से एक के साथ जिब्रील हैं और दूसरे के साथ मीकाईल; बड़े फ़रिश्ते इस्राफ़ील भी सफ़ में खड़े होकर युद्ध देख रहे हैं।”

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 331 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

692. बद्र में जब सहाबा ने मुशरिकों की ओर तलवारें बढ़ाई, तो तलवार के छूने से पहले ही...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में जब सहाबा ने मुशरिकों की ओर तलवारें बढ़ाईं, तो तलवार के छूने से पहले ही सिर धड़ से गिर पड़ते (फ़रिश्ते मार रहे थे)।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 331-332 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

693. बद्र में फ़रिश्तों के मारे हुए लोग उनकी गर्दनों के ऊपर और उँगलियों के सिरों पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में फ़रिश्तों के मारे हुए लोग उनकी गर्दनों के ऊपर और उँगलियों के सिरों पर आग से जलने जैसे निशानों से पहचाने गए; ऐसे कटे सिर और हाथ देखे गए जिनके बारे में पता नहीं था कि किसने मारा।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 332 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

694. बद्र में फ़रिश्ते सफ़ेद पगड़ियों में (उनके सिरे पीठ पर लटकाए हुए) देखे गए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में फ़रिश्ते सफ़ेद पगड़ियों में (उनके सिरे पीठ पर लटकाए हुए) देखे गए; हुनैन में उनकी पगड़ियाँ लाल थीं, और वे केवल बद्र में स्वयं लड़े।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 332 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

695. आप ने जिब्रील से पूछा: “बद्र के दिन ‘आगे बढ़ हैज़ूम’ कहने वाला फ़रिश्ता कौन...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जिब्रील से पूछा: “बद्र के दिन ‘आगे बढ़ हैज़ूम’ कहने वाला फ़रिश्ता कौन था?”, तो जिब्रील ने कहा: “ऐ मुहम्मद, मैं आसमान के सभी निवासियों को नहीं जानता।”

बद्र के बाद, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 332 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

696. बद्र में तीन कटे सिर लेकर आए अबू बुरदा बिन नियार ने कहा: “दो को मैंने मारा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में तीन कटे सिर लेकर आए अबू बुरदा बिन नियार ने कहा: “दो को मैंने मारा; तीसरे को लंबे क़द के एक गोरे व्यक्ति ने मारा, सिर मैंने लिया”, तो आप ने फ़रमाया: “वह अमुक फ़रिश्ता है।”

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 333 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

697. बद्र में फ़रिश्ते मुसलमानों के जाने-पहचाने लोगों के रूप में आकर उनका हौसला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में फ़रिश्ते मुसलमानों के जाने-पहचाने लोगों के रूप में आकर उनका हौसला बढ़ाते: “मैं निकट गया, मैंने उन्हें कहते सुना ‘अगर उन्होंने हमला किया तो हम टिक नहीं पाएँगे’; वे कुछ भी नहीं हैं।”

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 333 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

698. बद्र में हकीम बिन हिज़ाम ने पराजय से ठीक पहले देखा कि ख़ुलैस की घाटी में आसमान...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में हकीम बिन हिज़ाम ने पराजय से ठीक पहले देखा कि ख़ुलैस की घाटी में आसमान से क़ालीन (बिजाद) जैसी कोई चीज़ उतरी और घाटी काली चींटियों की तरह भर गई, और वे समझ गए कि यह फ़रिश्ते (आसमान से सहायता) हैं।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 333 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

699. बद्र का युद्ध समाप्त होने पर जिब्रील एक लाल घोड़ी पर, कवच पहने, हाथ में भाला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र का युद्ध समाप्त होने पर जिब्रील एक लाल घोड़ी पर, कवच पहने, हाथ में भाला लिए और धूल भरे दाँतों के साथ आए और बोले: “मेरे रब ने मुझे आप के पास भेजा है और आदेश दिया है कि जब तक आप राज़ी न हों, मैं न जाऊँ; क्या आप राज़ी हैं?”

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 334 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

700. बद्र में नमाज़ पढ़ते हुए आप मुस्कुराए; कारण पूछे जाने पर फ़रमाया: “मीकाईल शत्रु...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में नमाज़ पढ़ते हुए आप मुस्कुराए; कारण पूछे जाने पर फ़रमाया: “मीकाईल शत्रु का पीछा करके लौटते हुए मेरे पास से गुज़रे, उनके पंख पर धूल थी; वे मुझे देखकर मुस्कुराए और मैं भी उन्हें देखकर मुस्कुराया।”

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 334 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

701. बद्र में अबू जहल ने अपने ही विरुद्ध फ़ैसला माँगते हुए कहा: “ऐ अल्लाह, हम में से...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र में अबू जहल ने अपने ही विरुद्ध फ़ैसला माँगते हुए कहा: “ऐ अल्लाह, हम में से जिसने रिश्ते अधिक तोड़े हैं और अनजानी चीज़ लाया है, उसे आज सुबह नष्ट कर दे”, और उसी दिन मारा गया; इब्ने मसऊद ने उसे कवच के भीतर बिना घाव के औंधे मुँह गिरा पाया।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 335 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

702. बद्र में जिब्रील पाँच सौ फ़रिश्तों के साथ एक बाज़ू पर और मीकाईल पाँच सौ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र में जिब्रील पाँच सौ फ़रिश्तों के साथ एक बाज़ू पर और मीकाईल पाँच सौ फ़रिश्तों के साथ दूसरे बाज़ू पर उतरे; सुराक़ा बिन मालिक के रूप में मुशरिकों के साथ खड़ा इब्लीस फ़रिश्तों को देखकर “मैं वह देख रहा हूँ जो तुम नहीं देखते” कहते हुए भाग गया।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 336 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

703. बद्र में जिन सलमा बिन असलम की तलवार टूट गई थी, उन्हें आप ने खजूर की एक डाली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में जिन सलमा बिन असलम की तलवार टूट गई थी, उन्हें आप ने खजूर की एक डाली (इब्ने ताब खजूर की छड़ी) दी, जो उनके हाथ में एक अच्छी तलवार बन गई और जिसे अबी उबैद के दिन उनके शहीद होने तक उनके पास रही।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 338 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

704. बद्र के पास से गुज़रते इब्ने उमर ने एक गड्ढे से गले में ज़ंजीर बँधे एक व्यक्ति...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र के पास से गुज़रते इब्ने उमर ने एक गड्ढे से गले में ज़ंजीर बँधे एक व्यक्ति को निकलते देखा जो कह रहा था: “ऐ अब्दुल्लाह, पानी दो”, और उसके पीछे निकले एक दूसरे व्यक्ति को देखा जो उसे कोड़े मारकर वापस गड्ढे में धकेल रहा था; यह बताने पर आप ने फ़रमाया: “वह अबू जहल है; क़यामत तक उसका यही अज़ाब है।”

बद्र के बाद (हिजरी 2 के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 340 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

705. बद्र की ख़बर मक्का पहुँची और फ़रिश्तों की सहायता का हाल बताया गया, तो अबू...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र की ख़बर मक्का पहुँची और फ़रिश्तों की सहायता का हाल बताया गया, तो अबू राफ़ेअ को मारने वाला अबू लहब, उम्मुल फ़ज़्ल की मारी चोट के सात दिन बाद अदसा (काली फुंसी) के रोग में पड़कर मर गया; उसकी लाश सड़ने तक तीन दिन दफ़नाई नहीं गई और दूर से पत्थर फेंककर ढकी गई।

बद्र के बाद, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 342-343 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

706. अबू लहब की मृत्यु के बाद उसके एक रिश्तेदार ने उसे सपने में बुरी हालत में देखा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू लहब की मृत्यु के बाद उसके एक रिश्तेदार ने उसे सपने में बुरी हालत में देखा, और वह बोला: “तुम्हारे बाद मैंने कोई राहत नहीं देखी; केवल (मुहम्मद के जन्म पर ख़ुश होकर) सुवैबा को आज़ाद करने के कारण मुझे इस उँगली के बीच से पिलाया जाता है।”

अबू लहब की मौत के बाद (हिजरी 2 / 624 ईस्वी के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 343 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

---

707. बद्र से लौटते समय जब आप भूखे थे, एक यहूदी स्त्री ने भुना हुआ बकरी का बच्चा पेश...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र से लौटते समय जब आप भूखे थे, एक यहूदी स्त्री ने भुना हुआ बकरी का बच्चा पेश किया; आप ने उसकी ओर हाथ बढ़ाया तो वह बोल उठा: “मुझे मत खाइए, मैं ज़हरीला हूँ।”

बद्र से वापसी, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 345 (Bedir gazvesinde meydana gelen âyetler ve mucizeler bâbı)

708. बंदी बनाकर लाए गए हकम बिन कैसान को आप ने देर तक इस्लाम की दावत दी; उमर के यह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बंदी बनाकर लाए गए हकम बिन कैसान को आप ने देर तक इस्लाम की दावत दी; उमर के यह कहने के बावजूद कि “यह कभी मुसलमान नहीं होगा, मैं इसकी गर्दन उड़ा दूँ”, आप ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया और दावत जारी रखी, और हकम मुसलमान हो गए; उमर को बाद में अपनी राय पर पछतावा हुआ।

अब्दुल्लाह बिन जहश के सरिय्या (नख़ला) के बाद, लगभग हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 56 (Heyetlerin gelişinde vuku bulan mucizeler)

709. फ़ातिमा का रिश्ता माँगने आए और आप के रोब से बोल न सके अली से आप ने फ़रमाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

फ़ातिमा का रिश्ता माँगने आए और आप के रोब से बोल न सके अली से आप ने फ़रमाया: “तुम्हें क्या लाया है? शायद तुम फ़ातिमा का रिश्ता माँगने आए हो”, और उनकी नीयत बता दी।

हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 173 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

710. मृत्यु के बाद हसन बिन उयैना सपने में इस हाल में देखे गए कि उनकी उँगलियों पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मृत्यु के बाद हसन बिन उयैना सपने में इस हाल में देखे गए कि उनकी उँगलियों पर सोने से लिखा हुआ था, और उन्होंने बताया कि यह हदीस लिखते समय “सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम” लिखने के कारण है; किसी लेख में आप पर दुरूद लिखने वाले के लिए, जब तक वह लेख रहता है, फ़रिश्ते क्षमा की दुआ करते रहते हैं (अबू हुरैरा और इब्ने मसऊद की रिवायतें; इब्ने अबिल हसन मैमूनी का बयान)।

वफ़ात के बाद, हिजरी दूसरी–तीसरी सदी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 458 (salât ü selâmın fazileti bâbı)

711. बद्र के लिए निकलते समय बताया गया कि अल्लाह ने दो दलों (क़ाफ़िला या क़ुरैश की...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र के लिए निकलते समय बताया गया कि अल्लाह ने दो दलों (क़ाफ़िला या क़ुरैश की सेना) में से एक का वादा किया है (सूरह अल-अनफ़ाल, आयत 7); सहाबा क़ाफ़िला चाहते थे, पर सेना दी गई; सत्तर मुशरिक मारे गए और सत्तर बंदी बनाए गए।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 237-238 (Bâbü mâ ahbera bihî mine'l-kâinâti'l-müstakbele fî hayâtihî ve ba'deh)

712. बताया गया कि अगर मुशरिक आप को आप के देश से निकालेंगे, तो आप के बाद वहाँ थोड़े...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बताया गया कि अगर मुशरिक आप को आप के देश से निकालेंगे, तो आप के बाद वहाँ थोड़े ही समय रह सकेंगे (सूरह अल-इसरा, आयत 76); हिजरत के कुछ ही समय बाद बद्र में उनके सरदार मारे गए।

ख़बर: मक्की दौर; पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 239-240 (Bâbü mâ ahbera bihî mine'l-kâinâti'l-müstakbele fî hayâtihî ve ba'deh)

---

713. बद्र में सत्तर बंदियों के लिए फ़िदया चाहने वाले सहाबा को आप ने बताया कि वह्य आई...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बद्र में सत्तर बंदियों के लिए फ़िदया चाहने वाले सहाबा को आप ने बताया कि वह्य आई है: अगर फ़िदया लिया गया तो अगले वर्ष उसी दिन बंदियों की संख्या के बराबर उनमें से मारे जाएँगे; उन्होंने यह स्वीकार किया और अगले वर्ष उहुद में सत्तर मुसलमान शहीद हुए (सूरह आले इमरान, आयत 165 इसकी ओर संकेत करती है)।

ख़बर: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी); पूर्ति: उहुद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 147-148 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

714. (बद्र में) एक मुशरिक पर निशाना साध रहे एक सहाबी के तीर पर आप ने हाथ रखकर कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(बद्र में) एक मुशरिक पर निशाना साध रहे एक सहाबी के तीर पर आप ने हाथ रखकर कहा: “चलाओ”; मुशरिक दाएँ-बाएँ भागता रहा, फिर भी तीर उसका पीछा करते हुए उसके सिर में धँस गया और वह मर गया; सूरह अल-अनफ़ाल की आयत 17 उतरी।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 149 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

715. अबू जहल के धमकी भरे पत्र के उत्तर में (बद्र से अट्ठाईस दिन पहले) आप ने बताया कि...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अबू जहल के धमकी भरे पत्र के उत्तर में (बद्र से अट्ठाईस दिन पहले) आप ने बताया कि वह “मेरे सहाबा में सबसे कमज़ोर” के हाथों मारा जाएगा, और उत्बा, शैबा और वलीद के साथ कुएँ में फेंका जाएगा; आप ने सहाबा से कहा: “एक क़दम बढ़ाओ”, और ज़मीन सिमटा दी गई, वे बद्र के कुएँ के पास पहुँच गए; आप ने “यह उत्बा के मारे जाने की जगह है, यह वलीद की” कहते हुए सत्तर मारे जाने वालों और सत्तर बंदियों को एक-एक करके गिनाया, और ख़बर दी कि अबू जहल को अमुक अंसारी घायल करेगा और अब्दुल्लाह बिन मसऊद उसका काम तमाम करेंगे।

ख़बर: हिजरी 2, बद्र से 28 दिन पहले; पूर्ति: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 62 (fasl fîmâ lakıyehû min kavmihî ba'de mevti ammihî)

---

716. फ़ातिमा की शादी के लिए अबू अय्यूब जो भेड़ लाए, जिब्रील ने पहले उसे ज़बह करने से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

फ़ातिमा की शादी के लिए अबू अय्यूब जो भेड़ लाए, जिब्रील ने पहले उसे ज़बह करने से मना किया, और दो दिन बाद आप ने ज़ैद बिन जुबैर अंसारी से उसे ज़बह करवाया; आप ने कहा: “बिस्मिल्लाह कहकर खाओ, हड्डियाँ न तोड़ो”, और खाने के बाद

दुआ की: “अबू अय्यूब ग़रीब हैं; ऐ अल्लाह, तूने ही इसे पैदा किया, तूने ही इसे मिटाया, तू ही ज़िंदा करता है; ऐ हय्य, इसे ज़िंदा कर दे”, और भेड़ ज़िंदा हो गई; उसका दूध रोगियों के लिए शिफ़ा बना और मदीना वाले उसे “अल-मबऊसा” (पुनर्जीवित) कहने लगे (इस विषय में अब्दुर्रहमान बिन औफ़ की कविता भी है)।

हिजरी 2 (624 ईस्वी), फ़ातिमा की शादी

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 114 (fasl fî i'câzihî (çeşitli mucizeler))

---

717. बद्र के दिन मक्का के पहाड़ों से एक हातिफ़ को शेरों में हनीफ़ों (मुसलमानों) की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र के दिन मक्का के पहाड़ों से एक हातिफ़ को शेरों में हनीफ़ों (मुसलमानों) की विजय, किसरा और क़ैसर के राज्य के टूटने, और क़ुरैश के मारे गए और बंदी बनाए गए लोगों की ख़बर देते सुना गया; अगले दिन ख़बर आ गई।

बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 93-94 (Bâb 10: cinlerden ve başkalarından gelen hâtifler)

---

718. जिस दिन आप ने अबू जहल के धमकी भरे पत्र का उत्तर दिया (बद्र से 28 दिन पहले), आप...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

जिस दिन आप ने अबू जहल के धमकी भरे पत्र का उत्तर दिया (बद्र से 28 दिन पहले), आप ने मोमिनों और यहूदियों को बद्र में मरने वालों की जगहें देखने बुलाया; केवल अली ने “बिस्मिल्लाह” कहा; आप ने फ़रमाया: “एक क़दम बढ़ाओ, अल्लाह तुम्हारे लिए ज़मीन सिमटा देगा”, और दूसरे क़दम में वे बद्र के कुएँ के पास पहुँच गए (तय्ये मकान)।

बद्र से 28–29 दिन पहले, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 343-344 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

---

719. सहाबा ने बद्र के बारे में आप की इन ख़बरों को “हम याद कर लेंगे” कहा, फिर भी आप...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

सहाबा ने बद्र के बारे में आप की इन ख़बरों को “हम याद कर लेंगे” कहा, फिर भी आप ने “लिखा हुआ अधिक अच्छी तरह याद दिलाता है” कहकर फ़रिश्तों से कंधे की हड्डियों पर लिखवाया; हर फ़रिश्ते ने एक प्रति एक सहाबी की आस्तीन में रख दी, प्रतियाँ अक्षरशः एक जैसी निकलीं, और बद्र के दिन की घटनाओं से मिलाने पर उनमें कोई कमी-बेशी नहीं पाई गई।

बद्र से 28–29 दिन पहले, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 345 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

---

720. बद्र के युद्ध में आसमान से ज़मीन पर, तसलों में गिरने वाली छोटी सख़्त कंकड़ियों...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बद्र के युद्ध में आसमान से ज़मीन पर, तसलों में गिरने वाली छोटी सख़्त कंकड़ियों की धातु जैसी आवाज़ें आईं; ये आवाज़ें मुशरिकों के आगे और पीछे गूँजकर उनके दिलों को कँपा देतीं।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Meleklerin İslam Mücâhidlerine Nasıl Yardım Ettikleri?" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s:95,76-77)

---

721. बद्र में मुशरिकों के साथ मौजूद हुवैतिब बिन अब्दुल उज़्ज़ा ने धरती और आकाश के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में मुशरिकों के साथ मौजूद हुवैतिब बिन अब्दुल उज़्ज़ा ने धरती और आकाश के बीच क़ुरैशियों को मारते और बंदी बनाते फ़रिश्ते देखे और मन में कहा: “यह व्यक्ति (मुहम्मद) निश्चय ही अल्लाह की ओर से सुरक्षित है।”

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Meleklerin İslam Mücâhidlerine Nasıl Yardım Ettikleri?" (kitabın dipnotu: Hâkim, Müstedrek, c:3, s:492)

---

722. बद्र में मुशरिकों की सफ़ों में मौजूद सुहैल बिन अम्र ने धरती और आकाश के बीच...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में मुशरिकों की सफ़ों में मौजूद सुहैल बिन अम्र ने धरती और आकाश के बीच चितकबरे घोड़ों पर गोरे चेहरों वाले, पगड़ी बाँधे ऐसे लोग (फ़रिश्ते) देखे जो उन्हें मार रहे थे और बंदी बना रहे थे।

बद्र, रमज़ान हिजरी 2 (मार्च 624 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Meleklerin İslam Mücâhidlerine Nasıl Yardım Ettikleri?" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s:80)

19 · हिजरत का तीसरा वर्ष (624–625 ईस्वी): उहुद

723. ग़तफ़ान (ज़ू अमर) के ग़ज़वे में तलवार लेकर आप के सिरहाने खड़े हुए दुअसूर के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ग़तफ़ान (ज़ू अमर) के ग़ज़वे में तलवार लेकर आप के सिरहाने खड़े हुए दुअसूर के सीने पर जिब्रील ने मारा, तो तलवार गिर पड़ी।

हिजरी 3 (624–625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.470; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 347; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 47, 60; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 63; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Du'sur'un (Gavres) Peygamberimiz Aleyhisselâma Suikastı" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s:195-196; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:3, s:364-365)

724. कअब बिन अशरफ़ के सरिय्या में घायल हुए हारिस बिन औस के घाव पर आप ने थूका, तो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कअब बिन अशरफ़ के सरिय्या में घायल हुए हारिस बिन औस के घाव पर आप ने थूका, तो उनका दर्द थम गया।

हिजरी 3 (624–625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.494; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 350; ayrıca: İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 62, no. 35/2

725. उहुद से पहले आप ने सपने में अपनी तलवार में दरार, ज़बह होती गायें और एक मज़बूत...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद से पहले आप ने सपने में अपनी तलवार में दरार, ज़बह होती गायें और एक मज़बूत कवच देखा; जैसी ताबीर की गई थी, ठीक वैसा ही हुआ।

शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.513; İbn Kesîr s.136; 1000 Mucize no.984 (s.798); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3622; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 351; c. 2, s. 410 kısmı); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 242; Kütüb-i Sitte: Buhari, Ta'bir 39, 44, Menakıb 25, Meğazî 9, 26, Menâkıbu'l-Ensâr 45; Müslim, Rü'ya 20, (2272) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 966, c./s. 4/533]

726. उहुद में जिन अब्दुल्लाह बिन जहश की तलवार टूट गई, उन्हें आप ने खजूर की जो डाली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में जिन अब्दुल्लाह बिन जहश की तलवार टूट गई, उन्हें आप ने खजूर की जो डाली दी, वह उनके हाथ में तलवार बन गई।

शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.550; 19. Mektup listesi (183.txt) no.46; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 12. İşaret, 3. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 359; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 382; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 104; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 111, hadis no. 105/8; ayrıca: N. İçel, Hz.

Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Abdullah b. Cahş'a Verdiği Hurma Dalının Kılıç Oluşu" (kitabın dipnotu: Kastalanî, Mevâhib, c:1, s:125)

---

727. उहुद में (एक रिवायत में बद्र में) क़तादा बिन नुमान की गाल पर लटक आई आँख को आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में (एक रिवायत में बद्र में) क़तादा बिन नुमान की गाल पर लटक आई आँख को आप ने अपने हाथ से उसकी जगह पर रख दिया; वह आँख पहले से भी अच्छा देखने लगी।

शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.383, 574; İbn Kesîr s.79; 19. Mektup listesi (183.txt) no.45, 58, 173; 1000 Mucize no.103 (s.80); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü reddi'l-basar, no 14098; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 1. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 337-338; c. 1, s. 359; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 197, 460-461; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 339; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 250; c. 17, s. 294; c. 18, s. 8, 9, 40; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 32-33; c. 1, s. 148; c. 2, s. 505-506; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 84; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 101-102; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 332; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 64, no. 41/8; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Uhud'da, Katâde b. Numan'nın Yanakları Üzerine Akan Gözbebeğini Yerine Koyması" (kitabın dipnotu: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:6, s:113; İbn İshak-İbn Hişam, c:3, s:87)

---

728. उहुद में सफ़ेद कपड़ों वाले दो फ़रिश्ते (जिब्रील और मीकाईल) आप की रक्षा के लिए...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद में सफ़ेद कपड़ों वाले दो फ़रिश्ते (जिब्रील और मीकाईल) आप की रक्षा के लिए लड़े।

शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.577; web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5875; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Questions on Islam, "Miracles concerning Angels and Jinn"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 355; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megâzî 18, Libâs 24; Müslim, Fedâil 46, (2306) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4251, c./s. 12/125]

---

729. मक्का में जिस उबई बिन ख़लफ़ से आप ने कहा था "मैं तुम्हें मारूँगा", उसे उहुद में...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मक्का में जिस उबई बिन ख़लफ़ से आप ने कहा था "मैं तुम्हें मारूँगा", उसे उहुद में आप ने एक हल्की खरोंच से मार डाला।

ख़बर: मक्की दौर; पूर्ति: हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.580; İbn Kesîr s.139; 1000 Mucize no.383 (s.369); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 352; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 243; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 68, 74, 132; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 62-63; c. 1, s. 148; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 96, 102, 117; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Übeyy b. Halef'i Yaralayışı ve Öldürüşü" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:3, s:89; Taberi, Tarih, c:3,s:20; Vakıdî, Megâzî, c:1, s:250,243-244,251-252)

730. आप ने बताया कि उहुद के शहीद हंज़ला को फ़रिश्तों ने नहलाया है, और उनके शरीर से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि उहुद के शहीद हंज़ला को फ़रिश्तों ने नहलाया है, और उनके शरीर से पानी टपकता देखा गया।

शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.606; 1000 Mucize no.183 (s.162); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 357; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Hanzale b. Ebu Âmir'in Şehit Oluşu" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:1, s:273; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:2, s:66)

731. उहुद के शहीदों की क़ब्रें वर्षों बाद खोली गईं तो उनके शरीर सही-सलामत पाए गए

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद के शहीदों की क़ब्रें वर्षों बाद खोली गईं तो उनके शरीर सही-सलामत पाए गए।

हिजरी 3; खोला जाना: हिजरी 46–49

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.631; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 363; Kütüb-i Sitte: Buhârî (Câbir, 6 ay sonra); Muvatta (46 yıl sonra)

732. उहुद से लौटते समय मुशरिकों के दिलों में डर डाल दिया गया और वे हमराउल असद से लौट गए

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद से लौटते समय मुशरिकों के दिलों में डर डाल दिया गया और वे हमराउल असद से लौट गए।

शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.640; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 364

733. उहुद के दिन एक मुशरिक ने कहा: “ऐ अल्लाह, अगर मुहम्मद हक़ पर हैं तो मुझे ज़मीन...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के दिन एक मुशरिक ने कहा: “ऐ अल्लाह, अगर मुहम्मद हक़ पर हैं तो मुझे ज़मीन में धँसा दे”, और तुरंत ही वह ज़मीन में धँस गया।

उहुद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.382 (s.369)

734. बनू अनमार के ग़ज़वे में ऊँट चराने जा रहे एक व्यक्ति को आप ने उसके पुराने कपड़ों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बनू अनमार के ग़ज़वे में ऊँट चराने जा रहे एक व्यक्ति को आप ने उसके पुराने कपड़ों की जगह अच्छे कपड़े पहनवाए और कहा: “अल्लाह तुम्हारी गर्दन मारे”; उस व्यक्ति ने पूछा: “अल्लाह के रास्ते में, ऐ अल्लाह के रसूल?”, आप ने फ़रमाया: “अल्लाह के रास्ते में”, और वह अल्लाह के रास्ते में शहीद हुआ।

बनू अनमार का ग़ज़वा, लगभग हिजरी 3–4 (624–626 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.130 (s.106), no.349 (s.335); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 375; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 211-212

735. उहुद में जब शत्रु नीचे था, पहाड़ की ढलान पर आप के साथ मौजूद सभी सहाबा पर भरोसा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद में जब शत्रु नीचे था, पहाड़ की ढलान पर आप के साथ मौजूद सभी सहाबा पर भरोसा और सुकून देने वाली ऊँघ उतरी।

उहुद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.181 (s.160)

736. आप का चेहरा घायल करने वाले हुज़ैल के अब्दुल्लाह बिन क़मिआ पर अल्लाह ने एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप का चेहरा घायल करने वाले हुज़ैल के अब्दुल्लाह बिन क़मिआ पर अल्लाह ने एक पहाड़ी बकरा भेजा, जिसने उसे सींग मारकर मार डाला।

उहुद के बाद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.184 (s.163); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 361; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 67; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 69

737. पिता के उहुद में शहीद होने पर रोते हुए आए बशीर बिन अक़रबा जुहनी को आप ने यह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पिता के उहुद में शहीद होने पर रोते हुए आए बशीर बिन अक़रबा जुहनी को आप ने यह कहकर सांत्वना दी: “क्या तुम नहीं चाहते कि मैं तुम्हारा पिता और आइशा तुम्हारी माँ हों?”, और उनके सिर पर हाथ फेरा; आप का हाथ जहाँ लगा था, वहाँ के बाल काले रहे जबकि आसपास के सफ़ेद हो गए।

उहुद के बाद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.227 (s.202); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 139 bâbı); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Bir Şehit Yavrusunun Evlat Edinilişi" (kitabın dipnotu: Buhâri, Târîhu'l-kebir, c:1, ks:2, s:78; İbn Asâkir, Târih, C:3. S:269; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:4, s: 62)

738. ज़बान में अटकन वाले बशीर बिन अक़रबा जुहनी के मुँह में आप ने थूका, तो उनकी बोली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़बान में अटकन वाले बशीर बिन अक़रबा जुहनी के मुँह में आप ने थूका, तो उनकी बोली ठीक हो गई, और आप ने उनका नाम बहीर से बदलकर बशीर रखा।

उहुद के बाद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.228 (s.202); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 139 bâbı); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Bir Şehit Yavrusunun Evlat Edinilişi" (kitabın dipnotu: Buhâri, Târîhu'l-kebir, c:1, ks:2, s:78; İbn Asâkir, Târih, C:3. S:269; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:4, s: 62)

739. उहुद के दिन आँख में घायल हुए अबू ज़र की आँख पर आप ने थूका, तो आँख पूरी तरह ठीक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के दिन आँख में घायल हुए अबू ज़र की आँख पर आप ने थूका, तो आँख पूरी तरह ठीक हो गई।

उहुद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.236 (s.208), no.944 (s.773); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14099; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 360

---

740. उहुद में कमान टूटने तक तीर चलाने के बाद आप ने साद बिन अबी वक़्क़ास को बिना परों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद में कमान टूटने तक तीर चलाने के बाद आप ने साद बिन अबी वक़्क़ास को बिना परों वाले तीर देकर कहा: “चलाओ”; ये तीर परों वाले तीरों की तरह उड़कर शत्रु के शरीर में धँस गए।

शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 1. misal (s. 202)

---

741. उहुद के दिन कुलसूम बिन हुसैन के सीने (गले) में तीर लगा; आप ने उनके घाव पर थूका...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के दिन कुलसूम बिन हुसैन के सीने (गले) में तीर लगा; आप ने उनके घाव पर थूका और वे ठीक हो गए।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl (hastaların iyileşmesi)

---

742. मुसलमानों के साथ बहादुरी से लड़ रहे क़ुज़मान के बारे में आप ने फ़रमाया: “वह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मुसलमानों के साथ बहादुरी से लड़ रहे क़ुज़मान के बारे में आप ने फ़रमाया: “वह जहन्नमी है”; क़ुज़मान ने (अपने घावों को सह न पाकर) आत्महत्या कर ली।

उहुद, हिजरी 3 (625 ईस्वी) – सहीहैन में ऐसी ही घटना ख़ैबर में

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

---

743. उहुद के दिन मुसअब बिन उमैर के शहीद होने पर उनके रूप में एक फ़रिश्ते ने झंडा थाम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के दिन मुसअब बिन उमैर के शहीद होने पर उनके रूप में एक फ़रिश्ते ने झंडा थाम लिया; आप ने फ़रमाया: “आगे बढ़ो, ऐ मुसअब”; फ़रिश्ते ने कहा: “मैं मुसअब नहीं हूँ”, तो आप समझ गए कि वह फ़रिश्ता है।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (मार्च 625 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl (melekler ve cinler)

---

744. नजाशी के लोगों में से ईमान लाने वालों ने “किताब में जिन नबी का वर्णन हम पाते...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नजाशी के लोगों में से ईमान लाने वालों ने “किताब में जिन नबी का वर्णन हम पाते हैं, उनके पास चलें” कहकर अनुमति ली और आए, मुसलमान हुए और उहुद में शामिल हुए।

हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 31 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

745. यहूदी विद्वान मुख़ैरीक़ ने आप को किताबों में दिए गुणों से पहचान लिया, उहुद के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यहूदी विद्वान मुख़ैरीक़ ने आप को किताबों में दिए गुणों से पहचान लिया, उहुद के दिन (शनिवार) अपनी क़ौम से कहा: “मुहम्मद की सहायता करना तुम पर कर्तव्य है”, और युद्ध में शामिल हुए; उन्होंने वसीयत की: “अगर मैं मरूँ तो मेरा माल मुहम्मद का है”, और शहीद हुए; आप ने फ़रमाया: “मुख़ैरीक़ यहूदियों में सबसे अच्छे हैं।”

उहुद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl (önceki kitaplar, kâhinler ve meliklerin beklentisi), no. 38

746. उहुद के बाद आप ने फ़रमाया: “मक्का विजय तक मुशरिक हमें फिर कभी ऐसी हानि नहीं...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के बाद आप ने फ़रमाया: “मक्का विजय तक मुशरिक हमें फिर कभी ऐसी हानि नहीं पहुँचा सकेंगे”, और ऐसा ही हुआ।

ख़बर: हिजरी 3; पूर्ति: हिजरी 3–8

स्रोत Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"

747. उहुद में अब्दुर्रहमान बिन औफ़ के आसपास मरे पड़े सात मुशरिकों में से जब उन्होंने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में अब्दुर्रहमान बिन औफ़ के आसपास मरे पड़े सात मुशरिकों में से जब उन्होंने कहा कि केवल दो को उन्होंने मारा है, तो आप ने बताया कि बाक़ियों को फ़रिश्तों ने मारा।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

748. उहुद में आप के चेहरे के घाव से बहता ख़ून चूसकर निगल जाने वाले मालिक बिन सिनान...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में आप के चेहरे के घाव से बहता ख़ून चूसकर निगल जाने वाले मालिक बिन सिनान से आप ने फ़रमाया: “जिसका ख़ून मेरे ख़ून से मिल गया, उसे जहन्नम की आग नहीं छुएगी”; मालिक उसी दिन शहीद हुए।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan

749. कअब बिन अशरफ़ को मारने के लिए भेजे गए सहाबा को आप बक़ीउल ग़रक़द तक विदा करने गए...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

कअब बिन अशरफ़ को मारने के लिए भेजे गए सहाबा को आप बक़ीउल ग़रक़द तक विदा करने गए और दुआ की: “अल्लाह के नाम से जाओ; ऐ अल्लाह, इनकी सहायता कर”, और सरिय्या सफल होकर लौटा।

कअब बिन अशरफ़ का सरिय्या, हिजरी 3 (624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 350 (Kâ'b b. Eşref'in öldürülmesindeki âyetler)

750. उहुद में ऊँट पर बैठकर द्वंद्व की चुनौती देने वाले मुशरिक के सामने ज़ुबैर निकले...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में ऊँट पर बैठकर द्वंद्व की चुनौती देने वाले मुशरिक के सामने ज़ुबैर निकले और ऊँट पर उछलकर उससे गुत्थमगुत्था हो गए; आप ने फ़रमाया: “जो ज़मीन के निकट होगा (नीचे गिरेगा), वह मारा जाएगा”; मुशरिक ज़मीन पर गिरा और ज़ुबैर ने उसे मार डाला।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 353 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

751. उहुद में झंडाबरदार मुसअब बिन उमैर के दोनों हाथ कटते समय उन्होंने वह आयत पढ़ी जो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में झंडाबरदार मुसअब बिन उमैर के दोनों हाथ कटते समय उन्होंने वह आयत पढ़ी जो अभी उतरी नहीं थी: “मुहम्मद तो बस एक रसूल हैं; उनसे पहले भी रसूल गुज़र चुके हैं”; बाद में यह आयत ठीक इन्हीं शब्दों में उतरी।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 356 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

752. उहुद में जब सब बिखर गए, तो साद बिन अबी वक़्क़ास के चलाए तीर उन्हें वापस लाकर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में जब सब बिखर गए, तो साद बिन अबी वक़्क़ास के चलाए तीर उन्हें वापस लाकर “चलाओ, ऐ अबू इसहाक़” कहने वाला, उनका अनजाना, गोरे चेहरे वाला एक सुंदर युवक युद्ध समाप्त होने पर कहीं नहीं मिला; माना गया कि वह फ़रिश्ता था।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 356 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

753. उहुद में क़ुरैश के घुड़सवार पहाड़ पर चढ़े, तो आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, उनका...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में क़ुरैश के घुड़सवार पहाड़ पर चढ़े, तो आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, उनका हमसे ऊपर होना उचित नहीं”; उमर और मुहाजिरों के एक दल ने उन्हें पहाड़ से उतार दिया।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 357 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

754. उहुद में उँगलियाँ कटने पर “हस्स!” कहने वाले तलहा बिन उबैदुल्लाह से आप ने...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

उहुद में उँगलियाँ कटने पर “हस्स!” कहने वाले तलहा बिन उबैदुल्लाह से आप ने फ़रमाया: “अगर तुम बिस्मिल्लाह कहते तो लोगों के देखते-देखते फ़रिश्ते तुम्हें आसमान पर उठा ले जाते (अल्लाह ने जन्नत में तुम्हारे लिए जो महल बनाया है, उसे तुम दुनिया में ही देख लेते)।”

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 357 (Uhud gazvesindeki âyetler)

755. उहुद में अनस बिन नज़्र ने कहा: “उसकी क़सम जिसके हाथ में मेरी जान है, मैं उहुद...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद में अनस बिन नज़्र ने कहा: “उसकी क़सम जिसके हाथ में मेरी जान है, मैं उहुद के उस पार से जन्नत की सुगंध पा रहा हूँ”, और आगे बढ़कर शहीद हो गए।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 357 (Uhud gazvesindeki âyetler)

756. उहुद में जनाबत की हालत में शहीद हुए हमज़ा को फ़रिश्तों को नहलाते देखकर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में जनाबत की हालत में शहीद हुए हमज़ा को फ़रिश्तों को नहलाते देखकर आप ने इसकी ख़बर दी।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 358 (Uhud gazvesindeki âyetler)

757. उहुद में शहीद हुए जाबिर के पिता अब्दुल्लाह बिन अम्र बिन हराम के लिए रोती उनकी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद में शहीद हुए जाबिर के पिता अब्दुल्लाह बिन अम्र बिन हराम के लिए रोती उनकी बुआ से आप ने फ़रमाया: “मत रोओ; जब तक तुमने उन्हें उठाया नहीं, फ़रिश्ते अपने पंखों से उन पर छाया किए रहे।”

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 358 (Uhud gazvesindeki âyetler)

758. उहुद में आप ने ज़ैद बिन साबित को साद बिन रबीअ को ढूँढने और उन्हें अपना सलाम...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद में आप ने ज़ैद बिन साबित को साद बिन रबीअ को ढूँढने और उन्हें अपना सलाम पहुँचाने भेजा; वे सत्तर घावों के साथ अंतिम साँसें लेते मिले और “मैं जन्नत की सुगंध पा रहा हूँ” कहकर उन्होंने प्राण त्याग दिए।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 358 (Uhud gazvesindeki âyetler)

759. जिनके बेटे साद बद्र में शहीद हुए थे, उन ख़ैसमा ने बताया कि उन्होंने सपने में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिनके बेटे साद बद्र में शहीद हुए थे, उन ख़ैसमा ने बताया कि उन्होंने सपने में अपने बेटे को जन्नत के बाग़ों में देखा, जिसने कहा: “हमसे आ मिलो”, और शहादत के लिए दुआ की विनती की; आप ने दुआ की और ख़ैसमा उहुद में शहीद हुए।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 359 (Uhud gazvesindeki âyetler)

760. अब्दुल्लाह बिन जहश ने उहुद से एक दिन पहले दुआ की: “ऐ अल्लाह, कल मेरा सामना...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन जहश ने उहुद से एक दिन पहले दुआ की: “ऐ अल्लाह, कल मेरा सामना शत्रु से हो; वे मुझे मार डालें, मेरा पेट चीर दें, मेरी नाक और कान काट दें”, और अगले दिन वे ठीक इसी तरह शहीद किए गए।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 359 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

761. उहुद में हर ओर से तीर बरस रहे थे और आप बीच में खड़े थे, फिर भी सब आप से हटकर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में हर ओर से तीर बरस रहे थे और आप बीच में खड़े थे, फिर भी सब आप से हटकर निकल जाते; “मुझे मुहम्मद दिखाओ” कहने वाला मुशरिक (अब्दुल्लाह बिन शिहाब) आप के पास कोई न होने पर आप के निकट से गुज़रा, फिर भी आप को न देख सका और बोला: “वे हमसे सुरक्षित रखे गए हैं।”

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 360 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

762. उहुद में आप का दाँत तोड़ने और चेहरा घायल करने वाले उत्बा बिन अबी वक़्क़ास के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में आप का दाँत तोड़ने और चेहरा घायल करने वाले उत्बा बिन अबी वक़्क़ास के लिए आप ने बद-दुआ की: “ऐ अल्लाह, एक वर्ष पूरा होने से पहले यह काफ़िर की हालत में मरे”, और उत्बा वर्ष पूरा होने से पहले काफ़िर की हालत में मर गया।

उहुद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 361 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

763. बद्र में आप ने जिस अबू अज़्ज़ा जुमही को बिना फ़िदये के छोड़ दिया था, वह वचन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में आप ने जिस अबू अज़्ज़ा जुमही को बिना फ़िदये के छोड़ दिया था, वह वचन तोड़कर उहुद में शामिल हुआ; आप ने दुआ की कि वह भाग न सके, और मुशरिकों में से केवल वही बंदी बना।

उहुद / हमराउल असद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 361 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

764. उहुद में हिंद बिंत उत्बा हमज़ा का कलेजा चबाकर निगल न सकी; आप ने फ़रमाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में हिंद बिंत उत्बा हमज़ा का कलेजा चबाकर निगल न सकी; आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने हमज़ा के मांस के किसी टुकड़े का आग में जाना हराम कर दिया है।”

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 362 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

765. उहुद में अफ़रा-तफ़री का लाभ उठाकर मुसलमान मुजज़्ज़र बिन ज़ियाद को चुपके से मार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में अफ़रा-तफ़री का लाभ उठाकर मुसलमान मुजज़्ज़र बिन ज़ियाद को चुपके से मार डालने वाले हारिस बिन सुवैद की करतूत की ख़बर जिब्रील ने दी; आप क़ुबा गए और उसे मार डालने का आदेश दिया।

उहुद के बाद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 362 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

766. पिता का क़र्ज़ चुक जाने के बाद आप दोपहर के समय जाबिर के घर आकर सोए; जाबिर की...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

पिता का क़र्ज़ चुक जाने के बाद आप दोपहर के समय जाबिर के घर आकर सोए; जाबिर की पत्नी ने बकरी का एक बच्चा (अनाक़) ज़बह किया, तो आप ने जागकर अबू बक्र और अपने हवारियों (निकट सहाबा) को बुलवाया; सब का पेट भर गया और बहुत-सा मांस बच गया।

लगभग हिजरी 3–4 (उहुद के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 87 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: yemeğin çoğalması)

---

767. उहुद में अपने शहीदों को मदीना ले जाने के लिए जिन्होंने उन्हें ऊँटों पर लादा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में अपने शहीदों को मदीना ले जाने के लिए जिन्होंने उन्हें ऊँटों पर लादा, उनके ऊँट मदीना की ओर मोड़ने पर बैठ जाते और युद्ध-भूमि की ओर मोड़ने पर तेज़ हो जाते; यह जानकर आप ने सूरह आले इमरान की आयत 154 पढ़ी और शहीदों को वहीं दफ़न करवाया।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 148 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

768. उहुद में चालीस घाव खाने वाले अली के घावों पर आप ने मुँह में लिया हुआ पानी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में चालीस घाव खाने वाले अली के घावों पर आप ने मुँह में लिया हुआ पानी छिड़का; घाव उसी क्षण ऐसे भर गए मानो कभी थे ही नहीं।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 148 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

769. उहुद के दिन अली की तलवार टूट गई, तो आप ने ज़मीन पर पड़ी खजूर की एक पुरानी सूखी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के दिन अली की तलवार टूट गई, तो आप ने ज़मीन पर पड़ी खजूर की एक पुरानी सूखी डाली उठाकर हिलाई और उन्हें दे दी; वह डाली ज़ुल्फ़िक़ार तलवार बन गई, और अली उससे जिस पर वार करते, उसे दो टुकड़े कर देते (अली की रिवायत)।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 148 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

770. उहुद के दिन मुशरिकों से छिपते हुए आप ने अपना सिर पहाड़ की ओर झुकाया, तो चट्टान...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के दिन मुशरिकों से छिपते हुए आप ने अपना सिर पहाड़ की ओर झुकाया, तो चट्टान आप के सिर जितनी खोखली होकर आप के लिए जगह बन गई; यह स्थान घाटी (शिअब) में एक जाना-माना ज़ियारत का स्थान है।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 915 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

---

771. अंसार के अब्दुल्लाह बिन अतीक का उहुद में कटा हुआ हाथ आप ने उसकी जगह जोड़कर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंसार के अब्दुल्लाह बिन अतीक का उहुद में कटा हुआ हाथ आप ने उसकी जगह जोड़कर फूँका, तो वह पहले जैसा हो गया।

उहुद, हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 101 (fasl fî mu'cizât ef'âlihî)

---

772. कअब बिन अशरफ़ के मारे जाने के दिन आँख और हाथ में घायल हुए मुहम्मद बिन मसलमा के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कअब बिन अशरफ़ के मारे जाने के दिन आँख और हाथ में घायल हुए मुहम्मद बिन मसलमा के घावों पर आप ने हाथ फेरा, तो कोई निशान बाक़ी न रहा।

कअब बिन अशरफ़ का सरिय्या, हिजरी 3 (624 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 295 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

---

773. उहुद के दिन आप ने अबू दुजाना को खजूर का एक पत्ता (सअफ़ा) दिया, जो उनके हाथ में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के दिन आप ने अबू दुजाना को खजूर का एक पत्ता (सअफ़ा) दिया, जो उनके हाथ में तलवार बन गया; अबू दुजाना ने इसे शेर में बयान किया: “खजूर की डाली तेज़ तलवार बन गई; यह अल्लाह और उसके रसूल की निशानियों में से है।”

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 382 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

---

774. उहुद में आप के आदेश से मुशरिकों के दो दलों को तितर-बितर करने वाले अली के बारे...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

उहुद में आप के आदेश से मुशरिकों के दो दलों को तितर-बितर करने वाले अली के बारे में जिब्रील ने कहा: “यही है सच्ची हमदर्दी (मुवासात)”; आप ने फ़रमाया: “वह मुझसे है और मैं उससे हूँ”, तो जिब्रील ने कहा: “और मैं आप दोनों से हूँ”; उसी समय एक आवाज़ सुनाई दी: “ज़ुल्फ़िक़ार के सिवा कोई तलवार नहीं, अली के सिवा कोई वीर नहीं।”

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Hz. Ali'nin Müşriklerden İki Topluluğu Bozguna Uğratışı" (kitabın dipnotu: Taberî, Tarih, c:3, s:17)

775. उहुद में ढाल लेकर आप की आड़ बने अबू तलहा जब अपने पचास तीर चलाकर ख़त्म कर चुके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में ढाल लेकर आप की आड़ बने अबू तलहा जब अपने पचास तीर चलाकर ख़त्म कर चुके, तो आप ने ज़मीन से पेड़ की एक डाली उठाकर उन्हें दी और फ़रमाया: “ऐ अबू तलहा, इसे भी एक अच्छे तीर की तरह चलाओ” (शीर्षक के अनुसार वह डाली उनके हाथ में एक अच्छा तीर बन गई)।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ensardan Ebu Talha’nın Elinde, Efendimizin yerden alıp Verdiği Ağaç Dalının İyi Bir Ok Olması" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s: 243; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c:3, s:239,346; Hakim, Müstedrek, c:3, s:26); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menâkıbü'l-Ensâr 18 (3811); Müslim, Cihâd 136 (1811) (Enes: Ebû Talha'nın Uhud'da siper olması; dal kısmı yok) (Canan'da bulunamadı)

776. उहुद में पहाड़ पर चढ़ते मुशरिकों को पीछे धकेलने का आदेश आप ने साद बिन अबी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में पहाड़ पर चढ़ते मुशरिकों को पीछे धकेलने का आदेश आप ने साद बिन अबी वक़्क़ास को तीन बार दिया; उन्होंने तरकश का एकमात्र तीर चलाकर एक मुशरिक को मारा, फिर वही तीर दो बार और अपने तरकश में पाया और हर बार एक मुशरिक को मारा; मुशरिकों को उतरना पड़ा, और साद ने यह “बरकत वाला तीर” जीवन भर सँभालकर रखा।

उहुद, शव्वाल हिजरी 3 (625 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Yüzünün Kanının Mihras Suyu ile Yıkanışı ve Müşriklerin Kendilerinden Yukarıya Çıkmalarına Meydan Vermemesi İçin Allah'a Dua Edişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, c:3, s:90-91; Taberî, Târîh, c:3, s:21; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c:2, s:106; Zehebî, Siyeru a'lâmi'n-nübelâ, c:2, s:244)

20 · हिजरत का चौथा वर्ष (625–626 ईस्वी): बिअरे मऊना, बनू नज़ीर, ज़ातुर रिक़ा

777. ख़ालिद बिन सुफ़यान हुज़ली को मारने भेजे गए अब्दुल्लाह बिन उनैस को आप ने यह...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ख़ालिद बिन सुफ़यान हुज़ली को मारने भेजे गए अब्दुल्लाह बिन उनैस को आप ने यह निशानी बताई: “उसे देखते ही तुम्हें सिहरन होगी”, और ठीक ऐसा ही हुआ।

हिजरी 4 (625–626 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.148; 1000 Mucize no.210 (s.191); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 390; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd, Salât (korku namazı bâbı; Canan'da künye metinde yok) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2929, c./s. 9/255-256]

778. रजीअ में शहीद किए गए आसिम बिन साबित के शरीर की मुशरिकों से मधुमक्खियों (और...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

रजीअ में शहीद किए गए आसिम बिन साबित के शरीर की मुशरिकों से मधुमक्खियों (और बाढ़) ने रक्षा की।

सफ़र हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.652; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 366; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 267-268; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megâzî, 38, 9, 170, Tevhid 14; Ebu Dâvud, Cihad 115, (2660, 2661), Cenâiz 16, (3112) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4256, c./s. 12/136-138]

779. मक्का में ज़ंजीरों में बँधे बंदी ख़ुबैब बिन अदी मौसम न होते हुए भी ताज़ा अंगूर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मक्का में ज़ंजीरों में बँधे बंदी ख़ुबैब बिन अदी मौसम न होते हुए भी ताज़ा अंगूर खाते थे।

हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.652; 1000 Mucize no.187 (s.165); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 365; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megâzî, 38, 9, 170, Tevhid 14; Ebu Dâvud, Cihad 115, (2660, 2661), Cenâiz 16, (3112) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4256, c./s. 12/136-138]

780. रजीअ के शहीदों की ख़बर आप ने उसी दिन अपने सहाबा को दे दी; ख़ुबैब का सलाम आप तक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

रजीअ के शहीदों की ख़बर आप ने उसी दिन अपने सहाबा को दे दी; ख़ुबैब का सलाम आप तक पहुँचाया गया।

हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.652; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 365; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 133-134; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 96-97; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megâzî, 38, 9, 170, Tevhid 14; Ebu Dâvud, Cihad 115, (2660, 2661), Cenâiz 16, (3112) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4256, c./s. 12/136-138]

781. आप की हत्या के लिए भेजे गए बद्दू की नीयत और उसका छिपाया हुआ ख़ंजर आप ने बता दिया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की हत्या के लिए भेजे गए बद्दू की नीयत और उसका छिपाया हुआ ख़ंजर आप ने बता दिया।

हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.664; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 367; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ebu Süfyan Tarafından Peygamberimiz Aleyhisselâm İçin Bir Katil Kiralanıp Medine'ye Gönderilişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:2, s:93-94; Beyhakî, Delâil, c:3, s:333-334)

---

782. बिअरे मऊना में शहीद किए गए आमिर बिन फ़ुहैरा के शरीर को आसमान की ओर उठाया जाता...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बिअरे मऊना में शहीद किए गए आमिर बिन फ़ुहैरा के शरीर को आसमान की ओर उठाया जाता देखा गया।

सफ़र हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.678; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 368; c. 2, s. 313); Kütüb-i Sitte: Buhârî (satırdaki künye)

---

783. बिअरे मऊना के शहीदों का हाल और उनका संदेश “हम अपने रब से जा मिले” आप ने उसी दिन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बिअरे मऊना के शहीदों का हाल और उनका संदेश “हम अपने रब से जा मिले” आप ने उसी दिन बता दिया।

सफ़र हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.670, 678; web: Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 369; Kütüb-i Sitte: Müslim (Enes; satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2612]

---

784. बनू नज़ीर द्वारा आप पर पत्थर गिराने की साज़िश की ख़बर आसमान से दी गई

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बनू नज़ीर द्वारा आप पर पत्थर गिराने की साज़िश की ख़बर आसमान से दी गई।

हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.479, 688; 1000 Mucize no.185 (s.163); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 347-348; c. 1, s. 349; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 46, 110; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 33; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kinâne b. Suriya'nın Benî Nadîr Yahudîlerini Uyarışı ve Öğütleyişi" (kitabın dipnotu: Vâkidî, Megâzî, c:1, s:365-366 / Taberî, Târîh, c:3, s:37; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:492-493) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Sellâm b. Mişkem'in Benî Nadîr Yahudîlerini Uyarışı" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s:364-366; Ebu Nuaym , Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:489-490; İbn İshak-İbn Hişam, Sire, c:3, s:199; Taberi, Târih, c:3, s:37)

---

785. यहूदी अम्र बिन सुअदा और दूसरों ने स्वीकार किया कि उन्होंने आप के गुण तौरात में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यहूदी अम्र बिन सुअदा और दूसरों ने स्वीकार किया कि उन्होंने आप के गुण तौरात में देखे हैं।

हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.696; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 349

786. ज़ातुर रिक़ा में पेड़ के नीचे आप सो रहे थे कि ग़ौरस बिन हारिस ने आप की तलवार...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ज़ातुर रिक़ा में पेड़ के नीचे आप सो रहे थे कि ग़ौरस बिन हारिस ने आप की तलवार खींच ली; पर तलवार उसके हाथ से गिर पड़ी।

हिजरी 4 (एक मत के अनुसार हिजरी 7)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.707; 19. Mektup listesi (183.txt) no.49; 1000 Mucize no.367 (s.352), no.392 (s.383); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 145; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 370; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 331-332, 331; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 60; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 164; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 63; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Cihâd 87, 84, Megazî 31, 32; Müslim, Müsafirîn 311, (843) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5604, c./s. 15/460]

787. ज़ातुर रिक़ा से लौटते समय जाबिर के न चल पाने वाले ऊँट को आप ने छूकर दुआ की, तो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ज़ातुर रिक़ा से लौटते समय जाबिर के न चल पाने वाले ऊँट को आप ने छूकर दुआ की, तो वह ऊँट सबसे आगे निकल गया।

हिजरी 4 (एक मत के अनुसार हिजरी 7)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.717; Beyhakî, Delâil c.4 s.617; 19. Mektup listesi (183.txt) no.162; 1000 Mucize no.32 (s.45), no.359 (s.347); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 582; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14175; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 374; c. 2, s. 97; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 155, 199; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 305-306; IslamHouse, The Miracles of Muhammad; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 108, hadis no. 101/4; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Câbir b. Abdullah'ın Yorulup Hızlandırılan Devesinin Satın Alınıp Kendisine Bağışlanışı" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbnHişam, Sîre, c:3, s:217; Müslim, Sahih, c:2, s:1222; Buhârî, Sahih, c:3, s:15; c: 6, s:194); Kütüb-i Sitte: Buhârî 2718, 2967; Müslim 715 (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 276]

788. ज़ातुर रिक़ा के अभियान में एक स्त्री अपने जिन्न-ग्रस्त बच्चे को लाई; आप ने उसके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ातुर रिक़ा के अभियान में एक स्त्री अपने जिन्न-ग्रस्त बच्चे को लाई; आप ने उसके मुँह पर पढ़कर फूँका और कहा: “निकल, ऐ अल्लाह के शत्रु”, और बच्चा ठीक हो गया (जाबिर की रिवायत)।

हिजरी 4

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.717; Beyhakî, Delâil c.4 s.470; 1000 Mucize no.246 (s.216); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 17; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.19; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 373; c. 2, s. 61-62; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 151

789. उम्मे सलमा के लिए आप की दुआ “इसकी ईर्ष्या दूर कर दे और इसे इससे बेहतर दे” क़बूल...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उम्मे सलमा के लिए आप की दुआ “इसकी ईर्ष्या दूर कर दे और इसे इससे बेहतर दे” क़बूल हुई।

हिजरी 4 (626 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.97; 1000 Mucize no.151 (s.132); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 121); Kütüb-i Sitte: Müslim (Ümmü Seleme; satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3233, c./s. 9/542-543]

---

790. सलमान फ़ारसी की आज़ादी के बदले के लिए आप ने अपने हाथ से लगभग 300 खजूर के जो...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

सलमान फ़ारसी की आज़ादी के बदले के लिए आप ने अपने हाथ से लगभग 300 खजूर के जो पौधे लगाए, उन्होंने उसी वर्ष फल दिए (उमर के लगाए एक पौधे को छोड़कर)।

हिजरी 4–5 (ख़ंदक़ से पहले)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.552; İbn Kesîr s.50; 19. Mektup listesi (183.txt) no.68, 69, 139; 1000 Mucize no.46-85 (s.57); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 37; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 19; c. 1, s. 106; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 250; c. 18, s. 28-29; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 31-32; c. 1, s. 150-151; c. 3, s. 904; 927-928; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Selman-ı Fârisî'nin Kölelikten Kurtarılışı için dikilen 300 hurma ağacı" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:4, s:79-80; Semhûdî, Vefâu'l-vefâ, c:1, s:300; İbn Seyyid, Uyünu'l-eser, c:1, s:65)

---

791. आप ने सलमान को अंडे के बराबर सोना दिया, उसे अपनी ज़बान से लगाया, और उससे 40...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने सलमान को अंडे के बराबर सोना दिया, उसे अपनी ज़बान से लगाया, और उससे 40 ऊक़िया का क़र्ज़ चुक गया।

हिजरी 4–5 (ख़ंदक़ से पहले)

स्रोत İbn Kesîr s.50; 19. Mektup listesi (183.txt) no.70; 1000 Mucize no.89 (s.64); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 116 — Delâilü'n-nübüvve: Selmân kıssası; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 37; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 102; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 29; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 32; c. 1, s. 151-152; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Yumurta Kadar Bir Altın Külçesinin Yarısının Bütün Altın Borcunu Ödemeye Yetmesi"

---

792. जब उम्मे सलमा पत्थर बन चुका मांस लेकर आई, तो आप ने जान लिया कि आप की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब उम्मे सलमा पत्थर बन चुका मांस लेकर आईं, तो आप ने जान लिया कि आप की अनुपस्थिति में दरवाज़े पर एक भिखारी आया था, और फ़रमाया: “यह तुम्हारे लिए एक सीख है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित (हिजरी 4 के बाद)

स्रोत 1000 Mucize no.171 (s.149)

---

793. बनू नज़ीर की आप पर बड़ा पत्थर गिराने की साज़िश से आप सकुशल बच गए; कुछ विद्वानों...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बनू नज़ीर की आप पर बड़ा पत्थर गिराने की साज़िश से आप सकुशल बच गए; कुछ विद्वानों के अनुसार गिराए गए पत्थर को जिब्रील ने थाम लिया था (सूरह अल-माइदा की आयत 11 इसी पर उतरी)।

बनू नज़ीर की घटना, हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.186 (s.163); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kinâne b. Suriya'nın Benî Nadîr Yahudîlerini Uyarışı ve Öğütleyişi" (kitabın dipnotu: Vâkidî, Megâzî, c:1, s:365-366 / Taberî, Târîh, c:3, s:37; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:492-493) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Sellâm b. Mişkem'in Benî Nadîr Yahudîlerini Uyarışı" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s:364-366; Ebu Nuaym , Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:489-490; İbn İshak-İbn Hişam, Sire, c:3, s:199; Taberi, Târih, c:3, s:37)

---

794. बिअरे मऊना के बाद अबू बरा ने अपने भतीजे लबीद बिन रबीआ को भेजकर अपने फोड़े के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बिअरे मऊना के बाद अबू बरा ने अपने भतीजे लबीद बिन रबीआ को भेजकर अपने फोड़े के लिए शिफ़ा माँगी, तो आप ने मिट्टी के एक टुकड़े पर थूककर कहा कि इसे पानी में उबालकर पिलाया जाए, और अबू बरा ठीक हो गए; इसी रिवायत में आप ने बताया कि शहीद आमिर बिन फ़ुहैरा के आसमान की ओर उठाए गए शरीर को फ़रिश्तों ने सँभाल लिया।

बिअरे मऊना के बाद, हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.188 (s.167); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 118; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 22; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 33-34; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 84-85; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 101

---

795. ज़ातुर रिक़ा के ग़ज़वे के लिए निकलते समय उल्बा बिन ज़ैद हारिसी शुतुरमुर्ग़ के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ातुर रिक़ा के ग़ज़वे के लिए निकलते समय उल्बा बिन ज़ैद हारिसी शुतुरमुर्ग़ के तीन अंडे लाए, आप ने उन्हें जाबिर से पकवाया; आप और आप के सहाबा ने बिना रोटी के पेट भरकर खाया, फिर भी खाना कम नहीं हुआ, और बाद में आई भीड़ का भी पेट भर गया।

ज़ातुर रिक़ा का ग़ज़वा, लगभग हिजरी 4 (626 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.892 (s.743); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 375

---

796. मक्का में शहीद किए गए ख़ुबैब बिन अदी का शरीर चालीस दिन फाँसी के तख़्ते पर बिना...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का में शहीद किए गए ख़ुबैब बिन अदी का शरीर चालीस दिन फाँसी के तख़्ते पर बिना बिगड़े रहा, उनके घाव से कस्तूरी की सुगंध वाला ताज़ा ख़ून बहता रहा, और उतारे जाने पर ज़मीन उन्हें निगल गई।

हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

---

797. ज़ातुर रिक़ा के अभियान में “मेरी घोड़ी के पेट में क्या है?” पूछने वाले बद्दू से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ातुर रिक़ा के अभियान में “मेरी घोड़ी के पेट में क्या है?” पूछने वाले बद्दू से आप ने कहा कि ग़ैब का ज्ञान अल्लाह को है, फिर ख़बर दी कि उसके चेहरे पर एक घाव निकलेगा, और ऐसा ही हुआ।

ज़ातुर रिक़ा, हिजरी 4–5 (626 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

798. फाँसी दिए जाते समय ख़ुबैब बिन अदी ने बद-दुआ की: “ऐ अल्लाह, इन्हें एक-एक करके...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

फाँसी दिए जाते समय ख़ुबैब बिन अदी ने बद-दुआ की: “ऐ अल्लाह, इन्हें एक-एक करके गिन ले, इन्हें बिखरी हालत में मार, इनमें से किसी को न छोड़”; बद-दुआ के डर से ज़मीन पर लेट जाने वाले एक व्यक्ति को छोड़कर वहाँ मौजूद सब एक वर्ष पूरा होने से पहले मर गए।

रजीअ के बाद, हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 366 (Recî' gazvesindeki âyetler)

799. नख़्ल में (जुहैना से युद्ध में) ज़ुहर की नमाज़ पढ़ी जा रही थी, तब हमले का अवसर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

नख़्ल में (जुहैना से युद्ध में) ज़ुहर की नमाज़ पढ़ी जा रही थी, तब हमले का अवसर चूक गए मुशरिकों ने “इनके लिए इनकी संतान से भी प्रिय एक और नमाज़ आएगी” कहकर अस्र में हमला करने की योजना बनाई; जिब्रील ने इसकी ख़बर दी और आप ने सलातुल ख़ौफ़ (भय की नमाज़) पढ़ाई।

ज़ातुर रिक़ा / नख़्ल, लगभग हिजरी 4 (626 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 371 (Zâtürrikā' gazvesindeki âyetler)

800. ज़ातुर रिक़ा से लौटते समय एक ऊँट दौड़कर आया और आप के सामने खड़ा हो गया; आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ातुर रिक़ा से लौटते समय एक ऊँट दौड़कर आया और आप के सामने खड़ा हो गया; आप ने बताया कि वह शिकायत कर रहा है कि वर्षों तक हल चलवाने के बाद उसका मालिक उसे ज़बह करना चाहता है; आप ने जाबिर को उसके मालिक के पास भेजा, और ऊँट आगे-आगे चलकर अपने मालिक के दरवाज़े पर जा खड़ा हुआ।

ज़ातुर रिक़ा, लगभग हिजरी 4 (626 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 373 (Zâtürrikā' gazvesindeki âyetler)

801. उम्मुल फ़ज़्ल बिंत हारिस ने कहा: “मैंने देखा कि आप के शरीर का एक टुकड़ा काटकर...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मुल फ़ज़्ल बिंत हारिस ने कहा: “मैंने देखा कि आप के शरीर का एक टुकड़ा काटकर मेरी गोद में रख दिया गया”; आप ने इसकी ताबीर की: “तुमने भला देखा; इंशा अल्लाह फ़ातिमा एक बेटे को जन्म देंगी, वह तुम्हारी गोद में होगा”; फ़ातिमा ने हुसैन को जन्म दिया और उम्मुल फ़ज़्ल ने उन्हें क़ुसम के दूध से पिलाया।

ख़बर और पूर्ति: हुसैन का जन्म, हिजरी 4 (626 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 325-326 (Hüseyin b. Ali'nin öldürüleceğini haber vermesi)

802. अली की माँ फ़ातिमा बिंत असद की मृत्यु पर आप ने उन्हें अपनी क़मीज़ का कफ़न...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली की माँ फ़ातिमा बिंत असद की मृत्यु पर आप ने उन्हें अपनी क़मीज़ का कफ़न दिलवाया और उनकी क़ब्र में उतरे; क़ब्र में आप ने “ऐ फ़ातिमा” पुकारा, तो उन्होंने कहा: “लब्बैक या रसूलल्लाह”, और आप के प्रश्न “जिसकी मैंने तुम्हारे लिए ज़मानत दी थी, क्या तुमने वह देखा?” पर उत्तर दिया: “हाँ”; आप ने बताया कि आप ने उनके लिए अल्लाह से माँगा है कि उनका सतर न खुले, वे मुनकर और नकीर को न देखें, उनकी क़ब्र चौड़ी की जाए और वे अपने कफ़नों के साथ उठाई जाएँ।

लगभग हिजरी 4 (625–626 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 90-91 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

803. बनू नज़ीर की हत्या की साज़िश के बाद यहूदी किनाना बिन सूरिया ने अपनी क़ौम से कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू नज़ीर की हत्या की साज़िश के बाद यहूदी किनाना बिन सूरिया ने अपनी क़ौम से कहा कि वह जानता है कि साज़िश की ख़बर आप को दे दी गई है, कि आप वही अंतिम नबी हैं जिनका जन्मस्थान तौरात में मक्का और हिजरत की जगह यसरिब लिखी है, और आप के गुण उनकी किताबों से अक्षरशः मिलते हैं; उसने उन्हें मुसलमान होने की सलाह दी और पहले ही बता दिया कि वे अपने घर छोड़कर निकल जाएँगे।

बनू नज़ीर, रबीउल अव्वल हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kinâne b. Suriya'nın Benî Nadîr Yahudîlerini Uyarışı ve Öğütleyişi" (kitabın dipnotu: Vâkidî, Megâzî, c:1, s:365-366)

---

804. बनू नज़ीर के यहूदियों के विद्वान सल्लाम बिन मिश्कम ने युद्ध पर अड़े हुयय बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू नज़ीर के यहूदियों के विद्वान सल्लाम बिन मिश्कम ने युद्ध पर अड़े हुयय बिन अख़तब के सामने स्वीकार किया: “तुम भी, तुम्हारे साथ वाले भी, हम सब जानते हैं कि मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं; उनके गुण हमारे पास की किताबों में मौजूद हैं; हम केवल ईर्ष्या के कारण और इस आशा में उनका अनुसरण नहीं करते कि अंतिम नबी बनू हारून से निकलें।”

बनू नज़ीर, रबीउल अव्वल हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Sellâm b. Mişkem'in Huyey'e Tehditte ve Uyarıda Bulunuşu" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:1, s:368-370)

---

805. ज़ातुर रिक़ा से लौटते समय आप ने जाबिर से जो ऊँट ख़रीदा, उसकी क़ीमत के रूप में...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ज़ातुर रिक़ा से लौटते समय आप ने जाबिर से जो ऊँट ख़रीदा, उसकी क़ीमत के रूप में बिलाल के हाथों (कुछ अधिक के साथ) दिलवाया गया एक ऊक़िया जाबिर के पास बढ़ता ही रहा, और उसकी बरकत हर्रा की घटना तक उनके घर में दिखाई देती रही।

घटना: ज़ातुर रिक़ा से वापसी, हिजरी 4 (एक मत के अनुसार हिजरी 7); बरकत: हर्रा की घटना (हिजरी 63 / 683 ईस्वी) तक

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Câbir b. Abdullah'ın Yorulup Hızlandırılan Devesinin Satın Alınıp Kendisine Bağışlanışı" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbnHişam, Sîre, c:3, s:217; Müslim, Sahih, c:2, s:1222; Buhârî, Sahih, c:3, s:15; c: 6, s:194); Kütüb-i Sitte: Buhârî 2718, 2967; Müslim 715 (fazlalığın Harre'ye kadar saklanması Müslim'in rivayetinde) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 278]

---

806. जब बनू नज़ीर नबी ﷺ पर चट्टान गिराने की साज़िश पर बात कर रहे थे, तो यहूदी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब बनू नज़ीर नबी ﷺ पर चट्टान गिराने की साज़िश पर बात कर रहे थे, तो यहूदी विद्वान सल्लाम बिन मिश्कम ने चेतावनी दी: “अगर तुमने ऐसा कुछ करने की कोशिश की, तो उन्हें वह्य से इसकी ख़बर दे दी जाएगी; यहूदियों की जड़ उखड़ जाएगी और इस्लाम क़यामत तक बना रहेगा”, और सचमुच जिब्रील के द्वारा आप को साज़िश की ख़बर दे दी गई।

बनू नज़ीर, रबीउल अव्वल हिजरी 4 (625 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Sellâm b. Mişkem'in Benî Nadîr Yahudîlerini Uyarışı" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s:364-366; Ebu Nuaym , Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:489-490; İbn İshak-İbn Hişam, Sire, c:3, s:199; Taberi, Târih, c:3, s:37)

21 · हिजरत का पाँचवाँ वर्ष (626–627 ईस्वी): ख़ंदक़ और बनू क़ुरैज़ा

807. ख़ंदक़ के मौक़े पर खाने में बरकत

सहीह (प्रामाणिक) खाने से संबंधित मोजिज़े

ख़ंदक़ की खुदाई के दौरान जाबिर बिन अब्दुल्लाह ने थोड़ा-सा खाना तैयार किया और नबी ﷺ को कुछ और लोगों के साथ बुलाया। नबी ﷺ ने खुदाई करने वाले सभी लोगों को बुला लिया, और खाना सबके लिए काफ़ी हुआ और कुछ बच भी गया।

ग़ज़वा-ए-ख़ंदक़ (अल-ख़ंदक़), हिजरी 5

स्रोत Sahih al-Bukhari 4101

808. ज़ैनब से विवाह के वलीमे में उम्मे सुलैम द्वारा भेजे गए हैस (खजूर, घी और पनीर का...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ज़ैनब से विवाह के वलीमे में उम्मे सुलैम द्वारा भेजे गए हैस (खजूर, घी और पनीर का व्यंजन) के एक बर्तन ने लगभग 300 लोगों का पेट भर दिया।

हिजरी 5 (626–627 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.119, 134; 1000 Mucize no.251 (s.222); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 110 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 1. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 77-78; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 89; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 280; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 283; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 36; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 90; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mu'cizeli Düğün Ziyâfeti" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:8, s:104; Müslim, Sahih, c:2, s:1051.); Kütüb-i Sitte: Müslim, Nikah 87, (1428); Nesâî, Nikah 26; Buhârî, Nikâh 64 (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5615, c./s. 15/496-497]

809. जुवैरिया ने विवाह से पहले सपने में देखा कि चाँद यसरिब से आकर उनकी गोद में गिर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जुवैरिया ने विवाह से पहले सपने में देखा कि चाँद यसरिब से आकर उनकी गोद में गिर पड़ा।

हिजरी 5 (एक मत के अनुसार हिजरी 6)

स्रोत 1000 Mucize no.999 (s.813); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 391

810. मुरैसीअ से लौटते समय चली तेज़ हवा के बारे में आप ने बताया कि यह मदीना में एक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मुरैसीअ से लौटते समय चली तेज़ हवा के बारे में आप ने बताया कि यह मदीना में एक बड़े मुनाफ़िक़ की मौत का संकेत है।

हिजरी 5 (एक मत के अनुसार हिजरी 6)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.170; 1000 Mucize no.390 (s.380); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5900; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6500; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 391; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 313; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 116, 131; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 102; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 94; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kurayza oğulları Yahudî bilginlerinden münâfık olan Rafi' b.

Hureymile" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:174-175); Kütüb-i Sitte: Müslim 2782 (satırdaki künye)

---

811. अब्दुल्लाह बिन उबई द्वारा पीठ पीछे कही गई बातें वह्य से बता दी गई (ज़ैद बिन...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन उबई द्वारा पीठ पीछे कही गई बातें वह्य से बता दी गईं (ज़ैद बिन अरक़म की पुष्टि)।

हिजरी 5 (एक मत के अनुसार हिजरी 6)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.160; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (Zeyd b. Erkam; satırdaki künye)

---

812. मुस्तलिक़ (मुरैसीअ) के ग़ज़वे में नबूवत के अन्य निशान भी देखे गए

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुस्तलिक़ (मुरैसीअ) के ग़ज़वे में नबूवत के अन्य निशान भी देखे गए।

हिजरी 5

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.152

---

813. ख़ंदक़ खोदते समय जिस बड़ी चट्टान पर कुदालें काम नहीं कर रही थीं, वह आप के तीन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ खोदते समय जिस बड़ी चट्टान पर कुदालें काम नहीं कर रही थीं, वह आप के तीन वारों से रेत की तरह बिखर गई।

शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.40; 1000 Mucize no.93 (s.68); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5877; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 447; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 325; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 381-382; c. 18, s. 32; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 152; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 103-104; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Hendekte Parçaladığı Kaya Münasebetiyle Verdiği Fütûhât Müjdesi" (kitabın dipnotu: Beyhaki, Delâil, c:3, s:419 / İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:3, s:230; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:4, s:99-102; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:303; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:450); Kütüb-i Sitte: Buharî, Megazî 29, Cihad 188; Müslim, Eşribe 141, (2039); Buhârî 4101 (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5596, c./s. 15/447-448]

---

814. चट्टान पर हर वार से निकली चमक में आप को शाम, फ़ारस और यमन की विजय दिखाई गई

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

चट्टान पर हर वार से निकली चमक में आप को शाम, फ़ारस और यमन की विजय दिखाई गई।

ख़बर: हिजरी 5; पूर्ति: हिजरी 10–16

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.40; 1000 Mucize no.138-141 (s.118); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 377; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 244; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 169-171; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Hendekte Parçaladığı Kaya Münasebetiyle Verdiği Fütûhât Müjdesi" (kitabın dipnotu: Beyhaki, Delâil, c:3, s:419 / İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:3, s:230; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:4, s:99-102; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:303; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:450); Kütüb-i Sitte: Nesâî 3176 (satırdaki künye)

815. ख़ंदक़ के दिन जाबिर के एक सा जौ और बकरी के एक बच्चे से हज़ार लोगों का पेट भर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ के दिन जाबिर के एक सा जौ और बकरी के एक बच्चे से हज़ार लोगों का पेट भर गया; हाँडी और आटा कम नहीं हुए।

शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.49; İbn Kesîr s.42; 19. Mektup listesi (183.txt) no.8, 62, 63, 123; 1000 Mucize no.40 (s.52); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5877; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 109 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 5. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 376; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 429, 458; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 276; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 232-233; c. 18, s. 24-26, 33-34, 36; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 27; c. 1, s. 152-154; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 80; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 89-90; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 50-51, no. 17/6; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buharî, Megazî 29, Cihad 188; Müslim, Eşribe 141, (2039) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5596, c./s. 15/447-448]

816. ख़ंदक़ में बशीर बिन साद की बेटी द्वारा लाई गई एक मुट्ठी खजूरें ख़ंदक़ के सभी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ में बशीर बिन साद की बेटी द्वारा लाई गई एक मुट्ठी खजूरें ख़ंदक़ के सभी लोगों के लिए काफ़ी हो गईं।

शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.49; 1000 Mucize no.387 (s.376); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 116 — Delâilü'n-nübüvve: hurmanın çoğalması; Questions on Islam, "The Miracles Concerning the Increase in Food and Drink"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 380; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 99; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 286; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 234; c. 18, s. 31, 35; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 110; c. 1, s. 123; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 89; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Bir Avuç Hurmanın İslâm Ordusunu Doyuruşu" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c: 3, s:228-229)

817. अहज़ाब के विरुद्ध आप की दुआ पर हवा और न दिखने वाली सेनाएँ भेजी गई और शत्रु...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अहज़ाब के विरुद्ध आप की दुआ पर हवा और न दिखने वाली सेनाएँ भेजी गईं और शत्रु तितर-बितर हो गया।

शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.60, 90; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 380; c. 1, s. 382; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 399, 450; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 276-277; c. 18, s. 67; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 156; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 70; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 316-317; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Yardım Mû'cizeleri" (kitabın dipnotu: Âl-i İmrân:123-127; Ahzâb: 9) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "6-DEHŞETLİ RÜZGÂR VE FIRTINALARLA YAPILAN İLÂHÎ DESTEKLER VE YARDIM MU'CİZELERİ > Dehşetli Bir Rüzgârın Esmeye Başlayıp Müşrikleri Tedirgin ve Perişan Edişi" (kitabın dipnotu: Ahzab: 9 / İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:3, s:243; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:490; İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:69; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:2, s:653, 654); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (İbn Ebî Evfâ; satırdaki künye)

818. कड़ाके की सर्द रात में आप ने जिन हुज़ैफ़ा को शत्रु के शिविर में भेजा, उन्हें...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

कड़ाके की सर्द रात में आप ने जिन हुज़ैफ़ा को शत्रु के शिविर में भेजा, उन्हें लौटने तक ऐसी गर्मी महसूस होती रही मानो हम्माम में चल रहे हों।

शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.81; 1000 Mucize no.152 (s.132); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 381; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 157; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Huzeyfe b. Yeman'ın Beyaz Sarıklı Süvârîlere Rastlayışı + Dehşetli Bir Rüzgârın Esmeye Başlayıp Müşrikleri Tedirgin ve Perişan Edişi" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:3, s:1414 / İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:71 / Müslim, Sahih, c:3, s.1414; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:4, s:114; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:489; Hâkim, Müstedrek, c.3, s.31; Ebu Nuaym, Delâil, c:2, s:501 / İbn Hacer, Metâlibu'l-âliye, c:4, s:226 / Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c.4, s.115; Müslim, Sahih, c.3, s.1414; İbn Hacer, Metâlib, c.4, s.228; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c.3, s.243; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:489; Hâkim, Müstedrek, c.3, s.31; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c.2, s.652 / İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:3, s:243; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:490; İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:69; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:2, s:653, 654); Kütüb-i Sitte: Müslim (Huzeyfe; satırdaki künye)

---

819. आप ने फ़रमाया: “अब से हम उन पर चढ़ाई करेंगे, वे हम पर नहीं आ सकेंगे”, और ऐसा ही...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “अब से हम उन पर चढ़ाई करेंगे, वे हम पर नहीं आ सकेंगे”, और ऐसा ही हुआ।

शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.91; 19. Mektup listesi (183.txt) no.113; 1000 Mucize no.155 (s.136); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5879; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 603; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 318; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 132; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megâzî 29 (4109-4110) (satırdaki künye)

---

820. क़ुरैज़ा के दिन सहाबा ने जिब्रील को दिह्या के रूप में (उनके घोड़े की धूल के साथ) देखा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरैज़ा के दिन सहाबा ने जिब्रील को दिह्या के रूप में (उनके घोड़े की धूल के साथ) देखा।

ज़ुलक़ादा हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.103; Beyhakî, Delâil c.5 s.389; 1000 Mucize no.838 (s.702); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5881; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 384; Kütüb-i Sitte: Buhârî 4118 (satırdaki künye)

---

821. घायल साद बिन मुआज़ की दुआ “क़ुरैज़ा के बारे में मेरी आँखें ठंडी किए बिना मेरी...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

घायल साद बिन मुआज़ की दुआ “क़ुरैज़ा के बारे में मेरी आँखें ठंडी किए बिना मेरी जान न लेना” क़बूल हुई; उनके फ़ैसले के बाद उनका घाव खुल गया।

हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.130; 1000 Mucize no.190 (s.169); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 387; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megazî 30, Cihad 18; Müslim, Cihâd 67, (1769); Ebu Dâvud, Cenâiz 8, (3101); Nesâî, Mesâcid 18; Tirmizî, Siyer 28, (1582) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4261, c./s. 12/149-150; no. 4262, c./s. 12/150-151]

822. अबू राफ़ेअ के सरिय्या में जिन अब्दुल्लाह बिन अतीक की टाँग टूट गई थी, आप ने उस...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू राफ़ेअ के सरिय्या में जिन अब्दुल्लाह बिन अतीक की टाँग टूट गई थी, आप ने उस पर हाथ फेरा तो वह ऐसी हो गई मानो कभी दर्द ही न हुआ हो।

हिजरी 5–6 (627 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.139; İbn Kesîr s.80; 1000 Mucize no.144 (s.124), no.232 (s.204); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5876; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 587; Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 390; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 197, 465; IslamHouse, The Miracles of Muhammad; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 294; c. 18, s. 40-41; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 506; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 102; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 333; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megâzî 16, Cihad 155 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4243, c./s. 12/115]

823. बद्र में मुशरिकों की सफ़ों में मौजूद क़बास बिन अश्यम लैसी ने मन में कहा था...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बद्र में मुशरिकों की सफ़ों में मौजूद क़बास बिन अश्यम लैसी ने मन में कहा था: “मैंने ऐसा कभी नहीं देखा, स्त्रियों के सिवा सब भाग गए”; ख़ंदक़ के बाद जब वे मुसलमान होने आए, तो आप ने यह बात उन्हें ज्यों की त्यों बता दी।

ख़ंदक़ के बाद, लगभग हिजरी 5 (627 ईस्वी); जिस कथन की ख़बर दी गई: बद्र, हिजरी 2 (624 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.444; 1000 Mucize no.384 (s.371); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14066; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 343-344; ayrıca: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c. 8, s. 287, no. 14066

824. ख़ंदक़ में तीर से घायल करने वाले इब्नुल अरिक़ा के लिए साद बिन मुआज़ ने बद-दुआ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ में तीर से घायल करने वाले इब्नुल अरिक़ा के लिए साद बिन मुआज़ ने बद-दुआ की: “अल्लाह तेरा चेहरा आग में झोंके।”

ख़ंदक़, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.189 (s.169)

825. ख़ंदक़ खोदते समय भूख से पेट पर पत्थर बाँधे सहाबा के साथ आप एक व्यक्ति के घर गए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ खोदते समय भूख से पेट पर पत्थर बाँधे सहाबा के साथ आप एक व्यक्ति के घर गए और ज़बह किए गए बकरी के बच्चे और रोटी से बने खाने में अपनी उँगलियाँ डालकर बरकत की दुआ की; सब का पेट भर जाने के बावजूद खाना केवल एक-तिहाई कम हुआ, फिर दस और लोगों का पेट भरा।

ख़ंदक़, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.388 (s.377)

826. मुरैसीअ के अभियान में आप की ऊँटनी खो गई, तो अंसार के बीच एक मुनाफ़िक़ ने कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुरैसीअ के अभियान में आप की ऊँटनी खो गई, तो अंसार के बीच एक मुनाफ़िक़ ने कहा: “अल्लाह इन्हें इनकी ऊँटनी की जगह क्यों नहीं बताता?”; वहाँ मौजूद न होते हुए भी आप ने उसकी यह बात बता दी और बताया कि ऊँटनी आगे की घाटी में है और उसकी नकेल एक पेड़ में फँसी है; इस पर वह व्यक्ति सच्चे दिल से ईमान ले आया।

मुरैसीअ (बनू मुस्तलिक़) का ग़ज़वा, लगभग हिजरी 5–6 (627 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.391 (s.380); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 391; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 116; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 102

---

827. ख़ंदक़ खोदते समय उम्मे आमिर अशहलिय्या ने उम्मे सलमा के पास वाले आप के ख़ेमे में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ खोदते समय उम्मे आमिर अशहलिय्या ने उम्मे सलमा के पास वाले आप के ख़ेमे में खाने की एक थाली भेजी; उम्मे सलमा के खाने के बाद आप ने बचा हुआ बाहर निकलवाया और शाम के खाने के लिए बुलवाया; ख़ंदक़ खोदने वाले सब लोगों का पेट भर गया और खाना कम नहीं हुआ।

ख़ंदक़, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.891 (s.742); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 377

---

828. अहज़ाब (ख़ंदक़) के दिन “मैं मुहम्मद को मार डालूँगा” कहने वाले बनू मुग़ीरा के एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अहज़ाब (ख़ंदक़) के दिन “मैं मुहम्मद को मार डालूँगा” कहने वाले बनू मुग़ीरा के एक व्यक्ति ने अपना घोड़ा ख़ंदक़ की ओर दौड़ाया, तो वह उसमें गिर पड़ा और उसका घुटना टूट गया; मुशरिकों ने उसकी लाश के लिए जो दियत पेश की, उसे आप ने यह कहकर ठुकरा दिया: “वह भी नापाक है और उसकी दियत भी नापाक।”

ख़ंदक़, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.910 (s.751); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 380; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 68; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Cihâd 35, (1715) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1076]

---

829. बनू मुस्तलिक़ के ग़ज़वे में बंदी बनाई गई अपनी बेटी जुवैरिया का फ़िदया लेकर आए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू मुस्तलिक़ के ग़ज़वे में बंदी बनाई गई अपनी बेटी जुवैरिया का फ़िदया लेकर आए हारिस से आप ने उन दो सबसे प्यारे ऊँटों के बारे में पूछा जिन्हें उसने अक़ीक़ में छिपा रखा था; यह कहते हुए कि इसे अल्लाह के सिवा कोई नहीं जानता था, हारिस मुसलमान हो गए।

बनू मुस्तलिक़ का ग़ज़वा, हिजरी 5–6 (627 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.932 (s.767); web: Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 392

---

830. ख़ंदक़ में द्वंद्व की चुनौती देने वाले अम्र बिन अब्दे वुद्द के सामने निकले अली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ में द्वंद्व की चुनौती देने वाले अम्र बिन अब्दे वुद्द के सामने निकले अली को आप ने अपनी तलवार दी और दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसके विरुद्ध इसकी सहायता कर”; अली ने अम्र को मार डाला और उसके साथी भाग गए।

ख़ंदक़, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.947 (s.774); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 383

---

831. ख़ंदक़ के ग़ज़वे में शत्रु के वार से जिन अली बिन हकम का पैर टूट गया था, आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ के ग़ज़वे में शत्रु के वार से जिन अली बिन हकम का पैर टूट गया था, आप ने उस पर हाथ फेरा; वे उसी क्षण ठीक हो गए और घोड़े से उतरे तक नहीं।

शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 5. misal (s. 206)

---

832. ख़ंदक़ से लौटकर जब आप हथियार रखकर नहा चुके, तो जिब्रील धूल भरे सिर के साथ आए और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ से लौटकर जब आप हथियार रखकर नहा चुके, तो जिब्रील धूल भरे सिर के साथ आए और कहा: “क्या आप ने हथियार रख दिए? अल्लाह की क़सम, हमने नहीं रखे; उनकी ओर निकलिए”, और बनू क़ुरैज़ा की ओर इशारा किया (आइशा की रिवायत)।

ख़ंदक़ के बाद, ज़ुलक़ादा हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5880

---

833. ख़ंदक़ में अस्र की नमाज़ का समय निकल जाने पर सूरज लौटा दिया गया और अस्र अपने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ में अस्र की नमाज़ का समय निकल जाने पर सूरज लौटा दिया गया और अस्र अपने समय पर पढ़ी गई।

ख़ंदक़, शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

---

834. ख़ंदक़ के दिन जाबिर के घर की दावत के दौरान एक-दूसरे की मौत का कारण बने उनके दो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ के दिन जाबिर के घर की दावत के दौरान एक-दूसरे की मौत का कारण बने उनके दो छोटे बेटे आप की दुआ से ज़िंदा कर दिए गए।

ख़ंदक़, शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

---

835. साद बिन मुआज़ की मृत्यु होने पर आप यह कहते हुए इतनी तेज़ी से उनके घर गए कि आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद बिन मुआज़ की मृत्यु होने पर आप यह कहते हुए इतनी तेज़ी से उनके घर गए कि आप की चप्पल का फीता टूटने को था: “मुझे डर हुआ कि जिस तरह फ़रिश्तों ने हंज़ला को नहलाया, उसी तरह उन्हें नहलाने में भी वे हमसे आगे निकल जाएँगे।”

बनू क़ुरैज़ा के बाद, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 358 (Uhud gazvesindeki âyetler)

---

836. अहज़ाब की रात लौटते समय हुज़ैफ़ा का सामना लगभग बीस घुड़सवारों (फ़रिश्तों) से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अहज़ाब की रात लौटते समय हुज़ैफ़ा का सामना लगभग बीस घुड़सवारों (फ़रिश्तों) से हुआ, जिन्होंने कहा: “अपने स्वामी को ख़बर दो: अल्लाह उनके शत्रु के मुक़ाबले में उनके लिए काफ़ी हो गया।”

ख़ंदक़, शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 381 (Hendek gazvesindeki âyetler)

---

837. अहज़ाब की मस्जिद (मस्जिदे फ़त्ह) में आप ने सोमवार, मंगलवार और बुधवार को दुआ की...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अहज़ाब की मस्जिद (मस्जिदे फ़त्ह) में आप ने सोमवार, मंगलवार और बुधवार को दुआ की, और बुधवार को दो नमाज़ों के बीच आप की दुआ क़बूल हुई; जाबिर बाद में अपने महत्वपूर्ण कामों में उसी समय की प्रतीक्षा करके दुआ करते और उत्तर पाते।

ख़ंदक़, शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 382 (Hendek gazvesindeki âyetler)

---

838. क़ुरैज़ा के दिन उम्मे सलमा ने जिब्रील को काली पगड़ी बाँधे देखा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ुरैज़ा के दिन उम्मे सलमा ने जिब्रील को काली पगड़ी बाँधे देखा।

बनू क़ुरैज़ा, ज़ुलक़ादा हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 385 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

---

839. क़ुरैज़ा की घेराबंदी में अल्लाह ने तीन हज़ार फ़रिश्तों से सहायता की और विजय...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ुरैज़ा की घेराबंदी में अल्लाह ने तीन हज़ार फ़रिश्तों से सहायता की और विजय आसान हो गई।

बनू क़ुरैज़ा, ज़ुलक़ादा हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 386 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

---

840. अपने लिए चुनी गई रैहाना बिंत अम्र के इस्लाम की ओर न झुकने पर आप दुखी हुए; सहाबा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने लिए चुनी गई रैहाना बिंत अम्र के इस्लाम की ओर न झुकने पर आप दुखी हुए; सहाबा के साथ बैठे हुए आप ने पीछे से चप्पलों की आवाज़ सुनी और फ़रमाया: “यह इब्ने सअया के क़दमों की आहट है; वह मुझे रैहाना के मुसलमान होने का शुभ समाचार देने आ रहा है”, और ऐसा ही निकला।

बनू क़ुरैज़ा के बाद, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 386 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

841. क़ुरैज़ा के सरदार कअब बिन असद ने घेराबंदी में अपनी क़ौम से कहा: “अल्लाह की...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ुरैज़ा के सरदार कअब बिन असद ने घेराबंदी में अपनी क़ौम से कहा: “अल्लाह की क़सम, तुम पर साफ़ हो चुका है कि वे भेजे हुए नबी हैं, वही व्यक्ति जिनका वर्णन तुम तौरात में पाते हो”; उसकी क़ौम ने यह कहकर मना कर दिया: “हम तौरात का हुक्म नहीं छोड़ेंगे।”

बनू क़ुरैज़ा, ज़ुलक़ादा हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 387 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

842. जिस रात साद बिन मुआज़ की मृत्यु हुई, जिब्रील रेशमी पगड़ी बाँधे आए और पूछा: “यह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जिस रात साद बिन मुआज़ की मृत्यु हुई, जिब्रील रेशमी पगड़ी बाँधे आए और पूछा: “यह मरने वाला नेक बंदा कौन है जिसके लिए आसमान के दरवाज़े खोल दिए गए और अर्श काँप उठा?”; आप ने बताया कि वह साद हैं, और ख़बर दी कि उनके जनाज़े में सत्तर हज़ार फ़रिश्ते शामिल हुए।

बनू क़ुरैज़ा के बाद, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 388 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

843. साद बिन मुआज़ का ढका हुआ शव जिस घर में था, जिसमें कोई और दिखाई नहीं देता था...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद बिन मुआज़ का ढका हुआ शव जिस घर में था, जिसमें कोई और दिखाई नहीं देता था, उसमें आप (भीड़ हो ऐसे) संभल-संभलकर क़दम रखते हुए गए और सलमा बिन असलम को रुकने का इशारा किया।

बनू क़ुरैज़ा के बाद, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 388 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

844. भारी-भरकम साद बिन मुआज़ का जनाज़ा बहुत हल्का लगा, तो मुनाफ़िक़ों ने बातें...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

भारी-भरकम साद बिन मुआज़ का जनाज़ा बहुत हल्का लगा, तो मुनाफ़िक़ों ने बातें बनाईं; आप ने फ़रमाया: “उन्हें ऐसे सत्तर हज़ार फ़रिश्तों ने उठाया जो इससे पहले कभी धरती पर नहीं उतरे थे।”

बनू क़ुरैज़ा के बाद, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 389 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

845. साद बिन मुआज़ की क़ब्र खोदते समय हर कुदाल पर कस्तूरी की सुगंध फैलती; उनकी क़ब्र...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद बिन मुआज़ की क़ब्र खोदते समय हर कुदाल पर कस्तूरी की सुगंध फैलती; उनकी क़ब्र से ली गई एक मुट्ठी मिट्टी बाद में कस्तूरी बनी हुई पाई गई।

बनू क़ुरैज़ा के बाद, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 389 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

846. साद बिन मुआज़ को दफ़न करते समय आप ने क़ब्र में उनका हाल बताया: “क़ब्र ने साद को...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

साद बिन मुआज़ को दफ़न करते समय आप ने क़ब्र में उनका हाल बताया: “क़ब्र ने साद को एक बार भींचा, फिर अल्लाह ने उन्हें कुशादगी दी।”

बनू क़ुरैज़ा के बाद, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 389 (Benî Kurayza gazvesindeki âyetler)

847. मुरैसीअ में मुसलमानों की सेना बनू मुस्तलिक़ को अजेय भीड़ के रूप में दिखाई दी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुरैसीअ में मुसलमानों की सेना बनू मुस्तलिक़ को अजेय भीड़ के रूप में दिखाई दी; जुवैरिया ने बाद में समझा कि यह अल्लाह का डाला हुआ भय था, और मुसलमान हुए लोगों ने कहा: “हम चितकबरे घोड़ों पर ऐसे सफ़ेद लोग देख रहे थे जिन्हें हमने न पहले देखा न बाद में।”

मुरैसीअ (बनू मुस्तलिक़), हिजरी 5–6 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 391 (Benî Mustalik gazvesindeki âyetler)

848. इफ़्क की घटना में एक महीने तक वह्य न आने के बाद आइशा की निर्दोषता सूरह अन-नूर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इफ़्क की घटना में एक महीने तक वह्य न आने के बाद आइशा की निर्दोषता सूरह अन-नूर की आयतों (दस/अठारह आयतों) से आसमान से बता दी गई; वह्य की हालत से निकलकर आप ने फ़रमाया: “शुभ समाचार हो आइशा, अल्लाह ने तुम्हें निर्दोष ठहराया।”

इफ़्क (तोहमत) की घटना, हिजरी 5–6 (627 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 392 (İfk hadisi)

849. ख़ंदक़ के दिन आप ने अपने सहाबा से कहा: “आज तुम कम हो तो बढ़ जाओगे, कमज़ोर हो तो...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ के दिन आप ने अपने सहाबा से कहा: “आज तुम कम हो तो बढ़ जाओगे, कमज़ोर हो तो चमक उठोगे; तुम ऐसे तारे बनोगे जिनसे और तुम में से किसी एक से लोग राह पाएँगे”, और ऐसा ही हुआ।

ख़बर: ख़ंदक़, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 66 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

850. युद्ध के दिन जिस पर नींद तारी हो गई और जो सुबह तक सोता रहा, वह मुग़ीरा बिन अबिल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

युद्ध के दिन जिस पर नींद तारी हो गई और जो सुबह तक सोता रहा, वह मुग़ीरा बिन अबिल आस उस्मान के घर में छिप गया; आप ने उसे तीन दिन की मोहलत दी; जब उस व्यक्ति की सवारी, जूते और पैर घिसकर छलनी हो गए और वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया, तो फ़रिश्ते ने उसका ठिकाना बता दिया, और आप ने ज़ैद और ज़ुबैर को “वह अमुक जगह है” कहकर भेजा और उसे पकड़वा लिया।

मदनी दौर (पाठ में ख़ंदक़ का दिन; हिजरी 3–5)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 94-95 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

851. बनू क़ुरैज़ा की घेराबंदी में क़िले के आसपास घने खजूर के बाग़ों के कारण सेना को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू क़ुरैज़ा की घेराबंदी में क़िले के आसपास घने खजूर के बाग़ों के कारण सेना को ठहरने की जगह न मिली, तो आप ने बाग़ के बीच के रास्ते पर खड़े होकर हाथ से दाएँ और बाएँ इशारा किया; खजूर के पेड़ दोनों ओर सिमट गए, जगह चौड़ी हो गई और सेना ठहर गई।

बनू क़ुरैज़ा, ज़ुलक़ादा हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 158 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

852. ख़ंदक़ में अबू सुफ़यान ने तीरंदाज़ों को इकट्ठा करके एक साथ तीर चलवाए, तो सहाबा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ में अबू सुफ़यान ने तीरंदाज़ों को इकट्ठा करके एक साथ तीर चलवाए, तो सहाबा ने तीरों की शिकायत की; आप ने अपनी आस्तीन से तीरों की ओर इशारा करके दुआ की, तो एक तेज़ हवा उठी, जिसने तीरों को लौटा दिया और हर तीर ने अपने चलाने वाले को घायल किया।

ख़ंदक़, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 67 (fasl fî hıfzillâhi lehû mine'l-müşrikîn ve keydi'ş-şeyâtîn)

---

853. ख़ंदक़ खोदते समय जब सब रजज़ गा रहे थे और सलमान चुप थे, तो आप ने उनके लिए दुआ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ खोदते समय जब सब रजज़ गा रहे थे और सलमान चुप थे, तो आप ने उनके लिए दुआ की: “ऐ अल्लाह, सलमान की ज़बान खोल दे, चाहे दो शेरों के लिए ही”; सलमान ने शेर कहे, और जब उनके वंश पर बहस हुई तो आप ने फ़रमाया: “सलमान हम में से हैं, अहले बैत में से हैं।”

ख़ंदक़, हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 19 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

---

854. बनू मुस्तलिक़ के ग़ज़वे में आप ने पानी में हाथ रखा तो आप की उँगलियों के बीच से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू मुस्तलिक़ के ग़ज़वे में आप ने पानी में हाथ रखा तो आप की उँगलियों के बीच से पानी फूट पड़ा; बड़ी सेना ने पिया, अपने पशुओं को पिलाया और पानी साथ भी ले लिया (अबू क़तादा की रिवायत)।

बनू मुस्तलिक़ (मुरैसीअ), हिजरी 5–6 (627 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 38 (Bâb 7: mübarek uzuvlarının bereketi, yiyecek ve içeceğin çoğalması)

---

855. बनू मुस्तलिक़ के अभियान में एक दुर्गम घाटी के पास पड़ाव की रात जिब्रील ने ख़बर...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

बनू मुस्तलिक़ के अभियान में एक दुर्गम घाटी के पास पड़ाव की रात जिब्रील ने ख़बर दी कि घाटी के काफ़िर जिन्न आप के सहाबा के विरुद्ध जाल बिछा रहे हैं; आप ने अली को सौ लोगों के साथ घाटी में भेजा; तेज़ हवा और आग की लपटें लिए आकृतियाँ अली के क़ुरआन पढ़ते हुए तलवार लेकर आगे बढ़ने पर धुआँ बनकर बिखर गईं; उनके लौटने पर आप ने फ़रमाया: “तुमसे डरने वालों में से कुछ आकर ईमान ले आए।”

बनू मुस्तलिक़, हिजरी 5–6 (627 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 84-85 (Bâb 9: cinler ve şeytanlar üzerindeki hâkimiyeti, bazı cinlerin imanı)

---

856. ख़ंदक़ खोदने पर निकली मिट्टी ने एक ऊँचा टीला बना दिया, तो आप ने जाबिर से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ खोदने पर निकली मिट्टी ने एक ऊँचा टीला बना दिया, तो आप ने जाबिर से फ़रमाया: “डरो मत, जल्द ही तुम एक निशानी देखोगे”; रात को एक बड़ा शोर और यह आवाज़ सुनाई दी: “मिट्टी को दूर ले जाओ, मुहम्मद की सहायता करो”, और सुबह होते-होते एक मुट्ठी मिट्टी भी नहीं बची थी।

ख़ंदक़, शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 366 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

---

857. ख़ंदक़ की घेराबंदी में कठिनाई बढ़ने पर आप ने अपने सहाबा को शुभ समाचार दिया कि...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ की घेराबंदी में कठिनाई बढ़ने पर आप ने अपने सहाबा को शुभ समाचार दिया कि कठिनाई दूर हो जाएगी, वे बिना डर के काबा का तवाफ़ करेंगे और उसकी कुंजियाँ लेंगे, और अल्लाह किसरा और क़ैसर को मिटा देगा और उनके ख़ज़ाने अल्लाह के रास्ते में ख़र्च होंगे; ये सब बातें पूरी हुईं।

ख़बर: ख़ंदक़, शव्वाल हिजरी 5 (627 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 8 (मक्का विजय) और हिजरी 15–31 (किसरा और क़ैसर का पतन)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Müslümanlara Ferahlatıcı Müjdeler Verişi" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:459-460)

22 · हिजरत का छठा वर्ष (627–628 ईस्वी): हुदैबिया

858. उस्फ़ान में ख़ालिद बिन वलीद की कमान वाले मुशरिकों की नमाज़ के समय हमला करने की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उस्फ़ान में ख़ालिद बिन वलीद की कमान वाले मुशरिकों की नमाज़ के समय हमला करने की नीयत वह्य से बता दी गई, और सलातुल ख़ौफ़ पढ़ी गई।

हिजरी 6 (627–628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.698; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 371; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd; Nesâî; Tirmizî; Müslim (satırın kaynağı) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2926, c./s. 9/253; no. 2928]

859. जुमे के ख़ुतबे में एक बद्दू के अनुरोध पर आप ने बारिश की दुआ की, तो एक सप्ताह तक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जुमे के ख़ुतबे में एक बद्दू के अनुरोध पर आप ने बारिश की दुआ की, तो एक सप्ताह तक बारिश होती रही; अगले जुमे को आप के “हवालैना” (हमारे आसपास, हम पर नहीं) कहने पर बादल छँट गए।

लगभग हिजरी 6 (निश्चित नहीं)

स्रोत İbn Kesîr s.25; Beyhakî, Delâil c.4 s.600; 19. Mektup listesi (183.txt) no.79; 1000 Mucize no.14 (s.22), no.308 (s.284); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3582; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 580; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 89 — Delâilü'n-nübüvve: semâvî mucizeler – istiskā; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 275; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 48-52, 394, 429; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 352-353; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Facts and Details, “Miracles of Muhammad”; IslamHouse, The Miracles of Muhammad; Djamduri–Malinda, Journal of Islamic Education 6/1 (2021); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 251, 276; c. 17, s. 354; c. 18, s. 14; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 58-59; c. 3, s. 905; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 72-73; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 316 (+1 kaynak daha: web_kaynaklari dosyasında); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mescidde Yağmur Duası Yapışı" (kitabın dipnotu: Mâlik, Muvatta', c:11, s:191;); Kütüb-i Sitte: Buhârî 1013, 3582; Müslim, İstiskā 8, (897) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3054]

860. हुदैबिया में आप की ऊँटनी क़सवा बैठ गई, तो आप ने फ़रमाया: “इसे उसी ने रोका है जिसने हाथी को रोका था”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया में आप की ऊँटनी क़सवा बैठ गई, तो आप ने फ़रमाया: “इसे उसी ने रोका है जिसने हाथी को रोका था।”

ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (मार्च 628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.216; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 398; Kütüb-i Sitte: Buharî, Şurût 15, 1, Hacc 106, Muhsar 3, Megâzî 35, Tefsir, Mümtahine 2; Ebu Dâvud, Cihad 168, (2765, 2766) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4266, c./s. 12/172-181]

861. हुदैबिया में सूखे कुएँ में आप ने अपना तीर गड़वाया / अपना वुज़ू का पानी डाला, तो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया में सूखे कुएँ में आप ने अपना तीर गड़वाया / अपना वुज़ू का पानी डाला, तो पानी उबल पड़ा और 1400 लोगों के लिए काफ़ी हो गया।

ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (मार्च 628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.231; İbn Kesîr s.29; 19. Mektup listesi (183.txt) no.31, 141, 144; 1000 Mucize no.27 (s.39), no.191 (s.171); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3577; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 576; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 94 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 5. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 398; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 59, 63; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 289; Facts and Details, “Miracles of Muhammad”; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 286; c. 18, s. 29-30, 37; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 58; c. 1, s. 123; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 91; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 325; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 45, no. 7/7; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Susuz Kuyudan Su Fışkırtılması Mu’cizesi" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:587-589; Zürkânî, Mevâhib, c:2, s:185; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:290; Ebu Nuaym, Delâilü, c:2, s:409, 410.); Kütüb-i Sitte: Buharî, Şurût 15; Buharî, Enbiya 25, Megazî 35; Müslim, Cihad 132, (1807) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4266, c./s. 12/172-181; no. 5593, c./s. 15/444; no. 4268, c./s. 12/191-197]

---

862. हुदैबिया में एक छोटे बर्तन के पानी में आप ने हाथ रखा तो आप की उँगलियों के बीच...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया में एक छोटे बर्तन के पानी में आप ने हाथ रखा तो आप की उँगलियों के बीच से पानी फूटने लगा; 1400–1500 लोगों ने पिया और वुज़ू किया।

ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (मार्च 628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.236, 250; İbn Kesîr s.27; 19. Mektup listesi (183.txt) no.6, 29; 1000 Mucize no.268 (s.243); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3576; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 574; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 95 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.11; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 406; c. 2, s. 67; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 63; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 294; Buhârî, Menâkıb, no 3576; Megāzî, no 4152; Eşribe, no 5639; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); IslamHouse, The Miracles of Muhammad; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 286; c. 18, s. 38; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 158; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 91; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 325; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 44, no. 6/6; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Parmağından Pınar Gibi Su Akıtması" (kitabın dipnotu: Buhârî, Sahih, c:5, s:63; Alâüddin Ali, Kenzü'l-ummâl, c:10, s:475, 476; Ahmedb. Hanbel, Müsned, c:3, s:153); Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıb 25, Megazî 35, Tefsir Feth 5, Eşribe 31; Müslim, İmaret 67, (1856) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5592, c./s. 15/444]

---

863. हुदैबिया के अभियान में ख़त्म हो चुका रास्ते का भोजन एक दस्तरख़्वान पर इकट्ठा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया के अभियान में ख़त्म हो चुका रास्ते का भोजन एक दस्तरख़्वान पर इकट्ठा किया गया और आप की दुआ से उसमें बरकत हुई; 1400 लोगों ने अपने बर्तन भर लिए (सलमा बिन अकवअ की रिवायत)।

ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (मार्च 628 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.121; web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 115 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması – azıkların toplanması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 3. misal; Yaqeen Institute, "The Physical Miracles of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-

Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 407; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 98; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 278; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 123-124; Kütüb-i Sitte: Müslim 1729

---

864. पेड़ के नीचे बैअत करने वालों को शुभ समाचार दिया गया कि अल्लाह उनसे राज़ी है और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

पेड़ के नीचे बैअत करने वालों को शुभ समाचार दिया गया कि अल्लाह उनसे राज़ी है और वे जहन्नम में नहीं जाएँगे।

ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (मार्च 628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.263; İbn Kesîr s.148; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezâilu's-Sahâbe 163, (2496); Ebû Dâvud, Sünnet 9, (4653); Tirmizî, Menâkıb, (3859) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4505, c./s. 13/64]

---

865. मस्जिदे हराम में सुरक्षित प्रवेश करने का आप का सपना एक वर्ष बाद पूरा हुआ

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मस्जिदे हराम में सुरक्षित प्रवेश करने का आप का सपना एक वर्ष बाद पूरा हुआ।

ख़बर: हिजरी 6; पूर्ति: ज़ुलक़ादा हिजरी 7 (629 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.276, 467; 1000 Mucize no.516 (s.529), no.983 (s.797); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 410; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 237; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 164, 253, 280; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 319-320; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 910; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Hz. Ömer ve Arkadaşlarına Son Cevabı + Ebu Ubeyde b. Cerrah'ın Hz. Ömer'i Öğütleyişi ve Hz. Ömer'in Davranışlarına Tevbe ve Nedâmet Edişi + Fetih Ve Umre Hakkındaki İlahî Vaadlerin Gerçekleşmesi" (kitabın dipnotu: Ebu Yusuf, Kitâbu'l-haraç, s:211; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:607-609 / Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:606-607; İbn Seyyid, Uyûnu'l-eser, c:2, s:119; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:49 / Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:731 / Feth: 27 / Ebu'l-Fidâ, el-Bidâye ve'n-nihâye, c:4, s:89,227); Kütüb-i Sitte: Buharî, Şurût 15, 1, Hacc 106, Muhsar 3, Megâzî 35; Ebu Dâvud, Cihad 168, (2765, 2766) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4266, c./s. 12/172-181]

---

866. सूरह अल-फ़त्ह में निकट विजय और बहुत-सी ग़नीमतों का वादा किया गया, जो ख़ैबर से पूरा हुआ

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-फ़त्ह में निकट विजय और बहुत-सी ग़नीमतों का वादा किया गया, जो ख़ैबर से पूरा हुआ।

ख़बर: हिजरी 6; पूर्ति: हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.276; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 409; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Fetih Ve Umre Hakkındaki İlahî Vaadlerin Gerçekleşmesi" (kitabın dipnotu: Feth: 27 / Ebu'l-Fidâ, el-Bidâye ve'n-nihâye, c:4, s:89,227); Kütüb-i Sitte: Ebu Dâvud, Cihâd 155, (2736), Harâc 24, (3015) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1101]

---

867. लबीद बिन आसम द्वारा किया गया जादू ज़रवान के कुएँ में होने की बात दो फ़रिश्तों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

लबीद बिन आसम द्वारा किया गया जादू ज़रवान के कुएँ में होने की बात दो फ़रिश्तों के द्वारा बताई गई और उसे निकाला गया।

हिजरी 6 का अंत – हिजरी 7 का आरंभ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.708; 19. Mektup listesi (183.txt) no.56, 104; 1000 Mucize no.370 (s.356); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5893; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Questions on Islam,

"His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 169-170; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 57, 69-71; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 34; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "2-MELEKLERLE YAPILAN İLÂHÎ DESTEKLER VE YARDIM MU'CİZELERİ (başlıksız paragraf, Huzeyfe bölümünden sonra)" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:196-198; Buhârî, Sahih, c:7, s:28, 29, Müslim, Sahih, c:4. S:1720); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Tıb 47, 49, 50; Müslim, Selâm 43, (2189) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2239, c./s. 8/194]

---

868. ज़ू क़रद के दिन मसअदा को मारने वाले अबू क़तादा के लिए आप ने दुआ की: "ऐ अल्लाह..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ू क़रद के दिन मसअदा को मारने वाले अबू क़तादा के लिए आप ने दुआ की: "ऐ अल्लाह, इसके बालों और त्वचा में बरकत दे", और उनके चेहरे के तीर के घाव पर फूँका; अबू क़तादा जब 70 वर्ष की आयु में मरे, तब उनका चेहरा 15 वर्ष के युवक जैसा था।

ज़ू क़रद का ग़ज़वा, लगभग हिजरी 6 (627 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.221 (s.199), no.957 (s.779); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 1. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 415; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ebu Katâde'nin Alnındaki Yarasının İyileştirilişi" (kitabın dipnotu: Belâzurî, Ensâbu 'l-eşrâf, c. 1, s. 348; Hâkim, Müstedrek, c. 3, s. 480; Vâkıdî, Megâzî, c.2, s. 537,55,544)

---

869. अब्दुल्लाह बिन रवाहा की कमान में 30 घुड़सवारों के साथ यहूदी बुशैर बिन रिज़ाम के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन रवाहा की कमान में 30 घुड़सवारों के साथ यहूदी बुशैर बिन रिज़ाम के पास भेजे गए अब्दुल्लाह बिन उनैस के चेहरे पर लगे वार के घाव पर आप ने थूका, तो घाव पूरी तरह भर गया।

अब्दुल्लाह बिन रवाहा का सरिय्या, लगभग हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.222 (s.200), no.394 (s.385); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü'l-bur' mine'l-cirâha, no 14102; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 117; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 102

---

870. आप को मारने के लिए अपने बेटों और पोतों में से तीस घुड़सवार मदीना भेजने की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप को मारने के लिए अपने बेटों और पोतों में से तीस घुड़सवार मदीना भेजने की तैयारी कर रही बनू फ़ज़ारा की उम्मे क़िरफ़ा के लिए आप ने बद-दुआ की: "ऐ अल्लाह, इसे इसकी संतान सहित नष्ट कर दे"; ज़ैद बिन हारिसा के दूसरे अभियान में उम्मे क़िरफ़ा और उसके बेटे मारे गए।

ज़ैद बिन हारिसा का बनू फ़ज़ारा (उम्मे क़िरफ़ा) पर सरिय्या, लगभग हिजरी 6 (627–628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.368 (s.354); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 429

---

871. हुदैबिया में तीस हथियारबंद युवक मुसलमानों पर चढ़ आए, तो आप ने उनके विरुद्ध दुआ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया में तीस हथियारबंद युवक मुसलमानों पर चढ़ आए, तो आप ने उनके विरुद्ध दुआ की और उनकी आँखों की रोशनी चली गई; पकड़े जाने के बाद यह पता चलने पर कि वे किसी की अमान में नहीं हैं, उन्हें छोड़ दिया गया और सूरह अल-फ़त्ह की आयत 24 उतरी।

हुदैबिया, हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.389 (PDF s.382); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 403; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 62; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 65; Kütüb-i Sitte: Müslim, Cihad 132, (1807) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4268, c./s. 12/191-197]

---

872. मदीना में मुसलमान होकर बीमार पड़ने पर ज़कात के ऊँटों के पास भेजे गए उक्ल और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मदीना में मुसलमान होकर बीमार पड़ने पर ज़कात के ऊँटों के पास भेजे गए उक्ल और उरैना के जिस समूह ने बाद में धर्म छोड़कर चरवाहे को मार डाला और ऊँट भगा ले गए, उनके लिए आप ने बद-दुआ की: “ऐ अल्लाह, इनके रास्ते भटका दे और इन पर रास्ता तंग कर दे”; वे रास्ता भूल गए, पकड़े गए और दंडित किए गए।

लगभग हिजरी 6 (628 ईस्वी), मदीना

स्रोत 1000 Mucize no.976 (s.789); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 397; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 68; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 71; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Muhâribin 16, 17, 18, Megâzî 36, Tıbb 5; Müslim, Kasâme 9, (1671) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1587, c./s. 6/193]

---

873. एक जलस्रोत के पास से गुज़रते हुए आप ने उसका नाम पूछा; लोगों ने कहा: “इसका नाम...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक जलस्रोत के पास से गुज़रते हुए आप ने उसका नाम पूछा; लोगों ने कहा: “इसका नाम बीसान है, इसका पानी खारा है”; आप ने फ़रमाया: “नहीं, इसका नाम नुमान है, इसका पानी मीठा है”, और पानी मीठा हो गया।

ज़ू क़रद का ग़ज़वा, हिजरी 6–7 (627–628 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

---

874. मुसलमान होने से पहले मुक़ौक़िस के पास गए मुग़ीरा बिन शुअबा से मुक़ौक़िस और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमान होने से पहले मुक़ौक़िस के पास गए मुग़ीरा बिन शुअबा से मुक़ौक़िस और क़िब्ती बिशप ने कहा कि उनकी किताबों में आख़िरी ज़माने के नबी के जो गुण हैं (सारे लोगों की ओर भेजा जाना, धरती का उनके लिए मस्जिद बनाया जाना आदि), वे मुहम्मद ﷺ पर पूरे उतरते हैं; इस पर मुग़ीरा लौटकर मुसलमान हो गए।

लगभग हिजरी 5–6 (626–627 ईस्वी), इस्कंदरिया

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 19-21, Mukavkıs'a mektup bâbı

---

875. अब्दुर्रहमान बिन औफ़ को दूमतुल जंदल भेजते समय आप ने फ़रमाया: “अगर वे तुम्हारी...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्दुर्रहमान बिन औफ़ को दूमतुल जंदल भेजते समय आप ने फ़रमाया: “अगर वे तुम्हारी बात मान लें, तो उनके सरदार की बेटी से शादी करना”; तीन दिन बाद ईसाई सरदार असबग़ बिन अम्र कल्बी मुसलमान हो गया और अब्दुर्रहमान ने उसकी बेटी

तुमाज़िर से शादी की।

दूमतुल जंदल का सरिय्या, शाबान हिजरी 6 (627–628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 397 (Dûmetülcendel seriyyesindeki âyet)

---

876. हुदैबिया के रास्ते में रात को सनिय्यतुल मुरार (ज़ातुल हंज़ल) दर्रे को पार करने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया के रास्ते में रात को सनिय्यतुल मुरार (ज़ातुल हंज़ल) दर्रे को पार करने वालों के लिए आप ने फ़रमाया: “लाल ऊँट वाले को छोड़कर तुम सब क्षमा कर दिए गए”; सुबह पता चला कि वह व्यक्ति (बनू ज़मरा का) एक बद्दू था जो अपना खोया ऊँट ढूँढ रहा था और कह रहा था: “मेरा ऊँट मिल जाना मेरे लिए तुम्हारे साथी की क्षमा-याचना से बेहतर है।”

हुदैबिया के रास्ते में, ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 403 (Hudeybiye yılındaki âyet ve mucizeler)

---

877. हुदैबिया में उस्मान को मक्का भेजते समय आप ने आदेश दिया कि वहाँ के मोमिन पुरुषों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया में उस्मान को मक्का भेजते समय आप ने आदेश दिया कि वहाँ के मोमिन पुरुषों और स्त्रियों को शुभ समाचार दें कि विजय निकट है और मक्का में इस्लाम का खुलकर पालन होगा; रिज़वान की बैअत के समय अल्लाह ने मुशरिकों के दिलों में भय डाल दिया, और उन्होंने बंदियों को छोड़कर संधि की माँग की।

हुदैबिया, ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (628 ईस्वी); शुभ समाचार की पूर्ति: हिजरी 8

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 408 (Hudeybiye yılındaki âyet ve mucizeler)

---

878. हुदैबिया में जब उन्होंने सिर मुँडवाए, तो अल्लाह ने एक तेज़ हवा भेजी जो उनके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया में जब उन्होंने सिर मुँडवाए, तो अल्लाह ने एक तेज़ हवा भेजी जो उनके बालों को उड़ाकर हरम में ले गई।

हुदैबिया, ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 409 (Hudeybiye yılındaki âyet ve mucizeler)

---

879. हुदैबिया में काबा तक पहुँचने से रोके गए सत्तर क़ुर्बानी के ऊँट, अपने बच्चे के...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया में काबा तक पहुँचने से रोके गए सत्तर क़ुर्बानी के ऊँट, अपने बच्चे के लिए तड़पती ऊँटनी की तरह, बैतुल्लाह की ओर मुँह करके कराहने लगे।

हुदैबिया, ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 409 (Hudeybiye yılındaki âyet ve mucizeler)

---

880. ज़ू क़रद में सलमा बिन अकवअ जब शत्रु का पीछा कर रहे थे, आप ने ख़बर दी: “इस समय...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ज़ू क़रद में सलमा बिन अकवअ जब शत्रु का पीछा कर रहे थे, आप ने ख़बर दी: “इस समय उनकी ग़तफ़ान के इलाक़े में मेहमाननवाज़ी हो रही है”; बाद में आए ग़तफ़ान के एक व्यक्ति ने इसकी पुष्टि की।

ज़ू क़रद का ग़ज़वा, हिजरी 6–7 (627–628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 414 (Zû Kared gazvesindeki âyetler)

---

881. मुशरिकों की बंदी बनी एक मुसलमान स्त्री रात को ऊँटों में से केवल अज़बा के बिना...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मुशरिकों की बंदी बनी एक मुसलमान स्त्री रात को ऊँटों में से केवल अज़बा के बिना आवाज़ किए उसके आगे झुक जाने के कारण उस पर सवार होकर भाग निकली और मदीना पहुँच गई।

लगभग हिजरी 6 (627–628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 414 (Zû Kared gazvesindeki âyetler)

---

882. मुहरिज़ बिन नज़्ला ने ज़ू क़रद से एक दिन पहले सपने में देखा कि आसमान उनके लिए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुहरिज़ बिन नज़्ला ने ज़ू क़रद से एक दिन पहले सपने में देखा कि आसमान उनके लिए खुल गया, वे सातवें आसमान और सिदरतुल मुंतहा तक पहुँचे और उनसे कहा गया: “यह तुम्हारी जगह है”; अबू बक्र ने इसकी ताबीर शहादत से की, और अगले दिन वे शहीद हुए।

ज़ू क़रद का ग़ज़वा, हिजरी 6–7 (627–628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 416 (Zû Kared gazvesindeki âyetler)

---

883. हुदैबिया से लौटते समय ज़जनान (कुराउल ग़मीम) में सूरह अल-फ़त्ह उतरी, और आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया से लौटते समय ज़जनान (कुराउल ग़मीम) में सूरह अल-फ़त्ह उतरी, और आप ने उसे अपनी सवारी पर “इन्ना फ़तहना लका फ़त्हम मुबीना” पढ़ते हुए सुनाया; जिब्रील ने उतरकर आप को बधाई दी, फिर मुसलमानों ने भी बधाई दी (मुजम्मेअ बिन जारिया की रिवायत)।

हुदैबिया से वापसी, ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 337 (şerh-i sadr, vizrinin kaldırılması ve zikrinin yükseltilmesi bâbı)

---

884. हुदैबिया की संधि लिखते समय, लिखना न जानते हुए भी आप ने दस्तावेज़ लेकर “अल्लाह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया की संधि लिखते समय, लिखना न जानते हुए भी आप ने दस्तावेज़ लेकर “अल्लाह के रसूल” की जगह अपने हाथ से “मुहम्मद (बिन अब्दुल्लाह)” लिखा; कुछ विद्वान इसे मोजिज़ा मानते हैं क्योंकि आप ने बिना सीखे लिखा (उमर बिन शब्बा, अबू ज़र हरवी, अबुल फ़त्ह नीसाबूरी, अबुल वलीद बाजी, अबू जाफ़र सिमनानी); जबकि “आप की वफ़ात पढ़ना-लिखना सीखे बिना नहीं हुई” वाली रिवायत कमज़ोर है।

हुदैबिया, ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 409 (ona özgü yasaklar (muharremât) kısmı)

---

885. हुदैबिया के दिन तनईम पहाड़ की ओर से अस्सी हथियारबंद मक्का वाले आप और आप के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया के दिन तनईम पहाड़ की ओर से अस्सी हथियारबंद मक्का वाले आप और आप के सहाबा को असावधान पकड़ने के लिए उतरे; आप ने उनके लिए बद-दुआ की, वे सब पकड़े गए और आप ने उन्हें क्षमा कर दिया; सूरह अल-फ़त्ह की आयत 24 उतरी (अनस की रिवायत)।

हुदैबिया, ज़ुलक़ादा हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. Mustafa Abdülkādir Atâ, Beyrut: Dârü'l-Kütübi'l-İlmiyye, 1408/1988; tek cilt), s. 353 (Ebvâbü mu'cizâtih, 32. bâb: dualarının kabulü)

---

886. हुदैबिया जाते हुए रास्ते में एक-दो सवारों के लिए ही काफ़ी रिसते पानी के पास...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया जाते हुए रास्ते में एक-दो सवारों के लिए ही काफ़ी रिसते पानी के पास पहुँचकर आप ने कहा: “हमसे पहले पहुँचने वाला पानी न ले”, और एक प्याले में कुल्ली किया हुआ पानी उसमें डाल दिया; सब ने पिया, अपने बर्तन भरे और वुज़ू किया; आप ने कहा: “अगर तुम रहे, तो सुनोगे कि इसके पानी की अधिकता से यह जगह हरी-भरी हो गई है”, और ऐसा ही हुआ।

हुदैबिया के रास्ते में, हिजरी 6 (628 ईस्वी), पाठ के अनुसार

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 109-110 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

---

887. हुदैबिया में प्यास से बेहाल सहाबा की पुकार पर आप ने हाथ उठाकर दुआ की, आसमान...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया में प्यास से बेहाल सहाबा की पुकार पर आप ने हाथ उठाकर दुआ की, आसमान फटा, बारिश हुई और सब ने जी भरकर पानी पिया (अबू हुरैरा की रिवायत)।

हुदैबिया, हिजरी 6 (628 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 4-5 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

---

888. मदीना की आबोहवा रास न आने के कारण अपने भतीजे के साथ ग़ाबा जाना चाह रहे अबू ज़र...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना की आबोहवा रास न आने के कारण अपने भतीजे के साथ ग़ाबा जाना चाह रहे अबू ज़र से आप ने फ़रमाया: “मुझे डर है कि अरब घुड़सवार तुम पर धावा बोलेंगे, तुम्हारे भतीजे को मार डालेंगे, और तुम बिखरे बालों के साथ अपनी लाठी के सहारे आकर कहोगे: ‘मेरा भतीजा मारा गया, रेवड़ हाँक ले जाया गया’”; उयैना बिन हिस्न फ़ज़ारी के धावे में ठीक ऐसा ही हुआ, और भाले का गहरा घाव खाए अबू ज़र लाठी के सहारे आकर बोले: “अल्लाह और उसके रसूल ने सच कहा।”

लगभग हिजरी 6 (627 ईस्वी) (ग़ाबा / ज़ू क़रद पर धावा)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 117 (Bâb 11: gaybî haberleri)

---

889. हुदैबिया से पहले व्यापार के लिए शाम गए अबान बिन सईद से एक ईसाई पादरी ने केवल आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया से पहले व्यापार के लिए शाम गए अबान बिन सईद से एक ईसाई पादरी ने केवल आप का नाम सुनकर आप के रूप-रंग और गुण, आयु, पिता, दादा और वंश का सही वर्णन किया, और ख़बर दी कि आप पहले अरबों पर और फिर सारी धरती पर विजयी और प्रभुत्वशाली होंगे, और आप को सलाम भेजा; अबान ने मक्का में पूछताछ की और पादरी की बात सच पाई, और हुदैबिया और ख़ैबर के बीच मुसलमान हो गए।

हिजरी 6 (627–628 ईस्वी), हुदैबिया से पहले; इस्लाम क़बूल करना: हिजरी 6 का अंत – हिजरी 7 का आरंभ

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Eban'ın Müslüman Oluşunun Sebebi" (kitabın dipnotu: İbn Abdilberr, İstiâb, c:1, s:62; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:1, s:46)

23 · हिजरत का सातवाँ वर्ष (628–629 ईस्वी): ख़ैबर और बादशाहों को पत्र

890. हिरक़्ल ने अबू सुफ़यान से पूछताछ करके आप की नबूवत की पुष्टि की

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हिरक़्ल ने अबू सुफ़यान से पूछताछ करके आप की नबूवत की पुष्टि की।

हिजरी 7 का आरंभ (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.537; web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, alâmâtü'n-nübüvve, no. 5861; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 239; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 4-5, Kayser'e mektup bâbı; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "MU'CİZELER PEYGAMBERLERİN TEBLİĞİNE VESİLEDİR" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, el-Cihad:73); "Herakliyus'un Roma'daki Dostu Dagatır'a Peygamberimiz Aleyhisselâm Hakkında Yazı Yazışı ve Şam Taraflarında Bulunan Ebu Süfyan'a Sorular Soruşu" (kitabın dipnotu: Buhârî, Sahîh, c:1, s:5,7; c:4, s:3; Taberî; Tarih, c:3. S:86-87; Abdurrezzak, Musannef, c:5, s:344; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:262; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:4, s:263.); Kütüb-i Sitte: Buharî, Bed'ü'l-Vahy 1, Cihad 102, Tefsir Al-i İmran 4; Müslim, Cihad 73, (1773); Tirmizî, İsti'zan 24, (2718) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5561, c./s. 15/382-385]

891. आप का पत्र फाड़ने वाले किसरा के लिए आप की बद-दुआ "अल्लाह भी उसके राज्य के..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप का पत्र फाड़ने वाले किसरा के लिए आप की बद-दुआ "अल्लाह भी उसके राज्य के टुकड़े-टुकड़े कर दे" से सासानी साम्राज्य ढह गया।

बद-दुआ: हिजरी 7 (628 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 16–31

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.553; 19. Mektup listesi (183.txt) no.98; 1000 Mucize no.435 (s.426); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 14, Kisrâ'ya mektup bâbı; Kâdî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 17; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 70; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Kisrâ Aleyhindeki Duası" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:258; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:349 / Buhârî, Sahıh, c:1, s:24; Diyarbekrî, Hamis, c:2, s:35; Taberî, Tarih, c:3, s:90; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:260); Kütüb-i Sitte: Buharî İlm 7; Buharî, Menâkıb 25; Müslim, Fiten 77, (2919) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5955, c./s. 16/425-426; no. 5572, c./s. 15/416]

892. आप ने यमन से आए दूतों को उसी रात ख़बर दी कि किसरा को उसके बेटे शीरवैह ने मार...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यमन से आए दूतों को उसी रात ख़बर दी कि किसरा को उसके बेटे शीरवैह ने मार डाला है; बाज़ान मुसलमान हो गया।

जमादिउल अव्वल हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.556; 19. Mektup listesi (183.txt) no.99; 1000 Mucize no.436 (s.426); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14068; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 240; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 15-18, Kisrâ'ya mektup bâbı; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 470; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 64; c. 1, s. 132-133; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 70-71; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kisrâ'nın Peygamberimiz Aleyhisselâm Hakkında Yemen Valisine Emir ve Direktif Verişi + Peygamberimiz

Aleyhisselâmın Kisrâ Hakkında Allah'tan Aldığı Haberi Elçilere Bildirişi + Kisrâ Şîreveyh'in Vali Bâzân'a Mektubu, Bâzân'la Ebnâların Müslüman Olmaları" (kitabın dipnotu: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:8, s:287; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:260; İbn Seyyid, Uyûn, c:2, s:263; Taberî, Târih, c:3, s:90; İbn Haldun, Târîh, c:2, ks:2, s:37; Diyarbekrî, Târîh, c:2, s:35 / Taberî, Târîh, c:3, s:91; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:260; İbn Haldun, Târîh, c:2, ks:2, s:38; Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:348 / Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:350; İbn Seyyid, Uyûnu'l-eser, c:2, s:263)

---

893. ख़ैबर में प्रवेश करते हुए आप ने “अल्लाहु अकबर, ख़ैबर उजड़ गया” कहकर विजय का शुभ समाचार दिया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में प्रवेश करते हुए आप ने “अल्लाहु अकबर, ख़ैबर उजड़ गया” कहकर विजय का शुभ समाचार दिया।

मुहर्रम हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.330; 1000 Mucize no.395 (s.386); web: Buhârî, Menâkıb, no. 3647; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve, "Fetih haberleri"; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6521; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 420; Kütüb-i Sitte: Buhârî 371, 3647; Müslim 1365

---

894. ख़ैबर में आप ने फ़रमाया: “कल मैं झंडा ऐसे व्यक्ति को दूँगा जिसके हाथों अल्लाह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में आप ने फ़रमाया: “कल मैं झंडा ऐसे व्यक्ति को दूँगा जिसके हाथों अल्लाह विजय देगा”, और अगले दिन क़िला अली के हाथों जीता गया।

मुहर्रम–सफ़र हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.335; İbn Kesîr s.81; 19. Mektup listesi (183.txt) no.22, 91, 174; 1000 Mucize no.396 (s.387); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 132; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 159-160; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95, 101; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Hayber'in Fethedileceğini Müjdeleyişi Ve Onu Fethedecek Yiğidin Vasıflarını Bildirişi + Sancağın Kime Verileceğinin Ümit ve Merakla Beklenişi + Hayber Fatihliğinin Hz. Ali Üzerinde Gerçekleşmesi" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:99;c:3, s:16; c:5, s:76,353; Buhârî, Sahih, c:4, s:207,57; Diyarbekrî, Târîh, c:2, s:48; Müslim, Sahih, c:4. S:1871-1873; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:6, s:153; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:2, s:734) · N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Hz. Ali'nin Giydirilip Kuşattırılışı ve Görevinin Kendisine Bildirilişi" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:4, s:185-187; Halebî, İnsân, c:2, s:735-737; Beyhakî, Sünen, c:9, s:132; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:654; Buhârî , Sahîh, c:5, s:77; Müslim, Sahih, c:4, s:1872); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezailu'l-Ashab 32, (2404); Tirmizî, Menakıb, (3726); Müslim, Cihad 132, (1807); Buhârî, Cihâd 102, Megāzî 38 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4407, c./s. 12/466-467; no. 4268, c./s. 12/191-197]

---

895. ख़ैबर में मुहम्मद बिन मसलमा ने यहूदी पहलवान मरहब से द्वंद्व किया और विजयी हुए

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में मुहम्मद बिन मसलमा ने यहूदी पहलवान मरहब से द्वंद्व किया और विजयी हुए।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.348; 1000 Mucize no.397 (s.388), no.952 (s.777); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 419

---

896. ख़ैबर में मुसलमान हुए काले चरवाहे की भेड़ें, उनके चेहरों पर कंकड़/मिट्टी फेंके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में मुसलमान हुए काले चरवाहे की भेड़ें, उनके चेहरों पर कंकड़/मिट्टी फेंके जाने पर, अपने-आप अपने मालिकों के पास लौट गईं।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.354; 1000 Mucize no.399 (s.390); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 419

---

897. अपने गले की ओर इशारा करके “यहाँ तीर लगे और मैं जन्नत में जाऊँ” कहने वाले बद्दू...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अपने गले की ओर इशारा करके “यहाँ तीर लगे और मैं जन्नत में जाऊँ” कहने वाले बद्दू को ठीक उसी जगह तीर लगा और वे शहीद हो गए (“उसने अल्लाह से सच्चाई निभाई”)।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.354; 1000 Mucize no.134 (s.112); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 420; Kütüb-i Sitte: Nesâî, Cenâiz 61, (4, 60, 61) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1043, c./s. 5/85-86]

---

898. ख़ैबर में सलमा बिन अकवअ की टाँग के गहरे घाव पर आप ने तीन बार फूँका और वह ठीक हो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में सलमा बिन अकवअ की टाँग के गहरे घाव पर आप ने तीन बार फूँका और वह ठीक हो गया।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.395; 1000 Mucize no.143 (s.124), no.223 (s.200); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5886; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 588; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6510; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 2. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 424; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 465; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 9; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 42-43; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Tıbb 19, (3894); Buhârî, Megāzî 38 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5602, c./s. 15/457]

---

899. ख़ैबर में बहादुरी से लड़ने वाले एक व्यक्ति के बारे में आप ने कहा: “वह जहन्नमी...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में बहादुरी से लड़ने वाले एक व्यक्ति के बारे में आप ने कहा: “वह जहन्नमी है”; वह व्यक्ति अपने घाव को सह न सका और उसने आत्महत्या कर ली।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.396; İbn Kesîr s.142; 1000 Mucize no.133 (s.111); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5892; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 600; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 424; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 244; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 310; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad

(Yaqeen); al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Cihad 182, Megâzî 38, Kader 5; Müslim, İman 173, (111) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4936, c./s. 14/147]

---

900. जिस ग़ुलाम (मिदअम) को “शहीद” कहा गया, उसके बारे में आप ने बताया कि ग़नीमत से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जिस ग़ुलाम (मिदअम) को “शहीद” कहा गया, उसके बारे में आप ने बताया कि ग़नीमत से चुराई गई चादर उस पर आग बनकर जल रही है।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.399; 1000 Mucize no.401 (s.392); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Kütüb-i Sitte: Buhârî 4234; Müslim 115 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1135]

---

901. ख़ैबर में पेश की गई ज़हरीली बकरी की टाँग ने स्वयं आप को बताया कि वह ज़हरीली है

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में पेश की गई ज़हरीली बकरी की टाँग ने स्वयं आप को बताया कि वह ज़हरीली है।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.400; İbn Kesîr s.53; 19. Mektup listesi (183.txt) no.55; 1000 Mucize no.98 (s.73); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 602; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü mâ câe fi'ş-şâti'l-mesmûme, no 14089-14094; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 147; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 12. İşaret, 2. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 425; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 244, 412, 445, 455; İbn Hişâm, es-Sîretü'n-nebeviyye, c. 2, s. 337-338; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 281-282; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36, 35-36; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 215, 232, 279; c. 17, s. 317-320; c. 17, s. 393, 396, 405-406, 408; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 27; c. 1, s. 108-109; c. 2, s. 509; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 80; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 81; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 319; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 80, no. 63/1 (+1 kaynak daha: web_kaynaklari dosyasında); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Yahudîlerin Peygamberimiz Aleyhisselâmı Zehirlemeye Kalkışmaları + Yahudî Kadını Zeyneb ile Hayber Yahudîlerinin Sorguya Çekilmeleri" (kitabın dipnotu: Ebu Dâvud, Sünen, c:4, s:175,673; Vâkıdı, Megâzî, c:2, s:665, 677-678; Kastalânî, Mevâhib, c:1, s:181; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:2, s:338 / Ebu Dâvud, Sünen, c:4, s:173-174; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:678; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c: 2, s:155); Kütüb-i Sitte: Buharî, Cizye 7; Ebu Davud, Diyat 6, (4509) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5581, c./s. 15/430-431; no. 4974, c./s. 14/191]

---

902. ख़ैबर से लौटते समय प्यास में दो मशकों वाली एक स्त्री के पानी से पूरी सेना ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर से लौटते समय प्यास में दो मशकों वाली एक स्त्री के पानी से पूरी सेना ने पिया और अपने बर्तन भरे, फिर भी मशकें कम नहीं हुईं।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.423; İbn Kesîr s.31; 19. Mektup listesi (183.txt) no.33; 1000 Mucize no.266 (s.241); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3571; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 574; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 98 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 7. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 72-74; ayrıca: İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 43-44, no. 5/5; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 65; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 287-288; Facts and Details, “Miracles of

Muhammad"; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "MU'CİZELER PEYGAMBERLERİN TEBLİĞİNE VESİLEDİR" (kitabın dipnotu: Buhari, el-Menâkıp:25); Kütüb-i Sitte: Buhârî 344, 3571; Müslim 682

---

903. अबू क़तादा की छागल में बचा थोड़ा-सा वुज़ू का पानी पूरे क़ाफ़िले के लिए काफ़ी हो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू क़तादा की छागल में बचा थोड़ा-सा वुज़ू का पानी पूरे क़ाफ़िले के लिए काफ़ी हो गया ("अपनी छागल सँभालकर रखो, इसकी एक बड़ी ख़बर होगी")।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.431; Beyhakî, Delâil c.4 s.591; 19. Mektup listesi (183.txt) no.32; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14106; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 99 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 6. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 14. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 74-75; c. 2, s. 75; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 66-67; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 291-292; Kütüb-i Sitte: Müslim, Mesâcid 311

---

904. सफ़िय्या ने विवाह से पहले सपने में देखा कि चाँद उनकी गोद में आ गिरा

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

सफ़िय्या ने विवाह से पहले सपने में देखा कि चाँद उनकी गोद में आ गिरा।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.1000 (s.813)

---

905. अशअरियों के आने से पहले ही आप ने ख़बर दी: "तुमसे अधिक कोमल दिलों वाले लोग आ रहे..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अशअरियों के आने से पहले ही आप ने ख़बर दी: "तुमसे अधिक कोमल दिलों वाले लोग आ रहे हैं।"

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.285; Beyhakî, Delâil c.3 s.387; 1000 Mucize no.324 (s.301); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 36, Eş'arîlerin gelişi bâbı

---

906. आप की दुआ "ऐ अल्लाह, दौस को हिदायत दे और उन्हें ले आ" पर वह क़बीला मुसलमान होकर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की दुआ "ऐ अल्लाह, दौस को हिदायत दे और उन्हें ले आ" पर वह क़बीला मुसलमान होकर आ गया।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.295; 1000 Mucize no.351 (s.338); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 225-226; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Tufeyl b. Amr'ın Müslüman Oluşu ve Efendimiz Aleyhisselâmın dua mucizesi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:4, c:237-239; İbn İshak- İbn Hişam, Sire, c:2, s:22; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:3, s:98; Zehebî, Siyer, c:1, s:248-249.); Kütüb-i Sitte: Buharî, Megazî 75, Cihad 100, Da'avat 59; Müslim, Fezâilu's-Sahabe 197, (2524) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4541, c./s. 13/104]

---

907. उमरतुल क़ज़ा में मुशरिकों की यह बात आप को बता दी गई: "इन्हें यसरिब के बुख़ार ने..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उमरतुल क़ज़ा में मुशरिकों की यह बात आप को बता दी गई: “इन्हें यसरिब के बुख़ार ने कमज़ोर कर दिया है।”

ज़ुलक़ादा हिजरी 7 (629 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.477; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 428; Kütüb-i Sitte: Buharî, Hacc 55, Megâzî 43; Müslim, Hacc 240, (1266); Tirmizî, Hacc 39, (863); Ebu Dâvud, Menâsik 51, (1886, 1889) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1326, c./s. 5/443-444]

---

908. मस्जिद बनने के बाद जब मिंबर बनाया गया, तो ख़ुतबा देते समय आप जिस खजूर के तने का...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मस्जिद बनने के बाद जब मिंबर बनाया गया, तो ख़ुतबा देते समय आप जिस खजूर के तने का सहारा लेते थे, वह कराहकर रोने लगा; आप ने उसे गले लगाया तो वह चुप हो गया (हनीनुल जिज़्अ)।

हिजरी 7–8 (628–630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.251; Beyhakî, Delâil c.4 s.523; İbn Kesîr s.57; 19. Mektup listesi (183.txt) no.38, 149, 150; 1000 Mucize no.91 (s.66); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3583-3585; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 579; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6506-6508; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.66-68; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 126-128; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 121-131, 421-423; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 326-328; islamveihsan.com, “Hz. Peygamber'in Mucizeleri”; Buhârî, Menâkıb, no 3584; Cum'a, no 918; Tirmizî, Menâkıb, no 3627; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 283; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36, 35-36; Tirmizî, Sünen, Cum'a, no. 505; Nesâî, Sünen, Cum'a, no. 1396; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Facts and Details, “Miracles of Muhammad” (+7 kaynak daha: web_kaynaklari dosyasında); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Mescidde ki Hurma Kütüğünün İnlemesi + Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mescidde Dayandığı Kütüğün Ağlayışı" (kitabın dipnotu: Dârimî, Sünen, c:1, s:119; Ahmed b. Hanbel, c:3, s:300-304; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:251-252; Semhûdi, Vefâu'l-vefâ, c:2, s:394 / İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:188,251-252; Dârimî, Sünen, c:1, s:23-24; Semhûdî, Vefâ, c:2, s:390, 393; Ebu Nuaym, Delâil, c:2, s:400; Kadı Iyaz, Şifâ, c:1, s:253); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3583-3585; Tirmizî, Menakıb 9, (3631); İbn Mâce 1415; İbn Mâce 1417 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5590, c./s. 15/442; no. 6412, c./s. 17/104; no. 6413, c./s. 17/104-105]

---

909. रोने वाले तने को आप के आदेश से मिंबर के नीचे दफ़न किया गया / सुरक्षित रखा गया

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

रोने वाले तने को आप के आदेश से मिंबर के नीचे दफ़न किया गया / सुरक्षित रखा गया।

हिजरी 7–8 (628–630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.251; 19. Mektup listesi (183.txt) no.39, 151; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 10. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 17. fasıl; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 121-122, 130; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 327-329; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 380; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 80; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Mescidde ki Hurma Kütüğünün İnlemesi + Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mescidde Dayandığı Kütüğün Ağlayışı" (kitabın dipnotu: Dârimî, Sünen, c:1, s:119; Ahmed b. Hanbel, c:3, s:300-304; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:251-252; Semhûdi, Vefâu'l-vefâ, c:2, s:394 / İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:188,251-252; Dârimî, Sünen, c:1, s:23-24; Semhûdî, Vefâ, c:2, s:390, 393; Ebu Nuaym, Delâil, c:2, s:400; Kadı Iyaz, Şifâ, c:1, s:253); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 1414

910. ख़ैबर में शहीद हुए काले चरवाहे के सिरहाने दो हूरें मौजूद होने की ख़बर आप ने दी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में शहीद हुए काले चरवाहे के सिरहाने दो हूरें मौजूद होने की ख़बर आप ने दी।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.354

911. ख़ैबर में अभाव और कमज़ोरी की शिकायत करने वालों के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में अभाव और कमज़ोरी की शिकायत करने वालों के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, सबसे अधिक माल और भोजन वाला सबसे बड़ा क़िला इनके लिए जिता दे”, और ख़ैबर का सबसे अधिक भोजन वाला क़िला साब बिन मुआज़ जीत लिया गया।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.359; 1000 Mucize no.973 (s.787); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 420

912. ख़ैबर में जिन अली को झंडा देना था, उनकी दुखती आँखों पर आप ने अपना थूक लगाकर दुआ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में जिन अली को झंडा देना था, उनकी दुखती आँखों पर आप ने अपना थूक लगाकर दुआ की, और उनकी आँखें तुरंत ठीक हो गईं।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.102 (s.78); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 593; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 2. misal; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 417; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 197, 465; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 350; IslamHouse, The Miracles of Muhammad; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 4, 13, 40; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Hz. Ali İçin Duası" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c:4, s:185-187; Halebî, İnsân, c:2, s:735-737; Beyhakî, Sünen, c:9, s:132; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:654; Buhârî , Sahîh, c:5, s:77; Müslim, Sahih, c:4, s:1872); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezailu'l-Ashab 32, (2404); Tirmizî, Menakıb, (3726); Müslim, Cihad 132, (1807); İbn Mâce 117; Buhârî 4210 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4407, c./s. 12/466-467; no. 4268, c./s. 12/191-197; no. 6019, c./s. 16/512]

913. ख़ैबर में एक काला गधा आया और बोलकर उसने अपना नाम बताया, कहा कि वे सात भाई थे और...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में एक काला गधा आया और बोलकर उसने अपना नाम बताया, कहा कि वे सात भाई थे और सब नबियों की सवारी रहे, और उसका यहूदी मालिक उसे मारता था; आप ने उससे कहा: “तो तुम याफ़ूर हो।”

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.353 (s.344); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 107; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 173, 454; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 404-405, 416; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 42; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 85

914. ख़ैबर में मरहब के भाई यासिर के सामने ज़ुबैर निकले, तो उनकी माँ ने कहा: “क्या...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में मरहब के भाई यासिर के सामने ज़ुबैर निकले, तो उनकी माँ ने कहा: “क्या मेरा बेटा मारा जाएगा?”; आप ने फ़रमाया: “नहीं, इंशा अल्लाह तुम्हारा बेटा उसे मारेगा।”

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.398 (s.390); ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 132; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95

915. ख़ैबर में मरे एक सहाबी के बारे में आप ने फ़रमाया: “अपने साथी की नमाज़ तुम लोग...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में मरे एक सहाबी के बारे में आप ने फ़रमाया: “अपने साथी की नमाज़ तुम लोग पढ़ लो; उसने अल्लाह के रास्ते में ग़नीमत में ख़यानत की है”; उसका सामान तलाशा गया तो यहूदियों का एक मनका मिला जो दो दिरहम का भी नहीं था।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.400 (s.391); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 424; Kütüb-i Sitte: Muvatta, Cihâd 23; Ebu Dâvud, Cihâd 143, (2710); Nesâî, Cenâiz 66, (4, 64); İbnu Mâce, Cihad 34, (2848) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1136]

916. ख़ैबर के अभियान में हाजत के लिए आप ने इब्ने मसऊद से एक-दूसरे से दूर दो पेड़ों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर के अभियान में हाजत के लिए आप ने इब्ने मसऊद से एक-दूसरे से दूर दो पेड़ों से यह कहलवाया: “अल्लाह के रसूल तुम्हें मिल जाने का आदेश देते हैं”, और पेड़ तुरंत मिलकर आप के लिए परदा बन गए।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.883 (s.738), no.884 (s.738); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14166; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.20; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 4. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 422

917. ख़ैबर पहुँचने पर कच्ची खजूरों पर टूट पड़कर बुख़ार में पड़े सैनिकों को आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर पहुँचने पर कच्ची खजूरों पर टूट पड़कर बुख़ार में पड़े सैनिकों को आप ने आदेश दिया कि पानी ठंडा करें और सुबह की दो अज़ानों के बीच बिस्मिल्लाह कहकर उसे अपने ऊपर डालें; जिन्होंने ऐसा किया वे ठीक हो गए।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.945 (s.773); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 421

918. ख़ैबर के अभियान में रास्ते में प्रसव करने वाली अपनी गर्भवती पत्नी के लिए आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर के अभियान में रास्ते में प्रसव करने वाली अपनी गर्भवती पत्नी के लिए आप ने अब्दुल्लाह बिन उनैस को सलाह दी कि खजूर को पानी में भिगोकर नरम होने पर पिलाएँ; उस स्त्री को प्रसव में कोई कष्ट नहीं हुआ।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.946 (s.774); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 421

---

919. ख़ैबर की घेराबंदी में क़िले में घुस रहे एक यहूदी की भेड़ों के रेवड़ से भोजन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर की घेराबंदी में क़िले में घुस रहे एक यहूदी की भेड़ों के रेवड़ से भोजन लाने गए अबुल यसर कअब बिन अम्र के लिए आप ने दुआ की: "ऐ अल्लाह, हमें इससे लाभ पहुँचा"; वे दो भेड़ें पकड़कर लाए, और सहाबा में सबसे अंत में उन्हीं की मृत्यु हुई।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.956 (s.778)

---

920. ख़ैबर में (नबी ﷺ के मोजिज़े के प्रभाव से) अली ने क़िले का दरवाज़ा उखाड़कर ढाल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में (नबी ﷺ के मोजिज़े के प्रभाव से) अली ने क़िले का दरवाज़ा उखाड़कर ढाल की तरह इस्तेमाल किया; विजय के बाद उन्होंने जो दरवाज़ा ज़मीन पर फेंका, उसे आठ (एक रिवायत में चालीस) बलवान लोग न उठा सके।

मुहर्रम–सफ़र हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret (s. 158)

---

921. रोते हुए तने पर हाथ रखकर आप ने कहा: "अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें तुम्हारे..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रोते हुए तने पर हाथ रखकर आप ने कहा: "अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें तुम्हारे पुराने बाग़ में लौटा दूँ; तुम जड़ पकड़ लोगे और फिर फल दोगे; और अगर चाहो तो तुम्हें जन्नत में लगा दूँ, ताकि अल्लाह के दोस्त तुम्हारे फल खाएँ"; तने ने ऐसी आवाज़ में, जिसे पीछे वालों ने भी सुना, उत्तर दिया: "मुझे जन्नत में लगा दीजिए; वहाँ सड़ना नहीं है", और आप ने फ़रमाया: "मैंने ऐसा कर दिया; इसने स्थायी घर को नश्वर घर पर तरजीह दी" (बुरैदा की रिवायत)।

हिजरी 7–8 (628–630 ईस्वी)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 10. İşaret (s. 191)

---

922. एक रिवायत है कि रोने वाले तने के पास आप स्वयं नहीं गए, बल्कि तना आप के आदेश से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक रिवायत है कि रोने वाले तने के पास आप स्वयं नहीं गए, बल्कि तना आप के आदेश से आप के पास आया और फिर आप के आदेश से अपनी जगह लौट गया (कलाम के इमाम अबू इसहाक़ इस्फ़राइनी का बयान)।

हिजरी 7–8 (628–630 ईस्वी)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 10. İşaret (s. 192)

---

923. एक रिवायत है कि ख़ैबर की ज़हरीली बकरी की ख़बर देने के बाद आप ने फ़रमाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक रिवायत है कि ख़ैबर की ज़हरीली बकरी की ख़बर देने के बाद आप ने फ़रमाया: "बिस्मिल्लाह कहो, फिर खाओ; अब ज़हर असर नहीं करेगा" (इब्ने हजर अस्क़लानी ने इसे स्वीकार नहीं किया, दूसरों ने स्वीकार किया है)।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 12. İşaret, 2. misal (s. 200)

---

924. जब आप ने बादशाहों के पास दूत भेजे, तो छह दूत एक ही दिन रवाना हुए; हर एक सुबह इस...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब आप ने बादशाहों के पास दूत भेजे, तो छह दूत एक ही दिन रवाना हुए; हर एक सुबह इस हाल में उठा कि वह जिस क़ौम के पास भेजा गया था, उसकी भाषा बोल रहा था।

शासकों को पत्र, मुहर्रम हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

---

925. आप ने अली के लिए गर्मी और सर्दी से बचाव की दुआ की; अली सर्दियों में गर्मियों के...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अली के लिए गर्मी और सर्दी से बचाव की दुआ की; अली सर्दियों में गर्मियों के और गर्मियों में सर्दियों के कपड़े पहनते, और न गर्मी उन्हें छूती न सर्दी।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl (duasının kabulü)

---

926. ख़ैबर में सहबा नाम की जगह पर अली की गोद में सिर रखे आप पर वह्य उतर रही थी कि...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में सहबा नाम की जगह पर अली की गोद में सिर रखे आप पर वह्य उतर रही थी कि सूरज डूब गया; अली अस्र नहीं पढ़ पाए थे; आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, वह तेरी और तेरे रसूल की आज्ञा-पालन में था, सूरज को उसके लिए लौटा दे”; अस्मा बिंत उमैस ने देखा कि सूरज डूबने के बाद फिर निकल आया और पहाड़ों और धरती पर ठहर गया (रद्दे शम्स)।

ख़ैबर का अभियान, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 12. fasıl (inşikāk-ı kamer ve habs-i şems) — Delâilü'n-nübüvve: semâvî mucizeler – redd-i şems hadisinin tarikleri; Wikipedia, "Miracles of Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 137; c. 2, s. 310); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 32, 37-38, 41, 30-46, 436-437, 30; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 358-359; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 52-53; c. 1, s. 155-156; c. 2, s. 498-499; Şeyh Müfîd, el-İrşâd, c. 1, s. 345-346; Şeyh Sadûk, Men lâ yahduruhü'l-fakîh, c. 1, s. 203, hadis no. 609-610; WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi; al-shia.org (Farsça mucize listeleri)

---

927. क़ैसर हिरक़्ल ने तारों को देखकर जाना कि “ख़तना करने वालों के बादशाह का उदय” हो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ैसर हिरक़्ल ने तारों को देखकर जाना कि “ख़तना करने वालों के बादशाह का उदय” हो गया है, और जब वह इसकी छानबीन कर रहा था, तभी आप का पत्र उसके पास पहुँचा।

हिजरी 7 का आरंभ (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 4-6, Kayser'e mektup bâbı

---

928. हिरक़्ल ने जिस रूमी बिशप (दग़ातिर) से परामर्श किया, उसने कहा: “यह वही नबी हैं...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिरक़्ल ने जिस रूमी बिशप (दग़ातिर) से परामर्श किया, उसने कहा: “यह वही नबी हैं जिनका शुभ समाचार मूसा और ईसा ने दिया”, और ईमान ले आया, दिह्या के हाथ आप को सलाम भेजा, और उसकी क़ौम ने उसे मार डाला।

हिजरी 7 का आरंभ (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 7-8, Kayser'e mektup bâbı

---

929. पत्र पढ़कर हिरक़्ल ने रूम के सरदारों से कहा: “जैसा तुम अपनी किताबों में पढ़ते...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

पत्र पढ़कर हिरक़्ल ने रूम के सरदारों से कहा: “जैसा तुम अपनी किताबों में पढ़ते हो, यह व्यक्ति मेरे पैरों के नीचे की इस धरती का अवश्य स्वामी बनेगा।”

हिजरी 7–9 (628–630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 9-14, Kayser'e mektup bâbı

---

930. किसरा ने सपने में ज़मीन से आसमान तक फैली एक सीढ़ी देखी और उस पर चढ़ता एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

किसरा ने सपने में ज़मीन से आसमान तक फैली एक सीढ़ी देखी और उस पर चढ़ता एक व्यक्ति देखा जो पगड़ी, तहबंद और चादर पहने था; उसने देखा कि फ़ारस के पुरुष, स्त्रियाँ और ख़ज़ाने बोरों में भरकर उस व्यक्ति को दे दिए गए; फिर आप का पत्र आया।

हिजरी 7 (628 ईस्वी) से पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 16, Kisrâ'ya mektup bâbı

---

931. शुजा बिन वहब जिस हारिस बिन अबी शमिर ग़स्सानी के पास पत्र लेकर गए, उसके रूमी मूल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शुजा बिन वहब जिस हारिस बिन अबी शमिर ग़स्सानी के पास पत्र लेकर गए, उसके रूमी मूल के दरबान मुरी ने बताए गए गुणों को इंजील में दिए नबी के गुणों जैसा ही पाया और रोते हुए ईमान ले आया।

हिजरी 7 (628 ईस्वी), दमिश्क़

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 18, Hâris el-Gassânî'ye mektup bâbı

---

932. मुक़ौक़िस ने हातिब बिन अबी बलतआ से कहा: “मैं जानता था कि एक नबी बाक़ी हैं, मेरा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुक़ौक़िस ने हातिब बिन अबी बलतआ से कहा: “मैं जानता था कि एक नबी बाक़ी हैं, मेरा ख़याल था कि वे शाम में प्रकट होंगे”, और आप की नबूवत को स्वीकार किया; उसने अपने प्रश्न “उन्होंने अपनी क़ौम के लिए बद-दुआ क्यों नहीं की?” पर ईसा के उदाहरण से दिए गए हातिब के उत्तर को पसंद किया।

हिजरी 7 (628 ईस्वी), इस्कंदरिया

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 19-21, Mukavkıs'a mektup bâbı

---

933. अम्र बिन आस ने नजाशी से अम्र बिन उमय्या को सौंपने की माँग की, तो नजाशी क्रोधित...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अम्र बिन आस ने नजाशी से अम्र बिन उमय्या को सौंपने की माँग की, तो नजाशी क्रोधित होकर बोला: “क्या तुम उस व्यक्ति के दूत को माँगते हो जिसके पास वही नामूसे अकबर आया जो मूसा के पास आया था?”, और आप की नबूवत की गवाही दी; अम्र उसी के हाथ पर मुसलमान हो गए।

हिजरी 7–8 (628–629 ईस्वी), हबशा

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 29-30, Amr b. Âs'ın gelişi bâbı

---

934. सहाबा के साथ बैठे हुए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, जहाज़ वालों को बचा ले”; कुछ समय...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सहाबा के साथ बैठे हुए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, जहाज़ वालों को बचा ले”; कुछ समय बाद फ़रमाया: “वे बच गए”, और जब वे मदीना के निकट पहुँचे तो फ़रमाया: “वे आ गए, एक नेक व्यक्ति उन्हें ला रहा है”; आने वाले अशअरी निकले और उनके अगुवा अम्र बिन हमिक़ ख़ुज़ाई थे।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 36-37, Eş'arîlerin gelişi bâbı

---

935. ख़ैबर के रास्ते में शेर गाकर ऊँट हाँकने वाले आमिर बिन अकवअ के लिए आप ने कहा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर के रास्ते में शेर गाकर ऊँट हाँकने वाले आमिर बिन अकवअ के लिए आप ने कहा: “अल्लाह उस पर रहम करे”; उमर ने कहा: “ऐ अल्लाह के रसूल, (शहादत) अनिवार्य हो गई; काश, आप हमें उनसे कुछ और लाभ उठाने देते”, और आमिर ख़ैबर में शहीद हुए।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14004 (8/268)

---

936. उम्मे हबीबा द्वारा हबशा से लाई गई सेविका बरका (उम्मे यूसुफ़) ने बर्तन में रखा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे हबीबा द्वारा हबशा से लाई गई सेविका बरका (उम्मे यूसुफ़) ने बर्तन में रखा आप का मूत्र पी लिया; आप ने फ़रमाया: “स्वास्थ्य हो, ऐ उम्मे यूसुफ़”, और वह स्त्री अपनी अंतिम बीमारी तक कभी बीमार नहीं पड़ी।

मदनी दौर (हिजरी 7 के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 122 (İdrarıyla şifa bulunması)

---

937. ख़ालिद बिन वलीद ने मुसलमान होने से पहले सपने में देखा कि वे एक तंग और सूखी जगह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ालिद बिन वलीद ने मुसलमान होने से पहले सपने में देखा कि वे एक तंग और सूखी जगह से निकलकर हरी-भरी और खुली जगह में आ गए; मदीना आने पर अबू बक्र ने इसकी ताबीर की: “यह अल्लाह का तुम्हें शिर्क से इस्लाम की ओर निकालना है।”

हिजरी 7–8 (629 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 412 (Hâlid b. Velîd'in Müslüman oluş kıssası)

938. अली ने जब झंडा ख़ैबर के क़िले के नीचे गाड़ा, तो प्राचीर से “तुम कौन हो?” पूछने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली ने जब झंडा ख़ैबर के क़िले के नीचे गाड़ा, तो प्राचीर से “तुम कौन हो?” पूछने वाले यहूदी ने “अली” उत्तर पाकर कहा: “मूसा पर जो उतारा गया उसकी क़सम, तुम विजयी हो गए।”

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 418 (Hayber gazvesindeki mucizeler)

---

939. ख़ैबर के यहूदियों की सहायता के लिए उयैना बिन हिस्न की कमान में आए ग़तफ़ान के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर के यहूदियों की सहायता के लिए उयैना बिन हिस्न की कमान में आए ग़तफ़ान के लोग यहूदियों की कोई सहायता किए बिना लौट गए।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 420 (Hayber gazvesindeki mucizeler)

---

940. ख़ैबर में आप ने एक क़िले पर एक मुट्ठी कंकड़ फेंके, तो क़िला हिलकर ज़मीन पर ढह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में आप ने एक क़िले पर एक मुट्ठी कंकड़ फेंके, तो क़िला हिलकर ज़मीन पर ढह गया और उसके भीतर के लोग पकड़ लिए गए।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 420 (Hayber gazvesindeki mucizeler)

---

941. सफ़िय्या बिंत हुयय ने विवाह से पहले सपने में देखा कि “अल्लाह का भेजा हुआ होने...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सफ़िय्या बिंत हुयय ने विवाह से पहले सपने में देखा कि “अल्लाह का भेजा हुआ होने का दावा करने वाले” के साथ उन्हें एक फ़रिश्ते के पंख ने ढक लिया है; यह बताने पर उनकी क़ौम ने उन्हें डाँटा।

ख़ैबर से पहले, लगभग हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 421 (Hayber gazvesindeki mucizeler)

---

942. ख़ैबर से लौटते समय हिस्सा माँगने वाले उयैना बिन हिस्न को आप ने वह ज़ुर रुक़ैबा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर से लौटते समय हिस्सा माँगने वाले उयैना बिन हिस्न को आप ने वह ज़ुर रुक़ैबा पहाड़ बता दिया जिसे उसने सपने में अपने लिए दिया जाता देखा था; हारिस बिन औफ़ ने भी बताया कि उसने यहूदियों से सुना था: “मुहम्मद विजयी होंगे।”

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 422 (Hayber gazvesindeki mucizeler)

943. ख़ैबर की संधि के बाद किनाना बिन रबीअ और उसके निकट संबंधियों ने “ख़र्च हो गया”...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर की संधि के बाद किनाना बिन रबीअ और उसके निकट संबंधियों ने “ख़र्च हो गया” कहकर हुयय का जो ख़ज़ाना छिपाया था, उसके बारे में आप ने उनसे पूछताछ की और छिपा हुआ ख़ज़ाना सामने आ गया (विवरण सारांश में अधूरा है)।

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 422 (Hayber gazvesindeki mucizeler)

944. ख़ैबर से लौटते समय पहरे पर छोड़े गए बिलाल सो गए और सूरज निकल आया, तो आप ने ख़बर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर से लौटते समय पहरे पर छोड़े गए बिलाल सो गए और सूरज निकल आया, तो आप ने ख़बर दी: “बिलाल नमाज़ पढ़ रहे थे कि शैतान आया और उन्हें बच्चे को सुलाने की तरह झुलाकर सुला दिया”; बिलाल ने ठीक यही बताया, और अबू बक्र ने कहा: “मैं गवाही देता हूँ कि आप अल्लाह के रसूल हैं।”

ख़ैबर से वापसी, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 427 (Hayber gazvesindeki mucizeler)

945. उमरतुल क़ज़ा में मर्रुज़्ज़हरान में आप ने सहाबा के भोजन इकट्ठा करवाए (और दुआ...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उमरतुल क़ज़ा में मर्रुज़्ज़हरान में आप ने सहाबा के भोजन इकट्ठा करवाए (और दुआ की); सब ने पेट भरकर खाया और अपने थैले भर लिए।

उमरतुल क़ज़ा, ज़ुलक़ादा हिजरी 7 (629 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 428 (Kazâ umresindeki âyet)

946. आप ने फ़रमाया: “अबू हुरैरा ज्ञान का पात्र हैं”; इब्ने उमर ने कहा: “हम में...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “अबू हुरैरा ज्ञान का पात्र हैं”; इब्ने उमर ने कहा: “हम में अल्लाह के रसूल को सबसे अच्छी तरह जानने वाले और आप की हदीसें सबसे अच्छी तरह याद रखने वाले वही थे।”

ख़बर: मदनी दौर (हिजरी 7–11); पूर्ति: हिजरी 11–59

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 255 (Ebû Hüreyre'nin hâlini haber vermesi)

947. तुफ़ैल बिन अम्र ने अपने उस साथी को सपने में अच्छी हालत में पर हाथों पर पट्टियाँ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तुफ़ैल बिन अम्र ने अपने उस साथी को सपने में अच्छी हालत में पर हाथों पर पट्टियाँ बँधे देखा, जो हिजरत के बाद बीमार पड़ा और अपनी उँगलियों के जोड़ काटकर मर गया था (“मेरी हिजरत के कारण मुझे क्षमा कर दिया गया; मुझसे कहा गया: ‘जो तूने स्वयं बिगाड़ा, उसे हम ठीक नहीं करेंगे’”); यह बताने पर आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, उसके हाथों को भी क्षमा कर दे” (जाबिर की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 7 के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 303 (onun zamanında görülen rüyalardaki âyetler)

948. हिरक़्ल ने एक ग़स्सानी दूत को यह कहकर भेजा: “देखो वे किस चीज़ पर बैठते हैं...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिरक़्ल ने एक ग़स्सानी दूत को यह कहकर भेजा: “देखो वे किस चीज़ पर बैठते हैं, उनके दाएँ कौन है, और नबूवत की मुहर देखो”; दूत ने आप को ज़मीन पर बैठे, आप के दाईं ओर अली को और आप के पैरों के नीचे पानी उबलते पाया; जब दूत तीसरी बात भूल गया, तो आप ने कहा: “आओ, तुम्हारे स्वामी ने जो आदेश दिया है उसे देख लो”, और अपनी मुहर दिखाई; हिरक़्ल ने कहा: “यह वही हैं जिनके ऊँट पर सवार होने का शुभ समाचार मरयम के बेटे ईसा ने दिया था; इनका अनुसरण करो।”

हिजरी 7–9 (628–630 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 104 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

949. ख़ैबर में जिस अंतिम क़िले में सारा माल और रसद इकट्ठा थी, उसकी पानी की राह बताने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर में जिस अंतिम क़िले में सारा माल और रसद इकट्ठा थी, उसकी पानी की राह बताने की पेशकश करने वाले यहूदी से आप ने कहा: “शायद अल्लाह कोई और चीज़ पैदा कर दे”; अगले दिन जब आप अपने ख़च्चर पर क़िले की ओर बढ़े, तो आप पर बरसते तीर और पत्थर दाएँ-बाएँ से निकल गए और न आप को लगे न मुसलमानों को; आप ने क़िले की दीवार की ओर हाथ से इशारा किया तो वह ज़मीन के बराबर नीची हो गई, और आप ने फ़रमाया: “दीवार के ऊपर से आराम से भीतर चले जाओ।”

ख़ैबर, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 164-165 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

950. ख़ैबर जाते समय पीछे शत्रु था और सामने आदमी की ऊँचाई जितना गहरा बहता नाला आ गया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर जाते समय पीछे शत्रु था और सामने आदमी की ऊँचाई जितना गहरा बहता नाला आ गया; सहाबा ने कहा: “हम पकड़े जाएँगे”, तो आप ने कहा: “नहीं”, और दुआ की; घोड़ों और ऊँटों ने खुर और तलवे भीगे बिना पानी पार कर लिया।

ख़ैबर का अभियान, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 912 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

951. फ़दक पहुँचकर आप ने वहाँ के लोगों को आत्मसमर्पण के लिए बुलाया और कहा: “तुम्हारे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

फ़दक पहुँचकर आप ने वहाँ के लोगों को आत्मसमर्पण के लिए बुलाया और कहा: “तुम्हारे क़िलों की कुंजियाँ मुझे दे दी गई हैं”, और कुंजियाँ निकालकर दिखाईं; कुंजियाँ छिपाने वाले पहरेदार ने उन्हें छिपाने की जगह पर न पाकर कहा: “यह जादू नहीं, इनका मामला बड़ा है”, और लोग समझौते पर राज़ी हो गए।

फ़दक, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 123 (fasl fîmâ zahara min mu'cizâtihî ba'de vefâtihî)

952. एक ग़ज़वे से लौटते हुए भोजन के लिए पड़ाव के समय जिब्रील आए, आप को सवारी पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे से लौटते हुए भोजन के लिए पड़ाव के समय जिब्रील आए, आप को सवारी पर बिठाया, और धरती आप के लिए कपड़े की तरह लपेट दी गई और आप फ़दक पहुँच गए; शत्रु समझकर दरवाज़े बंद कर चुके फ़दक वालों ने कुंजियाँ नगर के बाहर एक बूढ़ी स्त्री के पास छोड़ी थीं; जिब्रील ने कुंजियाँ लेकर दरवाज़े खोले; आप घरों में घूमे, फिर दरवाज़ा बंद करके कुंजियाँ अपनी तलवार की म्यान में रख लीं; इसी तरह लौटे तो सहाबा अभी वहीं थे, और आप ने फ़रमाया: "मैं फ़दक पहुँचा, अल्लाह ने उसे मेरे लिए फ़ै (बिना युद्ध का माल) बना दिया", और कुंजियाँ दिखाईं; आप ने फ़दक फ़ातिमा को दे दिया (सूरह अल-हश्र, आयत 6–7)।

ख़ैबर के बाद, हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 378-379 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

953. हबशा के बादशाह नजाशी असहमा ने नबी ﷺ के पत्र के उत्तर में आसमानों और धरती के रब...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हबशा के बादशाह नजाशी असहमा ने नबी ﷺ के पत्र के उत्तर में आसमानों और धरती के रब की क़सम खाई कि ईसा के बारे में आप की बातें बिना ज़रा भी कमी-बेशी के सच हैं, गवाही दी कि आप पिछले नबियों की पुष्टि करने वाले अल्लाह के रसूल हैं, बताया कि उसने आप के चचेरे भाई (जाफ़र) के हाथ पर बैअत करके इस्लाम क़बूल कर लिया है, और अपने बेटे को भेजा।

हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselamın Mektuplarını Necaşi'nin Cevaplayışı" (kitabın dipnotu: Taberî, Tarih, c:3, s:89)

954. हिरक़्ल ने दिह्या के सामने स्वीकार किया: "तुम्हारे स्वामी अल्लाह के भेजे हुए..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिरक़्ल ने दिह्या के सामने स्वीकार किया: "तुम्हारे स्वामी अल्लाह के भेजे हुए नबी हैं; हमने उनका नाम और गुण अपनी किताबों में लिखे पाए थे; अगर मुझे रूमियों का डर न होता तो मैं उनका अनुसरण करता", और अल्लाह के रसूल को लिखे उत्तर-पत्र में आप को "ईसा के शुभ समाचार वाले अल्लाह के रसूल" कहकर संबोधित किया और "हमने आप को इंजील में लिखा पाया" कहकर आप की नबूवत की गवाही दी।

हिजरी 7 का आरंभ (628 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kayser'in İtirafları, Endişeleri ve Dıhye'yi Dagatır'a Gönderişi + Kayser Herakliyus'un Peygamberimiz Aleyhisselamın Mektubuna Cevap Yazışı" (kitabın dipnotu: Taberî, Târih, c:3. S:87-88; Diyarbekrî, Târîhu'l-hamîs, c:2, s:34; İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:1, s:276 / Taberî, Târih, c:3, s:88; Yâkubî, Târih, c:2, s:77)

955. आप का पत्र ज़मीन पर फेंककर मदीना पर चढ़ाई की तैयारी करने वाले ग़स्सानी शासक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप का पत्र ज़मीन पर फेंककर मदीना पर चढ़ाई की तैयारी करने वाले ग़स्सानी शासक हारिस बिन अबी शिम्र के लिए आप ने बद-दुआ की: "उसका राज्य मिट जाए"; हारिस मक्का विजय के वर्ष मर गया, और ग़स्सानी राज्य जबला बिन ऐहम को मिला

और उसी पर समाप्त हो गया।

बद-दुआ: हिजरी 7 (628 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 8 (629–630 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Hâris b. Ebi Şimr el-Gassanî'nin Aleyhinde Duası" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:258,261; Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c.4, s.268; Diyarbekrî, Târîh, c.2, s.38, 39; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c.3, s.305)

24 · हिजरत का आठवाँ वर्ष (629–630 ईस्वी): मूता, मक्का विजय, हुनैन

956. कलिमा-ए-शहादत पढ़ने वाले एक व्यक्ति को मार डालने वाले मुहल्लिम बिन जस्सामा की...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

कलिमा-ए-शहादत पढ़ने वाले एक व्यक्ति को मार डालने वाले मुहल्लिम बिन जस्सामा की लाश को ज़मीन ने कई बार बाहर फेंक दिया।

हिजरी 8 (629–630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.463; 1000 Mucize no.977 (s.790); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 130; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 3930 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7175]

957. मूता में ज़ैद, जाफ़र और इब्ने रवाहा के बारी-बारी से शहीद होने और झंडा ख़ालिद के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मूता में ज़ैद, जाफ़र और इब्ने रवाहा के बारी-बारी से शहीद होने और झंडा ख़ालिद के हाथ में आने की ख़बर आप ने मदीना में उसी समय दे दी।

जमादिउल अव्वल हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.512; 1000 Mucize no.146 (s.126); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3630; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 597; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 431; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 469; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 318; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 296; c. 18, s. 131; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 121; 166; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 94-95; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 333; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 101-102, hadis no. 94/3; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mu'te'de Kumandanların Nasıl Şehit Olduklarını Medine'de Müslümanlara Bildirişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:130; c:3,s:4,530; c:4, s:37-38; Taberî, Târih, c:3, s:109-110; Beyhakî, Delâil, c:4, s:368-369; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:6, s:161); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Cenâiz 4, Cihâd 7, 183, Menâkıb 25, Fedâili'l-Ashâb 25, 44; Nesâî, Cenâiz 27, (4, 26) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4272]

958. आप ने बताया कि जाफ़र को उनकी कटी हुई दोनों बाँहों के बदले जन्नत में दो पंख दिए गए हैं

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जाफ़र को उनकी कटी हुई दोनों बाँहों के बदले जन्नत में दो पंख दिए गए हैं।

हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.512; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 430; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 166-167; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mu'te'de Kumandanların Nasıl Şehit Olduklarını Medine'de Müslümanlara Bildirişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:130; c:3,s:4,530; c:4, s:37-38; Taberî, Târih, c:3, s:109-110; Beyhakî, Delâil, c:4, s:368-369; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:6, s:161); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb, (3767) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4422, c./s. 12/488]

959. ज़ातुस सलासिल के अभियान में आप ने औफ़ बिन मालिक को ऊँट ज़बह करने के मामले में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ातुस सलासिल के अभियान में आप ने औफ़ बिन मालिक को ऊँट ज़बह करने के मामले में उनका किया हुआ काम बता दिया।

हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.76; 1000 Mucize no.927 (s.763); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 434

960. सैफ़ुल बह्र के सरिय्या में भूखे दल के लिए समुद्र ने एक विशाल मछली (अंबर) किनारे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सैफ़ुल बह्र के सरिय्या में भूखे दल के लिए समुद्र ने एक विशाल मछली (अंबर) किनारे फेंक दी, और 300 लोग कई दिनों तक उससे खाते रहे।

रजब हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.574; 1000 Mucize no.300 (s.278); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 434; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 429; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 255; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 913; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (Câbir) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3478, c./s. 10/276-278]

961. हातिब बिन अबी बलतआ के मक्का वालों को लिखे गुप्त पत्र की और उस स्त्री के मिलने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हातिब बिन अबी बलतआ के मक्का वालों को लिखे गुप्त पत्र की और उस स्त्री के मिलने की जगह (रौज़ा-ए-ख़ाख़) की आप ने ख़बर दे दी।

रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.25, 78, 100; 1000 Mucize no.148 (s.127), no.403 (s.393); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6499; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 435; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 469; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 313; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 110-111; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 60; c. 1, s. 161-162; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Hâtıb'ın Kureyş Müşriklerine Harekât Durumunu Bir Yazı ile Bildirmeye Yeltenişi + Mektubun Kureyş Müşriklerine Bir Kadınla Gönderilişi + Hâtıb'ın Sorguya Çekilişi" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megazi, c:2,s:797; / Vâkıdî, Megazi, c:2, s:797-798,860; Zemahşerî, Keşşaf, c:4, s:88; Diyarbekrî, Târîh, c:2, s:78; Belâzurî, Ensâbu'l-eşrâf, c:1, s:361 / Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:79; Zemahşerî, Keşşaf, c:4, s:88; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:797-798,801; Hâkim, Müstedrek, c:3, s:301-302; Taberî, Tefsfr, c:28, s:60; Buhârî, Sahih, c:5, s:89, / Mümtahine:1-5); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megâzî 9, Cihâd 141, 195, Tefsir, Mümtehine 1, İsti'zân 23, İstitâbe 9; Müslim, Fedâilu's-Sahâbe 161; Ebu Dâvud, Cihâd 108, (2650, 2651); Tirmizî, Tefsir, Mümtahine, (3302) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4276, c./s. 12/223-224]

962. मक्का विजय में काबा के आसपास की 360 मूर्तियाँ आप के हाथ की छड़ी से इशारा करते...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय में काबा के आसपास की 360 मूर्तियाँ आप के हाथ की छड़ी से इशारा करते ही एक-एक करके गिर पड़ीं।

रमज़ान हिजरी 8 (जनवरी 630 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.170; 1000 Mucize no.92 (s.67); web: İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6522; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 7. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 437; c. 2, s. 307); ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 104; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 139, 414; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 307; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 279; c. 17, s. 382; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 97; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Kâ'be Çevresindeki Putların Yıktırılışı" (kitabın dipnotu: Ezrakî, Ahbâru Mekke, c:1, s:120-121, 212; Kastalânî, Mevâhibü'l-ledünniye, c:1, s:204); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megâzî 48, Mezâlim 32, Tefsir, Beni İsrail 12; Müslim, Cihâd 87, (1781); Tirmizî, Tefsir, Beni İsrâil, (3137) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4282, c./s. 12/230-231]

---

963. विजय के दिन जब बिलाल अज़ान दे रहे थे, क़ुरैश के सरदारों ने आपस में जो छिपी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

विजय के दिन जब बिलाल अज़ान दे रहे थे, क़ुरैश के सरदारों ने आपस में जो छिपी बातें कीं, वे आप ने उन्हें बता दीं।

रमज़ान हिजरी 8 (जनवरी 630 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.102; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 97-98; 163-164; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 333; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "(başlıksız bölüm: Bilâl-i Habeşî'nin Kâ'be üzerinde ezan okuması)" (kitabın dipnotu: Ezrakî, Ahbâr, c:1, s:274-275; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c.4, s:56; Hindî , Kenzu'l-ummâl, c:10, s:536; Süheylî, Ravdu'l-ünüf, c:7, s:137)

---

964. तवाफ़ में आप को मारने का इरादा रखने वाले फ़ज़ाला बिन उमैर के मन की बात आप ने कह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तवाफ़ में आप को मारने का इरादा रखने वाले फ़ज़ाला बिन उमैर के मन की बात आप ने कह दी; आप ने उसके सीने पर हाथ रखा तो उसका दिल बदल गया।

रमज़ान हिजरी 8 (जनवरी 630 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.48; 1000 Mucize no.340 (s.325); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Fadâle'nin Kötü Niyetini Değiştiren ve İmanını Berkiştiren Bir Hadise" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, c:4, s:59)

---

965. हुनैन में आप ने एक मुट्ठी कंकड़/मिट्टी फेंककर कहा: “इनके चेहरे बिगड़ जाएँ”, तो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुनैन में आप ने एक मुट्ठी कंकड़/मिट्टी फेंककर कहा: “इनके चेहरे बिगड़ जाएँ”, तो शत्रु की आँखें भर गईं और वह पराजित हो गया।

शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.39; 19. Mektup listesi (183.txt) no.44, 171; 1000 Mucize no.116 (s.92), no.129 (s.105); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5888, 5891; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6520; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 12. İşaret, 1. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 445; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 138; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 113-114, hadis no. 110/13; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Huneyn'de Yüce Allah'a Dua Edişi ve Müşriklerin Bozguna Uğrayışı" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:3, s:1398-

1399,1401-1402; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:905-906; Halebî, İnsân, c:3, s:69; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; Taberî, Tarih,c:3, s:129); Kütüb-i Sitte: Müslim, Cihâd 76, 81 (1775, 1777)

---

966. हुनैन में फ़रिश्ते उतरे और न दिखने वाली सेनाओं से सहायता की गई

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुनैन में फ़रिश्ते उतरे और न दिखने वाली सेनाओं से सहायता की गई।

शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.9, 39; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 446; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 451; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Huneyn'de Yüce Allah'a Dua Edişi ve Müşriklerin Bozguna Uğrayışı" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:3, s:1398-1399,1401-1402; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:905-906; Halebî, İnsân, c:3, s:69; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; Taberî, Tarih,c:3, s:129)

---

967. हुनैन में आप को मारने आए शैबा बिन उस्मान के सीने पर आप ने हाथ रखकर दुआ की, तो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन में आप को मारने आए शैबा बिन उस्मान के सीने पर आप ने हाथ रखकर दुआ की, तो उसका दिल ईमान से भर गया।

शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.47; 1000 Mucize no.293 (s.271), no.409 (s.399); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 144; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 448; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 333; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 61; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 117-118; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 64-65; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Şeybe b. Osman'ın Peygamberimiz Aleyhisselâma Suikaste Kalkışı ve Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:909-910; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:3, s:71; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c: 2, s:208)

---

968. ताइफ़ के रास्ते में आप ने अबू रिग़ाल की क़ब्र और उसके साथ दफ़न सोने की डाली की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ताइफ़ के रास्ते में आप ने अबू रिग़ाल की क़ब्र और उसके साथ दफ़न सोने की डाली की ख़बर दी; खोदने पर वह निकल आई।

शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.65; İbn Kesîr s.144; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 452; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 244; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 319; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Ebu Rigal ve Onun Kabrinden Çıkarılan Altın Dal" (kitabın dipnotu: Suyûtî, Hasâis, c:2, s:98-99; Zürkânî, Mevâhib, c:3, s:30; Firuzâbadi, Kâmüs, c:3, s:396-397; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1007-1008; Yakut, c:3, s:53; İbn Kuteybe, Maarif, s.41); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Harac 41, (3088) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5986, c./s. 16/470-471]

---

969. उयैना बिन हिस्न ने सक़ीफ़ वालों से चुपके से जो बातें कहीं और जो झूठ बोला, वह आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उयैना बिन हिस्न ने सक़ीफ़ वालों से चुपके से जो बातें कहीं और जो झूठ बोला, वह आप ने उसे बता दिया।

शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.68; 1000 Mucize no.411 (s.401); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 451; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 118-119

---

970. आप की दुआ “ऐ अल्लाह, सक़ीफ़ को हिदायत दे और उन्हें हमारे पास ले आ” पर अगले वर्ष...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप की दुआ “ऐ अल्लाह, सक़ीफ़ को हिदायत दे और उन्हें हमारे पास ले आ” पर अगले वर्ष वे वफ़्द के साथ आकर मुसलमान हो गए।

दुआ: हिजरी 8; पूर्ति: हिजरी 9 (630–631 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.69, 231; 1000 Mucize no.166 (s.145), no.968 (s.784); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 451; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menakıb, (3937) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4542, c./s. 13/105]

---

971. जिअराना में हुनैन की ग़नीमत बाँटते समय “न्याय करो” कहने वाले ज़ुल ख़ुवैसिरा के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जिअराना में हुनैन की ग़नीमत बाँटते समय “न्याय करो” कहने वाले ज़ुल ख़ुवैसिरा के बारे में आप ने बताया कि उसकी नस्ल से एक ऐसा समूह (ख़वारिज) निकलेगा जो दीन से ऐसे निकल जाएगा जैसे तीर कमान से निकल जाता है, और उनके बीच एक अपंग हाथ वाले व्यक्ति के बारे में भी बताया।

ख़बर: हिजरी 8 (630 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 37–38 (657–658 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.90; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3610; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 605; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 297-298; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 316; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 113, 123-124; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Humus 16; Müslim, Zekât 142, (1063); Müslim, Zekat 156, (1066) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4818, c./s. 13/496; no. 4813, c./s. 13/488-489]

---

972. मक्का विजय के बाद उज़्ज़ा को ढाने भेजे गए ख़ालिद बिन वलीद तीन पेड़ काटकर और...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय के बाद उज़्ज़ा को ढाने भेजे गए ख़ालिद बिन वलीद तीन पेड़ काटकर और ढाँचा गिराकर लौटे, तो आप ने कहा: “वापस जाओ, तुमने कुछ नहीं किया”; ख़ालिद लौटे तो बिखरे बालों वाली एक नंगी स्त्री से उनका सामना हुआ और उन्होंने तलवार से उसे मार डाला; आप ने फ़रमाया: “वही उज़्ज़ा थी।”

मक्का विजय के बाद, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.157 (s.137); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Questions on Islam, "Miracles concerning Angels and Jinn"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 440; Kütüb-i Sitte: Nesâî, es-Sünenü'l-kübrâ (Ebü't-Tufeyl)

---

973. सलीत बिन अम्र के हाथ पत्र भेजे गए यमामा के शासक हौज़ा बिन अली की सत्ता में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सलीत बिन अम्र के हाथ पत्र भेजे गए यमामा के शासक हौज़ा बिन अली की सत्ता में साझेदारी की माँग आप ने ठुकरा दी; विजय से लौटते समय जिब्रील से हौज़ा की मौत की ख़बर पाकर आप ने फ़रमाया: “यमामा में नबूवत का दावा करने वाला एक झूठा निकलेगा और मेरे बाद मारा जाएगा।”

ख़बर: मक्का विजय से वापसी, हिजरी 8 (630 ईस्वी); पूर्ति: यमामा का युद्ध, लगभग हिजरी 11–12 (632–633 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.192 (s.172)

---

974. यमामा में निकलने वाले झूठे नबी को कौन मारेगा, यह पूछने वाले व्यक्ति को आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यमामा में निकलने वाले झूठे नबी को कौन मारेगा, यह पूछने वाले व्यक्ति को आप ने उत्तर दिया: “तुम और तुम्हारे साथी।”

ख़बर: मक्का विजय से वापसी, हिजरी 8 (630 ईस्वी); पूर्ति: यमामा का युद्ध, लगभग हिजरी 11–12 (632–633 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.193 (s.172)

---

975. तेज़ दाँत-दर्द की शिकायत करने वाले अब्दुल्लाह बिन रवाहा के दुखते गाल पर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तेज़ दाँत-दर्द की शिकायत करने वाले अब्दुल्लाह बिन रवाहा के दुखते गाल पर आप ने हाथ रखा और सात बार दुआ की: “ऐ अल्लाह, बरकत वाले नबी की दुआ से इसका दर्द दूर कर दे”, और दर्द तुरंत चला गया।

मदनी दौर, मूता (हिजरी 8 / 629 ईस्वी) से पहले

स्रोत 1000 Mucize no.323 (s.300); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 117

---

976. हुनैन में जब मुसलमान बिखर गए, तो आप की सवारी (दुलदुल) आप की बात समझकर इतना झुक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन में जब मुसलमान बिखर गए, तो आप की सवारी (दुलदुल) आप की बात समझकर इतना झुक गई कि उसका पेट ज़मीन से लग गया; आप ने ज़मीन से एक मुट्ठी मिट्टी उठाकर शत्रु के चेहरों पर फेंकी और कहा: “हा-मीम, इनकी सहायता नहीं की जाएगी”, और शत्रु बिना तीर चलाए पराजित हो गया।

हुनैन, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.331 (s.307), no.876 (s.734); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 449; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 306; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Huneyn'de Yüce Allah'a Dua Edişi ve Müşriklerin Bozguna Uğrayışı" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:3, s:1398-1399,1401-1402; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:905-906; Halebî, İnsân, c:3, s:69; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; Taberî, Tarih,c:3, s:129)

---

977. हवाज़िन के बंदी लौटाए जाते समय अपना हिस्सा न छोड़ने वाले एकमात्र व्यक्ति के लिए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हवाज़िन के बंदी लौटाए जाते समय अपना हिस्सा न छोड़ने वाले एकमात्र व्यक्ति के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, उसके तीर को कुंद कर दे”; वह व्यक्ति जवान और कुँवारी दासियों को छोड़कर एक ऐसी बूढ़ी स्त्री को चुन बैठा जिसे कोई नहीं चाहता था, और अंत में उसे भी छोड़ दिया।

हुनैन के बाद हवाज़िन के बंदियों की वापसी, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.348 (s.335); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 450; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 16-17; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 73

978. जुमे के दिन मिंबर से आप का “बैठ जाओ” कहना बनू ग़न्म के मोहल्ले में मौजूद...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जुमे के दिन मिंबर से आप का “बैठ जाओ” कहना बनू ग़न्म के मोहल्ले में मौजूद अब्दुल्लाह बिन रवाहा ने सुना और वे जहाँ थे वहीं बैठ गए।

मदनी दौर (इब्ने रवाहा की शहादत से पहले, हिजरी 8 से पहले)

स्रोत 1000 Mucize no.363 (s.349); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 113

979. मक्का विजय की रात तकबीर और तवाफ़ देखकर अबू सुफ़यान ने अकेले में अपनी पत्नी हिंद...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय की रात तकबीर और तवाफ़ देखकर अबू सुफ़यान ने अकेले में अपनी पत्नी हिंद से कहा: “तुम्हारे विचार से क्या यह अल्लाह की ओर से है?”; अगली सुबह आप ने यह बात उसे ज्यों की त्यों बताकर कहा: “हाँ, यह अल्लाह की ओर से है” (इब्ने अब्बास की रिवायत में आप ने तवाफ़ के समय हिंद और उसके बीच हुई बात की ख़बर दी)।

मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.404 (s.395); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 441; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 113; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 317; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 140; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Mücahidlerin Fetih Gecesini Zikir ve İbadetle Geçirmeleri" (kitabın dipnotu: Zürkânî, Mevâhibü'l-ledünniye Şerhi, c:2, s:320)

980. मस्जिद में बैठे अबू सुफ़यान के मन में आया: “समझ नहीं आता कि मुहम्मद ने हमें...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिद में बैठे अबू सुफ़यान के मन में आया: “समझ नहीं आता कि मुहम्मद ने हमें कैसे हराया”; आप ने यह जानकर उसके सीने पर हाथ मारा और कहा: “अल्लाह की सहायता से हराया”, और अबू सुफ़यान ने कलिमा-ए-शहादत पढ़ा।

मक्का विजय के बाद, लगभग हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.405 (PDF s.399)

981. मक्का विजय के बाद अबू सुफ़यान बिन हर्ब के मन में आया: “काश, मैं मुहम्मद के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय के बाद अबू सुफ़यान बिन हर्ब के मन में आया: “काश, मैं मुहम्मद के विरुद्ध फिर लोग इकट्ठा कर लूँ”; आप ने यह जानकर उसके कंधे पर (दूसरी रिवायत में सीने पर) हाथ मारकर कहा: “तब अल्लाह तुम्हें अपमानित करेगा।”

मक्का विजय के बाद, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.406 (s.397); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 441; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 163; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 108; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Ebu Süfyan b. Harb'in İçinden Geçirdiği Bir Kuruntudan Dolayı Uyarılışı" (kitabın dipnotu: Suyûtî, Hasâisü'l-kübrâ, c:2, s:85)

982. जब क़ुरैश ने ख़ुज़ाआ के विरुद्ध बनू बक्र की सहायता करके संधि तोड़ी, तो आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब क़ुरैश ने ख़ुज़ाआ के विरुद्ध बनू बक्र की सहायता करके संधि तोड़ी, तो आप ने कहा: “अबू सुफ़यान संधि को नया करने और अवधि बढ़ाने के लिए तुम्हारे पास आएगा और ख़ाली हाथ, क्रोध में लौटेगा”; अबू सुफ़यान मदीना आया और उसकी माँग ठुकराए जाने पर लौट गया।

ख़बर: मक्का विजय से पहले, हिजरी 8 (630 ईस्वी); पूर्ति: कुछ ही समय बाद, उसी वर्ष

स्रोत 1000 Mucize no.407 (s.398)

---

983. मक्का विजय के लिए जाते समय मर्रुज़्ज़हरान में आप ने फ़रमाया: “अबू सुफ़यान इस...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय के लिए जाते समय मर्रुज़्ज़हरान में आप ने फ़रमाया: “अबू सुफ़यान इस समय अराक में है, उसे पकड़कर लाओ”, और अबू सुफ़यान वहीं पाकर लाया गया।

मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.408 (s.398)

---

984. अबू सुफ़यान को क़ुरैश में बाँटने के लिए माल ले जाने पर नियुक्त अम्र बिन फ़ग़वा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू सुफ़यान को क़ुरैश में बाँटने के लिए माल ले जाने पर नियुक्त अम्र बिन फ़ग़वा ख़ुज़ाई को आप ने उसके सहयात्री अम्र बिन उमय्या ज़मरी के बारे में सावधान किया: “जब उसकी क़ौम के इलाक़े में पहुँचो तो उससे बचना”; अबवा में अम्र बिन उमय्या ने अपनी क़ौम के लोगों के साथ उसका रास्ता रोका, पर वह सावधानी के कारण बच निकला।

पाठ के अनुसार मक्का विजय के बाद, लगभग हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.915 (s.755); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 181; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Edeb 34, (4861) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5958, c./s. 16/435]

---

985. मुसलमान होकर अपनी क़ौम से हज़ार घुड़सवार लाने का वादा करने वाले बनू सुलैम के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमान होकर अपनी क़ौम से हज़ार घुड़सवार लाने का वादा करने वाले बनू सुलैम के क़द्र बिन अम्मार ने बनू किनाना के धावे के डर से सौ लोगों को अपने इलाक़े में छोड़ दिया था; आप ने फ़रमाया: “उन्हें भी ले आओ, इस वर्ष कोई ऐसी बात नहीं होगी जो तुम्हें बुरी लगे”, और सौ घुड़सवार आकर शामिल हो गए।

मदनी दौर, लगभग हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.929 (s.764); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 32, Benî Süleym heyeti bâbı

---

986. मक्का विजय में दस हज़ार की सेना के साथ मर्रुज़्ज़हरान में पड़ाव डालने के बावजूद...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय में दस हज़ार की सेना के साथ मर्रुज़्ज़हरान में पड़ाव डालने के बावजूद आप के आने की ख़बर मक्का वालों तक बिल्कुल नहीं पहुँची, और वे समझ न सके कि क्या करें।

मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.933 (s.768); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 436

987. हुनैन के ग़ज़वे में भी आप के आदेश से दो पेड़ों के मिलकर आप के लिए परदा बनने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन के ग़ज़वे में भी आप के आदेश से दो पेड़ों के मिलकर आप के लिए परदा बनने वाले मोजिज़े जैसी घटना हुई (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

हुनैन का ग़ज़वा, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl (ağaçların konuşması ve itaati)

988. अब्बास बिन मिरदास अपनी मूर्ति ज़िमार के बोलने और नबी ﷺ का ज़िक्र करने वाला शेर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्बास बिन मिरदास अपनी मूर्ति ज़िमार के बोलने और नबी ﷺ का ज़िक्र करने वाला शेर पढ़ने पर चकित थे, कि एक पक्षी आ बैठा और बोला: “ऐ अब्बास, तुम ज़िमार के बोलने पर चकित हो, अपने आप पर चकित नहीं होते? अल्लाह के रसूल इस्लाम की ओर बुला रहे हैं और तुम बैठे हो”; यही उनके मुसलमान होने का कारण बना।

मक्का विजय से कुछ समय पहले, हिजरी 8 (629–630 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

989. मक्का विजय के दिन मक्का के कबूतरों ने आप पर छाया की; आप ने उनके लिए बरकत की दुआ की

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय के दिन मक्का के कबूतरों ने आप पर छाया की; आप ने उनके लिए बरकत की दुआ की।

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (जनवरी 630 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

990. हुनैन के दिन घायल हुए आइज़ बिन अम्र के चेहरे का ख़ून आप ने पोंछकर दुआ की; उनके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन के दिन घायल हुए आइज़ बिन अम्र के चेहरे का ख़ून आप ने पोंछकर दुआ की; उनके चेहरे पर घोड़े के माथे की सफ़ेदी (ग़ुर्रा) जैसी चमक आ गई।

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

991. अम्र बिन आस के आने से पहले आप ने फ़रमाया: “आज रात तुम्हारे पास एक समझदार...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अम्र बिन आस के आने से पहले आप ने फ़रमाया: “आज रात तुम्हारे पास एक समझदार मुहाजिर आएगा”, और उसी रात अम्र बिन आस मुसलमान होकर आए।

सफ़र हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 31, Amr b. Âs'ın gelişi bâbı

992. ग़ालिब बिन अब्दुल्लाह लैसी के कदीद में बनू मुलव्विह पर धावे के बाद जब शत्रु...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ग़ालिब बिन अब्दुल्लाह लैसी के कदीद में बनू मुलव्विह पर धावे के बाद जब शत्रु पीछा कर रहा था, तो बारिश और बादल न होते हुए भी घाटी के दोनों किनारों को भर देने वाली बाढ़ आई और शत्रु और सरिय्या के बीच आ गई; शत्रु देखता रह गया और सरिय्या ग़नीमत के साथ बच निकला।

ग़ालिब लैसी का सरिय्या, सफ़र हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 428 (Gâlib el-Leysî seriyyesi)

993. मूता के लिए सेना भेजते समय आप को “अगर ज़ैद शहीद हों तो जाफ़र, अगर वे भी शहीद...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मूता के लिए सेना भेजते समय आप को “अगर ज़ैद शहीद हों तो जाफ़र, अगर वे भी शहीद हों तो अब्दुल्लाह बिन रवाहा” कहते सुनकर यहूदी नुमान ने कहा: “अगर ये नबी हैं, तो इन्होंने जिनके नाम गिनाए वे सब मरेंगे; जब बनी इसराईल के नबी इस तरह नाम गिनाते थे, तो ऐसा ही होता था”, और तीनों बारी-बारी से शहीद हुए।

मूता, जमादिउल अव्वल हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 430 (Mûte gazvesindeki mucizeler)

994. अस्मा बिंत उमैस पास थीं, तो आप ने सलाम का उत्तर दिया और फ़रमाया: “ऐ अस्मा, यह...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अस्मा बिंत उमैस पास थीं, तो आप ने सलाम का उत्तर दिया और फ़रमाया: “ऐ अस्मा, यह जाफ़र हैं; जिब्रील, मीकाईल और इस्राफ़ील के साथ गुज़रे और सलाम किया; उन्होंने मुझे बताया कि मूता में उन्हें तिहत्तर घाव लगे और दोनों हाथ कटने पर अल्लाह ने उन्हें दो पंख दिए।”

मूता के बाद, हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 432 (Mûte gazvesindeki mucizeler)

995. ख़ुज़ाआ के अम्र बिन सालिम सहायता माँगने आए, तो आसमान में दिखे बादल के बारे में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ुज़ाआ के अम्र बिन सालिम सहायता माँगने आए, तो आसमान में दिखे बादल के बारे में आप ने फ़रमाया: “यह बादल बनू कअब (ख़ुज़ाआ) की विजय का शुभ समाचार दे रहा है”, और उसके बाद मक्का विजय हुई।

मक्का विजय से पहले, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 435 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

996. अबू बक्र ने सपने में देखा कि जब वे मक्का के निकट पहुँचे, तो भौंकती हुई एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र ने सपने में देखा कि जब वे मक्का के निकट पहुँचे, तो भौंकती हुई एक कुतिया निकली, फिर पीठ के बल लेट गई और उसका दूध बहने लगा; आप ने इसकी ताबीर की: “उनका कुत्तापन चला गया, उनका दूध (भलाई) आ गया; वे रिश्तेदारी के वास्ते तुमसे विनती करेंगे”, और विजय में ऐसा ही हुआ।

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 436 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

---

997. विजय के दिन अंसार की आपस में कही इस बात को कि “इन्हें अपने देश का प्रेम और अपनी...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

विजय के दिन अंसार की आपस में कही इस बात को कि “इन्हें अपने देश का प्रेम और अपनी क़ौम की ममता ने पकड़ लिया”, आप ने वह्य से जानकर उन्हें ज्यों का त्यों बता दिया और फ़रमाया: “मेरा जीना तुम्हारा जीना है, मेरा मरना तुम्हारा मरना है।”

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 437 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

---

998. विजय के लिए मक्का के निकट पहुँचने की रात आप ने फ़रमाया: “मक्का में क़ुरैश के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

विजय के लिए मक्का के निकट पहुँचने की रात आप ने फ़रमाया: “मक्का में क़ुरैश के चार लोग हैं जिनकी समझ उन्हें शिर्क से दूर रखती है, और मैं उनके इस्लाम में आने की कामना करता हूँ: अत्ताब बिन असीद, जुबैर बिन मुतइम, हकीम बिन हिज़ाम और सुहैल बिन अम्र”, और चारों मुसलमान हुए।

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 438 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

---

999. विजय के दिन आप ने अबू लहब के बेटों उत्बा और मुअत्तिब को बुलवाकर इस्लाम की दावत...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

विजय के दिन आप ने अबू लहब के बेटों उत्बा और मुअत्तिब को बुलवाकर इस्लाम की दावत दी; उनके मुसलमान होने पर आप ने मुल्तज़म पर उनके लिए दुआ की और प्रसन्न होकर फ़रमाया: “मैंने अपने इन दो चचेरे भाइयों को अपने रब से माँगा, उसने इन्हें मुझे दे दिया।”

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 439 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

1000. आप ने ख़बर दी कि मक्का विजय होने पर इब्लीस ने चीख़-पुकार करके अपनी संतान को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मक्का विजय होने पर इब्लीस ने चीख़-पुकार करके अपनी संतान को इकट्ठा किया और कहा: “आज के बाद मुहम्मद की उम्मत को शिर्क की ओर लौटाने की आशा छोड़ दो।”

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 439 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

1001. विजय के दिन सफ़ेद बालों वाली एक काली स्त्री अपना चेहरा नोचती और विलाप करती हुई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

विजय के दिन सफ़ेद बालों वाली एक काली स्त्री अपना चेहरा नोचती और विलाप करती हुई आई, तो आप ने फ़रमाया: “यह नाइला है; यह तुम्हारे इस नगर में फिर कभी अपनी पूजा किए जाने से निराश हो गई।”

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 439 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

1002. विजय के दिन आप ने फ़रमाया: “आज के बाद क़यामत तक मक्का पर (कुफ़्र के देश के रूप...)”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

विजय के दिन आप ने फ़रमाया: “आज के बाद क़यामत तक मक्का पर (कुफ़्र के देश के रूप में) चढ़ाई नहीं की जाएगी।”

ख़बर: मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 439 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

1003. विजय के दिन आप ने फ़रमाया: “आज के बाद क़यामत तक किसी क़ुरैशी को बाँधकर (सब्रन)...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

विजय के दिन आप ने फ़रमाया: “आज के बाद क़यामत तक किसी क़ुरैशी को बाँधकर (सब्रन) नहीं मारा जाएगा”; बैहक़ी के अनुसार यह इस बात की ख़बर है कि सारे क़ुरैश मुसलमान हो जाएँगे और कुफ़्र की हालत में नहीं मारे जाएँगे।

ख़बर: मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 440 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

1004. मक्का विजय के दिन चारों ओर एक धुआँ छा गया (इसे सूरह अद-दुख़ान की आयत 10 से...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय के दिन चारों ओर एक धुआँ छा गया (इसे सूरह अद-दुख़ान की आयत 10 से जोड़ा गया है)।

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 440 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

1005. मुशल्लल में मनात मूर्ति को ढाने भेजे गए साद बिन ज़ैद अशहली के सामने बिखरे बालों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुशल्लल में मनात मूर्ति को ढाने भेजे गए साद बिन ज़ैद अशहली के सामने बिखरे बालों वाली एक नंगी काली स्त्री चीख़ती-चिल्लाती निकली; साद ने उसे मार डाला और मूर्ति ढा दी।

मक्का विजय के बाद, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 441 (Mekke fethindeki mucizeler ve hasâis)

1006. ख़ुज़ैमा बिन हकीम सुलमी ने रात और दिन, पानी के सर्दियों में गुनगुना और गर्मियों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ुज़ैमा बिन हकीम सुलमी ने रात और दिन, पानी के सर्दियों में गुनगुना और गर्मियों में ठंडा होने, बादल, पुरुष और स्त्री के पानी, शरीर में नफ़्स के स्थान, गर्भस्थ शिशु के पोषण और टिड्डी की उत्पत्ति के कारणों के बारे में जो प्रश्न किए, आप ने उनका एक-एक करके उत्तर दिया।

मक्का विजय के दिन, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 443 (Gece ile gündüzün sebebi, bulutun çıkış yeri ve nefsin bedendeki yeri)

1007. हुनैन से एक रात पहले मालिक बिन औफ़ द्वारा भेजे गए तीन जासूस ढीले जोड़ों वाली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन से एक रात पहले मालिक बिन औफ़ द्वारा भेजे गए तीन जासूस ढीले जोड़ों वाली हालत में लौटे और बोले: “हमने चितकबरे घोड़ों पर सफ़ेद लोग देखे; हम स्वयं को सँभाल न सके।”

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 447 (Huneyn gazvesindeki mucizeler)

1008. मुसलमान हुए बिना हुनैन में शामिल होकर अवसर मिलते ही आप पर हमला करने की सोचने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमान हुए बिना हुनैन में शामिल होकर अवसर मिलते ही आप पर हमला करने की सोचने वाले नुज़ैर बिन हारिस ने बाद में जिअराना में आप से मिलने पर देखा कि उसकी नीयत आप को बता दी गई है, और आप की दुआ से उसका ईमान दृढ़ हो गया।

हुनैन – जिअराना, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 447 (Huneyn gazvesindeki mucizeler)

1009. हुनैन में घायल हुए ख़ालिद बिन वलीद के घाव पर आप ने थूका, तो घाव तुरंत ठीक हो गया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन में घायल हुए ख़ालिद बिन वलीद के घाव पर आप ने थूका, तो घाव तुरंत ठीक हो गया।

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 450 (Huneyn gazvesindeki mucizeler)

1010. ताइफ़ की घेराबंदी में तीर लगने से जिनकी आँख निकल गई थी, उन अबू सुफ़यान बिन हर्ब...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ताइफ़ की घेराबंदी में तीर लगने से जिनकी आँख निकल गई थी, उन अबू सुफ़यान बिन हर्ब से आप ने फ़रमाया: “चाहो तो मैं दुआ करूँ और तुम्हारी आँख लौटा दी जाए; चाहो तो जन्नत”, और उन्होंने जन्नत चुनी।

ताइफ़ की घेराबंदी, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 451 (Tâif gazvesindeki mucizeler)

1011. ताइफ़ की घेराबंदी में आप ने सपने में देखा कि आप को मक्खन से भरा एक बर्तन पेश...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ताइफ़ की घेराबंदी में आप ने सपने में देखा कि आप को मक्खन से भरा एक बर्तन पेश किया गया और एक मुर्ग़े ने चोंच मारकर उसमें का सब गिरा दिया; अबू बक्र ने इसकी ताबीर की: “आज आप उनसे अपनी इच्छा पूरी नहीं कर पाएँगे”; आप ने फ़रमाया: “मैं भी ऐसा ही समझता हूँ; सक़ीफ़ के बारे में मुझे अनुमति नहीं दी गई”, और घेराबंदी उठा ली।

ताइफ़ की घेराबंदी, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 451 (Tâif gazvesindeki mucizeler)

1012. जिअराना से उमरा करके आप ने ख़बर दी: “यहाँ से सत्तर नबियों ने उमरा किया”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिअराना से उमरा करके आप ने ख़बर दी: “यहाँ से सत्तर नबियों ने उमरा किया।”

जिअराना, ज़ुलक़ादा हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 452 (Tâif gazvesindeki mucizeler)

1013. आप ने उसैद बिन अबी उनास के चेहरे (और सीने) पर हाथ फेरा; उसैद जब किसी अंधेरे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उसैद बिन अबी उनास के चेहरे (और सीने) पर हाथ फेरा; उसैद जब किसी अंधेरे कमरे में जाते, तो कमरा रोशन हो जाता।

मक्का विजय के बाद, लगभग हिजरी 8

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 142 (Mübarek elinin değdiği yerde görülen eserler (saçın ağarmaması vb.) bâbı)

1014. मक्का विजय के लिए निकलते समय आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, क़ुरैश तक ख़बरें न...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मक्का विजय के लिए निकलते समय आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, क़ुरैश तक ख़बरें न पहुँचने दे, ताकि हम उन्हें उनके घरों में अचानक जा पकड़ें”; क़ुरैश को कोई ख़बर नहीं मिली, और जब तक आप दस हज़ार घुड़सवारों के साथ अक़बा के नीचे नहीं उतर आए, उन्हें पता नहीं चला।

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 161-162 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1015. विजय के दिन ज़ुहर के समय बिलाल ने काबा की छत पर अज़ान दी, तो मक्का में जितनी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

विजय के दिन ज़ुहर के समय बिलाल ने काबा की छत पर अज़ान दी, तो मक्का में जितनी मूर्तियाँ थीं, सब औंधे मुँह गिर पड़ीं।

मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 163 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1016. ज़ातुस सलासिल के अभियान में जिस दिन अली ने मदीना से पाँच पड़ाव दूर शत्रु पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ातुस सलासिल के अभियान में जिस दिन अली ने मदीना से पाँच पड़ाव दूर शत्रु पर सुबह धावा बोला, उस दिन आप ने सुबह की नमाज़ में सूरह अल-आदियात पढ़ी और कहा: “यह सूरह अल्लाह ने अभी उतारी है; यह मुझे अली के शत्रु पर धावे की ख़बर दे रही है।”

ज़ातुस सलासिल, हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 167-168 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1017. हुनैन की घाटी जाते समय अग्रिम दल रास्ता रोके पहाड़ जैसे एक साँप से डरकर रुक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन की घाटी जाते समय अग्रिम दल रास्ता रोके पहाड़ जैसे एक साँप से डरकर रुक गया; साँप ने सिर उठाकर सलाम किया और कहा: “मैं हैसम बिन ताह बिन इब्लीस हूँ, आप पर ईमान लाया हूँ; अपने परिवार के दस हज़ार लोगों के साथ आप के शत्रु के विरुद्ध सहायता करने आया हूँ”, और आप के आदेश से रास्ते से हट गया।

हुनैन, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 88 (fasl fî kelâmi'l-hayvânât)

1018. उमान में इब्नुल जुलंदा और वहाँ के लोगों को पत्र भेजते समय आप ने फ़रमाया: “वे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उमान में इब्नुल जुलंदा और वहाँ के लोगों को पत्र भेजते समय आप ने फ़रमाया: “वे मेरा पत्र स्वीकार करेंगे और मेरी पुष्टि करेंगे; इब्नुल जुलंदा तुमसे पूछेगा: ‘क्या अल्लाह के रसूल ने तुम्हारे साथ कोई उपहार भेजा है?’, तुम कहोगे: ‘नहीं’; वह कहेगा: ‘अगर भेजते तो वह बनी इसराईल और मसीह पर उतरे दस्तरख़्वान जैसा होता’”, और ठीक ऐसा ही हुआ।

हिजरी 8 (629–630 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 138 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1019. ताइफ़ में आप के सामने पेश की गई, ज़बह करके खाल उतारकर पकाई गई ज़हरीली भेड़...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ताइफ़ में आप के सामने पेश की गई, ज़बह करके खाल उतारकर पकाई गई ज़हरीली भेड़ (मेमना) बोल उठी: “ऐ अल्लाह के रसूल, मुझे मत खाइए, मैं ज़हरीली हूँ।”

ताइफ़ (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 295 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1020. हुनैन के दिन आप के हाथ में लिए पत्थर की तस्बीह और तक़दीस सहाबा ने सुनी; आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन के दिन आप के हाथ में लिए पत्थर की तस्बीह और तक़दीस सहाबा ने सुनी; आप ने पत्थर से कहा: “फट जा”, तो वह तीन टुकड़ों में बँट गया और हर टुकड़े से अलग-अलग तस्बीह की आवाज़ सुनाई दी।

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 296 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1021. जिअराना में ग़नीमत बाँटते समय माँगने वालों ने आप को घेरकर एक पेड़ से सटा दिया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिअराना में ग़नीमत बाँटते समय माँगने वालों ने आप को घेरकर एक पेड़ से सटा दिया, पेड़ ने आप की चादर खींच ली और आप की पीठ पर खरोंच लगी; आप ने फ़रमाया: “अगर मेरे पास तिहामा के पेड़ों जितने पशु होते तो मैं तुम्हारे बीच बाँट देता”; आप के जाने के बाद वह पेड़ सदा ऐसा हरा-भरा दिखता मानो उस पर पानी छिड़का गया हो।

जिअराना, ज़ुलक़ादा हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 379-380 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın ona itaati ve onunla konuşması)

1022. आप ने बताया कि मूता के शहीद आप को जन्नत में सोने के तख़्तों पर दिखाए गए, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मूता के शहीद आप को जन्नत में सोने के तख़्तों पर दिखाए गए, और अब्दुल्लाह बिन रवाहा का तख़्त उनके साथियों के तख़्तों से टेढ़ा था क्योंकि लड़ाई में जाते समय उन्होंने हिचकिचाहट दिखाई थी; आप ने सपने में जन्नत में प्रवेश करके जाफ़र को ख़ून से रँगे दो पंखों के साथ, ज़ैद को उनके सामने और इब्ने रवाहा को उनसे मुँह फेरे हुए-सा देखा।

मूता के बाद, जमादिउल अव्वल हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Mu'te'de Kumandanların Nasıl Şehit Olduklarını Medine'de Müslümanlara Bildirişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s:130; c:3,s:4,530; c:4, s:37-38; Taberî, Târih, c:3, s:109-110; Beyhakî, Delâil, c:4, s:368-369; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:6, s:161); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Cenâiz 4, Cihâd 7, 183, Menâkıb 25, Fedâili'l-Ashâb 25, 44; Nesâî, Cenâiz 27 (Enes: şehadetlerin haber verilmesi; tahtlar kısmı yok) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4272]

1023. मूता की ख़बर सबसे पहले मदीना लाने वाले याला बिन उमय्या के बताना शुरू करने से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मूता की ख़बर सबसे पहले मदीना लाने वाले याला बिन उमय्या के बताना शुरू करने से पहले ही आप ने कहा: “चाहो तो तुम मुझे बताओ, चाहो तो मैं तुम्हें बताऊँ”, और मुजाहिदों पर बीती बातें एक-एक करके सुना दीं; याला ने क़सम खाई: “आप ने एक अक्षर भी बिना बताए नहीं छोड़ा”, और आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने मेरे लिए धरती को बीच से हटा दिया, मैंने युद्ध के मैदान अपनी आँखों से देखे।”

मूता के बाद, हिजरी 8 (629 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Ya'lâ b. Ümeyye'nin Mu'te Haberini Medine'ye Getirişi" (kitabın dipnotu: İbn Asâkir, Târîh, c:1, s.87)

1024. विजय के दिन काबा की कुंजी उस्मान बिन तलहा को लौटाते समय आप ने सूरह अन-निसा की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

विजय के दिन काबा की कुंजी उस्मान बिन तलहा को लौटाते समय आप ने सूरह अन-निसा की आयत 58 पढ़ी और फ़रमाया: “ऐ अबू तलहा की संतान! अल्लाह की इस अमानत को सदा तुम्हारे पास रहने के लिए लो; अत्याचारी के सिवा कोई इसे तुम्हारे हाथ से नहीं छीन सकेगा”, और ख़बर दी कि काबा की सेवा (हिजाबा) उन्हीं में रहेगी।

ख़बर: मक्का विजय, रमज़ान हिजरी 8 (जनवरी 630 ईस्वी); पूर्ति का किताब में उल्लेख नहीं

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Hicâbe ve Sikâye Hızmetlerini Eski Görevlilerine Vermesi" (kitabın dipnotu: Nisa: 58 / Vâkıdî, Megâzî, c:2, s: 838; Ezrakî, Ahbâru Mekke, c.1, s.114,265,267; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c.4, s.55; Kastalânî, Mevâhib, c.1, s: 204)

1025. अबतह में आप के ख़ेमे में दो कोमल बकरी के बच्चों का कबाब भेजकर हिंद बिंत उत्बा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबतह में आप के ख़ेमे में दो कोमल बकरी के बच्चों का कबाब भेजकर हिंद बिंत उत्बा ने बताया कि इन वर्षों में उनकी भेड़ों ने बहुत कम बच्चे दिए हैं; आप ने दुआ की: “अल्लाह तुम्हारी भेड़ों में बरकत दे और उनके ब्याने वालों को बढ़ा दे”; हिंद की भेड़ें और ब्याने वाली भेड़ें इतनी बढ़ीं जितनी पहले कभी नहीं देखी गई थीं, और हिंद ने इसे आप की दुआ की बरकत माना।

मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Hind'in Peygamberimiz Aleyhisselâma Oğlak Kebabı Hediye Edişi ve Koyunlarının ve Kuzulayıcılarının Bereketlenişi" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:2, s:868-869-871)

1026. हिंद बिंत उत्बा ने इस्लाम की हिदायत पर अल्लाह की हम्द करते हुए बताया कि एक रात...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिंद बिंत उत्बा ने इस्लाम की हिदायत पर अल्लाह की हम्द करते हुए बताया कि एक रात उन्होंने सपने में अपने को धूप में लगातार खड़ा देखा, जो पास की छाया तक किसी तरह पहुँच नहीं पा रही थीं; और जब अल्लाह के रसूल उनके निकट आए, तो मानो वे तुरंत छाया में आ गईं।

सपना: तिथि अनिश्चित (मक्का विजय से पहले); बयान: मक्का विजय के बाद, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Hind'in Peygamberimiz Aleyhisselâma Oğlak Kebabı Hediye Edişi ve Koyunlarının ve Kuzulayıcılarının Bereketlenişi" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:2, s:868-869-871)

1027. इकरिमा बिन अबी जहल जब अपनी पत्नी उम्मे हकीम के साथ मक्का के निकट आ रहे थे, उनके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इकरिमा बिन अबी जहल जब अपनी पत्नी उम्मे हकीम के साथ मक्का के निकट आ रहे थे, उनके पहुँचने से पहले ही आप ने अपने सहाबा से फ़रमाया: “इकरिमा तुम्हारे पास मोमिन और मुहाजिर बनकर आ रहे हैं; उनके पिता को बुरा-भला न कहना”; इकरिमा आए और मुसलमान हो गए।

मक्का विजय के बाद, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "İkrime b. Ebu Cehil'e Eman Verilişi ve Kendisinin Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: Hâkim, Müstedrek, c:3, s:241-242; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:851; Taberî, Târih, c:3, s:120; Diyarbekrî, Târîh, c:2, s:91; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:4, s:71; Ezrakî, Ahbâru Mekke, c:1, s:123)

1028. हुनैन में पराजय के क्षण आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, हम्द तेरे ही लिए है; शिकायत...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन में पराजय के क्षण आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, हम्द तेरे ही लिए है; शिकायत केवल तुझसे की जाती है और सहायता केवल तुझसे माँगी जाती है”, तो जिब्रील आए और बताया कि समुद्र फटने के दिन मूसा को भी अल्लाह ने यही शब्द सिखाए थे।

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Huneyn'de Yüce Allah'a Dua Edişi ve Müşriklerin Bozguna Uğrayışı" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:3, s:1398-1399,1401-1402; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:905-906; Halebî, İnsân, c:3, s:69; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; Taberî, Tarih,c:3, s:129); Kütüb-i Sitte:

Buhârî, Megâzî 54, Cihâd 52, 61, 97, 167; Müslim, Cihâd 79, (1776); Tirmizî, Cihâd 15, (1688) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4291, c./s. 12/255-256]

1029. हुनैन में धरती और आकाश के बीच ऐसी आवाज़ें सुनाई दीं जैसे लोहे के पत्थरों पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन में धरती और आकाश के बीच ऐसी आवाज़ें सुनाई दीं जैसे लोहे के पत्थरों पर लोहे के टुकड़े गिर रहे हों; युद्ध में मौजूद सुवैद (या बुरैद) बिन आमिर से जब उस दिन उनके दिलों में पड़े डर के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक तश्तरी में कंकड़ डालकर आवाज़ निकाली और कहा: “हम अपने भीतर ऐसी आवाज़ें गूँजती सुनते थे।”

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Huneyn'de Yüce Allah'a Dua Edişi ve Müşriklerin Bozguna Uğrayışı" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:3, s:1398-1399,1401-1402; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:905-906; Halebî, İnsân, c:3, s:69; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; Taberî, Tarih,c:3, s:129)

1030. हुनैन में पराजय के समय अपने पिता का बदला लेने के लिए पीछे से निकट आकर तलवार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन में पराजय के समय अपने पिता का बदला लेने के लिए पीछे से निकट आकर तलवार उठाने वाले शैबा बिन उस्मान और नबी ﷺ के बीच बिजली जैसी आग की एक लपट प्रकट हुई; शैबा जलने के डर से आँखें बंद करके पीछे हट गए और समझ गए कि आप अल्लाह की ओर से सुरक्षित हैं।

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Şeybe b. Osman'ın Peygamberimiz Aleyhisselâma Suikaste Kalkışı ve Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:909-910; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:3, s:71; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c: 2, s:208)

1031. हुनैन में ईमान लाकर युद्ध में उतरे शैबा बिन उस्मान ने चितकबरे घोड़ों पर बहुत-से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुनैन में ईमान लाकर युद्ध में उतरे शैबा बिन उस्मान ने चितकबरे घोड़ों पर बहुत-से घुड़सवार (फ़रिश्ते) देखे; आप ने फ़रमाया: “ऐ शैबा, इन्हें केवल काफ़िर ही देखते हैं”, उनके सीने पर हाथ फेरा और तीन बार दुआ की: “ऐ अल्लाह, शैबा को सही राह दिखा”; तीसरी बार में शैबा आप को सब से अधिक प्रेम करने लगे।

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Şeybe b. Osman'ın Peygamberimiz Aleyhisselâma Suikaste Kalkışı ve Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:909-910; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:3, s:71; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c: 2, s:208)

1032. हवाज़िन के पराजित होने के बाद आप के पास आए शैबा बिन उस्मान को आप ने वह सब कुछ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हवाज़िन के पराजित होने के बाद आप के पास आए शैबा बिन उस्मान को आप ने वह सब कुछ ज्यों का त्यों बता दिया जो उन्होंने किसी से कहे बिना आप के साथ करने का मन में सोचा था; शैबा ने कलिमा-ए-शहादत पढ़ा और क्षमा माँगी।

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Şeybe b. Osman'ın Peygamberimiz Aleyhisselâma Suikaste Kalkışı ve Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:909-910; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:3, s:71; Beyhakî, Delâil, c:5, s:146; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c: 2, s:208)

1033. हुनैन में जुबैर बिन मुतइम ने देखा कि युद्ध के दौरान और हवाज़िन के पराजित होने...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

हुनैन में जुबैर बिन मुतइम ने देखा कि युद्ध के दौरान और हवाज़िन के पराजित होने से ठीक पहले आसमान से एक काले क़ालीन (बिजाद) जैसी कोई चीज़ उतरी और उनके और शत्रु के बीच आ गिरी; वह घाटी को भर देने वाली काली चींटियाँ थीं, और उन्हें कोई संदेह नहीं रहा कि ये फ़रिश्ते हैं; उसके तुरंत बाद शत्रु पराजित हो गया।

हुनैन, शव्वाल हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 333 (Bedir bâbında, savaş adı anılmadan nakledilir)

25 · हिजरत का नौवाँ वर्ष (630–631 ईस्वी): तबूक

1034. तबूक के अभियान की तैयारी में नबूवत के कई निशान देखे गए

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक के अभियान की तैयारी में नबूवत के कई निशान देखे गए।

रजब हिजरी 9

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.125

1035. तबूक के रास्ते में आप ने अबू ज़र के बारे में फ़रमाया: “वह अकेला चलता है, अकेला...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

तबूक के रास्ते में आप ने अबू ज़र के बारे में फ़रमाया: “वह अकेला चलता है, अकेला मरेगा और अकेला उठाया जाएगा”; उनकी वफ़ात रबज़ा में अकेले हुई।

ख़बर: हिजरी 9; पूर्ति: हिजरी 32 (652 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.135; 1000 Mucize no.445 (s.436); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 453; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 99-100

1036. तबूक के रास्ते में दूर से आती एक परछाई के बारे में आप ने कहा: “अबू ख़ैसमा हो...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक के रास्ते में दूर से आती एक परछाईं के बारे में आप ने कहा: “अबू ख़ैसमा हो जा!”, और आने वाले वही निकले।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.135; 1000 Mucize no.418 (s.411); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 453; Kütüb-i Sitte: Müslim (Ka'b b. Mâlik)

1037. तबूक में ख़त्म हो चुका रास्ते का भोजन एक दस्तरख़्वान पर इकट्ठा किया गया और आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक में ख़त्म हो चुका रास्ते का भोजन एक दस्तरख़्वान पर इकट्ठा किया गया और आप की दुआ से उसमें बरकत हुई; पूरी सेना ने अपने बर्तन भर लिए।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.143; İbn Kesîr s.48; 19. Mektup listesi (183.txt) no.59, 136; 1000 Mucize no.263 (s.236); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 114 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması – azıkların toplanması; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Concerning the Increase in Food and Drink"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 407; c. 1, s. 454; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 94-95, 97; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 278; islamveihsan.com, “Hz. Peygamber'in Mucizeleri”; Müslim, Îmân, no 27a; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 23-24; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 28; c. 1, s. 169-170; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 89; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamber Aleyhisselâmın Tebük’te Yaptığı En Son Bereket

Duası" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:3, s:1037-1038; Müslim, Sahih, c:1, s:56); Kütüb-i Sitte: Müslim İman 44, (27) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5595, c./s. 15/446]

1038. तबूक के रास्ते में प्यास के कारण ऊँट ज़बह किए जा रहे थे, तब आप की दुआ से बादल...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक के रास्ते में प्यास के कारण ऊँट ज़बह किए जा रहे थे, तब आप की दुआ से बादल आया और केवल सेना पर बरसा।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.143; 19. Mektup listesi (183.txt) no.28, 34; 1000 Mucize no.417 (s.410); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 93 — Delâilü'n-nübüvve: semâvî mucizeler – istiskā; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 8. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 14. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 457; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 56; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 15; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 98-99; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Yağmur Dualarının Sayısı ve Çeşitleri" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1008-1009; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c:1, s:156; Taberî, Tefsir, c:2, s:55); "Su Sıkıntısına Düşen Mücâhidlerin Peygamberimiz Aleyhisselâmın Duasıyla Yağmura Kavuşmaları" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, c:4, s:165; Taberi, tefsir, c:11, s:55; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1009)

1039. आप ने अपनी खोई हुई ऊँटनी की जगह (घाटी में, नकेल पेड़ में फँसी हुई) बता दी, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपनी खोई हुई ऊँटनी की जगह (घाटी में, नकेल पेड़ में फँसी हुई) बता दी, और मुनाफ़िक़ की यह बात भी बता दी: “आसमान की ख़बरें देते हैं पर अपनी ऊँटनी का पता नहीं।”

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी); एक रिवायत में मुरैसीअ से वापसी (हिजरी 5–6)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.143; Beyhakî, Delâil c.3 s.170; 1000 Mucize no.341 (s.326); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 230, 237; c. 18, s. 109-110, 119, 129; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 30-31; c. 1, s. 108; c. 1, s. 121; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 83-84; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 113; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kaynuka oğulları Yahudî bilginlerinden münafık olan Mâlik b. Kavkal’ın itirazı" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Tarih, c:3, s:1009)

1040. वादिल क़ुरा में आप ने एक स्त्री के बाग़ की उपज का अनुमान 10 वसक़ लगाया, और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

वादिल क़ुरा में आप ने एक स्त्री के बाग़ की उपज का अनुमान 10 वसक़ लगाया, और लौटते समय ठीक उतनी ही निकली।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.155; 1000 Mucize no.416 (s.408); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 604; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6501; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 458; Kütüb-i Sitte: Buhârî 1481; Müslim 1392

1041. तबूक में आप ने फ़रमाया: “आज रात तेज़ आँधी चलेगी, कोई खड़ा न हो”; जो एक व्यक्ति...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक में आप ने फ़रमाया: “आज रात तेज़ आँधी चलेगी, कोई खड़ा न हो”; जो एक व्यक्ति खड़ा हुआ, उसे आँधी ने तय के पहाड़ों पर फेंक दिया।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.155; Beyhakî, Delâil c.5 s.47; 1000 Mucize no.416 (s.408); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve, "Hayatında gerçekleşen gayb haberleri"; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6501; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 458; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 310; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 131; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 94; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Hıcr'da Emre Aykırı Hareket Eden İki Mücâhidin Başlarına Gelenler" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:399,1006; İshak-İbn Hişam, Sîre, c:4, s:165); Kütüb-i Sitte: Buhârî 1481, 1482; Müslim 1392

1042. तबूक के सोते का बारीक धार में बहता पानी, आप के उसमें हाथ-मुँह धोकर पानी वापस...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक के सोते का बारीक धार में बहता पानी, आप के उसमें हाथ-मुँह धोकर पानी वापस डालने पर, ज़ोर-ज़ोर से बहने लगा।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.153; İbn Kesîr s.33; 19. Mektup listesi (183.txt) no.30; 1000 Mucize no.413 (s.406); web: Müslim, Fezâil, bâbün fî mu'cizâti'n-nebî; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 574; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 4. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 14. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 453; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 69; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Tebük Su Kaynağının Bereketlendirilişi" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1012; İbn Hazm, Cevami, s:253); Kütüb-i Sitte: Müslim 706, Fezâil; Muvatta, Sefer 2

1043. आप ने मुआज़ से फ़रमाया: "अगर तुम्हारी आयु रही, तो तुम इन जगहों को बाग़-बग़ीचों..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने मुआज़ से फ़रमाया: "अगर तुम्हारी आयु रही, तो तुम इन जगहों को बाग़-बग़ीचों से भरा देखोगे", और तबूक आबाद हो गया।

ख़बर: हिजरी 9; पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.153; 1000 Mucize no.414 (s.406); web: Müslim, Fezâil, bâbün fî mu'cizâti'n-nebî; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 4. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 14. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 453; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Tebük Su Kaynağının Bereketlendirilişi" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1012; İbn Hazm, Cevami, s:253); Kütüb-i Sitte: Müslim 706, Fezâil

---

1044. तबूक में नमाज़ पढ़ते समय आप के सामने से गुज़रने वाले व्यक्ति के लिए आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक में नमाज़ पढ़ते समय आप के सामने से गुज़रने वाले व्यक्ति के लिए आप ने बद-दुआ की: "अल्लाह इसके क़दम काट दे", और वह व्यक्ति अपंग हो गया।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.161; 1000 Mucize no.873 (PDF s.736); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 8. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 460; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 211; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd 705-707 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2739, c./s. 9/37]

1045. तबूक में रहते हुए आप ने मदीना में मरे मुआविया बिन मुआविया लैसी की जनाज़े की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक में रहते हुए आप ने मदीना में मरे मुआविया बिन मुआविया लैसी की जनाज़े की नमाज़ पढ़ी; धरती सिमटा दी गई और उनका शव आप को दिखाया गया।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.163; 1000 Mucize no.912 (s.752), no.913 (s.752)

1046. ख़ालिद को दूमतुल जंदल के सरदार उकैदिर के पास भेजते समय आप ने फ़रमाया: “तुम उसे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ालिद को दूमतुल जंदल के सरदार उकैदिर के पास भेजते समय आप ने फ़रमाया: “तुम उसे जंगली गाय का शिकार करते हुए पाओगे”, और वह ठीक इसी हालत में मिला।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.166; 19. Mektup listesi (183.txt) no.107; 1000 Mucize no.924 (PDF s.764), no.925 (PDF s.764); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 461; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 116, 136; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 101; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 98; Kütüb-i Sitte (kısmen): kısmen: Ebû Dâvûd 3037 (sunnah.com)

1047. तबूक से लौटते समय अक़बा घाटी में हत्या की योजना बनाने वाले नक़ाबपोश मुनाफ़िक़ों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक से लौटते समय अक़बा घाटी में हत्या की योजना बनाने वाले नक़ाबपोश मुनाफ़िक़ों की ख़बर आप को दे दी गई; आप ने उनके नाम हुज़ैफ़ा को बताए।

रमज़ान हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.173; 1000 Mucize no.365 (s.350); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 463; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 184; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 100-101; c. 2, s. 504-505; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Münâfıkların Peygamberimiz Aleyhisselâma Tuzak Kurmaları" (kitabın dipnotu: İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c:3, s:10; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1015,1042; Beyhakî, Delâil, c:5, s:256; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:5, s:453; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:3, s:120; Ebu Nuaym, Delâil, c:2, s:528; Müslim, Sahih, c:4, s: 2144); Kütüb-i Sitte: Müslim (Huzeyfe)

1048. मस्जिदे ज़िरार बनाने का उद्देश्य वह्य से बता दिया गया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मस्जिदे ज़िरार बनाने का उद्देश्य वह्य से बता दिया गया।

रमज़ान हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.173

1049. आप ने अब्दुल्लाह ज़ुल बिजादैन के लिए दुआ की, और तबूक में उनकी मृत्यु (शहीद के दर्जे में) हुई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल्लाह ज़ुल बिजादैन के लिए दुआ की, और तबूक में उनकी मृत्यु (शहीद के दर्जे में) हुई।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.352 (s.341), no.958 (s.779); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 461

1050. सालबा बिन हातिब की कथा: उसने धन के लिए आप से दुआ करवाई, और धनी होने पर ज़कात...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

सालबा बिन हातिब की कथा: उसने धन के लिए आप से दुआ करवाई, और धनी होने पर ज़कात देने से इनकार कर दिया।

हिजरी 9

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.220; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 294; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Malının Zekâtını Vermekten Kaçınan Sa'lebe'nin Âkibeti" (kitabın dipnotu: Tevbe: 103 / Tevbe: 75-77 / Taberî, Tefsir, c:10, s:189-191; Beyhakî, Delâil, c. 5, s. 290; Ebussuud, Tefsîr, c. 4, s.85; Zemahşerî, Keşşâf, c. 2, s. 203; Buhârî. Sahîh. c. 1. s. 14)

1051. हबशा के नजाशी असहमा की मृत्यु की ख़बर आप ने उसी दिन मदीना में दी और ग़ायबाना...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हबशा के नजाशी असहमा की मृत्यु की ख़बर आप ने उसी दिन मदीना में दी और ग़ायबाना जनाज़े की नमाज़ पढ़ाई।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.578; 1000 Mucize no.147 (s.127); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 168; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 469; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 130; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 64; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 93; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Habeş Necaşî'si Ashama'nın Vefat Edişi ve Kendisi İçin Gıyâbî Olarak Medine'de Cenaze Namazı Kılınışı" (kitabın dipnotu: Süheylî, Ravdu'l-ünüf, c:3, s:262; İbn Hazm, Cevâmi, s:11; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:3, s:400, c:4, s:7; Diyarbekrî, Târîh, c:2, s:139; İbn Mâce, Sünen, c:1, s:490; Zehebî, Tarih, c:1, s:316); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim, Nesâî (Ebû Hüreyre); İbn Mâce 1538 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3058, c./s. 9/369; no. 3059, c./s. 9/370-371; no. 6458, c./s. 17/129]

1052. आप ने कहा था: “मेरे आने से पहले कोई तबूक के सोते के पानी को न छुए”, फिर भी आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने कहा था: “मेरे आने से पहले कोई तबूक के सोते के पानी को न छुए”, फिर भी आप से पहले पहुँचे दो व्यक्तियों का हाल आप जान गए और उनसे पूछताछ की।

तबूक का अभियान, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.415 (s.406); web: Müslim, Fezâil, bâbün fî mu'cizâti'n-nebî; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Tebük Su Kaynağının Bereketlendirilişi" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1012; İbn Hazm, Cevami, s:253); Kütüb-i Sitte: Müslim 706, Fezâil

---

1053. अहले सुफ़्फ़ा के वासिला बिन असक़अ के लिए आप ने एक रोटी को गर्म पानी में सरीद...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अहले सुफ़्फ़ा के वासिला बिन असक़अ के लिए आप ने एक रोटी को गर्म पानी में सरीद बनवाया, दस लोगों को बुलवाया और कहा: “किनारे से खाओ, बरकत ऊपर से उतरती है”, और सब का पेट उसी एक रोटी से भर गया।

मदनी दौर, लगभग हिजरी 9–10 (जब वासिला अहले सुफ़्फ़ा में थे)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.67, 127; 1000 Mucize no.257 (s.230); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14117-14118; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 79; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 3276 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6963]

1054. ज़कात का माल लेकर आए तुजीब के तेरह सदस्यों वाले वफ़्द ने अपने सबसे कम उम्र के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़कात का माल लेकर आए तुजीब के तेरह सदस्यों वाले वफ़्द ने अपने सबसे कम उम्र के सदस्य को सवारियों के पास छोड़ा था; उसकी विनती पर आप ने उसके लिए दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे क्षमा कर, इस पर रहम कर, इसकी अमीरी इसके दिल में रख दे”; वह युवक अपनी क़ौम में सबसे संतोषी और संयमी बना, और आप की वफ़ात के बाद यमन में धर्म छोड़ने वालों के विरुद्ध अपनी क़ौम को सावधान किया।

तुजीब का वफ़्द, लगभग हिजरी 9 (630–631 ईस्वी); परिणाम की सूचना: मिना, हिजरी 10 के हज का मौसम (632 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.284 (s.261); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 47, Tücîb heyeti bâbı

1055. मदीना आए बनू साद हुज़ैम के वफ़्द के सबसे कम उम्र सदस्य और सेवक युवक के लिए आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना आए बनू साद हुज़ैम के वफ़्द के सबसे कम उम्र सदस्य और सेवक युवक के लिए आप ने दुआ की: “अल्लाह इसे बरकत दे”; वह युवक उनमें सबसे अच्छा क़ुरआन पढ़ने वाला निकला और अपनी क़ौम का अमीर और इमाम नियुक्त हुआ।

वफ़्दों का दौर, लगभग हिजरी 9 (630–631 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.347 (s.333)

1056. अपने पिता मुआविया बिन सौर के साथ आप के पास आए बिश्र बिन मुआविया के सिर पर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने पिता मुआविया बिन सौर के साथ आप के पास आए बिश्र बिन मुआविया के सिर पर आप ने हाथ फेरकर दुआ की; आप के हाथ का निशान उनके चेहरे पर रह गया, और बिश्र जिस रोगी को छूते वह ठीक हो जाता।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित (वफ़्दों का दौर, लगभग हिजरी 9)

स्रोत 1000 Mucize no.219 (s.199); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 46-47, Benî Bekkâ heyeti bâbı

1057. तबूक में भूखे रह गए इरबाज़ बिन सारिया, जुऐल बिन सुराक़ा और अब्दुल्लाह बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक में भूखे रह गए इरबाज़ बिन सारिया, जुऐल बिन सुराक़ा और अब्दुल्लाह बिन मुग़फ़्फ़ल के लिए बिलाल के थैले से निकली सात खजूरों पर आप ने हाथ रखकर बिस्मिल्लाह पढ़ी; तीनों ने पेट भरकर खाया और 54 खजूरें गिनीं, फिर भी सात खजूरें वैसी ही रहीं; अगले दिन उन्हीं सात खजूरों से दस लोगों का पेट भरा।

तबूक का अभियान, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.250 (s.220); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 455; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 104-105

1058. भूखे अहले सुफ़्फ़ा की ओर से आए वासिला बिन असक़अ के लिए आप ने आइशा के पास के...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

भूखे अहले सुफ़्फ़ा की ओर से आए वासिला बिन असक़अ के लिए आप ने आइशा के पास के रोटी के टुकड़ों से एक प्याले में सरीद बनाई; दस-दस के समूहों में बुलाए गए अहले सुफ़्फ़ा एक के बाद एक पेट भरकर खाते गए, और प्याला बिना कम हुए भरा-भरा आइशा के पास लौटा दिया गया।

मदनी दौर, लगभग हिजरी 9–10 (जब वासिला अहले सुफ़्फ़ा में थे)

स्रोत 1000 Mucize no.258 (s.230); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 78

1059. भूखे बीस सदस्यों वाले अहले सुफ़्फ़ा द्वारा भेजे गए वासिला बिन असक़अ के लिए आप...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

भूखे बीस सदस्यों वाले अहले सुफ़्फ़ा द्वारा भेजे गए वासिला बिन असक़अ के लिए आप ने अपनी पत्नी के पास की चूरा हुई रोटी को थोड़े दूध के साथ सरीद बनाया; पहले दस, फिर बाक़ी दस का पेट भरा और प्याला फिर भी भरा रहा।

मदनी दौर, लगभग हिजरी 9–10 (जब वासिला अहले सुफ़्फ़ा में थे)

स्रोत 1000 Mucize no.259 (s.232); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 78

1060. हारिस बिन औफ़ की अध्यक्षता में बनू मुर्रा के तेरह सदस्यों वाले वफ़्द ने अपने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हारिस बिन औफ़ की अध्यक्षता में बनू मुर्रा के तेरह सदस्यों वाले वफ़्द ने अपने इलाक़े के सूखे का हाल बताया, तो आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इन्हें बारिश दे”; वफ़्द लौटा तो पता चला कि जिस दिन दुआ की गई थी, उसी दिन से बारिश शुरू हो गई थी।

बनू मुर्रा का वफ़्द, लगभग हिजरी 9 (630–631 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.285 (s.265); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 44, Benî Mürre heyeti bâbı; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Benî Mürre Temsilcilerinin Medine'ye Gelişi ve Müslüman Oluşlarında İstekleri Üzere Yapılan Yağmur Duası" (kitabın dipnotu: İbn Seyyid, Uyûnu'leser, c:2, s:250-253; Yâkût, Mu'cem, c:3, s:233; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:1, s:410; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:3, s:274)

1061. खाना बनाते समय हमज़ा बिन अम्र का घी का थैला उलटकर गिर गया, बाद में उन्होंने उसे...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

खाना बनाते समय हमज़ा बिन अम्र का घी का थैला उलटकर गिर गया, बाद में उन्होंने उसे भरा और छलकता हुआ पाया; आप ने फ़रमाया: “अगर तुम उसे छोड़ देते, तो घाटी घी बनकर बह निकलती” (एक रिवायत में यह घटना तबूक के अभियान में हुई)।

तबूक का अभियान, हिजरी 9 (630 ईस्वी), एक रिवायत के अनुसार

स्रोत 1000 Mucize no.309 (s.286); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14129; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 455; c. 2, s. 90

1062. मदीना में मुसलमान होकर अपनी क़ौम सक़ीफ़ को इस्लाम की ओर बुलाने की अनुमति माँगने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना में मुसलमान होकर अपनी क़ौम सक़ीफ़ को इस्लाम की ओर बुलाने की अनुमति माँगने वाले उरवा बिन मसऊद से आप ने दो बार कहा: “वे तुम्हें मार डालेंगे”; उरवा ताइफ़ में सुबह अज़ान देते समय सक़ीफ़ के एक व्यक्ति के तीर से शहीद हुए, और आप ने उन्हें यासीन वाले (व्यक्ति) के समान बताया।

ख़बर: ताइफ़ की घेराबंदी के बाद, लगभग हिजरी 9 (630 ईस्वी); पूर्ति: कुछ ही समय बाद ताइफ़ में

स्रोत 1000 Mucize no.412 (PDF s.405); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 23, Sakîf heyeti bâbı

1063. तबूक के रास्ते में पड़ाव के समय, ऊँट के न चलने पर अपना सामान पीठ पर लादकर पैदल...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

तबूक के रास्ते में पड़ाव के समय, ऊँट के न चलने पर अपना सामान पीठ पर लादकर पैदल आते और दूर से दिखते एक व्यक्ति के बारे में आप ने फ़रमाया: “यह अबू ज़र हैं”, और निकट आने पर वे सचमुच अबू ज़र निकले।

तबूक का अभियान, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.444 (s.436)

1064. तबूक में सूरज असामान्य चमक के साथ निकला, तो जिब्रील ने ख़बर दी कि मुआविया बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक में सूरज असामान्य चमक के साथ निकला, तो जिब्रील ने ख़बर दी कि मुआविया बिन मुआविया लैसी की उस दिन मदीना में मृत्यु हुई है और उनकी नमाज़ के लिए सत्तर हज़ार फ़रिश्ते भेजे गए हैं।

तबूक का अभियान, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.911 (s.752); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 461

1065. तय के वफ़्द के साथ आकर मुसलमान हुए, और जिनका नाम आप ने ज़ैदुल ख़ैल से बदलकर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तय के वफ़्द के साथ आकर मुसलमान हुए, और जिनका नाम आप ने ज़ैदुल ख़ैल से बदलकर ज़ैदुल ख़ैर रखा, वे जब अपनी क़ौम की ओर लौट रहे थे, आप ने कहा: “ज़ैद मदीना के बुख़ार से नहीं बच सकेगा”; ज़ैद नज्द में एक जलस्रोत पर पहुँचकर बुख़ार में पड़ गए और वहीं मर गए।

वफ़्दों का वर्ष, लगभग हिजरी 9 (630–631 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.918 (s.756); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 34, Tay heyeti bâbı

1066. दूमतुल जंदल के शासक उकैदिर के पकड़े जाने पर शेर कहने वाले तय क़बीले के बुजैर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दूमतुल जंदल के शासक उकैदिर के पकड़े जाने पर शेर कहने वाले तय क़बीले के बुजैर बिन बजरा के लिए आप ने दुआ की: “अल्लाह तुम्हारे मुँह की रक्षा करे”, और नब्बे वर्ष की आयु में भी बुजैर के दाँत पूरे थे।

दुआ: दूमतुल जंदल का सरिय्या, हिजरी 9 (630 ईस्वी); पूर्ति: बुजैर का नब्बे वर्ष की आयु तक पहुँचना, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.923 (PDF s.762); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 462

1067. बनू बक्का के वफ़्द के साथ आए मुआविया बिन सौर के बरकत के लिए अनुरोध पर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू बक्का के वफ़्द के साथ आए मुआविया बिन सौर के बरकत के लिए अनुरोध पर आप ने उनके बेटे बिश्र के चेहरे पर हाथ फेरा, उन्हें एक बकरी दी और बरकत की दुआ की; जब बनू बक्का पर अकाल पड़ा, तब भी वह उन्हें नहीं छू सका।

बनू बक्का का वफ़्द, हिजरी 9 (630–631 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.960-961 (s.780); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl

---

1068. आप ने अपने आज़ाद किए हुए ग़ुलाम सफ़ीना को यमन में मुआज़ के पास भेजा, तो रास्ते...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने आज़ाद किए हुए ग़ुलाम सफ़ीना को यमन में मुआज़ के पास भेजा, तो रास्ते में उनका सामना एक शेर से हुआ; जब उन्होंने कहा: “मैं अल्लाह के रसूल का आज़ाद किया हुआ हूँ, मेरे पास उनका पत्र है”, तो शेर गुर्राकर रास्ते से हट गया; लौटते समय भी ऐसा ही हुआ।

हिजरी 9–10 (मुआज़ का यमन भेजा जाना)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

1069. तबूक से लौटते समय आप के चाचा अब्बास ने अनुमति लेकर एक क़सीदा पढ़ा, जिसमें कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक से लौटते समय आप के चाचा अब्बास ने अनुमति लेकर एक क़सीदा पढ़ा, जिसमें कहा कि आप नूह की नाव में और इब्राहीम की आग में पीठों (सुल्बों) में थे, और आप के जन्म पर धरती और क्षितिज आप के नूर से रोशन हो गए; उन्हें आप की यह दुआ मिली: “अल्लाह तुम्हारे मुँह को कोई हानि न पहुँचाए।”

रमज़ान हिजरी 9 (630 ईस्वी), तबूक से वापसी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 66 (nesebinin temizliği bâbı)

1070. तबूक में आप ने हिरक़्ल के तनूख़ी दूत को बताया कि किसरा ने पत्र फाड़ा, इसलिए...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक में आप ने हिरक़्ल के तनूख़ी दूत को बताया कि किसरा ने पत्र फाड़ा, इसलिए उसका राज्य टुकड़े-टुकड़े होगा, और क़ैसर ने पत्र सँभाला, इसलिए उसका राज्य कुछ समय चलेगा; दूत ने वे तीनों निशान देखे जिन्हें हिरक़्ल ने खोजने को कहा था (पत्र के बारे में आप की बात, “रात आती है तो दिन कहाँ होता है” का उत्तर, और पीठ पर नबूवत की मुहर)।

तबूक, रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 13-14, Kayser'e mektup bâbı

1071. क़ुरआन याद न रख पाने की शिकायत करने वाले उस्मान बिन अबिल आस के सीने पर आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन याद न रख पाने की शिकायत करने वाले उस्मान बिन अबिल आस के सीने पर आप ने हाथ रखकर कहा: “ऐ शैतान, उस्मान के सीने से निकल जा”; उस्मान ने आप के हाथ की ठंडक अपने कंधों के बीच महसूस की, और उसके बाद वे जो कुछ याद करना चाहते, कभी नहीं भूले।

हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 24, Sakîf heyeti bâbı

1072. रूमियों के बलक़ा/मआन के गवर्नर फ़रवा बिन अम्र जुज़ामी मुसलमान हुए और रूम के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रूमियों के बलक़ा/मआन के गवर्नर फ़रवा बिन अम्र जुज़ामी मुसलमान हुए और रूम के शासक से यह कहकर अपने दीन से नहीं फिरे: “तुम भी जानते हो कि ईसा ने इनका शुभ समाचार दिया था”, और इसी कारण उन्हें मारकर सूली पर चढ़ा दिया गया।

हिजरी 9–10 (630–631 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 43, Ferve b. Amr'ın İslâm'ı bâbı

1073. क़ुतबा बिन आमिर के बीस लोगों के साथ तबाला क्षेत्र के ख़सअम पर सरिय्या में, जब...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ुतबा बिन आमिर के बीस लोगों के साथ तबाला क्षेत्र के ख़सअम पर सरिय्या में, जब वे ग़नीमत लेकर लौट रहे थे, एक बड़ी बाढ़ आकर उनके और शत्रु के बीच आ गई और शत्रु उन तक न पहुँच सका।

क़ुतबा बिन आमिर का सरिय्या, सफ़र हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 452 (Kutbe b. Âmir seriyyesi)

1074. तबूक में आप के पास आए बनू साद बिन हुज़ैम के एक व्यक्ति ने देखा कि बिलाल द्वारा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक में आप के पास आए बनू साद बिन हुज़ैम के एक व्यक्ति ने देखा कि बिलाल द्वारा लाए गए खजूर और घी के मिश्रण (हैस) के थोड़े-से खाने से आप की दुआ के कारण वहाँ मौजूद सब का पेट भर गया, खाना कम नहीं हुआ, और ऐसा तीन दिन तक होता रहा।

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 456 (Tebük gazvesindeki mucizeler)

1075. तबूक के अभियान में तीस हज़ार लोग, बारह हज़ार घोड़े और बारह हज़ार ऊँट प्यासे रह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक के अभियान में तीस हज़ार लोग, बारह हज़ार घोड़े और बारह हज़ार ऊँट प्यासे रह गए, तो आप ने एक बर्तन में उँगलियाँ रखीं और उनके बीच से पानी फूट पड़ा; सब मनुष्यों और पशुओं ने जी भरकर पिया।

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 456 (Tebük gazvesindeki mucizeler)

1076. तबूक के अभियान में उसैद बिन हुज़ैर एक स्त्री से थोड़ा-सा पानी लाए, आप ने उस पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक के अभियान में उसैद बिन हुज़ैर एक स्त्री से थोड़ा-सा पानी लाए, आप ने उस पर बरकत की दुआ की और सारे बर्तन भर गए।

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 456 (Tebük gazvesindeki mucizeler)

1077. तबूक के अभियान में आप ने अब्दुर्रहमान बिन औफ़ के पीछे नमाज़ पढ़ी; यह विशेषता है...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक के अभियान में आप ने अब्दुर्रहमान बिन औफ़ के पीछे नमाज़ पढ़ी; यह विशेषता है कि “कोई नबी तब तक वफ़ात नहीं पाते जब तक उनकी उम्मत का कोई नेक व्यक्ति उनकी इमामत न कर ले।”

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 458 (Tebük gazvesindeki mucizeler)

1078. तबूक के अभियान में सवारियाँ थकान से निढाल हो गईं, तो आप ने एक तंग दर्रे में...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक के अभियान में सवारियाँ थकान से निढाल हो गईं, तो आप ने एक तंग दर्रे में रुककर दुआ की: “ऐ अल्लाह, इन्हें अपने रास्ते में शक्ति दे”, और सवारियाँ ताज़ा होकर बलवान हो गईं।

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 460 (Tebük gazvesindeki mucizeler)

1079. तबूक के रास्ते में उनके सामने आया एक बहुत बड़ा साँप आप के निकट आया; आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक के रास्ते में उनके सामने आया एक बहुत बड़ा साँप आप के निकट आया; आप ने फ़रमाया: “यह क़ुरआन सुनने आए आठ जिन्नों में से एक है; यह तुम्हें सलाम कह रहा है।”

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 460 (Tebük gazvesindeki mucizeler)

1080. आप ने ख़बर दी: “मेरे साथियों में बारह मुनाफ़िक़ हैं; जब तक ऊँट सुई के छेद से न...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरे साथियों में बारह मुनाफ़िक़ हैं; जब तक ऊँट सुई के छेद से न निकले, वे जन्नत में नहीं जाएँगे; उनमें से आठ का काम आग का एक फोड़ा (दुबैला) तमाम करेगा, जो उनके कंधों के बीच निकलकर सीने से फूटेगा।”

ख़बर: तबूक से वापसी, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 464 (Tebük gazvesindeki mucizeler)

1081. तबूक के ग़ज़वे के समय अनस अपनी भेड़ों के पास थे कि एक भेड़िये ने एक भेड़ झपट...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक के ग़ज़वे के समय अनस अपनी भेड़ों के पास थे कि एक भेड़िये ने एक भेड़ झपट ली; पीछा करने वाले चरवाहों से भेड़िये ने कहा: “क्या तुम अल्लाह की दी हुई मेरी रोज़ी में रुकावट डालते हो?”, और उनके चकित होने पर बोला: “क्या तुम भेड़िये के बोलने पर चकित हो? मुहम्मद पर वह्य उतर रही है।”

तबूक का अभियान, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 103 (Hayvan türlerindeki mucizeleri: kurt kıssası)

1082. एक ग़ज़वे में सहाबा तंगी और भूख में थे, तो आप ने फ़रमाया: “सूरज डूबने से पहले...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में सहाबा तंगी और भूख में थे, तो आप ने फ़रमाया: “सूरज डूबने से पहले अल्लाह तुम्हारे लिए रोज़ी भेजेगा”; यह सुनकर उस्मान ने चौदह ऊँटों के बोझ जितना भोजन ख़रीदा और उनमें से नौ सूरज डूबने से पहले अल्लाह के रसूल के पास भेज दिए।

तबूक का अभियान, लगभग हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 179 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1083. यमन भेजे गए मुआज़ को आप ने अपनी ऊँटनी दी और फ़रमाया: “जहाँ यह ऊँटनी बैठ जाए...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यमन भेजे गए मुआज़ को आप ने अपनी ऊँटनी दी और फ़रमाया: “जहाँ यह ऊँटनी बैठ जाए, वहाँ मस्जिद बनाना”; ऊँटनी (जनद में) एक निश्चित जगह बैठ गई और मुआज़ ने वहाँ मस्जिद बनाई।

हिजरी 9–10 (631 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 182 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1084. बनू मुस्तलिक़ के दूतों के प्रश्न “अगर अगले वर्ष हम आप को न पाएँ, तो अपनी ज़कात...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू मुस्तलिक़ के दूतों के प्रश्न “अगर अगले वर्ष हम आप को न पाएँ, तो अपनी ज़कात किसे दें?” पर आप ने क्रमशः कहा: “अबू बक्र को”, “उमर को”, “उस्मान को”, और फ़रमाया: “जब उस्मान मारे जाएँगे, तब तुम्हारी ख़ैर नहीं” (अनस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर (लगभग हिजरी 9–10); पूर्ति: हिजरी 11–35 (632–656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 196 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

1085. तबूक से लौटते समय पहले ही बता दिया गया कि अभियान में न जाने वाले मुनाफ़िक़ आकर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक से लौटते समय पहले ही बता दिया गया कि अभियान में न जाने वाले मुनाफ़िक़ आकर अल्लाह की क़सम खाकर बहाने बनाएँगे (सूरह अत-तौबा, आयत 94–95), और ठीक ऐसा ही हुआ।

तबूक से वापसी, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 239 (Bâbü mâ ahbera bihî mine'l-kâinâti'l-müstakbele fî hayâtihî ve ba'deh)

1086. तबूक के ग़ज़वे में एक व्यक्ति का गला भी तर न कर सकने जितने कम पानी वाले कुएँ की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक के ग़ज़वे में एक व्यक्ति का गला भी तर न कर सकने जितने कम पानी वाले कुएँ की तली में आप ने अपने तरकश से निकाला तीर गड़वाया, तो पानी कुएँ के मुँह तक उबल आया; तीस हज़ार लोगों ने पिया और रास्ते के लिए पानी लिया, और वहाँ मौजूद मुनाफ़िक़ चकित रह गए।

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 28 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1087. पच्चीस हज़ार लोगों के साथ निकले तबूक के अभियान में एक पहाड़ की चोटी से तलहटी तक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पच्चीस हज़ार लोगों के साथ निकले तबूक के अभियान में एक पहाड़ की चोटी से तलहटी तक पानी रिस रहा था, तो आप ने कहा: “वह रो रहा है”; “ऐ पहाड़, तू क्यों रो रहा है?” पूछने पर पहाड़ ने ऐसी स्पष्ट भाषा में, जिसे सब ने सुना, कहा: “मरयम के बेटे ईसा उस आग की आयत पढ़ते हुए मेरे पास से गुज़रे थे जिसका ईंधन मनुष्य और पत्थर हैं; तब से मैं इस डर से रो रहा हूँ कि कहीं मैं उन पत्थरों में से न हो जाऊँ”; आप ने फ़रमाया: “रोना छोड़ दे, तू उनमें से नहीं; वह पत्थर गंधक है”, और रिसाव तुरंत सूख गया।

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 169 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1088. तबूक से लौटते समय जिस घाटी में पहले पानी होता था पर जिसे उन्होंने बिल्कुल सूखा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक से लौटते समय जिस घाटी में पहले पानी होता था पर जिसे उन्होंने बिल्कुल सूखा पाया, उसके ऊपरी भाग में आप ने अपने तरकश से निकाला एक तीर गड़वाया; तीर के चारों ओर से बारह सोते फूट पड़े और पूरी घाटी में पानी बहने लगा; सब ने पिया और अपनी मशकें भरीं।

तबूक से वापसी, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 170 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1089. तबूक के ग़ज़वे में भूख की शिकायत करने वाले ग़रीब सहाबा के लिए आप ने बचा हुआ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक के ग़ज़वे में भूख की शिकायत करने वाले ग़रीब सहाबा के लिए आप ने बचा हुआ भोजन माँगा, पर केवल लगभग दस खजूरें मिलीं और आप के सामने रखी गईं; आप ने उन पर हाथ रखकर फ़रमाया: “बिस्मिल्लाह, खाओ”; सब ने पेट भरकर खाया और खजूरें आँखों के सामने जैसी थीं वैसी ही रहीं।

तबूक, रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 81 (2. bâb, fasl: bazı mucizelerinin beyanı)

1090. तबूक के रास्ते में वादिल मुशक़्क़र में बारीक धार से रिसते पानी के नीचे आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक के रास्ते में वादिल मुशक़्क़र में बारीक धार से रिसते पानी के नीचे आप ने हाथ रखा, तो पानी बादल की गरज जैसी आवाज़ के साथ उमड़ पड़ा; आप ने फ़रमाया: “अगर तुम रहे (जीवित रहे), तो देखोगे कि यह घाटी सबसे बरकत वाली जगह बन गई है।”

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 91 (fasl fî tekessüri't-taâm ve'ş-şarâb)

1091. तबूक के ग़ज़वे में आप का गिरा हुआ कोड़ा घोड़े से उतरकर आप को देने वाले जाफ़र...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

तबूक के ग़ज़वे में आप का गिरा हुआ कोड़ा घोड़े से उतरकर आप को देने वाले जाफ़र बिन नस्तूर रूमी के लिए आप ने दुआ की: “अल्लाह तुम्हारी आयु लंबी, बहुत लंबी करे”; रिवायत है कि वे 320 वर्ष जीवित रहे।

तबूक, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 17 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

1092. तबूक में मुनाफ़िक़ों के बारे में आप के ख़ुतबे के बाद जुलास बिन सुवैद ने कहा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक में मुनाफ़िक़ों के बारे में आप के ख़ुतबे के बाद जुलास बिन सुवैद ने कहा: “अगर मुहम्मद सच्चे हैं तो हम गधों से भी बदतर हैं”, और आमिर बिन क़ैस ने यह बात आप को बता दी; मिंबर के पास दोनों ने क़सम खाई, आमिर की दुआ “ऐ अल्लाह, अपने नबी पर वह आयत उतार जो सच बोलने वाले की पुष्टि करे” पर “आमीन” कहा गया, और लोगों के बिखरने से पहले ही जिब्रील आयत (सूरह अत-तौबा, आयत 74) ले आए; जुलास ने स्वीकार किया और तौबा की।

तबूक का अभियान और वापसी, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 183 (Bâb 1: i'câzü ümmi'l-mu'cizât el-Kur'ânü'l-Kerîm)

1093. तबूक से लौटते समय जब सेना प्यास से निढाल हो गई, तो आप ने अबू हुरैरा के बर्तन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक से लौटते समय जब सेना प्यास से निढाल हो गई, तो आप ने अबू हुरैरा के बर्तन में बचा एक प्याले जितना पानी एक बर्तन में डलवाकर दुआ की; लोग बारी-बारी से आकर पीते रहे, पूरी सेना और पशुओं ने जी भरकर पिया, और सबसे अंत में आप ने और अबू हुरैरा ने पिया।

तबूक से वापसी, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 234 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1094. आप की ऊँटनी (जब उसे भड़काने की कोशिश की गई) बोल उठी: “अल्लाह की क़सम, चाहे मेरे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की ऊँटनी (जब उसे भड़काने की कोशिश की गई) बोल उठी: “अल्लाह की क़सम, चाहे मेरे टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाएँ, मैं अपना एक पैर भी अपनी जगह से नहीं हिलाऊँगी।”

तिथि अनिश्चित (सारांश में घटना का स्थान स्पष्ट नहीं; तुलना करें: तबूक से वापसी पर अक़बा घाटी में हत्या की साज़िश)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 401 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 5: hayvanların itaati ve konuşması)

1095. तबूक में आप ने हिरक़्ल के तनूख़ी दूत को क़सम खाकर ख़बर दी कि आप को लिखे पत्र को...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक में आप ने हिरक़्ल के तनूख़ी दूत को क़सम खाकर ख़बर दी कि आप को लिखे पत्र को फाड़ने वाले नजाशी का राज्य भी (किसरा के राज्य की तरह) टुकड़े-टुकड़े हो जाएगा।

ख़बर: तबूक, रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी); पूर्ति का किताब में उल्लेख नहीं

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamber Aleyhisselâmın Kayser Herakliyus'a Tebük'ten Mektup Gönderişi" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:3, s:441-442; c:4,s:74; Kastalânî, Mevâhibu'l-ledünniye, c:1, s:226)

1096. मदीना में हबशा के नजाशी असहमा की ग़ायबाना जनाज़े की नमाज़ पढ़ते समय हबशा में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना में हबशा के नजाशी असहमा की ग़ायबाना जनाज़े की नमाज़ पढ़ते समय हबशा में रखा उनका ताबूत ऊपर उठकर आप को दिखाई दिया; एक रिवायत के अनुसार बीच की रुकावटें हट जाने से सहाबा ने भी ताबूत देखा।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Habeş Necaşî'si Ashama'nın Vefat Edişi ve Kendisi İçin Gıyâbî Olarak Medine'de Cenaze Namazı Kılınışı" (kitabın dipnotu: Süheylî, Ravdu'l-ünüf, c:3, s:262; İbn Hazm, Cevâmi, s:11; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:3, s:400, c:4, s:7; Diyarbekrî, Târîh, c:2, s:139; İbn Mâce, Sünen, c:1, s:490; Zehebî, Tarih, c:1, s:316); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim, Nesâî (Ebû Hüreyre); İbn Mâce 1536, 1538 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3058, c./s. 9/369; no. 3059, c./s. 9/370-371; no. 6457; no. 6458, c./s. 17/129]

1097. हबशा के नजाशी असहमा की मृत्यु होकर दफ़न होने पर उनकी क़ब्र के ऊपर एक नूर दिखाई...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

हबशा के नजाशी असहमा की मृत्यु होकर दफ़न होने पर उनकी क़ब्र के ऊपर एक नूर दिखाई देता रहा।

रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Habeş Necaşî'si Ashama'nın Vefat Edişi ve Kendisi İçin Gıyâbî Olarak Medine'de Cenaze Namazı Kılınışı" (kitabın dipnotu: İbn Hacer, el-İsâbe, c:1, s:109); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd, Cihâd (no. 2523) (kitabın dipnotunda anılmıyor; Canan'da bulunamadı, künye doğrulanmadı)

1098. मुनाफ़िक़ों के सरदार अब्दुल्लाह बिन उबई को अपनी क़मीज़ देने और उसकी जनाज़े की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुनाफ़िक़ों के सरदार अब्दुल्लाह बिन उबई को अपनी क़मीज़ देने और उसकी जनाज़े की नमाज़ पढ़ाने का कारण पूछे जाने पर आप ने फ़रमाया: "मुझे आशा है कि इससे उसकी क़ौम के हज़ार लोग मुसलमान हो जाएँगे"; यह देखकर ख़ज़रज के हज़ार लोगों ने शिर्क छोड़ दिया और मुसलमान हो गए।

ज़ुलक़ादा हिजरी 9 (631 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Gömleğini Baş Münâfıka Vermesinin ve Cenaze Namazını Kıldırmasının Hikmeti" (kitabın dipnotu: Tevbe: 80 / Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1057-1058; Ahmed b. Hanbel, c:1, s:18; Buhârî, c:2, s:76; Müslim, Sahîh, c:4, s:1865; Diyarbekrî, Târıh, c:2, s:140); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (İbn Ömer, Hz. Ömer: gömleğini verip cenaze namazını kılması) (kitabın dipnotuna göre; Canan'da bulunamadı)

1099. हिज्र में तूफ़ान की रात आदेश के विरुद्ध अकेले हाजत के लिए निकलकर दम घुटने की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिज्र में तूफ़ान की रात आदेश के विरुद्ध अकेले हाजत के लिए निकलकर दम घुटने की हालत में पड़े बनू साइदा के एक व्यक्ति के लिए आप ने दुआ की और वह ठीक हो गया।

तबूक का अभियान, रजब हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Hıcr'da Emre Aykırı Hareket Eden İki Mücâhidin Başlarına Gelenler" (kitabın dipnotu: Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:399,1006; İshak-İbn Hişam, Sîre, c:4, s:165)

26 · हिजरत के नौवें और दसवें वर्ष (630–632 ईस्वी): वफ़्द और हज्जतुल विदा

1100. आप ने उस्मान बिन अबिल आस के सीने पर हाथ मारा और उनके मुँह में थूका, जिससे नमाज़...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उस्मान बिन अबिल आस के सीने पर हाथ मारा और उनके मुँह में थूका, जिससे नमाज़ में उनके वसवसे और भूलने की आदत दूर हो गई।

हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी), वफ़्दों का वर्ष

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.243; 1000 Mucize no.286 (s.266); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14150; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 24, Sakîf heyeti bâbı; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 3548 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7055]

1101. आप को मारने की योजना बनाने वाले आमिर बिन तुफ़ैल और अरबद के लिए आप ने बद-दुआ की...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप को मारने की योजना बनाने वाले आमिर बिन तुफ़ैल और अरबद के लिए आप ने बद-दुआ की; आमिर प्लेग से और अरबद बिजली गिरने से मरा।

हिजरी 9–10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.252; 1000 Mucize no.339 (s.321); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 157; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 27-29, Benî Âmir heyeti bâbı; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 228; c. 18, s. 61-62, 75; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 65; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Âmir'le Erbed'in Peygamberimiz Aleyhisselâma Suikasta Yeltenmeleri" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Fidâ, el-Bidâye, c:4, s:114; Halebî, İnsânu'l-uyun, c:3, s:246; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:310; Süheylî, Ravdu'l-ünüf, c:7, s:438); Kütüb-i Sitte: Buhârî (aslı, satırdaki künye)

1102. अब्दुल क़ैस का वफ़्द दिखाई देने से पहले ही आप ने ख़बर दी: “उधर से पूरब वालों...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अब्दुल क़ैस का वफ़्द दिखाई देने से पहले ही आप ने ख़बर दी: “उधर से पूरब वालों में सबसे अच्छे लोग आ रहे हैं।”

हिजरी 9

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.257; 1000 Mucize no.928 (s.764); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 26, Abdülkays heyeti bâbı; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 4187 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7277]

1103. आप ने सपने में अपनी बाँह पर सोने के दो कंगन देखे, जो आप के फूँकने से उड़ गए; आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में अपनी बाँह पर सोने के दो कंगन देखे, जो आप के फूँकने से उड़ गए; आप ने इसकी ताबीर दो झूठों (असवद अंसी और मुसैलिमा) से की, और दोनों मारे गए।

सपना: हिजरी 10; पूर्ति: हिजरी 11–12 (632–633 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.268; 1000 Mucize no.429 (s.419), no.978 (s.792); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3621; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 25, Benî Hanîfe heyeti bâbı; Said Nursî, Mektubat, 19.

Mektup, 6. İşaret; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 269; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 112; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 66; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Esved'in Öldürüldüğünü Ashabına Müjdelemesi" (kitabın dipnotu: Buharî, Sahih, c:5, s:118-119); Kütüb-i Sitte: Buharî, Ta'bir 40, 70; Müslim, Rüya,22, (2274), Tirmizî, 10, (2293) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 965, c./s. 4/531]

1104. बनू हनीफ़ा के वफ़्द के साथ मदीना आए मुसैलिमा से आप ने कहा: “अगर तुम मुँह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बनू हनीफ़ा के वफ़्द के साथ मदीना आए मुसैलिमा से आप ने कहा: “अगर तुम मुँह मोड़ोगे, तो अल्लाह तुम्हें अवश्य नष्ट करेगा”; मुसैलिमा यमामा में मारा गया।

ख़बर: हिजरी 10; पूर्ति: हिजरी 12 (633 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.263; 1000 Mucize no.428 (s.419), no.979 (s.793); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3620; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 609; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 25, Benî Hanîfe heyeti bâbı; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 269; Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıb 25, Megazî 70, 71, Tevhid 29; Müslim, Rü'ya 21, (2273) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5984, c./s. 16/466-467]

1105. झूठे नबी असवद अंसी के यमन में मारे जाने की ख़बर आप ने उसी रात मदीना में दे दी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

झूठे नबी असवद अंसी के यमन में मारे जाने की ख़बर आप ने उसी रात मदीना में दे दी जिस रात वह मारा गया।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.135; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 464; c. 2, s. 182; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 319; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 131; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 71; c. 1, s. 94; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Esved'in Öldürüldüğünü Ashabına Müjdelemesi" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Fidâ, el-Bidâye ve'n-nihâye, c:6, s:308; İbn Esîr, Kâmil, c:2, s:338; Taberî, Târih, c:3, s:190,215-216,218-219 / Süheylî, Ravdu'l-ünf, c:7, s:442-443; Diyarbekrî, Târîhu'l-hamîs, c:2, s:157-159; Yâkubî, Târih, c:2, s:130; Taberî, Târih, c:3, s:162)

1106. आप ने अदी बिन हातिम को बताया कि हीरा से निकली एक स्त्री अल्लाह के सिवा किसी से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अदी बिन हातिम को बताया कि हीरा से निकली एक स्त्री अल्लाह के सिवा किसी से डरे बिना अकेले आकर काबा का तवाफ़ करेगी; अदी ने यह अपनी आँखों से देखा।

ख़बर: हिजरी 9; पूर्ति: हिजरी 15–20

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.272; İbn Kesîr s.146; 1000 Mucize no.437 (s.428); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3595; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 34, Tay heyeti bâbı; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 246, 257; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 314; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 136; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 98; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Adiyy B. Hâtim'in Medine'ye Gelip Müslüman Oluşu Esnasında Şahit Olduğu Gaybî Mucizeler" (kitabın dipnotu: Taberî, Târih, c:3, s:149,150,163; İbn Abdilberr, İstiâb, c:3. S:1057; İbn Esir, Usdu'l-gâbe, c:4, s:8; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:984; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:257- 378; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c:2, s:228 / Buhârî, Sahih, c:2, s:113; Ahmed b.

Hanbel, Müsned, c:4, s:25,379; Taberî, Târih, :3, s:150); Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıb 25 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5573, c./s. 15/418-419]

1107. जरीर बिन अब्दुल्लाह के आने से पहले ही आप ने ख़बर दी: “यमन के सबसे अच्छे व्यक्ति...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जरीर बिन अब्दुल्लाह के आने से पहले ही आप ने ख़बर दी: “यमन के सबसे अच्छे व्यक्ति प्रवेश कर रहे हैं, उनके चेहरे पर फ़रिश्ते का निशान है।”

हिजरी 10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.282; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 33, Cerîr'in gelişi bâbı; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Cerir b. Abdullah el-Becelî Gelmeden Önce Haber Vermesi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:347; Zehebî, Tarih, c:2, s:381; İbn Abdilberr, İstiâb, c:1, s:337-338; Beyhakî, Delâil, c:5, s:346-347; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:357,364,365); Kütüb-i Sitte: Nesâî (satırdaki künye)

1108. घोड़े पर टिक न पाने वाले जरीर के सीने पर आप ने हाथ मारकर दुआ की; वे फिर कभी घोड़े से नहीं गिरे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

घोड़े पर टिक न पाने वाले जरीर के सीने पर आप ने हाथ मारकर दुआ की; वे फिर कभी घोड़े से नहीं गिरे।

हिजरी 10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.282; 1000 Mucize no.150 (s.131); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5897; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 34, Cerîr'in gelişi bâbı; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; ayrıca: IslamHouse, The Miracles of Muhammad; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Megazî 62, Cihâd 154, 162; Müslim, Fedâilu's-Sahâbe 137; Ebû Dâvud, Cihâd 172, (2772) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4302, c./s. 12/275]

1109. आप ने वाइल बिन हुज्र के आने का शुभ समाचार अपने सहाबा को तीन दिन पहले ही दे दिया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने वाइल बिन हुज्र के आने का शुभ समाचार अपने सहाबा को तीन दिन पहले ही दे दिया।

हिजरी 9–10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.285; 1000 Mucize no.919 (s.757); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 35, Hadramevt heyeti bâbı; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 108; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 60-61; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Yemen krallarından Vâil b. Hucr'un Geleceğinin Haber Verilmesi" (kitabın dipnotu: İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:5, s:425,435; Buhârî, Târîh, ks:2, s:4, s:175; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:9, s:374; İbn Sa'd,Tabakât, c:1, s:349)

1110. ज़ियाद बिन हारिस सुदाई ने आप की उँगलियों के बीच से पानी फूटते देखा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ियाद बिन हारिस सुदाई ने आप की उँगलियों के बीच से पानी फूटते देखा।

हिजरी 8–9

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.289; 1000 Mucize no.264 (s.238), no.269 (s.244); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14106; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 69

1111. सुदा के वफ़्द के गर्मियों में सूख जाने वाले कुएँ में आप के दिए सात कंकड़ डाले...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सुदा के वफ़्द के गर्मियों में सूख जाने वाले कुएँ में आप के दिए सात कंकड़ डाले गए, तो उसका पानी फिर कभी नहीं सूखा।

हिजरी 8–9

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.289; 1000 Mucize no.264 (s.238), no.269 (s.244); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 101 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 69; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 69-70; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 290; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 34-35; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 513-514

1112. मुज़ैना के 400 घुड़सवारों को उमर के घर की थोड़ी-सी खजूरों से रास्ते का भोजन...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मुज़ैना के 400 घुड़सवारों को उमर के घर की थोड़ी-सी खजूरों से रास्ते का भोजन दिया गया, और खजूरें बिल्कुल कम नहीं हुईं।

हिजरी 5–9

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.302; İbn Kesîr s.52; 19. Mektup listesi (183.txt) no.130; 1000 Mucize no.253 (s.227); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14114-14116; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 38, Müzeyne ve Cüheyne heyeti bâbı; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 13. misal; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Müzeynelere İkrâm Edilen Yol Azığında Müşâhade Edilen Mu’cize" (kitabın dipnotu: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c:5, s:365-366); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd, Edeb (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 407, c./s. 3/178]

1113. सुरद बिन अब्दुल्लाह के वफ़्द को आप ने उसी समय जुरश में उनकी क़ौम पर जो बीत रहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सुरद बिन अब्दुल्लाह के वफ़्द को आप ने उसी समय जुरश में उनकी क़ौम पर जो बीत रहा था, उसकी ख़बर दी (“शकर पहाड़ पर ऊँट ज़बह किए जा रहे हैं”)।

हिजरी 10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.309; 1000 Mucize no.350 (s.336); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 42, Cüreş heyeti bâbı; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Cüreş Halkının Şekr'de Öldürülmekte Olduğunu Haber Verişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:4, s:234,238; İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:1, s.338; Kastalânî, Mevâhibü'l-ledünniye, c:1, s:314)

1114. नजरान के ईसाई मुबाहला से डरकर पीछे हट गए (“अगर वे एक-दूसरे पर लानत करते, तो...”)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

नजरान के ईसाई मुबाहला से डरकर पीछे हट गए (“अगर वे एक-दूसरे पर लानत करते, तो नष्ट हो जाते”)।

हिजरी 9–10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.318; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 244-245; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 40-41, Necran heyeti bâbı; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 28. fasıl; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 221; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 54; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 131; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 134-135; WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte:

Buhârî, Fedailu'l-Ashab 21, Megazî 72, İcazetu Haberi'l-Vahid 1 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5979, c./s. 16/460]

1115. यमन में क़ाज़ी बनाकर भेजे गए अली के सीने पर आप ने हाथ मारकर दुआ की: “ऐ अल्लाह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यमन में क़ाज़ी बनाकर भेजे गए अली के सीने पर आप ने हाथ मारकर दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसके दिल को हिदायत दे और इसकी ज़बान को दृढ़ता दे”; इसके बाद अली को फ़ैसले में कभी संदेह नहीं हुआ।

हिजरी 10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.335; 1000 Mucize no.948 (s.774); web: Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 122; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 12; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 53; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 74; Kütüb-i Sitte: Ebu Dâvud, Akdiye 6, (3582); Tirmizî, Ahkâm 5, (1331); İbnu Mâce, Ahkâm 1, (2310) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4891, c./s. 14/90; no. 6706]

1116. अली द्वारा यमन से भेजा गया सोना बाँटते समय “अल्लाह से डरो” कहने वाले व्यक्ति के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अली द्वारा यमन से भेजा गया सोना बाँटते समय “अल्लाह से डरो” कहने वाले व्यक्ति के बारे में आप ने बताया कि उसकी नस्ल से एक ऐसा समूह निकलेगा जो क़ुरआन पढ़ेगा पर वह उनके गलों से नीचे नहीं उतरेगा; अली ने नहरवान में उनसे युद्ध किया।

ख़बर: हिजरी 10 (631–632 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 38 (658 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.205; İbn Kesîr s.159; 19. Mektup listesi (183.txt) no.17; Kütüb-i Sitte: Buhâri, Menâkıb 25, İstitabe 6, 7; Müslim, Zekât 143-148, (1064); Müslim, Zekat 156, (1066) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4816, c./s. 13/494; no. 4813, c./s. 13/488-489]

1117. यमन के लिए विदा किए गए मुआज़ से आप ने कहा: “शायद इस वर्ष के बाद तुम मुझे न देख...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यमन के लिए विदा किए गए मुआज़ से आप ने कहा: “शायद इस वर्ष के बाद तुम मुझे न देख पाओ; तुम मेरी मस्जिद और मेरी क़ब्र के पास से गुज़रोगे।”

हिजरी 10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.341; 1000 Mucize no.939 (s.771); web: Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 66; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 116; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 102; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Muaz b. Cebel'e Kendisiyle Bir Daha Görüşemeyeceğini ve Bazı Hadiseleri Haber verişi" (kitabın dipnotu: Taberî, Târih, c:3, s:167; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:5, s:235)

1118. तमीम दारी का जस्सासा और ज़ंजीरों में जकड़े दज्जाल का क़िस्सा उन बातों से मेल...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तमीम दारी का जस्सासा और ज़ंजीरों में जकड़े दज्जाल का क़िस्सा उन बातों से मेल खाता था जो आप पहले बता चुके थे।

हिजरी 9

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.358; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 45-46, Dârîler heyeti bâbı; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 119, (2942); Ebu Davud, Melahim 15, (4325, 4326); Tirmizî, Fiten 66, (2254) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte

Tercüme ve Şerhi: no. 5009, c./s. 14/290-292]

1119. रिवायत है कि इब्लीस का पोता हामा बिन हैम आकर मुसलमान हुआ

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

रिवायत है कि इब्लीस का पोता हामा बिन हैम आकर मुसलमान हुआ।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.360; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 269; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Questions on Islam, "Miracles concerning Angels and Jinn"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 234-236); ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 83-84

1120. रिवायत है कि आप की मुलाक़ात इलयास से हुई

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

रिवायत है कि आप की मुलाक़ात इलयास से हुई।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.364; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 459; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 301; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 118

1121. रिवायत है कि आप ने ख़िज़्र की बातें सुनीं

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

रिवायत है कि आप ने ख़िज़्र की बातें सुनीं।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.365; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 151-152

1122. हज्जतुल विदा में आप ने “शायद इस वर्ष के बाद मैं तुमसे न मिल सकूँ” कहकर अपनी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हज्जतुल विदा में आप ने “शायद इस वर्ष के बाद मैं तुमसे न मिल सकूँ” कहकर अपनी वफ़ात की ख़बर दी।

ज़ुलहिज्जा हिजरी 10 (मार्च 632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.391; 19. Mektup listesi (183.txt) no.114; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 65; Kütüb-i Sitte: Müslim, Hacc 310, (2197); Ebu Dâvud, 78 (1970); Nesâî, Hacc 220, (5, 270) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1452, c./s. 6/19]

1123. मिना के ख़ुतबे को पड़ावों में मौजूद हर व्यक्ति ने अपनी बैठने की जगह से सुना

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मिना के ख़ुतबे को पड़ावों में मौजूद हर व्यक्ति ने अपनी बैठने की जगह से सुना।

ज़ुलहिज्जा हिजरी 10 (मार्च 632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.718; 1000 Mucize no.363 (s.349); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 113; Kütüb-i Sitte: Ebu Dâvud, Menâsik 70, (1951); Nesâî, Hacc 189, (5, 249) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1559, c./s. 6/145]

1124. हज्जतुल विदा में बहुत बीमार साद बिन अबी वक़्क़ास से आप ने कहा: “आशा है कि तुम...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हज्जतुल विदा में बहुत बीमार साद बिन अबी वक़्क़ास से आप ने कहा: “आशा है कि तुम पीछे रहोगे (जीवित रहोगे); तुमसे कुछ लोग लाभ उठाएँगे और कुछ हानि”; साद 45 वर्ष और जीवित रहे और उन्होंने इराक़ जीता।

ख़बर: हिजरी 10; पूर्ति: हिजरी 14–55

स्रोत 1000 Mucize no.145 (s.125), no.322 (s.299); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Sa'd b. Ebi Vakkas'ı Ziyâret ve Teselli Edişi" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, c:1, S:168,171,176; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1115-1116; Nesâî, Sünen, c:6, s:241; İbn Sa'd, Tabakât, c:1,s:251-252 / İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:1, s:413; İbn Sa'd, Tabakât, c:3,s:149); Kütüb-i Sitte: Buharî Cenaiz 37, Vasaya 2, 3, Megazi 77; Müslim, Vesaya 5, (1628); Tirmizî 6, (975); Ebu Davud, Vesaya 2, (2864) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5797, c./s. 16/260]

1125. सूरह अन-नस्र के उतरने से आप को बताया गया कि आप की वफ़ात का समय निकट है

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अन-नस्र के उतरने से आप को बताया गया कि आप की वफ़ात का समय निकट है।

ज़ुलहिज्जा हिजरी 10 (मार्च 632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.447; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3627; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 470; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 116; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 102; Kütüb-i Sitte: Buhârî 3627, 4970 (satırdaki künye)

1126. आप ने अदी बिन हातिम को बताया कि किसरा बिन हुर्मुज़ के ख़ज़ाने जीते जाएँगे; अदी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अदी बिन हातिम को बताया कि किसरा बिन हुर्मुज़ के ख़ज़ाने जीते जाएँगे; अदी उन ख़ज़ानों को खोलने वालों में शामिल थे।

ख़बर: हिजरी 9; पूर्ति: हिजरी 16 (637 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.272; İbn Kesîr s.146; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3595; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 607; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 246, 257; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 314; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Adiyy B. Hâtim'in Medine'ye Gelip Müslüman Oluşu Esnasında Şahit Olduğu Gaybî Mucizeler" (kitabın dipnotu: Taberî, Târih, c:3, s:149,150,163; İbn Abdilberr, İstiâb, c:3. S:1057; İbn Esir, Usdu'l-gâbe, c:4, s:8; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:984; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:257- 378; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c:2, s:228 / Buhârî, Sahih, c:2, s:113; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:25,379; Taberî, Târih, :3, s:150); Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıb 25 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5573, c./s. 15/418-419]

1127. आप ने अदी बिन हातिम को बताया कि ऐसा समय आएगा जब व्यक्ति मुट्ठी भर सोने का सदक़ा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अदी बिन हातिम को बताया कि ऐसा समय आएगा जब व्यक्ति मुट्ठी भर सोने का सदक़ा लिए फिरेगा और उसे स्वीकार करने वाला कोई न मिलेगा।

ख़बर: हिजरी 9; पूर्ति: हिजरी 99–101 (उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ का दौर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.272; İbn Kesîr s.146; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3595; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 246, 257; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 314; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Adiyy B. Hâtim'in Medine'ye Gelip Müslüman Oluşu Esnasında Şahit Olduğu Gaybî Mucizeler" (kitabın dipnotu: Taberî, Târih, c:3, s:149,150,163; İbn Abdilberr, İstiâb, c:3. S:1057; İbn Esir, Usdu'l-gâbe, c:4, s:8; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:984; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:257- 378; İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c:2, s:228 / Buhârî, Sahih, c:2, s:113; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:25,379; Taberî, Târih, :3, s:150); Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıb 25 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5573, c./s. 15/418-419]

1128. उस्मान बिन अबिल आस के शरीर के दर्द के लिए आप ने जो दुआ सिखाई (“बिस्मिल्लाह.....”)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उस्मान बिन अबिल आस के शरीर के दर्द के लिए आप ने जो दुआ सिखाई (“बिस्मिल्लाह... अऊज़ु बि-इज़्ज़तिल्लाहि व क़ुदरतिही”), उससे उनका दर्द दूर हो गया।

हिजरी 9–10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.243; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 25, Sakîf heyeti bâbı; Kütüb-i Sitte: Müslim, Selam 67, (2202); Muvatta, Ayn 9, (2, 942); Ebu Dâvud, Tıbb 19, (3891); Tirmizî, Tıbb 29, (2081) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4032, c./s. 11/344]

1129. हज के रास्ते में रौहा में हाजत के लिए कोई ओट न मिलने पर आप ने उसामा बिन ज़ैद से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हज के रास्ते में रौहा में हाजत के लिए कोई ओट न मिलने पर आप ने उसामा बिन ज़ैद से कहा कि पत्थरों तक आप का आदेश पहुँचाएँ, और पत्थर एक-एक करके उछलकर दीवार की तरह जुड़ गए और आप को ओट मिल गई।

हज्जतुल विदा के रास्ते में, हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.211 (s.193)

1130. रौहा में हाजत पूरी करने के बाद आप ने उसामा बिन ज़ैद से अपना आदेश पहुँचवाया, तो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रौहा में हाजत पूरी करने के बाद आप ने उसामा बिन ज़ैद से अपना आदेश पहुँचवाया, तो खजूर के पेड़ और पत्थर उछलकर एक-एक करके अपनी पुरानी जगहों पर लौट गए।

हज्जतुल विदा के रास्ते में, हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.213 (s.193); web: Questions on Islam, "Miracles Concerning Trees"

1131. हज्जतुल विदा के वर्ष आए मुहारिब के दस सदस्यों वाले वफ़्द के ख़ुज़ैमा के चेहरे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हज्जतुल विदा के वर्ष आए मुहारिब के दस सदस्यों वाले वफ़्द के ख़ुज़ैमा के चेहरे पर आप ने हाथ फेरा, तो उनका चेहरा रोशन और चमकदार हो गया।

मुहारिब का वफ़्द, हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.220 (s.199); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 48, Muhârib heyeti bâbı

1132. बनू सलामान के सात सदस्यों वाले वफ़्द के हबीब बिन अम्र और उनके साथियों ने अपने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू सलामान के सात सदस्यों वाले वफ़्द के हबीब बिन अम्र और उनके साथियों ने अपने इलाक़े के सूखे की शिकायत की, तो आप ने हाथ उठाकर बारिश की दुआ की; तीन दिन बाद लौटने पर वफ़्द को पता चला कि ठीक दुआ वाले दिन उनके इलाक़े में बारिश हुई थी।

सलामान का वफ़्द, लगभग हिजरी 10 (631 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.270 (s.248); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 47, Selâmân heyeti bâbı

1133. नख़ा के दो सौ सदस्यों वाले वफ़्द के अगुवा ज़ुरारा बिन अम्र ने जो सपना देखा था...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नख़ा के दो सौ सदस्यों वाले वफ़्द के अगुवा ज़ुरारा बिन अम्र ने जो सपना देखा था (पीछे छोड़ी हुई बकरी ने गहरे रंग का दोषयुक्त बच्चा दिया), आप ने उसकी ताबीर की कि उनकी गर्भवती दासी ने उनके लिए एक बेटा जना है, और बच्चे के रंग का कारण ज़ुरारा का वह सफ़ेद दाग़ (बरस) बताया जिसे उन्होंने सब से छिपा रखा था।

नख़ा का वफ़्द, मुहर्रम हिजरी 10 (631 ईस्वी), पाठ के अनुसार

स्रोत 1000 Mucize no.279 (s.257), no.992 (s.805); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 57; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Zürâre b. Amr'ın Gelirken Yolda Gördüğü Rüyayı Peygamberimiz Aleyhisselâma Anlatıp Yordurması" (kitabın dipnotu: İbn Hacer, el-İsâbe, c:1, s:548 / İbn Hacer, el-İsâbe, c:1, s:548; Halebî, İnsanu'l-uyûn, c:3, s:279)

1134. क़ुर्बानी के दिन आप के पास ज़बह के लिए पाँच, छह या सात ऊँट लाए गए; ऊँट आप की ओर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुर्बानी के दिन आप के पास ज़बह के लिए पाँच, छह या सात ऊँट लाए गए; ऊँट आप की ओर बढ़-बढ़कर आते, मानो हर एक चाहता हो कि आप उसी से शुरू करें (अब्दुल्लाह बिन क़ुर्त की रिवायत)।

हज्जतुल विदा, ज़ुलहिज्जा हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

1135. आप ने अब्दुल क़ैस क़बीले के एक समूह की एक भेड़ का कान अपनी दो उँगलियों के बीच...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल क़ैस क़बीले के एक समूह की एक भेड़ का कान अपनी दो उँगलियों के बीच लेकर छोड़ा; कान पर एक निशान बन गया, और यह निशान उस भेड़ में और उसकी नस्ल में बना रहा।

अब्दुल क़ैस का वफ़्द, हिजरी 8–10

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

1136. जारूद बिन अब्दुल्लाह ने आकर मुसलमान होते समय कहा: “मैंने आप का वर्णन इंजील में...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जारूद बिन अब्दुल्लाह ने आकर मुसलमान होते समय कहा: “मैंने आप का वर्णन इंजील में पाया; बतूल के बेटे (ईसा) ने आप का शुभ समाचार दिया।”

हिजरी 9–10 (630–631 ईस्वी), अब्दुल क़ैस का वफ़्द

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 24 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

1137. बनू हनीफ़ा के वफ़्द में सबसे पहले आने वालों में से सिनान बिन तल्क़ यमामी को आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू हनीफ़ा के वफ़्द में सबसे पहले आने वालों में से सिनान बिन तल्क़ यमामी को आप ने अपना सिर धोने के पानी में से बचा हुआ पानी और उनकी माँग पर अपनी क़मीज़ का एक टुकड़ा दिया; यह टुकड़ा उनके परिवार में सँभालकर रखा गया, और उसे धोकर उसका पानी रोगियों को शिफ़ा के लिए पिलाया जाता।

हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 25-26, Benî Hanîfe heyeti bâbı

1138. आप ने अब्दुल क़ैस के वफ़्द को उनके इलाक़े हजर की खजूरों की क़िस्में एक-एक करके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल क़ैस के वफ़्द को उनके इलाक़े हजर की खजूरों की क़िस्में एक-एक करके नाम लेकर गिनाईं; उन्होंने कहा: “अगर आप हमारे बीच पैदा होकर पले-बढ़े होते, तब भी इससे अच्छा न जानते।”

हिजरी 8–9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 26, Abdülkays heyeti bâbı

1139. अब्दुल क़ैस के वफ़्द के साथ आए ज़ारेअ (वाज़ेअ) अब्दी अपने पागल रिश्तेदार को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्दुल क़ैस के वफ़्द के साथ आए ज़ारेअ (वाज़ेअ) अब्दी अपने पागल रिश्तेदार को लाए; आप ने उसकी पीठ पर हाथ मारकर कहा: “निकल, ऐ अल्लाह के शत्रु!”, और वह व्यक्ति स्वस्थ आँखों से देखने लगा; आप के उसके चेहरे पर हाथ फेरकर दुआ करने के बाद वफ़्द में उससे अच्छा कोई न रहा।

हिजरी 8–9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 27, Abdülkays heyeti bâbı

1140. अब्दुल क़ैस के वफ़्द को शराब से मना करते समय आप ने कहा: “पीकर तुम में से कोई...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अब्दुल क़ैस के वफ़्द को शराब से मना करते समय आप ने कहा: “पीकर तुम में से कोई अपने चचेरे भाई की टाँग पर तलवार मार देता है”; वफ़्द में ठीक इसी तरह घायल हुआ (हारिस नाम का) एक व्यक्ति था, जिसने लज्जित होकर अपनी टाँग ढक

ली।

हिजरी 8–9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 27, Abdülkays heyeti bâbı

1141. बनू हिलाल के वफ़्द के ज़ियाद बिन अब्दुल्लाह बिन मालिक के सिर पर आप ने नाक के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू हिलाल के वफ़्द के ज़ियाद बिन अब्दुल्लाह बिन मालिक के सिर पर आप ने नाक के सिरे तक हाथ फेरा; बनू हिलाल मरते दम तक उनके चेहरे पर बरकत (नूर) देखते रहे, और कवियों ने इसे शेरों में याद किया।

हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 33, Benî Hilâl heyeti bâbı

1142. अबू सबरा यज़ीद बिन मालिक जुअफ़ी के हाथ की पीठ पर ऐसी गाँठ थी जो उन्हें अपनी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू सबरा यज़ीद बिन मालिक जुअफ़ी के हाथ की पीठ पर ऐसी गाँठ थी जो उन्हें अपनी ऊँटनी की नकेल पकड़ने नहीं देती थी; आप ने उस पर एक तीर (क़दह) से मारकर हाथ फेरा और गाँठ ग़ायब हो गई।

हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 33, Cu'fî heyeti bâbı

1143. हज़रमौत (किंदा) के वफ़्द के मिख़वस बिन मअदी करिब की ज़बान की अटकन के लिए आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हज़रमौत (किंदा) के वफ़्द के मिख़वस बिन मअदी करिब की ज़बान की अटकन के लिए आप ने दुआ की; लौटते समय उन्हें चेहरे का लकवा (लक़्वा) हो गया, तो आप ने यह इलाज बताया: “एक सुई गरम करके उनकी पलकें पलटो, उसी में शिफ़ा है”, और रोगी ठीक हो गया।

हिजरी 10 (631 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 36, Hadramevt heyeti bâbı

1144. बनू सुहैम के वफ़्द के अक़यस (अक़अस) बिन सलमा को आप ने एक पानी का बर्तन दिया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू सुहैम के वफ़्द के अक़यस (अक़अस) बिन सलमा को आप ने एक पानी का बर्तन दिया जिसमें आप ने थूका और कुल्ली की थी, और फ़रमाया: “इसे अपनी मस्जिद में छिड़को और अपने सिर ऊँचे रखो”; उस क़बीले का कोई भी व्यक्ति मुसैलिमा के पीछे नहीं गया और उनमें से कोई ख़ारिजी नहीं निकला।

हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 38, Benî Sühaym heyeti bâbı

1145. नजरान के 60 सदस्यों वाले वफ़्द के विद्वान और बिशप अबू हारिसा बिन अलक़मा का...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नजरान के 60 सदस्यों वाले वफ़्द के विद्वान और बिशप अबू हारिसा बिन अलक़मा का ख़च्चर ठोकर खाकर गिरा, तो उसके भाई कुर्ज़ ने नबी ﷺ को बुरा-भला कहा; अबू हारिसा ने उससे कहा: “ये वही नबी हैं जिनकी हम प्रतीक्षा कर रहे थे और जिनका शुभ समाचार ईसा ने दिया था; पर रूम के बादशाहों ने हमें जो दिया है उसे खोने के डर से हम इनका अनुसरण नहीं करते”, और कुर्ज़ मुसलमान हो गया।

हिजरी 9–10 (631 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 40, Necran heyeti bâbı

1146. तबूक से लौटते समय आए बनू फ़ज़ारा के दस से अधिक लोगों वाले वफ़्द ने सूखे की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तबूक से लौटते समय आए बनू फ़ज़ारा के दस से अधिक लोगों वाले वफ़्द ने सूखे की शिकायत की, तो आप ने मिंबर पर चढ़कर हाथ उठाए और बारिश की दुआ की; छह दिन तक लगातार बारिश होती रही, और फिर “हमारे आसपास, हम पर नहीं” की दुआ से मदीना के ऊपर से बादल छँट गए।

हिजरी 9 (630 ईस्वी), तबूक से वापसी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 43, Benî Fezâre heyeti bâbı

1147. हिजरी 9 में आए दारियों के वफ़्द की सूखे की शिकायत पर आप ने बारिश की दुआ की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिजरी 9 में आए दारियों के वफ़्द की सूखे की शिकायत पर आप ने बारिश की दुआ की; उनके लौटने के दिनों में बारिश शुरू हो गई और पंद्रह दिनों में एक बार होती रही; ऊँट अपने बैठने की जगह पर ही चरने लगे और भेड़ें इतनी मोटी हो गईं कि बाड़े से निकल न पातीं।

हिजरी 9 (630–631 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 45, Dârîler heyeti bâbı

1148. हिमयर के बादशाहों में से हारिस बिन अब्दे कुलाल के आने से पहले ही आप ने फ़रमाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिमयर के बादशाहों में से हारिस बिन अब्दे कुलाल के आने से पहले ही आप ने फ़रमाया: “इस रास्ते से एक उच्च वंश वाला, सुंदर चेहरे वाला व्यक्ति प्रवेश करेगा”; हारिस आए, मुसलमान हुए और आप ने उनके लिए अपनी चादर बिछाई।

हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 46, Hâris b. Abdikülâl'in gelişi bâbı

1149. हज के रास्ते में रौहा में एक स्त्री अपने बेटे को लाई जिसे जन्म से बेहोशी के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हज के रास्ते में रौहा में एक स्त्री अपने बेटे को लाई जिसे जन्म से बेहोशी के दौरे पड़ते थे; आप ने बच्चे के मुँह में थूककर कहा: “निकल, ऐ अल्लाह के शत्रु, मैं अल्लाह का रसूल हूँ”; लौटते समय उस स्त्री ने बताया कि बच्चा ठीक हो गया है और एक भेड़ उपहार में दी।

हज्जतुल विदा के रास्ते में, हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.25

1150. मक्का में बीमार हुए साद बिन अबी वक़्क़ास को देखने जाकर आप ने उनके माथे पर हाथ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मक्का में बीमार हुए साद बिन अबी वक़्क़ास को देखने जाकर आप ने उनके माथे पर हाथ रखा और उनके चेहरे और सीने पर हाथ फेरा; साद वर्षों बाद भी उस हाथ की ठंडक अपने कलेजे में महसूस करते थे।

हिजरी 10 (हज्जतुल विदा, मक्का)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 127 (Yaratılışının vasfına dair toplu bâb)

1151. यमन भेजे गए अली से आप का वर्णन सुनने वाले एक यहूदी विद्वान ने स्वयं भी आप के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यमन भेजे गए अली से आप का वर्णन सुनने वाले एक यहूदी विद्वान ने स्वयं भी आप के गुण (आँखों में लालिमा, सुंदर दाढ़ी और मुँह आदि) गिनाए और कहा: “मैंने ये बातें अपने पूर्वजों की किताब में पाई हैं; वे हरम से प्रकट होंगे, खजूर के बाग़ों वाली जगह को हिजरत करेंगे, और उनके सहायक बनू अम्र बिन आमिर होंगे”, और आप की नबूवत की गवाही दी।

हिजरी 10 (631–632 ईस्वी), यमन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 128 (Yaratılışının vasfına dair toplu bâb)

1152. बनू तमीम के वफ़्द के वक्ता उतारिद बिन हाजिब को आप ने बिना तैयारी के साबित बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू तमीम के वफ़्द के वक्ता उतारिद बिन हाजिब को आप ने बिना तैयारी के साबित बिन क़ैस से, और उनके कवि ज़िबरिक़ान को हस्सान बिन साबित से उत्तर दिलवाया; वफ़्द के लोगों ने आपस में कहा: “इस व्यक्ति को (ईश्वरीय) सहायता प्राप्त है; इनका वक्ता हमारे वक्ता से और इनका कवि हमारे कवि से श्रेष्ठ है”, और इस्लाम में आ गए।

बनू तमीम का वफ़्द, हिजरी 9 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 58 (Heyetlerin gelişinde vuku bulan mucizeler)

1153. हज से लौटते समय जिस स्त्री का बच्चा ठीक हुआ था, उसकी लाई हुई भुनी भेड़ से आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हज से लौटते समय जिस स्त्री का बच्चा ठीक हुआ था, उसकी लाई हुई भुनी भेड़ से आप ने तीन बार अगली टाँग (ज़िराअ) माँगी; जब कहा गया: “भेड़ की तो दो ही अगली टाँगें होती हैं”, तो आप ने बताया कि अगर चुप रहा जाता तो जब तक आप माँगते, टाँग मिलती रहती।

हज्जतुल विदा से वापसी, हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 61 (Veda Haccı'nda vuku bulan mucizeler)

1154. तवाफ़ में जब आप काबा के रुक्ने ग़र्बी पर पहुँचे, तो रुक्न बोल उठा: “ऐ अल्लाह के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तवाफ़ में जब आप काबा के रुक्ने ग़र्बी पर पहुँचे, तो रुक्न बोल उठा: “ऐ अल्लाह के रसूल, क्या मैं भी आप के रब के घर की नींवों में से एक नहीं हूँ? मुझे क्यों नहीं छुआ जाता?”; आप निकट गए और फ़रमाया: “शांत रहो; तुम पर सलाम हो, तुम छोड़े

हुए नहीं हो।”

हज्जतुल विदा, हिजरी 10 (632 ईस्वी), अध्याय के अनुसार

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 65 (Veda Haccı'nda vuku bulan mucizeler)

1155. हज्जतुल विदा में आप हजून में दुखी होकर और रोते हुए उतरे और कुछ देर बाद प्रसन्न...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

हज्जतुल विदा में आप हजून में दुखी होकर और रोते हुए उतरे और कुछ देर बाद प्रसन्न होकर लौटे; आप ने आइशा को बताया कि आप अपनी माँ की क़ब्र पर गए और अल्लाह से उन्हें ज़िंदा करने की दुआ की, आप की माँ ज़िंदा की गईं, आप पर ईमान लाईं और फिर उन्हें दोबारा मृत्यु दे दी गई।

हज्जतुल विदा, हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 66 (Veda Haccı'nda vuku bulan mucizeler)

1156. अशअस बिन क़ैस सहित हज़रमौत/किंदा के बादशाहों ने परखने और आप की नबूवत का प्रमाण...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अशअस बिन क़ैस सहित हज़रमौत/किंदा के बादशाहों ने परखने और आप की नबूवत का प्रमाण माँगने के लिए कहा: “हमने आप के लिए कुछ छिपाया है, बताइए क्या है?”; इस पर आप ने एक मुट्ठी कंकड़ उठाकर फ़रमाया: “ये गवाही देते हैं कि मैं अल्लाह का रसूल हूँ”, और कंकड़ आप की मुट्ठी में तस्बीह करने लगे।

किंदा का वफ़्द, हिजरी 10 (631 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 125 (Cansız varlık türlerindeki mucizeleri)

1157. सनआ पर क़ब्ज़ा करने वाले झूठे नबी असवद अंसी ने ईमान लाने के कारण ज़ुऐब बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सनआ पर क़ब्ज़ा करने वाले झूठे नबी असवद अंसी ने ईमान लाने के कारण ज़ुऐब बिन कुलैब को आग में फिंकवाया, पर आग ने उन्हें कोई हानि नहीं पहुँचाई; अल्लाह के रसूल ने मदीना में अपने सहाबा को इसकी ख़बर दी, और उमर ने कहा: “उस अल्लाह की हम्द है जिसने हमारी उम्मत में इब्राहीम ख़लील जैसा व्यक्ति पैदा किया।”

हिजरी 10–11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 133 (Cansız varlık türlerindeki mucizeleri: ateşin yakmaması)

1158. सूर्य ग्रहण की नमाज़ में आप को जन्नत और जहन्नम दिखाई गई; आप ने हाथ बढ़ाकर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूर्य ग्रहण की नमाज़ में आप को जन्नत और जहन्नम दिखाई गईं; आप ने हाथ बढ़ाकर जन्नत से एक गुच्छा लेना चाहा (“अगर मैं ले लेता, तो जब तक दुनिया रहती तुम उसमें से खाते रहते”), और आप ने जहन्नम देखी और यह भी कि उसके अधिकतर निवासी स्त्रियाँ हैं।

सूर्य ग्रहण, हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 150 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1159. आप ने ख़बर दी: “शैतान इस बात से निराश हो चुका है कि अरब प्रायद्वीप में नमाज़...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “शैतान इस बात से निराश हो चुका है कि अरब प्रायद्वीप में नमाज़ पढ़ने वाले उसकी पूजा करेंगे; पर वह उनके बीच फूट डालने (तहरीश) से निराश नहीं हुआ है” (जाबिर बिन अब्दुल्लाह की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर (लगभग हिजरी 10); पूर्ति: हिजरी 11 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 217 (Arap yarımadasında putlara bir daha tapılmayacağını haber vermesi)

1160. आप के बालों के पाक होने पर सर्वसम्मति है: हज्जतुल विदा में क़ुर्बानी के दिन सिर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के बालों के पाक होने पर सर्वसम्मति है: हज्जतुल विदा में क़ुर्बानी के दिन सिर मुँडवाने पर आप ने अपने बाल लोगों में बाँटे, और उनका एक भाग अबू तलहा ने लिया; इब्ने सीरीन ने कहा: “उनका एक बाल भी मेरे पास होना मुझे दुनिया और उसकी हर चीज़ से अधिक प्रिय है” (अनस की रिवायत)।

हज्जतुल विदा, ज़ुलहिज्जा हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 442 (ona özgü ikramlar (kerâmât) kısmı)

1161. आप के बेटे इब्राहीम की मृत्यु पर आप ने फ़रमाया: “जन्नत में उसकी एक दूध पिलाने...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के बेटे इब्राहीम की मृत्यु पर आप ने फ़रमाया: “जन्नत में उसकी एक दूध पिलाने वाली माँ है जो उसका दूध पीना पूरा कराएगी”, और कहा: “अगर वह जीवित रहता तो एक सच्चा नबी होता” (बरा, इब्ने अब्बास और अनस की रिवायतें)।

हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 464 (Ehl-i beytinin, eşlerinin ve ashabının şerefi bâbı)

1162. आप ने अपने सहाबा से फ़रमाया: “तुम समझते हो कि मैं तुम में सबसे अंत में मरूँगा...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने सहाबा से फ़रमाया: “तुम समझते हो कि मैं तुम में सबसे अंत में मरूँगा; जबकि मैं तुमसे पहले मरूँगा, और तुम मेरे बाद टोलियों में, एक-दूसरे को मारते हुए आओगे” (वासिला बिन असक़अ की रिवायत)।

ख़बर: हिजरी 10–11; पूर्ति: हिजरी 11 (आप की वफ़ात) और हिजरी 35 के बाद के गृहयुद्ध

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 469 (vefatını kendisinin haber vermesi ve vefatı sırasındaki mucizeler bâbı)

1163. “अगर आप नबी हैं, तो जानिए कि हम क्यों आए हैं” कहने वाले जारूद बिन अम्र अब्दी से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“अगर आप नबी हैं, तो जानिए कि हम क्यों आए हैं” कहने वाले जारूद बिन अम्र अब्दी से आप ने कहा: “तुम जाहिलियत के ख़ूनों, संधि (हिल्फ़) और उधार के पशु के बारे में पूछने आए हो”, और सलमा बिन इयाज़ अज़्दी से कहा: “तुम मूर्ति-पूजा, सबासिब के दिन और मिश्रित नस्ल वाले की दियत के बारे में पूछने आए हो”, और उनके उत्तर दिए; दोनों ने कहा: “अल्लाह की क़सम, हमारे मन में यही था।”

वफ़्दों का वर्ष, हिजरी 9–10 (630–631 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 98-99 (fasl fî mu'cizât akvâlihî (gayb haberleri))

1164. मिना में अच्छी तरह रुकू और सजदा करने वाले एक व्यक्ति की प्रशंसा कर रहे सहाबा को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मिना में अच्छी तरह रुकू और सजदा करने वाले एक व्यक्ति की प्रशंसा कर रहे सहाबा को आप ने बताया कि वह आदम को जन्नत से निकलवाने वाला इब्लीस है; अली ने जाकर उसे झकझोरा, तो इब्लीस ने कहा: “तुम मुझे निश्चित समय तक मार नहीं सकते” (जाबिर की रिवायत)।

मिना (हिजरी 10 / 632 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 89 (Bâb 9: cinler ve şeytanlar üzerindeki hâkimiyeti, bazı cinlerin imanı)

1165. परखने के लिए “मैं जो पूछना चाहता हूँ वह बताइए” कहने वाले अब्दा बिन मुसहिर (जो...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

परखने के लिए “मैं जो पूछना चाहता हूँ वह बताइए” कहने वाले अब्दा बिन मुसहिर (जो जरीर बिन अब्दुल्लाह बजली के साथ आए थे) को आप ने उनकी पीछे छोड़ी तलवार (हुसाम), उनके बेटे (हुमाम) और उनके घोड़े (इसाम) के नाम बताए, और उनके बेटे पर आने वाली विपदा की (कि पहाड़ की तलहटी में कोई उसे मार डालेगा) ख़बर दी।

लगभग हिजरी 10 (631 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 138-139 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1166. एक बड़ी क़ौम के बीच मेल कराने के लिए यमन भेजे गए युवा अली ने (आप के सिखाए...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक बड़ी क़ौम के बीच मेल कराने के लिए यमन भेजे गए युवा अली ने (आप के सिखाए अनुसार) घाटी की चोटी से पुकारा: “ऐ पेड़, ऐ ईंट, ऐ मिट्टी! अल्लाह के रसूल मुहम्मद तुम्हें सलाम कहते हैं”; सारे पेड़ों, पत्थरों और मिट्टी ने एक आवाज़ में सलाम का उत्तर दिया, और युद्ध की तैयारी कर रहे यमन वाले भयभीत होकर झुक गए।

अली का यमन भेजा जाना, हिजरी 10 (631–632 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 371 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1167. हज़रमौत के कुलैब बिन असद ने, अपनी माँ द्वारा नबी ﷺ के लिए बनाया कपड़ा लाते समय...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हज़रमौत के कुलैब बिन असद ने, अपनी माँ द्वारा नबी ﷺ के लिए बनाया कपड़ा लाते समय पढ़ी कविता में कहा कि आप वही नबी हैं जिनका शुभ समाचार यहूदी विद्वानों (इब्ने साद के अनुसार तौरात) और पिछले नबियों ने दिया था और जिनके आने की ख़बर दी गई थी; मुसलमान होने पर आप ने उनके सिर पर हाथ फेरकर उनके लिए दुआ की।

वफ़्दों का दौर, लगभग हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Küleyb b. Esed'in Medine'ye Gelme Sebebi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c.1.s:350)

1168. नजरान के सरदार पीढ़ी-दर-पीढ़ी मुहर की मोम से मुहरबंद करके जो किताबें सँभालकर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नजरान के सरदार पीढ़ी-दर-पीढ़ी मुहर की मोम से मुहरबंद करके जो किताबें सँभालकर रखते थे, उनमें नबी ﷺ का नाम और गुण लिखे थे; आप के समय के सरदार ने अपने बेटे से कहा: “ये वही नबी हैं जिनका नाम इन किताबों में लिखा है”; सरदार के मरने पर उसके बेटे ने मुहर तोड़ी, आप का ज़िक्र देखा, मुसलमान हुआ और हज को गया।

नजरान के वफ़्द का समय, हिजरी 9–10 (630–632 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın, Necran Reislerinin Yanındaki Kitapta İsim ve Sıfatlarının Yazılı Oluşu" (kitabın dipnotu: Taberî, Târih, c:3,s:163; İbn İshâk- İbn Hişam, Sîre, c.2, s.222-223)

1169. हिजरी 9 में मदीना आकर मुसलमान हुए बनू उज़रा के बारह सदस्यों वाले वफ़्द को आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिजरी 9 में मदीना आकर मुसलमान हुए बनू उज़रा के बारह सदस्यों वाले वफ़्द को आप ने शुभ समाचार दिया कि शाम जीता जाएगा और हिरक़्ल अपने देश से निकलकर ऐसी जगह भाग जाएगा जहाँ वह सुरक्षित रह सके।

ख़बर: सफ़र हिजरी 9 (630 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 13–15 (634–636 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Benî Uzre Heyetinin Medine'ye Gelmeleri ve Müslüman Olmaları" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:331-332; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:1, s:349; İbn Seyyid, Uyûnu'l-eser, c:2, s:251-252; Halebî, İnsânu'l-uyûn, c:3, s:272)

1170. आप ने अब्दा बिन मुसहिर को ख़बर दी कि धर्मत्याग की घटनाएँ होंगी, और ताकीद की कि...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दा बिन मुसहिर को ख़बर दी कि धर्मत्याग की घटनाएँ होंगी, और ताकीद की कि उस समय वे किनाना वालों का अनुसरण न करें और वचन न तोड़ें; “कठिन घटनाएँ तैयार हो रही हैं” कहकर उन्हें अपने इलाक़े में घोड़े रखने की सलाह दी।

ख़बर: हिजरी 10 (631 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी), रिद्दा की घटनाएँ

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Abde b. Müshir'in Medine'ye Gelişi ve Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: İbn Hacer, el-Isâbe, c:2, s:435; İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:1. S:340)

1171. मुसलमान होने आए अदी बिन हातिम से आप ने कहा: “मैं तुम्हारे दीन को तुमसे अधिक...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमान होने आए अदी बिन हातिम से आप ने कहा: “मैं तुम्हारे दीन को तुमसे अधिक जानता हूँ”, और बताया कि वे रकूसी हैं, अपनी क़ौम के सरदार के रूप में ग़नीमत का चौथाई भाग (मिरबाअ) लेते हैं जो उनके अपने दीन में हलाल नहीं, और उनके वे भीतरी विचार भी बताए जो उन्हें इस्लाम में आने से रोक रहे थे; इससे अदी समझ गए कि आप अनजानी बातें जानने वाले नबी हैं।

हिजरी 9–10 (630–631 ईस्वी) (किताब के अनुसार शाबान हिजरी 10)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Adiyy B. Hâtim'in Medine'ye Gelip Müslüman Oluşu Esnasında Şahit Olduğu Gaybî Mucizeler" (kitabın dipnotu: Taberî, Târih, c:3, s:149,150,163; İbn Abdilberr, İstiâb, c:3. S:1057; İbn Esir, Usdu'l-gâbe, c:4, s:8; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:984; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:257- 378;

İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c:2, s:228); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce, Mukaddime (87) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6005, c./s. 16/498]

1172. यमन के लिए विदा किए गए मुआज़ बिन जबल को आप ने ख़बर दी कि जिस कोमल दिलों वाली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यमन के लिए विदा किए गए मुआज़ बिन जबल को आप ने ख़बर दी कि जिस कोमल दिलों वाली क़ौम के पास उन्हें भेजा जा रहा है, वह हक़ पर दो बार लड़ेगी, उनका आज्ञा-पालन करने वाले अवज्ञा करने वालों से लड़ेंगे, पत्नी पति से, बेटा पिता से और भाई भाई से क्रोधित होगा, और फिर वे दोबारा इस्लाम में लौट आएँगे।

ख़बर: हिजरी 10 (631 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी), यमन में रिद्दा की घटनाएँ (किताब में उल्लेख नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Muaz b. Cebel'e Kendisiyle Bir Daha Görüşemeyeceğini ve Bazı Hadiseleri Haber verişi" (kitabın dipnotu: Taberî, Târih, c:3, s:167; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:5, s:235)

1173. वाइल बिन हुज्र के आने पर प्रसन्न होकर आप ने मुसलमानों को इकट्ठा किया, मिंबर पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

वाइल बिन हुज्र के आने पर प्रसन्न होकर आप ने मुसलमानों को इकट्ठा किया, मिंबर पर उनका परिचय कराया, और फिर दुआ की: “ऐ अल्लाह, वाइल बिन हुज्र, उनके बेटे और उनके पोते में बरकत दे।”

हिजरी 9–10 (630–631 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Yemen krallarından Vâil b. Hucr'un Geleceğinin Haber Verilmesi" (kitabın dipnotu: İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:5, s:425,435; Buhârî, Târîh, ks:2, s:4, s:175; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, c:9, s:374; İbn Sa'd,Tabakât, c:1, s:349)

1174. हज्जतुल विदा में बहुत बीमार साद बिन अबी वक़्क़ास से आप ने कहा: “इंशा अल्लाह तुम...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हज्जतुल विदा में बहुत बीमार साद बिन अबी वक़्क़ास से आप ने कहा: “इंशा अल्लाह तुम नहीं मरोगे”, और बताया कि उनके दिल में रोग है; आप ने चिकित्सक हारिस बिन कलदा को अजवा खजूर से उनका इलाज करने का आदेश दिया और दुआ की: “ऐ अल्लाह, साद को शिफ़ा दे”; खजूर से बनी दवा पीते ही साद ऐसे ठीक हो गए मानो बंधन से छूट गए हों।

हिजरी 10 (हज्जतुल विदा, मक्का)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Sa'd b. Ebi Vakkas'ı Ziyâret ve Teselli Edişi" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, c:1, S:168,171,176; Vâkıdî, Megâzî, c:3, s:1115-1116; Nesâî, Sünen, c:6, s:241; İbn Sa'd, Tabakât, c:1,s:251-252 / İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:1, s:413; İbn Sa'd, Tabakât, c:3,s:149); Kütüb-i Sitte: Buharî Cenaiz 37, Vasaya 2, 3, Marza 13, 16, 43; Müslim, Vesaya 5, (1628) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5797, c./s. 16/260]; Ebû Dâvûd, Tıbb 12, (3875) (Acve ile tedavi; Canan'da bulunamadı)

1175. बनू असद के वफ़्द के नुक़ादा बिन अब्दुल्लाह द्वारा लाई गई ऊँटनी के थन पर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू असद के वफ़्द के नुक़ादा बिन अब्दुल्लाह द्वारा लाई गई ऊँटनी के थन पर आप ने हाथ फेरकर उसे दुहवाया, और उसके दूध से आप ने, आप के सहाबा ने और नुक़ादा ने पिया; आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, ऊँटों में इस ऊँटनी को और इसे देने वाले

को बरकत दे", और नुक़ादा के अनुरोध पर उसे लाने वाले को भी अपनी दुआ में शामिल किया।

हिजरी 9 (630–631 ईस्वी), बनू असद का वफ़्द

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Kendisine Bağışlanan Deve ve Onu Bağışlayan ve Getiren Hakkındaki Bereket Duası" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakâtü'l-kübrâ, c:1, s:293)

1176. आमिर बिन तुफ़ैल आप को बातों में उलझा रहा था और पीछे से तलवार से वार करने का काम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आमिर बिन तुफ़ैल आप को बातों में उलझा रहा था और पीछे से तलवार से वार करने का काम अरबद बिन क़ैस को सौंपा गया था; पर अरबद ने हर बार दोनों के बीच आमिर को देखा, उनके बीच लोहे की एक दीवार तनी देखी, तलवार की म्यान की ओर बढ़ा उसका हाथ सूखकर जम गया, और उसने सिर निगलने के लिए मुँह खोले अपनी ओर बढ़ते एक नर ऊँट को देखा; इस तरह आप हत्या से बच गए।

बनू आमिर का वफ़्द, हिजरी 10 (631 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Âmir'le Erbed'in Peygamberimiz Aleyhisselâma Suikasta Yeltenmeleri" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Fidâ, el-Bidâye, c:4, s:114; Halebî, İnsânu'l-uyun, c:3, s:246; İbn Sa'd, Tabakât, c:1, s:310; Süheylî, Ravdu'l-ünüf, c:7, s:438)

27 · हिजरत का ग्यारहवाँ वर्ष (632 ईस्वी): अंतिम बीमारी और वफ़ात

1177. आप ने अपने आज़ाद किए हुए ग़ुलाम अबू मुवैहिबा को बताया कि आप को दुनिया के...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने आज़ाद किए हुए ग़ुलाम अबू मुवैहिबा को बताया कि आप को दुनिया के ख़ज़ानों और अपने रब से मिलने के बीच चुनाव दिया गया और आप ने मिलना चुना।

सफ़र हिजरी 11 (मई 632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.472; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 471

1178. आप ने अपनी बेटी फ़ातिमा से कहा कि आप की वफ़ात होगी और आप के परिवार में सबसे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपनी बेटी फ़ातिमा से कहा कि आप की वफ़ात होगी और आप के परिवार में सबसे पहले आप से मिलने वाली वही होंगी; छह महीने बाद फ़ातिमा की मृत्यु हुई।

हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.142, 474; 19. Mektup listesi (183.txt) no.11, 81; 1000 Mucize no.149 (s.130); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3623-3626; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 469; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 270; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 112, 132, 142; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 65; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95, 122; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Ölüm Hastalığı Şiddetlendiğinde" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:2, s.:247; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:6, s:282); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb, (3872); Buhârî 3623-3626; Müslim 2450 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4485, c./s. 13/43]

1179. बीमारी के आरंभ में आप ने आइशा से “बल्कि मैं कहूँ: हाय मेरा सिर!” कहकर अपनी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बीमारी के आरंभ में आप ने आइशा से “बल्कि मैं कहूँ: हाय मेरा सिर!” कहकर अपनी वफ़ात की ओर संकेत किया।

सफ़र हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.479; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 472; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Ahkâm 51, Merdâ 16; Müslim, Fedailu's-Sahâbe 11, (2387); İbn Mâce 1465 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1740, c./s. 6/479; no. 6430, c./s. 17/114]

1180. आप ने बताया कि ख़ैबर में खाए ज़हरीले कौर का असर आप अपनी अंतिम बीमारी में महसूस...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ख़ैबर में खाए ज़हरीले कौर का असर आप अपनी अंतिम बीमारी में महसूस कर रहे हैं (“मेरी शह-रग कटी जा रही है”); आप की वफ़ात शहीद के रूप में हुई।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.479; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 473; ayrıca: İbn Hişâm, es-Sîretü'n-nebeviyye, c. 2, s. 338; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 396, 405-406; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 81; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Yahudîlerin Peygamberimiz Aleyhisselâmı Zehirlemeye Kalkışmaları" (kitabın dipnotu: Ebu Dâvud, Sünen, c:4, s:175,673; Vâkıdı, Megâzî, c:2, s:665, 677-678; Kastalânî, Mevâhib, c:1, s:181; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:2, s:338); Kütüb-i Sitte: Buhârî (Âişe) — satırdaki künye

---

1181. आप ने ख़ुतबे में “अल्लाह ने अपने एक बंदे को चुनाव का अधिकार दिया” कहकर अपनी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़ुतबे में “अल्लाह ने अपने एक बंदे को चुनाव का अधिकार दिया” कहकर अपनी वफ़ात की ख़बर दी; इसे केवल अबू बक्र समझ सके।

हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.483; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 470; Kütüb-i Sitte: Buharî, Fezailu'l-Ashab 3, Menâkıbu'l-Ensâr 45, Mesacid 80; Müslim, Fezâilu's-Sahabe 2, (2382); Tirmizî, Menakıb, (3661) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4382, c./s. 12/436]

1182. इब्ने मसऊद की रिवायत के अनुसार आप ने अपने सहाबा को अपनी मृत्यु की ख़बर दी और वसीयत की

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इब्ने मसऊद की रिवायत के अनुसार आप ने अपने सहाबा को अपनी मृत्यु की ख़बर दी और वसीयत की।

हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.553

1183. आप ने फ़रमाया: “अल्लाह और मोमिन अबू बक्र के सिवा किसी को स्वीकार नहीं करेंगे”...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “अल्लाह और मोमिन अबू बक्र के सिवा किसी को स्वीकार नहीं करेंगे”, और ख़िलाफ़त ऐसे ही हुई।

हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.118; 1000 Mucize no.423 (s.417); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 196; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 266; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Ahkâm 51, Merdâ 16; Müslim, Fedailu's-Sahâbe 11, (2387) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1740, c./s. 6/479]

1184. आप ने बताया कि अरब प्रायद्वीप में अब शैतान की पूजा नहीं होगी, पर शैतान लोगों को...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अरब प्रायद्वीप में अब शैतान की पूजा नहीं होगी, पर शैतान लोगों को एक-दूसरे के विरुद्ध भड़काएगा।

हिजरी 10–11

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.141; 1000 Mucize no.421 (s.415); Kütüb-i Sitte: Müslim, Münâfikûn 65, (2812) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4624, c./s. 13/208]

1185. आप के शरीर को नहलाते समय सहाबा पर नींद छा गई और एक आवाज़ सुनाई दी: “नबी को उनके...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप के शरीर को नहलाते समय सहाबा पर नींद छा गई और एक आवाज़ सुनाई दी: “नबी को उनके कपड़ों सहित नहलाओ।”

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.565; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 482; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 1466; Ebû Dâvûd 3141 — satırdaki künye [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6431]

1186. सिर पर पट्टी बाँधे, दो व्यक्तियों के सहारे मस्जिद में आकर जब आप ने परेशानी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सिर पर पट्टी बाँधे, दो व्यक्तियों के सहारे मस्जिद में आकर जब आप ने परेशानी वालों को दुआ के लिए बुलाया, तो एक व्यक्ति ने कहा: “मैं कंजूस, डरपोक और बहुत सोने वाला हूँ”; आप ने उसके लिए दुआ की, और बाद में वह युद्ध में सबसे बहादुर, सबसे दानी और कम सोने वाला व्यक्ति बना।

लगभग हिजरी 11 (632 ईस्वी), अंतिम बीमारी (पाठ से अनुमान)

स्रोत 1000 Mucize no.355 (s.345); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 474; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 13; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 56

1187. अंतिम बीमारी में जिस दिन आप मस्जिद आए, उस दिन उँगली से अपनी ज़बान की ओर इशारा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंतिम बीमारी में जिस दिन आप मस्जिद आए, उस दिन उँगली से अपनी ज़बान की ओर इशारा करने वाली (बोल न सकने वाली) एक स्त्री को आप ने आइशा के घर भेजकर उसके लिए दुआ की; वह स्त्री बोलने लगी और इबादत करने वाली बनी।

लगभग हिजरी 11 (632 ईस्वी), अंतिम बीमारी (पाठ से अनुमान)

स्रोत 1000 Mucize no.356 (s.345); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 474

1188. आप की वफ़ात पर फ़रिश्तों ने आप के शरीर पर नमाज़ पढ़ी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की वफ़ात पर फ़रिश्तों ने आप के शरीर पर नमाज़ पढ़ी।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

1189. मौत के फ़रिश्ते ने आप की रूह लेने के लिए आप से अनुमति माँगी; इससे पहले उसने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मौत के फ़रिश्ते ने आप की रूह लेने के लिए आप से अनुमति माँगी; इससे पहले उसने किसी से अनुमति नहीं माँगी थी।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

1190. रिवायत है कि आप की वफ़ात पर ख़िज़्र और फ़रिश्तों ने आप के अहले बैत से संवेदना...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रिवायत है कि आप की वफ़ात पर ख़िज़्र और फ़रिश्तों ने आप के अहले बैत से संवेदना प्रकट की।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

1191. यहूदियों के सबसे बड़े विद्वानों में से ज़ू क़राबात हिमयरी ने अल्लाह के रसूल की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यहूदियों के सबसे बड़े विद्वानों में से ज़ू क़राबात हिमयरी ने अल्लाह के रसूल की वफ़ात पर आप के बाद आने वालों को क्रम से गिनाया: “अमीन (अबू बक्र), लोहे का सींग (उमर), अज़हर (उस्मान), वज़्ज़ाह मंसूर (मुआविया)”; कअब ने भी कहा कि उस्मान के बाद अमीर मुआविया होंगे।

हिजरी 11 (632 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 11–41

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 55 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

1192. आप ने अपनी बेटी फ़ातिमा से “हर नबी अपने से पहले वाले नबी की आयु के आधे जितना...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपनी बेटी फ़ातिमा से “हर नबी अपने से पहले वाले नबी की आयु के आधे जितना जीवित रहता है” कहकर अपनी वफ़ात के निकट आने की ख़बर दी।

हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 472 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis)

1193. आप के चाचा अब्बास ने सपने में देखा कि धरती को मोटी रस्सियों से आसमान की ओर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के चाचा अब्बास ने सपने में देखा कि धरती को मोटी रस्सियों से आसमान की ओर खींचा जा रहा है; यह बताने पर आप ने इसकी ताबीर की: “चाचा, यह तुम्हारे भतीजे की वफ़ात है।”

हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 472 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis)

1194. अंतिम बीमारी में ज़ातुल जंब (फेफड़े की झिल्ली के रोग) से डरने वालों से आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंतिम बीमारी में ज़ातुल जंब (फेफड़े की झिल्ली के रोग) से डरने वालों से आप ने फ़रमाया: “अल्लाह उसे मुझ पर मुसल्लत नहीं करेगा; वह शैतान की ओर से है” (आप इस रोग से सुरक्षित रहे)।

हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 474 (Hastalığında görülen âyetler)

1195. आप ने फ़रमाया: “कोई नबी तब तक वफ़ात नहीं पाते जब तक उन्हें जन्नत में उनका स्थान...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “कोई नबी तब तक वफ़ात नहीं पाते जब तक उन्हें जन्नत में उनका स्थान दिखाकर चुनाव का अधिकार न दिया जाए”; वफ़ात के समय आप ने छत की ओर टकटकी लगाकर कहा: “ऐ अल्लाह, (जिब्रील, मीकाईल और इस्राफ़ील के साथ) रफ़ीक़े आला चाहता हूँ”, और आइशा समझ गईं: “तो आप हमें नहीं चुनेंगे।”

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 476 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis) — satırdaki künye

---

1196. वफ़ात के समय आप ने हाथ बढ़ाकर और खींचकर जिब्रील को बुलाया, और आइशा ने जिब्रील...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

वफ़ात के समय आप ने हाथ बढ़ाकर और खींचकर जिब्रील को बुलाया, और आइशा ने जिब्रील को “लब्बैक, लब्बैक” कहते सुना।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 479 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis)

1197. जब आप की रूह क़ब्ज़ की गई, तो आइशा ने ऐसी सुंदर सुगंध महसूस की जैसी उस दिन तक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जब आप की रूह क़ब्ज़ की गई, तो आइशा ने ऐसी सुंदर सुगंध महसूस की जैसी उस दिन तक कभी नहीं सूँघी थी; अबू बक्र ने आप को चूमकर कहा: “आप जीवन में भी और मृत्यु में भी कितनी अच्छी सुगंध वाले हैं।”

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 479 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis)

1198. आप की वफ़ात के दिन आप के सीने पर हाथ रखने वाली उम्मे सलमा के हाथ से, खाना खाने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की वफ़ात के दिन आप के सीने पर हाथ रखने वाली उम्मे सलमा के हाथ से, खाना खाने और वुज़ू करने के बावजूद, हफ़्तों तक कस्तूरी की सुगंध नहीं गई।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 480 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis)

1199. आप की वफ़ात पर संदेह होने पर अस्मा बिंत उमैस ने आप के दोनों कंधों के बीच हाथ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की वफ़ात पर संदेह होने पर अस्मा बिंत उमैस ने आप के दोनों कंधों के बीच हाथ रखकर देखा कि नबूवत की मुहर उठ चुकी है, और कहा: “आप की वफ़ात हो गई है।”

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 480 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis)

1200. आप की रूह क़ब्ज़ होने पर मौत का फ़रिश्ता रोता हुआ आसमान पर चढ़ा और आसमान से एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की रूह क़ब्ज़ होने पर मौत का फ़रिश्ता रोता हुआ आसमान पर चढ़ा और आसमान से एक आवाज़ सुनाई दी: “वा मुहम्मदाह!”

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 480 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis)

1201. यमन में मौजूद जरीर बिन अब्दुल्लाह से ज़ू कलाअ और ज़ू अम्र नाम के दो व्यक्तियों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यमन में मौजूद जरीर बिन अब्दुल्लाह से ज़ू कलाअ और ज़ू अम्र नाम के दो व्यक्तियों ने (अहले किताब के ज्ञान से) कहा: "तुम जिनका वर्णन कर रहे हो, उनकी तीन दिन पहले वफ़ात हो चुकी है"; रास्ते में मदीना से आए क़ाफ़िले ने इसकी पुष्टि की।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 480 (Ehl-i kitabın onun vefatını haber vermesi) — satırdaki künye

---

1202. उमान में मौजूद अम्र बिन आस से एक यहूदी ने कहा: "अगर तुम्हें भेजने वाले अल्लाह..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उमान में मौजूद अम्र बिन आस से एक यहूदी ने कहा: "अगर तुम्हें भेजने वाले अल्लाह के रसूल हैं, तो आज उनकी मृत्यु हो गई है"; कुछ ही समय बाद अबू बक्र के पत्र ने उसी दिन आप की वफ़ात की सूचना दी।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 481 (Ehl-i kitabın onun vefatını haber vermesi)

1203. आप द्वारा यमन भेजे गए हारिस बिन अब्दुल्लाह जुहनी को एक यहूदी विद्वान ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप द्वारा यमन भेजे गए हारिस बिन अब्दुल्लाह जुहनी को एक यहूदी विद्वान ने "किताबों में लिखा है कि मुहम्मद अमुक दिन मरेंगे" कहकर आप की वफ़ात की ख़बर दी, और अबू बक्र के पत्र ने इसकी पुष्टि की।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 481 (Ehl-i kitabın onun vefatını haber vermesi)

1204. कवि अबू ज़ुऐब हुज़ली ने जिस रात आप की बीमारी की ख़बर पाई, उसी रात भोर के समय एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कवि अबू ज़ुऐब हुज़ली ने जिस रात आप की बीमारी की ख़बर पाई, उसी रात भोर के समय एक हातिफ़ से ऐसे शेर सुने जिनका अर्थ था: "इस्लाम पर बड़ी विपदा उतरी; नबी मुहम्मद की रूह क़ब्ज़ कर ली गई", और मदीना पहुँचने पर उन्होंने लोगों को रोते पाया।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 481 (Ehl-i kitabın onun vefatını haber vermesi)

1205. नहलाते समय आप में वह कुछ भी नहीं दिखाई दिया जो मुर्दों में दिखता है, और ऐसी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

नहलाते समय आप में वह कुछ भी नहीं दिखाई दिया जो मुर्दों में दिखता है, और ऐसी सुंदर सुगंध फैली जैसी उस दिन तक कभी नहीं सुनी गई थी; अली ने कहा: "मेरे माँ-बाप आप पर क़ुर्बान, आप जीवित भी कितने अच्छे थे और मृत भी कितने अच्छे हैं।"

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 482 (Yıkanması sırasında görülen âyetler)

1206. आप ने अली को वसीयत की: “मुझे तुम्हारे सिवा कोई न नहलाए; जो मेरा सतर देखेगा उसकी...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अली को वसीयत की: “मुझे तुम्हारे सिवा कोई न नहलाए; जो मेरा सतर देखेगा उसकी आँखें अंधी हो जाएँगी”; नहलाते समय अली जिस अंग को पकड़ते, वह ऐसे आसानी से पलट जाता मानो तीस लोग उनके साथ पलट रहे हों (अंग अपने-आप उठ जाते), और एक आवाज़ सुनाई दी: “अपने नबी का सतर न खोलो।”

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 482 (Yıkanması sırasında görülen âyetler)

1207. आप की जनाज़े की नमाज़ बिना इमाम के इस तरह अदा की गई कि लोग टोलियों में आकर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप की जनाज़े की नमाज़ बिना इमाम के इस तरह अदा की गई कि लोग टोलियों में आकर अलग-अलग पढ़ते रहे (यह आप की विशेषता है)।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 483 (Üzerine namaz kılınmasındaki hususiyet)

1208. “हर नबी वहीं दफ़न किया जाता है जहाँ उसकी रूह क़ब्ज़ की जाती है” की विशेषता के...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

“हर नबी वहीं दफ़न किया जाता है जहाँ उसकी रूह क़ब्ज़ की जाती है” की विशेषता के अनुसार, अबू बक्र के यह बात याद दिलाने पर आप को उसी जगह दफ़न किया गया जहाँ आप की वफ़ात हुई।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 485 (Defnedilmesindeki hususiyetler)

1209. आप की क़ब्र के लिए लहद खोदने वाले अबू तलहा और शक़्क़ (सीधी क़ब्र) खोदने वाले...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप की क़ब्र के लिए लहद खोदने वाले अबू तलहा और शक़्क़ (सीधी क़ब्र) खोदने वाले अबू उबैदा को संदेश भेजते समय अब्बास ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, अपने नबी के लिए जो बेहतर हो, वह चुन ले”, और लहद खोदने वाले अबू तलहा पहले आ गए।

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 486 (Defnedilmesindeki hususiyetler)

1210. आप की क़ब्र में एक लाल मख़मल बिछाई गई (वकीअ: “यह आप की विशेषता है”), और आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की क़ब्र में एक लाल मख़मल बिछाई गई (वकीअ: “यह आप की विशेषता है”), और आप ने फ़रमाया था: “मेरी लहद में मेरी मख़मल बिछाना; धरती को नबियों के शरीरों पर अधिकार नहीं दिया गया।”

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 486 (Defnedilmesindeki hususiyetler) — satırdaki künye; İbn Mâce 1628 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6502, c./s. 17/153-254]

1211. आप ने फ़रमाया: “कोई नबी तब तक वफ़ात नहीं पाते जब तक उनकी उम्मत का कोई व्यक्ति...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “कोई नबी तब तक वफ़ात नहीं पाते जब तक उनकी उम्मत का कोई व्यक्ति उनकी इमामत न कर ले”, और पर्दा हटाकर अपने सहाबा को अबू बक्र के पीछे नमाज़ में देखकर प्रसन्न हुए; आप ने फ़रमाया: “मेरे बाद जिस पर विपदा आए, वह मेरी विपदा से तसल्ली पाए; मेरी उम्मत में किसी पर मेरी विपदा से बड़ी विपदा नहीं आएगी।”

रबीउल अव्वल हिजरी 11 (जून 632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 491 (Hayatının da ölümünün de ümmeti için hayır olması)

1212. आप ने मस्जिद की ओर खुलने वाले दरवाज़े बंद करवा दिए और केवल अबू बक्र का दरवाज़ा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने मस्जिद की ओर खुलने वाले दरवाज़े बंद करवा दिए और केवल अबू बक्र का दरवाज़ा छोड़ा, और फ़रमाया: “मैं तुम सब के दरवाज़ों पर अंधेरा और अबू बक्र के दरवाज़े पर नूर देखता हूँ।”

लगभग हिजरी 11 (अंतिम बीमारी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 145 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler) — olayın aslı [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4382, c./s. 12/436]

1213. जिब्रील ने आप को दुनिया में रहने और अपने रब से मिलने के बीच चुनाव का अधिकार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिब्रील ने आप को दुनिया में रहने और अपने रब से मिलने के बीच चुनाव का अधिकार दिया, तो आप ने सहाबा से परामर्श किया; उन्होंने कहा: “हमारे साथ रहिए”, जबकि हुबाब बिन मुंज़िर ने कहा: “जो आप के रब ने आप के लिए चुना है, वही चुनिए”, और आप ने उनकी राय स्वीकार की।

हिजरी 11 (632 ईस्वी), वफ़ात से कुछ समय पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 399 (istişarenin ona vacip oluşu bâbı)

1214. आप ने फ़रमाया: “भय (रोब) से मेरी सहायता की गई; मुझे इस बात का चुनाव दिया गया कि...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “भय (रोब) से मेरी सहायता की गई; मुझे इस बात का चुनाव दिया गया कि अपनी उम्मत के लिए खुलने वाली विजयें देखने तक प्रतीक्षा करूँ या तुरंत अपने रब से जा मिलूँ, और मैंने जल्दी वाली बात चुनी” (ताऊस की रिवायत); आप ने बताया कि नींद में आप को दुनिया की कुंजियाँ दी गईं, फिर आप को सबसे अच्छे मार्ग पर ले जाया गया, जबकि आप के सहाबा को दुनिया की नेमतों में छोड़ दिया गया (सालिम बिन अबिल जअद की रिवायत)।

हिजरी 11 (632 ईस्वी), वफ़ात से कुछ समय पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 471 (vefatını kendisinin haber vermesi ve vefatı sırasındaki mucizeler bâbı)

1215. आप की वफ़ात के क्षण आप का गधा उफ़ैर (याफ़ूर) अपनी रस्सी तोड़कर दौड़ा और क़ुबा...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

आप की वफ़ात के क्षण आप का गधा उफ़ैर (याफ़ूर) अपनी रस्सी तोड़कर दौड़ा और क़ुबा में बनू ख़तमा के कुएँ में कूद पड़ा, और वह कुआँ उसकी क़ब्र बन गया।

वफ़ात, हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 404, 416 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 5: hayvanların itaati ve konuşması)

28 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: पानी के मोजिज़े

1216. आप की उँगलियों से पानी का बहना

सहीह (प्रामाणिक) पानी से संबंधित मोजिज़े

जाबिर बिन अब्दुल्लाह ने रिवायत की कि हुदैबिया के दिन लोगों को प्यास लगी। नबी ﷺ ने पानी के एक छोटे बर्तन में अपना हाथ रखा और आप की उँगलियों के बीच से पानी फूटने लगा, यहाँ तक कि उस बड़े समूह ने पानी पिया और वुज़ू किया।

हुदैबिया का अभियान, हिजरी 6

स्रोत Sahih al-Bukhari 3576

1217. ज़ौरा (मदीना के बाज़ार) में आप ने एक छोटे बर्तन में हाथ रखा तो आप की उँगलियों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ज़ौरा (मदीना के बाज़ार) में आप ने एक छोटे बर्तन में हाथ रखा तो आप की उँगलियों के बीच से पानी उबल पड़ा; लगभग 300 लोगों ने वुज़ू किया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पानी के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.27; 1000 Mucize no.271 (s.249); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3572; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 94 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 1. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 13. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 68; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 59; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 292; Buhârî, Menâkıb, no 3572; Müslim, Fezâil, no 2279c-d; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buharî, Vüdu 32, Menakıb 25; Müslim Fezail 5, (2279); Nesâî, Taharet 61; Tirmizî, Menakıb 12, (3635) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5591, c./s. 15/443]

1218. नमाज़ के समय पानी न मिलने पर लाए गए छोटे पत्थर के बर्तन में आप ने किसी तरह हाथ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

नमाज़ के समय पानी न मिलने पर लाए गए छोटे पत्थर के बर्तन में आप ने किसी तरह हाथ डाला और उँगलियों के बीच से पानी बहाया; 70–80 लोगों ने वुज़ू किया (अनस की दूसरी रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पानी के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.27; 19. Mektup listesi (183.txt) no.6; 1000 Mucize no.26 (s.38); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3575; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 575; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 94 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 13. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 67-68; c. 2, s. 68; ayrıca: Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 283; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 58; Buhârî, Vudû, no 200; Menâkıb, no 3574-3575; Müslim, Fezâil, no 2279a; Nesâî, Tahâret, no 78; Kütüb-i Sitte: Buharî, Vüdu 32, Menakıb 25; Müslim Fezail 5, (2279); Muvatta, Taharet 32 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5591, c./s. 15/443]

1219. बुवात के अभियान में प्याले में बची एक बूँद पानी में आप ने हाथ रखा तो आप की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बुवात के अभियान में प्याले में बची एक बूँद पानी में आप ने हाथ रखा तो आप की उँगलियों से पानी फूट पड़ा (जाबिर की रिवायत)।

हिजरी 2 (623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.457; web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 575; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 96 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.9-10; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 8. İşaret, 3. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 372; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 62; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 295; islamveihsan.com, “Hz. Peygamber'in Mucizeleri”; Kütüb-i Sitte: Müslim, Zühd 74 (3013) — satırdaki künye

---

1220. ग़ज़वों और यात्राओं में आप की उपस्थिति में पानी बार-बार बढ़ा (सामान्य रिवायतें)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ग़ज़वों और यात्राओं में आप की उपस्थिति में पानी बार-बार बढ़ा (सामान्य रिवायतें)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पानी के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.30; ayrıca: TDV İslâm Ansiklopedisi, “Mûcize”, c. 30; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 254; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menakıb 25; Müslim Fezail 5, (2279); Müslim, İmaret 67, (1856) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5591, c./s. 15/443; no. 5592, c./s. 15/444; no. 5593, c./s. 15/444; no. 5594, c./s. 15/445]

1221. क़ुबा के कुएँ (या अनस के कुएँ) का पानी आप के उसमें कुल्ली का पानी डालने से बढ़...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ुबा के कुएँ (या अनस के कुएँ) का पानी आप के उसमें कुल्ली का पानी डालने से बढ़ गया और फिर कभी नहीं सूखा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पानी के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.597; 1000 Mucize no.267 (s.243); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 101 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 68; c. 2, s. 69; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 71

1222. एक कुएँ में आप के थूकने से उसका पानी मीठा और कस्तूरी जैसी सुगंध वाला हो गया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक कुएँ में आप के थूकने से उसका पानी मीठा और कस्तूरी जैसी सुगंध वाला हो गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पानी के मोजिज़े

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.143; 1000 Mucize no.361 (s.348); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 105; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 102-103; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 659 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6189, c./s. 16/620]

1223. ज़मज़म की बाल्टी से पीकर आप ने उसमें कुल्ली की, तो बाल्टी कस्तूरी जैसी महक उठी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़मज़म की बाल्टी से पीकर आप ने उसमें कुल्ली की, तो बाल्टी कस्तूरी जैसी महक उठी।

हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.142; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 659 [İ. Canan, Kütüb-i

Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6189, c./s. 16/620]

1224. एक यात्रा में पानी घट चुके कुएँ से छह लोगों के साथ पानी खींचने की कोशिश कर रहे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में पानी घट चुके कुएँ से छह लोगों के साथ पानी खींचने की कोशिश कर रहे बरा की ख़ाली निकली बाल्टी में आप ने हाथ डालकर दुआ की; बाल्टी लौटाने पर पानी इतना उमड़ा कि उनमें से एक को डूबने का डर हो गया, और वह नदी की तरह बहने लगा।

एक यात्रा में, तिथि अनिश्चित (इब्ने कसीर के अनुसार हुदैबिया से अलग घटना)

स्रोत 1000 Mucize no.28 (s.40); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14105; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 95 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 60; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 289

1225. अपने खोदे कुएँ का पानी खारा निकलने की शिकायत करने वाले हम्माम बिन नुफ़ैद सादी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने खोदे कुएँ का पानी खारा निकलने की शिकायत करने वाले हम्माम बिन नुफ़ैद सादी को आप ने एक बाल्टी पानी देकर कुएँ में डालने को कहा; कुआँ मीठा हो गया और यमन का सबसे निर्मल पानी बन गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.225 (s.201)

1226. एक ग़ज़वे में सेना का पानी ख़त्म हो गया, तो आप ने थोड़े पानी वाले बर्तन में...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में सेना का पानी ख़त्म हो गया, तो आप ने थोड़े पानी वाले बर्तन में उँगलियाँ डालकर फैलाईं, उँगलियों के बीच से पानी फूट पड़ा, और बिलाल से पुकार लगवाकर सैनिकों ने उसी पानी से वुज़ू किया।

एक ग़ज़वे के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.312 (s.290); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, bâbü mâ ekramallâhu'n-nebiyye min tefcîri'l-mâi min beyni esâbi'ihî, no. 25; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü mu'cizâtihî fi'l-mâ, no 14104; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 97 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 70; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 64; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 293; al-shia.org (Farsça mucize listeleri)

1227. सिंचाई से थक गए एक अंसारी के बाग़ को सौ खजूरों के बदले एक मशक से सींचने का काम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सिंचाई से थक गए एक अंसारी के बाग़ को सौ खजूरों के बदले एक मशक से सींचने का काम आप ने लिया, और तब तक सींचते रहे जब तक बाग़ के मालिक ने नहीं कहा: “मेरा बाग़ पानी में डूब गया।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.887 (s.740); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14108; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 88; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 114

1228. एक अभियान में पानी ख़त्म होने पर आप ने फ़रमाया: “जिसके पास बचा हुआ पानी हो, वह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक अभियान में पानी ख़त्म होने पर आप ने फ़रमाया: “जिसके पास बचा हुआ पानी हो, वह ले आए”; लाया गया थोड़ा पानी एक बर्तन में डालकर आप ने उसमें हाथ रखा और आप की उँगलियों के बीच से पानी फूटने लगा (इब्ने मसऊद की रिवायत, अलक़मा की सनद से)।

मदनी दौर, एक अभियान में (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 13. fasıl (parmaklarından su akması) — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 70; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 64-65; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 293-294; Buhârî, Menâkıb, no 3579; Tirmizî, Menâkıb, no 3633; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Facts and Details, “Miracles of Muhammad”; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 38; Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıb 25; Tirmizî, Menakıb 14, (3637); Nesâî, Taharet 61, (1, 60) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5594, c./s. 15/445]

1229. एक यात्रा में आप के पास एक छागल (इदावा) लाई गई और कहा गया: “इसके सिवा हमारे पास...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में आप के पास एक छागल (इदावा) लाई गई और कहा गया: “इसके सिवा हमारे पास पानी नहीं है”; आप ने पानी एक तसले में डालकर अपनी उँगली उसके बीच में डुबोई, और लोग आकर वुज़ू करने लगे (शअबी की मुरसल रिवायत; तिर्मिज़ी: “इस विषय में इमरान बिन हुसैन से भी रिवायत है”)।

मदनी दौर, एक अभियान में (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 13. fasıl (parmaklarından su akması)

1230. आप ने पूछा: “क्या वुज़ू का पानी है?”; एक व्यक्ति एक छागल लाया जिसमें एक बूँद...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने पूछा: “क्या वुज़ू का पानी है?”; एक व्यक्ति एक छागल लाया जिसमें एक बूँद (नुत्फ़ा) भर पानी था; आप ने पानी एक प्याले में डाला और 1400 लोगों ने खुलकर पानी बहाते हुए वुज़ू कर लिया (सलमा बिन अकवअ की रिवायत)।

एक ग़ज़वे में, मदनी दौर (लगभग हिजरी 6–7)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 14. fasıl (suyun bereketiyle fışkırması) — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması – azıkların toplanması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 450; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 98; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 290; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Müslim 1729 (Lukata) — satırdaki künye

1231. प्यास से रोते हसन और हुसैन को आप ने अपनी ज़बान दी; उन्होंने उसे चूसा और चुप हो गए

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

प्यास से रोते हसन और हुसैन को आप ने अपनी ज़बान दी; उन्होंने उसे चूसा और चुप हो गए।

मदनी दौर, हिजरी 4–10

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1232. आप ने अपने सहाबा को एक मशक पानी रास्ते के लिए दिया, उसका मुँह बाँधकर दुआ की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने सहाबा को एक मशक पानी रास्ते के लिए दिया, उसका मुँह बाँधकर दुआ की; नमाज़ का समय आने पर उन्होंने उतरकर मशक खोली, तो उसमें मीठा दूध और उसके मुँह पर मक्खन (मलाई) था (हम्माद बिन सलमा की रिवायत)।

एक अभियान में, मदनी दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1233. अस्र का समय आ गया और लोगों को वुज़ू का पानी नहीं मिला, तो आप ने लाए गए बर्तन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अस्र का समय आ गया और लोगों को वुज़ू का पानी नहीं मिला, तो आप ने लाए गए बर्तन में हाथ रखा, आप की उँगलियों के नीचे से पानी उबल पड़ा और अंतिम व्यक्ति तक सब ने वुज़ू किया (इसहाक़ बिन अब्दुल्लाह की अनस से रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3573 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 67; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 57; Buhârî, Menâkıb, no 3573; Müslim, Fezâil, no 2279b; Nesâî, Tahâret, no 76; Djamduri–Malinda, Journal of Islamic Education 6/1 (2021); WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buharî, Vüdu 32, Menakıb 25; Müslim Fezail 5, (2279); Muvatta, Taharet 32; Nesâî, Taharet 61; Tirmizî, Menakıb 12, (3635) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5591, c./s. 15/443]

1234. एक यात्रा में नमाज़ का समय आने पर पानी न मिला, तो आप ने थोड़े पानी वाले प्याले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में नमाज़ का समय आने पर पानी न मिला, तो आप ने थोड़े पानी वाले प्याले में अपनी चार उँगलियाँ रखकर फ़रमाया: “उठो, वुज़ू करो”, और लगभग सत्तर लोगों ने वुज़ू किया (हसन बसरी की अनस से रिवायत)।

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3574 — satırdaki künye; Buharî, Menakıb 25; Müslim Fezail 5, (2279) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5591, c./s. 15/443]

1235. दो सौ दस से अधिक लोगों के साथ निकले एक अभियान में नमाज़ के समय पानी न मिला, तो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

दो सौ दस से अधिक लोगों के साथ निकले एक अभियान में नमाज़ के समय पानी न मिला, तो आप ने लाई गई छागल की तली का पानी प्याले में डलवाकर उसमें हाथ रखा और फ़रमाया: “अच्छी तरह वुज़ू करो”; जाबिर ने आप की उँगलियों के बीच से पानी के सोते फूटते देखे, और जब तक सब ने वुज़ू नहीं कर लिया, आप ने हाथ नहीं उठाया।

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 26 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 63

1236. राशिद बिन अब्दे रब्बिही को रुहात में ज़मीन देकर आप ने पानी से भरी एक छागल दी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

राशिद बिन अब्दे रब्बिही को रुहात में ज़मीन देकर आप ने पानी से भरी एक छागल दी जिसमें आप ने थूका (फूँका) था, और फ़रमाया: “इसे ज़मीन के ऊपरी भाग में डाल दो”; वहाँ से एक सोता फूट पड़ा जो आज तक बह रहा है और “माउर रसूल” (रसूल का पानी) कहलाता है।

मदनी दौर (लगभग हिजरी 8)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 68

1237. आप के पास लाई गई बाल्टी से आप ने पानी पिया और मुँह का पानी कुएँ (या बाल्टी) में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के पास लाई गई बाल्टी से आप ने पानी पिया और मुँह का पानी कुएँ (या बाल्टी) में डाल दिया, तो उससे कस्तूरी जैसी सुगंध फैल गई (वाइल बिन हुज्र की रिवायत)।

मदनी दौर, लगभग हिजरी 9–10

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.69

1238. एक ग़ज़वे में तेज़ प्यास फैली, तो आप ने जिसकी छागल में थोड़ा पानी था उससे पानी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में तेज़ प्यास फैली, तो आप ने जिसकी छागल में थोड़ा पानी था उससे पानी मँगवाया, ज़मीन खुरचकर उस पर हाथ रखा और पानी उस पर डलवाया; आप की उँगलियों के बीच से उबलते पानी से पूरी सेना और सवारियाँ तृप्त हो गईं (अबू लैला अंसारी की रिवायत)।

मदनी दौर, एक ग़ज़वे के दौरान

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14107 (8/301)

1239. एक यात्रा में सब पानी ढूँढ रहे थे और केवल एक व्यक्ति के पास पानी मिला, तो आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में सब पानी ढूँढ रहे थे और केवल एक व्यक्ति के पास पानी मिला, तो आप ने उसे बर्तन में डलवाया; वुज़ू करते समय आप की उँगलियों से सोते फूट पड़े, पूरे क़ाफ़िले के वुज़ू कर लेने के बाद आप ने मुट्ठी बंद की, और पहले डाले गए पानी जितना पानी बचा रहा।

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 70 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: suyun çoğalması)

1240. एक ग़ज़वे में लोगों को तेज़ प्यास लगी, तो आप ने एक छागल (रकवा) मँगवाकर उसमें...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में लोगों को तेज़ प्यास लगी, तो आप ने एक छागल (रकवा) मँगवाकर उसमें पानी डलवाया, उसमें थूककर दुआ की और अपनी छोटी उँगली डाली, तो सोते फूट पड़े; सब ने पिया, अपने पशुओं को पिलाया और बर्तन भरे; आप इतना हँसे कि आप की दाढ़ें दिख गईं, और शुभ समाचार दिया कि कलिमा-ए-शहादत कहने वाला जन्नत में जाएगा।

एक ग़ज़वे के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 71 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: suyun çoğalması)

1241. एक यात्रा में निर्जल क़ाहा में पड़ाव डाला गया, तो एक सहाबी ने हाथ से रेत...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में निर्जल क़ाहा में पड़ाव डाला गया, तो एक सहाबी ने हाथ से रेत कुरेदी, रेत नम हुई और पानी फूट पड़ा; अल्लाह के रसूल और आप के साथियों ने जी भरकर पिया और उस जगह का नाम “सुक़्या” रखा।

मदनी दौर, एक यात्रा, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 71 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: suyun çoğalması)

1242. आप ने बुज़ाआ के कुएँ की बाल्टी से वुज़ू किया, बचा हुआ पानी और अपना थूक कुएँ में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बुज़ाआ के कुएँ की बाल्टी से वुज़ू किया, बचा हुआ पानी और अपना थूक कुएँ में डाला और उसका पानी पिया; आप के समय में रोगियों को “बुज़ाआ के पानी से नहलाओ” कहकर नहलाया जाता और वे ऐसे ठीक हो जाते मानो बंधन से छूट गए हों।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 118 (Hayvan türlerindeki mucizeleri ana başlığı altında: hastaları ve sakatları iyileştirmesine dair rivayetler)

1243. सहाबा ने प्यास की शिकायत की, तो आप ने एक बड़ा प्याला (उस्स) मँगवाया, उसमें...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सहाबा ने प्यास की शिकायत की, तो आप ने एक बड़ा प्याला (उस्स) मँगवाया, उसमें थोड़ा पानी डलवाकर अपनी उँगली (हाथ) रखी और फ़रमाया: “पानी लो”; जाबिर ने आप की उँगलियों के बीच से सोतों की तरह पानी उबलते देखा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 60 (Arzî mucizeler, cemâdât: parmakları arasından suyun kaynaması)

1244. मुशरिकों पर भेजी गई सेना (जिसमें अबू बक्र थे) के पीछे आठ लोगों और अनस के साथ रह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुशरिकों पर भेजी गई सेना (जिसमें अबू बक्र थे) के पीछे आठ लोगों और अनस के साथ रह गई यात्रा में आप ने वुज़ू के एक छोटे बर्तन (मीज़आ) के पानी पर हाथ फेरकर बरकत की दुआ की, और नौ लोगों ने वुज़ू किया; फिर आप ने पूछा: “मीज़आ किसका है?”, और उसी बर्तन से सारे लोगों ने पिया, अपने पशुओं को पिलाया और अपने बर्तन भरे।

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 68-69 (Su bereketi: Enes'ten buna benzer başka hadis)

1245. अपने पानी के खारेपन की शिकायत करने वाली एक क़ौम के खारे और सूखते कुएँ में आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने पानी के खारेपन की शिकायत करने वाली एक क़ौम के खारे और सूखते कुएँ में आप ने थूका, तो कुएँ से मीठा पानी फूट पड़ा; कुएँ के मालिक इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी गर्व की बात मानते रहे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 28-29 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1246. एक यात्रा में प्यास से मरने के कगार पर पहुँचे सहाबा की शिकायत पर आप ने कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में प्यास से मरने के कगार पर पहुँचे सहाबा की शिकायत पर आप ने कहा: “नहीं; मेरा रब मेरे साथ है, मैंने उसी पर भरोसा किया है”, और एक बर्तन में इतना कम पानी डलवाया जो एक कमज़ोर व्यक्ति की प्यास भी न बुझा सके; आप के उसमें हाथ डालते ही उँगलियों के बीच से पानी फूट पड़ा, हज़ारों लोगों ने जी भरकर पिया, और आप ने फ़रमाया: “मैं गवाही देता हूँ कि मैं सचमुच अल्लाह का रसूल हूँ।”

मदनी दौर, एक अभियान (स्रोत उसका नाम नहीं देता)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 75 (2. bâb, fasl: bazı mucizelerinin beyanı)

1247. अपने कुएँ का पानी सूख जाने की शिकायत करने वाले एक बद्दू को आप ने उँगलियों के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने कुएँ का पानी सूख जाने की शिकायत करने वाले एक बद्दू को आप ने उँगलियों के सिरों से मले हुए एक-दो कंकड़ देकर फ़रमाया: “इसे कुएँ में डाल दो”; कंकड़ डालते ही पानी कुएँ के मुँह तक उबल आया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 491 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

1248. जाबिर ने अपने कड़वे (खारे) पानी वाले कुएँ और प्यास की शिकायत की, तो आप ने एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जाबिर ने अपने कड़वे (खारे) पानी वाले कुएँ और प्यास की शिकायत की, तो आप ने एक तसले पानी से अपने पैर धोकर वह पानी कुएँ में डलवाया, और कुएँ का पानी मीठा हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 507 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

1249. सूख चुके (बेकार पड़े) एक कुएँ में आप के थूकने से पानी इतना उमड़ा कि बिना बाल्टी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सूख चुके (बेकार पड़े) एक कुएँ में आप के थूकने से पानी इतना उमड़ा कि बिना बाल्टी और रस्सी के लिया जाने लगा।

मदनी दौर

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 103 (fasl fî mu'cizât ef'âlihî)

1250. “मीज़आ के दिन” लाए गए वुज़ू के बर्तन में आप ने हाथ रखा तो पानी उमड़कर ऊपर उठ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“मीज़आ के दिन” लाए गए वुज़ू के बर्तन में आप ने हाथ रखा तो पानी उमड़कर ऊपर उठ आया; आठ हज़ार लोगों ने उससे वुज़ू किया और पिया, पशुओं को पिलाया और अपने बर्तन भरे।

मदनी दौर, एक अभियान; तिथि अनिश्चित

स्रोत Tabersî, el-İhticâc (thk. M. Bâkır el-Hursân, Necef: Matbaatü'n-Nu'mân 1386/1966), c. 1, s. 325 (İhticâcü Emîri'l-mü'minîn ale'l-Yehûd min ahbârihim... fî mu'cizâti'n-Nebî)

1251. एक अभियान में पानी ख़त्म होने पर आप ने अली को एक चट्टान के पास भेजा और कहने का...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक अभियान में पानी ख़त्म होने पर आप ने अली को एक चट्टान के पास भेजा और कहने का आदेश दिया: "मैं अल्लाह के रसूल का दूत हूँ, पानी निकाल"; चट्टान के ऊँटनी के थनों जैसे उभारों से पानी बहने लगा, सेना ने पिया, पशुओं को पिलाया और वुज़ू किया।

मदनी दौर, एक अभियान; तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 42, no. 1/1 (fasl: âyâtühû fi'l-miyâh)

1252. एक अभियान में आप ने अली से एक बर्तन (तौर) माँगा, अपना दायाँ हाथ अली के हाथ के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक अभियान में आप ने अली से एक बर्तन (तौर) माँगा, अपना दायाँ हाथ अली के हाथ के साथ बर्तन में रखा और कहा: "उबल", तो आप की उँगलियों के बीच से पानी फूट पड़ा।

मदनी दौर, एक अभियान; तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 42, no. 2/2 (fasl: âyâtühû fi'l-miyâh)

1253. एक ग़ज़वे में पानी ढूँढने भेजे गए अली को कुएँ में केवल कीचड़ मिला, तो आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में पानी ढूँढने भेजे गए अली को कुएँ में केवल कीचड़ मिला, तो आप ने कीचड़ मँगवाकर (उस पर दुआ करके) कुएँ में डलवाया, और पानी ऊपर उठकर कुएँ से छलकने लगा।

मदनी दौर, एक ग़ज़वा; तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 43, no. 4/4 (fasl: âyâtühû fi'l-miyâh)

1254. एक ग़ज़वे में पानी ख़त्म होने पर आप ने बरा बिन आज़िब से एक छोटा बर्तन (तौर)...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में पानी ख़त्म होने पर आप ने बरा बिन आज़िब से एक छोटा बर्तन (तौर) मँगवाया और उनके हाथ के साथ अपना हाथ बर्तन में रखा; पानी फूट पड़ा और सेना और पशु तृप्त हो गए (बरा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 38 (Bâb 7: mübarek uzuvlarının bereketi, yiyecek ve içeceğin çoğalması)

1255. एक अभियान से लौटते समय, जिस क़ौम के कुओं का पानी गर्मियों में ख़त्म हो जाता था...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक अभियान से लौटते समय, जिस क़ौम के कुओं का पानी गर्मियों में ख़त्म हो जाता था, उसके दुआ माँगने पर आप ने उनके कुएँ में थूका, तो पानी फूट पड़ा और इतना बढ़ गया कि तली दिखाई नहीं देती थी; यह सुनकर मुसैलिमा कज़्ज़ाब ने कम पानी वाले एक कुएँ में थूका, तो वह कुआँ बिल्कुल सूख गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 234, 238-239 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

29 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: बारिश की दुआएँ

1256. सूखे में आप ने ईदगाह (मुसल्ला) जाकर बारिश की दुआ की; आप के मस्जिद लौटने से पहले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूखे में आप ने ईदगाह (मुसल्ला) जाकर बारिश की दुआ की; आप के मस्जिद लौटने से पहले ही बारिश टूट पड़ी, और लोगों को आश्रय की ओर दौड़ते देखकर आप मुस्कुराए (आइशा की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – बारिश की दुआएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.600; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 277; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Yağmur Dualarının Sayısı ve Çeşitleri" (kitabın dipnotu: Ebu Dâvud, Sünen, c:1, s:304; Hâkim, Müstedrek, c:3, s:328); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd (Âişe) — satırdaki künye; Canan K3055 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3055, c./s. 9/366-367]

1257. बारिश की दुआ में अबू लुबाबा ने कहा: “खजूरें खलिहान में हैं”, तो आप ने दुआ की...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बारिश की दुआ में अबू लुबाबा ने कहा: “खजूरें खलिहान में हैं”, तो आप ने दुआ की: “इतनी बरसा कि अबू लुबाबा अपने खलिहान का छेद अपनी तहबंद से बंद करें”, और ठीक ऐसा ही हुआ।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – बारिश की दुआएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.600; web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 580; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 92 — Delâilü'n-nübüvve: semâvî mucizeler – istiskā; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 277; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 55; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 90, hadis no. 74/5; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Yağmur Dualarının Sayısı ve Çeşitleri" (kitabın dipnotu: Ebu Nuaym, Delâilü'n-nübüvve, c:2, s:450)

1258. मुज़र के लिए आप की बद-दुआ के बाद कअब बिन मुर्रा ने कहा: “आप की क़ौम नष्ट हो गई...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मुज़र के लिए आप की बद-दुआ के बाद कअब बिन मुर्रा ने कहा: “आप की क़ौम नष्ट हो गई, उनके लिए दुआ कीजिए”; आप ने बारिश की दुआ की, और एक जुमा बीतने से पहले बारिश हो गई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 44, Kâ'b b. Mürre'nin gelişi bâbı — satırdaki künye

1259. एक बद्दू ने कविता में सूखे का हाल बताकर बारिश माँगी, तो आप ने मिंबर पर दुआ की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक बद्दू ने कविता में सूखे का हाल बताकर बारिश माँगी, तो आप ने मिंबर पर दुआ की: “अल्लाहुम्मस्क़िना ग़ैसन मुग़ीसा...”, और तुरंत बारिश टूट पड़ी; इस पर किनाना के एक व्यक्ति ने अबू तालिब के शेर “वह गोरे मुखड़े वाले, जिनके चेहरे के वास्ते बादलों से बारिश माँगी जाती है” की ओर संकेत करते हुए शेर कहे, और आप ने फ़रमाया: “अगर किसी कवि ने अच्छा कहा है, तो तुमने भी अच्छा कहा।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye (Saâde bs.), c. 6, s. 91 — Delâilü'n-nübüvve: semâvî mucizeler – istiskā

1260. उसी अभियान में चलने पर बारिश हुई और सहाबा ने बारिश का पानी पिया; आए हुए तीन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उसी अभियान में चलने पर बारिश हुई और सहाबा ने बारिश का पानी पिया; आए हुए तीन व्यक्तियों में से दो बैठ गए और एक मुँह मोड़कर चला गया, तो आप ने उनका हाल बताया: “एक ने अल्लाह से लज्जा की, तो अल्लाह ने भी उससे लज्जा की; दूसरा तौबा करके लौटा, तो अल्लाह ने उसकी तौबा क़बूल की; और तीसरे ने मुँह मोड़ा, तो अल्लाह ने भी उससे मुँह मोड़ लिया।”

उस्फ़ान, तिहामा का एक ग़ज़वा (तिथि अनिश्चित)

स्रोत İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye (Saâde bs.), c. 6, s. 115 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması – azıkların toplanması

1261. चाश्त के समय मस्जिद में आप ने तीन बार तकबीर कहकर दुआ की: “ऐ अल्लाह, हमें बारिश...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

चाश्त के समय मस्जिद में आप ने तीन बार तकबीर कहकर दुआ की: “ऐ अल्लाह, हमें बारिश दे; हमें घी, दूध, चर्बी और मांस की रोज़ी दे”; आसमान में बादल न होते हुए भी हवा और धूल उठी, बादल इकट्ठा हुए और बारिश हुई, और उस वर्ष घी, दूध और मांस इतना बढ़ गया कि रास्तों में बिखरा रहता (अबू उमामा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 276 (duaların kabulündeki mucizeler: yağmur duaları)

1262. एक यात्रा में वुज़ू के लिए पानी न मिलने पर आप ने दुआ की, बारिश हुई और मनुष्य और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में वुज़ू के लिए पानी न मिलने पर आप ने दुआ की, बारिश हुई और मनुष्य और पशु तृप्त हो गए (रुबय्यिअ बिंत मुअव्विज़ की रिवायत)।

मदनी दौर, एक अभियान में (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 277 (duaların kabulündeki mucizeler: yağmur duaları)

1263. सूखे की शिकायत करने वाले एक बद्दू के लिए आप ने मिंबर पर चढ़कर अल्लाह की हम्द के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूखे की शिकायत करने वाले एक बद्दू के लिए आप ने मिंबर पर चढ़कर अल्लाह की हम्द के बाद बारिश की दुआ की; बारिश हुई और हर ओर से आने वाले कहने लगे: “हमें जीवन मिल गया” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 277 (duaların kabulündeki mucizeler: yağmur duaları) — Canan K3054 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6364, c./s. 17/79; no. 3054]

1264. अकाल में आप मदीना से बक़ीउल ग़रक़द गए, काली पगड़ी बाँधे, अरबी कमान का सहारा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अकाल में आप मदीना से बक़ीउल ग़रक़द गए, काली पगड़ी बाँधे, अरबी कमान का सहारा लेकर क़िबले की ओर मुँह किया, ऊँची आवाज़ में दो रकअत (सूरह अत-तकवीर और सूरह अज़-ज़ुहा के साथ) पढ़ीं और बारिश की लंबी दुआ की; दुआ पूरी होते ही बारिश टूट पड़ी और लोग सोचने लगे कि घर कैसे लौटें; पशुओं में जान आ गई और धरती हरी हो गई (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 278 (duaların kabulündeki mucizeler: yağmur duaları)

1265. मिंबर पर आप को बारिश की दुआ करते देख इब्ने उमर को आप के चेहरे को देखकर अबू...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मिंबर पर आप को बारिश की दुआ करते देख इब्ने उमर को आप के चेहरे को देखकर अबू तालिब का यह शेर याद आया: “वह गोरे मुखड़े वाले, जिनके चेहरे के वास्ते बादलों से बारिश माँगी जाती है; यतीमों का सहारा, विधवाओं के रक्षक” (बारिश की दुआओं के क़बूल होने की गवाही)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 47-48 (Yağmur gecikince ümmeti için Rabbinden yağmur istemesi ve duasının kabulü) — satırdaki künye

---

1266. एक निर्जल, नरम मिट्टी वाली घाटी में पड़ाव डाला गया और मुशरिक पहले ही कुओं पर जम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक निर्जल, नरम मिट्टी वाली घाटी में पड़ाव डाला गया और मुशरिक पहले ही कुओं पर जम गए, तो मुसलमान प्यासे हो गए और कुछ मुनाफ़िक़ों ने कहा: “अगर ये नबी होते तो मूसा की तरह अपनी क़ौम के लिए पानी माँगते”; यह सुनकर आप ने हाथ फैलाकर बादल के गुण गिनाते हुए दुआ की; आप के हाथ नीचे आने से पहले ही हर बताए गुण वाला एक बादल छा गया, बारिश हुई, बाढ़ ने घाटी भर दी और सब तृप्त हो गए (आइशा बिंत साद की अपने पिता साद बिन अबी वक़्क़ास से रिवायत)।

मदनी दौर, एक ग़ज़वे में (तिथि अनिश्चित)

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. Mustafa Abdülkādir Atâ, Beyrut: Dârü'l-Kütübi'l-İlmiyye, 1408/1988; tek cilt), s. 353 (Ebvâbü mu'cizâtih, 32. bâb: dualarının kabulü)

1267. बैठे हुए आप उठे और ऐसे किया मानो किसी अदृश्य व्यक्ति से हाथ मिला रहे हों, फिर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बैठे हुए आप उठे और ऐसे किया मानो किसी अदृश्य व्यक्ति से हाथ मिला रहे हों, फिर फ़रमाया: “बारिश के फ़रिश्ते इस्माईल ने अपने रब से अनुमति लेकर मुझे सलाम किया; मैंने बारिश माँगी, उन्होंने अमुक महीने के अमुक दिन का वादा किया”; मुनाफ़िक़ों ने वह दिन लिखकर मज़ाक़ उड़ाया; उस दिन बहुत गर्मी होने के बावजूद आप ने अली को आसमान की ओर दिखवाया, ढाल जितना एक बादल दिखाया, और बारिश टूट पड़ी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 15, 115 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

1268. सूखे की शिकायत करने वाले एक समूह के लिए आप ने मिंबर बाहर निकलवाकर दुआ की और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सूखे की शिकायत करने वाले एक समूह के लिए आप ने मिंबर बाहर निकलवाकर दुआ की और लोगों से आमीन कहलवाया; जिब्रील ने उतरकर बताया कि अमुक दिन अमुक घड़ी बारिश का वादा किया गया है; उसी घड़ी हवा बादल लाई और मूसलाधार बारिश हुई; डूबने के डर से जब वे फिर आए, तो आप ने “अल्लाहुम्मा हवालैना व ला अलैना” की दुआ करवाई और बारिश आसपास की ओर हट गई (रुज़ैक़ की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 21-22 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

1269. बारिश माँगने वालों से आप ने फ़रमाया: “कल बारिश होगी”; अगली सुबह आसमान शीशे जैसा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बारिश माँगने वालों से आप ने फ़रमाया: “कल बारिश होगी”; अगली सुबह आसमान शीशे जैसा साफ़ था, तो किसी ने कहा: “कल आप ने जो कहा था, वह कहाँ है?”; इस पर एक बादल उठा और घाटियों को भर दिया; इस बार “इसे हमसे हटा दीजिए” कहा गया, तो “अल्लाहुम्मा हवालैना व ला अलैना” की दुआ से बादल दाएँ-बाएँ हट गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 105 (Bâb 11: gaybî haberleri)

30 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: भोजन और बरकत के मोजिज़े

1270. अबू तलहा के घर उम्मे सुलैम की कुछ जौ की रोटियों से 70–80 लोगों का पेट भर गया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू तलहा के घर उम्मे सुलैम की कुछ जौ की रोटियों से 70–80 लोगों का पेट भर गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.543; İbn Kesîr s.39; 19. Mektup listesi (183.txt) no.64, 124; 1000 Mucize no.30 (s.43); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3578; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14119-14122; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 105 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması – Ebû Talha'nın evi; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 76-77; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 507-508; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 81-87; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 279; Buhârî, Menâkıb, no 3578; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 26, 36; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 90; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menâkıb 25 (3578), Et'ime 6, 48; Müslim, Eşribe 142-143 (2040)

1271. अब्दुर्रहमान बिन अबी बक्र द्वारा बताई गई यात्रा में एक सा आटे और एक भेड़ के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अब्दुर्रहमान बिन अबी बक्र द्वारा बताई गई यात्रा में एक सा आटे और एक भेड़ के कलेजे से 130 लोगों ने खाया, और बचा हुआ ऊँट पर लादा गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.47; 19. Mektup listesi (183.txt) no.61, 122; 1000 Mucize no.256 (s.229); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 113 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 4. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 80; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 94; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 280; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Hibe 28, Et'ime 6 (2618); Müslim, Eşribe 175 (2056)

1272. अबू बक्र के घर अहले सुफ़्फ़ा के मेहमानों को परोसा गया खाना खाते-खाते नीचे से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र के घर अहले सुफ़्फ़ा के मेहमानों को परोसा गया खाना खाते-खाते नीचे से बढ़ता गया और तीन गुना हो गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.559; İbn Kesîr s.45; 1000 Mucize no.38 (s.50); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3581; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 112 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 84; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 93; Kütüb-i Sitte: Buhârî 3581, 602; Müslim 2057

1273. एक प्याले खाने से सुबह से दोपहर तक दस-दस लोगों के समूह खाते रहे; “आसमान से...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक प्याले खाने से सुबह से दोपहर तक दस-दस लोगों के समूह खाते रहे; “आसमान से उसमें बढ़ोतरी की जा रही थी” (समुरा की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.45; 19. Mektup listesi (183.txt) no.66, 126; 1000 Mucize no.41 (s.53); web: Tirmizî, Menâkıb, bâb fî âyâti isbâti nübüvveti'n-nebî, no. 3625; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 112 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 8. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 79; ayrıca: Tirmizî, Menâkıb, no 3625; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 92; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 281; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb (3625)

1274. दूध के एक प्याले से सारे अहले सुफ़्फ़ा और अबू हुरैरा का पेट भर गया और दूध बच भी गया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

दूध के एक प्याले से सारे अहले सुफ़्फ़ा और अबू हुरैरा का पेट भर गया और दूध बच भी गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.557; İbn Kesîr s.35; 19. Mektup listesi (183.txt) no.133, 146; 1000 Mucize no.29 (s.40); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 102 — Delâilü'n-nübüvve: sütün çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 16. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 80-81; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 73; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 296; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 48-49, no. 15/4; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Rikāk 17 (6452); Tirmizî, Sıfatü'l-Kıyâme 36 (2477)

1275. अबू हुरैरा के थैले की एक मुट्ठी खजूरें आप की दुआ से बरकत वाली हो गई और उस्मान...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अबू हुरैरा के थैले की एक मुट्ठी खजूरें आप की दुआ से बरकत वाली हो गईं और उस्मान की शहादत तक वर्षों ख़त्म नहीं हुईं।

दुआ: मदनी दौर; उसका असर हिजरी 35 तक रहा

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.565; İbn Kesîr s.50; 19. Mektup listesi (183.txt) no.132; 1000 Mucize no.44 (s.55); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 117 — Delâilü'n-nübüvve: Ebû Hüreyre'nin dağarcığı; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 15. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 84-85; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 102-104; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 284-285; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 18, 29; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 55; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 74; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menakıb (3838) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5597, c./s. 15/448-449]

1276. उम्मे मालिक का घी का थैला, जब भी उनके बच्चे सालन माँगते, घी से भरा मिलता; जब...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उम्मे मालिक का घी का थैला, जब भी उनके बच्चे सालन माँगते, घी से भरा मिलता; जब उन्होंने उसे निचोड़ लिया तो घी ख़त्म हो गया (“अगर तुम न निचोड़तीं, तो सदा बना रहता”)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.37; 19. Mektup listesi (183.txt) no.140; 1000 Mucize no.43 (s.54), no.311 (s.288); web: Müslim, Fezâil, bâbün fî mu'cizâti'n-nebî, no. 2280; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 104 — Delâilü'n-nübüvve: yağın çoğalması; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 89; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 78-79, 105; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 283; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 121; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezâil 8 (2280)

1277. उम्मे शरीक का ख़ाली घी का थैला घी से भर गया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे शरीक का ख़ाली घी का थैला घी से भर गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.581; 1000 Mucize no.346 (s.330); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 104 — Delâilü'n-nübüvve: yağın çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 32, Devs heyeti bâbı; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 78; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 235, 239; c. 18, s. 26, 36; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 25; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 90

1278. उम्मे औस बहज़िय्या द्वारा उपहार में दिए गए मक्खन के थैले में बरकत हुई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे औस बहज़िय्या द्वारा उपहार में दिए गए मक्खन के थैले में बरकत हुई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत 1000 Mucize no.310 (s.287); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14128; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 104 — Delâilü'n-nübüvve: yağın çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 89; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 77-78

1279. आप ने एक व्यक्ति को आधा वसक़ जौ दिया, जिससे उसका परिवार बहुत समय तक खाता रहा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने एक व्यक्ति को आधा वसक़ जौ दिया, जिससे उसका परिवार बहुत समय तक खाता रहा; जब उन्होंने उसे नापा तो वह ख़त्म हो गया ("अगर तुम न नापते, तो सदा खाते रहते")।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.65, 125, 137; 1000 Mucize no.42 (s.54); web: Müslim, Fezâil, bâbün fî mu'cizâti'n-nebî, no. 2281; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14131; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 104 — Delâilü'n-nübüvve: yağın çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 86; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 79, 105; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 37; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 90; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezâil 3 (2281)

1280. आइशा की ताक़ पर रखा थोड़ा-सा जौ बहुत समय तक ख़त्म नहीं हुआ; नापने पर वह समाप्त हो गया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आइशा की ताक़ पर रखा थोड़ा-सा जौ बहुत समय तक ख़त्म नहीं हुआ; नापने पर वह समाप्त हो गया।

हिजरी 11 के बाद

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.570; 1000 Mucize no.45 (s.57); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 86; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 105; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (Hz. Âişe)

1281. जाबिर के शहीद पिता का बड़ा क़र्ज़ आप के खलिहान के चारों ओर घूमकर दुआ करने से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जाबिर के शहीद पिता का बड़ा क़र्ज़ आप के खलिहान के चारों ओर घूमकर दुआ करने से थोड़ी-सी खजूरों से चुक गया और खजूरें बच भी गईं।

हिजरी 3–4 (उहुद के बाद)

स्रोत İbn Kesîr s.49; Beyhakî, Delâil c.4 s.470; 19. Mektup listesi (183.txt) no.131; 1000 Mucize no.88 (s.63), no.886 (s.739); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3580; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 116 — Delâilü'n-nübüvve: hurmanın çoğalması; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 14. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 87; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 101; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 276; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Facts and Details, “Miracles of Muhammad”; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 31-32, 42; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 154-155; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 117; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 52, no. 20/9; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Câbir b. Abdullah'ın Hurma Mahsulünün Bütün Borçlarını Ödeyecek Kadar Bereketlenişi" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:3, s:373, 391; Buhârî, Sahîh, c:3, s:21, 84, 89, 199); Kütüb-i Sitte: Buharî, Büyu 51, İstikraz 8, 9, 18, Sulh 13, Vesaya 36, Menakıb 25; Megazî 18; Nesaî, Vesaya 4; Ebu Davud, Vesaya 17 (2884) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5599, c./s. 15/453-454]

1282. फ़ातिमा का थोड़ा-सा भोजन (मांस-रोटी का एक प्याला) आप की दुआ से पूरे परिवार और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

फ़ातिमा का थोड़ा-सा भोजन (मांस-रोटी का एक प्याला) आप की दुआ से पूरे परिवार और पड़ोसियों के लिए काफ़ी हो गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.564; 19. Mektup listesi (183.txt) no.129, 138; 1000 Mucize no.249 (s.219); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 111 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması – Fâtıma'nın evi; Questions on Islam, "The Miracles Concerning the Increase in Food and Drink"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 82-83; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 91

1283. भोजन के बढ़ने के बारे में और भी रिवायतें हैं (सामान्य अध्याय)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

भोजन के बढ़ने के बारे में और भी रिवायतें हैं (सामान्य अध्याय)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.39; Beyhakî, Delâil c.4 s.577; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 255; Kütüb-i Sitte: Buharî, Megazî 29; Müslim, Eşribe 141 (2039) (örnek) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5596, c./s. 15/447-448; no. 5597, c./s. 15/448-449]

1284. मेहमान आया और सत्कार के लिए कुछ न था, तो आप की दुआ “ऐ अल्लाह, हम तेरी कृपा और...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मेहमान आया और सत्कार के लिए कुछ न था, तो आप की दुआ “ऐ अल्लाह, हम तेरी कृपा और रहमत माँगते हैं” पर उपहार में एक भुनी हुई भेड़ आ गई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.587; İbn Kesîr s.51; 1000 Mucize no.131 (s.108), no.273 (s.250); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 279; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 108

1285. मिक़दाद को मिले दीनारों के लिए आप ने दुआ की: “अल्लाह तुम्हें बरकत दे”, और उनमें बरकत हुई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मिक़दाद को मिले दीनारों के लिए आप ने दुआ की: “अल्लाह तुम्हें बरकत दे”, और उनमें बरकत हुई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत 1000 Mucize no.173 (s.150); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 283; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvud, İmâret 40 (3087); İbnu Mâce, Lukata 3 (2508) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2032, c./s. 7/378]

1286. मसऊद बिन ख़ालिद द्वारा भेजे गए भेड़ के मांस में बरकत हुई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मसऊद बिन ख़ालिद द्वारा भेजे गए भेड़ के मांस में बरकत हुई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत 1000 Mucize no.305 (s.282); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14130; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 83

1287. पकाई गई भेड़ से आप ने लगातार तीन बार “अगली टाँग” माँगी और फ़रमाया: “अगर तुम चुप...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

पकाई गई भेड़ से आप ने लगातार तीन बार “अगली टाँग” माँगी और फ़रमाया: “अगर तुम चुप रहते, तो जितनी मैं माँगता उतनी देते” (अबू राफ़ेअ)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत 1000 Mucize no.112 (s.89); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 577; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü kavlihî nâvilni'z-zirâ', no 14133-14135; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 377; c. 2, s. 92; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 111-113

1288. उम्मे सलमा ने भिखारी को न देकर जो मांस छिपा लिया था, वह पत्थर बन गया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे सलमा ने भिखारी को न देकर जो मांस छिपा लिया था, वह पत्थर बन गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.68; 1000 Mucize no.170 (s.149), no.297 (s.274); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 178-179

1289. मालिक की अनुमति के बिना ली गई भेड़ का मांस मुँह में लेते ही आप ने फ़रमाया: “यह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मालिक की अनुमति के बिना ली गई भेड़ का मांस मुँह में लेते ही आप ने फ़रमाया: “यह मांस बता रहा है कि इसे बिना अनुमति लिया गया है।”

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.78; 1000 Mucize no.393 (PDF s.387); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 176; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 252; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 318; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd (İbn Kesîr'in naklettiği metin)

1290. खाते समय आप की हथेली में रखे भोजन की तस्बीह सहाबा ने सुनी (इब्ने मसऊद की रिवायत)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

खाते समय आप की हथेली में रखे भोजन की तस्बीह सहाबा ने सुनी (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – भोजन और बरकत के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.3 s.250; Beyhakî, Delâil c.4 s.520; İbn Kesîr s.30; 1000 Mucize no.94 (s.69); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3579; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 575 ve 578; İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6493; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 98 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 70; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 64-65, 135, 419, 445, 135; Buhârî, Menâkıb, no 3579; Tirmizî, Menâkıb, no 3633; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Facts and Details, “Miracles of Muhammad”; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 379; c. 17, s. 379-380; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 47; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 80; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıb 25; Tirmizî, Menakıb 14 (3637); Nesâî, Taharet 61 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5594, c./s. 15/445]

1291. जाबिर की माँ के पकाए भोजन के लिए चुपके से बुलाए जाने पर आप पचास लोगों के साथ...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

जाबिर की माँ के पकाए भोजन के लिए चुपके से बुलाए जाने पर आप पचास लोगों के साथ आए; दस-दस करके भीतर बुलाए गए सब लोगों का पेट भर गया और भोजन जैसा था वैसा ही रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.893 (s.743); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14123; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 82

1292. ग़ज़वे पर जा रहे ख़ब्बाब बिन अरत ने अपने परिवार के पास जो अकेली भेड़ छोड़ी थी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ग़ज़वे पर जा रहे ख़ब्बाब बिन अरत ने अपने परिवार के पास जो अकेली भेड़ छोड़ी थी, उसे आप बाँधकर दुहते और आटा गूँधने की परात जितना बर्तन भर देते; परिवार और पड़ोसी पीते; ख़ब्बाब लौटकर स्वयं दुहने लगे तो दूध पहले जैसा हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.538; 1000 Mucize no.307 (s.283); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü bereketihî fi'l-leben, no 14139; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 102 — Delâilü'n-nübüvve: sütün çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 99; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 74; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 383; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 104

1293. एक अंसारी के बाग़ को सींचने के बदले मिली सौ खजूरें आप ने अपने सहाबा के साथ पेट...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक अंसारी के बाग़ को सींचने के बदले मिली सौ खजूरें आप ने अपने सहाबा के साथ पेट भरकर खाईं, फिर उस व्यक्ति को सौ खजूरें वापस भी दे दीं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.888 (s.740)

1294. अबू बक्र के घर बचा हुआ भोजन नबी ﷺ के पास ले जाया गया, और संधि वाले समुदाय के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र के घर बचा हुआ भोजन नबी ﷺ के पास ले जाया गया, और संधि वाले समुदाय के बारह प्रतिनिधियों और उनमें से हर एक के साथ आए लोगों ने उसी एक बर्तन से खाया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.39 (s.50); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3581, 602; Müslim 2057

1295. आप ने उमर को भोजन माँगने आए 440 लोगों को खिलाने का आदेश दिया; उमर के कमरे के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उमर को भोजन माँगने आए 440 लोगों को खिलाने का आदेश दिया; उमर के कमरे के खजूरों के ढेर से सब ने अपनी ज़रूरत भर लिया, फिर भी खजूरें बिल्कुल कम नहीं हुईं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.90 (s.65), no.272 (s.249); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 113; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvud (Dükeyn b. Saîd el-Müzenî) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 407, c./s. 3/178]

1296. मस्जिद में इकट्ठे मेहमानों में से आप के हिस्से वालों को आप घर ले गए, और आइशा के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिद में इकट्ठे मेहमानों में से आप के हिस्से वालों को आप घर ले गए, और आइशा के इफ़्तार के लिए रखे थोड़े-से शोरबे और थोड़े-से पेय को पहले स्वयं चखकर बिस्मिल्लाह के साथ पेश किया, और वह मेहमानों के लिए काफ़ी हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.168 (s.146); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 82

1297. उम्मे मालिक अंसारिय्या का लाया घी का बर्तन आप ने बिलाल से ख़ाली करवाकर लौटा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे मालिक अंसारिय्या का लाया घी का बर्तन आप ने बिलाल से ख़ाली करवाकर लौटा दिया; उम्मे मालिक ने बर्तन फिर भरा पाया, और आप ने फ़रमाया: “यह वह बरकत है जो अल्लाह ने तुम्हारी भलाई के बदले दी है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.169 (s.148); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14127; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 89

1298. आप के लिए दूध दुहने वाले नज़्ला बिन अम्र ग़िफ़ारी पहले सात बर्तन पीकर भी तृप्त...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के लिए दूध दुहने वाले नज़्ला बिन अम्र ग़िफ़ारी पहले सात बर्तन पीकर भी तृप्त नहीं होते थे, पर आप के बाद एक बर्तन दूध से तृप्त हो गए।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.226 (s.202); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 86

1299. जिनका विवाह आप ने कराया, उन नौफ़ल बिन हारिस बिन अब्दुल मुत्तलिब के लिए आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिनका विवाह आप ने कराया, उन नौफ़ल बिन हारिस बिन अब्दुल मुत्तलिब के लिए आप ने अबू राफ़ेअ और अबू अय्यूब के हाथ अपना कवच एक यहूदी के पास गिरवी रखकर जो तीस सा अनाज लिया, वह आधा वर्ष खाए जाने के बावजूद तौलने पर ज़रा भी कम नहीं निकला; आप ने फ़रमाया: “अगर तुम न तौलते, तो जीवन भर खाते।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.254 (s.227); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 86; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 106

1300. “हम खाते हैं पर पेट नहीं भरता” कहने वाले सहाबा के बारे में आप ने पता लगाया कि...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

“हम खाते हैं पर पेट नहीं भरता” कहने वाले सहाबा के बारे में आप ने पता लगाया कि वे अलग-अलग खाते हैं, और फ़रमाया: “अपने भोजन पर इकट्ठा हो जाओ और अल्लाह का नाम लो, उसमें बरकत होगी।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.255 (s.228); Kütüb-i Sitte: Ebu Dâvud, Et'ime 15 (3764); İbnu Mâce, Et'ime 17 (3286) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3871, c./s. 11/98]

1301. सलमा बिन नुफ़ैल के प्रश्न पर आप ने बताया कि आप के लिए आसमान से (एक गर्म हाँडी...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सलमा बिन नुफ़ैल के प्रश्न पर आप ने बताया कि आप के लिए आसमान से (एक गर्म हाँडी में) भोजन आया और बचा हुआ आसमान पर उठा लिया गया; आप ने यह भी ख़बर दी कि आप जल्द ही उनके बीच से चले जाएँगे, सहाबा एक-दूसरे को मारेंगे, और क़यामत से पहले बड़ी मौतों और भूकंपों के दो वर्ष होंगे।

मदनी दौर, वफ़ात के क़रीब (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.301 (s.279); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 92-93; c. 2, s. 93; Kütüb-i Sitte (kısmen): Nesâî, Hayl 1 (6, 214-215) (kısmen) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1032, c./s. 5/75]

1302. बहुत बड़े परिवार वाले ख़ालिद बिन अब्दुल उज़्ज़ा ने आप के लिए जो एक भेड़ ज़बह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बहुत बड़े परिवार वाले ख़ालिद बिन अब्दुल उज़्ज़ा ने आप के लिए जो एक भेड़ ज़बह की, उससे आप ने अपने सहाबा के साथ खाया; बचा हुआ ख़ालिद और उनके परिवार को दिया गया, उन्होंने भी खाया और फिर भी बच गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.302 (s.280); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 86

1303. मदीना में आप के घर मेहमान ठहरे मिक़दाद बिन असवद ने आप के हिस्से का दूध पी लिया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मदीना में आप के घर मेहमान ठहरे मिक़दाद बिन असवद ने आप के हिस्से का दूध पी लिया और पछताए; आप घर आए और बर्तन ख़ाली पाया, तो दुआ की: “ऐ अल्लाह, जो मुझे खिलाए उसे खिला, जो मुझे पिलाए उसे पिला”; मिक़दाद ने अभी-अभी दुही गई बकरियों के थन भरे पाए, उन्हें दुहकर आप को पेश किया, और आप ने फ़रमाया: “यह आसमान से उतरी बरकत है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.313 (s.290); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 102 — Delâilü'n-nübüvve: sütün çoğalması; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 100; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 74; Kütüb-i Sitte: Müslim 2055

1304. चार सौ लोगों के साथ निकली एक यात्रा में निर्जल जगह पर पड़ाव डाला गया, तो दो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

चार सौ लोगों के साथ निकली एक यात्रा में निर्जल जगह पर पड़ाव डाला गया, तो दो सींगों वाली एक बकरी आकर आप के सामने खड़ी हो गई; आप ने उसे दुहा और आप ने और सारे सहाबा ने जी भरकर पिया; आप ने नाफ़ेअ से कहा: “इसे बाँध दो, पर मुझे नहीं लगता कि तुम इसे रोक पाओगे”; रात को बकरी ग़ायब हो गई और आप ने फ़रमाया: “जो इसे लाया था, वही ले गया।”

एक यात्रा के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.332 (s.308), no.899 (s.746); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 103 — Delâilü'n-nübüvve: sütün çoğalması; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 98; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 75; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 297

1305. यतीम चरवाहे अबू क़िरसाफ़ा की दुबली हो चुकी और सूख चुके दूध वाली बकरियों के थनों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यतीम चरवाहे अबू क़िरसाफ़ा की दुबली हो चुकी और सूख चुके दूध वाली बकरियों के थनों और पीठों पर आप ने हाथ फेरकर दुआ की, तो बकरियाँ मोटी हो गईं और उनके थन दूध से भर गए; इस पर उनकी माँ और मौसी मुसलमान हो गईं।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.342 (s.328); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 99

1306. उम्मे शरीक का विवाह ज़ैद से कराकर आप ने जो तीस सा अनाज दिलवाया, उसके लिए कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे शरीक का विवाह ज़ैद से कराकर आप ने जो तीस सा अनाज दिलवाया, उसके लिए कहा गया: “खाओ, नापो मत”; खाए जाने के बाद जब बाद में नापा गया, तो अनाज तीस सा से ज़रा भी कम नहीं निकला।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.345 (s.330); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 104 — Delâilü'n-nübüvve: yağın çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 88; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 78

1307. ज़बह की गई एक भेड़ से आप ने सेवा करने वाले युवक से लगातार तीन बार दस्ती (अगली...)

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ज़बह की गई एक भेड़ से आप ने सेवा करने वाले युवक से लगातार तीन बार दस्ती (अगली टाँग) मँगवाई; चौथी बार माँगने पर युवक ने कहा: “आप ने एक भेड़ ज़बह की, मैं तीन दस्तियाँ ला चुका”, तो आप ने फ़रमाया: “अगर तुम चुप रहते, तो जो मैं माँगता वह लाते।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.885 (s.739); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü kavlihî nâvilni'z-zirâ', no 14136; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 92

1308. भूख के कारण मस्जिद आए अबू हुरैरा और सहाबा के एक दल को आप ने एक थाली खजूरों में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

भूख के कारण मस्जिद आए अबू हुरैरा और सहाबा के एक दल को आप ने एक थाली खजूरों में से दो-दो देकर फ़रमाया: “इन्हें खाओ, ऊपर से पानी पी लो; आज ये तुम्हारे लिए काफ़ी होंगी।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.889 (PDF s.744); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 84

1309. अपनी यतीम बहन और विधवा माँ के लिए भोजन माँगने आए एक यतीम बच्चे के लिए आप की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपनी यतीम बहन और विधवा माँ के लिए भोजन माँगने आए एक यतीम बच्चे के लिए आप की पत्नियों के घरों से लाई गई इक्कीस खजूरों पर आप ने दुआ की और फ़रमाया: “सात तुम्हारी, सात तुम्हारी माँ की, सात तुम्हारी बहन की; एक सुबह और एक शाम खाना”, और खजूरें उनके लिए काफ़ी रहीं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.890 (s.742); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 86-87

1310. अबू हुरैरा द्वारा आप की पत्नियों के घर से लाए गए खजूर वाले भोजन की एक थाली पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू हुरैरा द्वारा आप की पत्नियों के घर से लाए गए खजूर वाले भोजन की एक थाली पर आप ने उँगलियाँ रखकर फ़रमाया: “बिस्मिल्लाह कहकर खाओ”, और आप के बुलवाए मस्जिद के सभी लोगों का पेट भर गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.894 (s.744), no.895 (s.744); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14124; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 84

1311. आप ने अबू हुरैरा से सुफ़्फ़ा में रहने वाले सौ से अधिक ग़रीब मुहाजिरों को...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू हुरैरा से सुफ़्फ़ा में रहने वाले सौ से अधिक ग़रीब मुहाजिरों को बुलवाया; उनके सामने रखी भोजन की एक थाली से सब ने जितना चाहा खाया और उठ गए, बर्तन जैसा रखा था वैसा ही भरा रहा, और भोजन में केवल उँगलियों के निशान दिखाई दे रहे थे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 7. İşaret, 9. misal (s. 170) — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14122-14123; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 81; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 36; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 90; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 89-90

1312. फ़ातिमा ने दोपहर के भोजन के लिए एक हाँडी पकाई और अली को आप को बुलाने भेजा; आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

फ़ातिमा ने दोपहर के भोजन के लिए एक हाँडी पकाई और अली को आप को बुलाने भेजा; आप के आदेश से फ़ातिमा ने हाँडी से आप की सभी पत्नियों के लिए एक-एक प्याला, फिर आप के लिए, अली के लिए और अपने लिए निकाला; जब हाँडी उठाई तो वह अब भी छलक रही थी; उन्होंने कहा: "फिर हम उसमें से जितना अल्लाह ने चाहा, खाते रहे।"

मदनी दौर, हिजरी 2 के बाद (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl (yemeğin çoğalması)

1313. अंसार के एक पति-पत्नी ने हथेली भर जितना जो भोजन तैयार किया था, आप ने उसे बर्तन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंसार के एक पति-पत्नी ने हथेली भर जितना जो भोजन तैयार किया था, आप ने उसे बर्तन में फैलाया और "माशा अल्लाह" कहकर दुआ की; घर, कमरे और आँगन को भर देने वाले, आप के साथ आए सभी लोगों ने उसमें से खाया, और पेट भरने के बाद भी बर्तन में शुरुआत जितना भोजन बचा रहा (साबित की, नाम न बताए गए अंसारी पति-पत्नी से रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 15. fasıl (yemeğin çoğalması)

1314. (आशूरा के दिन) आप दूध पीते बच्चों के मुँह में थूक देते, और आप का थूक उनके लिए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आशूरा के दिन) आप दूध पीते बच्चों के मुँह में थूक देते, और आप का थूक उनके लिए रात तक काफ़ी होता।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1315. हनश बिन उक़ैल ने कहा: "अल्लाह के रसूल ने मुझे सत्तू का शरबत पिलाया; उसका आरंभ..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हनश बिन उक़ैल ने कहा: "अल्लाह के रसूल ने मुझे सत्तू का शरबत पिलाया; उसका आरंभ आप ने पिया और अंत मैंने; उस दिन से जब भी मुझे भूख लगी, मैंने उसकी तृप्ति महसूस की, प्यास लगी तो उसकी तृप्ति, और गर्मी में उसकी ठंडक।"

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1316. अनस की भेड़ आप की बरकत से बहुत दूध देने लगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अनस की भेड़ आप की बरकत से बहुत दूध देने लगी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1317. उसी अभियान में जब सहाबा ने भूख की शिकायत की, तो आप ने कहा: "आशा है कि अल्लाह..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उसी अभियान में जब सहाबा ने भूख की शिकायत की, तो आप ने कहा: "आशा है कि अल्लाह तुम्हारा पेट भरेगा"; समुद्र के किनारे पहुँचने पर समुद्र उमड़ा और एक बड़ा जीव किनारे फेंक दिया, और उन्होंने पेट भरकर उससे खाया।

एक अभियान में (कहा जाता है कि बुवात), लगभग हिजरी 2 (623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.10 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 373; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 62; islamveihsan.com, “Hz. Peygamber'in Mucizeleri”; Kütüb-i Sitte: Müslim, Zühd 74 (3014)

1318. अबू बक्र के आज़ाद किए हुए साद से आप ने ऐसी जगह, जहाँ वे जानते थे कि कोई बकरी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र के आज़ाद किए हुए साद से आप ने ऐसी जगह, जहाँ वे जानते थे कि कोई बकरी नहीं है, फ़रमाया: “मेरे लिए बकरी दुहो”; साद गए और भरे थनों वाली एक बकरी पाकर दुही; यात्रा की जल्दबाज़ी में बकरी खो गई, तो आप ने फ़रमाया: “उसका एक मालिक है।”

एक यात्रा के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye (Saâde bs.), c. 6, s. 103 — Delâilü'n-nübüvve: sütün çoğalması

1319. उम्मे सुलैम ने अपनी सौतेली बेटी के हाथ घी से भरा थैला भेजा; आप ने उसे ख़ाली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे सुलैम ने अपनी सौतेली बेटी के हाथ घी से भरा थैला भेजा; आप ने उसे ख़ाली करवाकर थैला लौटा दिया; उम्मे सुलैम ने खूँटी पर टँगे थैले को इतना भरा पाया कि उससे घी टपक रहा था; आप ने फ़रमाया: “क्या तुम्हें इस पर आश्चर्य है कि जैसे तुमने अल्लाह के नबी का पेट भरा, वैसे ही अल्लाह ने तुम्हारा भर दिया? खाओ और खिलाओ”; वह घी एक-दो महीने सालन का काम देता रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye (Saâde bs.), c. 6, s. 103 — Delâilü'n-nübüvve: yağın çoğalması

1320. तिहामा के ग़ज़वे में उस्फ़ान में भूख के कारण सहाबा ऊँट ज़बह करना चाहते थे, तो...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

तिहामा के ग़ज़वे में उस्फ़ान में भूख के कारण सहाबा ऊँट ज़बह करना चाहते थे, तो उमर के सुझाव पर आप ने बचे हुए भोजन एक चादर पर इकट्ठे करवाकर दुआ की, और हर व्यक्ति ने अपना बर्तन भर लिया (अबू ख़ुनैस ग़िफ़ारी)।

उस्फ़ान, तिहामा का एक ग़ज़वा (तिथि अनिश्चित)

स्रोत İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye (Saâde bs.), c. 6, s. 114 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması – azıkların toplanması

1321. जाबिर ने अपनी पालतू भेड़ ज़बह करके पकाई; उससे टोली-दर-टोली अंसार को खिलाने के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जाबिर ने अपनी पालतू भेड़ ज़बह करके पकाई; उससे टोली-दर-टोली अंसार को खिलाने के बाद आप ने फ़रमाया: “हड्डियाँ न तोड़ो”, और हड्डियाँ प्याले के बीच इकट्ठी कर उन पर हाथ रखकर कुछ पढ़ा; भेड़ अपने कान फड़फड़ाती हुई ज़िंदा होकर उठ खड़ी हुई; यह देखकर जाबिर की पत्नी ने तीन बार कलिमा-ए-शहादत पढ़ा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye (Saâde bs.), c. 6, s. 109 — Delâilü'n-nübüvve: yemeğin çoğalması

1322. एक स्त्री द्वारा उपहार में भेजा गया शहद लेकर आप ने ख़ाली बर्तन लौटा दिया; बर्तन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक स्त्री द्वारा उपहार में भेजा गया शहद लेकर आप ने ख़ाली बर्तन लौटा दिया; बर्तन शहद से भरा लौटा, और परिवार महीनों तक खाता रहा फिर भी कम नहीं हुआ; जब उसे दूसरे बर्तन में डाला गया तो ख़त्म हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan

1323. भूखे होकर आप ने सफ़िय्या से पूछा: “क्या तुम्हारे पास कुछ है?”; केवल दो मुद्द...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

भूखे होकर आप ने सफ़िय्या से पूछा: “क्या तुम्हारे पास कुछ है?”; केवल दो मुद्द आटा मिला जो हाँडी में पकाया गया; आइशा ने अपने घी के थैले में बचा थोड़ा-सा घी हाँडी में निचोड़ दिया; आप ने हाथ रखकर बिस्मिल्लाह पढ़ी और फ़रमाया: “अपनी बहनों को बुलाओ”; आप की पत्नियों ने, फिर अबू बक्र, उमर और एक और व्यक्ति ने पेट भरकर खाया और भोजन बच भी गया।

मदीना, हिजरी 7–11

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14125-14126 (8/308-309)

1324. जिस दिन आप के कमरों में कुछ नहीं था, प्रश्न पूछने आए एक भूखे बद्दू के लिए आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस दिन आप के कमरों में कुछ नहीं था, प्रश्न पूछने आए एक भूखे बद्दू के लिए आप ने जो एक कौर/रोटी का टुकड़ा पाया, उसे चूरा करके उस पर हाथ रखा और फ़रमाया: “खाओ, ऐ बद्दू”; बद्दू ने पेट भरकर खाया, कौर बच भी गया, और उसने कहा: “आप सचमुच भले व्यक्ति हैं” (अबू हुरैरा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14132 (8/310)

1325. अबू हुरैरा द्वारा आप के लिए ज़बह की/पकाई गई भेड़ से आप ने तीन बार दस्ती माँगी...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अबू हुरैरा द्वारा आप के लिए ज़बह की/पकाई गई भेड़ से आप ने तीन बार दस्ती माँगी; “ऐ अल्लाह के रसूल, भेड़ की दो ही दस्तियाँ होती हैं” कहने पर आप ने फ़रमाया: “अगर तुम ढूँढते, तो पा लेते।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hibbân, Sahîh (el-İhsân), K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6484-6485 (14/403-404)

1326. सुहैब ने केवल आप के लिए थोड़ा-सा भोजन तैयार किया था, पर आप अपने साथ के सहाबा के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सुहैब ने केवल आप के लिए थोड़ा-सा भोजन तैयार किया था, पर आप अपने साथ के सहाबा के एक दल के साथ आए (“क्या ये भी?” पूछकर उन्हें भी ले आए); सब ने खाया और भोजन बच भी गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 82 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: yemeğin çoğalması)

1327. मस्जिद में मग़रिब की नमाज़ पढ़ाने वाले अल्लाह के रसूल के पास उम्मे आमिर अस्मा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिद में मग़रिब की नमाज़ पढ़ाने वाले अल्लाह के रसूल के पास उम्मे आमिर अस्मा बिंत यज़ीद मांस वाली हड्डी (अर्क़) और रोटी लाईं; आप ने लगभग चालीस सहाबा के साथ खाया और भोजन बच भी गया; आप ने जिस मशक से पानी पिया था, उसे अस्मा ने सँभालकर रखा और रोगियों को शिफ़ा और बरकत के लिए उसमें से पिलाती रहीं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 83 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: yemeğin çoğalması)

1328. घर में भोजन न होने पर एक ज़रूरतमंद (अंसारी) व्यक्ति की पत्नी ने, ताकि पड़ोसी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

घर में भोजन न होने पर एक ज़रूरतमंद (अंसारी) व्यक्ति की पत्नी ने, ताकि पड़ोसी सुनें, ख़ाली हाथ-चक्की घुमाई, तंदूर जलाया और अल्लाह से दुआ की; चक्की अपने-आप घूमकर आटा गिराने लगी, घर में कोई बर्तन ख़ाली न रहा और तंदूर रोटियों से भर गया; अल्लाह के रसूल ने फ़रमाया: "अगर तुम चक्की न उठाते, तो वह क़यामत तक घूमती रहती।"

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 91 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: yemeğin çoğalması)

1329. आप के लिए मांस की एक हाँडी पकाने वाले अबू उबैद से आप ने लगातार दस्ती (ज़िराअ)...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप के लिए मांस की एक हाँडी पकाने वाले अबू उबैद से आप ने लगातार दस्ती (ज़िराअ) माँगी; "भेड़ की कितनी दस्तियाँ होती हैं?" कहे जाने पर आप ने फ़रमाया: "अगर तुम चुप रहते, तो जब तक मैं माँगता, तुम मुझे दस्ती देते रहते।"

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 91 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: yemeğin çoğalması)

1330. "क्या आप के पास जन्नत का कोई भोजन लाया गया?" प्रश्न पर आप ने फ़रमाया: "हाँ..."

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

"क्या आप के पास जन्नत का कोई भोजन लाया गया?" प्रश्न पर आप ने फ़रमाया: "हाँ, जिब्रील मेरे लिए जन्नत से हरीसा/हलवा लाए, मैंने उसे खाया।"

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 93 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: yemeğin çoğalması)

1331. पिता की भेड़ों का दूध आप के लिए लाने वाले एक युवक की मृत्यु होने पर आप ने उसके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पिता की भेड़ों का दूध आप के लिए लाने वाले एक युवक की मृत्यु होने पर आप ने उसके पिता को विकल्प दिया: "चाहो तो मैं अल्लाह से दुआ करूँ कि वह उसे तुम्हारे लिए ज़िंदा कर दे, चाहो तो धैर्य रखो (वह क़यामत में तुम्हारे सामने आएगा)"; उस व्यक्ति ने धैर्य चुना।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 113 (Ölülerin diriltilmesi ve konuşması bâbı)

1332. आप ने बताया कि आप के पास लाया गया सरीद (मांस-रोटी का व्यंजन) तस्बीह कर रहा है...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप के पास लाया गया सरीद (मांस-रोटी का व्यंजन) तस्बीह कर रहा है; आप ने भोजन बारी-बारी से पास वालों के निकट किया और सब ने तस्बीह सुनी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 125 (Cansız varlık türlerindeki mucizeleri)

1333. बिना बिस्मिल्लाह खाना शुरू करके अंतिम कौर पर "बिस्मिल्लाहि अव्वलहू व आख़िरहू"...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बिना बिस्मिल्लाह खाना शुरू करके अंतिम कौर पर "बिस्मिल्लाहि अव्वलहू व आख़िरहू" कहने वाले व्यक्ति के लिए आप हँसकर बोले: "शैतान इसके साथ खा रहा था; जब इसने अल्लाह का नाम लिया, तो उसने अपने पेट का सब उगल दिया।"

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 153 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1334. आप ने तीखी ज़बान वाली (ग़ीबत करने वाली) एक स्त्री को भोजन पर बुलाया, उसने कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने तीखी ज़बान वाली (ग़ीबत करने वाली) एक स्त्री को भोजन पर बुलाया, उसने कहा: "मेरा रोज़ा है", तो आप ने फ़रमाया: "तुमने रोज़ा नहीं रखा" (दूसरे दिन: "तुमने झूठ कहा"); तीसरे दिन जब उसने किसी की बुराई नहीं की, तो आप ने कहा: "आज तुमने रोज़ा रखा।"

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 177 (Gıybet eden oruçlu kadının hâlini haber vermesi bâbı)

1335. अपने लिए खाना बनाए बिना सो जाने वाले सेवक के बारे में "यह बहुत सोता है" कहने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अपने लिए खाना बनाए बिना सो जाने वाले सेवक के बारे में "यह बहुत सोता है" कहने वाले अबू बक्र और उमर ने जब सालन माँगने के लिए संदेश भेजा, तो आप ने फ़रमाया: "तुमने अपना सालन खा लिया; तुमने अपने भाई का मांस खाया है, मैं उसका मांस तुम्हारे दाँतों के बीच देख रहा हूँ।"

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 178 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1336. आप के सामने लाए गए भोजन में से कुछ बच गया, तो आप ने फ़रमाया: "इस रास्ते से..."

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप के सामने लाए गए भोजन में से कुछ बच गया, तो आप ने फ़रमाया: “इस रास्ते से जन्नत वालों में से एक व्यक्ति आएगा और यह बचा हुआ खाएगा”, और अब्दुल्लाह बिन सलाम आए और उसे खाया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 221 (Abdullah b. Selâm'ın hâlini haber vermesi)

1337. ग़ज़वे में न जाने वाले बनू हारिसा के एक व्यक्ति ने कहा: “मेरे खजूर के पौधे हैं...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ग़ज़वे में न जाने वाले बनू हारिसा के एक व्यक्ति ने कहा: “मेरे खजूर के पौधे हैं, अगर मैं गया तो वे नष्ट हो जाएँगे”, तो आप ने फ़रमाया: “ग़ज़वा तुम्हारे पौधों के लिए अधिक अच्छा है”; वह ग़ज़वे पर गया और लौटकर उसने अपने पौधों को सदा से अधिक सुंदर और बढ़ा हुआ पाया (अबुद दर्दा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 273 (bir adama "Gaza, hurma fidanların için daha hayırlıdır" buyurması)

1338. एक ग़ज़वे में भूखे सैनिकों ने सवारी के ऊँट ज़बह करने की अनुमति माँगी; उमर ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में भूखे सैनिकों ने सवारी के ऊँट ज़बह करने की अनुमति माँगी; उमर ने “हम बिना सवारी रह जाएँगे” कहकर सुझाव दिया, बचे हुए भोजन इकट्ठे किए गए (सबसे अधिक लाने वाला एक सा खजूर लाया था) और दुआ की गई; सेना में कोई बर्तन ख़ाली न रहा और भोजन फिर उतना ही बच गया; आप इतना हँसे कि आप की दाढ़ें दिख गईं, और कलिमा-ए-शहादत पढ़ा (अबू अमरा अंसारी की रिवायत और औज़ाई–मुत्तलिब बिन हंतब की सनद; अभियान का नाम नहीं दिया गया, यह तबूक या उस्फ़ान वाली रिवायत की ही घटना हो सकती है)।

एक ग़ज़वे के दौरान, तिथि अनिश्चित (तबूक, उस्फ़ान या हुदैबिया की रिवायतों वाली ही घटना हो सकती है)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 95-96 (Yiyecekleri çoğaltması: seferde yemeğin çoğalması hakkında başka bir hadis)

1339. रमज़ान में जिस रात अहले सुफ़्फ़ा को इफ़्तार कराने कोई नहीं निकला, आप को यह...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

रमज़ान में जिस रात अहले सुफ़्फ़ा को इफ़्तार कराने कोई नहीं निकला, आप को यह बताया गया; आप ने अपनी पत्नियों के पास एक-एक करके संदेश भेजा और पता चला कि भोजन नहीं है; आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मैं तेरी कृपा और रहमत माँगता हूँ, वे तेरे ही हाथ में हैं”, तो एक भुनी भेड़ और रोटियाँ आ गईं, अहले सुफ़्फ़ा ने पेट भरकर खाया, और आप ने फ़रमाया: “हमने अल्लाह से उसकी कृपा और रहमत माँगी; यह उसी की कृपा है” (वासिला बिन असक़अ की रिवायत)।

मदनी दौर, एक रमज़ान (लगभग हिजरी 9–10, जब वासिला अहले सुफ़्फ़ा में थे)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 108-109 (Yiyecekleri çoğaltması: başka bir hadis (Vâsile b. el-Eska'))

1340. अनस के साथ दस दिरहम लेकर अबा (चोगा) ख़रीदने बाज़ार जाते समय दो दिरहम गिरा देने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अनस के साथ दस दिरहम लेकर अबा (चोगा) ख़रीदने बाज़ार जाते समय दो दिरहम गिरा देने के कारण रोती एक दासी को आप ने अनस से दो दिरहम दिलवाए; अबा दस दिरहम में ख़रीदे जाने के बाद भी अनस के हाथ में पूरे दस दिरहम थे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 39 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1341. रात को मस्जिद में मिंबर के पास सोने वाले ग़रीबों के लिए आप की पत्नियों के पास...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रात को मस्जिद में मिंबर के पास सोने वाले ग़रीबों के लिए आप की पत्नियों के पास से दासी जो हाँडी लाई, उसमें बहुत कम भोजन था; आप ने उसे रखकर उन्हें दस-दस करके जगाया और कहा: “बिस्मिल्लाह, खाओ”; सब का पेट भर गया, और हाँडी में बचा भोजन आप ने अपनी पत्नियों के पास भेज दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 88-89 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1342. तीन दिन केवल पानी पर रोज़ा रखने वाले सलमान के साथ चलते हुए उन्हें एक बकरी मिली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तीन दिन केवल पानी पर रोज़ा रखने वाले सलमान के साथ चलते हुए उन्हें एक बकरी मिली जिसे उसका मालिक “बाँझ” कहता था; आप ने उसके थन सहलाए तो दूध उतर आया; आप ने बर्तन भरकर पहले मालिक को, फिर सलमान को पिलाया, और फिर स्वयं पिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 102-103 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1343. एक अभियान में भूख से निढाल सहाबा जो लगभग एक सा खजूरें लाए, उन्हें आप ने तहबंदों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक अभियान में भूख से निढाल सहाबा जो लगभग एक सा खजूरें लाए, उन्हें आप ने तहबंदों और बिछौनों पर फैलाकर दुआ की; खजूरें इतनी बढ़ गईं कि मदीना तक उनका रास्ते का भोजन बन गईं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 110 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1344. आइशा के बयान के अनुसार आप ने अपने कमरे में अली को गले लगाया, तो दोनों को एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आइशा के बयान के अनुसार आप ने अपने कमरे में अली को गले लगाया, तो दोनों को एक बादल ने ढक लिया; बादल हटने पर आप के हाथ में सफ़ेद अंगूर का एक गुच्छा दिखा, आप ने उसमें से खाया और अली को खिलाया, और फ़रमाया: “यह जन्नत के फलों में से है; दुनिया में इसे केवल कोई नबी या नबी का वसी ही खाता है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 165 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1345. बीमारी से अभी उठकर मस्जिद आए आप के नवासे हसन ने ख़रबूज़ा (ख़िरबिज़) माँगा, तो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बीमारी से अभी उठकर मस्जिद आए आप के नवासे हसन ने ख़रबूज़ा (ख़िरबिज़) माँगा, तो जिब्रील आसमान से ख़रबूज़ा, अनार, बही और सेब लाए; आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने तुम्हें बनी इसराईल के चुने हुए लोगों जैसा बनाया, तुम्हारी रोज़ी जन्नत से उतरती है”; इनमें से हसन, हुसैन, अली और फ़ातिमा ने खाया; ख़रबूज़ा आप की वफ़ात पर, अनार फ़ातिमा की वफ़ात पर और बही अली की वफ़ात पर ग़ायब हो गया, और सेब हसन और हुसैन के पास रहा (अली बिन हुसैन की अपने पिता से रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित (हसन का बचपन, हिजरी 3–11)

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 53-54, hadis no. 22/2 (bâb 1, gökten indirilenlerde âyetlerinin zuhuru faslı)

1346. मदीना में बारिश के बाद जब आप मुहाजिरों और अंसार के साथ नगर से बाहर गए, तो अली...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना में बारिश के बाद जब आप मुहाजिरों और अंसार के साथ नगर से बाहर गए, तो अली के आने पर जिब्रील ने उनकी प्रशंसा की; फिर आसमान में बर्फ़ से भी सफ़ेद एक हाथ ने आवाज़ करते हुए पन्ने जैसा हरा एक अनार आप की ओर बढ़ाया; आप ने उस अनार से खाया और अली, हसन और हुसैन के लिए हिस्से रखे, और फ़रमाया: “यह मेरे लिए, मेरे वसी के लिए, मेरी बेटी के लिए और मेरे दोनों नवासों के लिए उपहार है”; जब सलमान ने आवाज़ के बारे में पूछा, तो आप ने बताया कि यह उस पेड़ की तस्बीह थी जिससे अनार तोड़ा गया (जाफ़र सादिक़ की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 56-57, hadis no. 27/7 (bâb 1, gökten indirilenlerde âyetlerinin zuhuru faslı)

1347. तीन दिन से भोजन न कर पाए अली और फ़ातिमा के घर आकर आप ने फ़रमाया: “देखो, घर में...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तीन दिन से भोजन न कर पाए अली और फ़ातिमा के घर आकर आप ने फ़रमाया: “देखो, घर में कुछ है?”; अली को घर में खजूरों की एक थाली और सरीद का एक प्याला मिला; लाने वाले का वर्णन “लाल, हरे और पीले रंगों में” करने पर आप ने फ़रमाया: “ये जिब्रील के पंखों की धारियाँ हैं”; सब ने पेट भरकर खाया और भोजन कम नहीं हुआ (अली की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 57-58, hadis no. 28/8 (bâb 1, gökten indirilenlerde âyetlerinin zuhuru faslı)

1348. अंसार के एक समूह द्वारा ज़बह की गई एक भेड़ से आप ने तीन बार कहा: “मुझे दस्ती...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अंसार के एक समूह द्वारा ज़बह की गई एक भेड़ से आप ने तीन बार कहा: “मुझे दस्ती (अगली टाँग) दो”; मेज़बान ने कहा: “मैंने एक भेड़ ज़बह की, तीन दस्तियाँ कहाँ से लाऊँ?”, तो आप ने फ़रमाया: “अगर तुम चुप रहते, तो जितनी मैं माँगता उतनी लाते।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 50, no. 16/5 (fasl: âyâtühû fi'l-et'ime ve'l-eşribe)

1349. एक ग़ज़वे में सेना का भोजन ख़त्म हो गया, तो आप ने मँगवाई गई एक मुट्ठी जौ को एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में सेना का भोजन ख़त्म हो गया, तो आप ने मँगवाई गई एक मुट्ठी जौ को एक चादर पर फैलाकर ढका और दुआ की; पूरी सेना ने उसमें से लेकर अपने बर्तन भरे, और भोजन ख़त्म नहीं हुआ।

मदनी दौर, एक ग़ज़वा; तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 52, no. 18/7 (fasl: âyâtühû fi'l-et'ime ve'l-eşribe)

1350. मदीना में एक बरसाती रात की सुबह अली के साथ नगर से बाहर जाकर एक पहाड़ की तलहटी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना में एक बरसाती रात की सुबह अली के साथ नगर से बाहर जाकर एक पहाड़ की तलहटी में आप ने सिर उठाया तो लटकता हुआ जन्नत का एक अनार देखा; आप ने अनार लेकर आधा स्वयं खाया और आधा अली को खिलाया, और फ़रमाया: “यह जन्नत का अनार है; दुनिया में इसे केवल कोई नबी या नबी का वसी ही खाता है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 53, no. 21/1 (fasl: mâ ünzile aleyhi mine's-semâ)

1351. फ़ातिमा के घर में आप ने फ़रमाया: “उठो, वह बर्तन ले आओ”; फ़ातिमा ने कहा: “हमारे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

फ़ातिमा के घर में आप ने फ़रमाया: “उठो, वह बर्तन ले आओ”; फ़ातिमा ने कहा: “हमारे पास ऐसा कुछ नहीं है”, फिर भी आज्ञा मानकर गईं तो उन्हें एक बर्तन मिला, जिसमें से सफ़ेद रोटी, ताइफ़ के अंगूर जैसी किशमिश और अजवा जैसी खजूरें निकलीं; आप ने फ़रमाया: “खाओ।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 55-56, no. 26/6 (fasl: mâ ünzile aleyhi mine's-semâ)

1352. एक बरसाती रात की सुबह अली के साथ अक़ीक़ की घाटी जाने पर एक बादल ने उन पर छाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक बरसाती रात की सुबह अली के साथ अक़ीक़ की घाटी जाने पर एक बादल ने उन पर छाया की, और आप के सामने तीन-तीन छिलकों वाले अनारों से भरी एक टोकरी (दस्तरख़्वान) उतरी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 58-59, no. 29/9 (fasl: mâ ünzile aleyhi mine's-semâ)

1353. बक़ीअ की ओर जाते हुए आप ने अनस से अली को बुलवाया; उनके साथ चलते हुए उन पर एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बक़ीअ की ओर जाते हुए आप ने अनस से अली को बुलवाया; उनके साथ चलते हुए उन पर एक बादल उतरा; आप ने बादल से कुछ लेकर खाया और अली को भी खिलाया, और फ़रमाया: “हर नबी अपने वसी के साथ ऐसा ही करता है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 59-60, no. 30/10 (fasl: mâ ünzile aleyhi mine's-semâ)

1354. सुबह की नमाज़ के बाद आप अपने गधे पर और अली आप के साथ पैदल चलते हुए मदीना में एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सुबह की नमाज़ के बाद आप अपने गधे पर और अली आप के साथ पैदल चलते हुए मदीना में एक टीले पर चढ़े और सूरज निकलने तक बातें करते रहे; एक बादल आया और उन पर छाया की; आप ने बादल से कुछ लेकर खाया और अली को खिलाया (अनस ने यह हज्जाज को बताया)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 60, no. 31/11 (fasl: mâ ünzile aleyhi mine's-semâ)

1355. जन्नत से आप को एक तुरंज (उतरुज्जा) उपहार में आया जिसकी सुगंध पूरे मदीना में फैल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जन्नत से आप को एक तुरंज (उतरुज्जा) उपहार में आया जिसकी सुगंध पूरे मदीना में फैल गई; उम्मे सलमा के घर में आप ने उसके पाँच भाग किए, और आप, अली, फ़ातिमा, हसन और हुसैन ने खाया; उम्मे सलमा के पूछने पर आप ने फ़रमाया: “यह जन्नत का उपहार है; जिब्रील ने मुझे इसे खाने और अपने अहले बैत को खिलाने का आदेश दिया।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 61, no. 33/13 (fasl: mâ ünzile aleyhi mine's-semâ)

1356. अब्दुल्लाह बिन उबई ने चार-पाँच लोगों का भोजन तैयार करके जो दावत दी, उसमें आप ने...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन उबई ने चार-पाँच लोगों का भोजन तैयार करके जो दावत दी, उसमें आप ने मुहाजिरों और अंसार के 7,800 लोगों को बुला लिया; तंग कमरा फैलकर सब के लिए जगह बन गया, हाथ लंबे होकर बीच में रखे मेमने तक पहुँच गए, और थोड़े-से भोजन में बरकत होकर सब का पेट भर गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 330-333 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1357. अब्दुल्लाह बिन उबई की ज़हरीले भोजन वाली दावत में मांस खाए जा चुके मेमने की...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन उबई की ज़हरीले भोजन वाली दावत में मांस खाए जा चुके मेमने की हड्डियों पर आप ने दुआ की, तो वह पशु ज़िंदा हो गया और उसके थन दूध से भर गए, सब ने उसका दूध पिया; फिर आप की दुआ “ऐ अल्लाह, जैसे तूने इसे पैदा किया, वैसे ही इसे फिर हड्डियाँ बना दे” से वह फिर हड्डियाँ बन गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 333 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

31 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

1358. खजूर के तने का रोना

सहीह (प्रामाणिक) प्रकृति से संबंधित मोजिज़े

नबी ﷺ खजूर के एक तने का सहारा लेकर ख़ुतबा दिया करते थे। जब मिंबर बनाया गया और आप उस पर चले गए, तो तने के रोने की आवाज़ सुनी गई, यहाँ तक कि आप आए और उस पर अपना हाथ रखा।

मदीना में मस्जिदे नबवी

स्रोत Sahih al-Bukhari 3583

1359. एक बद्दू के सामने अपनी नबूवत सिद्ध करने के लिए आप ने जिस पेड़ को बुलाया, वह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक बद्दू के सामने अपनी नबूवत सिद्ध करने के लिए आप ने जिस पेड़ को बुलाया, वह ज़मीन फाड़ता हुआ आया और आप के सामने खड़ा हो गया (इब्ने उमर की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत İbn Kesîr s.56; 19. Mektup listesi (183.txt) no.9, 36, 152, 153; 1000 Mucize no.25 (s.37), no.880 (s.736); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, bâbü mâ ekramallâhu bihî nebiyyehû min îmâni'ş-şecer, no. 16; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü şehâdeti'ş-şecer, no 14085; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.14-15; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 2. misal; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 118-119, 421; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "MU'CİZELER PEYGAMBERLERİN TEBLİĞİNE VESİLEDİR" (kitabın dipnotu: Beyhakî Delâili'n-Nübüvve; c:6, s:14-15)

1360. एक यात्रा में हाजत के लिए आप ने दो पेड़ों को उनकी डालियों से पकड़कर बुलाया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में हाजत के लिए आप ने दो पेड़ों को उनकी डालियों से पकड़कर बुलाया; पेड़ मिलकर परदा बन गए, फिर अपनी जगह लौट गए (जाबिर की रिवायत)।

एक अभियान में (कहा जाता है कि बुवात या ज़ातुर रिक़ा)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.457; İbn Kesîr s.29; 19. Mektup listesi (183.txt) no.37, 154; 1000 Mucize no.22 (s.33); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5885; İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 96 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.7-8; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 3. misal; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 371; c. 2, s. 61-62; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 61, 115, 420; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 299; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 375; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 26-27; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Müslim, Zühd 74 (3012)

1361. याला बिन मुर्रा द्वारा बताई गई यात्रा में दो पेड़ आप के आदेश से मिलकर परदा बने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

याला बिन मुर्रा द्वारा बताई गई यात्रा में दो पेड़ आप के आदेश से मिलकर परदा बने और फिर अलग हो गए।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत 1000 Mucize no.37 (s.48), no.320 (s.297), no.878 (s.735); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 573; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.23; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 4. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 145-148; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 298; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 44-45; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 117; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 339 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6096, c./s. 16/568]

1362. हज्जतुल विदा के रास्ते में रौहा में छोटे खजूर के पेड़ उसामा बिन ज़ैद द्वारा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हज्जतुल विदा के रास्ते में रौहा में छोटे खजूर के पेड़ उसामा बिन ज़ैद द्वारा पहुँचाए गए आप के आदेश से चलकर मिल गए और परदा बन गए।

हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.212 (s.193); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.25; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 4. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 9; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 46

1363. एक बद्दू की माँग पर खजूर का एक गुच्छा पेड़ से उतरकर आप के पास आया, और आप के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक बद्दू की माँग पर खजूर का एक गुच्छा पेड़ से उतरकर आप के पास आया, और आप के “लौट जाओ” कहने पर लौट गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.464; 1000 Mucize no.23 (s.34); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 24; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 573; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14171; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.15; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 59-60; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 117-118, 420; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 301; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 283; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 368-369; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 44; c. 2, s. 503; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 112; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menakıb 9 (3632) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5588, c./s. 15/441]

1364. आप की हथेली में कंकड़ों ने तस्बीह की; वही कंकड़ अबू बक्र, उमर और उस्मान के हाथ...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप की हथेली में कंकड़ों ने तस्बीह की; वही कंकड़ अबू बक्र, उमर और उस्मान के हाथ में भी तस्बीह करते रहे।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.522; İbn Kesîr s.59; 19. Mektup listesi (183.txt) no.40, 41, 156, 172; 1000 Mucize no.95 (s.69); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.64-65; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 2. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 124-125; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 133-135, 419, 446; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 329-330; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 281; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36, 35-36; TDV İslâm Ansiklopedisi, “Mûcize”, c. 30; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 256; c. 17, s. 295; c. 17, s. 377, 379; c. 17, s. 379-380; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 124; 159; c. 3, s. 915; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 333; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 70, no. 53/8 (+1 kaynak daha: web_kaynaklari dosyasında)

1365. उहुद पहाड़ हिला तो आप ने पैर मारकर कहा: “शांत हो जा, उहुद; तुझ पर एक नबी, एक...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उहुद पहाड़ हिला तो आप ने पैर मारकर कहा: “शांत हो जा, उहुद; तुझ पर एक नबी, एक सिद्दीक़ और दो शहीद हैं”; उमर और उस्मान शहीद किए गए।

घटना: मदनी दौर; शहादतें: हिजरी 23 और हिजरी 35

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.126; 19. Mektup listesi (183.txt) no.75, 164, 165; 1000 Mucize no.328 (s.303); web: İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6492; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 5. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 129; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 267; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Fezâilü'l-Ashâb 5-7 (3675)

1366. हिरा पहाड़ हिला तो आप ने कहा: “शांत हो जा; तुझ पर नबी, सिद्दीक़ और शहीद के सिवा...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हिरा पहाड़ हिला तो आप ने कहा: “शांत हो जा; तुझ पर नबी, सिद्दीक़ और शहीद के सिवा कोई नहीं”; आप के साथ मौजूद उमर, उस्मान, अली, तलहा और ज़ुबैर सब शहीद हुए।

घटना: तिथि अनिश्चित; शहादतें: हिजरी 23–40

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.127; İbn Kesîr s.157; 1000 Mucize no.327 (s.303); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Wikipedia, "Miracles of Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 129; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 268; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 302; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 288; c. 17, s. 376; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 326; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezâilü's-Sahâbe (2417); Tirmizî, Menâkıb (3696, 3757)

1367. मिंबर पर अल्लाह की महानता का वर्णन करते समय मिंबर इतना हिला कि लगा गिर पड़ेगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मिंबर पर अल्लाह की महानता का वर्णन करते समय मिंबर इतना हिला कि लगा गिर पड़ेगा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.169; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 6. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 129; Kütüb-i Sitte: Müslim, Sıfatü'l-Kıyâme 19-26 (2788)

1368. एक चट्टान आप के आदेश से हिली

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक चट्टान आप के आदेश से हिली।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.168

1369. अब्बास और उनके बेटों के लिए आप की दुआ पर दरवाज़े की चौखट और दीवारों ने “आमीन” कहा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्बास और उनके बेटों के लिए आप की दुआ पर दरवाज़े की चौखट और दीवारों ने “आमीन” कहा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.528; 1000 Mucize no.329 (s.304); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.71-72; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 4. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 128; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 136; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 340; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 281; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 377; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 47-48; Kütüb-i Sitte (kısmen): İbn Mâce 3711 (kısmen; âmin kısmı yok) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7103]

1370. आप जिन रास्तों से गुज़रते, वहाँ कस्तूरी की सुगंध रह जाती; पेड़ और पत्थर आप को सजदा करते

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप जिन रास्तों से गुज़रते, वहाँ कस्तूरी की सुगंध रह जाती; पेड़ और पत्थर आप को सजदा करते।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.526; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb sıfatihî ve tîbi râihatihî, no 14053; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.69; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 11. İşaret, 3. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 114-115; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 346; c. 17, s. 377; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 46; c. 2, s. 494; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 107

1371. कपड़े/ढाल पर बना चित्र आप के हाथ फेरने से या आप की नापसंदगी से मिट गया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कपड़े/ढाल पर बना चित्र आप के हाथ फेरने से या आप की नापसंदगी से मिट गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.537; 1000 Mucize no.360 (s.347); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 137; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 139; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 382; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 104

1372. अंधेरी और बरसाती रात में आप ने क़तादा बिन नुमान को खजूर की जो डाली (उरजून) दी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अंधेरी और बरसाती रात में आप ने क़तादा बिन नुमान को खजूर की जो डाली (उरजून) दी, उसने रोशनी बिखेरकर उनका रास्ता रोशन कर दिया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.532; 1000 Mucize no.159 (s.138), no.261 (s.235); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 12. İşaret, 3. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning mountains, rocks and lifeless creatures"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 135; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 376, 380; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 34-35; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 103; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 98-99, hadis no. 90/5

1373. अंधेरी रात में आप के पास से निकले उसैद बिन हुज़ैर और अब्बाद बिन बिश्र की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अंधेरी रात में आप के पास से निकले उसैद बिन हुज़ैर और अब्बाद बिन बिश्र की लाठियों से रोशनी निकलने लगी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.532; İbn Kesîr s.68; 1000 Mucize no.834 (s.699); web: Buhârî, Menâkıb, no. 3639; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 135; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 177, 425-426; Facts and Details, “Miracles of Muhammad”; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 98, hadis no. 88/3; Kütüb-i Sitte: Buharî, Mesâ'ıd 78, Menâkıb 28, Menakıbu'l-Ensar 13 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4378, c./s. 12/431]

1374. कमज़ोर आँखों वाले एक सहाबी (जिन्हें अबू अब्स बिन जब्र बताया जाता है) को आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कमज़ोर आँखों वाले एक सहाबी (जिन्हें अबू अब्स बिन जब्र बताया जाता है) को आप ने जो लाठी दी, वह रातों को उनका रास्ता रोशन करती थी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत 1000 Mucize no.158 (s.138); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 135

1375. अंधेरी रात में हमज़ा बिन अम्र असलमी की उँगलियों से रोशनी निकली, जिससे वे बिखरे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंधेरी रात में हमज़ा बिन अम्र असलमी की उँगलियों से रोशनी निकली, जिससे वे बिखरे ऊँटों को इकट्ठा कर सके।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.532; 1000 Mucize no.160 (s.139); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 455; c. 2, s. 135; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 179, 426; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 255; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 913; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 107; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 98, hadis no. 89/4

1376. अंधेरी रात में घर लौट रहे हसन और हुसैन के लिए बिजली चमकी और उनका रास्ता रोशन कर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अंधेरी रात में घर लौट रहे हसन और हुसैन के लिए बिजली चमकी और उनका रास्ता रोशन कर दिया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पेड़, पत्थर और निर्जीव वस्तुएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.532; 1000 Mucize no.260 (s.233); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.76; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 136; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 179; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 99, hadis no. 91/6

1377. एक यात्रा में बिना पेड़ों वाले समतल मैदान में हाजत के लिए आप ने जाबिर से कहा कि...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में बिना पेड़ों वाले समतल मैदान में हाजत के लिए आप ने जाबिर से कहा कि दो पेड़ों में से एक तक यह आदेश पहुँचाएँ: “अपने साथी से जा मिल”, और पेड़ चलकर दूसरे से सट गया और परदा बन गया; उसी यात्रा में बीस वर्ष का एक बूढ़ा ऊँट आकर आप को सजदा करने लगा, और आप ने उसके मालिक अंसारी युवकों को ऊँट की अच्छी देखभाल करने का आदेश दिया।

एक यात्रा के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.247 (s.216); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 17; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 573; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14165; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.18; ayrıca: İbn

Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 149-151; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 299, 305; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 214; Kütüb-i Sitte (kısmen): Ebû Dâvûd ; İbn Mâce (muhtasar) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3559, c./s. 10/377]

1378. आप ने क़तादा बिन नुमान से कहा: “अगर अपने घर के कोने में कोई परछाई देखो तो उस...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने क़तादा बिन नुमान से कहा: “अगर अपने घर के कोने में कोई परछाईं देखो तो उस पर मारना, वह शैतान है”; क़तादा ने घर में, जैसा बताया गया था, (साही के रूप में) शैतान पाया और डाली से भगा दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.262 (s.236); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 12. İşaret, 3. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 34-35

1379. इज़म की घाटी में भेड़ें चराने वाले मुशरिक पहलवान रुकाना को आप ने तीन बार कुश्ती...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इज़म की घाटी में भेड़ें चराने वाले मुशरिक पहलवान रुकाना को आप ने तीन बार कुश्ती में पछाड़ा; उसके प्रमाण माँगने पर आप ने जिस पेड़ को बुलाया, वह दो भागों में फटा और एक आधा भाग अपनी डालियों सहित आप के पास आया, फिर आप के आदेश से लौटकर दूसरे आधे से मिल गया।

तिथि अनिश्चित (रुकाना मक्का का एक मुशरिक था; पाठ में आइशा के घर का उल्लेख है)

स्रोत 1000 Mucize no.338 (s.317); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 215-217; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 368-369; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 109; Kütüb-i Sitte (kısmen): Ebu Davud, Libas 24, (4078); Tirmizî, Libas 47, (1785) [yalnız güreş kısmı] [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5233, c./s. 15/45]

1380. मुसलमान होकर अपना यक़ीन बढ़ाने के लिए प्रमाण माँगने वाले बद्दू के लिए आप ने जिस...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमान होकर अपना यक़ीन बढ़ाने के लिए प्रमाण माँगने वाले बद्दू के लिए आप ने जिस पेड़ को बुलाया, वह फटा और उसका एक आधा भाग आप के सामने आकर बोला: “सलाम हो आप पर, ऐ अल्लाह के रसूल”; बद्दू की सजदा करने की इच्छा को आप ने ठुकरा दिया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.879 (s.735); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 112

1381. एक बद्दू की माँग पर आप ने जिस पेड़ को बुलाया, उसने आप के आदेश से तीन बार गवाही...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक बद्दू की माँग पर आप ने जिस पेड़ को बुलाया, उसने आप के आदेश से तीन बार गवाही दी कि आप अल्लाह के रसूल हैं, और अपनी जगह लौट गया; बद्दू अपनी क़ौम को लाने का वादा करके चला गया।

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.881 (s.736); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 60; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 376; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 300; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 281; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 43; ayrıca: N.

İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "MU'CİZELER PEYGAMBERLERİN TEBLİĞİNE VESİLEDİR" (kitabın dipnotu: Beyhakî Delâili'n-Nübüvve; c:6, s:14-15)

1382. एक अभियान में मोजिज़ा माँगने वाले बद्दू से आप ने फ़रमाया: "उस पेड़ से कहो..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक अभियान में मोजिज़ा माँगने वाले बद्दू से आप ने फ़रमाया: "उस पेड़ से कहो: 'अल्लाह के रसूल तुम्हें बुला रहे हैं'"; पेड़ दाएँ-बाएँ झुका, जड़ें निकालकर आप के सामने आया और कहा: "अस्सलामु अलैका या रसूलल्लाह", और बद्दू की माँग पर अपनी जगह लौट गया; बद्दू ने सजदे की अनुमति माँगी, अनुमति न मिलने पर आप के हाथ-पैर चूमे (बुरैदा बिन हुसैब असलमी की रिवायत)।

मदनी दौर, एक अभियान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 2. misal (s. 185)

1383. ग़ैलान बिन सलमा सक़फ़ी ने भी दो पेड़ों के आप के आदेश से मिलने और अलग होने वाले...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ग़ैलान बिन सलमा सक़फ़ी ने भी दो पेड़ों के आप के आदेश से मिलने और अलग होने वाले मोजिज़े जैसी घटना रिवायत की है।

मदनी दौर, एक अभियान में (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 16. fasıl (ağaçların konuşması ve itaati)

1384. एक यात्रा में "तल्हा" या "समुरा" नाम का एक पेड़ आया, आप के चारों ओर तवाफ़ की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में "तल्हा" या "समुरा" नाम का एक पेड़ आया, आप के चारों ओर तवाफ़ की तरह घूमा और अपनी जगह चला गया; आप ने फ़रमाया: "इसने मुझे सलाम करने के लिए अपने रब से अनुमति माँगी थी" (याला बिन मुर्रा की रिवायत)।

मदनी दौर, एक अभियान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 9. İşaret, 6. misal (s. 187)

1385. आप बीमार हुए तो जिब्रील अनार और अंगूर से भरी एक थाली लाए; आप ने उसमें से खाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप बीमार हुए तो जिब्रील अनार और अंगूर से भरी एक थाली लाए; आप ने उसमें से खाया और फलों (थाली) ने तस्बीह की (जाफ़र बिन मुहम्मद की अपने पिता से रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 18. fasıl (cemâdât)

1386. अनस की रिवायत के अनुसार अल्लाह के रसूल के पास (अबू बक्र के घर) रात की बातचीत के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अनस की रिवायत के अनुसार अल्लाह के रसूल के पास (अबू बक्र के घर) रात की बातचीत के बाद अंधेरे में निकले अबू बक्र और उमर की लाठियाँ रोशनी देने लगीं और उनके घर पहुँचने तक उनका रास्ता रोशन करती रहीं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 135 (Asâların, kamçının ve parmakların ışık vermesi bâbı)

1387. जब आप हिरा पहाड़ पर थे और पहाड़ हिला, तो आप ने कहा: “शांत हो जा; तुझ पर एक नबी...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब आप हिरा पहाड़ पर थे और पहाड़ हिला, तो आप ने कहा: “शांत हो जा; तुझ पर एक नबी और एक वसी के सिवा कोई नहीं”, और पहाड़ थम गया (आप के साथ अली थे)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 34 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1388. आप की हथेली में लिए कंकड़ों ने तस्बीह की; जब आप ने उन्हें अली के हाथ में डाला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की हथेली में लिए कंकड़ों ने तस्बीह की; जब आप ने उन्हें अली के हाथ में डाला, तो वहाँ भी उन्होंने तस्बीह की और उनकी आवाज़ सुनाई दी, पर दूसरे सहाबा के हाथों में डाले जाने पर उन्होंने तस्बीह नहीं की (अनस की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 47 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1389. जिस दिन आप ने अपने अहले बैत को चादर (किसा) के नीचे लिया, उस दिन जिब्रील की लाई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस दिन आप ने अपने अहले बैत को चादर (किसा) के नीचे लिया, उस दिन जिब्रील की लाई अनार और अंगूर भरी थाली से खाने पर फलों ने तस्बीह की; हसन, हुसैन और अली के हाथों में भी उन्होंने तस्बीह की; खाना चाहने वाले एक सहाबी से जिब्रील ने कहा: “इसमें से केवल नबी, नबी की संतान या नबी का वसी ही खा सकता है” (उम्मे सलमा की रिवायत)।

मदनी दौर (हदीसे किसा)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 48 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1390. “मुझे कोई निशानी दिखाइए” कहने वाले व्यक्ति के सामने आप ने हाथ से एक खजूर के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“मुझे कोई निशानी दिखाइए” कहने वाले व्यक्ति के सामने आप ने हाथ से एक खजूर के पेड़ की ओर इशारा किया; पेड़ दाईं ओर गया, और “ऐसे” कहने पर बाईं ओर गया, और वह व्यक्ति ईमान ले आया (इमाम जाफ़र सादिक़ से)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 90 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1391. एक मरे हुए व्यक्ति के लिए क़ब्र खोदने वालों ने शिकायत की: “हमारा लोहा जैसे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक मरे हुए व्यक्ति के लिए क़ब्र खोदने वालों ने शिकायत की: “हमारा लोहा जैसे चट्टान पर पड़ रहा है, चल नहीं रहा”; आप ने कहा: “क्यों? तुम्हारा साथी तो अच्छे चरित्र वाला था”, और जिस प्याले के पानी में आप ने हाथ डाला था, उसे ज़मीन पर छिड़क दिया; मिट्टी ऐसे आसानी से खुदने लगी जैसे उन पर रेत बिखर रही हो।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 91 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1392. एक यात्रा में कम पेड़ों वाले रेगिस्तान में पड़ाव डालने पर आप ने अम्मार बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में कम पेड़ों वाले रेगिस्तान में पड़ाव डालने पर आप ने अम्मार बिन यासिर को दो छोटे पेड़ों के पास यह कहने भेजा: “अल्लाह के रसूल तुम्हें मिल जाने का आदेश देते हैं”; पेड़ एक-दूसरे की ओर चलकर एक पेड़ जैसे हो गए, और हाजत पूरी होने पर आप के आदेश से अपनी जगहों पर लौट गए (अम्मार की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 155 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1393. अली के साथ खजूर के बाग़ में चलते समय एक खजूर का पेड़ दूसरे से चिल्लाकर बोला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली के साथ खजूर के बाग़ में चलते समय एक खजूर का पेड़ दूसरे से चिल्लाकर बोला: “यह अल्लाह के रसूल हैं, और यह उनके वसी”; इसी कारण उस खजूर को “सैहानी” कहा गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 928 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

1394. आप जिस खजूर के बाग़ में गए, वहाँ हर ओर से गुच्छों (उरजून) ने पुकारा: “अस्सलामु...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप जिस खजूर के बाग़ में गए, वहाँ हर ओर से गुच्छों (उरजून) ने पुकारा: “अस्सलामु अलैका या रसूलल्लाह”, और हर एक ने कहा: “मुझसे लीजिए, खाइए”; अजवा खजूर के पास पहुँचने पर उसने सजदा किया, और आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसमें बरकत दे और इससे लाभ पहुँचा” (इसी कारण कहा जाता है: “अजवा जन्नत से है”)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 494 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

1395. एक निशानी (मोजिज़ा) माँगने वाले मिक्रज़ आमिरी के सामने आप ने नौ कंकड़ मँगवाए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक निशानी (मोजिज़ा) माँगने वाले मिक्रज़ आमिरी के सामने आप ने नौ कंकड़ मँगवाए, और कंकड़ आप की हथेली में तस्बीह करने लगे; ज़मीन पर रखने पर वे चुप हो गए, और फिर हाथ में लेने पर फिर तस्बीह करने लगे।

तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 80 (fasl fî nutki'l-cemâdât)

1396. “हमारे दिल पत्थर से नरम हैं” कहने वाले यहूदियों के सामने आप ने पहाड़ (पत्थरों)...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

“हमारे दिल पत्थर से नरम हैं” कहने वाले यहूदियों के सामने आप ने पहाड़ (पत्थरों) को गवाह बनाया: पहाड़ हिला, उससे पानी फूटा, और उसने गवाही दी: “आप सारे संसार के रब के रसूल और सारी सृष्टि के सरदार हैं”; आप के आदेश से पहाड़ दो भागों

में फटा और उसका निचला भाग ऊपर आ गया; दूर हटकर आप ने पुकारा: “ऐ पहाड़, मुहम्मद और आले मुहम्मद के वास्ते आ”, तो पहाड़ तेज़ ऊँट की तरह चलकर आप के सामने आ खड़ा हुआ (सूरह अल-बक़रह, आयत 74 की तफ़सीर)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 82 (fasl fî nutki'l-cemâdât)

1397. एक भिखारी को रुकवाए रखते समय किसी के लाए एक थैले के बारे में आप ने कहा: “ऐ...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक भिखारी को रुकवाए रखते समय किसी के लाए एक थैले के बारे में आप ने कहा: “ऐ भिखारी, ये चार सौ दीनार ले लो”; उसके मालिक ने कहा: “वे दिरहम थे”, तो आप ने फ़रमाया: “मुझे झुठलाओ मत”, और थैला खुलवाया तो उसमें दीनार निकले; आप ने फ़रमाया: “तुमने सच कहा था; पर मेरे मुँह से दीनार शब्द निकलते ही अल्लाह ने दिरहमों को दीनार में बदल दिया।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 99 (fasl fî mu'cizât akvâlihî (gayb haberleri))

1398. जुहफ़ा में आप कम छाया वाले एक छोटे पेड़ के नीचे उतरे और आप के सहाबा आसपास बैठ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जुहफ़ा में आप कम छाया वाले एक छोटे पेड़ के नीचे उतरे और आप के सहाबा आसपास बैठ गए, तो छाया काफ़ी न होने से आप दुखी हुए; अल्लाह के आदेश से पेड़ बढ़कर ऊँचा हो गया और सब पर छाया कर दी, और सूरह अल-फ़ुरक़ान की आयत 45 (“क्या तुमने नहीं देखा कि तुम्हारे रब ने छाया को कैसे फैलाया”) उतरी।

हिजरत / एक यात्रा, जुहफ़ा

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 117 (fasl fîmâ zahara mine'l-hayevânât ve'l-cemâdât)

1399. “मुझे कोई निशानी दिखाइए” कहने वाले व्यक्ति के लिए आप ने दो पेड़ों से फ़रमाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“मुझे कोई निशानी दिखाइए” कहने वाले व्यक्ति के लिए आप ने दो पेड़ों से फ़रमाया: “मिल जाओ”, तो पेड़ मिल गए; “अलग हो जाओ” फ़रमाने पर हर एक अपनी जगह लौट गया (हम्माद बिन उस्मान और मख़लद बिन अब्दुल्लाह की जाफ़र सादिक़ से रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 91, hadis no. 75/1 (bâb 1, fasıl 11: ağaç ve taşın itaati)

1400. एक ग़ज़वे से लौटते समय खुले मैदान में हाजत के लिए आप ने दूर के एक पेड़ को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे से लौटते समय खुले मैदान में हाजत के लिए आप ने दूर के एक पेड़ को बुलाया; पेड़ जड़ों सहित आकर आप के सामने खड़ा हो गया, और उसके पीछे आप के हाजत पूरी करने के बाद आप के आदेश से अपनी जगह लौट गया (अबू बक्र ने उमर को बताया)।

मदनी दौर, एक ग़ज़वे से वापसी (तिथि अनिश्चित)

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 92, hadis no. 78/4 (bâb 1, fasıl 11: ağaç ve taşın itaati)

1401. हाजत के समय आप ने अपने साथ के सहाबी को दो खजूर के पेड़ों के पास भेजकर “मिल जाओ”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हाजत के समय आप ने अपने साथ के सहाबी को दो खजूर के पेड़ों के पास भेजकर “मिल जाओ” कहलवाया; पेड़ मिलकर आप के लिए परदा बन गए; बाद में उस जगह को देखने वाले व्यक्ति को कोई निशान दिखाई नहीं दिया (जाफ़र सादिक़ की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 92-93, hadis no. 80/6 (bâb 1, fasıl 11: ağaç ve taşın itaati)

1402. जब आप भूखे थे, जिब्रील जन्नत से एक बर्तन में उपहार (तोहफ़ा) लाए; उपहार और बर्तन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब आप भूखे थे, जिब्रील जन्नत से एक बर्तन में उपहार (तोहफ़ा) लाए; उपहार और बर्तन ने आप के हाथ में, फिर आप के अहले बैत के हाथों में तस्बीह और तकबीर की (इदरीस को जन्नत की नेमतें खिलाए जाने के मुक़ाबले में; अली: “उसका स्वाद अभी तक मेरे मुँह में है”)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Tabersî, el-İhticâc (thk. M. Bâkır el-Hursân, Necef: Matbaatü'n-Nu'mân 1386/1966), c. 1, s. 315 (İhticâcü Emîri'l-mü'minîn ale'l-Yehûd min ahbârihim... fî mu'cizâti'n-Nebî)

1403. अली के साथ अबुल हैसम के घर जाकर, यह जानकर कि खाने को कुछ नहीं बचा, आप ने एक ऐसे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली के साथ अबुल हैसम के घर जाकर, यह जानकर कि खाने को कुछ नहीं बचा, आप ने एक ऐसे खजूर के पेड़ पर, जिसने कभी फल नहीं दिया था, अपना थूका हुआ पानी छिड़का; पेड़ कच्ची और ताज़ा खजूरों से भर गया, उन्होंने खाया और पड़ोसियों को भी खिलाया; वह पेड़ “नख़लतुल जीरान” (पड़ोसियों की खजूर) के नाम से जाना गया और हर्रा की घटना (यज़ीद की सेना) में काटे जाने तक बना रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 41-42 (Bâb 7: mübarek uzuvlarının bereketi, yiyecek ve içeceğin çoğalması)

1404. यहूदियों की माँग पर एक पहाड़ ने आप की नबूवत की गवाही दी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यहूदियों की माँग पर एक पहाड़ ने आप की नबूवत की गवाही दी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 256 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1405. मूसा की लाठी जैसी निशानी माँगने वाले यहूदियों को आप ने ख़बर दी कि “आज रात जब...”

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

मूसा की लाठी जैसी निशानी माँगने वाले यहूदियों को आप ने ख़बर दी कि “आज रात जब तुम अपने घर में इकट्ठा होगे, तो छत की कड़ियाँ सौ से अधिक साँप बन जाएँगी, तुम में से चार का पित्ता फट जाएगा और वे मर जाएँगे, और बाक़ी सुबह तक बेहोश पड़े रहेंगे”; उनके मज़ाक़ उड़ाने के बावजूद रात को ठीक ऐसा ही हुआ; सुबह आए दूसरे यहूदियों ने भी साँप देखे, उनमें से कुछ मर गए और कुछ पागल हो गए; आप और आप के परिवार के वसीले से बचने वाले ईमान ले आए, और कड़ियाँ पहले जैसी हो गईं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 265-267 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1406. मदीना में यहूदी मालिक बिन सैफ़ ने कहा: “जब तक मेरे नीचे का यह बिछौना (बिसात)...”

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

मदीना में यहूदी मालिक बिन सैफ़ ने कहा: “जब तक मेरे नीचे का यह बिछौना (बिसात) तुम पर ईमान न लाए, मैं नहीं मानूँगा”, तो बिछौना बोल उठा और उसने अल्लाह की एकता, आप की नबूवत और अली के वसी होने की गवाही दी; उसने कहा कि उस पर केवल मोमिन ही बैठ सकते हैं, और सलमान, मिक़दाद, अबू ज़र और अम्मार को अपने ऊपर बिठाया; यहूदियों ने कहा: “यह खुला जादू है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 302-304 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1407. अबू लुबाबा बिन अब्दुल मुंज़िर ने कहा: “मेरे हाथ का यह कोड़ा जब तक तुम पर ईमान न...”

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अबू लुबाबा बिन अब्दुल मुंज़िर ने कहा: “मेरे हाथ का यह कोड़ा जब तक तुम पर ईमान न लाए, मैं नहीं मानूँगा”; इस पर कोड़ा बोल उठा और उसने तौहीद, नबूवत और अली की विलायत की गवाही दी, अपने मालिक को खींचकर कई बार ज़मीन पर गिराया; अबू लुबाबा ईमान ले आए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 302-305 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1408. मक्का और मदीना के बीच एक यात्रा में हाजत के समय आप पर नज़र रखना चाहने वाले...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

मक्का और मदीना के बीच एक यात्रा में हाजत के समय आप पर नज़र रखना चाहने वाले मुनाफ़िक़ों की नीयत अल्लाह ने बता दी, तो आप ने ज़ैद बिन साबित को भेजकर एक-दूसरे से दूर दो पेड़ों को मिल जाने का आदेश दिलवाया; पेड़ जड़ों सहित उखड़कर दो मित्रों की तरह मिल गए और आप को ढक लिया; मुनाफ़िक़ जिस ओर से भी घूमते, पेड़ भी घूमकर उन्हें दिखने न देते; फिर आप के आदेश से वे अपनी जगह लौट गए और ज़मीन पर कोई निशान न मिला।

मदनी दौर, एक यात्रा में (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 314-316 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1409. सक़ीफ़ का चिकित्सक हारिस बिन कलदा “मैं पागलों का इलाज करता हूँ” कहकर आया और...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

सक़ीफ़ का चिकित्सक हारिस बिन कलदा “मैं पागलों का इलाज करता हूँ” कहकर आया और मोजिज़े के रूप में आप से दूर के एक बड़े पेड़ को बुलाने को कहा; पेड़ जड़ों सहित ज़मीन फाड़ता हुआ आया और स्पष्ट आवाज़ में अल्लाह की एकता, आप की नबूवत और अली की इमामत की गवाही दी; हारिस मुसलमान हो गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 316-317 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1410. अपनी ज़मीन से पानी मोड़ने के लिए आप ने रास्ते पर जो पत्थर रखा, उसने उस दिन से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपनी ज़मीन से पानी मोड़ने के लिए आप ने रास्ते पर जो पत्थर रखा, उसने उस दिन से (इमाम सादिक़ के) समय तक किसी ऊँट या मनुष्य को ठोकर देकर चोट नहीं पहुँचाई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 346 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1411. एक यहूदी की परीक्षा पर आप ने मुँह में रखी खजूर की गुठलियाँ अली को देकर बुआई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यहूदी की परीक्षा पर आप ने मुँह में रखी खजूर की गुठलियाँ अली को देकर बुआईं; हर गुठली से तुरंत (पीले, लाल, सफ़ेद, काले फलों वाला) एक-एक खजूर का पेड़ उग आया, और पेड़ों ने पुकारा: “यह अल्लाह के रसूल हैं, और यह उनके वसी”; इसी पुकार (सैहा) के कारण इस खजूर को “सैहानी” कहा गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 365 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1412. आप ने जिस सूखे पेड़ से पीठ टिकाई, वह हरा होकर फल देने लगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जिस सूखे पेड़ से पीठ टिकाई, वह हरा होकर फल देने लगा।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 366 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1413. जब दो समूह आपस में लड़ रहे थे, तो “मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” कहे जाते ही उनके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब दो समूह आपस में लड़ रहे थे, तो “मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” कहे जाते ही उनके हाथों की तलवारें और भाले काँप उठे/गिर पड़े, और युद्ध संधि पर समाप्त हुआ (अली का बयान)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 372 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1414. सहाबा के साथ बैठे हुए आप ने आए हुए अली के हाथ में जो कंकड़ दिया, वह बोल उठा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सहाबा के साथ बैठे हुए आप ने आए हुए अली के हाथ में जो कंकड़ दिया, वह बोल उठा: “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं, मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं; मैं अल्लाह को रब, मुहम्मद को नबी और अली बिन अबी तालिब को वली मानकर राज़ी हूँ” (सलमान की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 373 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1415. आप को परखने आए सुबुख़्त नाम के (फ़ारस के सरदारों में से एक) यहूदी के प्रश्नों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप को परखने आए सुबुख़्त नाम के (फ़ारस के सरदारों में से एक) यहूदी के प्रश्नों “तुम्हारा रब कहाँ है, कैसा है?” का उत्तर देने के बाद जब उसने कहा: “कौन गवाही देगा कि आप नबी हैं?”, तो आसपास के सारे पत्थर, मिट्टी और चीज़ें साफ़ अरबी में बोल उठीं: “ऐ बूढ़े, वे अल्लाह के रसूल हैं”; यहूदी ने कहा: “मैंने आज जितनी स्पष्ट बात कभी नहीं देखी”, और मुसलमान हो गया, और आप ने उसका नाम अब्दुल्लाह रखा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 373 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1416. सहल बिन हुनैफ़ और अबू अय्यूब अंसारी (ख़ालिद बिन ज़ैद) के साथ बनू नज्जार के एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सहल बिन हुनैफ़ और अबू अय्यूब अंसारी (ख़ालिद बिन ज़ैद) के साथ बनू नज्जार के एक बाग़ में प्रवेश करने पर कुएँ के पास के पत्थर ने कहा: “अपने रब से सिफ़ारिश कीजिए कि मैं जहन्नम के पत्थरों में से न बनूँ”, रेत ने भी यही माँगा, और आप ने दुआ की; खजूर के पेड़ों ने सलाम करके अपने फल पेश किए, और अजवा खजूर के सजदा करने (झुकने) पर आप ने बरकत की दुआ की और फ़रमाया: “अजवा जन्नत से है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 374 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1417. दिल में संदेह आने की बात कहने वाले अम्मार बिन यासिर से आप ने फ़रमाया: “जिस...”

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

दिल में संदेह आने की बात कहने वाले अम्मार बिन यासिर से आप ने फ़रमाया: “जिस पत्थर और पेड़ से मिलो, उससे पूछो”; अम्मार ने जिस भी पत्थर और पेड़ से पूछा, उसने उत्तर दिया: “मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद हमारे रब के रसूल हैं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 383 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1418. आप ने खजूर की गुठली मुँह में रखकर फिर बोई, तो वह उसी क्षण उगकर अंकुरित हो गई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने खजूर की गुठली मुँह में रखकर फिर बोई, तो वह उसी क्षण उगकर अंकुरित हो गई।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 388 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

32 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: पशुओं से जुड़े मोजिज़े

1419. अंसार के एक व्यक्ति का बिगड़ैल ऊँट आप को देखते ही आकर आप के सामने सजदे में गिर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अंसार के एक व्यक्ति का बिगड़ैल ऊँट आप को देखते ही आकर आप के सामने सजदे में गिर पड़ा और शांत हो गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.482; İbn Kesîr s.61; 19. Mektup listesi (183.txt) no.71, 160, 163; 1000 Mucize no.99 (s.74); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü mu'cizâtihî fi'l-hayvânât ve'ş-şecer, no 14153; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.28; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 94, 96; c. 2, s. 94; c. 2, s. 96; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 141; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 304; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 408; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 39-40

1420. एक ऊँट ने आँसू बहाते हुए शिकायत की कि उसका मालिक उसे भूखा रखता और थकाता है

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक ऊँट ने आँसू बहाते हुए शिकायत की कि उसका मालिक उसे भूखा रखता और थकाता है।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.63; 1000 Mucize no.100 (s.76); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.26-27; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 95; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 144, 401; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 303; Ebû Dâvûd, Cihâd, no 2549; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36, 35-36; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 400, 417; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 84; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte (kısmen): Ebû Dâvud, Cihâd 47, (2549); Müslim, Hayız (342) [aynı isnadla yalnız baş kısmı; satırın kaynağından] [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1990, c./s. 7/272]

1421. याला बिन मुर्रा द्वारा बताई गई यात्रा में एक ऊँट ने शिकायत की कि वर्षों काम...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

याला बिन मुर्रा द्वारा बताई गई यात्रा में एक ऊँट ने शिकायत की कि वर्षों काम लेने के बाद उसके मालिक उसे ज़बह करना चाहते हैं।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.64; 1000 Mucize no.35 (s.48), no.320 (s.297); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.23; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 63; c. 2, s. 96; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 407-408; c. 17, s. 277; c. 17, s. 400, 411; Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 317; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 145-148; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 303; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 37; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 85

1422. एक भेड़िये ने चरवाहे से बात करके उसे मदीना वाले नबी की ख़बर दी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक भेड़िये ने चरवाहे से बात करके उसे मदीना वाले नबी की ख़बर दी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.494; İbn Kesîr s.65; 1000 Mucize no.34 (s.47); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbâri'z-zi'b bi-nübüvvetihî, no 14081-14083; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.41-43; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 102-103; c. 2, s. 102; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 159, 157-160; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 321-324; c. 17, s. 215, 226; c. 17, s. 393-395, 406, 412-413; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 155; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 282; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36; Facts and Details, “Miracles of Muhammad”; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 36; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 79-80; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 71, no. 54/1; Kütüb-i Sitte (kısmen): Tirmizî, Fiten 19, (2182) [yalnız hadisin son kısmı] [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5034]

1423. भेड़ियों का प्रतिनिधि सभा में आया और हिस्सा माँगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

भेड़ियों का प्रतिनिधि सभा में आया और हिस्सा माँगा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.497; 1000 Mucize no.33 (s.46); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 22; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü süâli'z-zi'bi'l-kūt, no 14084; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.39-40; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 104; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 161; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 391, 399; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 496-497

1424. एक पक्षी (हुम्मरा) के बच्चे उठा लिए जाने पर वह आप के सिर पर चक्कर लगाकर शिकायत करने लगा

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक पक्षी (हुम्मरा) के बच्चे उठा लिए जाने पर वह आप के सिर पर चक्कर लगाकर शिकायत करने लगा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.487; İbn Kesîr s.67; 1000 Mucize no.97 (s.72); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.32-33; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 105; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 175; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvud, Cihâd 122, (2675), Edeb, 176, (5268) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1992, c./s. 7/274]

1425. आप के घर का जंगली पशु आप के भीतर आते ही शांत होकर बिना हिले-डुले खड़ा हो जाता

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के घर का जंगली पशु आप के भीतर आते ही शांत होकर बिना हिले-डुले खड़ा हो जाता।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.486; 1000 Mucize no.31 (s.45), no.877 (s.734); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü edebi'l-hayvân, no 14152; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.31; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 105; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 162-163

1426. शिकारी द्वारा बाँधी गई हिरनी ने बोलकर अपने बच्चों को दूध पिलाने की अनुमति माँगी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शिकारी द्वारा बाँधी गई हिरनी ने बोलकर अपने बच्चों को दूध पिलाने की अनुमति माँगी और कलिमा-ए-शहादत पढ़ा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.488; 19. Mektup listesi (183.txt) no.51; 1000 Mucize no.330 (s.305); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü hadîsi'z-zabye, no 14087-14088; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.34; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 101-102; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 165-167; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 340-341; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 282; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36, 35-36; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 299; c. 17, s. 398, 402, 413, 415-416; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 37; c. 2, s. 523; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 81; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 84

1427. एक बद्दू द्वारा लाई गई गोह ने बोलकर आप की नबूवत की गवाही दी

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

एक बद्दू द्वारा लाई गई गोह ने बोलकर आप की नबूवत की गवाही दी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.490; 19. Mektup listesi (183.txt) no.50, 74, 76; 1000 Mucize no.336 (s.312); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü şehâdeti'd-dabb, no 14086; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.36-38; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 107-108; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 169-171; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 342-344; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 401, 406-407, 415; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 38-39; c. 2, s. 504; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 83-84; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 73, no. 56/3; WikiShia (Farsça), «Mu'cizât-ı Peygamber» maddesi

---

1428. आप ने अबू तलहा के धीमी चाल वाले घोड़े पर सवार होकर फ़रमाया: “हमने इसे समुद्र...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू तलहा के धीमी चाल वाले घोड़े पर सवार होकर फ़रमाया: “हमने इसे समुद्र जैसा पाया”; उसके बाद उस घोड़े से कोई आगे नहीं निकल सका।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.84; 1000 Mucize no.113 (s.90); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 583; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 106; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 155, 199; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 305-306; Kütüb-i Sitte: Buharî, Cihad 46, 82; Müslim, Fezail 48, (2307); Ebu Davud, Edeb 87, (4988); Tirmizî, Cihad 14, (1685) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5549, c./s. 15/367; no. 5550, c./s. 15/367-368]

1429. आप ने जुऐल अशजई के दुबले घोड़े को अपने कोड़े से छूकर बरकत की दुआ की; घोड़ा आगे...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने जुऐल अशजई के दुबले घोड़े को अपने कोड़े से छूकर बरकत की दुआ की; घोड़ा आगे निकल गया और उसके बच्चों से बहुत कमाई हुई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – पशुओं से जुड़े मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.84; 19. Mektup listesi (183.txt) no.72; 1000 Mucize no.114 (s.91); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 106; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 200; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 12; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 54; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 73

1430. आप की ऊँटनी अज़बा आप की वफ़ात के बाद दुःख से न कुछ खाती न पीती और मर गई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की ऊँटनी अज़बा आप की वफ़ात के बाद दुःख से न कुछ खाती न पीती और मर गई।

हिजरी 11 के बाद

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.161; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"

1431. मुहाजिरों और अंसार के एक समूह के साथ होते हुए एक ऊँट आकर आप को सजदा करने लगा...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मुहाजिरों और अंसार के एक समूह के साथ होते हुए एक ऊँट आकर आप को सजदा करने लगा; सहाबा की सजदा करने की इच्छा को आप ने यह कहकर ठुकरा दिया: “अपने रब की इबादत करो, अपने भाई का सम्मान करो।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.108 (s.83); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14167; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 96; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 144; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 398-399; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 76, no. 61/8; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 1852 [yalnız "kocaya secde" cümlesi] [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6566]

1432. अंसार की एक स्त्री से विवाह करके मेहर के लिए सहायता माँगने वाले व्यक्ति को आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अंसार की एक स्त्री से विवाह करके मेहर के लिए सहायता माँगने वाले व्यक्ति को आप ने एक सरिय्या के साथ बनू अब्स भेजा; उस व्यक्ति ने अपनी न चलने वाली सवारी की शिकायत की, तो आप ने पैर से उसे मारा और वह पशु तेज़ दौड़ने लगा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.117 (s.93); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 97; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 200-201; Kütüb-i Sitte: Müslim, Nikâh 74, (1424); Nesâî, Nikah 23 [Canan'da hadisin baş kısmı] [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5634, c./s. 15/525]

1433. एक बाग़ में बिगड़ैल ऊँट के पास जाकर आप ने कहा: “आओ”, तो ऊँट सिर झुकाकर आया; आप...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक बाग़ में बिगड़ैल ऊँट के पास जाकर आप ने कहा: “आओ”, तो ऊँट सिर झुकाकर आया; आप ने उसे बाँधकर उसके मालिकों को सौंप दिया; अबू बक्र के चकित होने पर आप ने फ़रमाया: “(अवज्ञाकारी) जिन्नों और मनुष्यों के सिवा कोई चीज़ ऐसी नहीं जो न जानती हो कि मैं नबी हूँ।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.333 (s.309); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 18; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14154; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.30; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 94-95; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 141-142

1434. अंसार के एक व्यक्ति ने बाग़ में जिन दो बिगड़ैल साँडों को बंद कर रखा था, वे आप...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अंसार के एक व्यक्ति ने बाग़ में जिन दो बिगड़ैल साँडों को बंद कर रखा था, वे आप के बाग़ में प्रवेश करते ही आप के सामने सजदे में गिर पड़े; आप ने उनके सिर रस्सी से बाँधकर उन्हें उनके मालिक के अधीन कर दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.334 (s.309); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14154-14155; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.20; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 64; c. 2, s. 97; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 142

1435. नमाज़ पढ़ते समय आप के पीछे खड़े भेड़िये के बारे में आप ने सहाबा को बताया कि वह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नमाज़ पढ़ते समय आप के पीछे खड़े भेड़िये के बारे में आप ने सहाबा को बताया कि वह यह कहने आया है कि उसके लिए भोजन में हिस्सा रखा जाए, नहीं तो वह रेवड़ों पर हमला करेगा।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.335 (s.311); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 105

1436. जिस भेड़ का दूध पिया गया था, वह यात्रा की तैयारी के समय खो गई; साद के बताने पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस भेड़ का दूध पिया गया था, वह यात्रा की तैयारी के समय खो गई; साद के बताने पर आप ने फ़रमाया: “उसके मालिक ने उसे वापस ले लिया।”

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.897 (s.745)

1437. आप की नौ पत्नियों के घरों में भोजन न होने पर, एक घर में देखी गई बिल्कुल दूध न...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की नौ पत्नियों के घरों में भोजन न होने पर, एक घर में देखी गई बिल्कुल दूध न देने वाली भेड़ का थन आप ने पकड़ा, तो वह दूध से भर गया; आप ने दुहकर बारी-बारी से अपनी पत्नियों के घरों में भेजा, फिर अपने पास के सहाबा को पिलाया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.898 (s.745); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 100

1438. आप ने हारिस बिन सवा को एक ऊँटनी देकर फ़रमाया: “अल्लाह इसे तुम्हारे लिए बरकत...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने हारिस बिन सवा को एक ऊँटनी देकर फ़रमाया: “अल्लाह इसे तुम्हारे लिए बरकत वाली बनाएगा”, और उनके बेटों ने कहा कि वे जितने ऊँट चराते हैं, सब उसी ऊँटनी की नस्ल से हैं।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.937 (s.770); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 98

1439. रिवायत है कि सलमा बिन अम्र बिन अकवअ भी भेड़िये से बात करने वाली घटना के पात्र...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रिवायत है कि सलमा बिन अम्र बिन अकवअ भी भेड़िये से बात करने वाली घटना के पात्र थे, और यही उनके मुसलमान होने का कारण बना।

मदनी दौर (हिजरी 6 से पहले)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

1440. अबू सुफ़यान बिन हर्ब और सफ़वान बिन उमय्या ने देखा कि एक हिरन का पीछा कर रहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू सुफ़यान बिन हर्ब और सफ़वान बिन उमय्या ने देखा कि एक हिरन का पीछा कर रहा भेड़िया हिरन के हरम में प्रवेश करते ही लौट गया, और वे चकित हुए; भेड़िये ने कहा: "इससे भी अधिक आश्चर्य की बात मुहम्मद बिन अब्दुल्लाह हैं, जो मदीना में तुम्हें जन्नत की ओर बुला रहे हैं और तुम उन्हें आग की ओर बुला रहे हो"; अबू सुफ़यान ने कहा: "लात और उज़्ज़ा की क़सम, अगर तुमने यह मक्का में बताया, तो वहाँ एक भी पुरुष नहीं बचेगा।"

हिजरत और मक्का विजय के बीच (हिजरी 1–8)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

1441. आप अबू बक्र, उमर और अंसार के एक व्यक्ति के साथ एक अंसारी के बाग़ में गए; बाग़...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप अबू बक्र, उमर और अंसार के एक व्यक्ति के साथ एक अंसारी के बाग़ में गए; बाग़ की भेड़ों ने आप को सजदा किया; अबू बक्र ने कहा: "हम इनसे अधिक आप को सजदा करने के अधिकारी हैं" (आप ने अनुमति नहीं दी) (अनस की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

1442. एक ऊँटनी ने आप के सामने बोलकर गवाही दी कि उसके मालिक ने उसे चुराया नहीं है और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ऊँटनी ने आप के सामने बोलकर गवाही दी कि उसके मालिक ने उसे चुराया नहीं है और वह उसी की है।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

1443. एक यात्रा में नमाज़ के लिए खड़े होते समय आप ने अपने घोड़े से कहा: "जब तक हम..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में नमाज़ के लिए खड़े होते समय आप ने अपने घोड़े से कहा: "जब तक हम नमाज़ पूरी न कर लें, हिलना मत, अल्लाह तुम्हें बरकत दे", और उसे अपने क़िबले की ओर खड़ा कर दिया; नमाज़ पूरी होने तक घोड़े ने अपना कोई अंग नहीं हिलाया।

मदनी दौर, एक अभियान में (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl (hayvanlar)

1444. आप का एक ऊँट भाग गया; आप ने दुआ की, और एक बवंडर ऊँट को उठाकर आप के पास लौटा लाया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप का एक ऊँट भाग गया; आप ने दुआ की, और एक बवंडर ऊँट को उठाकर आप के पास लौटा लाया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl (duasının kabulü)

1445. आप साद बिन उबादा के धीमी चाल वाले गधे पर सवार हुए, और उसे ऐसा तेज़ और सधी चाल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप साद बिन उबादा के धीमी चाल वाले गधे पर सवार हुए, और उसे ऐसा तेज़ और सधी चाल वाला बनाकर लौटाया कि उससे कोई होड़ न कर सके।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1446. हाजत के लिए दूर जाकर वुज़ू करने के बाद आप ने एक मोज़ा पहना, तो एक हरे पक्षी ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हाजत के लिए दूर जाकर वुज़ू करने के बाद आप ने एक मोज़ा पहना, तो एक हरे पक्षी ने दूसरा मोज़ा झपटकर हवा में उठाया और छोड़ दिया, और उसमें से एक काला साँप गिरा; आप ने फ़रमाया: “यह अल्लाह की ओर से मुझ पर एक कृपा है”, और रेंगने वालों की बुराई से अल्लाह की शरण माँगी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl (ismet ve korunması), no. 150

1447. क़ैस के एक व्यक्ति के बयान के अनुसार जब आप उनके पास आए, तो उनके पास एक जवान...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ैस के एक व्यक्ति के बयान के अनुसार जब आप उनके पास आए, तो उनके पास एक जवान ऊँटनी थी जो किसी के वश में नहीं आती थी; आप उसके पास गए और उसके थन सहलाए, ऊँटनी शांत होकर दूध देने लगी, और आप ने दुहकर पिया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.29

1448. बक़ीअ में अंसार के एक व्यक्ति के जनाज़े में जाते समय रास्ते में आप को अगले पैर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बक़ीअ में अंसार के एक व्यक्ति के जनाज़े में जाते समय रास्ते में आप को अगले पैर फैलाए बैठा एक भेड़िया मिला; आप ने कहा: “यह आया है कि तुम इसके लिए हिस्सा तय करो; हर रेवड़ से वर्ष में एक भेड़ दो”; लोगों को यह अधिक लगा, तो आप ने भेड़िये को इशारा किया: “झपटकर ले लिया करो”, और भेड़िया चला गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.40

1449. आप की ऊँटनी अज़बा ने आप से बात करके एक घटना बताई (अबू इसहाक़ इस्फ़राइनी का बयान)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की ऊँटनी अज़बा ने आप से बात करके एक घटना बताई (अबू इसहाक़ इस्फ़राइनी का बयान)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"

1450. एक अभियान से लौटते समय जब वे बनू नज्जार के बाग़ पहुँचे, तो भीतर जाने वाले हर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक अभियान से लौटते समय जब वे बनू नज्जार के बाग़ पहुँचे, तो भीतर जाने वाले हर व्यक्ति पर हमला करने वाला ऊँट आप के बुलाने पर होंठ ज़मीन पर रगड़ता हुआ आया और आप के सामने बैठ गया; आप ने नकेल मँगवाकर उसे उसके मालिक को सौंपा और फ़रमाया: “अवज्ञाकारी जिन्नों और मनुष्यों के सिवा आसमान और धरती के बीच कोई ऐसा नहीं जो न जानता हो कि मैं अल्लाह का रसूल हूँ” (जाबिर की रिवायत)।

मदनी दौर, एक अभियान से वापसी

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14164 (9/7)

1451. आप मस्जिद में थे कि एक डरा हुआ ऊँट आया और आप की गोद में सिर रखकर बिलबिलाने लगा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप मस्जिद में थे कि एक डरा हुआ ऊँट आया और आप की गोद में सिर रखकर बिलबिलाने लगा; आप ने फ़रमाया: “यह ऊँट कह रहा है कि यह अमुक का है और उसका मालिक इसे (अपने पिता की ओर से/दावत के लिए) ज़बह करना चाहता है, और सहायता माँग रहा है”; मालिक को बुलाया गया, उसने इसकी पुष्टि की, और आप के अनुरोध पर ऊँट को ज़बह करने का इरादा छोड़ दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 95 (Hayvan türlerindeki mucizeleri: deve kıssası bâbı)

1452. हकम बिन हारिस (सारांश में: हकम बिन अय्यूब) सुलमी की बैठकर न चलने वाली ऊँटनी को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हकम बिन हारिस (सारांश में: हकम बिन अय्यूब) सुलमी की बैठकर न चलने वाली ऊँटनी को आप ने डाँटा, तो ऊँटनी उठी और क़ाफ़िले से आगे निकल गई।

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 97 (Hayvan türlerindeki mucizeleri: deve kıssası bâbı)

1453. क़साई जिस भेड़ को ज़बह करने वाला था, वह भागकर आप की शरण में आ गई; आप ने भेड़ से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़साई जिस भेड़ को ज़बह करने वाला था, वह भागकर आप की शरण में आ गई; आप ने भेड़ से फ़रमाया: “अल्लाह के आदेश पर धैर्य रखो”, और क़साई को उसे नरमी से मौत की ओर ले जाने का आदेश दिया (इस पर भेड़ ने समर्पण कर दिया)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 100 (Hayvan türlerindeki mucizeleri)

1454. तय क़बीले के राफ़ेअ बिन उमैरा भेड़ें चरा रहे थे कि भेड़िये ने बोलकर उन्हें नबी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तय क़बीले के राफ़ेअ बिन उमैरा भेड़ें चरा रहे थे कि भेड़िये ने बोलकर उन्हें नबी के पास जाने को कहा; राफ़ेअ ने इस घटना को शेरों में बयान किया और मुसलमान हो गए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 103-104 (Hayvan türlerindeki mucizeleri: kurt kıssası)

1455. हर्रा में सामने आकर खड़े हुए भेड़िये के बारे में आप ने फ़रमाया: “यह उवैस है; यह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हर्रा में सामने आकर खड़े हुए भेड़िये के बारे में आप ने फ़रमाया: “यह उवैस है; यह हर रेवड़ वाले से एक भेड़ माँगता है”; सहाबा के स्वीकार न करने पर आप ने इशारा किया और भेड़िया मुड़कर चला गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 105 (Hayvan türlerindeki mucizeleri: kurt kıssası)

1456. ख़रीदे गए ऊँट के लिए बरकत की दुआ माँगने वाले व्यक्ति के लिए आप ने दो बार दुआ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़रीदे गए ऊँट के लिए बरकत की दुआ माँगने वाले व्यक्ति के लिए आप ने दो बार दुआ की, और ऊँट कुछ ही समय में मर गए; तीसरी बार आप ने कहा: “ऐ अल्लाह, इसे इस पर सवारी करा”, और वह ऊँट बीस वर्ष उसके पास रहा; बैहक़ी ने कहा: “पहली दोनों बार भी दुआ क़बूल हुई थी, बरकत आख़िरत के लिए रख दी गई” (मुजाहिद की मुरसल रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 293 (duaların kabulündeki mucizeler)

1457. सहाबा के साथ एक ओर निकलने पर पानी खींचने वाले एक ऊँट (नाज़िह) ने सिर उठाकर आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सहाबा के साथ एक ओर निकलने पर पानी खींचने वाले एक ऊँट (नाज़िह) ने सिर उठाकर आप को देखा और अपना सीना/गर्दन ज़मीन पर रखकर सजदा किया; सहाबा के “हम सजदे के अधिक अधिकारी हैं” कहने को आप ने ठुकरा दिया (अबू हुरैरा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 143 (Bâbü mâ yeteallaku bi'l-hayevânât min delâili'n-nübüvve)

1458. जिसके मालिक उसे ज़बह करना चाहते थे, वह ऊँट दौड़कर आप की शरण में आया; आप ने उसके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिसके मालिक उसे ज़बह करना चाहते थे, वह ऊँट दौड़कर आप की शरण में आया; आप ने उसके मालिकों को डाँटा, ऊँट को ख़रीदकर आज़ाद कर दिया; ऊँट ने आप के लिए दुआ की और आप उसकी हर दुआ पर “आमीन” कहते रहे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 155-156 (Bâbü mâ yeteallaku bi'l-hayevânât min delâili'n-nübüvve)

1459. आप ने अपने मोज़े मँगवाकर एक पहना, तो एक कौआ आया और दूसरा मोज़ा उठाकर ले गया और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने मोज़े मँगवाकर एक पहना, तो एक कौआ आया और दूसरा मोज़ा उठाकर ले गया और फेंक दिया, और उसमें से एक साँप निकला; आप ने फ़रमाया: “जो अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, वह अपने मोज़े झाड़े बिना न पहने” (अबू उमामा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. Mustafa Abdülkādir Atâ, Beyrut: Dârü'l-Kütübi'l-İlmiyye, 1408/1988; tek cilt), s. 338 (Ebvâbü mu'cizâtih, 24. bâb: haşerat ezasının ondan def edilmesi)

1460. एक यात्रा में थकान से बैठकर अपने मालिकों को रास्ते में छोड़ देने वाले ऊँट के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में थकान से बैठकर अपने मालिकों को रास्ते में छोड़ देने वाले ऊँट के मुँह और सिर पर आप ने वह पानी डलवाया जिससे आप ने कुल्ली और वुज़ू किया था, और कहा: “ऐ अल्लाह, ख़ल्लाद, आमिर और उनके साथियों को सवारी करा”; ऊँट उन्हें घोड़ों से भी आगे ले गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 107 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1461. ज़मीन पर बैठे एक ऊँट ने आप को देखकर दुम हिलाई और बिलबिलाया, तो आप ने कहा: “यह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़मीन पर बैठे एक ऊँट ने आप को देखकर दुम हिलाई और बिलबिलाया, तो आप ने कहा: “यह अपने मालिकों की बुरी देखभाल की शिकायत कर रहा है और चाहता है कि इसे उनसे ले लिया जाए”; मालिक ने बेचने से इनकार किया, तो ऊँट उठकर आप के पीछे चल पड़ा, और आप ने फ़रमाया: “यह चाहता है कि मैं इसका मामला सँभालूँ”; ऊँट अली को बेचा गया और सिफ़्फ़ीन के दिनों तक उन्हीं के पास रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 107-108 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1462. एक ग़ज़वे में जिन अम्मार बिन यासिर का ऊँट रास्ते में बैठकर पीछे रह गया था, उनके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में जिन अम्मार बिन यासिर का ऊँट रास्ते में बैठकर पीछे रह गया था, उनके ऊँट पर आप ने मुँह में लिया पानी छिड़ककर उसे पुकारा; ऊँट हिरन की तरह उठ खड़ा हुआ, और आप की अपनी ऊँटनी अज़बा भी उससे आगे न निकल सकी; आप ने ऊँट को सौ दिरहम में ख़रीदा, मदीना में उसकी क़ीमत देकर उसे अम्मार को उपहार में दे दिया (जाबिर की अम्मार से रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 158-159 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1463. रेगिस्तान में एक पेड़ पर चहचहाते एक अंधे पक्षी के बारे में आप ने सहाबा को बताया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रेगिस्तान में एक पेड़ पर चहचहाते एक अंधे पक्षी के बारे में आप ने सहाबा को बताया कि वह कह रहा है: “मेरे रब, मैं भूखा हूँ और रोज़ी खोजने की शक्ति नहीं रखता”; उसी क्षण एक टिड्डी पक्षी की चोंच में आ गिरी और उसने उसे खा लिया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 919 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

1464. पागल होकर अपने बाग़ उजाड़ने वाले ऊँट की शिकायत करने वाले लोगों के बाग़ में आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पागल होकर अपने बाग़ उजाड़ने वाले ऊँट की शिकायत करने वाले लोगों के बाग़ में आप गए; दरवाज़ा खुलते ही हमला करने वाला ऊँट आप को देखते ही ज़मीन पर लोटकर कराहते हुए चिल्लाने लगा; आप ने फ़रमाया: “यह तुम्हारी शिकायत कर रहा है: वर्षों मैंने तुम्हारे लिए काम किया, तुमने अपने कामों में मुझे थका दिया; अब बूढ़ा होने पर तुम एक शादी के लिए मुझे ज़बह करना चाहते हो”; मालिकों ने पुष्टि की और ऊँट आप को उपहार में देना चाहा, पर आप ने उसे ख़रीदकर आज़ाद कर दिया; वह ऊँट मदीना में घूमता रहता और लोग उसे “अल्लाह के रसूल का आज़ाद किया हुआ” कहकर खिलाते।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 490-491 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

1465. आप बैठे थे कि पास से गुज़रता एक ऊँट आप के सामने बैठकर बिलबिलाने लगा; उमर ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप बैठे थे कि पास से गुज़रता एक ऊँट आप के सामने बैठकर बिलबिलाने लगा; उमर ने कहा: “इस ऊँट ने आप को सजदा किया; हम सजदा करने के अधिक अधिकारी हैं”, तो आप ने फ़रमाया: “नहीं, अल्लाह को सजदा करो; अगर मैं किसी को सजदा करने का आदेश देता, तो स्त्री को अपने पति को सजदा करने का आदेश देता”, और ख़बर दी: “यह ऊँट अपने मालिकों की शिकायत कर रहा है: वे कहते हैं कि छोटेपन में इसे पाला और काम लिया, और अब जब यह बूढ़ा, काना और कमज़ोर हो गया है, तो इसे ज़बह करना चाहते हैं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 495 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

1466. सलमान के बयान के अनुसार एक बद्दू ने कहा: “ऐ मुहम्मद, बताइए मेरी ऊँटनी के पेट...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सलमान के बयान के अनुसार एक बद्दू ने कहा: “ऐ मुहम्मद, बताइए मेरी ऊँटनी के पेट में क्या है, ताकि मैं जानूँ कि आप जो लाए हैं वह हक़ है”; आप ने अली की ओर मुड़कर फ़रमाया: “मेरे प्रिय मित्र अली तुम्हें दिखाएँगे”; अली ने ऊँटनी की नकेल पकड़कर उसकी गर्दन सहलाई और दुआ की: “ऐ अल्लाह, मुहम्मद और उनके अहले बैत के वास्ते इस ऊँटनी को बुलवा दे”; ऊँटनी “ऐ अमीरुल मोमिनीन” कहकर बोली और बताया कि उसके मालिक ने एक घाटी में उसके साथ कैसा घृणित काम किया था; बद्दू ने पूछा: “तुम में नबी कौन है?”, और उत्तर मिला: “ये नबी हैं, और ये उनके भाई और वसी”; उसने कलिमा-ए-शहादत पढ़ा, फिर आप की दुआ से ऊँटनी के पेट की हालत दूर कर दी गई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 497-498 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

1467. भेड़ों के बारे में पूछने पर अबू ज़र ने अल्लाह के रसूल को यह घटना सुनाई: जब वे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

भेड़ों के बारे में पूछने पर अबू ज़र ने अल्लाह के रसूल को यह घटना सुनाई: जब वे नमाज़ पढ़ रहे थे, एक भेड़िये ने रेवड़ पर हमला करके एक मेमना झपट लिया; नमाज़ तोड़ने का मन न हुआ, तो एक शेर निकला, मेमने को भेड़िये से छुड़ाकर रेवड़ में लौटा लाया और बोला: “ऐ अबू ज़र, अपनी नमाज़ जारी रखो; अल्लाह ने मुझे तुम्हारी भेड़ों का रखवाला बनाया है”; नमाज़ के बाद शेर ने कहा: “मुहम्मद के पास जाओ और उन्हें बताओ कि अल्लाह ने उनके साथी, उनकी शरीअत के रक्षक, का सम्मान किया है और उसकी भेड़ों पर एक शेर नियुक्त किया है”; आप के आसपास के लोग इस पर चकित हुए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 503-504 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

1468. आप दाएँ हाथ से ताज़ी खजूरें खा रहे थे और गुठलियाँ बाएँ हाथ में रख रहे थे, तभी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप दाएँ हाथ से ताज़ी खजूरें खा रहे थे और गुठलियाँ बाएँ हाथ में रख रहे थे, तभी पास से गुज़रती एक भेड़ को आप ने इशारा किया; भेड़ आई और आप की बाईं हथेली से गुठलियाँ खाने लगी, और जब तक आप वे खजूरें खा न चुके, आप के पास रही।

मदनी दौर

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 104 (fasl fî mu'cizât ef'âlihî)

1469. पकड़ी गई एक मछली के एक कान (एक ओर) पर “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं” और दूसरे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पकड़ी गई एक मछली के एक कान (एक ओर) पर “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं” और दूसरे पर “मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” लिखा पाया गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 117 (fasl fîmâ zahara mine'l-hayevânât ve'l-cemâdât)

1470. आप को मांस की इच्छा है, यह सुनकर एक अंसारी व्यक्ति ने अपने घर का अकेला बकरी का...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप को मांस की इच्छा है, यह सुनकर एक अंसारी व्यक्ति ने अपने घर का अकेला बकरी का बच्चा (अनाक़) ज़बह करके पकाया; आप ने फ़रमाया: “खाओ, पर हड्डियाँ न तोड़ना”; सब के खा लेने के बाद जब वह व्यक्ति घर लौटा, तो उसने बकरी के बच्चे को अपने दरवाज़े पर खेलते पाया (मिस्मअ बिन अब्दुल मलिक किरदीन की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 94-95, hadis no. 84/2 (bâb 1, fasıl 12: ölülerin diriltilmesi)

1471. अबुल अशअस बिन क़ैस ख़ुज़ाई ने चार बार सामने आए भेड़िये से कहा: “मैंने तुझसे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबुल अशअस बिन क़ैस ख़ुज़ाई ने चार बार सामने आए भेड़िये से कहा: “मैंने तुझसे अधिक बेशर्म भेड़िया नहीं देखा”; भेड़िये ने कहा: “मुझसे अधिक बेशर्म वह है जो धरती के सबसे अच्छे व्यक्ति से मुँह मोड़ता है”, और नबी की ख़बर दी; उस व्यक्ति ने अपनी भेड़ें भेड़िये को सौंपीं और आकर मुसलमान हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 72, no. 55/2 (fasl: kelâmü'l-behâim ve't-tıfl)

1472. जब आप अपने सहाबा के साथ बनू सालिम के इलाक़े के निकट पहुँचे, तो एक गाय दौड़ती...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब आप अपने सहाबा के साथ बनू सालिम के इलाक़े के निकट पहुँचे, तो एक गाय दौड़ती हुई आई और पुकारा: “ऐ बनू सालिम, तुम्हारे पास एक सच्चे वज़ीर के साथ एक नेक व्यक्ति आए हैं”, और शिकायत की कि बारह बार ब्याकर उसका दूध ख़त्म कर देने के बाद अब वे उसे ज़बह करना चाहते हैं; बनू सालिम ने इसे देखा और ईमान ले आए (जाफ़र सादिक़ से आई इस ख़बर में कि “आप के समय में तीन पशु बोले: ऊँट, भेड़िया और गाय”, गाय के आप की नबूवत और अली के वसी होने की गवाही देने का ज़िक्र है)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 76, no. 60/7 (fasl: kelâmü'l-behâim ve't-tıfl)

1473. मदीना में एक खुली जगह पर आप थे कि पसीने से तर एक बद्दू का ऊँट दौड़ता आया, आप के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना में एक खुली जगह पर आप थे कि पसीने से तर एक बद्दू का ऊँट दौड़ता आया, आप के सामने बैठकर आँसू बहाने लगा और बताया कि उसके मालिक उसे ज़बह करना चाहते हैं; आप ने मालिकों को ऊँट की वर्षों की सेवाएँ (सर्दियों में गर्म इलाक़ों और गर्मियों में चरागाहों के लिए सवारी, रेवड़ के लिए नर) और अकाल के वर्ष में उसे ज़बह करने का उनका इरादा बताया, और उन्होंने पुष्टि की; आप ने ऊँट को सौ दिरहम में ख़रीदकर आज़ाद कर दिया; ऊँट ने चार बार बिलबिलाया और हर बार आप ने “आमीन” कहा, और चौथी बार रोते हुए बताया कि ऊँट ने आप की उम्मत के लिए जो चार दुआएँ कीं, उनमें से अंतिम (उम्मत का आपस में न लड़ना) क़बूल नहीं हुई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 77-79, no. 62/7 (fasl: kelâmü'l-behâim ve't-tıfl)

1474. आप ने एक हिरन को बुलाया, वह आया; आप ने उसे ज़बह करवाकर उसका मांस खिलाया और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने एक हिरन को बुलाया, वह आया; आप ने उसे ज़बह करवाकर उसका मांस खिलाया और हड्डियाँ न तोड़ने का आदेश दिया, फिर हड्डियाँ उसकी खाल में रखवाकर आदेश दिया, तो हिरन ज़िंदा होकर चरने चला गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 7 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

1475. लाए गए एक बकरी के बच्चे (सख़्ला) के कानों की सफ़ेदी में “अल्लाह के सिवा कोई...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

लाए गए एक बकरी के बच्चे (सख़्ला) के कानों की सफ़ेदी में “अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं” और “मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं” लिखा दिखाई दिया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 300 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1476. कअब बिन अशरफ़ ने कहा: “जिस गधे पर मैं सवार हूँ, जब तक वह तुम पर ईमान न लाए, मैं...”

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

कअब बिन अशरफ़ ने कहा: “जिस गधे पर मैं सवार हूँ, जब तक वह तुम पर ईमान न लाए, मैं नहीं मानूँगा”; इस पर गधे ने उसे सात-आठ बार पीठ से गिराया, बोल उठा, तौहीद, नबूवत और अली की इमामत की गवाही दी और कहा: “मुझ पर केवल मोमिन ही सवार होता है”; नबी ﷺ ने फ़रमाया: “तुम्हारा गधा तुमसे अधिक समझदार है, इसे किसी मोमिन को बेच दो”, और साबित बिन क़ैस ने उसे सौ दिरहम में ख़रीदकर आराम से उस पर सवारी की।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 302-307 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1477. चरवाहे की बातों पर संदेह करने वाले मुनाफ़िक़ों के साथ आप रेवड़ के पास गए; रेवड़...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

चरवाहे की बातों पर संदेह करने वाले मुनाफ़िक़ों के साथ आप रेवड़ के पास गए; रेवड़ को घेरकर प्रतीक्षा कर रहे दो भेड़िये आए और सलाम किया: “अस्सलामु अलैका या रसूला रब्बिल आलमीन”, और सहाबा के बीच मिले हुए अली को चेहरों को देखते हुए पहचान लिया और उनके सामने अपने गाल ज़मीन पर रगड़ते हुए उन्हें सलाम किया: “ऐ मुस्तफ़ा के वसी।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 324-326 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1478. एक व्यक्ति ने अपनी घाटी पर क़ब्ज़ा जमाए बड़े साँप (जो ऊँट की तरह दहाड़ता और बैल...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक व्यक्ति ने अपनी घाटी पर क़ब्ज़ा जमाए बड़े साँप (जो ऊँट की तरह दहाड़ता और बैल की तरह डकारता था) और अपने सूखे खजूर के पेड़ की शिकायत की, तो आप वहाँ गए; साँप आप को देखकर रुक गया और सलाम किया; आप ने खजूर के पेड़ पर हाथ रखकर दुआ की: “बिस्मिल्लाहिल्लज़ी क़द्दरा फ़-हदा”, तो पेड़ ऊँचा होकर फल देने लगा और उसकी जड़ से पानी फूट पड़ा (अम्र बिन मुन्तशिर की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 391 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 5: hayvanların itaati ve konuşması)

1479. शादी के भोजन के लिए ज़बह किया जाने वाला ऊँट आकर रोने लगा; आप ने फ़रमाया: “यह कह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शादी के भोजन के लिए ज़बह किया जाने वाला ऊँट आकर रोने लगा; आप ने फ़रमाया: “यह कह रहा है: छोटेपन में तुमने पाला, बड़ा होने पर काम लिया, और अब ज़बह करना चाहते हो”, और ऊँट को उसके मालिकों से ले लिया (ख़रीदकर आज़ाद कर दिया); बाद में वह ऊँट अंसार के घरों में भिखारी की तरह घूमता और दीवारों से सिर टिकाता; लड़कियाँ उसके लिए चारा इकट्ठा करतीं और कहतीं: “यह अल्लाह के रसूल का आज़ाद किया हुआ है”, और ऊँट मोटा-ताज़ा हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 401, 412 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 5: hayvanların itaati ve konuşması)

1480. हठ में प्रश्न पूछने आए दस यहूदियों से पहले आए एक यात्री बद्दू ने गवाह माँगा, तो...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

हठ में प्रश्न पूछने आए दस यहूदियों से पहले आए एक यात्री बद्दू ने गवाह माँगा, तो आप ने अली को बुलाकर उनकी प्रशंसा की (आदम का प्रताप, शीस की हिकमत, इदरीस की बुद्धि, नूह की कृतज्ञता, इब्राहीम की वफ़ादारी, मूसा का शत्रुओं से द्वेष, ईसा का मोमिनों से प्रेम), और बद्दू के थैले में रखी गोह से गवाही माँगी; जिस गोह के बारे में आप ने कहा था “भागेगी नहीं”, वह ज़मीन पर रखी जाते ही आप की ओर मुड़ी, अपना चेहरा मिट्टी पर रगड़कर कलिमा-ए-तौहीद की, आप के नबियों के सरदार और अंतिम नबी होने की, और अली की श्रेष्ठता की गवाही दी; बद्दू और दसों यहूदी ईमान ले आए, और आप ने “मोमिन पशु को बंदी नहीं बनाया जाता” कहकर गोह को छुड़वा दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 418-421 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 5: hayvanların itaati ve konuşması)

1481. छोड़ी गई गोह ने ग़रीब बद्दू को ख़बर दी कि वह उस बिल पर जाए जहाँ वह पकड़ी गई थी...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

छोड़ी गई गोह ने ग़रीब बद्दू को ख़बर दी कि वह उस बिल पर जाए जहाँ वह पकड़ी गई थी, वहाँ उसे दस हज़ार दीनार (और तीन लाख दिरहम) मिलेंगे; यह सुनकर ख़ज़ाना लेने दौड़े मुनाफ़िक़ों को बिल से निकले एक बड़े साँप ने डसकर मार डाला, और उसी साँप ने बद्दू को ख़ज़ाना ढोने में सहायता की और उसके घर पहुँचने तक उसकी रखवाली की।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 420-421 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 5: hayvanların itaati ve konuşması)

33 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: शिफ़ा (रोग-मुक्ति) के मोजिज़े

1482. याला बिन मुर्रा द्वारा बताई गई यात्रा में एक स्त्री अपने पागलपन के दौरे वाले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

याला बिन मुर्रा द्वारा बताई गई यात्रा में एक स्त्री अपने पागलपन के दौरे वाले बच्चे को लाई; आप ने उसके मुँह में फूँककर कहा: “निकल, ऐ अल्लाह के शत्रु, मैं अल्लाह का रसूल हूँ”, और बच्चा ठीक हो गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.76; 1000 Mucize no.36 (s.48); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14156-14162, 14168-14169; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.22-24; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 62; ayrıca: Tabersî, el-İhticâc, c. 1, s. 332; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 146-148, 459; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 351; IslamHouse, The Miracles of Muhammad

1483. एक स्त्री अपने पागल बेटे को लाई; आप ने उसके सीने पर हाथ फेरकर दुआ की; बच्चे ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक स्त्री अपने पागल बेटे को लाई; आप ने उसके सीने पर हाथ फेरकर दुआ की; बच्चे ने उल्टी की, उसके भीतर से कोई काली चीज़ निकली और वह ठीक हो गया (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.651; 19. Mektup listesi (183.txt) no.178; 1000 Mucize no.120 (s.97); web: Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 19; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb minhu fî tâatihim, no 14146-14147; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 8. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 116-117; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 193, 459; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 351; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 10; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 49

1484. मिर्गी के दौरों पर धैर्य रखना चुनने वाली काली स्त्री (उम्मे ज़ुफ़र) को आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मिर्गी के दौरों पर धैर्य रखना चुनने वाली काली स्त्री (उम्मे ज़ुफ़र) को आप ने जन्नत का शुभ समाचार दिया, और उसका सतर न खुलने के लिए दुआ की।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.77; 1000 Mucize no.317 (s.295); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 293; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 193-194, 460; Kütüb-i Sitte: Buhârî ve Müslim [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3237]

1485. एक अंधे व्यक्ति को आप की सिखाई दुआ से उसकी आँखें खुल गईं (उस्मान बिन हुनैफ़ की रिवायत)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक अंधे व्यक्ति को आप की सिखाई दुआ से उसकी आँखें खुल गईं (उस्मान बिन हुनैफ़ की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत İbn Kesîr s.78; 19. Mektup listesi (183.txt) no.176; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 3. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the

wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 347 bâbı); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 195-196, 463; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 13; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 55; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 65, no. 44/11; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Daavât 119 (3578); İbn Mâce, İkāme 189 (1385)

1486. आँखों में सफ़ेदी आ जाने से बिल्कुल न देख पाने वाले फ़ुदैक की आँखों में आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आँखों में सफ़ेदी आ जाने से बिल्कुल न देख पाने वाले फ़ुदैक की आँखों में आप ने फूँका, तो वे देखने लगे; 80 वर्ष की आयु में भी वे सुई में धागा पिरो लेते थे।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.52; 1000 Mucize no.236 (s.208), no.315 (s.293), no.944 (s.773); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14100; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 115; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 197, 465

1487. बचपन में खौलती हाँडी से जिन मुहम्मद बिन हातिब की बाँह जल गई थी, उनकी बाँह पर आप...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बचपन में खौलती हाँडी से जिन मुहम्मद बिन हातिब की बाँह जल गई थी, उनकी बाँह पर आप ने फूँककर दुआ की, और वह ठीक हो गई।

लगभग हिजरी 7

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.640; 19. Mektup listesi (183.txt) no.179; 1000 Mucize no.288 (s.267); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 8. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 115; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 197, 465; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 39; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 101; Kütüb-i Sitte: Nesâî, es-Sünenü'l-kübrâ (satırdaki atıf)

1488. बेहोश हुए जाबिर पर आप ने वुज़ू का पानी छिड़का, तो वे होश में आ गए

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बेहोश हुए जाबिर पर आप ने वुज़ू का पानी छिड़का, तो वे होश में आ गए।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.628; 1000 Mucize no.101 (s.77), no.290 (s.268); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 118; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 39; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 101; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (Câbir) — satırdaki atıf

---

1489. ख़सअम की एक स्त्री का न बोल पाने वाला/विपदाग्रस्त बच्चा आप के हाथ-मुँह धोए पानी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़सअम की एक स्त्री का न बोल पाने वाला/विपदाग्रस्त बच्चा आप के हाथ-मुँह धोए पानी को पीकर ठीक हो गया और समझदार बन गया।

हिजरी 10 (हज्जतुल विदा)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.518; 19. Mektup listesi (183.txt) no.54, 57, 177; 1000 Mucize no.161 (s.139), no.354 (s.344); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14151; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13.

İşaret, 8. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 64; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce, Tıb 40 (3532) — satırdaki atıf

---

1490. यमामा का एक नवजात शिशु बोल उठा: “आप अल्लाह के रसूल हैं” (मुबारकुल यमामा)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यमामा का एक नवजात शिशु बोल उठा: “आप अल्लाह के रसूल हैं” (मुबारकुल यमामा)।

हिजरी 10 (हज्जतुल विदा)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.518; 19. Mektup listesi (183.txt) no.53; 1000 Mucize no.314 (s.292); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.59-60; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 8. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 20. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 64; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 190-191; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 391; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 118; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 74, no. 57/4

1491. शुरहबील जुअफ़ी की हथेली की गाँठ आप के फूँकने और हाथ फेरने से ग़ायब हो गई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शुरहबील जुअफ़ी की हथेली की गाँठ आप के फूँकने और हाथ फेरने से ग़ायब हो गई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत 1000 Mucize no.277 (s.255), no.941 (s.772); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü'ş-şifâ mine's-sil'a, no 14101; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 7. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 116; ayrıca: İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 63-64, hadis no. 38/5; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 197

1492. आप ने जिन सहाबी (क़तादा बिन मिल्हान) के चेहरे पर हाथ फेरा, उनका चेहरा आईने की तरह चमकने लगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने जिन सहाबी (क़तादा बिन मिल्हान) के चेहरे पर हाथ फेरा, उनका चेहरा आईने की तरह चमकने लगा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.181; 1000 Mucize no.242 (s.212); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 592; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 140 bâbı); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 205; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 97, hadis no. 86/1

1493. बुख़ार आप के सामने आकर अनुमति माँगने लगा; आप ने उसे क़ुबा वालों के पास भेज दिया

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बुख़ार आप के सामने आकर अनुमति माँगने लगा; आप ने उसे क़ुबा वालों के पास भेज दिया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.624; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 145-146; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 194-195

1494. शिफ़ा के लिए आप की पढ़ी दुआओं से रोगी ठीक हुए (बैहक़ी का सामान्य अध्याय)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

शिफ़ा के लिए आप की पढ़ी दुआओं से रोगी ठीक हुए (बैहक़ी का सामान्य अध्याय)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.631; 19. Mektup listesi (183.txt) no.145

1495. अंसार की एक बूढ़ी और अंधी स्त्री का मरा हुआ बेटा उस स्त्री की दुआ से ज़िंदा हो गया (अनस की रिवायत)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंसार की एक बूढ़ी और अंधी स्त्री का मरा हुआ बेटा उस स्त्री की दुआ से ज़िंदा हो गया (अनस की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.506; İbn Kesîr s.75; web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.50-52; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 20. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning Resurrected Corpses"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 111; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 182-183, 386-387, 456-457; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 9; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 45

1496. सूरह फ़ातिहा से रुक़्या (झाड़-फूँक) किए गए क़बीले के सरदार ठीक हो गए, और आप ने इसका अनुमोदन किया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह फ़ातिहा से रुक़्या (झाड़-फूँक) किए गए क़बीले के सरदार ठीक हो गए, और आप ने इसका अनुमोदन किया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – शिफ़ा के मोजिज़े

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.408; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 299; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Tıbb 39, 33, İcâre 16, Fedâilu'l-Kur'an 9; Müslim, Selam 66, (2201); Ebu Dâvud, Tıbb 19, (3900); Tirmizî, Tıbb 20, (2064, 2065) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4033, c./s. 11/346]

1497. रात को प्यास लगने पर घर के कोने में रखे बर्तन से अनजाने में आप का मूत्र पी लेने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

रात को प्यास लगने पर घर के कोने में रखे बर्तन से अनजाने में आप का मूत्र पी लेने वाली उम्मे ऐमन से आप ने कहा: “अब तुम्हारे पेट में कभी दर्द नहीं होगा”, और उम्मे ऐमन को फिर कभी पेट-दर्द नहीं हुआ।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.106 (s.82); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14014-14015; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 122; c. 2, s. 441 kısmı); ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 109

1498. नहाते समय आमिर बिन रबीआ की नज़र लगने से ज़मीन पर गिर पड़े सहल बिन हुनैफ़ के लिए...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

नहाते समय आमिर बिन रबीआ की नज़र लगने से ज़मीन पर गिर पड़े सहल बिन हुनैफ़ के लिए आप ने आमिर को डाँटकर स्नान करने का आदेश दिया; आमिर ने अपना चेहरा, हाथ, कोहनियाँ, घुटने और पैरों के सिरे जिस पानी से धोए, वह सहल पर डाला गया तो वे बिल्कुल स्वस्थ होकर उठ खड़े हुए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.216 (s.196)

1499. आँखों के दर्द की शिकायत करके दुआ कर रहे अली को आप ने पैर से छूकर कहा: “ऐ...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आँखों के दर्द की शिकायत करके दुआ कर रहे अली को आप ने पैर से छूकर कहा: “ऐ अल्लाह, इसे शिफ़ा दे”; अली को फिर कभी आँखों का दर्द नहीं हुआ।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.357 (s.346); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 6. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 279; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 10; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 49; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Daavât 112 (3564) — satırdaki atıf

---

1500. एक बद्दू अपने पागल भाई को लाया, तो आप ने सूरह फ़ातिहा, सूरह अल-बक़रह के आरंभ और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक बद्दू अपने पागल भाई को लाया, तो आप ने सूरह फ़ातिहा, सूरह अल-बक़रह के आरंभ और अंत, आयतुल कुर्सी, सूरह अल-इख़लास और मुअव्विज़तैन जैसी आयतों और सूरतों से उस पर रुक़्या किया, और वह व्यक्ति ऐसे उठ खड़ा हुआ मानो उसे कभी कुछ हुआ ही न हो।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.921 (s.758); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 123-124); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 3549 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7056]

1501. सिर और चेहरे पर खसरा (फुंसियाँ) निकलने वाली अस्मा बिंत अबी बक्र की दुखती जगह पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सिर और चेहरे पर खसरा (फुंसियाँ) निकलने वाली अस्मा बिंत अबी बक्र की दुखती जगह पर आप ने कपड़े के ऊपर से हाथ रखकर तीन बार दुआ की: “बिस्मिल्लाह, नबी की दुआ से इसका रोग दूर कर दे”, और रोग ठीक हो गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.940 (s.771); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 116

1502. एक पैर से लँगड़ा होने की बात कहने वाले साबित बिन यज़ीद के लिए आप ने दुआ की, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक पैर से लँगड़ा होने की बात कहने वाले साबित बिन यज़ीद के लिए आप ने दुआ की, और उनका पैर ठीक होकर सामान्य हो गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.954 (s.777); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 283

1503. बड़ा होने पर भी कभी न बोलने वाले एक गूँगे बच्चे से आप ने पूछा: “मैं कौन हूँ?”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बड़ा होने पर भी कभी न बोलने वाले एक गूँगे बच्चे से आप ने पूछा: “मैं कौन हूँ?”; बच्चे ने कहा: “आप अल्लाह के रसूल हैं”, और बोलने लगा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 8. misal (4. çocuk) (s. 207)

1504. सिर में गंजेपन (रोग) वाले एक बच्चे के सिर पर आप ने हाथ फेरा; बच्चा ठीक हो गया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सिर में गंजेपन (रोग) वाले एक बच्चे के सिर पर आप ने हाथ फेरा; बच्चा ठीक हो गया और उसके बाल ठीक हो गए।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1505. इसी तरह की बात मुहल्लब बिन क़बाला के बारे में और बहुत-से बच्चों, रोगियों और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इसी तरह की बात मुहल्लब बिन क़बाला के बारे में और बहुत-से बच्चों, रोगियों और पागलों के बारे में रिवायत की गई है: आप के छूने से उन्हें शिफ़ा मिली।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1506. जिसके अंडकोष में हर्निया (उद्रा) था, ऐसा एक व्यक्ति आया; आप ने आदेश दिया कि जिस...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिसके अंडकोष में हर्निया (उद्रा) था, ऐसा एक व्यक्ति आया; आप ने आदेश दिया कि जिस सोते में आप ने थूका था, उससे पानी लेकर अपने ऊपर छिड़के; उसने ऐसा किया और ठीक हो गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1507. जाबिर द्वारा बताई गई उसी यात्रा में एक गाँव में जिन्न-ग्रस्त एक सुंदर लड़की लाई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जाबिर द्वारा बताई गई उसी यात्रा में एक गाँव में जिन्न-ग्रस्त एक सुंदर लड़की लाई गई; आप के “मैं अल्लाह का रसूल मुहम्मद हूँ, इसे छोड़ दे” कहते ही जिन्न निकल गया और लड़की ठीक हो गई।

मदनी दौर, एक अभियान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 51, Cin heyetleri bâbı

1508. जिन अम्र बिन मुआज़ का पैर कट गया (घायल हो गया) था, उनके पैर पर आप के थूकने से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जिन अम्र बिन मुआज़ का पैर कट गया (घायल हो गया) था, उनके पैर पर आप के थूकने से वे ठीक हो गए (बुरैदा बिन हुसैब की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित (मदनी दौर)

स्रोत A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 594

1509. ग़ैलान बिन सलमा द्वारा बताई गई यात्रा में एक स्त्री अपने बहुत प्यारे, भयंकर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ग़ैलान बिन सलमा द्वारा बताई गई यात्रा में एक स्त्री अपने बहुत प्यारे, भयंकर पागलपन में पड़े बेटे को लाई; आप ने तीन बार कहा: "बिस्मिल्लाह, मैं अल्लाह का रसूल हूँ; निकल, ऐ अल्लाह के शत्रु", और फ़रमाया: "अपने बेटे को ले जाओ, अल्लाह के आदेश से अब उसे कुछ नहीं है।"

एक अभियान के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 63 (Veda Haccı'nda vuku bulan mucizeler)

1510. पैर में ऐसे घाव वाले व्यक्ति के लिए, जिसका इलाज चिकित्सक न कर सके थे, आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पैर में ऐसे घाव वाले व्यक्ति के लिए, जिसका इलाज चिकित्सक न कर सके थे, आप ने अपनी उँगली पर थूक लेकर मिट्टी से लगाया और घाव पर रखा, और दुआ की: "बिस्मिल्लाह; हमारी धरती की मिट्टी, हम में से किसी के थूक के साथ, हमारे रब के आदेश से हमारे रोगी को शिफ़ा देती है"; घाव ठीक हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 115 (Hayvan türlerindeki mucizeleri ana başlığı altında: hastaları ve sakatları iyileştirmesine dair rivayetler)

1511. जिन अबयज़ बिन हम्माल के चेहरे की दाद (क़ूबा) ने नाक तक घेर लिया था, उनके चेहरे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिन अबयज़ बिन हम्माल के चेहरे की दाद (क़ूबा) ने नाक तक घेर लिया था, उनके चेहरे पर आप ने हाथ फेरा, और उस दिन के बाद रोग का कोई निशान नहीं रहा।

मदनी दौर (लगभग हिजरी 10, मारिब का वफ़्द), तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 116 (Hayvan türlerindeki mucizeleri ana başlığı altında: hastaları ve sakatları iyileştirmesine dair rivayetler)

1512. गर्दन में सूजन (गाँठ) निकलने वाली अस्मा बिंत अबी बक्र की गर्दन पर आप ने हाथ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

गर्दन में सूजन (गाँठ) निकलने वाली अस्मा बिंत अबी बक्र की गर्दन पर आप ने हाथ फेरकर दुआ की: "ऐ अल्लाह, इसे इसकी बुराई और कष्ट से सुरक्षित रख।"

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 116 (Hayvan türlerindeki mucizeleri ana başlığı altında: hastaları ve sakatları iyileştirmesine dair rivayetler)

1513. एक स्त्री अपने उस बेटे को लाई जो बीमारी से निढाल था और (दर्द के कारण) जिसकी मौत...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक स्त्री अपने उस बेटे को लाई जो बीमारी से निढाल था और (दर्द के कारण) जिसकी मौत की वह कामना करती थी; आप की दुआ से बच्चा ठीक हुआ, बड़ा होकर अल्लाह के रास्ते में शहीद हुआ।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 117 (Hayvan türlerindeki mucizeleri ana başlığı altında: hastaları ve sakatları iyileştirmesine dair rivayetler)

1514. एक वर्ष से पेट-दर्द से पीड़ित रिफ़ाआ बिन राफ़ेअ के पेट पर आप ने हाथ फेरा और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक वर्ष से पेट-दर्द से पीड़ित रिफ़ाआ बिन राफ़ेअ के पेट पर आप ने हाथ फेरा और दर्द चला गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 117 (Hayvan türlerindeki mucizeleri ana başlığı altında: hastaları ve sakatları iyileştirmesine dair rivayetler)

1515. दायाँ हाथ ख़राब होने के कारण बाएँ हाथ से खाना खाने वाले जरहद के हाथ पर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दायाँ हाथ ख़राब होने के कारण बाएँ हाथ से खाना खाने वाले जरहद के हाथ पर आप ने फूँका, और जरहद ने मरते दम तक फिर कभी उस हाथ की शिकायत नहीं की।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 117 (Hayvan türlerindeki mucizeleri ana başlığı altında: hastaları ve sakatları iyileştirmesine dair rivayetler)

1516. लाए गए एक पागल व्यक्ति के चेहरे पर आप ने हाथ फेरकर दुआ की, और उसकी बुद्धि लौट आई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

लाए गए एक पागल व्यक्ति के चेहरे पर आप ने हाथ फेरकर दुआ की, और उसकी बुद्धि लौट आई।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 117 (Hayvan türlerindeki mucizeleri ana başlığı altında: hastaları ve sakatları iyileştirmesine dair rivayetler)

1517. जिसकी बेटी का रिश्ता आप ने माँगा था, उस हारिस (सारांश में: हारिसा बिन अबी...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिसकी बेटी का रिश्ता आप ने माँगा था, उस हारिस (सारांश में: हारिसा बिन अबी हारिसा) ने बेटी को न देने के लिए झूठ कहा: “उसमें एक रोग (सफ़ेद दाग़) है”; घर लौटने पर उसने अपनी बेटी को सचमुच सफ़ेद दाग़ (बरस) के रोग में पाया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 133 (Türlerine göre mucizeler bölümü (alt bâb başlığı özetten alınamadı))

1518. ख़ारिजा बिन सल्त के चाचा ने ज़ंजीरों में बँधे एक पागल पर तीन दिन सुबह-शाम सूरह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ारिजा बिन सल्त के चाचा ने ज़ंजीरों में बँधे एक पागल पर तीन दिन सुबह-शाम सूरह फ़ातिहा पढ़कर फूँका, तो वह व्यक्ति ऐसे ठीक हो गया मानो बंधन से छूट गया हो; आप ने उन्हें दी गई सौ भेड़ें लेने की अनुमति दी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 299 (humma rukyesi, borç duası, cin rukyesi ve diğer öğrettiği dualar)

1519. कोढ़ से जिसके शरीर का मांस झड़ रहा था, जुहैना के उस व्यक्ति को आप ने एक प्याला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कोढ़ से जिसके शरीर का मांस झड़ रहा था, जुहैना के उस व्यक्ति को आप ने एक प्याला पानी दिया जिसमें आप ने थूका था, और कहा: “इसे अपने शरीर पर मलो”; वह व्यक्ति ऐसे ठीक हुआ कि कोई निशान न रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 36 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1520. सफ़ेद दाग़ (बरस) के रोग के साथ आए क़ैस लख़्मी पर आप के थूकने से वे ठीक हो गए

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सफ़ेद दाग़ (बरस) के रोग के साथ आए क़ैस लख़्मी पर आप के थूकने से वे ठीक हो गए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 101 (fasl fî mu'cizât ef'âlihî)

1521. “इब्राहीम ख़लील बने, मूसा कलीम बने, ईसा ने मुर्दों को ज़िंदा किया; आप ने कब...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“इब्राहीम ख़लील बने, मूसा कलीम बने, ईसा ने मुर्दों को ज़िंदा किया; आप ने कब मुर्दा ज़िंदा किया?” कहने वाले तीन लोगों के लिए आप ने अली से फ़रमाया: “उठो, मेरी क़मीज़ पहनो, इन्हें यूसुफ़ बिन कअब की क़ब्र पर ले जाओ और अल्लाह के आदेश से उसे ज़िंदा करो”; अली ने बक़ीअ में एक उजड़ी क़ब्र पर पैर मारकर कहा: “उठ, मुर्दों को ज़िंदा करने वाले अल्लाह के आदेश से”, तो एक बूढ़ा अपने सिर और दाढ़ी से मिट्टी झाड़ता हुआ निकला और बोला: “क्या ईमान के बाद कुफ़्र? मैं यूसुफ़ बिन कअब हूँ, अल्लाह ने मुझे तीन सौ वर्ष पहले मृत्यु दी थी” (उम्मे सलमा की रिवायत; लेखक बताता है कि उसने हदीस को संक्षिप्त किया है)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 95, hadis no. 85/3 (bâb 1, fasıl 12: ölülerin diriltilmesi)

1522. सफ़ेद दाग़ (बरस) के रोग से पीड़ित एक बद्दू पर आप के थूकने से वह व्यक्ति बिल्कुल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सफ़ेद दाग़ (बरस) के रोग से पीड़ित एक बद्दू पर आप के थूकने से वह व्यक्ति बिल्कुल स्वस्थ होकर उठ खड़ा हुआ।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Tabersî, el-İhticâc (thk. M. Bâkır el-Hursân, Necef: Matbaatü'n-Nu'mân 1386/1966), c. 1, s. 332 (İhticâcü Emîri'l-mü'minîn ale'l-Yehûd min ahbârihim... fî mu'cizâti'n-Nebî)

1523. आँखें खुलने के लिए दुआ माँगने वाले एक अंधे व्यक्ति के लिए आप की दुआ से उसकी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आँखें खुलने के लिए दुआ माँगने वाले एक अंधे व्यक्ति के लिए आप की दुआ से उसकी आँखें खुल गईं; इसी माँग के साथ आए दूसरे अंधे व्यक्ति को आप ने विकल्प दिया: “जन्नत चाहिए या आँखें खुलना?”, और उसने जन्नत चुनी।

तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 63, no. 37/4 (fasl: ibrâü'l-merdâ ve'l-a'zâ)

1524. बीमारी से पंख झड़े पक्षी के बच्चे जैसे हो गए एक सहाबी को देखने जाकर आप ने पूछा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बीमारी से पंख झड़े पक्षी के बच्चे जैसे हो गए एक सहाबी को देखने जाकर आप ने पूछा कि वे स्वस्थ होने पर कैसी दुआ करते थे; यह जानकर कि वे कहते थे: “आख़िरत में जो सज़ा देनी है, वह दुनिया में ही दे दे”, आप ने उन्हें यह दुआ सिखाई: “रब्बना आतिना फ़िद्दुनिया हसनह...”, और वह व्यक्ति ऐसे उठ खड़ा हुआ मानो बंधन से छूट गया हो।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 64, no. 39/6 (fasl: ibrâü'l-merdâ ve'l-a'zâ)

1525. कोढ़ की शिकायत करने वाले तुफ़ैल आमिरी को आप ने थूका हुआ पानी देकर नहाने को कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कोढ़ की शिकायत करने वाले तुफ़ैल आमिरी को आप ने थूका हुआ पानी देकर नहाने को कहा, और वे पूरी तरह ठीक हो गए।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 39 (Bâb 7: mübarek uzuvlarının bereketi, yiyecek ve içeceğin çoğalması)

1526. कोढ़ की हालत में आए हस्सान बिन अम्र ख़ुज़ाई के लिए आप ने पानी मँगवाकर उसमें...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कोढ़ की हालत में आए हस्सान बिन अम्र ख़ुज़ाई के लिए आप ने पानी मँगवाकर उसमें थूका और उसे अपने ऊपर डालने को कहा; वे ठीक हो गए और उनकी पूरी क़ौम मुसलमान हो गई।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 39 (Bâb 7: mübarek uzuvlarının bereketi, yiyecek ve içeceğin çoğalması)

1527. जब भी खाना-पानी लेना चाहता, दौरा पड़ने से मरने जैसी हालत में पहुँच जाने वाले एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब भी खाना-पानी लेना चाहता, दौरा पड़ने से मरने जैसी हालत में पहुँच जाने वाले एक जिन्न-ग्रस्त बच्चे से आप ने कहा: “दूर हो, ऐ अल्लाह के शत्रु, मैं अल्लाह का रसूल हूँ”, और शैतान हट गया और बच्चा स्वस्थ होकर उठ खड़ा हुआ।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 294 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1528. आँख में घायल हुए अब्दुल्लाह बिन उनैस की आँख पर आप ने हाथ फेरा, तो वह ऐसी हो गई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आँख में घायल हुए अब्दुल्लाह बिन उनैस की आँख पर आप ने हाथ फेरा, तो वह ऐसी हो गई कि दूसरी आँख से उसका अंतर न किया जा सके।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 295 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

34 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: क़बूल हुई दुआएँ

1529. आप ने अनस बिन मालिक के लिए धन, संतान और आयु में बरकत की दुआ की; अनस सौ वर्ष से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अनस बिन मालिक के लिए धन, संतान और आयु में बरकत की दुआ की; अनस सौ वर्ष से अधिक जीवित रहे और सौ से अधिक पोते-पोतियाँ देखीं।

दुआ: हिजरी 1–2; पूर्ति: हिजरी 93 तक

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.659; İbn Kesîr s.86; 1000 Mucize no.121 (s.98); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 286; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 204; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 354; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 10; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 50; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Hz. Enes'e Mal Ve Evlat İçin Yaptığı Dua" (kitabın dipnotu: Zehebî, Siyeru a'lâmi'n-nübelâ, c:3, s:266-267; Müslim, Sahih, c:4, s:1929); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Da'avât 19, 26, 47, Savm 61; Müslim, Mesâcid 268, (660), Fezâilu's-Sahâbe 141, 142, (2480, 2481); Tirmizî, Menakıb, (3827, 3828) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4466, c./s. 13/12-13]

1530. आप ने इब्ने अब्बास के लिए दुआ की: "ऐ अल्लाह, इसे दीन की समझ दे और इसे (क़ुरआन...)"

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने इब्ने अब्बास के लिए दुआ की: "ऐ अल्लाह, इसे दीन की समझ दे और इसे (क़ुरआन की) व्याख्या सिखा", और वे उम्मत के विद्वान बने।

दुआ: हिजरी 8–10; पूर्ति: हिजरी 68 तक

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.658; İbn Kesîr s.85; 1000 Mucize no.128 (s.104); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 285; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 203; Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 18; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 57-58; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 74; Kütüb-i Sitte: Buharî, Fezâil'l-Ashâb 24, İlm 17, Vudû 10, İ'tisam 1; Müslim, Fezâilu's Sahâbe 138, (2477); Tirmizî, Menâkıb, (3823, 3824) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4452, c./s. 12/538]

1531. अबू हुरैरा की फैलाई हुई चादर में आप ने अपने हाथ से मुट्ठी भरकर कुछ रखा; उसके...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू हुरैरा की फैलाई हुई चादर में आप ने अपने हाथ से मुट्ठी भरकर कुछ रखा; उसके बाद वे कोई हदीस नहीं भूले।

हिजरी 7 के बाद

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.665; İbn Kesîr s.82; 1000 Mucize no.110 (s.86); web: Buhârî, Menâkıb, no. 3648; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 589; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 122; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 198; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 312; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 13; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 57; Kütüb-i Sitte: Buhârî, İlim 42; Müslim, Fezâilu's-Sahâbe 159, (2492); Tirmizî, Menâkıb, (3833, 3834) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4472, c./s. 13/20]

1532. आप ने अबू हुरैरा की माँ के लिए हिदायत की दुआ की, और वे उसी दिन मुसलमान हो गईं

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू हुरैरा की माँ के लिए हिदायत की दुआ की, और वे उसी दिन मुसलमान हो गईं।

हिजरी 7 के बाद

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.667; İbn Kesîr s.87; 1000 Mucize no.132 (s.109); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5895; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Yaqeen Institute, "The Physical Miracles of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 287; ayrıca: Elshinawy, The Physical Miracles of the Prophet (Yaqeen); IslamHouse, The Miracles of Muhammad; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ebu Hureyre'nin Anası İçin Hidâyet Duası" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:4, s:938-939); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezailu's-Sahabe 158, (2491) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5600, c./s. 15/456]

1533. आप ने साद बिन अबी वक़्क़ास के लिए दुआ की: "ऐ अल्लाह, जब यह दुआ करे तो क़बूल..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने साद बिन अबी वक़्क़ास के लिए दुआ की: "ऐ अल्लाह, जब यह दुआ करे तो क़बूल कर", और साद क़बूल होने वाली दुआ वाले व्यक्ति के रूप में प्रसिद्ध हुए।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत İbn Kesîr s.83; 1000 Mucize no.118 (s.94); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 280; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 198, 205; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 18; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 74-75; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ensardan Ebu Talha'nın Elinde, Efendimizin yerden alıp Verdiği Ağaç Dalının İyi Bir Ok Olması" (kitabın dipnotu: Vakıdî, Megâzî, c:1, s: 243; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c:3, s:239,346; Hakim, Müstedrek, c:3, s:26); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb 27 (3751) — satırdaki atıf

1534. आप ने अबू तलहा और उनकी पत्नी उम्मे सुलैम के लिए दुआ की: "अल्लाह तुम्हारी रात..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू तलहा और उनकी पत्नी उम्मे सुलैम के लिए दुआ की: "अल्लाह तुम्हारी रात में बरकत दे"; उनके यहाँ पैदा हुए अब्दुल्लाह के नौ बेटे सब हाफ़िज़ हुए।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत İbn Kesîr s.86; 1000 Mucize no.135 (s.114); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 288; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 204; Kütüb-i Sitte: Buhârî [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3241]

1535. आप ने अब्दुर्रहमान बिन औफ़ के लिए बरकत की दुआ की; वे इतने धनी हो गए कि कहते...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुर्रहमान बिन औफ़ के लिए बरकत की दुआ की; वे इतने धनी हो गए कि कहते: "अगर मैं पत्थर उठाऊँ तो उसके नीचे से सोना निकले।"

हिजरी 1

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.680; İbn Kesîr s.89; 1000 Mucize no.119 (s.95); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-

Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 287; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 205

1536. आप ने उरवा बारिक़ी के लिए उनके व्यापार में बरकत की दुआ की; “अगर वे मिट्टी भी ख़रीदते, तो उसमें लाभ कमाते”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उरवा बारिक़ी के लिए उनके व्यापार में बरकत की दुआ की; “अगर वे मिट्टी भी ख़रीदते, तो उसमें लाभ कमाते।”

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.683; İbn Kesîr s.90; 1000 Mucize no.123 (s.99); web: Buhârî, Menâkıb, no. 3642; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 581; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 288; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 206; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 112, hadis no. 108/11; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menâkıb 28 (3642) — satırdaki atıf

---

1537. घमंड में “मैं दाएँ हाथ से नहीं खा सकता” कहने वाले व्यक्ति से आप ने कहा: “तुम न...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

घमंड में “मैं दाएँ हाथ से नहीं खा सकता” कहने वाले व्यक्ति से आप ने कहा: “तुम न खा सको”, और वह फिर कभी अपना हाथ मुँह तक न ले जा सका।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.697; İbn Kesîr s.90; 1000 Mucize no.19 (s.30); web: İbn Hibbân, Sahîh, K. et-Târîh, bâbü'l-mu'cizât, no 6512-6513; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 292; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 210; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 11; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 50; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 72; Kütüb-i Sitte: Müslim, Eşribe 107, (2021) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3875, c./s. 11/102]

1538. आप के पीछे चेहरा टेढ़ा करके आप की नक़ल करने वाले व्यक्ति से आप ने कहा: “ऐसे ही...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के पीछे चेहरा टेढ़ा करके आप की नक़ल करने वाले व्यक्ति से आप ने कहा: “ऐसे ही रह जाओ”, और वह मरते दम तक वैसा ही रहा।

मक्की/मदनी दौर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.697; 1000 Mucize no.295 (s.272); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 132)

1539. मुसलमानों के खाद्य को जमा करके रोकने वालों के लिए आप ने कोढ़ और दिवालिएपन की बद-दुआ की

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमानों के खाद्य को जमा करके रोकने वालों के लिए आप ने कोढ़ और दिवालिएपन की बद-दुआ की।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.706; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 293; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 2155 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6665]

1540. आप ने यमन, शाम (और इराक़) के लोगों के लिए हिदायत और बरकत की दुआ की

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यमन, शाम (और इराक़) के लोगों के लिए हिदायत और बरकत की दुआ की।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.696; 1000 Mucize no.431 (s.424); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 291; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 210; Kütüb-i Sitte: Buhârî (Şam ve Yemen duası) — satırdaki atıf

1541. आप ने क़ुरैश के लिए दुआ की: “तूने उनके पहले लोगों को अज़ाब का मज़ा चखाया, उनके बाद वालों को नेमत का मज़ा चखा”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने क़ुरैश के लिए दुआ की: “तूने उनके पहले लोगों को अज़ाब का मज़ा चखाया, उनके बाद वालों को नेमत का मज़ा चखा।”

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत 1000 Mucize no.964 (s.782); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 290; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 13; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 56; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menakıb, (3904) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4531, c./s. 13/94]

1542. बुलाए जाने पर आने में देर करने वाले मुआविया के लिए आप ने कहा: “अल्लाह इसका पेट...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बुलाए जाने पर आने में देर करने वाले मुआविया के लिए आप ने कहा: “अल्लाह इसका पेट न भरे”, और उनका पेट कभी नहीं भरता था।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत 1000 Mucize no.126 (s.102); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 293; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 211; Kütüb-i Sitte: Müslim, Birr 96, (2604) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4479, c./s. 13/33]

1543. आप ने अबू ज़ैद अंसारी (अम्र बिन अख़तब) के सिर पर हाथ फेरकर दुआ की: “ऐ अल्लाह...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू ज़ैद अंसारी (अम्र बिन अख़तब) के सिर पर हाथ फेरकर दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे सुंदर बना”; सौ वर्ष से अधिक आयु होने पर भी उनके सिर और दाढ़ी के बाल सफ़ेद नहीं हुए।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत İbn Kesîr s.88; 1000 Mucize no.115 (s.92), no.243 (s.213); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 590; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 139 bâbı); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 205; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 354; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 11; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 50; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 74; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menakıb 10, (3633) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5601, c./s. 15/456]

1544. आप ने साइब बिन यज़ीद के सिर पर हाथ फेरकर दुआ की; आप का हाथ जहाँ लगा था, वह जगह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने साइब बिन यज़ीद के सिर पर हाथ फेरकर दुआ की; आप का हाथ जहाँ लगा था, वह जगह बुढ़ापे में भी सफ़ेद नहीं हुई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत İbn Kesîr s.88; 1000 Mucize no.122 (s.99); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 591; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 138 bâbı); c. 2, s. 287; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 205; islamveihsan.com, “Hz. Peygamber'in Mucizeleri”; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 12; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 53; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menâkıb (3540); Müslim (2345) — satırdaki atıf

---

1545. आप ने अम्र बिन सालबा जुहनी के चेहरे पर हाथ फेरा; बूढ़े होने पर भी उनका चेहरा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अम्र बिन सालबा जुहनी के चेहरे पर हाथ फेरा; बूढ़े होने पर भी उनका चेहरा नहीं बदला।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत 1000 Mucize no.240 (s.211); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 139 bâbı)

1546. आप ने कवि नाबिग़ा जअदी के लिए दुआ की: “अल्लाह तुम्हारे मुँह को न बिगाड़े”; सौ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने कवि नाबिग़ा जअदी के लिए दुआ की: “अल्लाह तुम्हारे मुँह को न बिगाड़े”; सौ वर्ष से अधिक आयु होने पर भी उनके दाँत नहीं गिरे।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत 1000 Mucize no.316 (s.293); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 282; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 208-209; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 11, 17; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 51; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 74

1547. आप ने उक्काशा बिन मिहसन को शुभ समाचार दिया: “तुम उन्हीं में से हो” (बिना हिसाब...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उक्काशा बिन मिहसन को शुभ समाचार दिया: “तुम उन्हीं में से हो” (बिना हिसाब जन्नत में जाने वाले सत्तर हज़ार); उक्काशा शहीद हुए।

ख़बर: मदनी दौर; शहादत: हिजरी 11–12 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.128; 1000 Mucize no.369 (s.355); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 268; Kütüb-i Sitte: Müslim, İman, 371, (218) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4034, c./s. 11/350]

1548. आप ने मुहम्मद बिन मसलमा के लिए भलाई की दुआ की और फ़रमाया: “फ़ितना तुम्हें हानि...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने मुहम्मद बिन मसलमा के लिए भलाई की दुआ की और फ़रमाया: “फ़ितना तुम्हें हानि नहीं पहुँचाएगा”; वे फ़ितनों से दूर रहे।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35–43

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.185; 1000 Mucize no.448 (s.442); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 231; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 285-286; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd 4663 — satırdaki atıf

---

1549. जादू और नज़र से बचाव के लिए आप ने जो दुआएँ सिखाईं, उनका असर हुआ

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जादू और नज़र से बचाव के लिए आप ने जो दुआएँ सिखाईं, उनका असर हुआ।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – क़बूल हुई दुआएँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.708

1550. ख़ालिद बिन वलीद अपनी टोपी में आप के बाल (मुबारक बाल) रखते थे, और उनकी बरकत से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ालिद बिन वलीद अपनी टोपी में आप के बाल (मुबारक बाल) रखते थे, और उनकी बरकत से वे जिस भी युद्ध में गए, विजयी हुए।

बाल: हिजरी 10 (हज्जतुल विदा); विजयें: हिजरी 11–21

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.710; 1000 Mucize no.215 (s.196); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 117

1551. लाए गए एक बच्चे के माथे को पकड़कर आप ने बरकत की दुआ की, तो उसके माथे पर घोड़े...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

लाए गए एक बच्चे के माथे को पकड़कर आप ने बरकत की दुआ की, तो उसके माथे पर घोड़े की अयाल जैसे बाल उग आए; बड़ा होकर वह ख़वारिज में शामिल हुआ तो बाल झड़ गए, और समझाने पर उसने तौबा की तो अल्लाह ने बाल लौटा दिए।

दुआ: मदनी दौर; बालों का झड़ना: ख़वारिज का उदय, लगभग हिजरी 37–38 (657–658 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.318 (s.295); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 141-142 bâbı); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 207

1552. आप के पास बैठे एक यहूदी ने, जब आप छींके, कहा: “अल्लाह आप पर रहम करे”; आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के पास बैठे एक यहूदी ने, जब आप छींके, कहा: “अल्लाह आप पर रहम करे”; आप ने उत्तर दिया: “अल्लाह तुम्हें हिदायत दे”, और वह व्यक्ति मुसलमान हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.289 (s.268); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 284

1553. बूढ़े पिता द्वारा लाए गए बच्चे हंज़ला बिन हिज़्यम के सिर पर आप ने हाथ फेरकर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बूढ़े पिता द्वारा लाए गए बच्चे हंज़ला बिन हिज़्यम के सिर पर आप ने हाथ फेरकर कहा: “अल्लाह तुम्हें बरकत दे”; बाद में हंज़ला अपने हाथ पर थूककर “बिस्मिल्लाह, अल्लाह के रसूल के हाथ के निशान के साथ” कहते हुए जिस बीमार भेड़, ऊँट या

मनुष्य पर हाथ फेरते, वह ठीक हो जाता।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.107 (s.83), no.238 (s.210); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 140 bâbı)

1554. आप ने अब्दुल्लाह बिन हिशाम के लिए बरकत की दुआ की; इसी कारण बाज़ार में भोजन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल्लाह बिन हिशाम के लिए बरकत की दुआ की; इसी कारण बाज़ार में भोजन ख़रीदते समय इब्ने ज़ुबैर और इब्ने उमर उनके साझेदार बनना चाहते, और कभी-कभी वे एक ऊँट के बोझ जितना लाभ कमाकर घर भेजते।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.124 (s.100), no.303 (s.281); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 289; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 206; islamveihsan.com, "Hz. Peygamber'in Mucizeleri"; Kütüb-i Sitte: Buhârî [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2301, c./s. 8/176-177]

1555. सजदे में बाल ज़मीन से न लगें, इसलिए उन्हें समेटने वाले एक व्यक्ति के लिए आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सजदे में बाल ज़मीन से न लगें, इसलिए उन्हें समेटने वाले एक व्यक्ति के लिए आप ने कहा: "ऐ अल्लाह, इसके बाल भद्दे कर दे", और उस व्यक्ति के बाल झड़ गए।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.164 (s.143); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 293; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 72; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 10; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 50

1556. व्यभिचार की अनुमति माँगने वाले युवक से आप ने पूछा: "क्या तुम इसे अपनी माँ..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

व्यभिचार की अनुमति माँगने वाले युवक से आप ने पूछा: "क्या तुम इसे अपनी माँ, बेटी, बहन, बुआ या मौसी के लिए पसंद करोगे?", और दुआ की: "ऐ अल्लाह, इसके दिल को पाक कर दे, इसकी पवित्रता की रक्षा कर"; उस क्षण के बाद वह युवक व्यभिचार से सबसे अधिक घृणा करने वाला बन गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.207 (s.187); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 284

1557. आप की दाढ़ी को छूने वाले (आप के पास आए) एक यहूदी के लिए आप ने दुआ की: "ऐ..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की दाढ़ी को छूने वाले (आप के पास आए) एक यहूदी के लिए आप ने दुआ की: "ऐ अल्लाह, इसे सुंदर बना दे", तो उस व्यक्ति की सफ़ेद दाढ़ी/बाल बिल्कुल काले हो गए और वह नब्बे वर्ष तक जवान दिखता रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.217 (s.197)

1558. बेटे की मृत्यु पर “उसे ठंडे पानी से न नहलाना, तुम उसे मार डालोगे” कहने वाली...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बेटे की मृत्यु पर “उसे ठंडे पानी से न नहलाना, तुम उसे मार डालोगे” कहने वाली उम्मे क़ैस की बात जब उक्काशा बिन मिहसन ने बताई, तो आप मुस्कुराए और कहा: “उसकी आयु लंबी हो”, और उम्मे क़ैस बहुत लंबी आयु पाने वाली एकमात्र स्त्री बनीं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.224 (s.201), no.969 (s.785); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 294; Kütüb-i Sitte: Nesâî [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3810]

1559. तीन अलग-अलग ग़ज़वों की घोषणा पर शहादत की दुआ माँगने वाले अबू उमामा के लिए आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तीन अलग-अलग ग़ज़वों की घोषणा पर शहादत की दुआ माँगने वाले अबू उमामा के लिए आप ने हर बार दुआ की: “ऐ अल्लाह, इन्हें सलामती और ग़नीमत दे”, और वे हर बार सकुशल ग़नीमत के साथ लौटे; फिर आप ने उन्हें रोज़ा और अधिक सजदों की सलाह दी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.235 (s.207), no.953 (s.777); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 291; Kütüb-i Sitte (kısmen): Nesâî — yalnız oruç tavsiyesi kısmı [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3110, c./s. 9/425]

1560. भूख से पीले पड़े चेहरे के साथ आई फ़ातिमा के सीने पर आप ने हाथ रखकर दुआ की: “ऐ...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

भूख से पीले पड़े चेहरे के साथ आई फ़ातिमा के सीने पर आप ने हाथ रखकर दुआ की: “ऐ भूखों का पेट भरने वाले अल्लाह, मुहम्मद की बेटी फ़ातिमा को भूखा न रख”, तो उनके चेहरे पर ख़ून लौट आया, और फ़ातिमा ने बताया कि फिर उन्हें कभी भूख महसूस नहीं हुई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.245 (s.215); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 119; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 52

1561. बहुत ठंडी सुबह बिलाल के दो बार अज़ान देने पर भी कोई मस्जिद नहीं आया, तो आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बहुत ठंडी सुबह बिलाल के दो बार अज़ान देने पर भी कोई मस्जिद नहीं आया, तो आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इनसे ठंड दूर कर दे”, और बिलाल ने लोगों को सुबह के समय गर्मी से पंखा झलते देखा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.248 (s.218); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 121); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 206; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 355

1562. क़िरअत में मतभेद करने वाले दो लोगों से आप ने दोनों को “तुमने अच्छा पढ़ा” कहा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़िरअत में मतभेद करने वाले दो लोगों से आप ने दोनों को “तुमने अच्छा पढ़ा” कहा, तो उबई बिन कअब के मन में संदेह आया; आप ने उनके सीने पर हाथ मारकर दुआ की: “ऐ अल्लाह, इससे शैतान का वसवसा दूर कर दे”; उबई पसीने से तर हो गए और उनका संदेह दूर हो गया, और आप ने बताया कि क़ुरआन सात हरफ़ों (पढ़ने के ढंगों) पर उतरा है।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.287 (s.266), no.955 (s.778); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 285; c. 2, s. 387; Kütüb-i Sitte: Müslim — satırdaki atıf

---

1563. किसी जगह भेजे गए व्यक्ति ने आप के नाम पर झूठ बोला, तो आप ने उसके लिए बद-दुआ की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

किसी जगह भेजे गए व्यक्ति ने आप के नाम पर झूठ बोला, तो आप ने उसके लिए बद-दुआ की; वह व्यक्ति पेट फटी हालत में मरा और ज़मीन ने उसकी लाश स्वीकार नहीं की।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.294 (s.272); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 130

1564. आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मेरी उम्मत को उसके सुबह के समय में बरकत दे”, और...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मेरी उम्मत को उसके सुबह के समय में बरकत दे”, और सरिय्यों को सुबह-सवेरे भेजते थे; व्यापारी सख़्र ग़ामिदी भी अपने ग़ुलामों को सुबह-सवेरे व्यापार के लिए भेजते और इतने धनी हो गए कि अपना माल रखने की जगह न मिलती।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.304 (s.281); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 291; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 2238; Ebû Dâvûd, Cihâd — satırdaki atıf [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6685, c./s. 17/256]

1565. उमर के साथ चलते समय आप ने अपने पति की शिकायत करने वाली और उससे घृणा की बात कहने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उमर के साथ चलते समय आप ने अपने पति की शिकायत करने वाली और उससे घृणा की बात कहने वाली स्त्री और उसके पति के माथे आपस में मिलाकर दुआ की: “ऐ अल्लाह, इनके बीच मेल करा दे, इन्हें एक-दूसरे का प्रिय बना दे”; बाद में बाज़ार में मिलने पर उस स्त्री ने कहा: “मुझे उनसे प्रिय कोई नहीं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.319 (s.296); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb min bereketi duâihî, no 13999; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 291; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 206-207; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 11, 17; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 51-52; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 73

1566. आप को दूध पिलाने वाले अम्र बिन हमिक़ के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे जवान...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप को दूध पिलाने वाले अम्र बिन हमिक़ के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे जवान रख”; अम्र अस्सी वर्ष के हो गए, फिर भी उनके बालों में एक भी सफ़ेद बाल नहीं था।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.358 (s.347); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 283; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 12, 17; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 52; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 74

1567. मुआविया बिन हैदा क़ुशैरी आप के पास आए, तो आप ने कहा: “मैंने अल्लाह से माँगा था...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुआविया बिन हैदा क़ुशैरी आप के पास आए, तो आप ने कहा: “मैंने अल्लाह से माँगा था कि वह तुम्हें अकाल में और तुम्हारे दिलों को भय में डाल दे”; मुआविया ने भी स्वीकार किया कि ईमान न लाने की क़सम खाने के बावजूद अकाल और भय ने आप के सामने आने तक उनका पीछा नहीं छोड़ा।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.381 (s.369), no.974 (s.788); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 43, Muâviye b. Hayde'nin gelişi bâbı

1568. आप ने मुआविया के लिए दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे किताब और हिसाब सिखा, इसे धरती में...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने मुआविया के लिए दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे किताब और हिसाब सिखा, इसे धरती में स्थापित कर, इसे अज़ाब से बचा; इसे हिदायत देने वाला और हिदायत पाया हुआ बना”; मुआविया की गवर्नरी और ख़िलाफ़त में साइप्रस और रोड्स जीते गए और इस्लामी भूमि का विस्तार हुआ।

दुआ: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: मुआविया की गवर्नरी और ख़िलाफ़त (लगभग हिजरी 18–60 / 639–680 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.464 (s.457); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb, (3841) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4480, c./s. 13/33]

1569. बाएँ हाथ से खाते देखी गई सुबैआ असलमिय्या के लिए आप ने कहा: “इसे ग़ज़्ज़ा का रोग...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बाएँ हाथ से खाते देखी गई सुबैआ असलमिय्या के लिए आप ने कहा: “इसे ग़ज़्ज़ा का रोग पकड़े”; वह स्त्री ग़ज़्ज़ा से गुज़रते हुए बीमार पड़ी और वहीं मर गई।

कथन: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.874 (PDF s.736); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 292; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd — satırdaki atıf (doğrulanamadı)

1570. जिसके बारे में आप ने पूछा था, उस क़ैस नाम के व्यक्ति के लिए आप ने कहा: “वह कहीं...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिसके बारे में आप ने पूछा था, उस क़ैस नाम के व्यक्ति के लिए आप ने कहा: “वह कहीं टिक नहीं पाएगा”, और वह व्यक्ति जिस जगह भी जाता, तुरंत वहाँ से निकल जाता।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.875 (PDF s.736); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 292; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd (listedeki kaynağa göre; künye yok)

1571. कुछ बेचते हुए अब्दुल्लाह बिन जाफ़र के पास से आप गुज़रे, तो दुआ की: “ऐ अल्लाह...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

कुछ बेचते हुए अब्दुल्लाह बिन जाफ़र के पास से आप गुज़रे, तो दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसके व्यापार में बरकत दे”, और वे अपने व्यापार में सदा लाभ में रहे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.949 (s.775); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Questions on Islam, "The miracles occurring upon the prayer of the prophet Muhammad"; Beyhakî, Delâil, 6/221; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 288; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 17-18; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 74

1572. क़ुर्बानी का पशु ख़रीदने के लिए आप ने हकीम बिन हिज़ाम को एक दीनार दिया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ुर्बानी का पशु ख़रीदने के लिए आप ने हकीम बिन हिज़ाम को एक दीनार दिया; उन्होंने ख़रीदा हुआ पशु दो दीनार में बेचा और एक दीनार से क़ुर्बानी का पशु और एक दीनार लेकर लौटे, तो आप ने उनके व्यापार में बरकत की दुआ की; हकीम जो भी बेचते, उसमें लाभ होता।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.950 (s.775); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 289; Kütüb-i Sitte: Ebu Dâvud, Büyû 28, (3386); Tirmizî, Büyu 34, (1257). [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5808, c./s. 16/273]

1573. आप ने मालिक बिन रबीआ सलूली की संतान में बरकत की दुआ की, और उनके अस्सी बेटे हुए

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने मालिक बिन रबीआ सलूली की संतान में बरकत की दुआ की, और उनके अस्सी बेटे हुए।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.959 (s.780); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 282

1574. शहादत की दुआ माँगने वाले ज़मरा बिन सालबा बहज़ी के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शहादत की दुआ माँगने वाले ज़मरा बिन सालबा बहज़ी के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मैं ज़मरा का ख़ून मुशरिकों पर हराम करता हूँ”; वे बहुत लंबे समय तक जीवित रहे, शत्रु की सफ़ों को चीरकर सकुशल लौटते रहे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.962 (s.781); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 284

1575. आप के पास आए यज़ीद बिन मालिक जुअफ़ी के बेटों हारिस, सबरा और (जिनका नाम आप ने...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के पास आए यज़ीद बिन मालिक जुअफ़ी के बेटों हारिस, सबरा और (जिनका नाम आप ने अब्दुर्रहमान रखा) अब्दुल उज़्ज़ा के लिए आप ने दुआ की, और वे ऊँचे पदों पर पहुँचे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.963 (s.781); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 284

1576. इशा की नमाज़ की दूसरी रकअत में आप ने क़ुनूत पढ़कर अय्याश बिन अबी रबीआ, सलमा बिन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इशा की नमाज़ की दूसरी रकअत में आप ने क़ुनूत पढ़कर अय्याश बिन अबी रबीआ, सलमा बिन हिशाम, वलीद बिन वलीद और दबाए गए मोमिनों की मुक्ति के लिए दुआ की, और मुज़र के लिए "यूसुफ़ के वर्षों जैसे अकाल" की बद-दुआ की; मुज़र भीषण अकाल में पड़ा, दबाए गए लोग मुक्त हो गए, और आप ने वह दुआ छोड़ दी।

मदनी दौर (मक्का विजय से पहले), तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.966-967 (s.783); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 410; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Yağmur Dualarının Sayısı ve Çeşitleri" (kitabın dipnotu: İbn Kayyım, Zâdu'l-mead, c:1, s:156; İbn Mâce, Sünen, c:1, s:404-405; Abdurrezzak, Musannef, c:3, s:90); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (satırdaki künye: Buhârî 1007, 4821; Müslim 2798)

1577. व्यापार में बरकत की दुआ जैसी घटना ग़र्क़दा के बारे में भी रिवायत की गई है

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

व्यापार में बरकत की दुआ जैसी घटना ग़र्क़दा के बारे में भी रिवायत की गई है।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl (duasının kabulü)

1578. आप ने एक स्त्री से कहा: "तुम्हें शेर खाए", और उस स्त्री को शेर ने खा लिया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने एक स्त्री से कहा: "तुम्हें शेर खाए", और उस स्त्री को शेर ने खा लिया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl (duasının kabulü)

1579. आप को घोड़ा बेचकर फिर बिक्री से मुकर जाने वाले व्यक्ति (जिस घटना में ख़ुज़ैमा...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप को घोड़ा बेचकर फिर बिक्री से मुकर जाने वाले व्यक्ति (जिस घटना में ख़ुज़ैमा ने आप के पक्ष में गवाही दी) को आप ने घोड़ा लौटाकर कहा: "ऐ अल्लाह, अगर यह झूठा है तो इसे इसके घोड़े में बरकत न दे"; अगली सुबह घोड़ा पैर उठाए हुए (मरा हुआ) मिला।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl (duasının kabulü)

1580. आप ने उमैर बिन साद के सिर पर हाथ फेरकर बरकत की दुआ की; उमैर अस्सी वर्ष की आयु...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उमैर बिन साद के सिर पर हाथ फेरकर बरकत की दुआ की; उमैर अस्सी वर्ष की आयु में मरे और उनके बाल सफ़ेद नहीं हुए थे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1581. आप ने क़ैस बिन ज़ैद जुज़ामी के सिर पर हाथ फेरकर दुआ की; क़ैस सौ वर्ष की आयु में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने क़ैस बिन ज़ैद जुज़ामी के सिर पर हाथ फेरकर दुआ की; क़ैस सौ वर्ष की आयु में मरे और उनका सिर बिल्कुल सफ़ेद था, पर जहाँ आप की हथेली लगी थी और जहाँ से आप का हाथ गुज़रा था, वे बाल काले रहे; इसी कारण वे “अल-अग़र्र” कहलाए।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1582. बचपन में नाटे और कुरूप (दमीम) अब्दुर्रहमान बिन ज़ैद बिन ख़त्ताब के सिर पर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बचपन में नाटे और कुरूप (दमीम) अब्दुर्रहमान बिन ज़ैद बिन ख़त्ताब के सिर पर आप ने हाथ फेरकर बरकत की दुआ की; वे क़द-काठी में पुरुषों से आगे निकल गए।

मदनी दौर, हिजरी 8–11

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1583. आप का इस्लाम की दावत वाला पत्र धोकर उसके चमड़े से अपनी बाल्टियाँ गाँठने वाले...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप का इस्लाम की दावत वाला पत्र धोकर उसके चमड़े से अपनी बाल्टियाँ गाँठने वाले बनू हारिसा बिन अम्र बिन क़ुरैत के बारे में आप ने कहा: “इन्हें क्या हो गया है? अल्लाह इनकी बुद्धि छीन ले”, और वह क़बीला काँपने वाले, उतावले, उलझी बातें करने वाले मूर्ख लोग बन गया।

मदनी दौर, लगभग हिजरी 7–9

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 22, Benî Hârise b. Amr b. Kurayt'a mektup bâbı

1584. जिस बीमार बद्दू को देखने आप गए, उससे आप ने कहा: “कोई बात नहीं, इंशा अल्लाह यह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जिस बीमार बद्दू को देखने आप गए, उससे आप ने कहा: “कोई बात नहीं, इंशा अल्लाह यह पाक करने वाला है”; बद्दू ने कहा: “नहीं, यह एक बूढ़े में उबलता बुख़ार है जो उसे क़ब्रों तक ले जाएगा”; आप ने फ़रमाया: “तो ऐसा ही हो” (दूसरी सनदों में बद्दू की अगले दिन मृत्यु का ज़िक्र है)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3616

1585. शराब और स्त्रियों के शौक़ीन, निःसंतान माज़िन बिन ग़ज़ूबा के लिए आप ने दुआ की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शराब और स्त्रियों के शौक़ीन, निःसंतान माज़िन बिन ग़ज़ूबा के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे बाजे के बदले क़ुरआन पढ़ना और हराम के बदले हलाल दे; इसे बारिश और संतान प्रदान कर”; माज़िन ने आधा क़ुरआन याद किया, चार आज़ाद स्त्रियों से विवाह किया, उनका बेटा हय्यान पैदा हुआ, और उमान में समृद्धि आ गई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 63

1586. आप के जूते उतारने/पहनाने में सहायता करने वाले एक अंसारी युवक के लिए आप ने दुआ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के जूते उतारने/पहनाने में सहायता करने वाले एक अंसारी युवक के लिए आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, तेरा यह बंदा तेरी प्रसन्नता चाहता है; तू इससे प्रसन्न हो जा”; वह युवक बाद में शहीद हुआ (अनस की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14002-14003 (8/268)

1587. ज़ू क़ार के दिन युद्ध आप को दिखाया गया (जिब्रील ने युद्ध-भूमि आप को दिखाई), आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ू क़ार के दिन युद्ध आप को दिखाया गया (जिब्रील ने युद्ध-भूमि आप को दिखाई), आप ने बक्र बिन वाइल के लिए दुआ की और फ़रमाया: “आज पहली बार अरबों ने अजमियों से अपना हक़ लिया; मेरे कारण उनकी सहायता की गई।”

ज़ू क़ार का युद्ध (तिथि विवादित: नबूवत के आरंभ से हिजरत के शुरुआती वर्षों के बीच, लगभग 610–624 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 302 (Kendisini kabilelere arz etmesinde görülen âyetler bâbı)

1588. मस्जिद में जाकर ऐसी हम्द से अल्लाह की प्रशंसा करने का इरादा रखने वाले उबई बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिद में जाकर ऐसी हम्द से अल्लाह की प्रशंसा करने का इरादा रखने वाले उबई बिन कअब ने, जैसी हम्द किसी ने न की हो, नमाज़ के बाद अपने पीछे एक ऊँची आवाज़ को यह दुआ करते सुना: “ऐ अल्लाह, सारी हम्द तेरी है, सारा राज्य तेरा है, सारी भलाई तेरे हाथ में है...”; अल्लाह के रसूल ने फ़रमाया: “वह जिब्रील हैं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 158 (Cebrâil aleyhisselâmın duası)

1589. आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मुहम्मद के परिवार की रोज़ी गुज़ारे भर (क़ूत) की कर...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, मुहम्मद के परिवार की रोज़ी गुज़ारे भर (क़ूत) की कर दे”; बैहक़ी के अनुसार आप के परिवार को ठीक ऐसी ही रोज़ी मिली और उन्होंने इस पर धैर्य रखा (अबू हुरैरा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 279 (duaların kabulündeki mucizeler: ailesi, misafir, Ömer ve Ali için duaları)

1590. साद के वुज़ू के पानी में हाथ डालने वाली एक छोटी लड़की से आप ने कहा: “अल्लाह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद के वुज़ू के पानी में हाथ डालने वाली एक छोटी लड़की से आप ने कहा: “अल्लाह तेरा क़द रोक दे”, और वह लड़की फिर कभी नहीं बढ़ी और बच्चे जितने क़द की रही (मुग़ीरा की अपनी माँ से रिवायत)।

उमर और मुआविया के दौर के बीच, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 281 (duaların kabulündeki mucizeler: Sa'd b. Ebî Vakkâs için duası)

1591. पाँच-छह वर्ष के अब्दुल्लाह बिन उत्बा को आप ने गोद में बिठाकर उनके सिर पर हाथ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पाँच-छह वर्ष के अब्दुल्लाह बिन उत्बा को आप ने गोद में बिठाकर उनके सिर पर हाथ फेरा और उनके और उनकी संतान के लिए बरकत की दुआ की; उनके परिवार वाले कहते: “इसकी बरकत हम अपने बूढ़े न होने से जानते हैं।”

मदनी दौर (हिजरी 8–11)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 282 (duaların kabulündeki mucizeler)

1592. मस्जिद में दुआ कर रहे ज़ैद बिन साबित और उनके साथी की दुआओं पर आप ने “आमीन” कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिद में दुआ कर रहे ज़ैद बिन साबित और उनके साथी की दुआओं पर आप ने “आमीन” कहा; फिर अबू हुरैरा की दुआ “मैं तुझसे ऐसा ज्ञान माँगता हूँ जो भुलाया न जाए” पर भी “आमीन” कहकर फ़रमाया: “दौस का युवक तुमसे आगे निकल गया”, और अबू हुरैरा हदीसें नहीं भूलते थे।

मदनी दौर (हिजरी 7–11)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 287 (duaların kabulündeki mucizeler)

1593. आप ने बनू उसय्या क़बीले के लिए बद-दुआ की (कि बुख़ार उनकी ओर मुड़ जाए), और वे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बनू उसय्या क़बीले के लिए बद-दुआ की (कि बुख़ार उनकी ओर मुड़ जाए), और वे बीमारी में पड़ गए (इब्ने उमर की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 294 (duaların kabulündeki mucizeler)

1594. आप ने अपने रब से माँगा कि लोगों की असावधान संतान (लाहीन) को अज़ाब न दे, और आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने रब से माँगा कि लोगों की असावधान संतान (लाहीन) को अज़ाब न दे, और आप की दुआ क़बूल हुई (अनस की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 386 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

1595. यासिर बिन सुवैद की रिवायत: आप ने एक घुड़सवार दल के साथ जुहैना के जिस व्यक्ति को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यासिर बिन सुवैद की रिवायत: आप ने एक घुड़सवार दल के साथ जुहैना के जिस व्यक्ति को भेजा था, उसकी गर्भवती पत्नी अपने पैदा हुए बच्चे को लाई, तो आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इनके पुरुषों को बढ़ा दे, इनकी स्त्रियों को कम कर दे, इन्हें मोहताज न कर”, और “इसने इस्लाम में जल्दी की” कहकर बच्चे का नाम मुसरेअ रखा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 80 (13. bâb: Amr b. Mürre'nin rüyası)

1596. आप ने जिस यहूदी से क़र्ज़ माँगा था, उसने आप की माँग पूरी की और कहा: “जो चाहें...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जिस यहूदी से क़र्ज़ माँगा था, उसने आप की माँग पूरी की और कहा: “जो चाहें माँगिए”; इस पर आप ने दुआ की: “अल्लाह तुम्हारी सुंदरता बनाए रखे”; वह यहूदी अस्सी वर्ष जीवित रहा और उसके सिर में एक भी सफ़ेद बाल नहीं दिखा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 87 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1597. आप ने फ़रमाया: “इस दरवाज़े से वसियों में सबसे अच्छा और दर्जे में नबियों के सबसे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “इस दरवाज़े से वसियों में सबसे अच्छा और दर्जे में नबियों के सबसे निकट व्यक्ति प्रवेश करेगा”, और अली ने प्रवेश किया; आप ने उनके लिए दुआ की: “ऐ अल्लाह, इससे गर्मी और सर्दी दूर कर दे”, और अली ने मरते दम तक गर्मी-सर्दी महसूस नहीं की (अनस की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 103 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1598. आप ने जिस क़बीले को इस्लाम की ओर बुलाया, उसने दावत ठुकराकर पाँच हज़ार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जिस क़बीले को इस्लाम की ओर बुलाया, उसने दावत ठुकराकर पाँच हज़ार घुड़सवारों के साथ आप का पीछा किया; जब वे निकट पहुँचे, तो आप ने उनके विरुद्ध दुआ की और उठी हवा ने उन सब को नष्ट कर दिया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 69 (fasl fî istiâbeti daavâtihî)

1599. मुक़अक़अ बिन हुमैसअ पर चढ़ाई करते समय रास्ते में पशुओं को थका देने वाले एक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुक़अक़अ बिन हुमैसअ पर चढ़ाई करते समय रास्ते में पशुओं को थका देने वाले एक दुर्गम पहाड़ की सहाबा ने शिकायत की; आप की दुआ से पहाड़ ज़मीन में धँसकर टुकड़े-टुकड़े हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 69 (fasl fî istiâbeti daavâtihî)

1600. बिलाल की मंगेतर जुमाना बिंत ज़ह्हाफ़ अशजई ने उन्हें रास्ते में मार डाला और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बिलाल की मंगेतर जुमाना बिंत ज़ह्हाफ़ अशजई ने उन्हें रास्ते में मार डाला और शिहाब बिन माज़िन के पास भाग गई; आप द्वारा भेजे गए सलमान और सुहैब ने बिलाल को ख़ून से लथपथ मरा पाया, तो आप ने दो रकअत नमाज़ पढ़कर दुआ की और उन पर एक चुल्लू पानी छिड़का, और बिलाल ज़िंदा होकर आप के पैर चूमने लगे; जिब्रील की ख़बर पर आप ने अली को शिहाब पर भेजा, पहले ही विजय की ख़बर दी, और शिहाब और जुमाना मुसलमान हो गए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 120-121 (fasl fi'l-müfredât (münferit mucizeler))

1601. अपने बेटे को पालकर धनी बनाने के बावजूद बुढ़ापे में बिना ख़र्चे के छोड़ दिए गए...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अपने बेटे को पालकर धनी बनाने के बावजूद बुढ़ापे में बिना ख़र्चे के छोड़ दिए गए पिता की शिकायत पर, “मेरे पास माल नहीं” कहने वाले बेटे के लिए आप ने बद-दुआ की; उसके गोदामों का गेहूँ, जौ, खजूर और किशमिश कीड़े लगकर सड़ गए, उसकी थैलियों के दिरहम और दीनार पत्थर बन गए, और वह व्यक्ति ग़रीब और बीमार हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 272-273 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1602. अबू सईद ख़ुदरी के आप का ख़ून पी लेने पर उनकी बात का मज़ाक़ उड़ाने वाले चालीस...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अबू सईद ख़ुदरी के आप का ख़ून पी लेने पर उनकी बात का मज़ाक़ उड़ाने वाले चालीस मुनाफ़िक़ों के लिए आप ने बद-दुआ की: “अल्लाह इन्हें ख़ून से अज़ाब दे”; चालीस सुबह तक उनके मुँह (मसूड़ों) से ख़ून आता रहा और उनका खाना-पानी ख़ून से सन जाता।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 270-271 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1603. माँ के मुसलमान होने के बाद अबू हुरैरा के अनुरोध पर आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

माँ के मुसलमान होने के बाद अबू हुरैरा के अनुरोध पर आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, अपने इस छोटे बंदे और इसकी माँ को अपने मोमिन बंदों का प्रिय बना दे, और मोमिनों को इनका प्रिय बना दे”; अबू हुरैरा ने कहा: “अब ऐसा कोई मोमिन पैदा नहीं हुआ जो मुझे सुने या देखे और मुझसे या मेरी माँ से प्रेम न करे।”

हिजरी 7 के बाद

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Ebu Hureyre’nin Anası İçin Hidâyet Duası" (kitabın dipnotu: Müslim, Sahih, c:4, s:938-939); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezailu's-Sahabe 158, (2491) [İ. Canan, Kütüb-i

Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5600, c./s. 15/456] (Canan'ın tercümesi hidayet duasıyla bitiyor; ikinci dua Müslim'in tam metninde)

35 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

1604. नेकी और गुनाह के बारे में पूछने आए वाबिसा से, उनके पूछने से पहले ही आप ने कहा...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

नेकी और गुनाह के बारे में पूछने आए वाबिसा से, उनके पूछने से पहले ही आप ने कहा: “तुम बिर्र (नेकी) और इस्म (गुनाह) के बारे में पूछने आए हो”, और उत्तर दिया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.57; İbn Kesîr s.122; 1000 Mucize no.136 (s.115); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 171; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 233-234; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 229; c. 18, s. 118; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 106-107

1605. मिना में प्रश्न पूछने आए सक़ीफ़ और अंसार के दो व्यक्तियों को, उनके पूछने से...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मिना में प्रश्न पूछने आए सक़ीफ़ और अंसार के दो व्यक्तियों को, उनके पूछने से पहले ही आप ने बता दिया कि वे क्या पूछेंगे, और उत्तर दिया।

हिजरी 10 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.57; 1000 Mucize no.142 (s.121), no.931 (s.766); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 65; c. 2, s. 171-172; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 128, 138; Râvendî, el-Harâic, c. 2, s. 514-516; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 99

1606. आप ने पहले ही बता दिया था कि अबुद दर्दा मुसलमान होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने पहले ही बता दिया था कि अबुद दर्दा मुसलमान होंगे।

हिजरी 2

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.69; 1000 Mucize no.386 (s.376); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 175; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 111-112; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 64

1607. आप ने मदीना से ही समुद्र में एक जहाज़ में हुई घटनाओं की ख़बर दी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने मदीना से ही समुद्र में एक जहाज़ में हुई घटनाओं की ख़बर दी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.66

1608. आप ने ख़बर दी कि एक व्यक्ति ने तीर के फल से अपने आप को काट डाला है, और ऐसा ही निकला

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि एक व्यक्ति ने तीर के फल से अपने आप को काट डाला है, और ऐसा ही निकला।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.70; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 175; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 251; Kütüb-i Sitte (kısmen): Ebu Davud, Cenaiz 51, (3185); Müslim (muhtasar, listedeki kaynağa göre) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4937, c./s. 14/148]

1609. आप ने मुआज़ बिन मालिक पर आने वाली हालत की पहले ही ख़बर दे दी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने मुआज़ बिन मालिक पर आने वाली हालत की पहले ही ख़बर दे दी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.71

1610. अपने बेटे की शिकायत मन ही मन एक कविता में करने वाले बूढ़े पिता को आप ने वह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने बेटे की शिकायत मन ही मन एक कविता में करने वाले बूढ़े पिता को आप ने वह कविता बता दी जो उसने ज़बान से कही ही नहीं थी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.72; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 172-173

1611. रास्ते में एक स्त्री को छूने वाले व्यक्ति को आप ने उसकी करतूत बता दी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रास्ते में एक स्त्री को छूने वाले व्यक्ति को आप ने उसकी करतूत बता दी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.74

1612. आप ने उस बादल की ख़बर दी जिसने यमन की अमुक घाटी में बारिश बरसाई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस बादल की ख़बर दी जिसने यमन की अमुक घाटी में बारिश बरसाई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.79; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14074; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 175

1613. आप ने अपने सहाबा को मुनाफ़िक़ों के नाम एक-एक करके बताए

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने सहाबा को मुनाफ़िक़ों के नाम एक-एक करके बताए।

लगभग हिजरी 9

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.51; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 174; Kütüb-i Sitte: Müslim (satırdaki künye: Huzeyfe'ye bildirmesi)

1614. इबादत के लिए प्रशंसित एक व्यक्ति ने मन में सोचा: “सभा में मुझसे अच्छा कोई...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इबादत के लिए प्रशंसित एक व्यक्ति ने मन में सोचा: “सभा में मुझसे अच्छा कोई नहीं”, और आप ने यह बात उसके मुँह पर कह दी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.52; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 171

1615. रोज़े की हालत में ग़ीबत करने वाली दो स्त्रियों का हाल आप ने बताया; उल्टी कराने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रोज़े की हालत में ग़ीबत करने वाली दो स्त्रियों का हाल आप ने बताया; उल्टी कराने पर उनमें से ख़ून और मांस निकला।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.54; 1000 Mucize no.280 (s.258); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 177

1616. आप का कथन “जो संयम बरतता है, अल्लाह उसे संयमी बना देता है; जो बेनियाज़ी दिखाता...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप का कथन “जो संयम बरतता है, अल्लाह उसे संयमी बना देता है; जो बेनियाज़ी दिखाता है, अल्लाह उसे धनी कर देता है” अबू सईद ख़ुदरी पर चरितार्थ हुआ।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.55; 1000 Mucize no.244 (s.214); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 173; Kütüb-i Sitte: Buharî, Zekat 50, Rikak 20; Müslim, Zekat 124, (1053); Ebu Davud, Zekat 28, (1644); Tirmizî, Birr 77, (2025); Nesaî, Zekat 85 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4857, c./s. 14/46]

1617. अल्लाह के स्वरूप के बारे में धृष्टता से प्रश्न करने वाले मुशरिक के बारे में आप...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अल्लाह के स्वरूप के बारे में धृष्टता से प्रश्न करने वाले मुशरिक के बारे में आप ने बताया कि उस पर बिजली गिरेगी, और ऐसा ही हुआ।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.48; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 22, Müşrik reisini yakan yıldırım bâbı; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 353-354

1618. आप के नाम पर झूठ गढ़ने वाले व्यक्ति के बारे में आप ने कहा: “मुझे नहीं लगता कि...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के नाम पर झूठ गढ़ने वाले व्यक्ति के बारे में आप ने कहा: “मुझे नहीं लगता कि तुम उसे पा सकोगे”, और वह व्यक्ति मरा हुआ पाया गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.49; 1000 Mucize no.296 (s.273); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 131 bâbı)

1619. अज़ान दिए जाते समय “झूठा जल जाए” कहने वाला व्यक्ति अपने घर में लगी आग में जल गया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अज़ान दिए जाते समय “झूठा जल जाए” कहने वाला व्यक्ति अपने घर में लगी आग में जल गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.37; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 323; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 68; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 117

1620. यहूदियों से कहा गया: “अगर तुम सच्चे हो तो मौत की कामना करो”, और बता दिया गया कि...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यहूदियों से कहा गया: “अगर तुम सच्चे हो तो मौत की कामना करो”, और बता दिया गया कि वे कभी इसकी कामना नहीं कर सकेंगे।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.37; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 41, Necran heyeti bâbı; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 221; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 159, 168, 220-221; al-shia.org (Farsça mucize listeleri)

1621. आप ने एक यहूदी विद्वान के प्रश्नों (जन्नत वालों का पहला भोजन, बच्चे की समानता...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने एक यहूदी विद्वान के प्रश्नों (जन्नत वालों का पहला भोजन, बच्चे की समानता आदि) के उत्तर दिए; विद्वान ने कहा: “आप ने सच कहा, आप नबी हैं।”

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.23; İbn Kesîr s.98; web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 584; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 318; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 347-348; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 217-218; Kütüb-i Sitte: Müslim, Hayz 34, (315). [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5605, c./s. 15/464-465]

1622. यहूदियों के एक समूह के चार प्रश्नों (इसराईल ने अपने ऊपर क्या हराम किया, बादल की...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यहूदियों के एक समूह के चार प्रश्नों (इसराईल ने अपने ऊपर क्या हराम किया, बादल की गरज आदि) के आप ने ऐसे उत्तर दिए जिन्हें उन्होंने स्वयं भी स्वीकार किया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.26; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13902-13903; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 316; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 218-219; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 345-346; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Yahudî Bilginlerinin Birtakım Sorular Sorarak Peygamberimiz aleyhisselâmı Oyalamaya Çalışmaları" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:160-163,191-192; İbn Sa’d, Tabakât, c:1, s:174-175 / Bakara: 97-100); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Tefsir Ra'd, (3116). [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1695, c./s. 6/387]

1623. दो यहूदियों ने “नौ खुली निशानियों” के बारे में पूछा और उत्तर पाकर आप के हाथ-पैर चूमे

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

दो यहूदियों ने “नौ खुली निशानियों” के बारे में पूछा और उत्तर पाकर आप के हाथ-पैर चूमे।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.29; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 219-220; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Nesâî, İbn Mâce (satırdaki künye)

1624. यहूदियों ने तौरात की रज्म (संगसार) वाली आयत को हाथों से छिपा रखा था, आप ने इसे प्रकट कर दिया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यहूदियों ने तौरात की रज्म (संगसार) वाली आयत को हाथों से छिपा रखा था, आप ने इसे प्रकट कर दिया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.30; İbn Kesîr s.103; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3635; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 317; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 223-224; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Hudud 37, 24, Cenâiz 61, Menâkıb 26, Tefsir, Âl-i İmran 6, İ'tisâm 16, Tevhid 51; Müslim, Hudud 26, (1699) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1613, c./s. 6/250-251]

1625. मृत्यु-शय्या पर पड़े अपने बेटे के सिरहाने तौरात पढ़ने वाले यहूदी ने स्वीकार...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मृत्यु-शय्या पर पड़े अपने बेटे के सिरहाने तौरात पढ़ने वाले यहूदी ने स्वीकार किया कि आप के गुण तौरात में लिखे हैं।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.34; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13885, 13891; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 30; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 225; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Ölüm Döşeğinde Müslüman Olan Yahudî Genci" (kitabın dipnotu: İbn Sa’d, Tabakât, c:1,s:185)

1626. सूरह यूसुफ़ सुनने वाला एक यहूदी विद्वान उसकी तौरात से अनुरूपता देखकर दंग रह गया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सूरह यूसुफ़ सुनने वाला एक यहूदी विद्वान उसकी तौरात से अनुरूपता देखकर दंग रह गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.39

1627. यूसुफ़ को सजदा करने वाले तारों के नाम पूछने वाले यहूदी को आप ने उनके नाम एक-एक करके गिना दिए

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यूसुफ़ को सजदा करने वाले तारों के नाम पूछने वाले यहूदी को आप ने उनके नाम एक-एक करके गिना दिए।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.41; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 318

1628. यहूदी विद्वान ज़ैद बिन सअना ने आप में अंतिम दो निशानियाँ (आप की सहनशीलता का...)

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

यहूदी विद्वान ज़ैद बिन सअना ने आप में अंतिम दो निशानियाँ (आप की सहनशीलता का क्रोध पर भारी होना) परखीं और मुसलमान हो गए।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.42; 1000 Mucize no.201 (s.177); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 601; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13898; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 48; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 27; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz aleyhisselâmın Yumuşak Huyluluğunun Bir Yahudîyi Müslüman Edişi" (kitabın dipnotu: İbn Sa'd, Tabakât, c:1,s:361)

1629. क़ुरैश ने यहूदियों से सीखकर रूह, ज़ुलक़रनैन और अस्हाबे कहफ़ के बारे में जो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरैश ने यहूदियों से सीखकर रूह, ज़ुलक़रनैन और अस्हाबे कहफ़ के बारे में जो प्रश्न पूछे, उनका उत्तर आप ने वह्य से दिया।

मक्की दौर (लगभग 615–619 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.94; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 248; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 238-239; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 215; Kütüb-i Sitte: Buhârî 125, Müslim 2794 (satırdaki künye; ruh sorusu)

1630. वह्य लिखने का काम करके धर्म छोड़ देने वाले एक ईसाई की लाश को ज़मीन ने कई बार...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

वह्य लिखने का काम करके धर्म छोड़ देने वाले एक ईसाई की लाश को ज़मीन ने कई बार बाहर फेंक दिया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – जीवनकाल में दी गई ग़ैब की ख़बरें

स्रोत İbn Kesîr s.92; Beyhakî, Delâil c.5 s.441; 1000 Mucize no.125 (s.101); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3617; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 585; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 130-131; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 334; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 212-213; Facts and Details, "Miracles of Muhammad"; Kütüb-i Sitte: Buhârî 3617, Müslim 2781 (satırdaki künye)

1631. उम्मे सुलैम ने मेहर के रूप में केवल इस्लाम क़बूल करने की शर्त रखी थी; अबू तलहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे सुलैम ने मेहर के रूप में केवल इस्लाम क़बूल करने की शर्त रखी थी; अबू तलहा के आप के पास पहुँचने से पहले ही आप ने अपने सहाबा को ख़बर दी: "अबू तलहा तुम्हारे पास आ रहे हैं, उनकी आँखों में इस्लाम का नूर दिख रहा है", और आप ने इसी मेहर पर उनका विवाह करा दिया।

तिथि अनिश्चित (हिजरत के आसपास, लगभग 622 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.137 (s.117); Kütüb-i Sitte (kısmen): Nesâî [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3456, c./s. 10/252]

1632. एक बाग़ में होते हुए बारी-बारी से दरवाज़ा खटखटाने वाले तीन व्यक्तियों के लिए आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक बाग़ में होते हुए बारी-बारी से दरवाज़ा खटखटाने वाले तीन व्यक्तियों के लिए आप ने अनस से कहा: "खोलो, और इसे जन्नत और मेरे बाद ख़िलाफ़त का शुभ समाचार दो"; आने वाले पहले अबू बक्र, फिर उमर, और फिर उस्मान थे, जिनके बारे में

यह भी बताया गया कि वे शहीद किए जाएँगे।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 11, 13 और 23 की ख़िलाफ़तें, उस्मान की शहादत हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.113; 1000 Mucize no.427 (s.419); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 207; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 267; Kütüb-i Sitte: Buhârî 3674, 3693; Müslim 2403 (satırdaki künye)

1633. आप के सामने लाए गए एक चोर के बारे में आप ने पहले कहा: “इसे मार डालो”, और “इसने...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप के सामने लाए गए एक चोर के बारे में आप ने पहले कहा: “इसे मार डालो”, और “इसने केवल चोरी की है” कहे जाने पर उसका हाथ काटने का आदेश दिया; वह व्यक्ति बार-बार चोरी करता रहा, हाथ-पैर कटने के बाद पाँचवीं बार चोरी करने पर अबू बक्र ने “अल्लाह के रसूल उसे अधिक अच्छी तरह जानते थे” कहकर उसे मरवा दिया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: अबू बक्र की ख़िलाफ़त (हिजरी 11–13 / 632–634 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.298 (s.275); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 176; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvud, Hudud 20, (4410); Nesâî, Sârik 15 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1631, c./s. 6/270-271]

1634. यमन की ओर इशारा करके आप ने फ़रमाया: “ईमान यहाँ है; और रूखापन और दिल की कठोरता...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यमन की ओर इशारा करके आप ने फ़रमाया: “ईमान यहाँ है; और रूखापन और दिल की कठोरता उस जगह है जहाँ से शैतान के दो सींग निकलते हैं, ऊँटों की दुमों के पास चिल्लाने वाले रबीआ और मुज़र में।”

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.325 (s.302); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Bed'ü'l- Halk 15, Menakıb 1, Megâzî 74; Müslim, İman 85, (52); Müslim, İman 92, (53) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4804, c./s. 13/472; no. 4803, c./s. 13/471; no. 4623, c./s. 13/207]

1635. आप का सामान ढोने पर नियुक्त किरकिरा नाम का व्यक्ति मरा, तो आप ने फ़रमाया: “वह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप का सामान ढोने पर नियुक्त किरकिरा नाम का व्यक्ति मरा, तो आप ने फ़रमाया: “वह जहन्नम में है”; उसका सामान तलाशा गया तो पता चला कि उसने ग़नीमत से चुपके से कुछ ले लिया था।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.402 (s.392); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Cihâd 190; İbnu Mâce, Cihâd 34, (2849). [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1135]

1636. आप ने फ़रमाया: “मेरे बाद के दो लोगों, अबू बक्र और उमर, का अनुसरण करना”, और इस...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरे बाद के दो लोगों, अबू बक्र और उमर, का अनुसरण करना”, और इस तरह संकेत दिया कि आप के बाद क्रम से वे ख़लीफ़ा होंगे।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी) और हिजरी 13 (634 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.424 (s.417); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 195; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 267; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menakıb, (3804). [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4371, c./s. 12/422-423]

1637. आप ने बताया कि आप की उम्मत की आयु साठ से सत्तर वर्ष के बीच होगी; स्वयं आप की...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत की आयु साठ से सत्तर वर्ष के बीच होगी; स्वयं आप की वफ़ात तिरसठ वर्ष की आयु में हुई।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.489 (s.481); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 332; Kütüb-i Sitte: Buhârî ve Tirmizî [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 152, c./s. 2/474-475]

1638. आप ने जिन ज़ुल जौशन को इस्लाम की ओर बुलाया, उन्होंने कहा: “अगर आप अपनी क़ौम पर...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जिन ज़ुल जौशन को इस्लाम की ओर बुलाया, उन्होंने कहा: “अगर आप अपनी क़ौम पर विजयी हुए तो मैं ईमान ले आऊँगा”, तो आप ने फ़रमाया: “अगर तुम कुछ और जीवित रहे, तो मुझे उन पर विजयी होते देखोगे”; कुछ समय बाद मक्का की ओर से आए एक घुड़सवार से मक्का वालों की हार की ख़बर पाकर ज़ुल जौशन पछताए।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: मक्का विजय, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.926 (s.762); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 437

1639. जन्नत तक ले जाने वाले कर्म के बारे में पूछने वाले बद्दू से आप ने कहा कि अपने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जन्नत तक ले जाने वाले कर्म के बारे में पूछने वाले बद्दू से आप ने कहा कि अपने ऊँट और पानी की मशक से कम पानी वाले एक परिवार के लिए पानी ढोए, और फ़रमाया: “तुम्हारा ऊँट मरने और तुम्हारी मशक पुरानी होने से पहले तुम जन्नत में जाओगे”; वह व्यक्ति सचमुच अपने ऊँट के मरने से पहले शहीद हो गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.930 (s.765); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 223

1640. आप ने मसऊद बिन ज़ह्हाक लख़्मी का नाम मुताअ (जिसकी आज्ञा मानी जाए) रखा और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने मसऊद बिन ज़ह्हाक लख़्मी का नाम मुताअ (जिसकी आज्ञा मानी जाए) रखा और फ़रमाया: “तुम्हारी क़ौम तुम्हारी आज्ञा मानेगी”; वे अपनी क़ौम में लौटे, क़ौम उनके अधीन हो गई, और सब मिलकर नबी ﷺ के पास आए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.936 (s.769); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 179

1641. एक ख़ुतबे में आप अपने सहाबा के बीच खड़े हुए और क़यामत तक होने वाली कोई बात...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक ख़ुतबे में आप अपने सहाबा के बीच खड़े हुए और क़यामत तक होने वाली कोई बात छोड़े बिना सब बता दी; जिसने याद रखा उसने याद रखा, जो भूला वह भूल गया; हुज़ैफ़ा ने कहा: “जब कोई बात होती है, तो मुझे वैसे याद आ जाती है जैसे कोई व्यक्ति बहुत समय से न देखे किसी व्यक्ति का चेहरा देखकर उसे पहचान लेता है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

1642. दुनिया के समाप्त होने तक उठने वाले हर उस फ़ितने के अगुवा को, जिसके साथियों की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दुनिया के समाप्त होने तक उठने वाले हर उस फ़ितने के अगुवा को, जिसके साथियों की संख्या तीन सौ या उससे अधिक तक पहुँचेगी, आप ने उसके नाम, उसके पिता के नाम और उसके क़बीले के साथ अपने सहाबा को बता दिया (हुज़ैफ़ा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

1643. आप ने अपने सहाबा से पहले ही वादा किया कि वे अपने शत्रुओं पर विजयी होंगे और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने सहाबा से पहले ही वादा किया कि वे अपने शत्रुओं पर विजयी होंगे और मक्का जीता जाएगा; ऐसा ही हुआ।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

1644. सूरज डूबने के बाद बाहर निकलकर आप ने एक आवाज़ सुनी और फ़रमाया: “यहूदियों को उनकी...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरज डूबने के बाद बाहर निकलकर आप ने एक आवाज़ सुनी और फ़रमाया: “यहूदियों को उनकी क़ब्रों में अज़ाब हो रहा है” (अबू अय्यूब अंसारी की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5899

1645. आप ने फ़रमाया: “मदीना में ऐसे जिन्न हैं जो मुसलमान हो चुके हैं; अगर तुम उनमें...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मदीना में ऐसे जिन्न हैं जो मुसलमान हो चुके हैं; अगर तुम उनमें से किसी को (घर के साँप के रूप में) देखो, तो तीन दिन चेतावनी दो, फिर भी दिखे तो मार डालो, वह शैतान है”, और इस तरह ख़बर दी कि मदीना के जिन्न इस्लाम में आ गए हैं।

मदनी दौर (ख़ंदक़ के बाद)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl (hicret yolundaki âyetler), no. 249

1646. उसी यात्रा में आप ने जाबिर से दो पेड़ों से एक-एक डाली कटवाकर दो अलग जगहों पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उसी यात्रा में आप ने जाबिर से दो पेड़ों से एक-एक डाली कटवाकर दो अलग जगहों पर रखवाईं, और बताया कि आप अज़ाब पा रहे दो क़ब्रों के पास से गुज़रे हैं और चाहते हैं कि जब तक डालियाँ हरी रहें, आप की सिफ़ारिश से उनका अज़ाब हल्का हो।

एक अभियान में (कहा जाता है कि बुवात), लगभग हिजरी 2 (623 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.9 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 372; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 62; Kütüb-i Sitte: Müslim, Zühd 74 (3012) (satırdaki künye)

1647. रात को बक़ीअ जाते समय चुपके से पीछे आई आइशा से आप ने कहा: “या तो तुम बताओगी, या...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

रात को बक़ीअ जाते समय चुपके से पीछे आई आइशा से आप ने कहा: “या तो तुम बताओगी, या लतीफ़ और ख़बीर (सूक्ष्मदर्शी और सर्वज्ञ) मुझे बता देगा”, और जान गए कि आप के आगे दिखी परछाईं वही थीं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

1648. आप ने क़ब्रों में अज़ाब पाने वालों की आवाज़ें सुनीं; दो क़ब्रों के पास से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने क़ब्रों में अज़ाब पाने वालों की आवाज़ें सुनीं; दो क़ब्रों के पास से गुज़रते हुए बताया कि उनके निवासियों को अज़ाब हो रहा है और उसके कारण भी बताए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Wikipedia (en), "Miracles of Muhammad"

1649. उम्मे सलमा से विवाह करने पर आप ने फ़रमाया: “मैंने नजाशी को एक जोड़ा (हुल्ला) और...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे सलमा से विवाह करने पर आप ने फ़रमाया: “मैंने नजाशी को एक जोड़ा (हुल्ला) और कुछ ऊक़िया कस्तूरी उपहार में भेजी थी; मेरा विचार है कि नजाशी मर चुका है और मेरा उपहार मुझे लौट आएगा; अगर लौटा तो वह तुम्हारा है”, और उपहार जैसा आप ने कहा था वैसे ही लौट आया; आप ने अपनी पत्नियों को एक-एक ऊक़िया कस्तूरी दी, और बाक़ी और जोड़ा उम्मे सलमा को दे दिया।

मदीना, हिजरी 4–9

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14071 (8/289)

1650. आप ने फ़रमाया: “अगर क़ुरआन एक चमड़े में (इकट्ठा) हो, तो आग उसे नहीं जलाएगी”...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “अगर क़ुरआन एक चमड़े में (इकट्ठा) हो, तो आग उसे नहीं जलाएगी” (कुछ के अनुसार यह आप के समय के लिए विशेष मोजिज़ा था)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 197 (Kur'an'ın i'câzı)

1651. यहूदियों के उपासना-गृह में जाकर आप ने कहा: “मुझे अपने में से बारह ऐसे व्यक्ति...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यहूदियों के उपासना-गृह में जाकर आप ने कहा: “मुझे अपने में से बारह ऐसे व्यक्ति दिखाओ जो गवाही दें, तो अल्लाह सारे यहूदियों से अपना क्रोध हटा लेगा”; सब चुप रहे, और निकलते समय उनमें से एक व्यक्ति (अब्दुल्लाह बिन सलाम) ने कहा: “मैं गवाही देता हूँ कि ये वही अल्लाह के नबी हैं जिन्हें तुम तौरात में पाते हो।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 315 (Yahudilerin onunla buluşması, soruları ve doğruluğunu bilmeleri bâbı)

1652. एक यात्रा में दुर्गंध वाली हवा चली, तो आप ने फ़रमाया: “कुछ मुनाफ़िक़ों ने...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में दुर्गंध वाली हवा चली, तो आप ने फ़रमाया: “कुछ मुनाफ़िक़ों ने मोमिनों की ग़ीबत की है; यह हवा उसी के कारण चली है।”

मदनी दौर, एक अभियान (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 392 (Benî Mustalik gazvesindeki âyetler)

1653. आप ने बिलाल से कहा: “सोमवार का रोज़ा न छोड़ना; मैं सोमवार को पैदा हुआ, सोमवार...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बिलाल से कहा: “सोमवार का रोज़ा न छोड़ना; मैं सोमवार को पैदा हुआ, सोमवार को मुझ पर वह्य आई, सोमवार को मैंने हिजरत की, और सोमवार को ही मेरी मृत्यु होगी”, इस तरह अपनी वफ़ात के दिन की ख़बर दी, और आप की वफ़ात सोमवार को हुई।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: रबीउल अव्वल हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 472 (Vefat edeceği günü ve yeri haber vermesi)

1654. आप ने फ़रमाया: “मदीना मेरी हिजरत की जगह है, मेरे लेटने (मरने) और उठाए जाने की...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मदीना मेरी हिजरत की जगह है, मेरे लेटने (मरने) और उठाए जाने की जगह है”, इस तरह अपनी वफ़ात की जगह की ख़बर दी।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 473 (Vefat edeceği günü ve yeri haber vermesi)

1655. आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद लोग मुझे (मेरी वफ़ात को) लेकर एक-दूसरे को सांत्वना...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद लोग मुझे (मेरी वफ़ात को) लेकर एक-दूसरे को सांत्वना देंगे”; आप की वफ़ात के बाद लोग जब भी मिलते, आप को लेकर एक-दूसरे को सांत्वना देते।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 488 (Vefatı sırasında görülen mucizeler ve hasâis)

1656. आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने धरती पर नबियों के शरीरों को खाना हराम कर दिया है”, और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने धरती पर नबियों के शरीरों को खाना हराम कर दिया है”, और बताया कि आप का शरीर नहीं गलेगा और जुमे के दिन पढ़ा गया दुरूद आप तक पहुँचाया जाएगा।

ख़बर: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 489 (Cesedinin çürümemesi)

1657. आप ने फ़रमाया: “जो कोई भी मुझे सलाम करता है, अल्लाह मेरी रूह मुझ पर लौटा देता...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “जो कोई भी मुझे सलाम करता है, अल्लाह मेरी रूह मुझ पर लौटा देता है और मैं उसके सलाम का उत्तर देता हूँ।”

ख़बर: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 490 (Kabrinde hayatı, namazı ve selamın ulaştırılması)

1658. आप ने फ़रमाया: “मेरा जीवन तुम्हारे लिए भला है और मेरी मृत्यु भी तुम्हारे लिए...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरा जीवन तुम्हारे लिए भला है और मेरी मृत्यु भी तुम्हारे लिए भली है; तुम्हारे कर्म मेरे सामने पेश किए जाते हैं, अगर अच्छे हों तो मैं अल्लाह की हम्द करता हूँ, और अगर बुरे हों तो तुम्हारे लिए क्षमा माँगता हूँ।”

ख़बर: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 491 (Hayatının da ölümünün de ümmeti için hayır olması)

1659. सईद बिन मुसय्यब के दादा हज़्न (कठोर) से आप ने “तुम सहल (नरम) हो” कहकर उनका नाम...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सईद बिन मुसय्यब के दादा हज़्न (कठोर) से आप ने “तुम सहल (नरम) हो” कहकर उनका नाम बदलना चाहा; हज़्न ने कहा: “मैं अपने पिता का रखा नाम नहीं बदलूँगा”, और सईद ने कहा: “उस दिन से हमारे परिवार में कठोरता (हुज़ूना) कभी कम नहीं हुई।”

मदनी दौर (मक्का विजय के बाद), तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 123 (Türlerine göre mucizeler bölümü (alt bâb başlığı özetten alınamadı))

1660. अंसार के कुछ सहाबा ने एक ही रात अपनी याद की हुई एक सूरह पढ़नी चाही, पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंसार के कुछ सहाबा ने एक ही रात अपनी याद की हुई एक सूरह पढ़नी चाही, पर बिस्मिल्लाह के सिवा उसका कुछ भी याद न आया; सुबह पूछने पर आप ने फ़रमाया: “वह सूरह आज रात उठा ली गई (मंसूख़ कर दी गई)”, और बताया कि सब के साथ एक ही बात हुई है।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 124 (Cansız varlık türlerindeki mucizeleri)

1661. एक रात आइशा के पास जागकर आप ने दुआ की, तो घर को रोशन करने वाला एक नूर तीन बार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक रात आइशा के पास जागकर आप ने दुआ की, तो घर को रोशन करने वाला एक नूर तीन बार (हर बार पहले से अधिक चमकीला) आया और गया; आप ने फ़रमाया: “मैंने अपने रब से अपनी उम्मत के एक-तिहाई की क्षमा माँगी, उसने दे दी; दूसरा और अंतिम एक-तिहाई भी माँगा, वह भी दे दिया।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 136 (Hâne-i saadetin üç kez nurlanması ve ümmetinin tamamının mağfireti hakkındaki duasının kabulü bâbı)

1662. सलमान सहित अल्लाह का ज़िक्र करने वाले एक समूह के पास आकर आप ने फ़रमाया: “तुम...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सलमान सहित अल्लाह का ज़िक्र करने वाले एक समूह के पास आकर आप ने फ़रमाया: “तुम क्या कह रहे थे? मैंने तुम पर रहमत उतरती देखी, और चाहा कि तुम्हारे साथ शामिल हो जाऊँ।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 144 (Rahmetin ve sekînetin görülmesi bâbı)

1663. एक सभा में आप ने आसमान की ओर देखा, फिर सिर झुका लिया; पूछे जाने पर बताया कि आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक सभा में आप ने आसमान की ओर देखा, फिर सिर झुका लिया; पूछे जाने पर बताया कि आप ने देखा कि अल्लाह का ज़िक्र करने वाले समूह पर फ़रिश्तों द्वारा उठाई गई सकीनत गुंबद की तरह उतरी, और जब उनमें से एक ने व्यर्थ बात कही, तो वह वापस उठा ली गई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 144 (Rahmetin ve sekînetin görülmesi bâbı)

1664. शहद मिला पानी लाए जाने पर अबू बक्र रोए और बताया कि एक बार आप के पास कोई नहीं...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शहद मिला पानी लाए जाने पर अबू बक्र रोए और बताया कि एक बार आप के पास कोई नहीं था, फिर भी आप ने हाथ से किसी चीज़ को धकेलते हुए कहा: “मुझसे दूर रहो”; पूछे जाने पर आप ने बताया कि दुनिया शरीर के रूप में आप के सामने आई और आप की ओर हाथ बढ़ाया; जब आप ने कहा: “मुझसे दूर रहो”, तो उसने कहा: “आप तो मुझसे बच गए, पर आप के बाद वाले नहीं बच सकेंगे।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 146 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1665. आप ने ख़बर दी कि दुनिया हरे-भरे और मीठे रूप में सजकर आप के पास आई और सिर उठाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि दुनिया हरे-भरे और मीठे रूप में सजकर आप के पास आई और सिर उठाया, और आप ने कहा: “मुझे तुम्हारी चाह नहीं।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 147 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1666. जिब्रील हाथ में एक सफ़ेद आईना लेकर आए जिसमें एक काला बिंदु था, और कहा: “यह जुमा...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

जिब्रील हाथ में एक सफ़ेद आईना लेकर आए जिसमें एक काला बिंदु था, और कहा: “यह जुमा है; आप का रब इसे आप के और आप की उम्मत के लिए ईद के रूप में पेश करता है; और काला बिंदु वह क़यामत (घड़ी) है जो इसी दिन आएगी।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 147 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1667. एक सुबह आप प्रसन्न होकर निकले और ख़बर दी कि रात को नमाज़ में ऊँघते हुए आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक सुबह आप प्रसन्न होकर निकले और ख़बर दी कि रात को नमाज़ में ऊँघते हुए आप ने अपने रब को सबसे सुंदर रूप में देखा; पूछा गया: “मलए आला किस बारे में बहस कर रहे हैं?”, और (अल्लाह की) क़ुदरत के हाथ की ठंडक अपने सीने में महसूस करते ही आप ने आसमानों और धरती की सब बातें जान लीं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 147-148 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1668. मुशरिकों के बच्चों के बारे में पूछने वाली आइशा से आप ने फ़रमाया: “अगर तुम चाहो...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुशरिकों के बच्चों के बारे में पूछने वाली आइशा से आप ने फ़रमाया: “अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें जहन्नम में उनकी चीख़ें सुना दूँ।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 148 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1669. आप के पास एक दुर्गंध उठी, तो आप ने फ़रमाया: “जानते हो यह क्या है? यह मोमिनों की...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप के पास एक दुर्गंध उठी, तो आप ने फ़रमाया: “जानते हो यह क्या है? यह मोमिनों की ग़ीबत करने वालों की दुर्गंध है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 149 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1670. रेगिस्तान में मिले एक घुड़सवार को, जो अपना परिवार छोड़कर आप के पास आया था, आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रेगिस्तान में मिले एक घुड़सवार को, जो अपना परिवार छोड़कर आप के पास आया था, आप ने इस्लाम सिखाया; उसकी ऊँटनी का पैर चूहे के बिल में फँसा, वह गिरकर मर गया, तो आप ने फ़रमाया: “इसने थोड़ा कर्म किया और बहुत प्रतिफल पाया; मैंने

दो फ़रिश्तों को उसके मुँह में जन्नत के फल डालते देखा” (दूसरी रिवायत में: हूरों ने उसे चाहा और सत्तर हूरों से उसका विवाह कर दिया गया)।

मदनी दौर (लगभग हिजरी 10), तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 150 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1671. जन्नत में प्रवेश करने पर आप ने क़ुरआन की तिलावत सुनी, और बताया गया कि पढ़ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जन्नत में प्रवेश करने पर आप ने क़ुरआन की तिलावत सुनी, और बताया गया कि पढ़ने वाले हारिसा बिन नुमान हैं; आप ने फ़रमाया: “नेकी (माँ के साथ भलाई) ऐसी ही होती है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 151 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1672. जिब्रील ने आप का हाथ पकड़कर जन्नत का वह दरवाज़ा दिखाया जिससे आप की उम्मत प्रवेश...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जिब्रील ने आप का हाथ पकड़कर जन्नत का वह दरवाज़ा दिखाया जिससे आप की उम्मत प्रवेश करेगी; “काश, मैं आप के साथ होता और देखता” कहने वाले अबू बक्र से आप ने फ़रमाया: “तुम मेरी उम्मत में सबसे पहले जन्नत में प्रवेश करने वाले हो।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 151 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1673. आप के पास होते हुए सहाबा ने एक चोगा (बुर्दा) और एक हाथ देखा; पूछे जाने पर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के पास होते हुए सहाबा ने एक चोगा (बुर्दा) और एक हाथ देखा; पूछे जाने पर आप ने फ़रमाया: “वे मरयम के बेटे ईसा हैं; उन्होंने मुझे सलाम किया।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 152 (Hızır ve Îsâ aleyhimesselâm ile buluşması bâbı)

1674. बीमार अबू बक्र को देखकर निकलने और आइशा को उनकी बीमारी की ख़बर देने के तुरंत बाद...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बीमार अबू बक्र को देखकर निकलने और आइशा को उनकी बीमारी की ख़बर देने के तुरंत बाद अबू बक्र स्वस्थ होकर आ गए और बोले: “आप के निकलते ही मुझे ऊँघ आई; जिब्रील ने आकर मेरी नाक में एक दवा (सऊत) डाली, और मैं स्वस्थ होकर उठा।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 156 (Ashabının melekleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1675. मदीना के बुज़ुर्गों ने अल्लाह के रसूल को बताया कि साबित बिन क़ैस बिन शम्मास का...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना के बुज़ुर्गों ने अल्लाह के रसूल को बताया कि साबित बिन क़ैस बिन शम्मास का घर रात भर दीपकों से रोशन रहा; आप ने फ़रमाया: “शायद उन्होंने सूरह अल-बक़रह पढ़ी होगी”, और साबित ने इसकी पुष्टि की।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 157 (Ashabının melekleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1676. हाथों में अपनी किताबें लिए आए अहले किताब के एक समूह से आप ने कहा: “अगर तुम चाहो...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हाथों में अपनी किताबें लिए आए अहले किताब के एक समूह से आप ने कहा: “अगर तुम चाहो तो तुम्हारे बताए बिना मैं बता दूँ कि तुम क्या पूछोगे”, और बताया कि वे ज़ुलक़रनैन के बारे में पूछने आए हैं, और उनका क़िस्सा (उनका रूमी युवक होना, इस्कंदरिया बसाना, एक फ़रिश्ते का उन्हें आसमान पर उठाकर धरती दिखाना, और दीवार बनाना) ठीक वैसे ही सुनाया जैसा उनकी किताबों में था।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 172 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1677. पास से गुज़रती एक स्त्री के बारे में “उसका दामन कितना लंबा है” कहने वाली आइशा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पास से गुज़रती एक स्त्री के बारे में “उसका दामन कितना लंबा है” कहने वाली आइशा से आप ने फ़रमाया: “थूको”, और आइशा के मुँह से मांस का एक टुकड़ा निकला।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 178 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1678. दूर से आते दो घुड़सवारों को देखकर आप ने फ़रमाया: “किंदा वाले, मज़हिज वाले”; पास...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दूर से आते दो घुड़सवारों को देखकर आप ने फ़रमाया: “किंदा वाले, मज़हिज वाले”; पास आने पर पता चला कि वे दोनों मज़हिज के हैं, और उन्होंने आकर बैअत की।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 179 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1679. आप ने फ़रमाया: “अभी तुम्हारे पास जन्नत वालों में से एक व्यक्ति आएगा”, और अबू...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “अभी तुम्हारे पास जन्नत वालों में से एक व्यक्ति आएगा”, और अबू बक्र आ पहुँचे (साद बिन रबीअ के यहाँ जाने के अवसर पर इन्हीं शब्दों के बाद क्रम से अबू बक्र, उमर, उस्मान और अली आए; सलमा की रिवायत में अली आए)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 180-181 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1680. आप ने फ़रमाया: “इस दरवाज़े से सबसे पहले प्रवेश करने वाला जन्नत वालों में से...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “इस दरवाज़े से सबसे पहले प्रवेश करने वाला जन्नत वालों में से है”, और साद बिन अबी वक़्क़ास ने प्रवेश किया (एक रिवायत में आप ने लगातार तीन दिन यही बात कही और हर बार साद ही आए)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 180 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1681. आप कल्ब क़बीले की जिस स्त्री से विवाह करना चाहते थे, उसे देखने के लिए भेजी गई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप कल्ब क़बीले की जिस स्त्री से विवाह करना चाहते थे, उसे देखने के लिए भेजी गई आइशा ने कहा: “मैंने कोई उल्लेखनीय बात नहीं देखी”, तो आप ने फ़रमाया: “तुमने उसके गाल पर ऐसा तिल देखा कि तुम्हारे रोंगटे खड़े हो गए”; आइशा ने कहा: “आप से कोई भेद छिपा नहीं रहता।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 181 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1682. आप क्रोध की हालत में निकले और फ़रमाया: “आज तुम मुझसे जो भी पूछोगे, मैं बता...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप क्रोध की हालत में निकले और फ़रमाया: “आज तुम मुझसे जो भी पूछोगे, मैं बता दूँगा” (जिब्रील आप के पास थे); पूछने वालों को आप ने उनके पिता और जन्नत या जहन्नम में उनके ठिकाने बताए, और उमर ने यह कहकर आप का क्रोध शांत किया: “हम अल्लाह को रब, इस्लाम को दीन और मुहम्मद को नबी मानकर राज़ी हैं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 182 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1683. जिनकी पत्नी ने काले बच्चे को जन्म दिया था, उन ज़मज़म बिन क़तादा के संदेह पर आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जिनकी पत्नी ने काले बच्चे को जन्म दिया था, उन ज़मज़म बिन क़तादा के संदेह पर आप ने उनके ऊँटों के रंग पूछे और फ़रमाया: “शायद इसमें वंश की कोई रग खिंच आई है” (बाद में पता चला कि उनके वंश में एक काली दादी थीं)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 182 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1684. जिसकी इबादत के बारे में लोग कम जानते थे, ऐसे एक व्यक्ति के मरने पर आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिसकी इबादत के बारे में लोग कम जानते थे, ऐसे एक व्यक्ति के मरने पर आप ने फ़रमाया: “क्या तुम जानते हो कि अल्लाह ने फ़लाँ को जन्नत में दाख़िल कर दिया है?”; सहाबा ने आश्चर्य से खोजबीन की, और पता चला कि जब भी मुअज़्ज़िन अज़ान देता, वह व्यक्ति शहादत दोहराता और वही दुआ करता था।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 183 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1685. एक ग़ज़वे में आप ने क्रम से ख़बर दी: “तुम अरब प्रायद्वीप से जिहाद करोगे, और...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में आप ने क्रम से ख़बर दी: “तुम अरब प्रायद्वीप से जिहाद करोगे, और अल्लाह विजय देगा; फिर फ़ारस से, और अल्लाह विजय देगा; फिर रूम से, और अल्लाह विजय देगा; फिर दज्जाल से, और अल्लाह विजय देगा” (हाशिम या नाफ़े बिन उत्बा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 8–21 (630–642 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 192 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

1686. आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद ऐसे ख़लीफ़ा होंगे जो अपने ज्ञान के अनुसार अमल करेंगे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद ऐसे ख़लीफ़ा होंगे जो अपने ज्ञान के अनुसार अमल करेंगे और वही करेंगे जिसका उन्हें आदेश दिया गया है; उनके बाद ऐसे ख़लीफ़ा आएँगे जो बिना ज्ञान के अमल करेंगे और वह करेंगे जिसका उन्हें आदेश नहीं दिया गया” (अबू हुरैरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11–40 और हिजरी 41 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 194 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

1687. अबू बक्र ने कहा: “मैंने सपने में देखा कि मैं इंसानी गंदगी पर पाँव रख रहा हूँ...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र ने कहा: “मैंने सपने में देखा कि मैं इंसानी गंदगी पर पाँव रख रहा हूँ, और अपने सीने पर दो निशान (रक़्मा) देखे”, तो आप ने इसकी ताबीर की: “तुम लोगों के मामलों की ज़िम्मेदारी सँभालोगे; दो निशान दो वर्ष हैं”, और उनकी ख़िलाफ़त लगभग दो वर्ष रही।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11–13 (632–634 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 195 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

1688. आप ने ख़बर दी: “कोई नबूवत ऐसी नहीं जिसके बाद ख़िलाफ़त न आए; कोई ख़िलाफ़त ऐसी...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “कोई नबूवत ऐसी नहीं जिसके बाद ख़िलाफ़त न आए; कोई ख़िलाफ़त ऐसी नहीं जिसके बाद बादशाहत न आए; और कोई सदक़ा (ज़कात) ऐसा नहीं जो अंत में कर (मक्स) न बन जाए” (अब्दुर्रहमान बिन सहल अंसारी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 और हिजरी 41 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 197 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

1689. आप ने ख़बर दी: “ख़िलाफ़त मदीना में होगी और बादशाहत शाम में” (अबू हुरैरा की...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “ख़िलाफ़त मदीना में होगी और बादशाहत शाम में” (अबू हुरैरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11–35 मदीना में, हिजरी 41–132 शाम में

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 197 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

1690. आप ने क़ुरैश से फ़रमाया: “यह काम (शासन) तुम्हारे पास रहेगा, तुम ही इसके अधिकारी...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने क़ुरैश से फ़रमाया: “यह काम (शासन) तुम्हारे पास रहेगा, तुम ही इसके अधिकारी हो, जब तक तुम नई बातें न गढ़ो; अगर गढ़ोगे, तो अल्लाह तुम पर अपनी सृष्टि के सबसे बुरे लोगों को भेजेगा, और वे तुम्हें ऐसे छील डालेंगे जैसे टहनी छीली जाती है” (अबू मसऊद अंसारी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 204 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

1691. आप ने ख़बर दी: “जब तक मेरी उम्मत के कुछ क़बीले मुशरिकों से न जा मिलें और...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “जब तक मेरी उम्मत के कुछ क़बीले मुशरिकों से न जा मिलें और मूर्तियों की पूजा न करने लगें, क़यामत नहीं आएगी” (सौबान की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: रिद्दा की घटनाएँ, हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 216 (kendisinden sonra irtidat olacağını haber vermesi)

1692. जब आप से कहा गया: “अम्मार पर दीवार गिर पड़ी, वे मर गए”, तो आप ने फ़रमाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब आप से कहा गया: “अम्मार पर दीवार गिर पड़ी, वे मर गए”, तो आप ने फ़रमाया: “अम्मार नहीं मरे”, और अम्मार जीवित निकले (हुज़ैल की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 239 (Ammâr b. Yâsir'in öldürüleceğini haber vermesi)

1693. सलमान, सुहैब और बिलाल वाली मंडली के पास आकर “औस और ख़ज़रज ने तो इस व्यक्ति की...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सलमान, सुहैब और बिलाल वाली मंडली के पास आकर “औस और ख़ज़रज ने तो इस व्यक्ति की सहायता की, पर इन लोगों को क्या हुआ है?” कहने वाले क़ैस बिन मुतातिया को मुआज़ पकड़कर ले आए; आप क्रोध में मस्जिद में आए और ख़ुतबा दिया: “रब एक है, पिता एक है, दीन एक है; अरब होना माँ-बाप से नहीं, भाषा से है”, और क़ैस के बारे में फ़रमाया: “इसे छोड़ दो, यह आग में जाएगा”; रिद्दा की घटनाओं में क़ैस धर्म से फिर गया और मारा गया (अबू सलमा बिन अब्दुर्रहमान की मुरसल रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 247 (Kays b. Mutâtıye'nin hâlini haber vermesi)

1694. साद की ताक-झाँक करती रहने वाली एक स्त्री से आप ने कहा: “तुम्हारा चेहरा बिगड़...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद की ताक-झाँक करती रहने वाली एक स्त्री से आप ने कहा: “तुम्हारा चेहरा बिगड़ जाए (फिर जाए)”, और उस स्त्री का चेहरा गर्दन की ओर फिर गया (मीना की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित (मदीना)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 281 (duaların kabulündeki mucizeler: Sa'd b. Ebî Vakkâs için duası)

1695. जिस बच्चे के लिए उसके माता-पिता, जिनमें एक मुसलमान और दूसरा काफ़िर था, झगड़ रहे...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

जिस बच्चे के लिए उसके माता-पिता, जिनमें एक मुसलमान और दूसरा काफ़िर था, झगड़ रहे थे, उसे आप ने चुनने का अधिकार दिया; बच्चा काफ़िर की ओर मुड़ा तो आप ने कहा: “ऐ अल्लाह, इसे हिदायत दे”, और बच्चा मुसलमान की ओर मुड़ गया (अब्दुल हमीद बिन सलमा की, अपने दादा से रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 284 (duaların kabulündeki mucizeler)

1696. एक सरिय्या में आदेश के विरुद्ध चलकर जमाअत के साथ नहीं, बल्कि अकेले ज़मीन पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक सरिय्या में आदेश के विरुद्ध चलकर जमाअत के साथ नहीं, बल्कि अकेले ज़मीन पर नमाज़ पढ़ने वाले व्यक्ति के बारे में आप ने कहा: “इसने विरोध किया; अल्लाह भी इसे विरोधी बना दे”, और वह व्यक्ति इस्लाम से बाहर रहकर मरा (ज़मरा और मुहाजिर बिन हबीब की रिवायत)।

मदनी दौर, एक सरिय्या (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 292 (duaların kabulündeki mucizeler)

1697. रोज़ी की तंगी की शिकायत करने वाले व्यक्ति को आप ने सिखाया कि भोर होने और सुबह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रोज़ी की तंगी की शिकायत करने वाले व्यक्ति को आप ने सिखाया कि भोर होने और सुबह की नमाज़ के बीच सौ बार “सुब्हानल्लाहि व बिहम्दिही, सुब्हानल्लाहिल अज़ीम, अस्तग़फ़िरुल्लाह” कहे; बाद में उस व्यक्ति ने आकर कहा: “दुनिया मेरी ओर ऐसे उमड़ आई है कि मुझे समझ नहीं आता उसे कहाँ रखूँ” (इब्ने उमर की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 299 (humma rukyesi, borç duası, cin rukyesi ve diğer öğrettiği dualar)

1698. आप ने बताया कि “क़ुलिद्ऊल्लाहा अविद्ऊर्रहमान” वाली आयतें (सूरह अल-इसरा, आयतें...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि “क़ुलिद्ऊल्लाहा अविद्ऊर्रहमान” वाली आयतें (सूरह अल-इसरा, आयतें 110-111) चोरी से सुरक्षा हैं; सोते समय इन्हें पढ़ने वाले एक सहाबी के घर में घुसा चोर सामान समेटकर तीन बार दरवाज़े तक आया, पर हर बार दरवाज़ा बंद पाकर निकल न सका (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 300 (humma rukyesi, borç duası, cin rukyesi ve diğer öğrettiği dualar)

1699. आप ने फ़रमाया: “उसकी क़सम जिसके हाथ में मेरी जान है, अगर मूसा जीवित होते, तो...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “उसकी क़सम जिसके हाथ में मेरी जान है, अगर मूसा जीवित होते, तो मेरा अनुसरण करने के सिवा उनके पास कोई रास्ता न होता” (उमर द्वारा लाए गए तौरात के एक पन्ने के अवसर पर)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 319 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

1700. “उसकी क़सम जिसने मुहम्मद को लोगों पर श्रेष्ठता दी” वाली बात पर आपत्ति करने वाले...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“उसकी क़सम जिसने मुहम्मद को लोगों पर श्रेष्ठता दी” वाली बात पर आपत्ति करने वाले यहूदी साहूकार को उमर ने थप्पड़ मारा, तो आप ने फ़रमाया: “आदम सफ़ीयुल्लाह (अल्लाह के चुने हुए), इब्राहीम ख़लीलुल्लाह (अल्लाह के मित्र), मूसा नजीयुल्लाह (अल्लाह से गुप्त वार्ता करने वाले) और ईसा रूहुल्लाह (अल्लाह की रूह) हैं; और मैं हबीबुल्लाह (अल्लाह का प्रिय) हूँ; अल्लाह ने अपने दो नामों से मेरी उम्मत को मुस्लिमीन और मोमिनीन नाम दिया; हम सबसे अंत में आने वाले हैं, पर क़यामत के दिन सबसे आगे रहने वाले हैं; जब तक मैं प्रवेश न करूँ, जन्नत नबियों पर हराम है, और जब तक मेरी उम्मत प्रवेश न करे, दूसरी उम्मतों पर हराम है” (मकहूल की रिवायत; जन्नत के हराम होने की बात उमर और इब्ने अब्बास से भी आई है)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 362 (ümmetine özgü hususiyetler bâbları)

1701. आप ने इतना लंबा सजदा किया कि सहाबा ने समझा आप की रूह क़ब्ज़ कर ली गई है; सिर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने इतना लंबा सजदा किया कि सहाबा ने समझा आप की रूह क़ब्ज़ कर ली गई है; सिर उठाने पर आप ने बताया कि आप के रब ने आप की उम्मत के बारे में आप से तीन बार परामर्श किया, और जब आप ने कहा: “ऐ मेरे रब, वे तेरे बंदे हैं”, तो

उसने फ़रमाया: “तुम्हारी उम्मत के विषय में मैं तुम्हें दुखी नहीं करूँगा”, और सत्तर हज़ार लोगों के बिना हिसाब जन्नत में जाने तथा और भी कई इनामों का शुभ समाचार दिया (हुज़ैफ़ा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 365 (ümmetine özgü hususiyetler bâbları)

1702. हिजामा (सींगी) से निकला आप का ख़ून पी लेने वाले क़ुरैश के एक युवक से आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिजामा (सींगी) से निकला आप का ख़ून पी लेने वाले क़ुरैश के एक युवक से आप ने फ़रमाया: “जाओ, तुमने अपने को आग से बचा लिया” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 440 (ona özgü ikramlar (kerâmât) kısmı)

1703. आप ने हिजामा कराकर अपना ख़ून जिस लड़के (दो लड़के भी कहा गया है) को दिया, उसने...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने हिजामा कराकर अपना ख़ून जिस लड़के (दो लड़के भी कहा गया है) को दिया, उसने वह ख़ून पी लिया; जिब्रील के आकर ख़बर देने पर आप ने फ़रमाया: “तुम्हें आग नहीं छुएगी” (अस्मा बिंत अबी बक्र की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 441 (ona özgü ikramlar (kerâmât) kısmı)

1704. उम्मे सलमा (उम्मे हबीबा भी कहा गया है) की सेविका बरका ने तख़्त के नीचे प्याले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उम्मे सलमा (उम्मे हबीबा भी कहा गया है) की सेविका बरका ने तख़्त के नीचे प्याले में रखा आप का मूत्र पी लिया, तो आप ने फ़रमाया: “तुमने आग से बचने के लिए अपने चारों ओर एक मज़बूत दीवार खड़ी कर ली” (हुकैमा बिंत उमैमा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 441 (ona özgü ikramlar (kerâmât) kısmı)

1705. एक दिन आप के चेहरे पर प्रसन्नता थी, और आप ने बताया कि एक फ़रिश्ते (जिब्रील) ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक दिन आप के चेहरे पर प्रसन्नता थी, और आप ने बताया कि एक फ़रिश्ते (जिब्रील) ने आकर आप के रब का यह शुभ समाचार पहुँचाया: “तुम्हारी उम्मत में से जो तुम पर एक बार दुरूद भेजेगा, मैं उस पर दस बार रहमत भेजूँगा, और जो सलाम भेजेगा, मैं उस पर दस बार सलाम भेजूँगा” (अबू तलहा और उमर की रिवायतें)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 453 (salât ü selâmın fazileti bâbı)

1706. हसन और हुसैन की कुश्ती के समय आप हसन का उत्साह बढ़ा रहे थे; फ़ातिमा के पूछने पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हसन और हुसैन की कुश्ती के समय आप हसन का उत्साह बढ़ा रहे थे; फ़ातिमा के पूछने पर आप ने फ़रमाया: “जिब्रील भी हुसैन का उत्साह बढ़ा रहे हैं”; एक रिवायत यह भी है कि दोनों के गले के तावीज़ों में जिब्रील के पंख के पर थे (मुहम्मद बिन अली और इब्ने उमर की रिवायतें)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 465 (Ehl-i beytinin, eşlerinin ve ashabının şerefi bâbı)

1707. बद्र में अपनी और अक़ील की ओर से फ़िदया देने वाले आप के चाचा अब्बास के बारे में...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र में अपनी और अक़ील की ओर से फ़िदया देने वाले आप के चाचा अब्बास के बारे में “जो तुमसे लिया गया उससे बेहतर तुम्हें देगा” (सूरह अल-अनफ़ाल, आयत 70) वाला वादा पूरा हुआ: बाद में आए माल में से “मुझे भी दीजिए” कहने वाले अब्बास के कपड़े में इतना माल डाला गया कि वे उसे उठा न सके।

ख़बर: बद्र के बाद, हिजरी 2; पूर्ति: मदनी दौर (बाद में आया धन)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 238 (Bâbü mâ ahbera bihî mine'l-kâinâti'l-müstakbele fî hayâtihî ve ba'deh)

1708. तौरात के पाठ के समय उमर यहूदियों के पास गए और उन्हें क़सम दिलाई, तो उनके सरदार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तौरात के पाठ के समय उमर यहूदियों के पास गए और उन्हें क़सम दिलाई, तो उनके सरदार ने स्वीकार किया: “हम जानते हैं कि वे अल्लाह के रसूल हैं”, और यह बहाना बनाया: “जिब्रील हमारा शत्रु है, मीकाईल हमारा मित्र है”; जब उमर यह ख़बर देने आए, तो उनके कुछ कहने से पहले ही नबी ﷺ ने इस विषय में उतरी आयत (सूरह अल-बक़रह, आयत 97) उन्हें पढ़कर सुनाई, और उमर ने कहा: “उसकी क़सम जिसने आप को सत्य के साथ भेजा, मैं भी यही ख़बर देने आया था।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ bi-ahvâli'l-Mustafâ (thk. M. Abdülkādir Atâ, DKİ 1408/1988), tek cilt, s. 44-45 (4. bâb: Tevrat ve İncil'de zikri)

1709. आप ने ख़बर दी कि जिस गाय की पीठ पर सवारी की गई, उसने अपने मालिक की ओर मुड़कर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जिस गाय की पीठ पर सवारी की गई, उसने अपने मालिक की ओर मुड़कर कहा: “मैं इसके लिए नहीं, हल जोतने के लिए पैदा की गई हूँ”, और भेड़ उठा ले जाने वाले भेड़िये ने चरवाहे से कहा: “दरिंदों के दिन, जिस दिन मेरे सिवा इसका कोई चरवाहा न होगा, इसकी रक्षा कौन करेगा?”; फिर आप ने फ़रमाया: “इस पर मैं, अबू बक्र और उमर ईमान रखते हैं” (अबू हुरैरा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित (बताई गई घटना पिछली उम्मतों की है)

स्रोत Jeffrey Hays (der.), "Miracles of Muhammad", Facts and Details – Middle East and North Africa, "Miracles of Muhammad: the Talking Wolf and Expulsion of a Liar's Corpse" bölümü

1710. एक ग़ज़वे में अपने साथियों के लिए लकड़ियाँ इकट्ठा करने और पानी भरने वाले, तीन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में अपने साथियों के लिए लकड़ियाँ इकट्ठा करने और पानी भरने वाले, तीन लोगों का काम करने वाले व्यक्ति के बारे में आप ने फ़रमाया: “वह जहन्नम वालों में से है”; शत्रु से सामना होने पर घायल हुए उस व्यक्ति ने एक तीर से अपने आप को मार डाला, और आप ने फ़रमाया: “मैं गवाही देता हूँ कि मैं अल्लाह का रसूल और उसका बंदा हूँ” (अबू सईद ख़ुदरी की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 61 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1711. “मैं यात्रा पर निकला तब मेरी पत्नी माहवारी में थी, लौटा तो वह गर्भवती थी” कहने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“मैं यात्रा पर निकला तब मेरी पत्नी माहवारी में थी, लौटा तो वह गर्भवती थी” कहने वाले व्यक्ति ने जिन दो लोगों पर संदेह किया, आप ने उन्हें बुलवाया और फ़रमाया: “अगर बच्चा इसका है, तो घुंघराले बालों वाला, ऐसा-ऐसा पैदा होगा”; बच्चा वैसा ही पैदा हुआ जैसा आप ने कहा था।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 87 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1712. अपनी बेटी के जनाज़े के लिए निकलने पर आप ने फ़रमाया: “जो आज रात अपनी दासी के पास...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपनी बेटी के जनाज़े के लिए निकलने पर आप ने फ़रमाया: “जो आज रात अपनी दासी के पास गया हो, वह जनाज़े में शामिल न हो”, और जब कोई नहीं उठा, तो फ़रमाया: “या तो वह उठ जाए, या मैं उसका नाम उसके पिता के नाम के साथ बता दूँगा” (एक छिपी बात की ख़बर)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 96 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1713. आप ने पत्र भेजकर जिन क़ैस बिन अरना बजली को बुलाया था, वे नगर में आने से हिचककर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने पत्र भेजकर जिन क़ैस बिन अरना बजली को बुलाया था, वे नगर में आने से हिचककर पहाड़ पर रुके अपने साथी ख़ुवैलिद बिन हारिस कल्बी की बात छिपाकर आए और पूछा: “क्या मैं सुरक्षित हूँ?”, तो आप ने फ़रमाया: “हाँ; और पहाड़ पर पीछे रुका तुम्हारा साथी भी”; क़ैस ने तुरंत शहादत दी।

मदनी दौर (वफ़्द, हिजरी 9–10)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 103-104 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1714. एक बद्दू ने जो शब्द पूछे जिन्हें कोई नहीं जानता था (सुलैया: बोने पर भी कुछ न...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक बद्दू ने जो शब्द पूछे जिन्हें कोई नहीं जानता था (सुलैया: बोने पर भी कुछ न उगाने वाली बंजर भूमि; क़ुरैया: छितराई उपज वाली, अपना ख़र्च भी न निकालने वाली भूमि), धरती के सबसे अच्छे और सबसे बुरे स्थान (मस्जिदें और बाज़ार) और धरती पर गिरा पहला ख़ून (क़ाबील को जन्म देते समय हव्वा का ख़ून), इन सबको जिब्रील ने आसमान पर जाकर मालूम किया और आप को बताया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 110-111 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1715. एक यहूदी ने पूछा: “हर नबी का एक हामान होता है; आप का कौन है?”, तो आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यहूदी ने पूछा: “हर नबी का एक हामान होता है; आप का कौन है?”, तो आप ने फ़रमाया: “अगर मैं तुम्हें दिखा दूँ तो क्या तुम ईमान लाओगे?”; यहूदी ने दस निशानियाँ गिनाईं, और भीतर आने वालों में से पहले दो के लिए “नहीं” और तीसरे के लिए “हाँ” उत्तर पाकर उसने कहा: “मैं गवाही देता हूँ कि आप अल्लाह के रसूल हैं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 1083-1084 (el-Bâbü'l-ışrûn fî alâmât ve merâtib nebiyyinâ ve evsiyâih)

1716. आप ने अपने सहाबा से कहा: “अभी तुम्हारे पास रबीआ क़बीले का एक व्यक्ति आएगा जो...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने सहाबा से कहा: “अभी तुम्हारे पास रबीआ क़बीले का एक व्यक्ति आएगा जो शैतान की ज़बान से बोलता है”; हुतम बिन हिंद आया और सोचने की मोहलत माँगकर चला गया, तो आप ने फ़रमाया: “यह काफ़िर चेहरे के साथ आया और विश्वासघाती एड़ियों के साथ लौटा”; निकलते ही वह मदीना के पशुओं का झुंड हाँक ले गया।

मदनी दौर (हिजरी 6–9)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 96 (fasl fî mu'cizât akvâlihî (gayb haberleri))

1717. आप ने ख़बर दी: “कल हज़रमौत से नौ लोग आएँगे; छह मुसलमान होंगे, तीन नहीं होंगे”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “कल हज़रमौत से नौ लोग आएँगे; छह मुसलमान होंगे, तीन नहीं होंगे” (जब अली ने इसकी पुष्टि की, तो आप ने उन्हें “अस-सिद्दीक़ुल अकबर (सबसे बड़े सत्यवादी), यासूबुल मोमिनीन (मोमिनों के अगुवा)” कहा); अगले दिन ठीक ऐसा ही हुआ, और ईमान न लाने वाले तीन लोगों को आप ने बताया कि एक आसमान से गिरी बिजली से, एक साँप के डसने से मरेगा और एक अपने ऊँटों को खोजते हुए मारा जाएगा; मुसलमान हुए छह लोगों ने बाद में आकर कहा: “तीनों के साथ ठीक वही हुआ जो आप ने कहा था” (अली की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित (संभवतः वफ़्दों का दौर)

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 103-104, hadis no. 95/4 (bâb 1, fasıl 14: gaybdan haber vermesi)

1718. “अस्सामु अलैक” (तुम पर मौत हो) कहकर गुज़रे यहूदी के बारे में आप ने फ़रमाया: “एक...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“अस्सामु अलैक” (तुम पर मौत हो) कहकर गुज़रे यहूदी के बारे में आप ने फ़रमाया: “एक काला साँप इसकी गर्दन के पीछे डसकर इसे मार डालेगा”; यहूदी लकड़ियाँ बटोरकर जीवित लौटा, तो आप ने उसका लकड़ियों का गट्ठर खुलवाया और उसमें एक डाली को दाँतों में दबाए काला साँप दिखाया, और बताया कि उस दिन अपनी दो रोटियों में से एक ग़रीब को सदक़े में देने के कारण वह व्यक्ति बच गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 21 (Bâb 6: duasının kabulü, ölülerin diriltilmesi ve hastaların şifası)

1719. जिब्रील ने ख़बर दी कि मूसा की तख़्तियों के बचे हुए भाग को पीढ़ी-दर-पीढ़ी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिब्रील ने ख़बर दी कि मूसा की तख़्तियों के बचे हुए भाग को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सँभालने वाले यमन के चार परिवारों (के प्रतिनिधि) आप के पास आने के लिए चल पड़े हैं; रात को जब उन्होंने दरवाज़ा खटखटाया, तो आप ने एक-एक का नाम लेकर पूछा: “यूशा बिन नून से विरासत में मिली किताब कहाँ है?”, और उन्होंने शहादत दी; आप ने बारीक लिखावट वाली इब्रानी किताब अली को दी, और सुबह तक वह किताब अरबी में हो गई और उसमें हर ज्ञान था (अली की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 106 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1720. अली और एक समूह को आते देखकर आप मुस्कुराए और फ़रमाया: “अगर तुम चाहो तो मैं बता...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली और एक समूह को आते देखकर आप मुस्कुराए और फ़रमाया: “अगर तुम चाहो तो मैं बता दूँ कि तुम क्या पूछोगे”, और जो तीन बातें वे पूछना चाहते थे (भलाई किसके साथ की जाए, स्त्री का जिहाद क्या है, और रोज़ी कहाँ से आती है), उनके कहने से पहले ही बताकर उनके उत्तर दिए (सईद बिन मुसय्यब की, अबू हुरैरा से रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 107 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1721. कुछ पूछना चाहने वाले अबू सुफ़यान से आप ने फ़रमाया: “अगर चाहो तो तुम्हारे पूछे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कुछ पूछना चाहने वाले अबू सुफ़यान से आप ने फ़रमाया: “अगर चाहो तो तुम्हारे पूछे बिना बता दूँ: तुम पूछोगे कि मेरी आयु कितनी होगी; मैं तिरसठ वर्ष जीऊँगा”, और अबू सुफ़यान ने (ज़बान से) इसकी पुष्टि की (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मक्का विजय के बाद (हिजरी 8–11)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 107 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1722. आप ने लाए गए बंदियों को मारने का आदेश दिया और उनमें से केवल एक को छोड़ दिया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने लाए गए बंदियों को मारने का आदेश दिया और उनमें से केवल एक को छोड़ दिया; कारण पूछने वाले उस व्यक्ति से आप ने फ़रमाया: “जिब्रील ने मुझे तुम्हारे पाँच ऐसे गुण बताए जिन्हें अल्लाह पसंद करता है: अपने घर की स्त्रियों के लिए ग़ैरत (स्वाभिमान), उदारता, अच्छा स्वभाव, सच्चाई और साहस”, और वह व्यक्ति मुसलमान हो गया (इमाम सादिक़ की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 108 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1723. एक ग़ज़वे में सबका काम अपने ज़िम्मे लेकर ख़ूब मेहनत करने (बहादुरी से लड़ने)...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में सबका काम अपने ज़िम्मे लेकर ख़ूब मेहनत करने (बहादुरी से लड़ने) वाले एक व्यक्ति के बारे में आप ने फ़रमाया: “वह जहन्नमी है”; शत्रु से लड़ाई में घायल होने पर वह व्यक्ति पीड़ा सह न सका और अपने तीर से अपने आप को मार डाला, और ख़बर लाने वाले ने कहा: “मैं गवाही देता हूँ कि आप अल्लाह के रसूल हैं” (अबू सईद ख़ुदरी की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 111 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1724. दो दिन से कुछ न खाने की बात कहने वाले ग़रीब से आप ने बाज़ार जाने को कहा; वह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दो दिन से कुछ न खाने की बात कहने वाले ग़रीब से आप ने बाज़ार जाने को कहा; वह व्यक्ति दो दिन तक “मुझे कुछ नहीं मिला” कहता रहा, और तीसरे दिन उसके इनकार करने पर भी आप ने ख़बर दी: “फ़लाँ ख़ानदान के क़ाफ़िले में तुम्हारा हिस्सा निकाला गया, तुमने एक दीनार कमाया”; उस व्यक्ति ने स्वीकार किया: “मैं आप को परखना चाहता था”, और आप ने फ़रमाया: “जो बेनियाज़ी दिखाता है, अल्लाह उसे धनी कर देता है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 114-115 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1725. मस्जिद में आप ने “उठो ऐ फ़लाँ, उठो ऐ फ़लाँ” कहकर पाँच लोगों को उनके नाम से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिद में आप ने “उठो ऐ फ़लाँ, उठो ऐ फ़लाँ” कहकर पाँच लोगों को उनके नाम से उठाया और फ़रमाया: “हमारी मस्जिद से निकल जाओ; ज़कात न देते हुए यहाँ नमाज़ न पढ़ो” (उनकी छिपी हालत की ख़बर; इमाम बाक़िर की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 130 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1726. आप ने अबू बद्र नाम के व्यक्ति से कहा: “ला इलाहा इल्लल्लाह कहो”, उसने प्रमाण...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू बद्र नाम के व्यक्ति से कहा: “ला इलाहा इल्लल्लाह कहो”, उसने प्रमाण माँगा, तो आप ने उसके मन की बात बता दी: “चार महीने से तुम्हारे दिल में यह-यह बात है”; उस व्यक्ति ने पुष्टि की और मुसलमान हो गया (अनस की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 138 (Bâb 11: gaybî haberleri)

1727. ख़ैबर और उरैना की बस्तियों के यहूदियों में से बारह (या ग्यारह) विद्वानों की उस...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर और उरैना की बस्तियों के यहूदियों में से बारह (या ग्यारह) विद्वानों की उस छिपी योजना को, कि मुसलमानों को संदेह में डालने के लिए सुबह ईमान लाने का दिखावा करें और शाम को फिर जाएँ, एक आयत (सूरह आले इमरान, आयत 72) ने खोल दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 159, 171-172 (Bâb 1: i'câzü ümmi'l-mu'cizât el-Kur'ânü'l-Kerîm)

1728. आप को ग़ैब के प्रश्नों से परखने के लिए आपस में तय करके आए अरबद बिन क़ैस और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप को ग़ैब के प्रश्नों से परखने के लिए आपस में तय करके आए अरबद बिन क़ैस और नज़्र बिन हारिस में से अरबद की ओर मुड़कर आप ने कहा: “क्या तुम्हें याद है कि फ़लाँ दिन तुम आमिर के साथ किस इरादे से आए थे?”, और उनकी गुप्त बातचीत बता दी; अरबद ने यह कहकर शहादत दी: “हमारे पास कोई नहीं था, यह बात आप को आसमान के किसी फ़रिश्ते ने ही बताई है।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 228 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1729. एक नमाज़ के बाद आप ने यह कहकर मृतक की हालत की ख़बर दी: “क्या यहाँ बनू नज्जार का...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक नमाज़ के बाद आप ने यह कहकर मृतक की हालत की ख़बर दी: “क्या यहाँ बनू नज्जार का कोई है? तुम्हारा साथी (शहीद होने के बावजूद) तीन दीनार के क़र्ज़ के कारण जन्नत के दरवाज़े पर रोक लिया गया है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 295 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1730. बनू क़ुरैज़ा के यहूदी विद्वानों में से मुनाफ़िक़ राफ़े बिन हुरैमिला के मरने पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू क़ुरैज़ा के यहूदी विद्वानों में से मुनाफ़िक़ राफ़े बिन हुरैमिला के मरने पर आप ने यह कहकर उसकी मृत्यु की ख़बर दी: “आज मुनाफ़िक़ों के बड़ों में से एक बड़ा मुनाफ़िक़ मर गया।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kurayza oğulları Yahudî bilginlerinden münâfık olan Rafi' b. Hureymile" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:174-175)

1731. मदीना आए अब्स क़बीले के तीन लोगों से आप ने उनके क़बीले के ख़ालिद बिन सिनान के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना आए अब्स क़बीले के तीन लोगों से आप ने उनके क़बीले के ख़ालिद बिन सिनान के बारे में पूछा और उन पर बीती घटनाएँ उन्हें सुनाईं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित (अब्स का वफ़्द)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Abs Oğullarına Hâlid b. Sinan'ı Soruşu ve Onlara Onun Başına Gelenleri Haber Verişi" (kitabın dipnotu: Diyarbekrî, Târîh, c:1, s:200)

36 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: फ़रिश्ते और सच्चे सपने

1732. उमर और सहाबा ने दीन सिखाने के लिए मनुष्य के रूप में आए जिब्रील को देखा (हदीसे...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उमर और सहाबा ने दीन सिखाने के लिए मनुष्य के रूप में आए जिब्रील को देखा (हदीसे जिब्रील)।

लगभग हिजरी 10

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.393; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Questions on Islam, "Miracles concerning Angels and Jinn"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 154; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Îmân 37; Müslim, Îmân 1-7 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 14, c./s. 2/215-218]

1733. उम्मे सलमा ने जिब्रील को दिह्या के रूप में अल्लाह के रसूल ﷺ से बात करते देखा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उम्मे सलमा ने जिब्रील को दिह्या के रूप में अल्लाह के रसूल ﷺ से बात करते देखा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.392; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3633; Questions on Islam, "Miracles concerning Angels and Jinn"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 154; Kütüb-i Sitte: Buhârî 3633, 4980; Müslim 2451

1734. हारिसा बिन नुमान ने जिब्रील को अल्लाह के रसूल ﷺ के साथ बैठे देखा और सलाम किया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हारिसा बिन नुमान ने जिब्रील को अल्लाह के रसूल ﷺ के साथ बैठे देखा और सलाम किया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.395; 1000 Mucize no.839 (s.702); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 155

1735. अब्दुल्लाह बिन अब्बास ने जिब्रील को देखा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन अब्बास ने जिब्रील को देखा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.396; 1000 Mucize no.837 (s.701); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 155

1736. अंसार में से एक व्यक्ति ने जिब्रील को देखा और उनसे बात की

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंसार में से एक व्यक्ति ने जिब्रील को देखा और उनसे बात की।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.397; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 155

1737. मुहम्मद बिन मसलमा ने जिब्रील को देखा; जिब्रील ने कहा: “अगर वह सलाम करता, तो मैं...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुहम्मद बिन मसलमा ने जिब्रील को देखा; जिब्रील ने कहा: “अगर वह सलाम करता, तो मैं उत्तर देता।”

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.398; 1000 Mucize no.840 (s.703); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 155; c. 2, s. 156

1738. हुज़ैफ़ा ने उस फ़रिश्ते को देखा जो अल्लाह के रसूल ﷺ को सलाम करने के लिए पहली...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुज़ैफ़ा ने उस फ़रिश्ते को देखा जो अल्लाह के रसूल ﷺ को सलाम करने के लिए पहली बार धरती पर उतरा था (हसन और हुसैन का शुभ समाचार)।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.399; 1000 Mucize no.835 (s.700); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 156; c. 2, s. 464; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb, (3783) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4447, c./s. 12/531]

1739. फ़रिश्ते इमरान बिन हुसैन को सलाम करते थे; जब उन्होंने दाग़कर इलाज कराया तो यह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

फ़रिश्ते इमरान बिन हुसैन को सलाम करते थे; जब उन्होंने दाग़कर इलाज कराया तो यह सलाम बंद हो गया, और यह इलाज छोड़ने पर फिर से आने लगा।

हिजरी 52 तक

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.400; 1000 Mucize no.836 (s.700); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 156-157; Kütüb-i Sitte: Müslim 1226

1740. उसैद बिन हुज़ैर क़ुरआन पढ़ रहे थे, तब आसमान से दीपकों जैसी सकीनत (या फ़रिश्ते) उतरी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उसैद बिन हुज़ैर क़ुरआन पढ़ रहे थे, तब आसमान से दीपकों जैसी सकीनत (या फ़रिश्ते) उतरी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.403; 1000 Mucize no.833 (s.698); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 157; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (Üseyd b. Hudayr)

1741. एक सहाबी ने किसी ऐसे व्यक्ति से क़ुरआन की तिलावत सुनी जिसे वे देख नहीं सकते थे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक सहाबी ने किसी ऐसे व्यक्ति से क़ुरआन की तिलावत सुनी जिसे वे देख नहीं सकते थे।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.406; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 167

1742. औफ़ बिन मालिक और उनके साथियों ने उस फ़रिश्ते की आवाज़ सुनी जो शफ़ाअत के विषय...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

औफ़ बिन मालिक और उनके साथियों ने उस फ़रिश्ते की आवाज़ सुनी जो शफ़ाअत के विषय में आप के रब की ओर से ख़बर लाया था।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.407; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 385; Kütüb-i Sitte: Tirmizî (listedeki kaynağa göre); İbn Mâce 4311 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7328]

1743. अबू हुरैरा ने ज़कात के माल से चोरी करने वाले शैतान को पकड़ा; अल्लाह के रसूल ﷺ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू हुरैरा ने ज़कात के माल से चोरी करने वाले शैतान को पकड़ा; अल्लाह के रसूल ﷺ हर सुबह उन्हें बता देते थे कि रात में क्या हुआ।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.421; 1000 Mucize no.202 (s.181); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 267; Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 161-162; Kütüb-i Sitte: Buhârî 2311 (ta'lîkan); Nesâî (listedeki kaynağa göre)

1744. एक व्यक्ति के पीछे दो शैतान आए, और शैतान ने अल्लाह के रसूल ﷺ को सलाम भेजा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक व्यक्ति के पीछे दो शैतान आए, और शैतान ने अल्लाह के रसूल ﷺ को सलाम भेजा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.428

1745. अबू दुजाना के घर को सताने वाले जिन्नों से बचाव के लिए आप ने एक हिर्ज़ (रक्षा-लेख) लिखवाया

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अबू दुजाना के घर को सताने वाले जिन्नों से बचाव के लिए आप ने एक हिर्ज़ (रक्षा-लेख) लिखवाया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.433; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 166-167

1746. मुअव्विज़ बिन अफ़रा की बेटी रुबय्यिअ की रक्षा हुई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुअव्विज़ बिन अफ़रा की बेटी रुबय्यिअ की रक्षा हुई।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.430; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 499

1747. अम्मार बिन यासिर के लौटने से पहले ही आप ने अपने सहाबा को ख़बर दी कि वे कुएँ पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अम्मार बिन यासिर के लौटने से पहले ही आप ने अपने सहाबा को ख़बर दी कि वे कुएँ पर एक जिन्न (या शैतान) से लड़े हैं।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.439; 1000 Mucize no.203 (s.183); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 165-166; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 111; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 60

1748. उमर ने अपने सामने आए शैतान से कुश्ती लड़कर उसे पछाड़ दिया

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

उमर ने अपने सामने आए शैतान से कुश्ती लड़कर उसे पछाड़ दिया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.438; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 268; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 165

1749. आप ने ख़बर दी कि इब्लीस लोगों को संदेह में डालने के लिए दीन से जुड़े प्रश्न...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि इब्लीस लोगों को संदेह में डालने के लिए दीन से जुड़े प्रश्न उठाता है।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.440; 1000 Mucize no.206 (s.186); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 166

1750. अब्दुल्लाह बिन उमर ने (जहन्नम से जुड़ा) एक सपना देखा, और आप ने उसकी ताबीर की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन उमर ने (जहन्नम से जुड़ा) एक सपना देखा, और आप ने उसकी ताबीर की: “अब्दुल्लाह कितना अच्छा आदमी है, काश वह रात की नमाज़ पढ़ता।”

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.348; 1000 Mucize no.990 (s.803); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 300; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Ta'bir, 35, 36, Salât 58, Teheccüt 2, Fedâilu'l-Ashâb 19; Müslim, Fedâilu's- Sahâbe 140, (2479) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 969, c./s. 4/537-538]

1751. तलहा बिन उबैदुल्लाह ने सपने में देखा कि एक वर्ष बाद मरने वाला भाई शहीद भाई से...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

तलहा बिन उबैदुल्लाह ने सपने में देखा कि एक वर्ष बाद मरने वाला भाई शहीद भाई से पहले जन्नत में प्रवेश कर गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.351; 1000 Mucize no.993 (s.807); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 302; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 3925 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7173]

1752. अबू सईद ख़ुदरी ने सूरह साद के सजदे के बारे में एक सपना देखा

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अबू सईद ख़ुदरी ने सूरह साद के सजदे के बारे में एक सपना देखा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.355; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 302

1753. तुफ़ैल बिन सख़बरा ने “जो अल्लाह और मुहम्मद चाहें” वाली बात के बारे में एक सपना...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तुफ़ैल बिन सख़बरा ने “जो अल्लाह और मुहम्मद चाहें” वाली बात के बारे में एक सपना देखा, और यह बात कहने से मना कर दिया गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.356; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 2118 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6651, c./s. 17/240]

1754. अंसार में से एक व्यक्ति ने नमाज़ के बाद की तस्बीहों के बारे में सपना देखा, और आप ने उसकी पुष्टि की

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अंसार में से एक व्यक्ति ने नमाज़ के बाद की तस्बीहों के बारे में सपना देखा, और आप ने उसकी पुष्टि की।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.357; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 303; Kütüb-i Sitte: Nesâî (Zeyd b. Sâbit rivayeti, 'te) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1813, c./s. 7/42]

1755. सपने में देखा गया कि अबू उमामा के ज़िक्र के कारण फ़रिश्ते उनके लिए दुआ करते हैं

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सपने में देखा गया कि अबू उमामा के ज़िक्र के कारण फ़रिश्ते उनके लिए दुआ करते हैं।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.358

1756. एक नेक स्त्री ने सपना देखा, और उसके बाद वह घटना हुई जिसने सपने को सच साबित किया

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक नेक स्त्री ने सपना देखा, और उसके बाद वह घटना हुई जिसने सपने को सच साबित किया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.359

1757. आइशा के पास अपने जन्नत में जाने की क़सम खाने वाली स्त्री ने एक सपना देखा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आइशा के पास अपने जन्नत में जाने की क़सम खाने वाली स्त्री ने एक सपना देखा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.361

1758. कई सहाबा को सपने में दिखाया गया कि शबे क़द्र रमज़ान की अंतिम सात (या दस) रातों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

कई सहाबा को सपने में दिखाया गया कि शबे क़द्र रमज़ान की अंतिम सात (या दस) रातों में है।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.362; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 303; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (listedeki kaynağa göre)

1759. इब्ने ज़िम्ल जुहनी ने (दुनिया की आयु और मिंबर से जुड़ा) एक सपना देखा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इब्ने ज़िम्ल जुहनी ने (दुनिया की आयु और मिंबर से जुड़ा) एक सपना देखा।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.365

1760. एक व्यक्ति ने सपने में देखा कि हिसाब के लिए लोगों को महशर में इकट्ठा किया गया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक व्यक्ति ने सपने में देखा कि हिसाब के लिए लोगों को महशर में इकट्ठा किया गया है, और इस सपने को उसके सम्मान का संकेत माना गया।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.368

1761. एक व्यक्ति ने जिस क़ब्र से टेक लगाई थी, उसमें दफ़्न मृतक से नसीहत सुनी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक व्यक्ति ने जिस क़ब्र से टेक लगाई थी, उसमें दफ़्न मृतक से नसीहत सुनी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.369

1762. एक सहाबी ने जिस क़ब्र पर तंबू लगाया था, उसमें दफ़्न मृतक को सूरह अल-मुल्क पढ़ते सुना

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक सहाबी ने जिस क़ब्र पर तंबू लगाया था, उसमें दफ़्न मृतक को सूरह अल-मुल्क पढ़ते सुना।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.370; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 364; Kütüb-i Sitte: Tirmizî (listedeki kaynağa göre)

1763. याला बिन मुर्रा ने एक क़ब्र में अज़ाब (या क़ब्र के दबाव) की आवाज़ सुनी

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

याला बिन मुर्रा ने एक क़ब्र में अज़ाब (या क़ब्र के दबाव) की आवाज़ सुनी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.371; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 145

1764. अब्दुर्रहमान बिन औफ़ ने बताया कि बेहोशी की हालत में दो फ़रिश्तों ने उनसे क्या कहा

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अब्दुर्रहमान बिन औफ़ ने बताया कि बेहोशी की हालत में दो फ़रिश्तों ने उनसे क्या कहा।

हिजरी 32 से पहले

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.372; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 159

1765. अब्दुल्लाह बिन रवाहा ने बताया कि बेहोशी की हालत में उनकी बहन के विलाप के हर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन रवाहा ने बताया कि बेहोशी की हालत में उनकी बहन के विलाप के हर शब्द पर उनसे पूछा जाता था: “क्या तुम ऐसे हो?”

हिजरी 8 से पहले

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.373; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 158-159; Kütüb-i Sitte: Buhârî (Nu'mân b. Beşîr; listedeki kaynağa göre)

1766. आप ने फ़रमाया: “जिसने मुझे सपने में देखा, उसने सचमुच मुझे ही देखा; शैतान मेरा रूप धारण नहीं कर सकता”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “जिसने मुझे सपने में देखा, उसने सचमुच मुझे ही देखा; शैतान मेरा रूप धारण नहीं कर सकता।”

निरंतर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.374; web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 567; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 452 kısmı); Kütüb-i Sitte: Buharî, Tabir 2, 10; Müslim, Rüya 10; (2266); İbn Mâce 3903, 3904 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 959, c./s. 4/516; no. 7165; no. 7166]

1767. अब्दुल्लाह बिन अब्बास ने सपने में शबे क़द्र देखी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन अब्बास ने सपने में शबे क़द्र देखी।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), कोई निश्चित तिथि नहीं – फ़रिश्तों को देखना और सच्चे सपने

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.364

1768. आप ने सपने में देखा कि आप कुएँ से पानी खींच रहे हैं, और डोल उमर के हाथ में आकर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि आप कुएँ से पानी खींच रहे हैं, और डोल उमर के हाथ में आकर एक बड़ा चरसा बन गया, और उन्होंने ऐसी अनोखी शक्ति से पानी खींचा कि लोगों ने (तृप्त होकर) अपने ऊँट बिठा दिए; यह उनकी लंबी और विजयों से भरी ख़िलाफ़त का संकेत था।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 13–23 (634–644 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.426 (s.418); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3634; Kütüb-i Sitte: Buhârî 3634, 3682; Müslim 2393

1769. आप ने सपने में देखा कि अबू जहल आकर आप से बैअत कर रहा है; जब ख़ालिद बिन वलीद...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि अबू जहल आकर आप से बैअत कर रहा है; जब ख़ालिद बिन वलीद मुसलमान हुए और लोगों ने कहा: “आप का सपना पूरा हो गया”, तो आप ने फ़रमाया: “कोई और भी होगा”, और अंत में इकरिमा बिन अबी जहल मुसलमान हुए।

सपना: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: ख़ालिद हिजरी 8 (629 ईस्वी), इकरिमा मक्का विजय के बाद हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.985 (s.798); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 56; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "İkrime b. Ebu Cehil'e Eman Verilişi ve Kendisinin Müslüman Oluşu" (kitabın dipnotu: Hâkim, Müstedrek, c:3, s:241-242; Vâkıdî, Megâzî, c:2, s:851; Taberî, Târih, c:3, s:120; Diyarbekrî, Târîh, c:2, s:91; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:4, s:71; Ezrakî, Ahbâru Mekke, c:1, s:123)

1770. एक व्यक्ति ने नबी ﷺ को अपना सपना सुनाया: आसमान से एक डोल उतरा; अबू बक्र ने उसके...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक व्यक्ति ने नबी ﷺ को अपना सपना सुनाया: आसमान से एक डोल उतरा; अबू बक्र ने उसके कुंडों को पकड़कर थोड़ा पिया, उमर और उस्मान ने जी भरकर पिया, और जब अली ने पकड़ा तो डोल ऊपर खींच लिया गया और उन पर थोड़ा पानी छलक गया; इसे चारों ख़लीफ़ाओं के दौर और अली के समय के फ़ितने का संकेत माना गया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: चार ख़लीफ़ाओं का दौर, अली के दौर का फ़ितना, हिजरी 35–40 (656–661 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.991 (s.804); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd (listedeki kaynağa göre)

1771. इब्ने अब्बास, उसामा बिन ज़ैद और दूसरे लोगों ने आप के पास जिब्रील को दिह्या...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इब्ने अब्बास, उसामा बिन ज़ैद और दूसरे लोगों ने आप के पास जिब्रील को दिह्या (कल्बी) के रूप में देखा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl (melekler ve cinler)

1772. रबीआ जुरशी की रिवायत के अनुसार, नींद में आप के पास (फ़रिश्ते) आए और कहा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

रबीआ जुरशी की रिवायत के अनुसार, नींद में आप के पास (फ़रिश्ते) आए और कहा: “तुम्हारी आँख सोए, तुम्हारा कान सुने, तुम्हारा दिल समझे”, और आप की स्थिति को एक ऐसे स्वामी की मिसाल से समझाया गया जिसने घर बनाया, दस्तरख़्वान बिछाया और बुलाने वाला भेजा: स्वामी अल्लाह है, घर इस्लाम है, दस्तरख़्वान जन्नत है, और बुलाने वाले मुहम्मद ﷺ हैं।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Dârimî, Sünen, Mukaddime, no. 11

1773. सूरह अल-कहफ़ पढ़ने वाले एक व्यक्ति के घर में बँधा उसका जानवर बिदक गया, और उस...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-कहफ़ पढ़ने वाले एक व्यक्ति के घर में बँधा उसका जानवर बिदक गया, और उस व्यक्ति पर एक धुंध (या बादल) छा गई; जब उसने यह हाल बताया, तो आप ने फ़रमाया: “पढ़ते रहो ऐ फ़लाँ! वह सकीनत थी जो क़ुरआन के लिए उतरी”

(बरा बिन आज़िब की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3614

1774. आप ने सपने में देखा कि दो फ़रिश्ते आप के सिरहाने और पैताने खड़े होकर आप की और...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि दो फ़रिश्ते आप के सिरहाने और पैताने खड़े होकर आप की और आप की उम्मत की मिसाल यों देते हैं: रेगिस्तान के बीच बिना रसद के फँसे यात्रियों के पास सुंदर वस्त्रों वाला एक व्यक्ति आकर कहता है: “अगर तुम मेरे पीछे चलो, तो मैं तुम्हें हरे-भरे बाग़ों और भरे हुए हौज़ों तक ले चलूँगा” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb fî meselihî ve meseli men etâahû, no 13957 (8/260)

1775. अबू बक्र ने जिब्रील को नबी ﷺ से फुसफुसाकर बात करते सुना, पर उन्हें देखा नहीं

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र ने जिब्रील को नबी ﷺ से फुसफुसाकर बात करते सुना, पर उन्हें देखा नहीं।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 198 (Vahiy sırasında görülen âyetler)

1776. साद बिन अबी वक़्क़ास ने मुसलमान होने से तीन रात पहले सपने में देखा कि वे घोर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद बिन अबी वक़्क़ास ने मुसलमान होने से तीन रात पहले सपने में देखा कि वे घोर अंधेरे में निकले एक चाँद के पीछे चल रहे हैं, और उनसे पहले ज़ैद बिन हारिसा, अली और अबू बक्र उस चाँद तक पहुँच चुके हैं; इसके बाद अजयाद घाटी में नबी ﷺ से उनकी भेंट हुई और वे मुसलमान हो गए।

लगभग 610–611 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 205 (Sa'd b. Ebî Vakkās'ın rüyası)

1777. एक स्त्री ने सपने में देखा कि वह जन्नत में गई है और वहाँ बारह लोगों को लाया गया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक स्त्री ने सपने में देखा कि वह जन्नत में गई है और वहाँ बारह लोगों को लाया गया है, जिनके नाम उसने गिनाए; आप के भेजे सरिय्या से आए शुभ समाचार देने वाले ने ख़बर दी कि ठीक वही बारह लोग शहीद हुए हैं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 429 (Bir başka seriyyedeki mucize)

1778. आइशा ने सपने में देखा कि उनके कमरे में तीन चाँद गिरे हैं; अबू बक्र ने इसकी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आइशा ने सपने में देखा कि उनके कमरे में तीन चाँद गिरे हैं; अबू बक्र ने इसकी ताबीर की: “तुम्हारे कमरे में धरती के तीन सबसे अच्छे लोग दफ़्न किए जाएँगे”, और जब नबी ﷺ वहाँ दफ़्न किए गए, तो उन्होंने कहा: “यह तुम्हारे चाँदों में सबसे अच्छा

है।”

सपना: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11, 13 और 23

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 486 (Defnedilmesindeki hususiyetler)

1779. आप ने सपने में जन्नत में अबू जहल का एक खजूर का गुच्छा (पेड़) देखा; जब इकरिमा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में जन्नत में अबू जहल का एक खजूर का गुच्छा (पेड़) देखा; जब इकरिमा बिन अबी जहल मुसलमान हुए, तो आप ने बताया कि यह सपना उन्हीं के द्वारा पूरा हुआ।

सपना: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: मक्का विजय के बाद, हिजरी 8 (630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 57 (Heyetlerin gelişinde vuku bulan mucizeler)

1780. जन्नत में प्रवेश करने पर आप ने उमर का एक महल देखा, और फ़रमाया: “मुझे उसमें जाने...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जन्नत में प्रवेश करने पर आप ने उमर का एक महल देखा, और फ़रमाया: “मुझे उसमें जाने से केवल तुम्हारी ग़ैरत के ज्ञान ने रोका” (रावी हुमैद के अनुसार यह सपने में नहीं, जागते हुए हुआ था)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 151 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1781. आप ने फ़रमाया: “आज रात एक नेक व्यक्ति को सपने में दिखाया गया कि अबू बक्र अल्लाह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “आज रात एक नेक व्यक्ति को सपने में दिखाया गया कि अबू बक्र अल्लाह के रसूल से, उमर अबू बक्र से और उस्मान उमर से जोड़ दिए गए हैं”; जाबिर ने इसकी व्याख्या तीनों ख़लीफ़ाओं के क्रम से शासन सँभालने के रूप में की।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11–35 (632–656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 195 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

1782. आप ने इब्ने ज़िम्ल जुहनी के सपने की ताबीर की: चौड़ा रास्ता हिदायत है, चरागाह...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

आप ने इब्ने ज़िम्ल जुहनी के सपने की ताबीर की: चौड़ा रास्ता हिदायत है, चरागाह दुनिया है (पहला क़ाफ़िला उसकी ओर झुके बिना गुज़र जाने वाले, और बाद वाले उसमें डूब जाने वाले); और सात सीढ़ियों वाले मिंबर की सबसे ऊँची सीढ़ी पर आप को, आप के दाएँ मूसा को, बाएँ ईसा को, सामने इब्राहीम को, और आप के पीछे-पीछे हाँकी जाती एक दुबली ऊँटनी (क़यामत) को देखने की ताबीर आप ने यों की: “दुनिया सात हज़ार वर्ष की है, और मैं उसके अंतिम हज़ार में हूँ।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 301 (onun zamanında görülen rüyalardaki âyetler)

1783. एक सहाबी ने सपने में देखा कि वे एक पेड़ के पीछे नमाज़ पढ़ रहे हैं, और सूरह साद...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक सहाबी ने सपने में देखा कि वे एक पेड़ के पीछे नमाज़ पढ़ रहे हैं, और सूरह साद के सजदे पर पेड़ ने भी सजदा करके यह दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसके बदले मेरे लिए एक सवाब लिख दे, मेरा एक गुनाह मिटा दे...”; बाद में आप ने भी उस सजदे में यही दुआ पढ़ी (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 303 (onun zamanında görülen rüyalardaki âyetler)

1784. एक सहाबी ने सपने में देखा कि एक दुर्गम दर्रे की चोटी पर दो हरे पेड़ सूरह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक सहाबी ने सपने में देखा कि एक दुर्गम दर्रे की चोटी पर दो हरे पेड़ सूरह अल-बक़रह और सूरह आले इमरान पढ़ने वालों को अपनी डालियों से थामकर दर्रे के पार पहुँचा रहे हैं (अबू उमामा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 303 (onun zamanında görülen rüyalardaki âyetler)

1785. आप ने सपने में देखा कि आप की उम्मत का एक व्यक्ति सिरात पर काँपते हुए घिसट रहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि आप की उम्मत का एक व्यक्ति सिरात पर काँपते हुए घिसट रहा है, और उसका पढ़ा हुआ दुरूद आकर उसका हाथ थामता है, उसे सीधा खड़ा करता है और पार करा देता है (अब्दुर्रहमान बिन समुरा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 456 (salât ü selâmın fazileti bâbı)

1786. आप के पास अक्सर आने वाली ज़ाइदा नाम की दासी को लकड़ियाँ बटोरते समय एक सुंदर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के पास अक्सर आने वाली ज़ाइदा नाम की दासी को लकड़ियाँ बटोरते समय एक सुंदर चेहरे वाला घुड़सवार (जन्नत का दारोग़ा रिज़वान) मिला, जिसने उसके द्वारा आप को सलाम भेजा और यह शुभ समाचार पहुँचाया: “अल्लाह ने जन्नत को तुम्हारी उम्मत के लिए तीन हिस्सों में बाँटा है: एक-तिहाई बिना हिसाब प्रवेश करेंगे, एक-तिहाई का हिसाब आसान होगा, और एक-तिहाई के लिए तुम शफ़ाअत करोगे”; घुड़सवार ने अपने हाथ की लाल छड़ी से एक चट्टान को छूकर कहा: “लकड़ियाँ इसके साथ ले चल”, और चट्टान लुढ़कती हुई लकड़ियाँ उसके घर तक ले गई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 35-36 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1787. आप ने सपने में देखा कि आप लोग उक़बा बिन राफ़े के घर में हैं और आप को इब्ने ताब...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि आप लोग उक़बा बिन राफ़े के घर में हैं और आप को इब्ने ताब नाम की खजूर पेश की गई, और आप ने इसकी ताबीर की: “दुनिया में ऊँचाई (रिफ़अत) और आख़िरत में अच्छा परिणाम (आक़िबत) हमारा है, और हमारा दीन पूर्ण और पवित्र हो चुका है (ताबा)।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 90 (2. bâb: gayb ve gelecek haberleri)

1788. जन्नत से आप के लिए लाया गया एक उपहार (फल) आप ने जिब्रील के आदेश से अली को दिया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जन्नत से आप के लिए लाया गया एक उपहार (फल) आप ने जिब्रील के आदेश से अली को दिया; अली के सूँघते (हाथ में लेते) ही वह फल फट गया और उसमें से एक लेख निकला जिस पर लिखा था: “तालिबे ग़ालिब की ओर से अली बिन अबी तालिब के नाम।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 61, no. 32/12 (fasl: mâ ünzile aleyhi mine's-semâ)

37 · मदनी दौर, तिथि अनिश्चित: आप की हिफ़ाज़त, जिन्न और अन्य घटनाएँ

1789. साबित बिन क़ैस की तलाक़ दी हुई पत्नी जमीला बिंत अब्दुल्लाह बिन उबई ने जिस नवजात...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साबित बिन क़ैस की तलाक़ दी हुई पत्नी जमीला बिंत अब्दुल्लाह बिन उबई ने जिस नवजात बच्चे को दूध न पिलाने की क़सम खाई थी, आप ने उसके मुँह में अपना थूक डाला, अजवा खजूर से उसकी तहनीक की (घुट्टी दी), उसका नाम मुहम्मद रखा और फ़रमाया: “इसकी रोज़ी अल्लाह देगा”; तीसरे दिन एक अरब स्त्री ने सपने में देखा कि वह मुहम्मद नाम के एक बच्चे को दूध पिला रही है, और उसने आकर भरपूर उतरते दूध से बच्चे को दूध पिलाया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.306 (s.282); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 106

1790. मुसलमान हुए अबू सुफ़यान मदलूक़ के लिए आप ने दुआ की और उनके सिर पर हाथ फेरा; आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमान हुए अबू सुफ़यान मदलूक़ के लिए आप ने दुआ की और उनके सिर पर हाथ फेरा; आप का हाथ जहाँ लगा था वहाँ के बाल काले ही रहे, जबकि आस-पास के बाल सफ़ेद हो गए।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.239 (s.211); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 138 bâbı)

1791. काबा के पास आप ने अली को अपने कंधों पर उठाया; अली को लगा कि अगर वे चाहें तो उस...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

काबा के पास आप ने अली को अपने कंधों पर उठाया; अली को लगा कि अगर वे चाहें तो उस समय आसमान तक पहुँच सकते हैं, और उन्होंने काबा के ऊपर चढ़कर क़ुरैश की लोहे से जड़ी सबसे बड़ी ताँबे की मूर्ति उखाड़कर नीचे फेंकी और चूर-चूर कर दी।

मक्का; पाठ में कोई तिथि नहीं (अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.105 (s.81)

1792. माँगने वाले को न देकर रोक लिया गया मांस का टुकड़ा पत्थर बन गया और उम्मे सलमा की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

माँगने वाले को न देकर रोक लिया गया मांस का टुकड़ा पत्थर बन गया और उम्मे सलमा की मृत्यु तक पत्थर ही रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पत्थर के रूप में उम्मे सलमा की वफ़ात तक (लगभग हिजरी 59–62 / 679–681 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.172 (s.149)

1793. आप ने अपने सहाबा को विसाल का रोज़ा (बिना इफ़्तार लगातार रोज़ा) रखने से मना...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने सहाबा को विसाल का रोज़ा (बिना इफ़्तार लगातार रोज़ा) रखने से मना किया, और स्वयं रखने का कारण यों बताया: “मैं तुम्हारे जैसा नहीं हूँ; रात को मेरा रब मुझे खिलाता और पिलाता है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.194 (s.173); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 418 kısmı); ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 905; Kütüb-i Sitte: Buharî, Savm 48, Temennî 9; Müslim, Savm 57-60, (1103-1105); Tirmizî, Savm 62, (778) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3195, c./s. 9/501]

1794. एक यात्रा से पहले आप ने फ़रमाया था: “जो बीमार हो या जिसका ऊँट अड़ियल हो, वह न...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा से पहले आप ने फ़रमाया था: “जो बीमार हो या जिसका ऊँट अड़ियल हो, वह न आए”, फिर भी अपने अड़ियल ऊँट के साथ निकला एक व्यक्ति गिर पड़ा, उसकी जाँघ टूट गई और वह मर गया; आप ने बिलाल से तीन बार यह घोषणा करवाई: “जन्नत अवज्ञा करने वाले पर हराम है।”

एक यात्रा के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.214 (s.195); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 423

1795. अपनी एक तकलीफ़ बताने वाले उत्बा बिन फ़रक़द के लिए आप ने अपने हाथों पर फूँका और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपनी एक तकलीफ़ बताने वाले उत्बा बिन फ़रक़द के लिए आप ने अपने हाथों पर फूँका और एक हाथ से उनके शरीर का बाहरी भाग और दूसरे से भीतरी भाग (पीठ और पेट) सहलाया; इसके बाद उत्बा कोई ख़ुशबू न लगाने पर भी ख़ुशबू लगाने वाली अपनी पत्नियों से अधिक सुगंधित रहते थे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.218 (s.198); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14055; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 141 bâbı)

1796. जिनके भाई को, हिजरत के समय रसद लेने मक्का लौटने पर, उनके पति ने मार डाला था, उन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिनके भाई को, हिजरत के समय रसद लेने मक्का लौटने पर, उनके पति ने मार डाला था, उन उम्मे इसहाक़ के चेहरे पर आप ने एक चुल्लू पानी छिड़का; इसके बाद मुसीबत के समय भी उनके आँसू गालों पर नहीं बहे।

मदनी दौर (उम्मे इसहाक़ की हिजरत के दौरान), तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.229 (s.203); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 121)

1797. मर्दों के साथ बेझिझक उठने-बैठने और भद्दी बातें करने वाली एक स्त्री ने आप के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मर्दों के साथ बेझिझक उठने-बैठने और भद्दी बातें करने वाली एक स्त्री ने आप के खाना खाते समय आप के मुँह का कौर माँगा; आप का दिया कौर खाते ही वह स्त्री बहुत लज्जाशील हो गई और फिर कभी उसने भद्दी बात नहीं कही।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.233 (s.205); web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâb fîmen ekele min fîhi şey'en, no 14138; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 8. misal; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 21. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning the sick and the wounded being healed"; Süyûtî, el-

Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 105; c. 2, s. 122; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 41; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 103; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 107-108, hadis no. 100/3

1798. पिता आमिर बिन कुरैज़ जिन्हें लेकर आए थे, उन पाँच-छह वर्ष के अब्दुल्लाह बिन आमिर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पिता आमिर बिन कुरैज़ जिन्हें लेकर आए थे, उन पाँच-छह वर्ष के अब्दुल्लाह बिन आमिर के मुँह में आप ने अपना थूक डाला और फ़रमाया: "तुम्हारा यह बेटा पानी पिलाने वाला होगा"; बाद में अब्दुल्लाह अपने सामने के पत्थर से भी पानी निकाल लेते थे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.237 (s.210); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 106; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 42; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 118

1799. आप ने कवि मालिक बिन उमैर के सिर, चेहरे, सीने और पेट पर अपना हाथ रखा; मालिक जब...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने कवि मालिक बिन उमैर के सिर, चेहरे, सीने और पेट पर अपना हाथ रखा; मालिक जब बहुत बूढ़े हो गए और उनके बाल-दाढ़ी सफ़ेद हो गए, तब भी आप का हाथ जहाँ लगा था वे जगहें सफ़ेद नहीं हुईं।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.241 (s.212); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 139 bâbı)

1800. बिच्छू के डसे एक व्यक्ति के बारे में आप ने फ़रमाया: "अगर वह शाम को यह कह लेता..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बिच्छू के डसे एक व्यक्ति के बारे में आप ने फ़रमाया: "अगर वह शाम को यह कह लेता: 'मैं अल्लाह के पूर्ण कलिमों की शरण लेता हूँ उसकी सृष्टि की बुराई से', तो वह उसे हानि न पहुँचाता"; असलम क़बीले के रावी के परिवार की एक स्त्री ने यह दुआ पढ़ी, और बिच्छू के डसने पर भी उसे कोई हानि नहीं हुई।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.291 (s.270); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 297; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 3518 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7044]

1801. आप के मेहमान बने एक काफ़िर ने सात बार का दुहा दूध पी लिया; अगली सुबह मुसलमान...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के मेहमान बने एक काफ़िर ने सात बार का दुहा दूध पी लिया; अगली सुबह मुसलमान होने पर उसने एक बार का दुहा दूध पिया और दूसरा पूरा न कर सका, और आप ने फ़रमाया: "मुसलमान एक आँत में पीता है, और काफ़िर सात आँतों में।"

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.321 (s.298); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Et'ime 12; Müslim, Eşribe 186, (2063); Muvatta, Sıfatu'n-Nebiyy 10, (2, 924); Tirmizî, Et'ime 20, (1820) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3891, c./s. 11/122]

1802. असलम क़बीले वालों की तीरंदाज़ी की प्रतियोगिता में आप ने पहले इब्नुल अदरा के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

असलम क़बीले वालों की तीरंदाज़ी की प्रतियोगिता में आप ने पहले इब्नुल अदरा के पक्ष का साथ दिया, और जब दूसरे पक्ष ने तीर चलाना छोड़ दिया तो फ़रमाया: “मैं तुम सबके साथ हूँ”; दिन भर तीर चलाने पर भी कोई पक्ष दूसरे पर भारी न पड़ सका।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.362 (s.348); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 123); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Cihâd 78, Enbiyâ 12, Menâkıb 4 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2218, c./s. 8/56-57]

1803. ग़ीबत और मुसलमानों के दोष खोजने के विषय में आप ने ऊँची आवाज़ में जो ख़ुतबा...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ग़ीबत और मुसलमानों के दोष खोजने के विषय में आप ने ऊँची आवाज़ में जो ख़ुतबा दिया, वह अपने कमरों में बैठी स्त्रियों तक सुनाई दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.364 (s.350); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 113; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Birr 85, (2033) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3429, c./s. 10/221]

1804. एक ग़ज़वे में शत्रु से सामना होने पर आप ने दुआ की: “ऐ बदले के दिन के मालिक, हम...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक ग़ज़वे में शत्रु से सामना होने पर आप ने दुआ की: “ऐ बदले के दिन के मालिक, हम केवल तेरी ही इबादत करते हैं और केवल तुझसे ही सहायता माँगते हैं”; अबू तलहा ने देखा कि फ़रिश्ते शत्रु के सैनिकों को आगे और पीछे से मारकर ज़मीन पर गिरा रहे हैं।

तिथि अनिश्चित (एक ग़ज़वे के दौरान)

स्रोत 1000 Mucize no.410 (s.400); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 452

1805. सहाबा बारी-बारी पहरा देकर आप की रक्षा करते थे; जब यह आयत उतरी: “अल्लाह तुम्हें...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सहाबा बारी-बारी पहरा देकर आप की रक्षा करते थे; जब यह आयत उतरी: “अल्लाह तुम्हें लोगों से बचाएगा” (सूरह अल-माइदा, आयत 67), तो आप ने तंबू से सिर निकालकर फ़रमाया: “जाओ, अल्लाह ने मेरी रक्षा का वादा कर दिया है”, और पहरेदारों को लौटा दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.902 (s.749); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 151; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 25. fasıl; Questions on Islam, "He is Protected from his Enemies"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 210 vaadi bâbı); ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 160, 176; Kütüb-i Sitte: Tirmizî 3046

1806. आप से हाथ मिलाने वाले वाइल बिन हुज्र का हाथ तीन दिन तक कस्तूरी से भी अधिक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप से हाथ मिलाने वाले वाइल बिन हुज्र का हाथ तीन दिन तक कस्तूरी से भी अधिक सुगंधित रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.942 (s.772); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 141 bâbı)

1807. आप ख़ुशू (विनम्रता) में बैठे थे, तब आप को देखकर डर से काँपने लगीं क़ैला बिंत...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ख़ुशू (विनम्रता) में बैठे थे, तब आप को देखकर डर से काँपने लगीं क़ैला बिंत मख़रमा से आप ने फ़रमाया: “ऐ बेचारी, शांत हो जाओ”, और वे तुरंत शांत हो गईं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.970 (s.785); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 39, Benî Şeybân heyeti bâbı

1808. आप ने एक और व्यक्ति के चेहरे पर हाथ फेरा, और उसके चेहरे पर हमेशा एक नूर बना रहा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने एक और व्यक्ति के चेहरे पर हाथ फेरा, और उसके चेहरे पर हमेशा एक नूर बना रहा।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1809. एक व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी बेटी को फ़लाँ घाटी में फेंक दिया था; आप उसके...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी बेटी को फ़लाँ घाटी में फेंक दिया था; आप उसके साथ घाटी में गए और लड़की को उसके नाम से पुकारा: “ऐ फ़लानी, अल्लाह की अनुमति से मुझे उत्तर दो”; लड़की “लब्बैक व सादैक” कहती हुई निकल आई; आप ने कहा: “तुम्हारे माता-पिता मुसलमान हो गए हैं; अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें उनके पास लौटा दूँ”; लड़की ने कहा: “मुझे उनकी आवश्यकता नहीं; मैंने अल्लाह को अपने लिए उनसे बेहतर पाया है” (हसन बसरी की मुरसल रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 20. fasıl (ölülerin diriltilmesi, çocukların konuşması)

1810. आप ने उम्मे सलमा की बेटी ज़ैनब के चेहरे पर एक चुल्लू पानी छिड़का; किसी स्त्री...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उम्मे सलमा की बेटी ज़ैनब के चेहरे पर एक चुल्लू पानी छिड़का; किसी स्त्री के चेहरे पर उतना सौंदर्य नहीं देखा गया जितना उनके चेहरे पर था (बुढ़ापे में भी उनके चेहरे की ताज़गी नहीं गई)।

मदनी दौर, हिजरी 4–8

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

1811. जब आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने मुझे बाजों को मिटाने के लिए भेजा है”, तो औस बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने मुझे बाजों को मिटाने के लिए भेजा है”, तो औस बिन समआन ने यह कहकर पुष्टि की: “मैं तौरात में यह बात ठीक इसी तरह पाता हूँ।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 28 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

1812. बैतुल मिदरास में आप ने यहूदियों के सबसे बड़े विद्वान अब्दुल्लाह बिन सूरिया को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बैतुल मिदरास में आप ने यहूदियों के सबसे बड़े विद्वान अब्दुल्लाह बिन सूरिया को क़सम दिलाई, और उसने स्वीकार किया: “हाँ, तौरात में आप के गुण बिलकुल स्पष्ट हैं, पर इन लोगों ने आप से ईर्ष्या की।”

मदनी दौर (हिजरी 1–5)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 29 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

1813. कुछ दीनार के क़र्ज़ के लिए आप को दोपहर से अगली सुबह तक रोके रखने वाले यहूदी ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कुछ दीनार के क़र्ज़ के लिए आप को दोपहर से अगली सुबह तक रोके रखने वाले यहूदी ने आप का यह कथन सुनकर: “मेरे रब ने मुझे संधि वाले (मुआहिद) पर अत्याचार करने से मना किया है”, कहा: “मैंने यह तौरात में लिखे आप के गुणों को परखने के लिए किया था”, और मुसलमान होकर अपना आधा माल अल्लाह की राह में दे दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 30 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

1814. तौरात और इंजील पढ़ने वाले एक व्यक्ति ने कहा: “हम आप के गुण तो पाते हैं, पर उस...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

तौरात और इंजील पढ़ने वाले एक व्यक्ति ने कहा: “हम आप के गुण तो पाते हैं, पर उस नबी के साथ सत्तर हज़ार लोग बिना हिसाब जन्नत में जाएँगे, और आप के साथ थोड़े ही लोग हैं”, तो आप ने फ़रमाया: “वह मैं ही हूँ; वे मेरी उम्मत हैं, और वे सत्तर हज़ार से भी अधिक हैं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 26 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

1815. “किसरा के विरुद्ध अल्लाह का प्रमाण क्या है?” इस प्रश्न के उत्तर में आप ने ख़बर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“किसरा के विरुद्ध अल्लाह का प्रमाण क्या है?” इस प्रश्न के उत्तर में आप ने ख़बर दी कि अल्लाह ने किसरा के पास एक फ़रिश्ता भेजा, और उस फ़रिश्ते ने महल की दीवार से अपना नूरानी हाथ निकालकर (दूसरी रिवायत में हरे वस्त्र पहने, हाथ में छड़ी लिए एक व्यक्ति के रूप में आकर और यह कहकर: “मुसलमान हो जाओ, वरना मैं तुम्हारे राज्य को इस छड़ी की तरह तोड़ दूँगा”) उसे चेतावनी दी।

किसरा ख़ुसरो द्वितीय का शासनकाल; ख़बर: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 15-16, Kisrâ'ya mektup bâbı

1816. बनू उज़रा की हिमाम नाम की मूर्ति के भीतर से आवाज़ आई: “सत्य प्रकट हो गया, हिमाम...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू उज़रा की हिमाम नाम की मूर्ति के भीतर से आवाज़ आई: “सत्य प्रकट हो गया, हिमाम नष्ट हो गया”, और दूसरी बार तिहामा में एक नबी के प्रकट होने की ख़बर देने वाली आवाज़ पर मूर्ति औंधे मुँह गिर पड़ी; यह सुनकर ज़िम्ल बिन अम्र उज़री

आए और मुसलमान हो गए, और आप ने फ़रमाया: “वह जिन्नों में से एक मोमिन है।”

हिजरी 7–9 (628–630 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 39, Benî Uzre heyeti bâbı

1817. मदीना में बक़ीउल ग़रक़द में आप ने इब्ने मसऊद को अपनी लाठी से खींची रेखा के भीतर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना में बक़ीउल ग़रक़द में आप ने इब्ने मसऊद को अपनी लाठी से खींची रेखा के भीतर छोड़ा और जिन्नों के वफ़्द से मिले; इब्ने मसऊद ने (बादल जैसी) एक काली छाया देखी, और आप ने जिन्नों को बताया कि रसद के रूप में वे हर हड्डी और हर गोबर में भोजन पाएँगे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 48, Cin heyetleri bâbı

1818. मदीना में सुबह की नमाज़ के बाद आप ज़ुबैर बिन अव्वाम को जिन्नों के वफ़्द के पास...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना में सुबह की नमाज़ के बाद आप ज़ुबैर बिन अव्वाम को जिन्नों के वफ़्द के पास ले गए; ज़ुबैर भालों जैसे लंबे क़द के लोगों को देखकर काँपने लगे, आप की खींची रेखा के भीतर बैठते ही उनका डर चला गया, और आप सुबह तक जिन्नों को क़ुरआन सुनाते रहे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 49, Cin heyetleri bâbı

1819. आप ने अबू हुरैरा को बताया कि नसीबीन के जिन्नों का वफ़्द आकर रसद माँग गया, और आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू हुरैरा को बताया कि नसीबीन के जिन्नों का वफ़्द आकर रसद माँग गया, और आप ने उनके लिए दुआ की कि वे जिस हड्डी और गोबर के पास से गुज़रें, उसमें भोजन पाएँ।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 49, Cin heyetleri bâbı

1820. ख़ैबर से अकेले निकले एक व्यक्ति का दो शैतानों ने पीछा किया, और एक तीसरे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ैबर से अकेले निकले एक व्यक्ति का दो शैतानों ने पीछा किया, और एक तीसरे (मुसलमान जिन्न) ने उन्हें लौटा दिया और उस व्यक्ति के हाथ नबी ﷺ को सलाम तथा यह संदेश भेजा: “हमारी ज़कात इकट्ठी हो गई है, उचित होता तो हम भेज देते”; इस पर आप ने अकेले यात्रा करने से मना किया।

ख़ैबर के बाद, हिजरी 7–10

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 50, Cin heyetleri bâbı

1821. एक यात्रा में अर्ज के स्थान पर बिलाल बिन हारिस ने ऐसी आवाज़ें सुनीं जिन्हें वे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में अर्ज के स्थान पर बिलाल बिन हारिस ने ऐसी आवाज़ें सुनीं जिन्हें वे समझ न सके; आप हँसते हुए आए और फ़रमाया: “मुसलमान जिन्नों और मुशरिक जिन्नों ने आपस में झगड़कर मुझसे बसने की जगह माँगी; मैंने मुसलमानों को जल्स में और मुशरिकों को ग़ौर में बसा दिया।”

मदनी दौर, एक अभियान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 50, Cin heyetleri bâbı

1822. ख़ुरैम बिन फ़ातिक रात को अपने खोए ऊँट खोज रहे थे, तब एक जिन्न (हातिफ़) ने कविता...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ख़ुरैम बिन फ़ातिक रात को अपने खोए ऊँट खोज रहे थे, तब एक जिन्न (हातिफ़) ने कविता में ख़बर दी कि यसरिब में नबी प्रकट हुए हैं; वे मदीना आए, आप को मिंबर पर ख़ुतबा देते पाया और मुसलमान हो गए।

हिजरत के बाद, लगभग हिजरी 1–2

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 51, Cin heyetleri bâbı

1823. जाबिर द्वारा वर्णित रेगिस्तान की एक यात्रा में आप के शौच के बाद ज़मीन बिलकुल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जाबिर द्वारा वर्णित रेगिस्तान की एक यात्रा में आप के शौच के बाद ज़मीन बिलकुल साफ़ पाई गई, और आप ने फ़रमाया: “धरती को आदेश दिया गया है कि नबियों के शरीर से निकलने वाली चीज़ को निगल ले”; एक काला साँप आया और आप के कान के पास मुँह लगाकर बात की, और आप ने बताया कि वह क़ुरआन सीखना चाहने वाले जिन्नों का दूत था।

मदनी दौर, एक अभियान, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 50-51, Cin heyetleri bâbı

1824. बनू सुलैम के राशिद बिन अब्दे रब्बिही ने रुहात में सुवा नाम की मूर्ति और दूसरी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बनू सुलैम के राशिद बिन अब्दे रब्बिही ने रुहात में सुवा नाम की मूर्ति और दूसरी मूर्तियों के भीतर से नबी के प्रकट होने की ख़बर देने वाली आवाज़ें सुनीं, फिर दो लोमड़ियों को मूर्ति पर पेशाब करते देखा, और मदीना आकर मुसलमान हो गए; आप ने उनका नाम (ग़ावी बिन अब्दुल उज़्ज़ा) बदलकर राशिद रखा।

मदनी दौर (लगभग हिजरी 8)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 7. fasıl (cinler, putlar ve kâhinlerden işitilenler), no. 68

1825. “इसने आप को मारना चाहा था” कहकर आप के सामने लाए गए व्यक्ति से आप ने फ़रमाया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

“इसने आप को मारना चाहा था” कहकर आप के सामने लाए गए व्यक्ति से आप ने फ़रमाया: “डरो मत, डरो मत; अगर तुम यह चाहते भी, तो अल्लाह तुम्हें मुझ पर हावी न होने देता।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl (ismet ve korunması), no. 143

1826. आप के शौचालय से निकलने के बाद आइशा को भीतर सुगंध के सिवा कोई निशान नहीं मिला...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

आप के शौचालय से निकलने के बाद आइशा को भीतर सुगंध के सिवा कोई निशान नहीं मिला; आप ने फ़रमाया: “हमारे शरीर जन्नत वालों की रूहों पर बनाए गए हैं, उनसे जो निकलता है उसे धरती निगल लेती है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.70

1827. उसी ग़ज़वे में अल्लाह की भेजी हवा मुशरिकों के चेहरों पर लगी, और मुशरिक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उसी ग़ज़वे में अल्लाह की भेजी हवा मुशरिकों के चेहरों पर लगी, और मुशरिक तितर-बितर होकर बहुत से मारे गए, बंदी और ग़नीमत पीछे छोड़ गए (अनस की रिवायत)।

एक ग़ज़वे के दौरान, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye (Saâde bs.), c. 6, s. 100 — Delâilü'n-nübüvve: yeryüzü mucizeleri – suyun çoğalması

1828. अब्दुल्लाह बिन उबई बिन सलूल के समर्थकों से पैसे लेकर हैरा नाम की एक स्त्री ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन उबई बिन सलूल के समर्थकों से पैसे लेकर हैरा नाम की एक स्त्री ने कबूतर के बच्चे में सुइयाँ चुभोकर और उसे कुएँ में रखकर जो जादू किया था, उसकी ख़बर नौ दिन चली बीमारी के बाद आप को दी गई, और वह जादू मुअव्विज़तैन (सूरह अल-फ़लक़ और सूरह अन-नास) से खोला गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Molla Câmî, Şevâhidü'n-Nübüvve, 4. bölüm

1829. मदीना की एक गली में एक दासी की कमर को छूने (जबज़ा) वाले अबू शहम जब बैअत के लिए...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मदीना की एक गली में एक दासी की कमर को छूने (जबज़ा) वाले अबू शहम जब बैअत के लिए आए, तो आप ने यह कहकर उनकी बैअत लौटा दी: “क्या तुम कल वाली उस छेड़छाड़ के करने वाले नहीं हो?”; अबू शहम ने तौबा की और बैअत की।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 611

1830. पास से गुज़रते एक यहूदी ने पूछा: “मनुष्य किस चीज़ से बनाया जाता है?”, तो आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पास से गुज़रते एक यहूदी ने पूछा: “मनुष्य किस चीज़ से बनाया जाता है?”, तो आप ने उत्तर दिया: “पुरुष और स्त्री के नुत्फ़े (वीर्य) से; पुरुष का नुत्फ़ा गाढ़ा होता है, हड्डी और नसें उससे बनती हैं; स्त्री का पतला होता है, मांस और ख़ून उससे बनते हैं”, और यहूदी ने यह कहकर पुष्टि की: “आप से पहले के नबी भी यही कहते थे” (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13901 (8/241)

1831. आप ने हिजामा का ख़ून अपने आज़ाद किए हुए सेवक सफ़ीना को यह कहकर दिया: “इसे...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने हिजामा का ख़ून अपने आज़ाद किए हुए सेवक सफ़ीना को यह कहकर दिया: “इसे जानवरों, पक्षियों और मनुष्यों से छिपा देना”; सफ़ीना ने वह ख़ून पी लिया और यह बात बताई, तो आप मुस्कुराए।

मदनी दौर

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14011 (8/270)

1832. आप के सिर धोने का पानी ज़मीन में दबाने के बजाय पी लेने वाली सलमा (अबू राफ़े की...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के सिर धोने का पानी ज़मीन में दबाने के बजाय पी लेने वाली सलमा (अबू राफ़े की पत्नी) से आप ने फ़रमाया: “जाओ, अल्लाह ने तुम्हारे शरीर को आग पर हराम कर दिया है।”

मदनी दौर

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14013 (8/270)

1833. अपनी बेटी के विवाह के लिए सहायता माँगने वाले व्यक्ति से आप ने कहा: “कल चौड़े...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपनी बेटी के विवाह के लिए सहायता माँगने वाले व्यक्ति से आप ने कहा: “कल चौड़े मुँह वाली एक शीशी और एक लकड़ी की तीली लाना”, और अपनी बाँहों से पोंछा हुआ पसीना शीशी में भर दिया; जब लड़की ने उससे ख़ुशबू लगाई, तो मदीना वालों तक उसकी सुगंध पहुँची, और उस घर को “बैतुल मुतय्यिबीन” (सुगंध वालों का घर) कहा जाने लगा (अबू हुरैरा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14056 (8/283)

1834. बैअत के लिए आई उमैरा बिंत मसऊद और उनकी पाँच बहनों को आप ने अपना चबाया हुआ सूखा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बैअत के लिए आईं उमैरा बिंत मसऊद और उनकी पाँच बहनों को आप ने अपना चबाया हुआ सूखा मांस (क़दीद) एक-एक टुकड़ा दिया; मरते दम तक उनमें से किसी के मुँह से कभी दुर्गंध नहीं आई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 14058 (8/283)

1835. आप ने जाबिर बिन अब्दुल्लाह को अपने पीछे सवारी पर बिठाया था; जब जाबिर का मुँह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जाबिर बिन अब्दुल्लाह को अपने पीछे सवारी पर बिठाया था; जब जाबिर का मुँह नबूवत की मुहर से छू गया, तो मुहर से कस्तूरी की सुगंध फैल गई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 102 (Nübüvvet mührü hakkında gelenler)

1836. आइशा भोर के समय सिलाई कर रही थीं, उनकी सुई गिर गई और नहीं मिली; आप के भीतर आते...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आइशा भोर के समय सिलाई कर रही थीं, उनकी सुई गिर गई और नहीं मिली; आप के भीतर आते ही आप के चेहरे के नूर की रोशनी में उन्हें वह सुई मिल गई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 107 (Mübarek yüzündeki âyet)

1837. यहूदी विद्वानों (एक रिवायत में बैतुल मक़दिस के एक विद्वान) ने अली से आप के गुण...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यहूदी विद्वानों (एक रिवायत में बैतुल मक़दिस के एक विद्वान) ने अली से आप के गुण पूछे और सुनने के बाद कहा: “हमने तौरात में आप के गुण ऐसे ही पाए हैं; वे अल्लाह के रसूल हैं।”

मदनी दौर / ख़लीफ़ाओं का दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 129 (Yaratılışının vasfına dair toplu bâb)

1838. एक यहूदी ने चाँद के धब्बे के बारे में पूछा, तो आप ने उत्तर दिया: “रात और दिन दो...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक यहूदी ने चाँद के धब्बे के बारे में पूछा, तो आप ने उत्तर दिया: “रात और दिन दो निशानियाँ (दो सूरज) थे; अल्लाह ने रात की निशानी को मिटा दिया, और जो धब्बा तुम देखते हो, वह उसी मिटाने का निशान है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 315 (Yahudilerin onunla buluşması, soruları ve doğruluğunu bilmeleri bâbı)

1839. मदीना में एक खेत में चलते समय यहूदियों ने आप से रूह के बारे में पूछा; आप कुछ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मदीना में एक खेत में चलते समय यहूदियों ने आप से रूह के बारे में पूछा; आप कुछ देर चुप रहे, वह्य आई, और आप ने यह आयत पढ़ी: “वे तुमसे रूह के बारे में पूछते हैं...”।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 317 (Yahudilerin onunla buluşması, soruları ve doğruluğunu bilmeleri bâbı)

1840. दो यहूदियों ने मूसा को दी गई नौ खुली निशानियों के बारे में पूछा; आप ने सब गिना...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

दो यहूदियों ने मूसा को दी गई नौ खुली निशानियों के बारे में पूछा; आप ने सब गिना दीं, तो उन्होंने आप के हाथ-पैर चूमे और कहा: “हम गवाही देते हैं कि आप नबी हैं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 317 (Yahudilerin onunla buluşması, soruları ve doğruluğunu bilmeleri bâbı)

1841. आप को सूरह यूसुफ़ पढ़ते पाकर एक यहूदी विद्वान यह कहते हुए चकित रह गया: “जैसी...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप को सूरह यूसुफ़ पढ़ते पाकर एक यहूदी विद्वान यह कहते हुए चकित रह गया: “जैसी तौरात में उतरी थी, ठीक वैसी”, और जाकर दूसरे यहूदियों को ले आया; उन्होंने आप के गुणों और दोनों कंधों के बीच की नबूवत की मुहर को पहचाना, और सूरह सुनने के बाद मुसलमान हो गए।

मदनी दौर (एक रिवायत में मक्का), तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 318 (Yahudilerin onunla buluşması, soruları ve doğruluğunu bilmeleri bâbı)

1842. आप ने फ़रमाया: “जब ग़ूल (भटकाने वाले जिन्न) तुम्हें दिखाई दें, तो अज़ान दो”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “जब ग़ूल (भटकाने वाले जिन्न) तुम्हें दिखाई दें, तो अज़ान दो”; साद बिन अबी वक़्क़ास ने एक काम से जिस व्यक्ति को भेजा था, उसके सामने एक ग़ूल आया, जो अज़ान देने पर ग़ायब हो जाता और चुप होने पर फिर दिखाई देता।

ख़बर: मदनी दौर; घटना: सहाबा का दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 324 (Ezanda görülen âyetler bâbı)

1843. उबई बिन ख़लफ़ जहाँ मरा था, उस बत्ने राबिग़ से रात को गुज़रते समय इब्ने उमर ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उबई बिन ख़लफ़ जहाँ मरा था, उस बत्ने राबिग़ से रात को गुज़रते समय इब्ने उमर ने देखा कि भड़कती आग से ज़ंजीर में बँधा एक व्यक्ति निकलकर चिल्ला रहा है: “मुझे प्यास लगी है”, और कोई कह रहा है: “इसे पानी न देना, यह उबई बिन ख़लफ़ है जिसे अल्लाह के रसूल ﷺ ने मारा था।”

उहुद के वर्षों बाद (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 353 (Uhud gazvesindeki âyetler)

1844. उहुद में आप का रबाई दाँत (आगे के दाँतों के बग़ल वाला दाँत) तोड़ने वाले व्यक्ति...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद में आप का रबाई दाँत (आगे के दाँतों के बग़ल वाला दाँत) तोड़ने वाले व्यक्ति के वंश में पैदा हुए हर बच्चे का वह दाँत नहीं निकला (वह उस दाँत के बिना पैदा हुआ)।

उहुद के बाद (पीढ़ियों तक)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 361 (Uhud gazvesindeki âyetler)

1845. उहुद के शहीदों की क़ब्रों के पास आप ने फ़रमाया: “ये अल्लाह के यहाँ शहीद हैं...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उहुद के शहीदों की क़ब्रों के पास आप ने फ़रमाया: “ये अल्लाह के यहाँ शहीद हैं; इनकी ज़ियारत करो; क़यामत तक जो कोई इन्हें सलाम करेगा, ये अवश्य उसका उत्तर देंगे।”

उहुद के बाद, मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 363 (Uhud gazvesindeki âyetler)

1846. “आशा है कि अल्लाह तुम्हारे और उन लोगों के बीच, जिनसे तुम्हारी शत्रुता है, प्रेम...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“आशा है कि अल्लाह तुम्हारे और उन लोगों के बीच, जिनसे तुम्हारी शत्रुता है, प्रेम पैदा कर दे” (सूरह अल-मुम्तहिना, आयत 7) वाली आयत का वादा अबू सुफ़यान की बेटी उम्मे हबीबा से आप के विवाह के द्वारा पूरा हुआ।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 7 (628 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 383 (Hendek gazvesindeki âyetler)

1847. आप ने फ़रमाया: “जो मेरी क़ब्र के पास मुझ पर दुरूद भेजता है, उसे मैं सुनता हूँ...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “जो मेरी क़ब्र के पास मुझ पर दुरूद भेजता है, उसे मैं सुनता हूँ, और जो दूर से भेजता है, उसका दुरूद मुझ तक पहुँचाया जाता है; अल्लाह ने मेरी क़ब्र पर एक ऐसा फ़रिश्ता नियुक्त किया है जो सारी सृष्टि की आवाज़ सुनता है; धरती पर घूमने वाले फ़रिश्ते मेरी उम्मत का सलाम मुझ तक पहुँचाते हैं।”

ख़बर: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 489 (Kabrinde hayatı, namazı ve selamın ulaştırılması)

1848. आप ने ख़बर दी कि जिनका हज क़बूल होता है, उनके फेंके जमरात के कंकर (एक फ़रिश्ते...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जिनका हज क़बूल होता है, उनके फेंके जमरात के कंकर (एक फ़रिश्ते द्वारा) उठा लिए जाते हैं, वरना वे पहाड़ों की तरह ढेर हो जाते; यह हर वर्ष दिखने वाला और आज तक चलता आ रहा मोजिज़ा है।

ख़बर: मदनी दौर; जारी रहने वाला मोजिज़ा

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 500 (Onun zamanından bugüne süren mucize)

1849. मक्का जाते एक क़ाफ़िले में शामिल हज्जाज बिन इलात सुलमी ने रात को एक सुनसान घाटी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का जाते एक क़ाफ़िले में शामिल हज्जाज बिन इलात सुलमी ने रात को एक सुनसान घाटी में रक्षा के लिए कुछ शब्द कहे, तो एक हातिफ़ से जिन्नों और मनुष्यों को संबोधित करने वाली आयत (सूरह अर-रहमान, आयत 33) सुनी; मक्का में क़ुरैश वालों ने कहा कि यह मुहम्मद पर उतरी बातों में से है, और हज्जाज ने जाकर इस्लाम क़बूल कर लिया।

मदनी दौर (हिजरत के बाद), तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 55 (Heyetlerin gelişinde vuku bulan mucizeler)

1850. तमीम क़बीले के राफ़े बिन उमैर ने रेगिस्तान में रात को जिन्नों से शरण माँगी, तो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तमीम क़बीले के राफ़े बिन उमैर ने रेगिस्तान में रात को जिन्नों से शरण माँगी, तो एक बूढ़े जिन्न ने उन्हें यसरिब के नबी मुहम्मद की ख़बर दी; मदीना पहुँचने पर अल्लाह के रसूल ﷺ ने उनके बताने से पहले ही उन पर बीती घटना उन्हें सुना दी और उन्हें इस्लाम की ओर बुलाया, और राफ़े मुसलमान हो गए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 55 (Heyetlerin gelişinde vuku bulan mucizeler)

1851. पीले वस्त्र पहनकर बैअत के लिए आए और अपना परिचय “क़ातेअ (काटने वाला) बिन सारिक़...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पीले वस्त्र पहनकर बैअत के लिए आए और अपना परिचय “क़ातेअ (काटने वाला) बिन सारिक़ (चोर) बिन ज़ालिम (अत्याचारी)...” जैसी लंबी वंशावली और उपाधियों से देने वाले व्यक्ति को आप ने यों संबोधित किया: “तुम अबू सुफ़रा (पीले वाले) हो; सारिक़ और ज़ालिम को छोड़ दो”, और उस व्यक्ति ने शहादत दी और मुसलमान हो गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 56 (Heyetlerin gelişinde vuku bulan mucizeler)

1852. जब ख़बर दी गई कि इकरिमा बिन अबी जहल ने (मुशरिक रहते हुए) अंसार के सख़्र को मार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब ख़बर दी गई कि इकरिमा बिन अबी जहल ने (मुशरिक रहते हुए) अंसार के सख़्र को मार डाला है, तो आप मुस्कुराए और फ़रमाया: “मारने वाला और मारा जाने वाला एक ही दर्जे में हैं”, और इस तरह संकेत दिया कि इकरिमा आगे चलकर मुसलमान होंगे और शहादत का दर्जा पाएँगे।

ख़बर: मदनी दौर (मक्का विजय से पहले); पूर्ति: इकरिमा का इस्लाम क़बूल करना हिजरी 8, उनकी शहादत लगभग हिजरी 13–15

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 57 (Heyetlerin gelişinde vuku bulan mucizeler)

1853. जिब्रील आए और यह कहकर जन्नत से फलों का एक गुच्छा लाए: “आप का रब आप को सलाम कहता...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिब्रील आए और यह कहकर जन्नत से फलों का एक गुच्छा लाए: “आप का रब आप को सलाम कहता है; उसने मुझे भेजा है कि आप को यह गुच्छा (क़ित्फ़) खिलाऊँ।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 93 (Önceki bâblara girmeyen diğer mucizeler: yemeğin çoğalması)

1854. मस्जिद में झाड़ू लगाने वाली स्त्री (उम्मे मिहजन) आप को ख़बर हुए बिना मर गई और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिद में झाड़ू लगाने वाली स्त्री (उम्मे मिहजन) आप को ख़बर हुए बिना मर गई और दफ़्न कर दी गई; आप उसकी क़ब्र पर गए, सहाबा के साथ सफ़ बाँधकर उसकी (जनाज़े की) नमाज़ पढ़ी, फिर पूछा: “तुमने कौन-सा कर्म सबसे श्रेष्ठ पाया?”; जब कहा गया: “ऐ अल्लाह के रसूल, क्या वह सुनती है?”, तो आप ने फ़रमाया: “तुम उससे अधिक सुनने वाले नहीं हो”, और बताया कि उस स्त्री ने उत्तर दिया: “मस्जिद में झाड़ू लगाना।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 112 (Ölülerin diriltilmesi ve konuşması bâbı)

1855. आप ने अबू उमामा को उनकी क़ौम बाहिला के पास इस्लाम का निमंत्रण देने भेजा; उन्हें...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू उमामा को उनकी क़ौम बाहिला के पास इस्लाम का निमंत्रण देने भेजा; उन्हें ठुकराने वाली क़ौम ने उन्हें खाना-पानी नहीं दिया, तो वे भूखे-प्यासे सो गए; सपने में उन्हें (काँच के एक बर्तन में) दूध (या पेय) पेश किया गया और उन्होंने पी लिया, जागे तो वे तृप्त थे, और फिर कभी उन्हें भूख-प्यास नहीं लगी; यह देखकर उनकी क़ौम ईमान ले आई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 120 (Türlerine göre mucizeler bölümü (alt bâb başlığı özetten alınamadı))

1856. यमन में (एक क़बीले में) अपनी चाही हुई स्त्री को पाने के लिए “अल्लाह के रसूल ने...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यमन में (एक क़बीले में) अपनी चाही हुई स्त्री को पाने के लिए “अल्लाह के रसूल ने मुझे आदेश दिया है कि तुम्हारे बारे में जो चाहूँ फ़ैसला करूँ” कहकर झूठ बोलने वाले जुंदई नाम के व्यक्ति की ओर आप ने अली को भेजा; रात को पानी के लिए निकलने पर उस व्यक्ति को एक ज़हरीले साँप ने डस लिया और वह मर गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 131 (Kendisi adına yalan söyleyen hakkındaki âyet (mucize) bâbı)

1857. मुसलमान हुए ख़ुज़ैमा बिन आसिम उकली के चेहरे पर आप ने हाथ फेरा, और मृत्यु तक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमान हुए ख़ुज़ैमा बिन आसिम उकली के चेहरे पर आप ने हाथ फेरा, और मृत्यु तक उनका चेहरा ताज़ा और जवान बना रहा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 141 (Mübarek elinin değdiği yerde görülen eserler (saçın ağarmaması vb.) bâbı)

1858. गंजे हुल्ब (हिल्ब) बिन यज़ीद बिन अदी के सिर पर आप के हाथ फेरने से उनके बाल उग...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

गंजे हुल्ब (हिल्ब) बिन यज़ीद बिन अदी के सिर पर आप के हाथ फेरने से उनके बाल उग आए, और इसी कारण उन्हें “हुल्ब” (बालों वाला) कहा जाने लगा।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 142 (Mübarek elinin değdiği yerde görülen eserler (saçın ağarmaması vb.) bâbı)

1859. अनस के साथ मस्जिद में जाने पर आप ने हाथ उठाकर दुआ करते एक समूह के हाथों में नूर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अनस के साथ मस्जिद में जाने पर आप ने हाथ उठाकर दुआ करते एक समूह के हाथों में नूर देखा; अनस ने कहा कि उन्हें नहीं दिख रहा, तो आप ने अल्लाह से दुआ की और उन्हें भी दिखा दिया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 144 (Bir topluluğun ellerindeki nurun görülmesi bâbı)

1860. पशुओं को मूर्तियों के नाम छोड़ देने (साइबा) की प्रथा सबसे पहले चलाने वाले अम्र...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

पशुओं को मूर्तियों के नाम छोड़ देने (साइबा) की प्रथा सबसे पहले चलाने वाले अम्र बिन आमिर (लुहय) ख़ुज़ाई को आप ने जहन्नम में अपनी आँतें घसीटते देखा, और यह भी देखा कि जहन्नम का एक भाग दूसरे को कुचल रहा है।

मदनी दौर (ग्रहण की नमाज़ के आसपास), तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 151 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1861. आप ने अपने रब से माँगा कि आद क़ौम का एक व्यक्ति आप को दिखाए, तो आप को (इतना...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने रब से माँगा कि आद क़ौम का एक व्यक्ति आप को दिखाए, तो आप को (इतना विशाल) एक व्यक्ति दिखाया गया जिसके पैर मदीना में और सिर ज़ुल हुलैफ़ा में था।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 152 (Mânaların cisim sûretinde görülmesine dair mucizeler)

1862. तमीम बिन सलमा ने अल्लाह के रसूल ﷺ के पास से जाते हुए एक व्यक्ति को देखा जिसने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तमीम बिन सलमा ने अल्लाह के रसूल ﷺ के पास से जाते हुए एक व्यक्ति को देखा जिसने अपनी पगड़ी का सिरा पीछे लटका रखा था; पूछने पर बताया गया कि वे जिब्रील थे।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 154 (Ashabının melekleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1863. मुआज़ बिन जबल बेहोश थे, तब उनकी बहन विलाप करने लगीं; होश में आने पर उन्होंने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुआज़ बिन जबल बेहोश थे, तब उनकी बहन विलाप करने लगीं; होश में आने पर उन्होंने बताया कि उनके पास एक कठोर फ़रिश्ता था, और बहन जब भी “हाय मेरा सहारा” कहतीं, फ़रिश्ता उन्हें डाँटता: “क्या तुम ऐसे हो?”, और वे कहते: “नहीं।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 159 (Ashabının melekleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1864. मुआज़ बिन जबल ने देखा कि अपने कमरे में रखी सदक़े की खजूरें हर दिन घट रही हैं...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुआज़ बिन जबल ने देखा कि अपने कमरे में रखी सदक़े की खजूरें हर दिन घट रही हैं, और वे पहरा देने लगे; हाथी के रूप में आकर दरवाज़े की दरार से दूसरे रूप में भीतर घुसने वाले जिन्न को उन्होंने तीन बार पकड़ा; जिन्न ने बताया कि वह नसीबीन के जिन्नों में से एक ग़रीब और बाल-बच्चों वाला है, और उसने आयतुल कुर्सी और सूरह अल-बक़रह का अंतिम भाग सिखाया; हर बार अल्लाह के रसूल ﷺ ने जो हुआ उसकी ख़बर दी और फ़रमाया: “उस दुष्ट ने सच कहा, हालाँकि वह बड़ा झूठा है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 162 (Ashabının cinleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1865. बुरैदा ने अपना भोजन घटाने वाली एक ग़ूल (मादा जिन्न) को रात में पकड़ा; उसने कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बुरैदा ने अपना भोजन घटाने वाली एक ग़ूल (मादा जिन्न) को रात में पकड़ा; उसने कहा कि उसके बहुत बच्चे हैं और क़सम खाई कि फिर नहीं आएगी, तो उन्होंने उसे छोड़ दिया, और अल्लाह के रसूल ﷺ ने फ़रमाया: “उसने झूठ बोला, वह फिर आएगी”; तीसरी बार ग़ूल ने आयतुल कुर्सी सिखाई, और आप ने फ़रमाया: “उसने सच कहा, हालाँकि वह बड़ी झूठी है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 163 (Ashabının cinleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1866. अबू उसैद साइदी ने अपने बाग़ से तोड़कर अपनी अटारी (मशरुबा) में रखी खजूरें चुराकर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू उसैद साइदी ने अपने बाग़ से तोड़कर अपनी अटारी (मशरुबा) में रखी खजूरें चुराकर बिगाड़ने वाली ग़ूल को पकड़ा; ग़ूल ने कहा: “मुझे अल्लाह के रसूल के पास न ले जाओ, मैं तुम्हें आयतुल कुर्सी सिखाती हूँ; अगर तुम इसे अपने घर में पढ़ोगे तो शैतान भीतर नहीं आ सकेगा, और अपने बर्तन पर पढ़ोगे तो उसका ढक्कन नहीं खुलेगा”, और अल्लाह के रसूल ﷺ ने फ़रमाया: “उसने सच कहा, हालाँकि वह बड़ी झूठी है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 164 (Ashabının cinleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1867. उबई बिन कअब ने अपनी खजूरों के ढेर को घटते देखा और रात को पहरा दिया; किशोर लड़के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उबई बिन कअब ने अपनी खजूरों के ढेर को घटते देखा और रात को पहरा दिया; किशोर लड़के के रूप में आए एक जिन्न से, जिसका हाथ कुत्ते के पंजे जैसा बालों वाला था, उन्होंने बात की; जिन्न ने कहा: “हमने सुना कि तुम सदक़ा देना पसंद करते हो, तो हमने तुम्हारे भोजन में से हिस्सा लेना चाहा”, और बताया कि उनसे आयतुल कुर्सी के द्वारा बचा जा सकता है; अल्लाह के रसूल ﷺ ने फ़रमाया: “उस दुष्ट ने सच कहा।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 164 (Ashabının cinleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1868. ज़ैद बिन साबित रात को अपने बाग़ में अकाल की शिकायत करके उनके फलों में से माँगने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ज़ैद बिन साबित रात को अपने बाग़ में अकाल की शिकायत करके उनके फलों में से माँगने वाले एक जिन्न से मिले; जब उन्होंने पूछा कि तुम लोगों से कौन-सी चीज़ बचाती है, तो जिन्न ने कहा: “आयतुल कुर्सी।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 165 (Ashabının cinleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

1869. एक कमरे की छाया में बैठे हुए आप ने फ़रमाया: “अभी तुम्हारे पास एक व्यक्ति आएगा...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक कमरे की छाया में बैठे हुए आप ने फ़रमाया: “अभी तुम्हारे पास एक व्यक्ति आएगा जो शैतान की आँखों से देखता है; जब वह आए तो उससे बात न करना”; नीली आँखों वाला एक व्यक्ति आया, आप ने उससे कहा: “तुम और तुम्हारे साथी मुझे बुरा-भला क्यों कहते हो?”, वह अपने साथियों को ले आया और उन्होंने क़सम खाई कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा, और उनके बारे में आयत (सूरह अल-मुजादला, आयत 18) उतरी।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 174 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1870. आप के समय में सहाबा इस डर से कि उनके बारे में वह्य उतरकर उनकी छिपी बातें खुल...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के समय में सहाबा इस डर से कि उनके बारे में वह्य उतरकर उनकी छिपी बातें खुल जाएँगी, अपनी पत्नियों से बात करने और हँसी-मज़ाक़ करने से भी बचते थे; आप की वफ़ात के बाद वे खुलकर बात करने लगे।

मदनी दौर (हिजरी 1–11)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 183 (Önceki bâblarda geçenler dışında haber verdiği gaybî şeylere dair mucizeler)

1871. आप ने नाम लेकर फ़रमाया: “जब तक तीस झूठे प्रकट न हों, क़यामत नहीं आएगी...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने नाम लेकर फ़रमाया: “जब तक तीस झूठे प्रकट न हों, क़यामत नहीं आएगी; मुसैलिमा, अंसी और मुख़्तार उन्हीं में से हैं; अरब क़बीलों में सबसे बुरे बनू उमय्या, बनू हनीफ़ा और सक़ीफ़ हैं” (अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 (मुसैलिमा, अंसी), हिजरी 66–67 (मुख़्तार)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 225 (yalancıları ve deccalleri haber vermesi)

1872. प्राण निकलते समय कलिमा-ए-शहादत न कह पाने वाले एक युवक के पास आप गए और कारण...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

प्राण निकलते समय कलिमा-ए-शहादत न कह पाने वाले एक युवक के पास आप गए और कारण पूछा; यह जानकर कि वह युवक अपनी माँ का अवज्ञाकारी था, आप ने उसकी माँ को बुलवाकर उसे राज़ी किया, और युवक “ला इलाहा इल्लल्लाह” कह सका (अब्दुल्लाह बिन अबी औफ़ा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 295 (dualaın kabulündeki mucizeler)

1873. एक जिन्न द्वारा अपने विरुद्ध चाल चलने की बात कहने वाले ख़ालिद बिन वलीद को आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक जिन्न द्वारा अपने विरुद्ध चाल चलने की बात कहने वाले ख़ालिद बिन वलीद को आप ने “अऊज़ु बि-कलिमातिल्लाहित ताम्मात...” दुआ सिखाई; ख़ालिद के इसे पढ़ते ही उनकी परेशानी दूर हो गई (अबुल आलिया रियाही की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 8–11)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 297 (humma rukyesi, borç duası, cin rukyesi ve diğer öğrettiği dualar)

1874. आप से एकांत में बात (नजवा) करना चाहने वालों पर पहले सदक़ा देना अनिवार्य किया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप से एकांत में बात (नजवा) करना चाहने वालों पर पहले सदक़ा देना अनिवार्य किया गया (सूरह अल-मुजादला, आयत 12); इस पर अमल करने वाले पहले और एकमात्र व्यक्ति एक दीनार सदक़ा देने वाले अली थे, और फिर छूट की आयत उतरी (इब्ने अब्बास और मुजाहिद की रिवायतें)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 342 (Kur'an'daki hitap ve itaatin farz kılınması bâbları)

1875. आप ने अपने अहले बैत के लिए दो स्वीकार होने वाली दुआएँ छोड़ीं: एक संकट दूर होने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने अहले बैत के लिए दो स्वीकार होने वाली दुआएँ छोड़ीं: एक संकट दूर होने के लिए (“या दाइमन लम यज़ल...”), और दूसरी आवश्यकताएँ पूरी होने और क़र्ज़ उतरने के लिए (“या मन यकफ़ी मिन कुल्लि शैइन...”) (जाफ़र बिन मुहम्मद की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 344 (ihtiyaç ve sıkıntı duaları bâbı)

1876. आप यहूदियों के उपासना-गृह में गए, तो तौरात पढ़ने वाला यहूदी आप के गुणों वाले...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप यहूदियों के उपासना-गृह में गए, तो तौरात पढ़ने वाला यहूदी आप के गुणों वाले भाग पर पहुँचकर चुप हो गया; कोने में पड़ा एक बीमार व्यक्ति घिसटता हुआ आया, तौरात ली, आप के गुण पढ़कर बोला: “ये आप के और आप की उम्मत के गुण हैं; मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं और आप उसके रसूल हैं”, और उसकी मृत्यु हो गई; आप ने फ़रमाया: “अपने भाई को ले जाओ (दफ़्न करो)।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 225-226 (Hadîs yetedammenü i'tirâfe'l-Yehûd bi-ennehû Resûlullah)

1877. आप से कठोर बातें कहने वाली एक मुशरिक स्त्री की गोद के दो महीने के बच्चे ने कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप से कठोर बातें कहने वाली एक मुशरिक स्त्री की गोद के दो महीने के बच्चे ने कहा: “अस्सलामु अलैका या रसूलल्लाह, या मुहम्मद बिन अब्दुल्लाह”; “तुम्हें यह कहाँ से पता चला?” पूछे जाने पर उसने कहा: “मेरे रब और रूहुल अमीन ने सिखाया; देखिए, जिब्रील आप के सिर के पास खड़े हैं”; उसका नाम अब्दुल उज़्ज़ा था, उसे अब्दुल्लाह नाम मिला, और उसने दुआ माँगी: “मुझे जन्नत में अपने सेवकों में से बना दीजिए”, और शहादत देकर मर गया।

तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 88 (fasl fî kelâmi'l-hayvânât)

1878. यहूदियों ने इनाम का वादा करके अब्दा नाम की एक स्त्री से ज़हरीली भेड़ की दावत...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यहूदियों ने इनाम का वादा करके अब्दा नाम की एक स्त्री से ज़हरीली भेड़ की दावत तैयार करवाई, और आप अली, अबू अय्यूब और कुछ सहाबा के साथ उसमें गए; यहूदी अपनी लाठियों के सहारे खड़े होकर नाक पकड़े रहे; भेड़ की दस्ती बोल उठी: “ऐ मुहम्मद, मुझे न खाइए, मैं ज़हरीली हूँ”; स्त्री ने कहा: “मैंने यह सोचकर किया कि अगर आप नबी हैं तो आप को हानि नहीं होगी, और अगर नहीं हैं तो अपनी क़ौम को आप से छुटकारा दिला दूँगी”, और जिब्रील ने उतरकर एक दुआ सिखाई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb fi'l-menâkıb (thk. Nebîl Rızâ Ulvân, Kum: Ensâriyân, 2. bs. 1412), s. 81, no. 65/3 (fasl: kelâmü'z-zirâ' ve'ş-şâti'l-mesmûme)

1879. आप की बातें सुनकर नेक जिन्नों तक पहुँचाने वाली, और जिसके हाथों जिन्न मुसलमान...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की बातें सुनकर नेक जिन्नों तक पहुँचाने वाली, और जिसके हाथों जिन्न मुसलमान हुए, अफ़रा नाम की एक जिन्न स्त्री कुछ समय दिखाई नहीं दी, तो जिब्रील ने ख़बर दी: “वह अल्लाह के लिए प्रेम करने वाली अपनी एक बहन से मिलने गई है”; लौटने पर अफ़रा ने बताया कि उसने हरे समुद्र में एक सफ़ेद चट्टान पर इब्लीस को “मुहम्मद, अली, फ़ातिमा, हसन और हुसैन के हक़ के वास्ते” दुआ करते देखा।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 83 (Bâb 9: cinler ve şeytanlar üzerindeki hâkimiyeti, bazı cinlerin imanı)

1880. अबतह में सहाबा के साथ बैठे हुए आप के पास एक बवंडर में से बनू नजाह के जिन्नों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबतह में सहाबा के साथ बैठे हुए आप के पास एक बवंडर में से बनू नजाह के जिन्नों में से उरफ़ुता (अत्रफ़ा) बिन शिमराह निकला, और पानी तथा चरागाह को लेकर अपनी क़ौम के साथ हुए झगड़े में पंच माँगा; आप ने उसका चेहरा खुलवाकर सहाबा को दिखाया, और अबू बक्र, उमर और उस्मान के न जा सकने पर अली को धरती के नीचे के जिन्नों के पास भेजा, और अली इस्लाम, जिज़्या और संधि को ठुकराने वाले जिन्नों से लड़कर लौटे (सलमान की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 86-88 (Bâb 9: cinler ve şeytanlar üzerindeki hâkimiyeti, bazı cinlerin imanı)

1881. अली के साथ दरवाज़े पर बैठे हुए आप ने अली को बताया कि सलाम करके गुज़रने वाला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली के साथ दरवाज़े पर बैठे हुए आप ने अली को बताया कि सलाम करके गुज़रने वाला बूढ़ा इब्लीस है; अली ने उसका पीछा करके उसे ज़मीन पर पटक दिया, और इब्लीस ने कहा: “मुझे एक निश्चित समय तक मोहलत दी गई है” (अनस की रिवायत; मजलिसी इसकी सनद को ग़रीब मानते हैं)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 88-89 (Bâb 9: cinler ve şeytanlar üzerindeki hâkimiyeti, bazı cinlerin imanı)

1882. अँधेरी रातों में अपने नवासों हसन और हुसैन को “ऐ अबू मुहम्मद, ऐ अबू अब्दुल्लाह...”

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अँधेरी रातों में अपने नवासों हसन और हुसैन को “ऐ अबू मुहम्मद, ऐ अबू अब्दुल्लाह, मेरे पास आओ” कहकर बुलाते समय आप दरवाज़े से अपनी तर्जनी बाहर निकालते, तो उससे चाँद और सूरज से भी चमकीला नूर निकलता; बच्चों के आ जाने पर उँगली पहले जैसी हो जाती, और घर लौटते समय फिर उनका रास्ता रोशन कर देती।

मदनी दौर (हिजरी 4–11 / 625–632 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 267 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1883. आप के नगर से निकलने पर आप को मारने के लिए पीछे लगे मुनाफ़िक़ों और काफ़िरों के...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

आप के नगर से निकलने पर आप को मारने के लिए पीछे लगे मुनाफ़िक़ों और काफ़िरों के शरीरों पर अल्लाह ने जूँ छोड़ दीं; जूँ उनके गलों तक भर गईं, वे खा-पी न सके, और दो महीनों के भीतर सब मर गए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 268-269 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1884. हज के मौसम में मक्का में इकट्ठा होकर आप को मारने के लिए मदीना की ओर चले एक समूह...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

हज के मौसम में मक्का में इकट्ठा होकर आप को मारने के लिए मदीना की ओर चले एक समूह की पानी की मशकों में और जिस हौज़ से वे पानी लेते थे उसमें चूहों ने छेद कर दिए; वे सब रेगिस्तान में प्यास से मर गए, केवल “मुहम्मद और उनकी संतान के हक़ के वास्ते” दुआ करने वाला एक व्यक्ति बचा और ईमान लाया, और मरने वालों के ऊँट और माल उसे दे दिए गए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 269-270 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1885. आप ने हिजामा का ख़ून छिपाने के लिए अबू सईद ख़ुदरी को दिया, और उन्होंने उसे पी...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

आप ने हिजामा का ख़ून छिपाने के लिए अबू सईद ख़ुदरी को दिया, और उन्होंने उसे पी लिया; आप ने फ़रमाया: “फिर ऐसा न करना; पर जान लो कि तुम्हारा मांस और ख़ून मेरे ख़ून से मिल गया है, इसलिए वह आग पर हराम कर दिया गया है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 270 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1886. जिस तरह सुलैमान के लिए हवा को वश में किया गया था, उसी तरह हवा आप के अधीन की गई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस तरह सुलैमान के लिए हवा को वश में किया गया था, उसी तरह हवा आप के अधीन की गई; वह आप के वसी और सहाबा को एक बिछौने पर बिठाकर अस्हाबे कहफ़ की गुफा तक ले गई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 257 (Bâb 2: cevâmiu mu'cizâtihî ve nevâdirühâ)

1887. अब्दुल्लाह बिन उबई ने अपने घर में एक गड्ढा खुदवाया, उसकी तली में भालों की नोकें...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन उबई ने अपने घर में एक गड्ढा खुदवाया, उसकी तली में भालों की नोकें और ज़हरीली छुरियाँ गड़वाईं, उस पर बिछौना बिछाया और ज़हरीला भोजन तैयार किया; जिब्रील ने इस षड्यंत्र की ख़बर दी; आप के बिछौने पर बैठते ही गड्ढा भरकर पक्की ज़मीन बन गया, और जिस ज़हरीले भोजन (आटे का शोरबा यानी हरीरा और भुना हुआ मेमना) पर अली ने “बिस्मिल्लाहिश शाफ़ी...” दुआ पढ़ी थी, उसे आप ने अली और सहाबा के साथ खाया और किसी को हानि नहीं हुई; फिर बिछौने पर बैठी इब्ने उबई की बेटी फिर से खुले गड्ढे में गिरकर मर गई, और बचा हुआ भोजन खाने वाले उसके साथी मर गए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 328-333 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

1888. व्यापार के लिए पूँजी न होने के कारण अपना दिन आप पर और आप की संतान पर दुरूद...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

व्यापार के लिए पूँजी न होने के कारण अपना दिन आप पर और आप की संतान पर दुरूद भेजते हुए बिताने वाले एक ग़रीब मोमिन ने नबी ﷺ के नाम पर उधार में दो दानिक़ की एक मछली ली (जिसका दाम आप ने उसामा से एक दिरहम के रूप में चुकवाया), और उस मछली के पेट से दो लाख दिरहम के मूल्य के दो रत्न निकले; मुनाफ़िक़ों के उकसाने पर मछली बेचने वाले व्यक्ति ने रत्न वापस लेने को हाथ बढ़ाया, तो उसके हाथ में रत्न बिच्छू बन गए, और मछली से निकली दूसरी जोड़ी साँप बनकर उसे डसने लगी; मोमिन के हाथ में लेते ही सब फिर से रत्न बन गए, और चारों रत्न व्यापारियों को चार लाख दिरहम में बेचे गए।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 383-385 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 4: cemâdât ve nebâtâtın itaati ve konuşması)

1889. यहूदी विद्वान से मुसलमान बने अब्दुल्लाह बिन सलाम ने उमर से कहा कि अल्लाह के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यहूदी विद्वान से मुसलमान बने अब्दुल्लाह बिन सलाम ने उमर से कहा कि अल्लाह के रसूल ﷺ के गुण उनकी किताबों में मौजूद होने के कारण वे आप को अपने बेटे से भी अधिक अच्छी तरह पहचानते हैं, और आप की नबूवत की पूरे विश्वास के साथ गवाही देते हैं।

मदनी दौर (हिजरी 1–11), तिथि अनिश्चित

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz aleyhisselâmın İsim ve Sıfatlarının Ehl-i Kitab Nezdinde Belli Oluşu" (kitabın dipnotu: Fahru'r-Râzî, Tefsir, c:4, s:128; Hâzin, Tefsir, c: 1, s:94; Vâhidî, Esbâbü'n-nüzûl, s:27)

38 · जीवन भर: शारीरिक विशेषताएँ और शमाइल

1890. “अल्लाह तुम्हें लोगों से बचाएगा” का वादा पूरा हुआ, और आप हर हत्या के प्रयास से सुरक्षित रहे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

“अल्लाह तुम्हें लोगों से बचाएगा” का वादा पूरा हुआ, और आप हर हत्या के प्रयास से सुरक्षित रहे।

हिजरी 5–11

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.522; İbn Kesîr s.16; 1000 Mucize no.519 (s.533); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Tefsîr, Mâide (listedeki kaynağa göre)

1891. आप का चरित्र उच्च था, और जीवन भर आप का एक भी झूठ ज्ञात नहीं हुआ

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप का चरित्र उच्च था, और जीवन भर आप का एक भी झूठ ज्ञात नहीं हुआ।

571–632 ईस्वी

स्रोत İbn Kesîr s.15; 1000 Mucize giriş no.1 (s.1); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Peygamberimiz Aleyhisselâmın Her Türlü Kötülüklerden Korunarak Büyütülüşü (İbn İshak'ın değerlendirmesi)" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:1, s:194); Kütüb-i Sitte: Buharî, Bed'ü'l-Vahy 1, Cihad 102, Tefsir Al-i İmran 4; Müslim, Cihad 73, (1773); Tirmizî, İsti'zan 24, (2718) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5561, c./s. 15/382-385]

1892. आप ने तेईस वर्षों में अद्वितीय सफलता के साथ अपनी दावत का कार्य पूरा किया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने तेईस वर्षों में अद्वितीय सफलता के साथ अपनी दावत का कार्य पूरा किया।

610–632 ईस्वी

स्रोत 1000 Mucize giriş no.2 (s.7); Kütüb-i Sitte: Buharî, Megazî 85, Fezailu'l-Kur'an 1; Müslim, Feazail 117, 121, (2351, 2353); Tirmizî, Menakıb 28, (3652, 3653) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5533, c./s. 15/348]

1893. आप की आँखें सोती थीं, पर दिल नहीं सोता था

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की आँखें सोती थीं, पर दिल नहीं सोता था।

निरंतर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.304; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 118-119; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (Âişe) (listedeki kaynağa göre)

1894. नमाज़ में आप अपने पीछे की सफ़ों को ऐसे देखते थे जैसे वे आप के सामने हों

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

नमाज़ में आप अपने पीछे की सफ़ों को ऐसे देखते थे जैसे वे आप के सामने हों।

निरंतर (मदनी दौर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.529; 1000 Mucize no.111 (s.88), no.282 (s.260); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 566; Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.73-74; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 104; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 299; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 349; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 47; c. 2, s. 507; Kütüb-i Sitte: Buhârî 418, 741; Müslim 423-426 (listedeki kaynağa göre; Canan'da künyesi yok) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2581]

1895. आप अँधेरे में भी वैसे ही देखते थे जैसे उजाले में

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप अँधेरे में भी वैसे ही देखते थे जैसे उजाले में।

निरंतर

स्रोत 1000 Mucize no.283 (s.261); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.75; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 104; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 349

1896. आप के पसीने और शरीर की सुगंध कस्तूरी से भी अच्छी थी, और आप का हाथ रेशम से भी कोमल और ठंडा था

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के पसीने और शरीर की सुगंध कस्तूरी से भी अच्छी थी, और आप का हाथ रेशम से भी कोमल और ठंडा था।

निरंतर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.199; 1000 Mucize no.104 (s.80); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 114-115; c. 1, s. 127; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 107; Kütüb-i Sitte: Buharî, İsti'zan 41; Müslim, Fezail 84, (2331); Nesâî, Zinet 119, (8, 218) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5548, c./s. 15/366]

1897. आप का चेहरा चाँद की तरह चमकता था

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप का चेहरा चाँद की तरह चमकता था।

निरंतर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.158; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 425; Kütüb-i Sitte: Buhârî (listedeki kaynağa göre); Tirmizî, Menakıb 26, (3650) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5544, c./s. 15/365]

1898. वह्य आने की दशाएँ: ठंडे दिन में भी आप के माथे से पसीना बहना, घंटी जैसी आवाज़...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

वह्य आने की दशाएँ: ठंडे दिन में भी आप के माथे से पसीना बहना, घंटी जैसी आवाज़, और आप की सवारी का बैठ जाना।

610–632 ईस्वी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.379; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, no 13938-13939; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 198-200; c. 1, s. 199; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 165-169; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 41; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (Âişe) (listedeki kaynağa göre)

1899. हर व्यक्ति के साथ रहने वाला जिन्न साथी (क़रीन) आप के मामले में आज्ञाकारी (मुसलमान) हो गया था और केवल भलाई का ही आदेश देता था

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हर व्यक्ति के साथ रहने वाला जिन्न साथी (क़रीन) आप के मामले में आज्ञाकारी (मुसलमान) हो गया था और केवल भलाई का ही आदेश देता था।

निरंतर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.416; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ismetihî mine'l-karîn, no 13856-13860; Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 127; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 323; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 337; Kütüb-i Sitte: Müslim, Münâfıkûn 69, (2814) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4359, c./s. 12/405]

1900. नमाज़ में आप के चेहरे पर आग का शोला डालना चाहने वाले इफ़रीत को आप ने पकड़कर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

नमाज़ में आप के चेहरे पर आग का शोला डालना चाहने वाले इफ़रीत को आप ने पकड़कर उसका गला दबाया, फिर सुलैमान की दुआ याद करके उसे छोड़ दिया।

मदनी दौर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.413; 1000 Mucize no.204 (s.185); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl, no. 264-265; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 27. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 109; c. 2, s. 109-110; c. 2, s. 110; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 451; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 335; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 258; c. 18, s. 82, 89; Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 918; Kütüb-i Sitte: Buharî, Salat 75, Amel fi's-Salat 10, Bed'ül-Halk 11, Enbiya 40; Müslim, Mesacid 39, (541) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5609, c./s. 15/470]

1901. शैतानों ने इकट्ठा होकर बुराई करनी चाही, तो जिब्रील की सिखाई दुआ से वे तितर-बितर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

शैतानों ने इकट्ठा होकर बुराई करनी चाही, तो जिब्रील की सिखाई दुआ से वे तितर-बितर हो गए; यह दुआ आप ने ख़ालिद बिन वलीद को भी सिखाई।

मक्की/मदनी दौर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.412; 1000 Mucize no.205 (s.185); web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 13. fasıl, no. 137-138; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 298

1902. ताबिईन के इमाम ताऊस यमानी ने निश्चित रूप से ख़बर दी: “अल्लाह के रसूल ﷺ के पास...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

ताबिईन के इमाम ताऊस यमानी ने निश्चित रूप से ख़बर दी: “अल्लाह के रसूल ﷺ के पास लाया गया कोई भी पागल ऐसा नहीं था जिसके सीने पर आप ने हाथ रखा हो और वह ठीक न हुआ हो।”

मदनी दौर (सामान्य गवाही)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 13. İşaret, 8. misal (s. 208)

1903. आप जब किसी के लिए दुआ करते, तो उस दुआ की बरकत उस व्यक्ति के बेटे और पोते तक भी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप जब किसी के लिए दुआ करते, तो उस दुआ की बरकत उस व्यक्ति के बेटे और पोते तक भी पहुँचती थी (हुज़ैफ़ा की रिवायत)।

सामान्य (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 22. fasıl (duasının kabulü)

1904. अबू ज़र ने कहा: “अल्लाह के रसूल ﷺ ने हमें ऐसी हालत में छोड़ा कि आसमान में पंख...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू ज़र ने कहा: “अल्लाह के रसूल ﷺ ने हमें ऐसी हालत में छोड़ा कि आसमान में पंख फड़फड़ाने वाला कोई पक्षी ऐसा न था जिसके बारे में आप ने हमें कोई ज्ञान न बताया हो।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

1905. आप अपने सहाबा के भेद और उनके मन की बातें, तथा मुनाफ़िक़ों की छिपाई बातें, उनका...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप अपने सहाबा के भेद और उनके मन की बातें, तथा मुनाफ़िक़ों की छिपाई बातें, उनका कुफ़्र और आप तथा मोमिनों के बारे में उनकी बातें बता देते थे; यहाँ तक कि मुनाफ़िक़ों में से कोई अपने साथी से कहता: “चुप रहो; अल्लाह की क़सम, अगर उनके पास ख़बर देने वाला कोई न भी हो, तो बतहा के पत्थर उन्हें ख़बर दे देंगे।”

मदनी दौर, सामान्य

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

1906. उम्मी होने, पढ़ने-लिखने वाले न होने और विदेशियों के साथ उठने-बैठने वाले न होने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उम्मी होने, पढ़ने-लिखने वाले न होने और विदेशियों के साथ उठने-बैठने वाले न होने के बावजूद आप दूसरी जातियों की भाषाओं के शब्द जानते थे: हबशी भाषा में “सनह सनह” (सुंदर), “हर्ज” (हत्या); अबू हुरैरा की हदीस में फ़ारसी “इश्कम्ब दर्द” (पेट का दर्द)।

सामान्य (मदनी दौर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 26. fasıl (ilimleri)

1907. लिखना न जानने के बावजूद आप ने अक्षरों की लिखावट के बारे में बारीक बातें बताईं...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

लिखना न जानने के बावजूद आप ने अक्षरों की लिखावट के बारे में बारीक बातें बताईं: “बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम को खींचकर न लिखो”; अपने कातिब मुआविया से कहा: “दवात तैयार करो (उसमें लीक़ा डालो), क़लम को तिरछा काटो, बा को सीधा लिखो, सीन के दाँते अलग रखो, मीम को अंधा (भरा हुआ) न करो, अल्लाह शब्द को सुंदर लिखो, रहमान को खींचो, रहीम को सुंदर बनाओ”; और अपने कातिब से कहा: “क़लम को अपने कान पर रखो; यह याद दिलाने के लिए अधिक उपयुक्त है।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 26. fasıl (ilimleri)

1908. उल्लेख किया गया है कि धूप और चाँदनी में आप की छाया ज़मीन पर नहीं पड़ती थी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उल्लेख किया गया है कि धूप और चाँदनी में आप की छाया ज़मीन पर नहीं पड़ती थी, क्योंकि आप नूर थे।

सामान्य

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

1909. आप के शरीर और कपड़ों पर मक्खी नहीं बैठती थी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के शरीर और कपड़ों पर मक्खी नहीं बैठती थी।

सामान्य

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

1910. आप की पीठ पर नबूवत की मुहर के मांस पर “मुहम्मद रसूलुल्लाह” लिखा था; दूसरी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की पीठ पर नबूवत की मुहर के मांस पर “मुहम्मद रसूलुल्लाह” लिखा था; दूसरी रिवायत में उसके भीतरी भाग पर “अल्लाह एक है, उसका कोई साझी नहीं, मुहम्मद उसके बंदे और रसूल हैं”, और बाहरी भाग पर “जहाँ चाहो जाओ, तुम विजयी हो” लिखा था।

निरंतर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 102 (Nübüvvet mührü hakkında gelenler)

1911. पिछले नबियों की नबूवत की निशानी (तिल) उनके दाहिने हाथ में होती थी, और आप की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पिछले नबियों की नबूवत की निशानी (तिल) उनके दाहिने हाथ में होती थी, और आप की निशानी आप के दोनों कंधों के बीच थी।

ख़साइस (निरंतर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 103 (Nübüvvet mührü hakkında gelenler)

1912. आप जब बोलते, तो ऐसा दिखता जैसे आप के आगे के दाँतों के बीच से नूर निकल रहा हो

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप जब बोलते, तो ऐसा दिखता जैसे आप के आगे के दाँतों के बीच से नूर निकल रहा हो।

निरंतर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 106 (Mübarek ağzı, tükürüğü ve dişlerindeki âyetler)

1913. जिब्रील यह ख़बर लाए: “अल्लाह फ़रमाता है: मैंने यूसुफ़ को कुर्सी के नूर से...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिब्रील यह ख़बर लाए: “अल्लाह फ़रमाता है: मैंने यूसुफ़ को कुर्सी के नूर से सौंदर्य पहनाया, और तुम्हारे चेहरे को अपने अर्श के नूर से सौंदर्य पहनाया।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 107 (Mübarek yüzündeki âyet)

1914. आप की बग़लें सफ़ेद थीं, उनका रंग बदला हुआ न था और उन पर बाल न थे; दुआ और सजदे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की बग़लें सफ़ेद थीं, उनका रंग बदला हुआ न था और उन पर बाल न थे; दुआ और सजदे में आप की बग़लों की सफ़ेदी दिखाई देती थी।

निरंतर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 107 (Mübarek koltuk altındaki âyet)

1915. आप अरबों में सबसे शुद्ध और सुंदर भाषा बोलने वाले थे; उमर ने पूछा: “आप हमारे बीच...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप अरबों में सबसे शुद्ध और सुंदर भाषा बोलने वाले थे; उमर ने पूछा: “आप हमारे बीच से बाहर नहीं गए, फिर भी हममें सबसे शुद्ध भाषा वाले कैसे हैं?”, तो आप ने फ़रमाया: “इस्माईल की भाषा भुला दी गई थी; जिब्रील उसे मेरे पास लाए, और मैंने उसे याद कर लिया।”

निरंतर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 108 (Mübarek dilindeki mucize)

1916. आप ने जीवन भर कभी जम्हाई नहीं ली (किसी भी नबी ने जम्हाई नहीं ली)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जीवन भर कभी जम्हाई नहीं ली (किसी भी नबी ने जम्हाई नहीं ली)।

ख़साइस (निरंतर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 112 (Esnemekten korunması)

1917. आप ने फ़रमाया: “मैं वह देखता हूँ जो तुम नहीं देखते, और वह सुनता हूँ जो तुम नहीं...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मैं वह देखता हूँ जो तुम नहीं देखते, और वह सुनता हूँ जो तुम नहीं सुनते; आसमान चरमराया, और उसका चरमराना उचित ही है: उसमें चार उँगली भर जगह भी ऐसी नहीं जहाँ कोई फ़रिश्ता सजदा न कर रहा हो।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 113 (Mübarek kulağındaki (işitmesindeki) âyet)

1918. इकहत्तर किताबें पढ़ने वाले वहब बिन मुनब्बिह ने उन सबमें यह पाया कि दुनिया के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इकहत्तर किताबें पढ़ने वाले वहब बिन मुनब्बिह ने उन सबमें यह पाया कि दुनिया के आरंभ से अंत तक सारे मनुष्यों को दी गई बुद्धि आप की बुद्धि के सामने ऐसी है जैसे दुनिया की सारी रेत में रेत का एक कण, और आप बुद्धि में सब मनुष्यों से श्रेष्ठ हैं।

ख़साइस (निरंतर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 114 (Mübarek aklındaki âyet)

1919. जूता गाँठते समय आप के माथे पर आया पसीना नूर की तरह चमका, और आइशा यह देखकर मुग्ध...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

जूता गाँठते समय आप के माथे पर आया पसीना नूर की तरह चमका, और आइशा यह देखकर मुग्ध रह गईं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 115 (Mübarek terindeki âyet)

1920. मध्यम क़द के होने के बावजूद लंबे लोगों के साथ चलने पर आप उनसे लंबे दिखते, और दो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मध्यम क़द के होने के बावजूद लंबे लोगों के साथ चलने पर आप उनसे लंबे दिखते, और दो लंबे आदमियों के बीच होते तो उनसे ऊँचे दिखते; बैठे होने पर आप का कंधा सब बैठने वालों से ऊँचा होता।

निरंतर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 116 (Boyundaki âyet ve gölgesinin görülmemesi)

1921. चलते समय आप के लिए धरती सिमट जाती थी; सहाबा आप के साथ बने रहने के लिए ज़ोर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

चलते समय आप के लिए धरती सिमट जाती थी; सहाबा आप के साथ बने रहने के लिए ज़ोर लगाते, जबकि आप सहज भाव से चलते, और पीछे से आने वाला आप तक नहीं पहुँच पाता।

निरंतर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 118, 123 (Yürüyüşündeki âyet)

1922. आप को तीस (दूसरी रिवायत में चालीस) पुरुषों की शक्ति दी गई; जिब्रील के लाए एक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप को तीस (दूसरी रिवायत में चालीस) पुरुषों की शक्ति दी गई; जिब्रील के लाए एक बर्तन (क़फ़ीत) से खाने के बाद आप ने चालीस पुरुषों की शक्ति पाई।

मदनी दौर / निरंतर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 119 (Cimâdaki âyet)

1923. आप को कभी स्वप्नदोष (एहतिलाम) नहीं हुआ (किसी भी नबी को नहीं हुआ, क्योंकि...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप को कभी स्वप्नदोष (एहतिलाम) नहीं हुआ (किसी भी नबी को नहीं हुआ, क्योंकि स्वप्नदोष शैतान की ओर से होता है)।

ख़साइस (निरंतर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 120 (İhtilâmdan korunması)

1924. आप जब हँसते, तो (दाँतों की चमक से) दीवारें मानो रोशन होकर चमक उठतीं; और जब आप...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप जब हँसते, तो (दाँतों की चमक से) दीवारें मानो रोशन होकर चमक उठतीं; और जब आप अपनी चादर पीठ से उतारते, तो आप की पीठ चाँदी की सिल्ली जैसी दिखती।

निरंतर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 125, 127 (Yaratılışının vasfına dair toplu bâb)

1925. वह्य उतरते समय आप के पास बैठे लोग आप के चेहरे के पास मधुमक्खियों की भिनभिनाहट...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

वह्य उतरते समय आप के पास बैठे लोग आप के चेहरे के पास मधुमक्खियों की भिनभिनाहट जैसी आवाज़ सुनते थे।

610–632 ईस्वी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 198 (Vahiy sırasında görülen âyetler)

1926. आप जिस जानवर पर भी सवार होते, वह आप की बरकत से उसी दशा में बना रहता जिसमें आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप जिस जानवर पर भी सवार होते, वह आप की बरकत से उसी दशा में बना रहता जिसमें आप ने उस पर सवारी की थी, और बूढ़ा नहीं होता था (इब्ने सबअ ने इसे आप की विशेषताओं में गिना है)।

सामान्य विशेषता

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 107 (Hayvan türlerindeki mucizeleri)

1927. बाग़ में आप सो रहे थे, तब यह जानने के लिए कि आप सो रहे हैं या नहीं, एक सूखी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बाग़ में आप सो रहे थे, तब यह जानने के लिए कि आप सो रहे हैं या नहीं, एक सूखी टहनी तोड़ने वाले अबू ज़र से आप ने कहा: “क्या तुम नहीं जानते कि मैं तुम्हारे कर्मों को नींद में भी वैसे ही देखता हूँ जैसे जागते हुए; मेरी आँखें सोती हैं, मेरा दिल नहीं सोता।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 106 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

1928. आप जहाँ भी बैठते-उठते, आप के दाएँ और बाएँ एक नूर चमकता जिसे लोग देखते थे; बताया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप जहाँ भी बैठते-उठते, आप के दाएँ और बाएँ एक नूर चमकता जिसे लोग देखते थे; बताया गया कि यह नूर आप की क़ब्र से क़यामत तक चमकता रहेगा (इसकी तुलना मूसा के चमकते हाथ, यदे बैज़ा, से की जाती है)।

नबूवत का दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 913 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

1929. नरम ज़मीन पर चलने पर आप के पैरों के निशान नहीं पड़ते थे, जबकि कठोर चट्टान पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नरम ज़मीन पर चलने पर आप के पैरों के निशान नहीं पड़ते थे, जबकि कठोर चट्टान पर पैर रखने पर निशान रह जाता था।

जीवन भर (ख़साइस)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 109 (fasl fî mu'cizâtihî fî zâtihî)

1930. आप नींद में भी वैसे ही सुनते थे जैसे जागते हुए (आप के अंगों से जुड़े मोजिज़ों...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप नींद में भी वैसे ही सुनते थे जैसे जागते हुए (आप के अंगों से जुड़े मोजिज़ों की गिनती में)।

जीवन भर (सामान्य)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr (Müessesetü'l-Vefâ), c. 17, s. 299 (ebvâbü mu'cizâtih, bâb 2: cevâmi'u mu'cizâtihî ve nevâdiruhâ)

39 · क़ुरआन का मोजिज़ा: उसका बेमिसाल होना (एजाज़), उसकी हिफ़ाज़त और वैज्ञानिक संकेत

1931. क़ुरआन का एजाज़

सहीह (प्रामाणिक) क़ुरआनी मोजिज़े

क़ुरआन बार-बार चुनौती देता है कि उस जैसा कुछ ले आओ, और एलान करता है कि इंसान और जिन्न मिलकर भी ऐसा नहीं कर सकते। मुसलमान उलमा क़ुरआन को पैग़म्बर का सबसे बड़ा और हमेशा बाक़ी रहने वाला मोजिज़ा मानते हैं।

मक्की और मदनी, दोनों दौरों में नाज़िल हुआ।

स्रोत आयत 2:23-24 (Surat al-Baqarah); आयत 17:88 (Surat al-Isra)

1932. क़ुरआने करीम का एजाज़: उस जैसा लाने में सारे मनुष्य और जिन्न असमर्थ रहे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआने करीम का एजाज़: उस जैसा लाने में सारे मनुष्य और जिन्न असमर्थ रहे।

610–632 ईस्वी

स्रोत İbn Kesîr s.6; Beyhakî, Delâil c.5 s.444; 1000 Mucize no.497 (s.490); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 188, 194-197; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 7-13, 235-236, 7-9; Bâkılânî, İ'câzü'l-Kur'ân, s. 8-10; Süyûtî, el-İtkān fî ulûmi'l-Kur'ân, c. 4, s. 3; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 268; Şeyh Müfîd, en-Nüketü'l-i'tikâdiyye, s. 36, 35-36; Hoyî, el-Beyân, «i'câzü'l-Kur'ân» bölümü (ikincil aktarımdan); TDV İslâm Ansiklopedisi, “Mûcize”, c. 30; Facts and Details, “Miracles of Muhammad”; Djamduri–Malinda, Journal of Islamic Education 6/1 (2021); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 159, 165-168, 187-188, 191, 214-217, 223-224 (+5 kaynak daha: web_kaynaklari dosyasında); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: İsrâ: 88-89); Kütüb-i Sitte: Buharî, Fezâilu'l-Kur'ân 1, Î'tisâm 1; Müslim, İman 239, (152) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4351, c./s. 12/388]

1933. क़ुरआन ने एक उम्मी व्यक्ति की ज़बान से पिछली क़ौमों और नबियों की ख़बरें सही-सही...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन ने एक उम्मी व्यक्ति की ज़बान से पिछली क़ौमों और नबियों की ख़बरें सही-सही बताईं।

610–632 ईस्वी

स्रोत İbn Kesîr s.8; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 185-187, 205-206, 215; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 11-12

1934. क़ुरआन ने भविष्य में होने वाली बातों की ख़बर दी, और वे सब पूरी हुई

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन ने भविष्य में होने वाली बातों की ख़बर दी, और वे सब पूरी हुईं।

610–632 ईस्वी

स्रोत İbn Kesîr s.10, 124

1935. क़ुरआन के लाए हुए आदेश न्यायपूर्ण और सर्वव्यापी हैं

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन के लाए हुए आदेश न्यायपूर्ण और सर्वव्यापी हैं।

610–632 ईस्वी

स्रोत İbn Kesîr s.12

1936. क़ुरआन के क़यामत तक सुरक्षित रहने का वादा किया गया, और वह आज तक बिना बदले चला आ रहा है

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन के क़यामत तक सुरक्षित रहने का वादा किया गया, और वह आज तक बिना बदले चला आ रहा है।

610 ईस्वी – वर्तमान

स्रोत İbn Kesîr s.14; Beyhakî, Delâil c.5 s.457; 1000 Mucize no.515 (s.529); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Süleyman Nedvî, İslâm Târihi, c. 4, s. 1575-1577)

1937. ख़बर दी गई कि यह दीन सारे धर्मों पर प्रभावी किया जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़बर दी गई कि यह दीन सारे धर्मों पर प्रभावी किया जाएगा।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 के बाद

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.84; İbn Kesîr s.135; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 236; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 161, 165, 181-183

1938. ईमान लाने वालों से वादा किया गया कि उन्हें धरती पर ख़लीफ़ा (शासक) बनाया जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ईमान लाने वालों से वादा किया गया कि उन्हें धरती पर ख़लीफ़ा (शासक) बनाया जाएगा।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11–40

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.86; İbn Kesîr s.135; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 236

1939. हर वर्ष एक बार, और आप की वफ़ात वाले वर्ष दो बार, जिब्रील के साथ क़ुरआन का दौर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हर वर्ष एक बार, और आप की वफ़ात वाले वर्ष दो बार, जिब्रील के साथ क़ुरआन का दौर (आमने-सामने पाठ) किया गया (आप की मृत्यु निकट होने का संकेत)।

हिजरी 10–11

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.456; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 469; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (listedeki kaynağa göre)

1940. क़ुरआन आसानी से याद किया जा सकता है (सूरह अल-क़मर, आयत 17; प्रतिदिन एक रुबअ...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन आसानी से याद किया जा सकता है (सूरह अल-क़मर, आयत 17; प्रतिदिन एक रुबअ पढ़कर आठ महीनों में, और ज़ुहरी ने अस्सी दिनों में याद किया), फिर भी कोई हाफ़िज़ बिना कभी भूल किए पढ़ने के शिखर तक नहीं पहुँच पाता।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.503 (s.505)

1941. क़ुरआन में कोई अक्षर व्यर्थ नहीं: सूरह अज़-ज़ुमर (आयतें 71-73) में जहन्नम के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन में कोई अक्षर व्यर्थ नहीं: सूरह अज़-ज़ुमर (आयतें 71-73) में जहन्नम के दरवाज़ों के वर्णन में जो “वाव” नहीं है, वह जन्नत के दरवाज़ों के वर्णन में जोड़ा गया है, जो संकेत देता है कि जन्नत के दरवाज़े उसके निवासियों के आने से पहले ही खुले होंगे।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.504 (s.506)

1942. क़ुरआन में मिलती-जुलती आयतों के दोहराव में भी अलग अर्थ होता है: बनी इसराईल के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन में मिलती-जुलती आयतों के दोहराव में भी अलग अर्थ होता है: बनी इसराईल के नगर में प्रवेश का वर्णन करने वाली सूरह अल-बक़रह (आयतें 58-59) और सूरह अल-आराफ़ (आयतें 161-162) के बीच आठ शब्दों के अंतर की हिकमतें।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.505 (s.509)

1943. मुसलमानों के धरती के वारिस और शासक बनाए जाने की ख़बर देने वाली आयतों (सूरह...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमानों के धरती के वारिस और शासक बनाए जाने की ख़बर देने वाली आयतों (सूरह अल-अंबिया, आयत 105; सूरह अन-नूर, आयत 55; सूरह अल-इसरा, आयत 5) की संख्याएँ 5 और उसके गुणज हैं; लेखक इसे उम्मत की एकता का संकेत मानते हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.507 (s.516)

1944. इस्लाम के सारे धर्मों पर प्रभावी किए जाने की ख़बर देने वाली सूरह अत-तौबा (आयत...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इस्लाम के सारे धर्मों पर प्रभावी किए जाने की ख़बर देने वाली सूरह अत-तौबा (आयत 33) और सूरह अस-सफ़्फ़ (आयत 9) की आयतें शब्दों, संदर्भ (पहले की आयतों) और संख्या (3×3=9) में एक-दूसरे से मेल खाती हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.508 (s.520)

1945. मुफ़स्सिरों ने क़ुरआन के लगभग हर शब्द की तफ़सीर की है, फिर भी सूरतों के आरंभ के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुफ़स्सिरों ने क़ुरआन के लगभग हर शब्द की तफ़सीर की है, फिर भी सूरतों के आरंभ के हुरूफ़े मुक़त्तआत (अलग-अलग अक्षरों) की तफ़सीर सहाबा के समय से आज तक कोई नहीं कर सका।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.509 (s.524)

1946. सूरतों के आरंभ के मुक़त्तआत अक्षरों की लय उनकी जगह दूसरे अक्षर (हा, जीम, ज़ाय)...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सूरतों के आरंभ के मुक़त्तआत अक्षरों की लय उनकी जगह दूसरे अक्षर (हा, जीम, ज़ाय) रखने की तुलना में कहीं अधिक मधुर है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.510 (s.525)

1947. सूरतों के आरंभ के मुक़त्तआत अक्षरों को मद्द के साथ (खींचकर) पढ़ने में, बिना...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सूरतों के आरंभ के मुक़त्तआत अक्षरों को मद्द के साथ (खींचकर) पढ़ने में, बिना खींचे पढ़ने की तुलना में, ध्वनि का विशेष सौंदर्य है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.511 (s.525)

1948. सूरतों के आरंभ के लिए वर्णमाला के ठीक आधे, चौदह अक्षर चुने गए: पहले नौ अक्षरों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरतों के आरंभ के लिए वर्णमाला के ठीक आधे, चौदह अक्षर चुने गए: पहले नौ अक्षरों में से केवल दो (अलिफ़, हा), अगले दस अक्षरों में से बिना बिंदु वाले पाँच, और अंतिम नौ अक्षरों में से दो (फ़ा, वाव) को छोड़कर सात।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.512 (s.526)

1949. सूरतों के आरंभ के लिए चुने गए चौदह अक्षरों में से नौ के नाम तीन अक्षरों से पढ़े...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरतों के आरंभ के लिए चुने गए चौदह अक्षरों में से नौ के नाम तीन अक्षरों से पढ़े जाते हैं और खींचे जा सकते हैं, जबकि शेष पाँच (हा, रा, ता, हा, या) के नाम दो अक्षरों से पढ़े जाते हैं और सब अलिफ़ पर समाप्त होते हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.513 (s.527)

1950. सूरह के आरंभ के अक्षरों का अंत यदि बाद की आयतों के फ़ासिले (अंतिम ध्वनि) से मेल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सूरह के आरंभ के अक्षरों का अंत यदि बाद की आयतों के फ़ासिले (अंतिम ध्वनि) से मेल खाता है (हा-मीम: सूरह ग़ाफ़िर, सूरह फ़ुस्सिलत, सूरह अज़-ज़ुख़रुफ़), तो उन्हें अलग आयत गिना जाता है, और मेल नहीं खाता (अलिफ़-लाम-रा: सूरह हूद आदि), तो नहीं गिना जाता।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.514 (s.527)

1951. आप पढ़ना-लिखना नहीं जानते थे और रसायनशास्त्री भी नहीं थे, फिर भी क़ुरआन ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप पढ़ना-लिखना नहीं जानते थे और रसायनशास्त्री भी नहीं थे, फिर भी क़ुरआन ने बताया कि आसमान और धरती जुड़े हुए थे और अलग किए गए, हर जीवित चीज़ पानी से बनाई गई (सूरह अल-अंबिया, आयत 30), और शहद में शिफ़ा है; आधुनिक विज्ञान ने इनकी पुष्टि की।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.520 (s.534); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Enbiyâ: 30-33 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1952. सूरह अल-अनआम (आयत 125) में बताया गया कि गुमराही में पड़ने वाले का सीना ऐसे तंग...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-अनआम (आयत 125) में बताया गया कि गुमराही में पड़ने वाले का सीना ऐसे तंग हो जाता है "मानो वह आसमान पर चढ़ रहा हो"; बाद में पता चला कि 3-4 मील की ऊँचाई पर साँस तंग होने लगती है और 7-8 मील पर मृत्यु हो जाती है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.521 (s.535)

1953. सूरह अज़-ज़ुमर (आयत 5) में रात को दिन पर और दिन को रात पर लपेटने, और सूरह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अज़-ज़ुमर (आयत 5) में रात को दिन पर और दिन को रात पर लपेटने, और सूरह अन-नाज़िआत (आयत 30) में धरती को बिछाने के शब्दों से संकेत दिया गया कि धरती गोल (ध्रुवों पर चपटी) है; आधुनिक मापों ने ध्रुवीय और भूमध्यरेखीय परिधि का अंतर (लगभग 700 मील) निर्धारित किया।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.522 (s.536)

1954. सूरह अन-नम्ल (आयत 88) में यह बताकर कि अपनी जगह स्थिर समझे जाने वाले पहाड़...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अन-नम्ल (आयत 88) में यह बताकर कि अपनी जगह स्थिर समझे जाने वाले पहाड़ बादलों की तरह चल रहे हैं, धरती के घूमने का संकेत दिया गया; इसे पहली बार सोलहवीं सदी में कोपरनिकस ने सिद्ध किया।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.523 (s.538)

1955. सूरह अल-अंबिया (आयत 30) में बताया गया कि आसमान और धरती जुड़े हुए थे और अलग किए...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-अंबिया (आयत 30) में बताया गया कि आसमान और धरती जुड़े हुए थे और अलग किए गए; वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर कि धरती, सूरज और ग्रह एक ही पिंड से टूटकर बने, हज़ार वर्ष बाद ही पहुँचे।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.524 (s.538)

1956. स्पेक्ट्रोस्कोप से पता चला कि धरती की 200 किलोमीटर गहराई का तापमान सूरज की सतह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

स्पेक्ट्रोस्कोप से पता चला कि धरती की 200 किलोमीटर गहराई का तापमान सूरज की सतह के बराबर है और सूरज को बनाने वाले तत्व धरती के तत्वों जैसे ही हैं; क़ुरआन ने 1300 वर्ष पहले इसकी मोटी रूपरेखा बता दी थी।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.525 (s.539)

1957. सूरह यासीन (आयतें 38-40) में बताया गया कि सूरज अपने ठिकाने की ओर चला जा रहा है...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह यासीन (आयतें 38-40) में बताया गया कि सूरज अपने ठिकाने की ओर चला जा रहा है और हर एक अपनी कक्षा में तैर रहा है; खगोलशास्त्रियों ने हज़ार वर्ष बाद पता लगाया कि सूरज नस्र तारे (अभिजित) की दिशा में गति कर रहा है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.526 (s.540); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Enbiyâ: 30-33 / Yâsîn: 38) / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1958. सूरह अल-क़ियामा (आयतें 2-5) में यह बताकर कि अल्लाह मनुष्य की उँगलियों के पोरों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-क़ियामा (आयतें 2-5) में यह बताकर कि अल्लाह मनुष्य की उँगलियों के पोरों तक को फिर से ठीक-ठीक बनाने में समर्थ है, उँगलियों के निशान के हर व्यक्ति के लिए अलग होने का संकेत दिया गया।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.527 (s.541)

1959. सूरह अल-इसरा (आयतें 13-14), सूरह अल-कहफ़ (आयत 49) और सूरह अल-अंबिया (आयत 104)...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-इसरा (आयतें 13-14), सूरह अल-कहफ़ (आयत 49) और सूरह अल-अंबिया (आयत 104) में उस किताब की ख़बर दी गई जो मनुष्य के छोटे-बड़े हर कर्म को लिखती है और क़यामत के दिन खुली हुई उसके सामने रखी जाएगी; लेखक इसे चित्र और ध्वनि के अंतरिक्ष में दर्ज रहने (टेलीविज़न) की खोज से जोड़ते हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.528 (s.542)

1960. सूरह अर-रहमान (आयत 33) में बताया गया कि जिन्न और मनुष्य आसमानों और धरती की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अर-रहमान (आयत 33) में बताया गया कि जिन्न और मनुष्य आसमानों और धरती की सीमाओं से केवल एक शक्ति के द्वारा ही पार निकल सकते हैं; लेखक इसे मनुष्य के अंतरिक्ष में जाने और चाँद पर उतरने का संकेत मानते हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.529 (s.545)

1961. सूरह यूनुस (आयत 24) में उस दौर की ख़बर दी गई जब धरती अपना शृंगार कर लेगी और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह यूनुस (आयत 24) में उस दौर की ख़बर दी गई जब धरती अपना शृंगार कर लेगी और उसके निवासी समझेंगे कि वे उस पर पूरा अधिकार रखते हैं; लेखक इसे उस आधुनिक विज्ञान और तकनीक के युग का संकेत मानते हैं जिसमें दुनिया मनुष्य की मुट्ठी में आ गई है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.530 (s.545)

1962. सूरह अन-नज्म (आयतें 1-5, डूबते तारे की क़सम) के संदर्भ में, सूरज से सैकड़ों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सूरह अन-नज्म (आयतें 1-5, डूबते तारे की क़सम) के संदर्भ में, सूरज से सैकड़ों गुना बड़े और चमकीले तारों (शिअरा यमानी यानी लुब्धक, सिमाक रामिह यानी स्वाति, सुहैल यानी अगस्त्य) का होना हमारे युग में ही खोजा गया; सूरह अन-नह्ल (आयत 89) में बताया गया कि क़ुरआन हर चीज़ को स्पष्ट करने वाला है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.531 (s.547)

1963. सूरह अज़-ज़ारियात (आयत 49) और सूरह अन-नज्म (आयत 45) में बताया गया कि हर चीज़...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अज़-ज़ारियात (आयत 49) और सूरह अन-नज्म (आयत 45) में बताया गया कि हर चीज़ जोड़ों में बनाई गई है; देखा गया कि ग्रहों और आकाशीय पिंडों तक सारी चीज़ें जोड़ों के रूप में हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.532 (s.548)

1964. सूरह अन-नह्ल (आयत 8) में घोड़े, ख़च्चर और गधे गिनाने के बाद “और वह ऐसी चीज़ें...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अन-नह्ल (आयत 8) में घोड़े, ख़च्चर और गधे गिनाने के बाद “और वह ऐसी चीज़ें भी पैदा करता है जिन्हें तुम नहीं जानते” कहकर उतरने के समय अज्ञात आधुनिक सवारियों (गाड़ियाँ, विमान, रॉकेट) की ओर संकेत किया गया।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.533 (s.549)

1965. क़ुरआन पंद्रह जगहों पर सुनने का उल्लेख देखने से पहले करता है (जैसे सूरह...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन पंद्रह जगहों पर सुनने का उल्लेख देखने से पहले करता है (जैसे सूरह अन-नह्ल, आयत 78), और सजदे की दुआ में "जिसने उसके कान और आँख खोले" कहा गया है; विज्ञान ने पुष्टि की कि सुनने की शक्ति आँख से पहले और बिना रुके काम करती है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.534 (s.550); Kütüb-i Sitte: Tirmizî (listedeki kaynağa göre; Canan'da künyesi yok) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2774, c./s. 9/91]

1966. सूरह अल-बक़रह (आयत 233) में बताया गया कि माताएँ अपने बच्चों को पूरे दो वर्ष दूध...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-बक़रह (आयत 233) में बताया गया कि माताएँ अपने बच्चों को पूरे दो वर्ष दूध पिलाएँ; आधुनिक चिकित्सा ने बच्चे के विकास और रोग-प्रतिरोधक क्षमता तथा माँ के स्वास्थ्य के लिए माँ के दूध के लाभों की पुष्टि की।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.535 (s.551)

1967. सूरह अल-बक़रह (आयत 222) में माहवारी को कष्ट बताकर उस दौरान संभोग से दूर रहने का...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-बक़रह (आयत 222) में माहवारी को कष्ट बताकर उस दौरान संभोग से दूर रहने का आदेश दिया गया; बाद में समझ में आया कि उस दौरान संभोग रोग-प्रतिरोधक क्षमता को कमज़ोर करता है और गर्भाशय के रोगों का कारण बनता है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.536 (s.552)

1968. आप ने आदेश दिया कि जिस बर्तन को कुत्ता चाट ले, उसे सात बार धोया जाए, पहली बार...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने आदेश दिया कि जिस बर्तन को कुत्ता चाट ले, उसे सात बार धोया जाए, पहली बार मिट्टी से; लेखक इसे रेबीज़ और कुत्ते की लार के कीटाणुओं के विरुद्ध वैज्ञानिक रूप से पुष्ट उपाय मानते हैं।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.537 (s.553); Kütüb-i Sitte: Müslim (Ebû Hüreyre) — Canan'da künyesi yok, künye doğrulanmadı [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3523, c./s. 10/351]

1969. आप ने बताया कि बर्तन में गिरी मक्खी को पूरी तरह डुबोकर फिर फेंक दिया जाए...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बर्तन में गिरी मक्खी को पूरी तरह डुबोकर फिर फेंक दिया जाए, क्योंकि उसके एक पंख में रोग और दूसरे में शिफ़ा है (वह पहले ज़हर वाले पंख को डुबोती है); शोधों से पता चला कि मक्खी अपने साथ लाए कीटाणु के विरुद्ध प्रतिपिंड (एंटीबॉडी) भी बनाती है।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.538 (s.554); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvud, Et'ime 49, (3844); Buhârî, Tıbb 58, Bed'ü'l-Halk 14; İbnu Mâce, Tıb 31, (3504, 3505) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3898, c./s. 11/135]

1970. सूरह यूनुस (आयतें 90-92) में बताया गया कि डूबे हुए फ़िरऔन का शरीर बाद वालों के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह यूनुस (आयतें 90-92) में बताया गया कि डूबे हुए फ़िरऔन का शरीर बाद वालों के लिए शिक्षा के रूप में बचा लिया जाएगा; फ़िरऔन की ममी (मरनेप्ताह या तुतमोस तृतीय की बताई जाती है) मिली और काहिरा के मिस्री संग्रहालय में प्रदर्शित है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का एजाज़; ममी की खोज आधुनिक काल में)

स्रोत 1000 Mucize no.539 (s.555)

1971. एक बद्दू ने एक व्यक्ति को “फ़स्दअ बिमा तुअमर” (सूरह अल-हिज्र, आयत 94) आयत पढ़ते...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक बद्दू ने एक व्यक्ति को “फ़स्दअ बिमा तुअमर” (सूरह अल-हिज्र, आयत 94) आयत पढ़ते सुना तो सजदे में गिर पड़ा और कहा: “मैंने इस वाणी की उत्कृष्टता (फ़साहत) को सजदा किया है।”

तिथि अनिश्चित (नबी ﷺ का दौर या उसके बाद)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, i'câzü'l-Kur'ân fasılları

1972. एक और व्यक्ति ने “फ़लम्मस्तैअसू मिन्हु ख़लसू नजिय्या” (सूरह यूसुफ़, आयत 80) आयत...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक और व्यक्ति ने “फ़लम्मस्तैअसू मिन्हु ख़लसू नजिय्या” (सूरह यूसुफ़, आयत 80) आयत सुनी तो कहा: “मैं गवाही देता हूँ कि कोई भी सृष्टि ऐसी बात कहने में समर्थ नहीं।”

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, i'câzü'l-Kur'ân fasılları

1973. क़ुरआन पढ़ते एक व्यक्ति के पास से गुज़रता एक ईसाई रुककर रोने लगा; “तुम क्यों...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन पढ़ते एक व्यक्ति के पास से गुज़रता एक ईसाई रुककर रोने लगा; “तुम क्यों रोए?” पूछे जाने पर उसने कहा: “इसके दर्द और इसकी रचना (नज़्म) के कारण” (क़ुरआन का असर उस पर भी जो उसका अर्थ नहीं समझता)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, i'câzü'l-Kur'ân fasılları

1974. आप ने फ़रमाया: “हर नबी को ऐसा मोजिज़ा दिया गया जिस पर लोग ईमान लाए; और मुझे जो...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “हर नबी को ऐसा मोजिज़ा दिया गया जिस पर लोग ईमान लाए; और मुझे जो दिया गया वह वह्य है जो अल्लाह ने मेरी ओर भेजी (क़ुरआन); मुझे आशा है कि क़यामत के दिन मैं सबसे अधिक अनुयायियों वाला नबी होऊँगा”;

क़ुरआन क़यामत तक चलने वाला मोजिज़ा है और थोड़ा-थोड़ा करके उतारा गया।

ख़साइस (610–632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 316 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

1975. आप की किताब सारी किताबों के ज्ञान को समेटे हुए है: अल्लाह ने एक सौ चार किताबों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की किताब सारी किताबों के ज्ञान को समेटे हुए है: अल्लाह ने एक सौ चार किताबों का ज्ञान चार किताबों में, और उनका ज्ञान क़ुरआन में इकट्ठा कर दिया (हसन बसरी); क़ुरआन सात हर्फ़ों (पठन-शैलियों) पर उतारा गया और उसमें हर भाषा के शब्द हैं (इब्ने मसऊद, इब्ने अब्बास और उबई बिन कअब की रिवायतें)।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 317 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

1976. आप का मोजिज़ा (क़ुरआन) क़यामत तक बना रहेगा, जबकि दूसरे नबियों के मोजिज़े उनके...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप का मोजिज़ा (क़ुरआन) क़यामत तक बना रहेगा, जबकि दूसरे नबियों के मोजिज़े उनके समय के साथ समाप्त हो गए; आप के मोजिज़े संख्या में सबसे अधिक हैं (एक हज़ार या तीन हज़ार बताए गए हैं); आप ख़ातमुन नबिय्यीन (नबियों की मुहर) हैं, और आप की शरीअत ने पिछली सारी शरीअतों को मंसूख़ कर दिया।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 318 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

1977. मक्का में उतरी सूरह अल-मुज़्ज़म्मिल (आयत 20) में बताया गया कि आगे चलकर अल्लाह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मक्का में उतरी सूरह अल-मुज़्ज़म्मिल (आयत 20) में बताया गया कि आगे चलकर अल्लाह की राह में लड़ने वाले होंगे; जिहाद मदीना में ही अनिवार्य किया गया, और यह ख़बर पूरी हुई।

ख़बर: मक्की दौर (610–622 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 2 से

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 235 (Bâbü mâ ahbera bihî mine'l-kâinâti'l-müstakbele fî hayâtihî ve ba'deh)

1978. सूरह अल-फ़त्ह (आयत 16) के द्वारा अभियान से पीछे रह गए बद्दुओं को ख़बर दी गई कि...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-फ़त्ह (आयत 16) के द्वारा अभियान से पीछे रह गए बद्दुओं को ख़बर दी गई कि आगे उन्हें एक बहुत शक्तिशाली क़ौम से लड़ने के लिए बुलाया जाएगा।

ख़बर: हुदैबिया के बाद, हिजरी 6; पूर्ति: सारांश में उल्लेख नहीं

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 237 (Bâbü mâ ahbera bihî mine'l-kâinâti'l-müstakbele fî hayâtihî ve ba'deh)

1979. इब्ने अब्बास ने कहा कि “अगर नगर के चारों ओर से उन पर चढ़ाई की जाती और उनसे...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इब्ने अब्बास ने कहा कि “अगर नगर के चारों ओर से उन पर चढ़ाई की जाती और उनसे फ़ितना माँगा जाता, तो वे उसे दे देते” (सूरह अल-अहज़ाब, आयत 14) वाली आयत की पूर्ति साठवें वर्ष के आरंभ में हुई, जब बनू हारिसा ने शाम वालों को मदीना में घुसने दिया।

ख़बर: सूरह अल-अहज़ाब का अवतरण, हिजरी 5; पूर्ति: हर्रा की घटना, हिजरी 63 (683 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 330 (Yezîd zamanındaki Harre vakasını haber vermesi)

1980. बद्र के बाद यहूदियों (एक मत के अनुसार मक्का के मुशरिकों) को ख़बर दी गई: “तुम...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बद्र के बाद यहूदियों (एक मत के अनुसार मक्का के मुशरिकों) को ख़बर दी गई: “तुम हारोगे” (सूरह आले इमरान, आयत 12); यह क़ुरैज़ा के मारे जाने, नज़ीर के निकाले जाने और ख़ैबर की विजय से पूरी हुई।

ख़बर: बद्र के बाद, हिजरी 2 (624 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 4–7 (625–628 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 159, 169 (Bâb 1: i'câzü ümmi'l-mu'cizât el-Kur'ânü'l-Kerîm)

1981. यह ख़बर कि यहूदी मुसलमानों को सताने से अधिक कोई हानि नहीं पहुँचा सकेंगे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यह ख़बर कि यहूदी मुसलमानों को सताने से अधिक कोई हानि नहीं पहुँचा सकेंगे, लड़ेंगे तो पीठ फेरकर भागेंगे और उन्हें कोई सहायता नहीं मिलेगी (सूरह आले इमरान, आयत 111), क़ुरैज़ा, नज़ीर, क़ैनुक़ा और ख़ैबर के यहूदियों के हर मुक़ाबले में हारने, फ़दक के लिए जाने और वादिल क़ुरा के अधीन होने से पूरी हुई।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 2–7 (624–628 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 173, 176 (Bâb 1: i'câzü ümmi'l-mu'cizât el-Kur'ânü'l-Kerîm)

1982. आप की वफ़ात के बाद इब्ने अबिल औजा, अबू शाकिर दैसानी, अब्दुल मलिक बसरी और इब्नुल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की वफ़ात के बाद इब्ने अबिल औजा, अबू शाकिर दैसानी, अब्दुल मलिक बसरी और इब्नुल मुक़फ़्फ़ा ने काबा के पास आपस में तय किया कि हर एक क़ुरआन के एक-एक चौथाई का जवाब लिखेगा; एक वर्ष बाद हर एक ने स्वीकार किया कि वह एक ही आयत (सूरह यूसुफ़, आयत 80; सूरह अल-हज, आयत 73; सूरह अल-अंबिया, आयत 22; सूरह हूद, आयत 44) के सामने असमर्थ रह गया, और उनके पास से गुज़रते जाफ़र सादिक़ ने सूरह अल-इसरा की आयत 88 पढ़ी।

वफ़ात के बाद; जाफ़र सादिक़ का दौर (हिजरी दूसरी सदी का मध्य)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 213-214 (Bâb 1: i'câzü ümmi'l-mu'cizât el-Kur'ânü'l-Kerîm)

1983. एक दासी की बोली की उत्कृष्टता पर मुग्ध होकर “तुम कितनी शुद्ध और सुंदर बोलती...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक दासी की बोली की उत्कृष्टता पर मुग्ध होकर “तुम कितनी शुद्ध और सुंदर बोलती हो!” कहने वाले असमई को उस दासी ने मूसा की माँ की ओर वह्य का वर्णन करने वाली सूरह अल-क़सस की आयत 7 याद दिलाई और कहा: “इसके बाद क्या मेरी बोली को उत्कृष्टता कहा जा सकता है?”; इस एक आयत में दो आदेश, दो निषेध, दो ख़बरें और दो शुभ समाचार एक साथ हैं।

वफ़ात के बाद; असमई का दौर (हिजरी दूसरी सदी का उत्तरार्ध – लगभग हिजरी 216)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Kasas: 7 / Kâdı Iyaz, Şifâ, c:1, s: 215-216 / Kâdı Iyaz, Şifâ, c. 1, s. 215-216)

1984. इब्ने अब्बास ने सूरह अश-शूरा के आरंभ के “हा-मीम, ऐन-सीन-क़ाफ़” अक्षरों का जो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इब्ने अब्बास ने सूरह अश-शूरा के आरंभ के “हा-मीम, ऐन-सीन-क़ाफ़” अक्षरों का जो उत्तर नहीं दिया, उनकी तफ़सीर हुज़ैफ़ा बिन यमान ने यों की कि अहले बैत में से अब्दुल इलाह या अब्दुल्लाह नाम का एक व्यक्ति पूरब की नदियों में से एक द्वारा दो भागों में बँटे नगर (बग़दाद) में बसेगा, और जब उनका राज समाप्त होगा, तो रात में उन पर आग बरसाई जाएगी और सुबह तक वे मिट जाएँगे; किताब के अनुसार यह तब पूरा हुआ जब राज-प्रतिनिधि अब्दुल इलाह के प्रतिनिधित्व वाले राजवंश पर एक रात जनरल क़ासिम के तख़्तापलट में गोलियों की बौछार की गई।

ख़बर: हुज़ैफ़ा बिन यमान की व्याख्या (मृत्यु हिजरी 36); पूर्ति: किताब के अनुसार ‘हमारे समय में’ (1958 ईस्वी, बग़दाद का तख़्तापलट)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Suyûtî, el-İtkân, c.2, s. 125-126; Taberî, Tefsir, c. 25, s. 6; İbnü'n-Nedîm, Fihrist, s. 56-65)

1985. सूरह अर-रहमान (आयत 7) में आसमान को ऊँचा करने और तराज़ू (मीज़ान) रखने की बात...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अर-रहमान (आयत 7) में आसमान को ऊँचा करने और तराज़ू (मीज़ान) रखने की बात कहकर संकेत दिया गया कि आसमानों में संतुलन (मुवाज़ना) का नियम रखा गया है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Rahmân: 7 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1986. सूरह फ़ुस्सिलत (आयत 11) में यह बताकर कि आसमान को धुएँ की दशा में व्यवस्थित किया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह फ़ुस्सिलत (आयत 11) में यह बताकर कि आसमान को धुएँ की दशा में व्यवस्थित किया गया, संकेत दिया गया कि आसमान की पहली दशा गैस थी।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Fussilet: 11 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1987. सूरह अल-आराफ़ (आयतें 172-173) में यह बताकर कि आदम की संतान की संतति उनकी पीठों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-आराफ़ (आयतें 172-173) में यह बताकर कि आदम की संतान की संतति उनकी पीठों से निकाली गई, संकेत दिया गया कि सारी मानव संतति आदम में कणों (जीनों) के रूप में मौजूद थी।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: A'raf 173 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1988. सूरह अल-हिज्र (आयत 22) में यह बताकर कि हवाएँ परागण करने वाली बनाकर भेजी जाती...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-हिज्र (आयत 22) में यह बताकर कि हवाएँ परागण करने वाली बनाकर भेजी जाती हैं, संकेत दिया गया कि फल परागण कराने वाली (इल्क़ाह करने वाली) हवाओं के द्वारा बनते हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Hicr: 22 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1989. सूरह अन-नह्ल (आयतें 68-69) में यह बताकर कि मधुमक्खी की ओर उसके रब ने वह्य की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अन-नह्ल (आयतें 68-69) में यह बताकर कि मधुमक्खी की ओर उसके रब ने वह्य की, संकेत दिया गया कि मधुमक्खियों के अद्भुत बारीक काम अल्लाह की प्रेरणा से कराए जाते हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Nahl: 68-69 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1990. सूरह अल-अनआम (आयत 38) में बताया गया कि धरती पर चलने वाले और हवा में उड़ने वाले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सूरह अल-अनआम (आयत 38) में बताया गया कि धरती पर चलने वाले और हवा में उड़ने वाले सारे जीव भी मनुष्यों की तरह उम्मतें (समुदाय) हैं।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: En'âm: 38 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1991. क़ुरआन ने सूरह अश-शूरा (आयत 29) में संकेत दिया कि धरती की तरह आसमानों में भी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन ने सूरह अश-शूरा (आयत 29) में संकेत दिया कि धरती की तरह आसमानों में भी जीवधारी हैं, और वे एक दिन इकट्ठा होंगे।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Şûrâ: 29 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1992. क़ुरआन ने सूरह अल-इसरा (आयत 85) में बताया कि रूह के स्वरूप को समझने के लिए...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन ने सूरह अल-इसरा (आयत 85) में बताया कि रूह के स्वरूप को समझने के लिए मनुष्य का ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: İsrâ: 85 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1993. क़ुरआन ने सूरह अज़्-ज़ारियात (आयत 47) में बताया कि आसमान (अंतरिक्ष) निरंतर फैलाया जा रहा है

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन ने सूरह अज़्-ज़ारियात (आयत 47) में बताया कि आसमान (अंतरिक्ष) निरंतर फैलाया जा रहा है।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Zâriyât: 47 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

1994. क़ुरआन ने सूरह अल-इसरा (आयत 44) में बताया कि निर्जीव और बेज़बान समझी जाने वाली...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन ने सूरह अल-इसरा (आयत 44) में बताया कि निर्जीव और बेज़बान समझी जाने वाली चीज़ें भी अल्लाह की तस्बीह और हम्द करती हैं, पर मनुष्य इसे नहीं समझ सकते।

तिथि अनिश्चित (क़ुरआन का वैज्ञानिक एजाज़; कोई विशेष घटना नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: İsrâ: 44 / M. Asım Köksal, İslam Tarihi, Işık Yayıncılık: C:7-8,s:841-849)

40 · आप को दी गई विशेषताएँ और सम्मान (ख़साइस)

1995. आप ने बताया कि आप अंतिम नबी हैं, और ऐसा ही हुआ

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप अंतिम नबी हैं, और ऐसा ही हुआ।

610 ईस्वी – वर्तमान

स्रोत Beyhakî, Delâil c.1 s.303; Kütüb-i Sitte: Buharî, Menâkıb 18; Müslim, Fedâil 21, (2286); Müslim, İmaret 170, (1920); Ebu Davud, Fiten 1, (4252); Tirmizî, Fiten 32 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4353, c./s. 12/395; no. 4779, c./s. 13/425-426]

1996. आप ने फ़रमाया: “मुझे पाँच (कुछ रिवायतों में छह) ऐसी चीज़ें दी गईं जो मुझसे पहले...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मुझे पाँच (कुछ रिवायतों में छह) ऐसी चीज़ें दी गईं जो मुझसे पहले किसी नबी को नहीं दी गईं: एक महीने की दूरी तक के भय से मेरी सहायता की गई; धरती मेरे लिए मस्जिद और पाक बनाई गई; ग़नीमतें मेरे लिए हलाल की गईं; मुझे सारे मनुष्यों के लिए भेजा गया; और मुझे शफ़ाअत दी गई” (अबू ज़र, इब्ने उमर, इब्ने अब्बास, अबू हुरैरा और जाबिर की रिवायतें)।

मदनी दौर (ख़साइस)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 3. bâb, 1. fasıl (Rabbi katındaki mertebesi ve hasâis)

1997. आप ने फ़रमाया: “मेरे घर और मेरे मिंबर के बीच का भाग जन्नत के बाग़ों में से एक बाग़ है”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरे घर और मेरे मिंबर के बीच का भाग जन्नत के बाग़ों में से एक बाग़ है।”

मदनी दौर

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

1998. आप ने ख़बर दी कि जन्नत के दरवाज़े पर और जन्नत के हर पेड़ के हर पत्ते पर “ला...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जन्नत के दरवाज़े पर और जन्नत के हर पेड़ के हर पत्ते पर “ला इलाहा इल्लल्लाह मुहम्मदुर रसूलुल्लाह” लिखा है।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 13 (isminin Arş'a yazılması bâbı)

1999. जिब्रील ने कहा: “मैंने धरती का पूरब-पश्चिम छान मारा; मुहम्मद से श्रेष्ठ कोई...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिब्रील ने कहा: “मैंने धरती का पूरब-पश्चिम छान मारा; मुहम्मद से श्रेष्ठ कोई व्यक्ति और बनू हाशिम से श्रेष्ठ कोई वंश नहीं पाया।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 66 (nesebinin temizliği bâbı)

2000. आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने दुनिया को मेरे सामने उठा दिया; मैं उसे और क़यामत तक...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “अल्लाह ने दुनिया को मेरे सामने उठा दिया; मैं उसे और क़यामत तक उसमें होने वाली बातों को ऐसे देख रहा हूँ जैसे अपनी इस हथेली को देखता हूँ” (इब्ने उमर की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14067 (8/287)

2001. आप की विशेषता यह है कि आप को बहुत से नामों से पुकारा गया: “मैं मुहम्मद हूँ...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की विशेषता यह है कि आप को बहुत से नामों से पुकारा गया: “मैं मुहम्मद हूँ, अहमद हूँ, माही हूँ (अल्लाह मेरे द्वारा कुफ़्र को मिटाता है), हाशिर हूँ (लोग मेरे पीछे इकट्ठा किए जाएँगे), आक़िब हूँ (मेरे बाद कोई नबी नहीं)”; इसके अतिरिक्त मुक़फ़्फ़ी, नबिय्युत तौबा, नबिय्युर रहमा, नबिय्युल मलहमा, फ़ातिह, ख़ातम, ताहा और यासीन (सुयूती कहते हैं कि उन्होंने 340 नाम इकट्ठा किए)।

ख़साइस (निरंतर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 132-133 (İsimlerinin çokluğu ile hususiyeti)

2002. आप का नाम क़ुरआन में मुहम्मद, इंजील में अहमद और तौरात में उहैद (“मैं अपनी उम्मत...”)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप का नाम क़ुरआन में मुहम्मद, इंजील में अहमद और तौरात में उहैद (“मैं अपनी उम्मत को जहन्नम की आग से दूर रखता हूँ”) है; पुरानी किताबों में आप को माही, मुक़फ़्फ़ी, फ़ारक़लीत, माज़माज़ और “अहमद अद-दहूक अल-क़त्ताल (हँसमुख, युद्ध में वीर); ऊँट पर सवार होते हैं, आबा पहनते हैं, थोड़े पर संतोष करते हैं, उनकी तलवार उनके कंधे पर है” कहकर याद किया गया है।

पिछली किताबें; रिवायत: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 133 (İsimlerinin çokluğu ile hususiyeti)

2003. आप को अल्लाह के नामों में से लगभग तीस नामों (अकरम, अमीन, अव्वल, आख़िर आदि) से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप को अल्लाह के नामों में से लगभग तीस नामों (अकरम, अमीन, अव्वल, आख़िर आदि) से पुकारा गया; आप का नाम अल्लाह के नाम से निकला है (हस्सान: “अर्श का स्वामी महमूद है, और ये मुहम्मद हैं”)।

ख़साइस (निरंतर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 133-134 (Allah'ın isimlerinden isim verilmesi hususiyeti)

2004. आप की रक्षा करने वाले आप के चाचा अबू तालिब का अज़ाब आप के कारण हल्का किया गया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की रक्षा करने वाले आप के चाचा अबू तालिब का अज़ाब आप के कारण हल्का किया गया; आप ने फ़रमाया: “वह आग के उथले भाग में हैं; अगर मैं न होता, तो वह जहन्नम की सबसे निचली तह में होते।”

ख़बर: मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 147 (Ebû Tâlib'le ilgili rivayetler)

2005. आप की विशेषताओं में यह भी है: “नबी अपनी क़ब्रों में जीवित हैं, नमाज़ पढ़ते हैं”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की विशेषताओं में यह भी है: “नबी अपनी क़ब्रों में जीवित हैं, नमाज़ पढ़ते हैं।”

ख़साइस (किसी समय से बँधी नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 490 (Kabrinde hayatı, namazı ve selamın ulaştırılması)

2006. जिस तरह आदम को सारे नाम सिखाए गए थे, उसी तरह आप को भी सारे नाम सिखाए गए; आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस तरह आदम को सारे नाम सिखाए गए थे, उसी तरह आप को भी सारे नाम सिखाए गए; आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत मुझे पानी और गारे की अवस्था में दिखाई गई, और मुझे सारे नाम सिखाए गए” (अबू राफ़े की रिवायत)।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 304 (peygamberlere verilen faziletlerin benzerinin veya daha üstününün ona verilmesi (muvâzât))

2007. इब्राहीम की तरह आप को अल्लाह का ख़लील (घनिष्ठ मित्र) बनाया गया: “अल्लाह ने जिस...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इब्राहीम की तरह आप को अल्लाह का ख़लील (घनिष्ठ मित्र) बनाया गया: “अल्लाह ने जिस तरह इब्राहीम को ख़लील बनाया, उसी तरह मुझे भी ख़लील बनाया”; वफ़ात से पाँच दिन पहले आप ने फ़रमाया: “तुम्हारा साथी अल्लाह का ख़लील है; अगर मैं अपने रब के सिवा किसी को ख़लील बनाता, तो अबू बक्र को बनाता” (अब्दुल्लाह बिन अम्र, कअब बिन मालिक और इब्ने मसऊद की रिवायतें)।

ख़साइस; अंतिम शब्द: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 306 (peygamberlere verilen faziletlerin benzerinin veya daha üstününün ona verilmesi (muvâzât))

2008. आप को अर्श के नीचे के ख़ज़ाने से दिया गया (सूरह अल-बक़रह की अंतिम आयतें), और आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप को अर्श के नीचे के ख़ज़ाने से दिया गया (सूरह अल-बक़रह की अंतिम आयतें), और आप की दावत सारे मनुष्यों के लिए आम है।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 319 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2009. जिब्रील ने आप को दस विशेषताओं का शुभ समाचार दिया: मनुष्यों और जिन्नों की ओर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिब्रील ने आप को दस विशेषताओं का शुभ समाचार दिया: मनुष्यों और जिन्नों की ओर भेजा जाना, क़ुरआन का दिया जाना, अगले-पिछले गुनाहों की क्षमा, कौसर, फ़रिश्तों से सहायता, मक़ामे महमूद, आप की उम्मत के सत्तर हज़ार लोगों का बिना हिसाब जन्नत में जाना, शफ़ाअत, और जन्नत में सबसे ऊँचा दर्जा (उबादा बिन सामित की रिवायत)।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 320 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2010. आप ने फ़रमाया: "मैं उनका भी नबी हूँ जिन्हें मैंने अपने जीवन में पाया, और उनका..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: "मैं उनका भी नबी हूँ जिन्हें मैंने अपने जीवन में पाया, और उनका भी जो मेरे बाद पैदा होंगे" (हसन बसरी की मुरसल रिवायत; इसी जैसी रिवायत ख़ालिद बिन मादान से भी है)।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 321 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2011. जब आप से मुशरिकों को बद-दुआ देने को कहा गया, तो आप ने फ़रमाया: "मैं लानत करने..."

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जब आप से मुशरिकों को बद-दुआ देने को कहा गया, तो आप ने फ़रमाया: "मैं लानत करने वाला बनाकर नहीं, रहमत बनाकर भेजा गया हूँ"; सारे जहानों के लिए आप के रहमत होने के कारण आप की उम्मत पिछली उम्मतों पर आए सामूहिक रूप से धरती में धँसने, रूप बिगड़ने और पत्थर बरसने के अज़ाबों से बची रही (अबू हुरैरा, इब्ने अब्बास और अबू उमामा की रिवायतें)।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 322 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2012. अल्लाह क़ुरआन में दूसरे नबियों को उनके नाम से ("या आदम, या नूह, या मूसा...")...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अल्लाह क़ुरआन में दूसरे नबियों को उनके नाम से ("या आदम, या नूह, या मूसा...") संबोधित करता है, पर आप को कभी नाम से नहीं, बल्कि "ऐ नबी, ऐ रसूल" कहकर संबोधित करता है; आप की उम्मत को भी आप को नाम लेकर पुकारने से मना किया गया (सूरह अन-नूर, आयत 63)।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 324 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2013. आप के शत्रुओं के आरोपों का उत्तर अल्लाह ने स्वयं दिया (जबकि पिछले नबी अपना बचाव...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के शत्रुओं के आरोपों का उत्तर अल्लाह ने स्वयं दिया (जबकि पिछले नबी अपना बचाव स्वयं करते थे); अल्लाह ने आप की रिसालत की क़सम खाई ("निस्संदेह तुम भेजे हुए रसूलों में से हो"); और आप में दो क़िबले और दो हिजरतें इकट्ठी हुईं।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 327 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2014. अल्लाह ने आप से वह्य के तीनों प्रकारों से बात की: सच्चे सपने से, बिना माध्यम के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अल्लाह ने आप से वह्य के तीनों प्रकारों से बात की: सच्चे सपने से, बिना माध्यम के वार्ता से, और जिब्रील के माध्यम से (इज़्ज़ुद्दीन बिन अब्दुस्सलाम की गिनाई विशेषता)।

ख़साइस (610–632 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 331 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2015. जिब्रील ने आकर शुभ समाचार दिया कि अल्लाह ने आप को फ़रिश्तों से सहायता दी, विजय...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिब्रील ने आकर शुभ समाचार दिया कि अल्लाह ने आप को फ़रिश्तों से सहायता दी, विजय दी, भय को आप के आगे-आगे चलाया, आप को राज्य और सत्ता दी, और ग़नीमतों को हलाल किया (उबादा बिन सामित की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 332 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

2016. आप ने बताया कि दुनिया की कुंजियाँ जिब्रील एक चितकबरे घोड़े पर लाए, जिस पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि दुनिया की कुंजियाँ जिब्रील एक चितकबरे घोड़े पर लाए, जिस पर सुंदुस (महीन रेशम) की मख़मली चादर पड़ी थी (जाबिर बिन अब्दुल्लाह की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 333 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

2017. आप के रब ने मक्का की बतहा को आप के लिए सोने में बदल देने का प्रस्ताव रखा; आप ने...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप के रब ने मक्का की बतहा को आप के लिए सोने में बदल देने का प्रस्ताव रखा; आप ने यह कहकर इसे स्वीकार नहीं किया: "नहीं, ऐ मेरे रब, मैं एक दिन भूखा रहूँ और एक दिन पेट भरूँ; भूखा होने पर तुझसे गिड़गिड़ाऊँ, और पेट भरने पर तेरा शुक्र करूँ" (अबू उमामा की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 333 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

2018. आप का बिस्तर केवल दोहरी तह किया हुआ एक आबा (कंबल) देखकर अंसार की एक स्त्री ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप का बिस्तर केवल दोहरी तह किया हुआ एक आबा (कंबल) देखकर अंसार की एक स्त्री ने आइशा के पास ऊन भरा गद्दा भेजा; आप ने तीन बार कहा: “इसे लौटा दो”, और फ़रमाया: “अल्लाह की क़सम, अगर मैं चाहता, तो अल्लाह सोने और चाँदी के पहाड़ मेरे साथ चला देता।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 334 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

2019. आप ने बताया कि सूरह लुक़मान (आयत 34) में बताई गई पाँच ग़ैब की बातों (क़यामत का...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि सूरह लुक़मान (आयत 34) में बताई गई पाँच ग़ैब की बातों (क़यामत का समय आदि) के सिवा हर चीज़ की कुंजियाँ आप को दी गई हैं (इब्ने उमर और इब्ने मसऊद की रिवायतें)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 334 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

2020. आप का सीना खोला जाना (शर्हे सद्र), आप का बोझ (विज़्र) उतारा जाना, जीवन में ही...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप का सीना खोला जाना (शर्हे सद्र), आप का बोझ (विज़्र) उतारा जाना, जीवन में ही आप के अगले-पिछले गुनाहों की क्षमा की ख़बर दिया जाना, और आप के ज़िक्र को ऊँचा किया जाना, इन बातों से आप दूसरे नबियों से अलग हुए (सूरह अल-इंशिराह, आयतें 1-4; सूरह अल-फ़त्ह, आयत 2; अबू हुरैरा की “मुझे छह चीज़ों से श्रेष्ठता दी गई” वाली रिवायत)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 336 (şerh-i sadr, vizrinin kaldırılması ve zikrinin yükseltilmesi bâbı)

2021. पिछले नबियों को दी गई चीज़ों का उल्लेख करके आप ने अपने रब से एक प्रश्न किया, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पिछले नबियों को दी गई चीज़ों का उल्लेख करके आप ने अपने रब से एक प्रश्न किया, और आप के रब ने उत्तर दिया: “क्या मैंने तुम्हें अनाथ पाकर शरण नहीं दी, राह से अनजान पाकर राह नहीं दिखाई, तुम्हारा सीना खोलकर तुम्हारा बोझ नहीं उतारा, और तुम्हारे ज़िक्र को ऊँचा नहीं किया?”; आप ने फ़रमाया: “काश, मैंने न पूछा होता” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 336 (şerh-i sadr, vizrinin kaldırılması ve zikrinin yükseltilmesi bâbı)

2022. जिब्रील ने आकर आप के रब का यह कथन पहुँचाया: “क्या तुम जानते हो कि मैंने...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

जिब्रील ने आकर आप के रब का यह कथन पहुँचाया: “क्या तुम जानते हो कि मैंने तुम्हारे ज़िक्र को कैसे ऊँचा किया? जब मेरा ज़िक्र होता है, तो मेरे साथ तुम्हारा भी ज़िक्र होता है” (अबू सईद ख़ुदरी की रिवायत; क़तादा: हर ख़तीब, तशह्हुद पढ़ने वाला और अज़ान देने वाला शहादत में आप का ज़िक्र अल्लाह के साथ करता है)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 337 (şerh-i sadr, vizrinin kaldırılması ve zikrinin yükseltilmesi bâbı)

2023. जब आप ने पिछले नबियों को दिए गए सम्मानों (मुर्दों को जीवित करना, हवा को वश में...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब आप ने पिछले नबियों को दिए गए सम्मानों (मुर्दों को जीवित करना, हवा को वश में करना आदि) के बारे में पूछा, तो आप के रब ने फ़रमाया: “मैंने तुम्हें इनसे बेहतर दिया: जब-जब मेरा ज़िक्र होता है, मेरे साथ तुम्हारा भी ज़िक्र होता है; मैंने तुम्हारी उम्मत के सीनों को उनकी किताबों का भंडार (उनकी इंजीलें) बना दिया; और मैंने तुम पर अर्श के ख़ज़ानों में से एक कलिमा उतारा” (अनस की रिवायत)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 337 (şerh-i sadr, vizrinin kaldırılması ve zikrinin yükseltilmesi bâbı)

2024. बिस्मिल्लाह सुलैमान के सिवा केवल आप पर ही उतारी गई (इब्ने अब्बास की रिवायत)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बिस्मिल्लाह सुलैमान के सिवा केवल आप पर ही उतारी गई (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 339 (Kur'an'dan yalnız ona verilenler ve Allah katındaki üstünlüğü bâbı)

2025. आयतुल कुर्सी आप को अर्श के नीचे के एक ख़ज़ाने से दी गई, और आप से पहले किसी नबी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आयतुल कुर्सी आप को अर्श के नीचे के एक ख़ज़ाने से दी गई, और आप से पहले किसी नबी को नहीं दी गई (अली की रिवायत; कअब: चार आयतें मूसा को नहीं दी गईं)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 339 (Kur'an'dan yalnız ona verilenler ve Allah katındaki üstünlüğü bâbı)

2026. आसमान से पहले कभी न उतरा एक फ़रिश्ता उतरा और शुभ समाचार दिया: “उन दो नूरों पर...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आसमान से पहले कभी न उतरा एक फ़रिश्ता उतरा और शुभ समाचार दिया: “उन दो नूरों पर प्रसन्न हो जाइए जो आप को दिए गए हैं और आप से पहले किसी नबी को नहीं दिए गए: सूरह फ़ातिहा और सूरह अल-बक़रह की अंतिम आयतें” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 339 (Kur'an'dan yalnız ona verilenler ve Allah katındaki üstünlüğü bâbı)

2027. आप ने बताया कि आप को तौरात के बदले सात लंबी सूरतें (सब-ए-तिवाल), ज़बूर के बदले...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप को तौरात के बदले सात लंबी सूरतें (सब-ए-तिवाल), ज़बूर के बदले मिऊन सूरतें, और इंजील के बदले मसानी दी गईं, और मुफ़स्सल सूरतों से आप को श्रेष्ठता दी गई (वासिला बिन अस्क़अ की रिवायत)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 339 (Kur'an'dan yalnız ona verilenler ve Allah katındaki üstünlüğü bâbı)

2028. सब-ए-मसानी (और लंबी सूरतें) केवल आप को दी गईं; मूसा को इनमें से छह दी गई थीं...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सब-ए-मसानी (और लंबी सूरतें) केवल आप को दी गईं; मूसा को इनमें से छह दी गई थीं, पर जब उन्होंने तख़्तियाँ फेंकीं, तो दो उठा ली गईं (इब्ने अब्बास की रिवायतें)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 340 (Kur'an'dan yalnız ona verilenler ve Allah katındaki üstünlüğü bâbı)

2029. अल्लाह ने इब्राहीम को ख़लील, मूसा को नजी (राज़दार), और आप को हबीब (प्रिय) बनाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अल्लाह ने इब्राहीम को ख़लील, मूसा को नजी (राज़दार), और आप को हबीब (प्रिय) बनाया (अबू हुरैरा और साबित बुनानी की रिवायतें)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 340 (Kur'an'dan yalnız ona verilenler ve Allah katındaki üstünlüğü bâbı)

2030. आप मस्जिद में बैठे थे, तब एक बादल दिखाई दिया और उसमें से एक फ़रिश्ते ने आकर आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप मस्जिद में बैठे थे, तब एक बादल दिखाई दिया और उसमें से एक फ़रिश्ते ने आकर आप को शुभ समाचार दिया कि आप अल्लाह के यहाँ सबसे निकट और सबसे सम्मानित बंदे हैं (अब्दुर्रहमान बिन ग़न्म की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 340 (Kur'an'dan yalnız ona verilenler ve Allah katındaki üstünlüğü bâbı)

2031. आप की आज्ञा का पालन सारे संसार पर बिना किसी शर्त के अनिवार्य किया गया, और आप का...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की आज्ञा का पालन सारे संसार पर बिना किसी शर्त के अनिवार्य किया गया, और आप का अनुसरण (उस्वा) पूर्ण रूप से आदेशित हुआ (सूरह अल-हश्र, आयत 7; सूरह अन-निसा, आयत 80; सूरह अल-अहज़ाब, आयत 21; अबू नुऐम का निष्कर्ष)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 342 (Kur'an'daki hitap ve itaatin farz kılınması bâbları)

2032. आप ने इब्राहीम (सूरह इब्राहीम, आयत 36) और ईसा (सूरह अल-माइदा, आयत 118) की दुआएँ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने इब्राहीम (सूरह इब्राहीम, आयत 36) और ईसा (सूरह अल-माइदा, आयत 118) की दुआएँ पढ़ीं, फिर हाथ उठाकर "मेरी उम्मत, मेरी उम्मत" कहते हुए रोए; अल्लाह ने जिब्रील को भेजकर शुभ समाचार दिया: "तुम्हारी उम्मत के बारे में हम तुम्हें राज़ी कर देंगे और तुम्हें दुखी नहीं करेंगे" (अब्दुल्लाह बिन अम्र की रिवायत; अली की रिवायत: "मैं तब तक शफ़ाअत करता रहूँगा जब तक मेरा रब न कहे: 'ऐ मुहम्मद, क्या तुम राज़ी हुए?'")।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 386 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2033. एक फ़रिश्ते ने (जिब्रील के साथ) आकर आप को "बादशाह नबी" और "बंदा नबी" होने में...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

एक फ़रिश्ते ने (जिब्रील के साथ) आकर आप को "बादशाह नबी" और "बंदा नबी" होने में से चुनने का अधिकार दिया; जिब्रील के विनम्रता के इशारे पर आप ने बंदा नबी होना चुना, और इसके बाद दुनिया से जाने तक आप ने कभी टेक लगाकर भोजन नहीं किया (आइशा, ज़ुहरी और इब्ने अब्बास की रिवायतें)।

तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 407 (ona özgü yasaklar (muharremât) kısmı)

2034. आप को जवामिउल कलिम (थोड़े शब्दों में बहुत अर्थ) दिए गए; और सोते समय धरती के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप को जवामिउल कलिम (थोड़े शब्दों में बहुत अर्थ) दिए गए; और सोते समय धरती के ख़ज़ानों की कुंजियाँ लाकर आप के हाथ में रख दी गईं (अबू हुरैरा की रिवायत; इब्ने शिहाब की जवामिउल कलिम की व्याख्या के साथ)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: वफ़ात के बाद की विजयें

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 332 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

2035. अल्लाह ने आप के नाम की रक्षा की: (यहया की तरह) आप के नबी बनाकर भेजे जाने के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अल्लाह ने आप के नाम की रक्षा की: (यहया की तरह) आप के नबी बनाकर भेजे जाने के निकट के समय तक किसी का नाम मुहम्मद नहीं रखा गया।

नबूवत से पहले

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 80 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

2036. पक्षी आप के ऊपर से नहीं उड़ते थे (इब्ने शहराशूब की विशेषताओं की सूची में इसे...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पक्षी आप के ऊपर से नहीं उड़ते थे (इब्ने शहराशूब की विशेषताओं की सूची में इसे बादल के आप पर छाया करने और आप के साथ चलने के साथ गिना गया है)।

जीवन भर (ख़साइस)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 108 (fasl fî mu'cizâtihî fî zâtihî)

2037. जन्म के दिन से वफ़ात के दिन तक, घर पर हों या यात्रा में, एक बादल आप पर छाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जन्म के दिन से वफ़ात के दिन तक, घर पर हों या यात्रा में, एक बादल आप पर छाया करता रहा (मूसा पर बादल के छाया करने के समान)।

जीवन भर (571–632 ईस्वी)

स्रोत Tabersî, el-İhticâc (thk. M. Bâkır el-Hursân, Necef: Matbaatü'n-Nu'mân 1386/1966), c. 1, s. 325 (İhticâcü Emîri'l-mü'minîn ale'l-Yehûd min ahbârihim... fî mu'cizâti'n-Nebî)

2038. आप ने उबई बिन कअब को ऐसी सूरह सिखाने का प्रस्ताव रखा जिसके जैसी तौरात, इंजील...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उबई बिन कअब को ऐसी सूरह सिखाने का प्रस्ताव रखा जिसके जैसी तौरात, इंजील, ज़बूर और क़ुरआन की दूसरी सूरतों में नहीं उतारी गई, और क़सम खाकर बताया कि वह सब-उल-मसानी और आप पर उतरा महान क़ुरआन यानी सूरह फ़ातिहा है।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Tirmizî, Sünen, c. 5, s. 155-156); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fezâilü'l-Kur'ân 1, (2875) (kitabın dipnotuna göre: Tirmizî, Sünen, c. 5, s. 155-156; Canan'da bulunamadı)

41 · वफ़ात के बाद पूरी हुई भविष्यवाणियाँ: चार ख़लीफ़ाओं का दौर (हिजरी 11–40)

2039. आप ने बताया कि आप की उम्मत 73 फ़िरक़ों में बँट जाएगी, और मुक्ति पाने वाले वे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत 73 फ़िरक़ों में बँट जाएगी, और मुक्ति पाने वाले वे होंगे “जो मेरे और मेरे सहाबा के रास्ते पर हैं।”

पूर्ति: हिजरी पहली–तीसरी सदी

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.87; 1000 Mucize no.462 (s.454); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 248; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Sünnet 1, (4597); Tirmizî, İman 18, (2643); İbn Mâce 3992, 3993; Ebû Dâvûd 4596, Tirmizî 2640-2641 (listedeki kaynağa göre) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4776, c./s. 13/420; no. 4777, c./s. 13/422-423; no. 7198; no. 7199]

2040. आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने में ऐसे झूठे दज्जाल प्रकट होंगे जो कभी न सुनी गई...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने में ऐसे झूठे दज्जाल प्रकट होंगे जो कभी न सुनी गई हदीसें गढ़ेंगे।

पूर्ति: हिजरी पहली–दूसरी सदी से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.343; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 244; Kütüb-i Sitte: Müslim, Mukaddime 6, (6) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5207, c./s. 14/551]

2041. आप ने बताया कि आप के सहाबा आप से सुनेंगे, बाद वाले उनसे सुनेंगे, और दूर-दूर के...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप के सहाबा आप से सुनेंगे, बाद वाले उनसे सुनेंगे, और दूर-दूर के देशों से लोग ज्ञान के लिए आएँगे।

पूर्ति: हिजरी पहली–तीसरी सदी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.331; 1000 Mucize no.746 (s.662); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 260; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 321; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, İlm 10, (3661); İbn Mâce 248 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4120, c./s. 11/502-503; no. 6063, c./s. 16/549-550]

2042. आप ने फ़रमाया: “जब तक इब्लीस बाज़ारों में घूमकर यह न कहे: ‘मुझसे फ़लाँ के बेटे...’”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “जब तक इब्लीस बाज़ारों में घूमकर यह न कहे: ‘मुझसे फ़लाँ के बेटे फ़लाँ ने ऐसी-ऐसी हदीस बयान की’, क़यामत नहीं आएगी” (वासिला बिन अस्क़अ की रिवायत; इसी जैसी इब्ने मसऊद से: शैतान मनुष्य का रूप धरकर झूठी हदीस सुनाता है)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी पहली–दूसरी सदी से

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 244 (hadis uyduran yalancıları ve şeytanları haber vermesi)

2043. आप ने यह कहकर इन बातों की ख़बर दी: “मेरी उम्मत का विनाश तीन चीज़ों में है...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर इन बातों की ख़बर दी: “मेरी उम्मत का विनाश तीन चीज़ों में है: असबियत (पक्षपात), क़दरिया और अविश्वसनीय रिवायत”; और “मैं अपनी उम्मत के लिए आलिम की चूक, मुनाफ़िक़ के क़ुरआन को लेकर बहस करने और तक़दीर को झुठलाने से डरता हूँ” (इब्ने अब्बास और अबुद दर्दा की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी पहली–दूसरी सदी से

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 263 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2044. आप ने ख़बर दी: “जब तक तुर्क तुम्हें न छेड़ें, तुम उन्हें न छेड़ो; मेरी उम्मत का...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “जब तक तुर्क तुम्हें न छेड़ें, तुम उन्हें न छेड़ो; मेरी उम्मत का राज्य और जो कुछ अल्लाह ने उन्हें दिया है, उसे सबसे पहले छीनने वाले बनू क़ंतूरा होंगे” (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी तीसरी–सातवीं सदी (तुर्क और मंगोल शासन, बग़दाद का पतन हिजरी 656)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 204 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2045. आप ने ख़बर दी: “तुर्क अरबों पर हावी होकर उन्हें वहाँ तक खदेड़ देंगे जहाँ शीह और...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “तुर्क अरबों पर हावी होकर उन्हें वहाँ तक खदेड़ देंगे जहाँ शीह और क़ैसूम (रेगिस्तानी घासें) उगती हैं” (मुआविया की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी तीसरी–सातवीं सदी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 205 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2046. आप ने बताया कि ऐसी सुरक्षा आएगी कि सनआ से हज़रमौत जाने वाला यात्री अल्लाह के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसी सुरक्षा आएगी कि सनआ से हज़रमौत जाने वाला यात्री अल्लाह के सिवा किसी से नहीं डरेगा।

ख़बर: मक्की दौर; पूर्ति: हिजरी 10–20

स्रोत İbn Kesîr s.146; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3612; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 241; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 242, 247; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Habbab b. Eret'e Yapılan İşkence" (kitabın dipnotu: Belâzurî, Ensâb, c:1, s:175,178-179;İbn Sa'd, Tabakât, c:3, s:165, 233;Ebu Nuaym, Hilye, c:1, s:144; İbn Esîr, Usdu'l-gâbe, c:2, s:114-115; Suyûtî, Dürru'l-mensûr, c:4, s:132;Ahmed b. Hanbel, c:5, s:11,56,109-111; Buhârî, c:3, s:56; c:4, s:238-239; Hâkim, Müstedrek, c:3, s:383); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3612, 6943 (listedeki kaynağa göre) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 3239]

2047. आप ने ख़बर दी कि आप की वफ़ात के बाद कुछ लोग धर्म से फिर जाएँगे; अबू बक्र ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि आप की वफ़ात के बाद कुछ लोग धर्म से फिर जाएँगे; अबू बक्र ने धर्म से फिरने वालों (मुर्तद्दों) से युद्ध किया।

पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.137; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 216; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Rikak 53, Fiten 1; Müslim, Fezail 32, (2297); Buhârî, İ'tisâm 2, Zekât 1; Müslim, İmân 32, (20) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5084; no. 2013, c./s. 7/340]

2048. जिस सभा में अबू हुरैरा और हुज़ैफ़ा भी थे, उसमें आप ने फ़रमाया: “तुममें से एक की...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस सभा में अबू हुरैरा और हुज़ैफ़ा भी थे, उसमें आप ने फ़रमाया: “तुममें से एक की दाढ़ जहन्नम में उहुद से भी बड़ी होगी”; रज्जाल बिन उनफ़ुवा मुसैलिमा से जा मिला और धर्म से फिर गया।

पूर्ति: हिजरी 11–12 (632–633 ईस्वी)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.105; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14076; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 246; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 132; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95

2049. आप ने सपने में देखा कि आप कुएँ से पानी खींच रहे हैं, फिर अबू बक्र ने डोल लेकर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि आप कुएँ से पानी खींच रहे हैं, फिर अबू बक्र ने डोल लेकर कमज़ोरी के साथ एक-दो डोल खींचे; यह उनकी ख़िलाफ़त के थोड़े समय रहने का संकेत था।

पूर्ति: हिजरी 11–23 (632–644 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.119; 1000 Mucize no.425 (s.417), no.986 (s.799); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 195; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 266; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (listedeki kaynağa göre)

2050. आप ने बताया कि ख़िलाफ़त 30 वर्ष रहेगी, फिर बादशाहत में बदल जाएगी

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ख़िलाफ़त 30 वर्ष रहेगी, फिर बादशाहत में बदल जाएगी।

पूर्ति: हिजरी 11–41 (632–661 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.116; 19. Mektup listesi (183.txt) no.19; 1000 Mucize no.461 (s.453); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 197; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 264-265, 362; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 283; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvud, Sünnet 9 (4648, 4647); Tirmizî, Fiten 48, (2227) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1708, c./s. 6/411]

2051. आप ने बताया कि क़यामत से पहले लगभग तीस झूठे दज्जाल (नबूवत के झूठे दावेदार)...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़यामत से पहले लगभग तीस झूठे दज्जाल (नबूवत के झूठे दावेदार) प्रकट होंगे।

पूर्ति: हिजरी 11 से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.267; İbn Kesîr s.173; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3609; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 224;

Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 43, (2219); Ebu Davud, Melahim 16 (4333-4335); Buhârî 3609; Müslim 157 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5031, c./s. 14/322; no. 4779, c./s. 13/425-426]

2052. आप ने बताया कि बारह ख़लीफ़ा आएँगे, जो सब क़ुरैश में से होंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बारह ख़लीफ़ा आएँगे, जो सब क़ुरैश में से होंगे।

पूर्ति: हिजरी 11 से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.308; İbn Kesîr s.175; 1000 Mucize no.472 (s.464), no.473 (s.464), no.474 (s.465); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 194; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 257, 265, 359-363; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Ahkâm 51; Müslim, İmâret 5-9 (1821); Tirmizî, Fiten 46, (2224) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1709, c./s. 6/412-413]

2053. आप ने फ़रमाया: “ख़िलाफ़त क़ुरैश में है; जब तक वे दीन को क़ायम रखेंगे, यह काम…”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “ख़िलाफ़त क़ुरैश में है; जब तक वे दीन को क़ायम रखेंगे, यह काम क़ुरैश में ही बना रहेगा।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 के बाद

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2054. आप ने चेताया कि आप के बाद धर्म-त्याग (रिद्दा) होगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने चेताया कि आप के बाद धर्म-त्याग (रिद्दा) होगा।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2055. आप ने ख़बर दी: “ऐसा समय आएगा कि तुममें से किसी के लिए मुझे देखना अपने परिवार और…”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “ऐसा समय आएगा कि तुममें से किसी के लिए मुझे देखना अपने परिवार और माल जितना और पा लेने से भी अधिक प्रिय होगा।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: वफ़ात के बाद (हिजरी 11 के बाद)

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3589

2056. आप ने अपनी पत्नी हफ़्सा को भेद के रूप में बताया कि आप के बाद उम्मत का शासन अबू…

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपनी पत्नी हफ़्सा को भेद के रूप में बताया कि आप के बाद उम्मत का शासन अबू बक्र और उनके पिता उमर सँभालेंगे (सूरह अत-तहरीम, आयत 3)।

ख़बर: लगभग हिजरी 7–9; पूर्ति: हिजरी 11 और 13

स्रोत Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan

2057. आप ने सपने में देखा कि आप काली भेड़ों के लिए पानी खींच रहे हैं और उनके बीच भूरी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि आप काली भेड़ों के लिए पानी खींच रहे हैं और उनके बीच भूरी (सफ़ेद) भेड़ें मिल गई हैं, फिर अबू बक्र ने एक-दो डोल और उमर ने बड़ी शक्ति से पानी खींचा; आप ने काली भेड़ों की ताबीर अरबों से और भूरी भेड़ों की ताबीर उनमें आ मिलने वाले अजमियों (ग़ैर-अरबों) से की।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11–23 की विजयें

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 195 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2058. आप ने बताया कि साबित बिन क़ैस जन्नती हैं और शहीद होंगे; साबित यमामा में शहीद हुए

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि साबित बिन क़ैस जन्नती हैं और शहीद होंगे; साबित यमामा में शहीद हुए।

पूर्ति: हिजरी 12 (633 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.129; İbn Kesîr s.147; 1000 Mucize no.430 (s.421); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3613; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 212; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 248; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Menâkıb 25, Tefsir, Hucurat 1; Müslim, İmân 187, (119) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4469, c./s. 13/15]

2059. तबूक से लौटते समय आप ने फ़रमाया: “यह सफ़ेद हीरा मुझे दिखाया गया; और यह रही शैमा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तबूक से लौटते समय आप ने फ़रमाया: “यह सफ़ेद हीरा मुझे दिखाया गया; और यह रही शैमा बिंत बुक़ैला अज़्दिया, भूरे ख़च्चर पर, काली ओढ़नी में”; ख़ुरैम बिन औस ने कहा: “अगर मैं हीरा में प्रवेश करूँ और उसे इसी हालत में पाऊँ, तो क्या वह मेरी होगी?”, और आप से वचन ले लिया; जब ख़ालिद बिन वलीद ने हीरा जीता, तो उनके सामने सबसे पहले ठीक इसी रूप में शैमा आई, और मुहम्मद बिन मसलमा तथा इब्ने उमर की गवाही से वह ख़ुरैम को दे दी गई (उन्होंने उसे एक हज़ार दिरहम में बेच दिया)।

ख़बर: तबूक से वापसी, हिजरी 9; पूर्ति: हीरा की विजय, हिजरी 12 (633 ईस्वी)

स्रोत Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14069 (8/288)

2060. एक सपने की ताबीर के द्वारा बताया गया कि अबू बक्र आप की वफ़ात के ढाई वर्ष बाद...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक सपने की ताबीर के द्वारा बताया गया कि अबू बक्र आप की वफ़ात के ढाई वर्ष बाद मरेंगे।

पूर्ति: हिजरी 13 (634 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.987 (s.801); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 196

2061. आप ने बताया कि शाम, इराक़ और यमन जीते जाएँगे, और लोग मदीना से वहाँ जाकर बसेंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि शाम, इराक़ और यमन जीते जाएँगे, और लोग मदीना से वहाँ जाकर बसेंगे।

पूर्ति: हिजरी 13–20 (634–641 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.86; web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 187; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 255; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kayser Herakliyus'un Çekmecesinde Sakladığı Peygamber Resimlerini İslâm Elçilerine Gösterişi" (kitabın dipnotu: Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:50-53; Zehebî, Târîh, s:529,532-535; Beyhakî, Delâil, c:1, s:386-387388; Dineverî, Kitâbu'l-ahbâr, s:18; Muhyiddin b. Arabî, Muhâdarâtu'l-ebrâr, c:1, s:100; Alâüddin Ali, Kenz, c:12, s:466-467-469; Ebu'l-Fidâ, Tefsîr, c:2, s:252); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Fezailu'l-Medine 5; Müslim, Hacc 497, (1388); Muvatta, el-Câmi' 7 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4600, c./s. 13/180-181]

2062. आप ने उम्मे वरक़ा को “शहीदा” कहा; उमर के समय में उन्हें उनके घर में उनके दासों...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने उम्मे वरक़ा को “शहीदा” कहा; उमर के समय में उन्हें उनके घर में उनके दासों ने शहीद कर दिया।

पूर्ति: हिजरी 13–23

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.157; İbn Kesîr s.151; 1000 Mucize no.278 (s.256), no.337 (s.316); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 228; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 272-273; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 322; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 112; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 66; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd 571 (listedeki kaynağa göre)

2063. आप ने फ़रमाया: “पिछली उम्मतों में इल्हाम पाने वाले लोग हुए हैं; अगर मेरी उम्मत में कोई है, तो वह उमर है”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “पिछली उम्मतों में इल्हाम पाने वाले लोग हुए हैं; अगर मेरी उम्मत में कोई है, तो वह उमर है।”

पूर्ति: हिजरी 13–23

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.146; İbn Kesîr s.150; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 219 olduğunu haber vermesi); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 271; Kütüb-i Sitte: Buhârî ; Buhârî, Müslim (listedeki kaynağa göre) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4392, c./s. 12/452]

2064. आप ने मदीना वालों के लिए ज़ुल हुलैफ़ा, शाम वालों के लिए जुहफ़ा, नज्द वालों के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने मदीना वालों के लिए ज़ुल हुलैफ़ा, शाम वालों के लिए जुहफ़ा, नज्द वालों के लिए क़रनुल मनाज़िल, यमन वालों के लिए यलमलम और इराक़ वालों के लिए ज़ातु इर्क़ को मीक़ात निर्धारित किया; किताब के अनुसार इन देशों के जीते जाने से पहले ही किया गया यह निर्धारण उमर के समय की विजयों से सही सिद्ध हुआ।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: उमर के दौर की विजयें, हिजरी 13–23 (634–644 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.434 (s.425); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 189; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 262; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 97-98; Kütüb-i Sitte: Buharî, Hacc 7, 9, 11, 12; Müslim, Hacc 11, (1181); Ebû Dâvud, Menâsik 9, (1737); Müslim, Hacc 18, (1183) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1190, c./s. 5/310-311; no. 1192, c./s. 5/314]

2065. जिनसे आप उनकी बीमारी में मिलने गए और जो समझते थे कि वे इसी बीमारी से मर जाएँगे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिनसे आप उनकी बीमारी में मिलने गए और जो समझते थे कि वे इसी बीमारी से मर जाएँगे, उन अक़रअ बिन शुफ़ई अक्की को आप ने ख़बर दी कि वे जीवित रहेंगे, शाम की ओर हिजरत करेंगे, और फ़िलिस्तीन के रमला में मरकर दफ़्न होंगे; उमर की ख़िलाफ़त में रमला में उनकी मृत्यु हुई।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: उमर की ख़िलाफ़त (हिजरी 13–23 / 634–644 ईस्वी), रमला

स्रोत 1000 Mucize no.934 (s.768); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 218

2066. अंतिम बीमारी के दिनों में दुनिया की शिकायत करने वाले शद्दाद बिन औस को आप ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अंतिम बीमारी के दिनों में दुनिया की शिकायत करने वाले शद्दाद बिन औस को आप ने ख़बर दी: “शाम जीता जाएगा, बैतुल मक़दिस जीता जाएगा; तुम और तुम्हारी संतान वहाँ अगुवा होंगे।”

ख़बर: हिजरी 11 (632 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 13–17 और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 476 (Hastalığında görülen âyetler)

2067. आप ने फ़रमाया: “उसकी क़सम जिसके हाथ में मुहम्मद की जान है, फ़ारस और रूम...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “उसकी क़सम जिसके हाथ में मुहम्मद की जान है, फ़ारस और रूम तुम्हारे लिए जीते जाएँगे; भोजन इतना बढ़ जाएगा कि उस पर अल्लाह का नाम नहीं लिया जाएगा।”

पूर्ति: हिजरी 13–20 और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 191 (Fars ve Rum'un fethini haber vermesi bâbı)

2068. आप ने अपने सहाबा को ख़बर दी: “मैं तुम्हारे लिए ग़रीबी से नहीं डरता; अल्लाह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने सहाबा को ख़बर दी: “मैं तुम्हारे लिए ग़रीबी से नहीं डरता; अल्लाह तुम्हें फ़ारस और रूम के देश जिताएगा, और दुनिया तुम पर ख़ूब बरसेगी” (औफ़ बिन मालिक की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 13–21 (634–642 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 192 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2069. आप ने यह कहकर तीन ख़लीफ़ाओं का परिणाम बताया: “तुममें बारह ख़लीफ़ा होंगे: अबू...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर तीन ख़लीफ़ाओं का परिणाम बताया: “तुममें बारह ख़लीफ़ा होंगे: अबू बक्र मेरे बाद थोड़े समय रहेंगे; अरबों की चक्की चलाने वाला (उमर) प्रशंसा के साथ जीएगा और शहीद होकर मरेगा; ऐ उस्मान, अल्लाह तुम्हें एक कुर्ता पहनाएगा, अगर वे तुमसे उसे उतारने को कहें, तो न उतारना” (अब्दुल्लाह बिन अम्र या इब्ने उमर की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 13, हिजरी 23 और हिजरी 35

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 196 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2070. आप की सेवा में रहने वाले बक्र बिन शद्दाख़ लैसी ने अपने आप बताया कि वे बालिग़ हो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की सेवा में रहने वाले बक्र बिन शद्दाख़ लैसी ने अपने आप बताया कि वे बालिग़ हो गए हैं, तो आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसकी बात सच कर और इसे विजय दे”; उमर के समय में उन्होंने (एक ग़ाज़ी के परिवार को छेड़ने वाले) एक यहूदी को मार डाला और इसे स्वीकार किया, और उमर ने उनकी बात सच मानकर उस यहूदी के ख़ून को बिना बदले का ठहराया।

दुआ: मदनी दौर; पूर्ति: उमर का दौर (हिजरी 13–23)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 292 (duaların kabulündeki mucizeler)

2071. आप ने बताया कि आप की उम्मत का एक समूह बसरा नाम के एक भरे-पूरे नगर में बसेगा...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत का एक समूह बसरा नाम के एक भरे-पूरे नगर में बसेगा; बसरा उमर के समय में बसाया गया।

पूर्ति: हिजरी 14 (स्थापना) और उसके बाद

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.110; 1000 Mucize no.441 (s.433); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 257; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 121; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Melâhim 10, (4306), (4307) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4768, c./s. 13/403-404; no. 1976, c./s. 7/252-253]

2072. अबू बक्र और अली के साथ मिना में बनू शैबान बिन सालबा के सामने इस्लाम प्रस्तुत...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र और अली के साथ मिना में बनू शैबान बिन सालबा के सामने इस्लाम प्रस्तुत करने पर मफ़रूक़ बिन अम्र, हानी बिन क़बीसा और मुसन्ना बिन हारिसा ने अपनी विवशता बताई, तो आप ने यह कहकर ईरान की विजय की ख़बर दी: “अगर थोड़े ही समय में अल्लाह तुम्हें उनकी (फ़ारसियों की) धरती और उनके माल का वारिस बना दे, तो क्या तुम अल्लाह की तस्बीह करोगे?”

ख़बर: लगभग 620–621 ईस्वी; पूर्ति: हिजरी 14–21

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 16. fasıl (müşriklerle arasında geçenler), no. 214

2073. आप ने अब्दुर्रहमान बिन औफ़ से (बिना किसी लिखित दस्तावेज़ के) वादा किया कि शाम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुर्रहमान बिन औफ़ से (बिना किसी लिखित दस्तावेज़ के) वादा किया कि शाम जीते जाने पर वहाँ की सलील नाम की भूमि उन्हें दी जाएगी; शाम जीते जाने पर यह वादा पूरा किया गया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: शाम की विजय, हिजरी 14–17

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 187 (Yemen, Şam ve Irak'ın fethini haber vermesi bâbı)

2074. आप ने यह कहकर ख़बर दी कि सासानी जल्दी गिर जाएँगे और बाइज़ेंटाइन साम्राज्य लंबे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर ख़बर दी कि सासानी जल्दी गिर जाएँगे और बाइज़ेंटाइन साम्राज्य लंबे समय तक चलेगा: “फ़ारस बस एक या दो टक्करों का है, फिर कभी फ़ारस नहीं रहेगा; और रूम सींगों वाला है, एक सींग नष्ट होता है तो उसकी जगह दूसरा आ जाता है” (इब्ने मुहैरीज़ की मुरसल रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: सासानियों का पतन, हिजरी 14–31 (635–651 ईस्वी), और बाइज़ेंटाइन का बना रहना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 193 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2075. आप ने अभी न बसे बसरा का उल्लेख करके ख़बर दी कि वहाँ के लोगों का क़िबला सबसे सही...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अभी न बसे बसरा का उल्लेख करके ख़बर दी कि वहाँ के लोगों का क़िबला सबसे सही होगा, वहाँ मस्जिदें और मुअज़्ज़िन सबसे अधिक होंगे, और अल्लाह वहाँ से ऐसी विपत्तियाँ टालेगा जो दूसरे नगरों से नहीं टालेगा; और कूफ़ा वालों पर बड़ी विपत्तियाँ उतरेंगी (अबू ज़र की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बसरा और कूफ़ा की स्थापना, हिजरी 14–17 और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 257 (Basra ve Kûfe'yi haber vermesi)

2076. आप ने ख़बर दी: “मुसलमानों के तीन बड़े नगर (मिस्र) होंगे: एक दो समुद्रों के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मुसलमानों के तीन बड़े नगर (मिस्र) होंगे: एक दो समुद्रों के मिलने की जगह, एक हीरा में, और एक शाम में” (उस्मान बिन अबिल आस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बसरा, कूफ़ा और शाम के छावनी नगर, हिजरी 14–17

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 257 (Basra ve Kûfe'yi haber vermesi)

2077. आप ने फ़रमाया: “जब किसरा नष्ट होगा, तो उसके बाद कोई किसरा नहीं होगा; और जब...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “जब किसरा नष्ट होगा, तो उसके बाद कोई किसरा नहीं होगा; और जब क़ैसर नष्ट होगा, तो उसके बाद (शाम में) कोई क़ैसर नहीं होगा; उनके ख़ज़ाने अल्लाह की राह में ख़र्च किए जाएँगे।”

पूर्ति: हिजरी 15–31 (636–651 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.145; 1000 Mucize no.692 (s.628); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3618-3619; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 606; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14072-14073; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 192; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 245, 396; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 308-309; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 141; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 66; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 121; Kütüb-i Sitte: Buharî, Menâkıb 25, Humus 8, Eyman 3; Müslim, Fiten 77, (2919); Buhârî 3618 (listedeki kaynağa göre) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5572, c./s. 15/416]

2078. अफ़ीफ़ किंदी ने मिना में अब्बास के पास रहते हुए नबी ﷺ, ख़दीजा और अली को नमाज़...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अफ़ीफ़ किंदी ने मिना में अब्बास के पास रहते हुए नबी ﷺ, ख़दीजा और अली को नमाज़ पढ़ते देखा; अब्बास ने कहा: “यह मेरा भतीजा है, यह कहता है कि किसरा और क़ैसर के ख़ज़ाने इसके लिए खोल दिए जाएँगे”, और ऐसा ही हुआ।

ख़बर: मक्की दौर, नबूवत के शुरुआती वर्ष (लगभग 610–613 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 15–21

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 192 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2079. आप ने बताया कि बैतुल मक़दिस (यरूशलम) जीता जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बैतुल मक़दिस (यरूशलम) जीता जाएगा।

पूर्ति: हिजरी 16 (637 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.152; 1000 Mucize no.545 (s.564); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 188; Kütüb-i Sitte: Buhârî (Avf b. Mâlik; listedeki kaynağa göre)

2080. आप ने अली को बताया कि आप के बाद उनका एक बेटा होगा जो आप का नाम और कुन्नियत...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अली को बताया कि आप के बाद उनका एक बेटा होगा जो आप का नाम और कुन्नियत रखेगा (मुहम्मद बिन हनफ़िया)।

पूर्ति: हिजरी 16–21

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.156; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 226; c. 2, s. 462; ayrıca: İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 103; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 112; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 66; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd, Tirmizî (listedeki kaynağa göre)

2081. आप ने बाज़ान के दूतों को ख़बर दी: “मेरा दीन और मेरा राज्य वहाँ तक पहुँचेगा जहाँ...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बाज़ान के दूतों को ख़बर दी: “मेरा दीन और मेरा राज्य वहाँ तक पहुँचेगा जहाँ तक किसरा का राज्य पहुँचा है, और हर उस जगह तक जहाँ ऊँट और घोड़े के खुर पड़ते हैं।”

ख़बर: हिजरी 7 (628 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 16–31

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 17, Kisrâ'ya mektup bâbı

2082. आप ने फ़रमाया: “मुसलमानों का एक समूह किसरा के सफ़ेद महल के ख़ज़ानों को जीतेगा”...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मुसलमानों का एक समूह किसरा के सफ़ेद महल के ख़ज़ानों को जीतेगा”; जाबिर बिन समुरा ने कहा: “मैं भी उनमें था, मेरे हिस्से में एक हज़ार दिरहम आए।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: मदाइन की विजय, हिजरी 16 (637 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 192 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2083. आप ने फ़रमाया: “इस उम्मत का एक व्यक्ति जीते जी जन्नत में प्रवेश करेगा”; बैतुल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “इस उम्मत का एक व्यक्ति जीते जी जन्नत में प्रवेश करेगा”; बैतुल मक़दिस में सुलैमान के कुएँ में गिरा अपना डोल निकालने उतरे शरीक बिन हुबाशा नुमैरी जन्नत का एक पत्ता लेकर निकले, और उमर ने यह हदीस बयान करके कअब से पूछा।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: उमर का दौर, लगभग हिजरी 16–23, यरूशलम

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 224 (ümmetinden bir adamın dünyadayken cennete gireceğini haber vermesi)

2084. आप ने ख़बर दी कि जब तक अजमियों में से लाल चेहरों, चपटी नाकों और छोटी आँखों वाले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब तक अजमियों में से लाल चेहरों, चपटी नाकों और छोटी आँखों वाले ख़ूज़ और किरमान के लोगों से युद्ध न हो, क़यामत नहीं आएगी।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: ख़ूज़िस्तान और किरमान की विजय, हिजरी 17–23 (638–644 ईस्वी)

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3590

2085. आप ने फ़रमाया: “मेरी यह मस्जिद अगर सनआ तक भी फैला दी जाए, तब भी यह मेरी ही...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरी यह मस्जिद अगर सनआ तक भी फैला दी जाए, तब भी यह मेरी ही मस्जिद होगी”, और इस तरह संकेत दिया कि मस्जिदे नबवी आगे चलकर फैलाई जाएगी।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: उमर, उस्मान और बाद के दौर में हुए विस्तार (हिजरी 17 से)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 322 (Mescidin inşası sırasında görülen âyetler bâbı)

2086. आप ने बताया कि यरूशलम की विजय के बाद “भेड़ों की महामारी जैसी” तबाही मचाने वाली...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि यरूशलम की विजय के बाद “भेड़ों की महामारी जैसी” तबाही मचाने वाली एक महामारी (अमवास की ताऊन) फैलेगी।

पूर्ति: हिजरी 18 (639 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.159; İbn Kesîr s.152; 19. Mektup listesi (183.txt) no.109; 1000 Mucize no.546 (s.564); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kütüb-i Sitte: Buhârî (listedeki kaynağa göre)

2087. आप ने बताया कि माल इतना बढ़ जाएगा कि किसी को 100 दीनार दिए जाएँ, तब भी वह उन्हें कम समझेगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि माल इतना बढ़ जाएगा कि किसी को 100 दीनार दिए जाएँ, तब भी वह उन्हें कम समझेगा।

पूर्ति: हिजरी 20–35 (उस्मान का दौर)

स्रोत İbn Kesîr s.152; 1000 Mucize no.548 (s.564); Kütüb-i Sitte: Buhârî (listedeki kaynağa göre)

2088. आप ने फ़रमाया: “तुम मिस्र को जीतोगे, जहाँ क़ीरात का नाम लिया जाता है”, और मिस्र...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “तुम मिस्र को जीतोगे, जहाँ क़ीरात का नाम लिया जाता है”, और मिस्र उमर के समय में जीता गया।

पूर्ति: हिजरी 20 (641 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.86; 1000 Mucize no.432 (s.424); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 188-189; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 256; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 131, 144; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezailu's-Sahabe 226, (2543) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5574, c./s. 15/420]

2089. आप ने बताया कि आप की पत्नियों में से सबसे पहले आप से मिलने वाली वह होगी “जिसका...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की पत्नियों में से सबसे पहले आप से मिलने वाली वह होगी “जिसका हाथ सबसे लंबा (सबसे दानशील) है”; ज़ैनब बिंत जहश की सबसे पहले मृत्यु हुई।

पूर्ति: हिजरी 20 (641 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.148; 1000 Mucize no.153 (s.134); web: A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 596; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14069; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 219; c. 2, s. 429; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 271-272; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 283; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 112, 142; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 65; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 122; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buharî, Zekat 11; Nesaî, Zekat 59; Müslim, Fezailü's-Sahabe 101, (2452) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5582, c./s. 15/432; no. 5583, c./s. 15/432]

2090. आप ने बरा बिन मालिक के बारे में फ़रमाया: “अगर वह अल्लाह के नाम पर क़सम खाए, तो...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बरा बिन मालिक के बारे में फ़रमाया: “अगर वह अल्लाह के नाम पर क़सम खाए, तो अल्लाह उसकी क़सम पूरी कर देगा”; तुस्तर में उनकी क़सम स्वीकार हुई और वे शहीद हुए।

पूर्ति: हिजरी 20 (641 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.145; 1000 Mucize no.154 (s.135), no.842 (s.704); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 218; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Menâkıb, (3853) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4468, c./s. 13/14]

2091. आप ने बताया कि जब आप की उम्मत अकड़कर चलने लगेगी और फ़ारस और रूम की बेटियाँ उनकी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब आप की उम्मत अकड़कर चलने लगेगी और फ़ारस और रूम की बेटियाँ उनकी सेवा करेंगी, तो उनके बुरे लोग उनके अच्छे लोगों पर हावी कर दिए जाएँगे।

पूर्ति: हिजरी 20 के बाद

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.21, 90; 1000 Mucize no.630 (s.605), no.631 (s.606); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 191; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 377;

Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 145; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 64, (2262) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4783, c./s. 13/430]

2092. उमर घोड़ा दौड़ा रहे थे, तब उनकी जाँघ खुल गई, और नजरान वालों ने वहाँ का काला तिल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उमर घोड़ा दौड़ा रहे थे, तब उनकी जाँघ खुल गई, और नजरान वालों ने वहाँ का काला तिल देखकर कहा: “यही वह व्यक्ति है जिसके बारे में हमारी किताब में लिखा है कि वह हमें हमारे देश से निकालेगा।”

मदनी दौर; पूर्ति: उमर की ख़िलाफ़त (हिजरी 20)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 53 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2093. आप ने ख़बर दी कि यहूदियों को ख़ैबर से निकाला जाएगा; यह उमर के समय में पूरा हुआ

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि यहूदियों को ख़ैबर से निकाला जाएगा; यह उमर के समय में पूरा हुआ।

ख़बर: हिजरी 7; पूर्ति: लगभग हिजरी 20

स्रोत Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve

2094. आप ने बताया कि ज़ैद बिन सूहान का एक अंग उनसे पहले जन्नत में जाएगा; नहावंद (या...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ज़ैद बिन सूहान का एक अंग उनसे पहले जन्नत में जाएगा; नहावंद (या जलूला) में उनका हाथ कटा, और वे स्वयं जमल में शहीद हुए।

पूर्ति: हिजरी 21 और हिजरी 36

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.197; 19. Mektup listesi (183.txt) no.115, 116; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 238; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 293; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 112, 131; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 66; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95

2095. मिस्र की विजय की ख़बर देते समय आप ने अबू ज़र से फ़रमाया: “अगर तुम वहाँ दो लोगों...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मिस्र की विजय की ख़बर देते समय आप ने अबू ज़र से फ़रमाया: “अगर तुम वहाँ दो लोगों को एक ईंट भर जगह के लिए झगड़ते देखो, तो वहाँ से निकल जाना”; किताब के अनुसार यह भी ठीक वैसे ही हुआ।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: मिस्र की विजय के बाद (हिजरी 21 / 642 ईस्वी के बाद)

स्रोत 1000 Mucize no.433 (s.424); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 188; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 256; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezailu's-Sahabe 226, (2543) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5574, c./s. 15/420]

2096. आप ने बताया कि उमर फ़ितनों के आगे “बंद दरवाज़ा” हैं, उनके जीते जी फ़ितना नहीं...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि उमर फ़ितनों के आगे “बंद दरवाज़ा” हैं, उनके जीते जी फ़ितना नहीं उठेगा, और वह दरवाज़ा तोड़ा जाएगा (वे शहीद किए जाएँगे)।

पूर्ति: हिजरी 23 (644 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.163; İbn Kesîr s.150; 19. Mektup listesi (183.txt) no.94; 1000 Mucize no.440 (s.432); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3586; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 229; c. 2, s. 230; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 274-275; Kütüb-i Sitte: Buharî, Mevakitu's-Salat 4, Zekat 23, Savm 3, Menakıb 25, Fiten 17; Müslim, Fiten 17, (144); Tirmizî, Fiten 71 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4766, c./s. 13/399-400]

2097. उमर पर नया कपड़ा देखकर आप ने फ़रमाया: “नया पहनो, प्रशंसा के साथ जियो, और शहीद...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उमर पर नया कपड़ा देखकर आप ने फ़रमाया: “नया पहनो, प्रशंसा के साथ जियो, और शहीद होकर मरो”; उमर हिजरी 23 में सुबह की नमाज़ में शहीद किए गए।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 23 (644 ईस्वी)

स्रोत Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve, "Çağdaşlarının ölüm şeklini haber vermesi"

2098. आप ने उस्मान से यह कहकर उनकी ख़िलाफ़त की अवधि और रोज़े की हालत में शहीद होने की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस्मान से यह कहकर उनकी ख़िलाफ़त की अवधि और रोज़े की हालत में शहीद होने की ख़बर दी: “तुम शहीद करके मारे जाओगे, सब्र करना; अल्लाह तुम्हें बारह वर्ष छह महीने के लिए जो कुर्ता पहनाएगा, उसे न उतारना; उस दिन रोज़ा रखना, तुम मेरे पास इफ़्तार करोगे” (हफ़्सा और अनस की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: ख़िलाफ़त हिजरी 23–35, शहादत हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 208 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2099. आप ने फ़रमाया: “तुम धारीदार कपड़े में लिपटे, लोगों से बैअत लेते एक जन्नती...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “तुम धारीदार कपड़े में लिपटे, लोगों से बैअत लेते एक जन्नती व्यक्ति के पास पहुँचोगे”; अब्दुल्लाह बिन हवाला ने उस्मान को ठीक इसी हालत में बैअत लेते पाया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 23–24 (644 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 208 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2100. उक़बा बिन अबी मुऐत की संतान के बारे में आप ने जो कहा था, वह (वलीद बिन उक़बा...)

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

उक़बा बिन अबी मुऐत की संतान के बारे में आप ने जो कहा था, वह (वलीद बिन उक़बा में) पूरा हुआ।

पूर्ति: हिजरी 25–30

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.176; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 246; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Cihad 128, (2686) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5978, c./s. 16/458]

2101. आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत में मुझे सबसे प्रिय वे हैं जो मेरे बाद आकर मुझे देखे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत में मुझे सबसे प्रिय वे हैं जो मेरे बाद आकर मुझे देखे बिना ईमान लाएँगे और लटके हुए पन्नों (लिखे हुए पृष्ठों) में जो है उस पर अमल करेंगे”; जब उस्मान ने मुसहफ़ लिखवाए, तो अबू हुरैरा ने कहा: “मैं सोचता था कि कौन-से पन्ने, मुसहफ़ देखकर समझ गया”, और यह हदीस बयान की, और उस्मान ने उन्हें दस हज़ार दिरहम दिए (नुबैत अशजई की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: मुसहफ़ों की प्रतियाँ तैयार करना, लगभग हिजरी 25–30 (646–651 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 220 (mushafların yazılacağını haber vermesi)

2102. उसी ख़बर में आप ने जुंदुब के बारे में फ़रमाया: “वह तलवार से ऐसा वार करेगा जो...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उसी ख़बर में आप ने जुंदुब के बारे में फ़रमाया: “वह तलवार से ऐसा वार करेगा जो सत्य और असत्य को अलग कर देगा”; जुंदुब ने (कूफ़ा में वलीद बिन उक़बा के सामने करतब दिखाने वाले) जादूगर को मार डाला।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: उस्मान का दौर, लगभग हिजरी 25–30 (कूफ़ा)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 238 (Zeyd b. Sûhân ve Cündeb'i haber vermesi)

2103. आप ने उम्मे हराम को शुभ समाचार दिया कि वे आप की उम्मत में समुद्री जिहाद पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उम्मे हराम को शुभ समाचार दिया कि वे आप की उम्मत में समुद्री जिहाद पर निकलने वाले पहले लोगों में होंगी; वे साइप्रस (क़ुबरुस) के अभियान में गईं और वहीं उनकी मृत्यु हुई।

पूर्ति: हिजरी 27–28 (648–649 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.233; İbn Kesîr s.163, 165; 19. Mektup listesi (183.txt) no.13, 83; 1000 Mucize no.467 (s.460), no.982 (s.796); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, alâmâtü'n-nübüvve, no. 5859; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve, "Vefatından sonra gerçekleşen gayb haberleri"; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 190; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 307-308; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 132; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buhârî 2788-2789, 2924; Müslim 1912

2104. आप ने ख़बर दी: “यह दीन फैलेगा, समुद्र पार किए जाएँगे, घोड़े अल्लाह की राह में...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “यह दीन फैलेगा, समुद्र पार किए जाएँगे, घोड़े अल्लाह की राह में समुद्रों में उतरेंगे; फिर ऐसे लोग आएँगे जो क़ुरआन पढ़कर कहेंगे: ‘हमसे अच्छा पढ़ने वाला, हमसे बड़ा ज्ञानी कौन है?’; वे आग का ईंधन हैं” (अब्बास बिन अब्दुल मुत्तलिब की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 28 के बाद के समुद्री अभियान और बाद की पीढ़ियाँ

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 261 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2105. आप ने अबू ज़र से कहा: “जब इमारतें सल पहाड़ तक पहुँच जाएँ, तो मदीना से निकल...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू ज़र से कहा: “जब इमारतें सल पहाड़ तक पहुँच जाएँ, तो मदीना से निकल जाना”, और फ़रमाया: “तुममें से एक सुनसान जगह में मरेगा, और उसके जनाज़े में मोमिनों का एक समूह उपस्थित होगा”; अबू ज़र की मृत्यु रबज़ा में हुई।

पूर्ति: हिजरी 30–32 (651–652 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.180; 19. Mektup listesi (183.txt) no.12, 82; 1000 Mucize no.443 (s.435); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 222; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 281; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 320; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 112, 131

2106. आप ने बताया कि ऐसे शासक आएँगे जो नमाज़ों को उनके समय से टाल देंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसे शासक आएँगे जो नमाज़ों को उनके समय से टाल देंगे।

पूर्ति: हिजरी 30 के दशक से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.176; 1000 Mucize no.613 (s.598); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 242; Kütüb-i Sitte: Müslim 648

2107. आप ने फ़रमाया: “मेरे बाद तुम पक्षपात (असरा) और ऐसे काम देखोगे जो तुम्हें पसंद...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरे बाद तुम पक्षपात (असरा) और ऐसे काम देखोगे जो तुम्हें पसंद नहीं आएँगे।”

पूर्ति: हिजरी 30 के बाद

स्रोत İbn Kesîr s.170; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3603; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 194; c. 2, s. 255; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 245, 288; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 96; Kütüb-i Sitte: Buhârî 3603, 7052; Müslim 1843

2108. आप ने अबू ज़र को मस्जिद में सोते पाया और कहा: “जब तुम्हें यहाँ से निकाला जाएगा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू ज़र को मस्जिद में सोते पाया और कहा: “जब तुम्हें यहाँ से निकाला जाएगा, तब तुम्हारा क्या हाल होगा?”; उन्होंने कहा: “मैं मस्जिदे हराम में जा बसूँगा”; आप ने कहा: “और अगर वहाँ से भी निकाले गए तो?”, और इस तरह उनके देश-निकाले की ख़बर दी।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 30–32

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2109. आप ने अबू ज़र से कहा: “जब मेरे बाद ऐसे अमीर होंगे जो ग़नीमत (फ़ै) को अपने लिए...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू ज़र से कहा: “जब मेरे बाद ऐसे अमीर होंगे जो ग़नीमत (फ़ै) को अपने लिए अलग कर लेंगे, तब तुम्हारा क्या हाल होगा?”, और उन्हें सलाह दी कि तलवार उठाने के बजाय आप से मिलने तक सब्र करें।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 30 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 222 (Ebû Zer'in hâlini haber vermesi)

2110. आप ने बताया कि अबुद दर्दा फ़ितनों से पहले मर जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अबुद दर्दा फ़ितनों से पहले मर जाएँगे।

पूर्ति: हिजरी 32 (652 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.183; İbn Kesîr s.153; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 231; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 281-282

2111. अबू ज़र ने कहा कि अल्लाह के रसूल ﷺ ने उन्हें यह आश्वासन दिया था: “वे तुम्हें...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू ज़र ने कहा कि अल्लाह के रसूल ﷺ ने उन्हें यह आश्वासन दिया था: “वे तुम्हें मार नहीं सकेंगे, और तुम्हें तुम्हारे दीन से फेर नहीं सकेंगे।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 32 (652 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 222 (Ebû Zer'in hâlini haber vermesi)

2112. आमिर बिन रबीआ ने फ़ितने से पहले एक सपना देखा, और फ़ितने में पड़े बिना उनकी मृत्यु हो गई

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आमिर बिन रबीआ ने फ़ितने से पहले एक सपना देखा, और फ़ितने में पड़े बिना उनकी मृत्यु हो गई।

पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.183

2113. आप ने उस्मान को “उन पर आने वाली एक विपत्ति के साथ” जन्नत का शुभ समाचार दिया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उस्मान को “उन पर आने वाली एक विपत्ति के साथ” जन्नत का शुभ समाचार दिया (अरीस का कुआँ), और (कुएँ के पास) बैठने का ढंग उनकी क़ब्रों की स्थिति का संकेत था।

पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.165; İbn Kesîr s.153; 1000 Mucize no.446 (s.438); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 206; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 276-277; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 314; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3693; Müslim 2403

2114. आप ने उस्मान से फ़रमाया: “अल्लाह तुम्हें एक कुर्ता पहनाएगा; अगर वे तुमसे उसे...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उस्मान से फ़रमाया: “अल्लाह तुम्हें एक कुर्ता पहनाएगा; अगर वे तुमसे उसे उतारने को कहें, तो न उतारना।”

पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.165; İbn Kesîr s.153; 1000 Mucize no.449 (s.443), no.450 (s.443); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 208; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Tirmizî 3705; İbn Mâce 112

2115. आप ने फ़रमाया: “मैं तुम्हारे घरों के बीच बारिश की तरह फ़ितने बरसते देख रहा...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मैं तुम्हारे घरों के बीच बारिश की तरह फ़ितने बरसते देख रहा हूँ”; उस्मान के अंतिम वर्षों और अली के समय के फ़ितनों में यह पूरा हुआ।

पूर्ति: हिजरी 35–40 (656–661 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.121, 185; İbn Kesîr s.156; 19. Mektup listesi (183.txt) no.16; web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3597; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve, "Fitne haberleri"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 146; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 283; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Fezailu'l-Medine 8, Mezalim 25, Menakıb 25, Fiten 4; Müslim, Fiten 9, (2885) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4781, c./s. 13/428]

2116. आप ने बताया कि एक ऐसा फ़ितना आएगा जो अरबों के घरों में से किसी घर को अछूता नहीं छोड़ेगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि एक ऐसा फ़ितना आएगा जो अरबों के घरों में से किसी घर को अछूता नहीं छोड़ेगा।

पूर्ति: हिजरी 35 के बाद

स्रोत İbn Kesîr s.152; 1000 Mucize no.547 (s.564); Kütüb-i Sitte: Buhârî (Avf b. Mâlik)

2117. आप ने बताया कि आप की उम्मत में बहुत मतभेद होंगे, और अपनी सुन्नत तथा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत में बहुत मतभेद होंगे, और अपनी सुन्नत तथा ख़ुलफ़ा-ए-राशिदीन की सुन्नत को मज़बूती से थामने की सलाह दी।

पूर्ति: हिजरी 35 से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.333; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 194; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd; Tirmizî; İbn Mâce (İrbâz b. Sâriye)

2118. आप ने बताया कि आप ने अपनी उम्मत के लिए तीन चीज़ें माँगीं; दो दी गईं (अकाल और...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप ने अपनी उम्मत के लिए तीन चीज़ें माँगीं; दो दी गईं (अकाल और डूबने से सामूहिक विनाश न होना), और एक (आपस में न लड़ना) नहीं दी गई।

पूर्ति: हिजरी 35 से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.316; web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 369; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 20, (2890) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4519, c./s. 13/80-81]

2119. आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत पर एक बार तलवार रख दी गई, तो क़यामत तक उठाई नहीं जाएगी”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत पर एक बार तलवार रख दी गई, तो क़यामत तक उठाई नहीं जाएगी।”

पूर्ति: हिजरी 35 से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.316; 1000 Mucize no.476 (s.466); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 230; Kütüb-i Sitte: Müslim, İmaret 170, (1920); Ebu Davud, Fiten 1, (4252); Tirmizî, Fiten 32, (2203, 2220, 2230) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4779, c./s. 13/425-426]

2120. अब्दुर्रहमान बिन औफ़ भी जिसमें उपस्थित थे, उस सभा में आप ने ख़बर दी कि फ़ारस और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अब्दुर्रहमान बिन औफ़ भी जिसमें उपस्थित थे, उस सभा में आप ने ख़बर दी कि फ़ारस और रूम जीते जाने पर सहाबा दुनिया के लिए होड़ करेंगे, फिर एक-दूसरे से ईर्ष्या और झगड़ा करेंगे, द्वेष रखेंगे और एक-दूसरे को मारेंगे।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: उस्मान की ख़िलाफ़त का अंत (लगभग हिजरी 35 / 656 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.439 (s.431); Kütüb-i Sitte: Müslim, Zühd 7, (2962) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4784, c./s. 13/431]

2121. आप ने आइशा से उस्मान को बुलवाया, उन्हें अपने पास बिठाकर उनसे एक वचन लिया, और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने आइशा से उस्मान को बुलवाया, उन्हें अपने पास बिठाकर उनसे एक वचन लिया, और उस्मान का चेहरा फीका पड़ गया; घेराबंदी के दिन उस्मान ने यह कहकर लड़ने की अनुमति नहीं दी: “अल्लाह के रसूल ने मुझसे वचन लिया था, मैं सब्र करूँगा”; कअब बिन उजरा की रिवायत में बड़े फ़ितने का उल्लेख करते समय सिर ढके गुज़रते उस्मान के बारे में आप ने फ़रमाया: “उस दिन यह व्यक्ति सत्य पर होगा।”

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: उस्मान की घेराबंदी, हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.447 (s.441); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 207; c. 2, s. 209; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 278, 261; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 111 ; İbn Mâce 113 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6016, c./s. 16/507-508; no. 6017, c./s. 16/508-509]

2122. आप ने क़सम खाकर ख़बर दी कि जब तक मुसलमान अपने इमाम को न मार डालें, एक-दूसरे पर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने क़सम खाकर ख़बर दी कि जब तक मुसलमान अपने इमाम को न मार डालें, एक-दूसरे पर तलवार न खींचें और उनकी दुनिया के वारिस उनके बुरे लोग न बन जाएँ, क़यामत नहीं आएगी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: किताब में तिथि नहीं दी गई (अध्याय का संदर्भ: उस्मान की शहादत, हिजरी 35 / 656 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.451 (s.444), no.742 (s.659); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 209; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 279; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 9, (2171) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5022, c./s. 14/313]

2123. आप ने ख़बर दी कि उस्मान क़ुरआन पढ़ते हुए मारे जाएँगे, और उनका ख़ून...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि उस्मान क़ुरआन पढ़ते हुए मारे जाएँगे, और उनका ख़ून “फ़-सयक्फ़ीकहुमुल्लाह” (सूरह अल-बक़रह, आयत 137) वाली आयत पर टपकेगा।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2124. एक रात आप जागे और फ़रमाया: “सुब्हानल्लाह! आज रात कितने ख़ज़ाने उतारे गए, कितने...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक रात आप जागे और फ़रमाया: “सुब्हानल्लाह! आज रात कितने ख़ज़ाने उतारे गए, कितने फ़ितने उतारे गए! कमरों वालियों को जगाओ”, और इस तरह अपनी उम्मत के लिए खुलने वाले ख़ज़ानों और फ़ितनों की ख़बर दी (उम्मे सलमा की रिवायत)।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: विजयें और हिजरी 35 के बाद के फ़ितने

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3599

2125. आप ने ख़बर दी कि ऐसे फ़ितने उठेंगे जिनमें बैठा हुआ खड़े से, खड़ा चलने वाले से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ऐसे फ़ितने उठेंगे जिनमें बैठा हुआ खड़े से, खड़ा चलने वाले से, और चलने वाला दौड़ने वाले से बेहतर होगा; जो उनकी ओर बढ़ेगा वह नष्ट होगा, और जिसे कोई शरण मिले, वह उसकी शरण ले ले।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35–40 (जमल, सिफ़्फ़ीन)

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3601

2126. आप ने सपने में देखा कि किताब का स्तंभ आप के सिर के नीचे से लेकर शाम ले जाया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि किताब का स्तंभ आप के सिर के नीचे से लेकर शाम ले जाया गया, और फ़रमाया: “जब फ़ितने उठेंगे, तो ईमान शाम में होगा” (अबुद दर्दा की रिवायत; उमर और इब्ने उमर की रिवायतें भी)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 के बाद के फ़ितने

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 198 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2127. यह कथन रिवायत हुआ है: “उस्मान के बाद मदीना (ख़िलाफ़त के केंद्र के रूप में) नहीं...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यह कथन रिवायत हुआ है: “उस्मान के बाद मदीना (ख़िलाफ़त के केंद्र के रूप में) नहीं रहेगा, और मुआविया के बाद चैन नहीं रहेगा” (अबुद दर्दा की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 35 और हिजरी 60 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 198 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2128. आप ने ज़ैद बिन अरक़म को क्रम से अबू बक्र, उमर और उस्मान के पास भेजकर पहले दोनों...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ज़ैद बिन अरक़म को क्रम से अबू बक्र, उमर और उस्मान के पास भेजकर पहले दोनों को जन्नत का, और उस्मान को “एक कठोर विपत्ति के बाद” जन्नत का शुभ समाचार दिलवाया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 206 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2129. आप ने ख़बर दी कि पास से गुज़रे उस्मान के बारे में आप के पास के फ़रिश्ते ने कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि पास से गुज़रे उस्मान के बारे में आप के पास के फ़रिश्ते ने कहा: “यह शहीद है, इसकी क़ौम इसे मार डालेगी; हम इससे लज्जा करते हैं” (ज़ैद बिन साबित की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 207 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2130. आप ने फ़रमाया: “फ़ितना और मतभेद होगा”, और “तब हम क्या करें?” पूछने वालों से...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “फ़ितना और मतभेद होगा”, और “तब हम क्या करें?” पूछने वालों से उस्मान की ओर इशारा करके फ़रमाया: “अमीर और उसके साथियों को मज़बूती से थामे रहना”; अबू हुरैरा ने यह बात उस्मान के घेरे जाने के समय बयान की।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 207 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2131. आप ने यह कहकर ख़बर दी कि एक ख़लीफ़ा अन्याय से मारा जाएगा: “जो तीन चीज़ों से बच...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर ख़बर दी कि एक ख़लीफ़ा अन्याय से मारा जाएगा: “जो तीन चीज़ों से बच गया, वह बच गया: मेरी मृत्यु, सत्य पर सब्र करने वाले एक ख़लीफ़ा की हत्या, और दज्जाल” (अब्दुल्लाह बिन हवाला की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 208 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2132. आप ने ख़बर दी: “इस्लाम की चक्की पैंतीसवें, छत्तीसवें या सैंतीसवें वर्ष में...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “इस्लाम की चक्की पैंतीसवें, छत्तीसवें या सैंतीसवें वर्ष में घूमेगी; अगर वे नष्ट हुए, तो यही नष्ट होने वालों का रास्ता है, और अगर उनका दीन क़ायम रहा, तो सत्तर वर्ष क़ायम रहेगा” (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35–37 (उस्मान की शहादत, जमल, सिफ़्फ़ीन)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 208 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2133. आप ने फ़रमाया: “ऐसे लोग निकलेंगे जो दीन से ऐसे निकल जाएँगे जैसे तीर शिकार को...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “ऐसे लोग निकलेंगे जो दीन से ऐसे निकल जाएँगे जैसे तीर शिकार को चीरकर निकल जाता है; अल्लाह उन्हें लुबनान के पहाड़ पर मारेगा”; यह हदीस बयान करने वाले अब्दुर्रहमान बिन उदैस मिस्र वालों के साथ उस्मान के विरुद्ध चढ़ आए, और बाद में लुबनान (जलील) के पहाड़ पर मारे गए।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35–36 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 209 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2134. आप ने ख़बर दी: “फ़ितने छतरियों की तरह तुम पर छा जाएँगे; उन फ़ितनों में तुम फन...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “फ़ितने छतरियों की तरह तुम पर छा जाएँगे; उन फ़ितनों में तुम फन उठाए काले साँपों जैसे हो जाओगे, जो एक-दूसरे की गर्दन मारते हैं” (कुर्ज़ बिन अलक़मा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 230 (fitnelerin Hz. Ömer'in ölümünden sonra başlayacağını haber vermesi)

2135. आप ने ख़ालिद बिन उरफ़ुता से फ़रमाया: “मेरे बाद घटनाएँ, फ़ितने और मतभेद होंगे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़ालिद बिन उरफ़ुता से फ़रमाया: “मेरे बाद घटनाएँ, फ़ितने और मतभेद होंगे; अगर तुम्हारे बस में हो, तो अल्लाह के मारने वाले नहीं, मारे जाने वाले बंदे बनना।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 230 (fitnelerin Hz. Ömer'in ölümünden sonra başlayacağını haber vermesi)

2136. आप ने फ़रमाया: “एक फ़ितना होगा; उसमें लोगों में सबसे सुरक्षित पश्चिम की सेना...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “एक फ़ितना होगा; उसमें लोगों में सबसे सुरक्षित पश्चिम की सेना होगी”; अम्र बिन हमिक़ ने कहा: “इसी कारण मैं मिस्र आया।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 के बाद के फ़ितने

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 231 (fitnelerin Hz. Ömer'in ölümünden sonra başlayacağını haber vermesi)

2137. आप ने इमरान बिन हुसैन को बताया कि चार फ़ितने आएँगे: पहले में ख़ून, दूसरे में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने इमरान बिन हुसैन को बताया कि चार फ़ितने आएँगे: पहले में ख़ून, दूसरे में ख़ून और माल, और तीसरे में ख़ून, माल और इज़्ज़त को हलाल समझा जाएगा (चौथा दज्जाल है)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 231 (fitnelerin Hz. Ömer'in ölümünden sonra başlayacağını haber vermesi)

2138. आप ने अली से फ़रमाया: “मेरे बाद तुम बहुत कष्ट उठाओगे”; अली ने पूछा: “क्या मेरे...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अली से फ़रमाया: “मेरे बाद तुम बहुत कष्ट उठाओगे”; अली ने पूछा: “क्या मेरे दीन के सुरक्षित रहते हुए?”, तो आप ने कहा: “हाँ, तुम्हारे दीन के सुरक्षित रहते हुए” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35–40 (656–661 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 235 (Sıffîn vakasını ve iki hakemi haber vermesi)

2139. आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत तब तक नष्ट नहीं होगी जब तक उसमें तमायुज़ (बिखराव)...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत तब तक नष्ट नहीं होगी जब तक उसमें तमायुज़ (बिखराव), तमायुल (गुटबाज़ी या कट्टरता) और मआमेअ (नगरों का आपस में युद्ध) न पैदा हों” (हुज़ैफ़ा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 265 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2140. आप को दिखाया गया कि आप के बाद आप की उम्मत को क्या-क्या झेलना पड़ेगा और वे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप को दिखाया गया कि आप के बाद आप की उम्मत को क्या-क्या झेलना पड़ेगा और वे एक-दूसरे का ख़ून बहाएँगे; इस पर आप ने अपने रब से क़यामत के दिन उनके लिए शफ़ाअत का अधिकार माँगा, और आप की दुआ स्वीकार हुई (उम्मे हबीबा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: वफ़ात के बाद के फ़ितने (हिजरी 35 और उसके बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 386 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2141. आप ने अपनी पत्नियों में से एक को बताया कि उस पर हौअब के कुत्ते भौंकेंगे; जमल के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपनी पत्नियों में से एक को बताया कि उस पर हौअब के कुत्ते भौंकेंगे; जमल के रास्ते में आइशा के साथ यही हुआ।

पूर्ति: हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.190; İbn Kesîr s.156; 1000 Mucize no.453 (s.446); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14070; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 232; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 289-290; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 113, 123, 132, 142; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 67; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 91; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95, 122

2142. आप ने ज़ुबैर से कहा: “तुम अन्याय करते हुए अली से लड़ोगे”; अली के याद दिलाने पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ज़ुबैर से कहा: “तुम अन्याय करते हुए अली से लड़ोगे”; अली के याद दिलाने पर ज़ुबैर जमल से हट गए।

पूर्ति: हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.194; 1000 Mucize no.455 (s.448); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 233; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 291-292; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 116, 123, 132; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 91; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95

2143. आप ने यह कहकर जमल की घटना की ख़बर दी: “तुममें से कौन उस ऊँट वाली है जिसके चारों...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर जमल की घटना की ख़बर दी: “तुममें से कौन उस ऊँट वाली है जिसके चारों ओर बहुत से लोग मारे जाएँगे, और वह स्वयं मारे जाने से बाल-बाल बचेगी?”

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: जमल का युद्ध, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.454 (s.447); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 233; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 290

2144. आप ने अली से यह कहकर जमल, सिफ़्फ़ीन और ख़ारिजियों (हरूरा और नहरवान) की घटनाओं...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अली से यह कहकर जमल, सिफ़्फ़ीन और ख़ारिजियों (हरूरा और नहरवान) की घटनाओं की ख़बर दी: “तुम नाकिसीन (बैअत तोड़ने वालों), क़ासितीन (अत्याचारियों) और मारिक़ीन (दीन से निकल जाने वालों) से लड़ोगे।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 36–38 (656–658 ईस्वी)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret (s. 145)

2145. आप ने अली से फ़रमाया: “तुम्हारे और आइशा के बीच एक मामला होगा; जब हो, तो उन्हें...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अली से फ़रमाया: “तुम्हारे और आइशा के बीच एक मामला होगा; जब हो, तो उन्हें उनकी सुरक्षित जगह पर लौटा देना” (अबू राफ़े की रिवायत)।

पूर्ति: हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2146. जमल के दिन मरते हुए तलहा ने अली के एक सैनिक के हाथ पर अली के नाम पर बैअत की; यह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जमल के दिन मरते हुए तलहा ने अली के एक सैनिक के हाथ पर अली के नाम पर बैअत की; यह सुनकर अली ने कहा: “अल्लाहु अकबर! अल्लाह के रसूल ﷺ ने सच कहा था: अल्लाह तलहा को मेरी बैअत गले में लिए बिना जन्नत में नहीं डालेगा” (सौर बिन मिजज़आ की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: जमल का युद्ध, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 196 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2147. जब आप ने उल्लेख किया कि मोमिनों की माताओं में से एक (विद्रोह के लिए) निकलेगी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब आप ने उल्लेख किया कि मोमिनों की माताओं में से एक (विद्रोह के लिए) निकलेगी, तो आइशा हँस पड़ीं; आप ने उनसे कहा: “सावधान रहना ऐ हुमैरा, कहीं वह तुम न हो”, फिर अली की ओर मुड़कर फ़रमाया: “अगर उनका मामला तुम्हारे हाथ में आए, तो उनके साथ नरमी बरतना” (उम्मे सलमा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: जमल का युद्ध, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 232 (Cemel, Sıffîn ve Nehrevân vakalarını, Âişe ve Zübeyr'in Ali ile savaşını, iki hakemi haber vermesi)

2148. हुज़ैफ़ा ने (जमल से पहले ही मृत्यु हो जाने के बावजूद) ख़बर दी थी: “मोमिनों की...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुज़ैफ़ा ने (जमल से पहले ही मृत्यु हो जाने के बावजूद) ख़बर दी थी: “मोमिनों की माताओं में से एक एक दल के साथ तुम पर चढ़ आएगी और तुमसे तलवारों से लड़ेगी।”

ख़बर: हिजरी 36 से पहले; पूर्ति: जमल का युद्ध, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 233 (Cemel, Sıffîn ve Nehrevân vakalarını, Âişe ve Zübeyr'in Ali ile savaşını, iki hakemi haber vermesi)

2149. आप ने ख़बर दी: “विनाश की ओर जाने वाला, कभी सफल न होने वाला एक समूह निकलेगा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “विनाश की ओर जाने वाला, कभी सफल न होने वाला एक समूह निकलेगा; उसके आगे एक स्त्री होगी, और उनकी वह अगुवा जन्नत में है” (अबू बकरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: जमल का युद्ध, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 233 (Cemel, Sıffîn ve Nehrevân vakalarını, Âişe ve Zübeyr'in Ali ile savaşını, iki hakemi haber vermesi)

2150. जूते का तस्मा टूटने पर उसे ठीक करने के लिए पीछे रुके अली की ओर संकेत करके आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

जूते का तस्मा टूटने पर उसे ठीक करने के लिए पीछे रुके अली की ओर संकेत करके आप ने फ़रमाया: “तुममें से एक व्यक्ति क़ुरआन की व्याख्या (तावील) के लिए वैसे ही लड़ेगा जैसे मैं उसके उतरने (तंज़ील) के लिए लड़ा”; “क्या वह मैं हूँ?” पूछने वाले अबू बक्र और उमर से आप ने कहा: “नहीं, वह जूता गाँठने वाला है” (अबू सईद ख़ुदरी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 36–38 (656–658 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 234 (Sıffîn vakasını ve iki hakemi haber vermesi)

2151. आप ने अली से वचन के रूप में कहा: “मेरे बाद उम्मत तुम्हारे साथ विश्वासघात करेगी”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अली से वचन के रूप में कहा: “मेरे बाद उम्मत तुम्हारे साथ विश्वासघात करेगी।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 36–40 (656–661 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 235 (Sıffîn vakasını ve iki hakemi haber vermesi)

2152. आप ने अली से फ़रमाया: “फ़ितने होंगे, तुम्हारी क़ौम तुमसे झगड़ेगी”; “आप क्या...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अली से फ़रमाया: “फ़ितने होंगे, तुम्हारी क़ौम तुमसे झगड़ेगी”; “आप क्या आदेश देते हैं?” पूछे जाने पर कहा: “किताब (क़ुरआन) के अनुसार फ़ैसला करना।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 36–38 (656–658 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 235 (Sıffîn vakasını ve iki hakemi haber vermesi)

2153. आप ने फ़रमाया: “मैं तुम्हें सात फ़ितनों से सावधान करता हूँ: मदीना से, मक्का से...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मैं तुम्हें सात फ़ितनों से सावधान करता हूँ: मदीना से, मक्का से, यमन से, शाम से, पूरब से, पश्चिम से, और शाम के भीतर से उठने वाला फ़ितना (सुफ़यानी)”; इब्ने मसऊद ने कहा: “तुममें से कुछ पहले को पाएँगे, और इस उम्मत के कुछ लोग अंतिम को”; वलीद बिन अय्याश ने मदीना के फ़ितने को तलहा और ज़ुबैर, मक्का के फ़ितने को इब्ने ज़ुबैर, और शाम के फ़ितने को उमय्या वंश बताया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 36 (जमल), हिजरी 64–73 (इब्ने ज़ुबैर), उमवी दौर और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 235 (Sıffîn vakasını ve iki hakemi haber vermesi)

2154. आप ने इमरान बिन हुसैन ज़ब्बी से क़ुरैश के बारे में फ़रमाया: “अगर तुम्हारी आयु...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने इमरान बिन हुसैन ज़ब्बी से क़ुरैश के बारे में फ़रमाया: “अगर तुम्हारी आयु लंबी हुई, तो तुम देखोगे कि वे लोगों को फ़ितने में डालते हैं, और लोग उनके बीच कभी इसके, कभी उसके पास जाते हैं”; बुढ़ापे में इमरान ने बसरा में देखा कि लोग एक वर्ष मुआविया के और अगले वर्ष इब्ने अब्बास के दरवाज़े पर अनुमति की प्रतीक्षा करते हैं, और उन्हें यह बात याद आई।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 36–41 (बसरा)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 262 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2155. आप ने बताया कि एक ही दावा रखने वाले मुसलमानों के दो बड़े समूह आपस में लड़ेंगे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि एक ही दावा रखने वाले मुसलमानों के दो बड़े समूह आपस में लड़ेंगे और बहुत से लोग मारे जाएँगे (सिफ़्फ़ीन)।

पूर्ति: हिजरी 37 (657 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.199; 19. Mektup listesi (183.txt) no.17, 92; 1000 Mucize no.600 (s.588); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3608-3609; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 234; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 293; Kütüb-i Sitte: Buharî, Fiten 24, Menakıb 25, İstitabe 8; Müslim, İman 248, (157), Fiten 17, (157) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5021, c./s. 14/312]

2156. मस्जिद के निर्माण में ईंटें ढोते अम्मार से आप ने कहा: “तुम्हें विद्रोही (बाग़ी)...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मस्जिद के निर्माण में ईंटें ढोते अम्मार से आप ने कहा: “तुम्हें विद्रोही (बाग़ी) दल मारेगा”; अम्मार सिफ़्फ़ीन में शहीद किए गए।

ख़बर: हिजरी 1; पूर्ति: हिजरी 37 (657 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.2 s.241; Beyhakî, Delâil c.5 s.200; İbn Kesîr s.158; 19. Mektup listesi (183.txt) no.93; 1000 Mucize no.456 (s.450); web: Mişkâtü'l-Mesâbîh, Fezâil, bâbün fi'l-mu'cizât, no. 5878; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 239; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 293-295; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 311; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 113, 119, 123, 142; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 68; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 91; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 122; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 105, hadis no. 97/6 sonrası; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Ammar b. Yâsir İle Alakalı Gaybî İhbar" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c.3, s.217; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c.3, s.91; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c.2, s.142-143; Zehebî, Siyer, c:1, s:303; Semhûdi, Vefâu'l-vefâ, c:1, s:329); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Salât 63, Cihad 17; Müslim 2915-2916 (satırdan) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4438, c./s. 12/506-507]

2157. आप ने अली के समय में नियुक्त होने वाले दो पंचों की ख़बर दी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अली के समय में नियुक्त होने वाले दो पंचों की ख़बर दी।

पूर्ति: हिजरी 37–38 (657–658 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.203; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 234; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 296-297

2158. आप ने बताया कि अली के बारे में दो समूह नष्ट होंगे: हद से अधिक प्रेम करने वाला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अली के बारे में दो समूह नष्ट होंगे: हद से अधिक प्रेम करने वाला और हद से अधिक द्वेष रखने वाला।

पूर्ति: हिजरी 37 के बाद

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.89; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 251

2159. आप ने अम्मार बिन यासिर को बताया कि दुनिया में उनका अंतिम पेय एक घूँट दूध होगा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अम्मार बिन यासिर को बताया कि दुनिया में उनका अंतिम पेय एक घूँट दूध होगा; सिफ़्फ़ीन के दिन अम्मार ने दूध माँगा, उसे पीकर युद्ध में उतरे और शहीद हुए।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 37 (657 ईस्वी), सिफ़्फ़ीन

स्रोत 1000 Mucize no.457 (s.451); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 239; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 294; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 124; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 91-92; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 105, hadis no. 97/6 sonrası; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Ammar b. Yâsir İle Alakalı Gaybî İhbar" (kitabın dipnotu: Ebu'l-Fidâ, Nihâye, c.3, s.217; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c.3, s.91; İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c.2, s.142-143; Zehebî, Siyer, c:1, s:303; Semhûdi, Vefâu'l-vefâ, c:1, s:329)

2160. आप ने ख़बर दी कि आख़िरी ज़माने में कम उम्र, कम बुद्धि वाला एक समूह निकलेगा, जो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि आख़िरी ज़माने में कम उम्र, कम बुद्धि वाला एक समूह निकलेगा, जो अच्छी बातें कहेगा, पर इस्लाम से ऐसे निकल जाएगा जैसे तीर कमान से निकलता है, और जिसका ईमान उसके गले से नीचे नहीं उतरेगा।

पूर्ति: अली की ख़िलाफ़त, ख़वारिज का उदय (लगभग हिजरी 37–38 / 657–658 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.596 (s.584); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3611; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 299; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 92; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Fezâilu'l-Kur'ân 36, Menakıb 25, İstitâbe 6; Müslim, Zekât 154, (1066); Ebu Davud, Sünnet 31, (4767); Nesâî, Tahrîm 26 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4815, c./s. 13/492-493]

2161. आप ने बताया कि अली “क़सीमुन नार” (आग को बाँटने वाले) हैं, उनके मित्र जन्नत में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अली “क़सीमुन नार” (आग को बाँटने वाले) हैं, उनके मित्र जन्नत में और उनके शत्रु आग में जाएँगे; क़ाज़ी इयाज़: उनसे शत्रुता रखने वाले ख़ारिजी और नासिबी हैं, और उनसे जुड़े राफ़िज़ियों में से वह गुट जो उन्हें काफ़िर ठहराता है।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 37 के बाद

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2162. आप ने फ़रमाया: “क़ुरैश अम्मार पर टूट पड़े हैं; अम्मार का हत्यारा और उसका सामान...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “क़ुरैश अम्मार पर टूट पड़े हैं; अम्मार का हत्यारा और उसका सामान लूटने वाला जहन्नम में है” (अम्र बिन आस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: सिफ़्फ़ीन, हिजरी 37 (657 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 239 (Ammâr b. Yâsir'in öldürüleceğini haber vermesi)

2163. आप ने बताया कि जब मुसलमान दो भागों में बँट जाएँगे, तो दीन से निकल जाने वाला एक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब मुसलमान दो भागों में बँट जाएँगे, तो दीन से निकल जाने वाला एक फ़िरक़ा प्रकट होगा, और उसे सत्य के अधिक निकट वाला पक्ष मारेगा (नहरवान)।

पूर्ति: हिजरी 38 (658 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.204; 1000 Mucize no.458 (s.451); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 250; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 298; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Müslim, Zekat 150, (1065); Ebu Davud, Sünnet 13, (4467) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4782, c./s. 13/429]

2164. आप ने ख़ारिजियों की निशानी के रूप में एक काले व्यक्ति की ख़बर दी जिसकी एक बाँह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़ारिजियों की निशानी के रूप में एक काले व्यक्ति की ख़बर दी जिसकी एक बाँह स्त्री के स्तन या थरथराते मांस के टुकड़े जैसी होगी; अबू सईद ख़ुदरी ने गवाही दी कि जब अली ने उनसे युद्ध किया, तो उस व्यक्ति को खोजा गया और वह ठीक बताए गए रूप में मिला।

ख़बर: हिजरी 8 (630 ईस्वी); पूर्ति: नहरवान, हिजरी 38 (658 ईस्वी)

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3610

2165. आप ने अली को बताया कि उनके सिर पर वार किया जाएगा और उनकी दाढ़ी ख़ून से रंग...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अली को बताया कि उनके सिर पर वार किया जाएगा और उनकी दाढ़ी ख़ून से रंग जाएगी ("लोगों में सबसे अभागा" यह करेगा)।

पूर्ति: हिजरी 40 (661 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.220; İbn Kesîr s.161; 1000 Mucize no.459 (s.452); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 196; c. 2, s. 210; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 301, 301-302; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 319; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 119, 141; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 122; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95, 121; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 106, hadis no. 97/6 sonrası; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Hz. Ali'ye Şehit Edileceğinin Haber Verilişi" (kitabın dipnotu: İbn İshak-İbn Hişam, Sîre, c:2, s:249-250; Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:4, s:263)

2166. आप ने बताया कि क़ुरैज़ा के वंश से एक ऐसा व्यक्ति निकलेगा जो क़ुरआन सिखाएगा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़ुरैज़ा के वंश से एक ऐसा व्यक्ति निकलेगा जो क़ुरआन सिखाएगा (मुहम्मद बिन कअब क़ुरज़ी)।

पूर्ति: हिजरी 40–108

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.289; 1000 Mucize no.486 (s.479); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 227; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 344

2167. आप ने बार-बार ख़बर दी: "मेरे बाद मेरे अहले बैत को हत्या और देश-निकाले (क़त्ल और...)"

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बार-बार ख़बर दी: "मेरे बाद मेरे अहले बैत को हत्या और देश-निकाले (क़त्ल और तशरीद) का सामना करना पड़ेगा", और ठीक ऐसा ही हुआ।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 40 के बाद (उमवी और अब्बासी दौर)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret (s. 146)

2168. आप ने ख़बर दी: "मेरे बाद मेरे अहले बैत विपत्ति और देश-निकाला देखेंगे; अंत में..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: "मेरे बाद मेरे अहले बैत विपत्ति और देश-निकाला देखेंगे; अंत में पूरब से काले झंडों वाला एक समूह आएगा और यह काम मेरे अहले बैत में से एक व्यक्ति को सौंप देगा, और वह धरती को न्याय से भर देगा" (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 40 के बाद और हिजरी 132 में

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 203 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2169. जब अली गंभीर रूप से बीमार हुए और अबू बक्र और उमर को उनके मरने का डर हुआ, तो आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब अली गंभीर रूप से बीमार हुए और अबू बक्र और उमर को उनके मरने का डर हुआ, तो आप ने फ़रमाया: “वह इस बीमारी से नहीं मरेगा; जब तक क्रोध से भर न जाए, नहीं मरेगा, और मारा जाकर ही मरेगा” (अनस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 40 (661 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 211 (Hz. Ali'nin öldürüleceğini haber vermesi)

2170. आप के बालों में कंघी करती और सुरमा लगाती उम्मुल फ़ज़्ल का आँसू आप के गाल पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के बालों में कंघी करती और सुरमा लगाती उम्मुल फ़ज़्ल का आँसू आप के गाल पर गिरा; “हमें वसीयत कीजिए” कहने वाली उम्मुल फ़ज़्ल से आप ने फ़रमाया: “मेरे बाद तुम लोग दबाए जाओगे और कमज़ोर कर दिए जाओगे (मुस्तज़अफ़)” (ज़ैद बिन अली बिन हुसैन की रिवायत)।

ख़बर: लगभग हिजरी 11 (632 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 40 के बाद (उमवी दौर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 229 (Ümmü'l-Fadl'a kendisinden sonra olacakları haber vermesi)

2171. रकाब में पैर रखते अली से अब्दुल्लाह बिन सलाम ने कहा: “इराक़ न जाइए; गए तो वहाँ...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

रकाब में पैर रखते अली से अब्दुल्लाह बिन सलाम ने कहा: “इराक़ न जाइए; गए तो वहाँ आप को तलवार की धार छू लेगी”; अली ने कहा: “अल्लाह की क़सम, अल्लाह के रसूल ﷺ ने यह बात मुझसे तुमसे पहले ही कह दी थी” (अबुल असवद दुअली की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; रिवायत: हिजरी 36; पूर्ति: कूफ़ा, हिजरी 40 (661 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 235 (Sıffîn vakasını ve iki hakemi haber vermesi)

2172. आप ने ताबिईन में सबसे श्रेष्ठ उवैस क़रनी की उनके गुणों (उनकी माँ, सफ़ेद दाग़ की...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ताबिईन में सबसे श्रेष्ठ उवैस क़रनी की उनके गुणों (उनकी माँ, सफ़ेद दाग़ की बीमारी का निशान) के साथ ख़बर दी; उमर ने उन्हें ठीक वैसा ही पाया।

पूर्ति: लगभग हिजरी 20 (लगभग 641 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.150; 1000 Mucize no.483 (s.475); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 220; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 272; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 122; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezâilu's-Sahâbe 225, (2542) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4552, c./s. 13/118-119]

2173. आठ वर्ष बाद आप ने उहुद के शहीदों पर जनाज़े की नमाज़ जैसी नमाज़ पढ़ी, और मिंबर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आठ वर्ष बाद आप ने उहुद के शहीदों पर जनाज़े की नमाज़ जैसी नमाज़ पढ़ी, और मिंबर पर फ़रमाया: “मैं इस समय अपने हौज़ को देख रहा हूँ; मुझे धरती के ख़ज़ानों की कुंजियाँ दी गई हैं; मुझे यह डर नहीं कि मेरे बाद तुम शिर्क की ओर लौट जाओगे, बल्कि यह डर है कि तुम दुनिया के लिए होड़ करोगे” (उक़बा बिन आमिर की रिवायत)।

ख़बर: हिजरी 11 (632 ईस्वी), वफ़ात से कुछ समय पहले; पूर्ति: विजयें और बाद में धन की होड़

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3596

2174. ख़ंदक़ खोदते समय एक कठोर चट्टान आने पर आप मुस्कुराए; कारण पूछे जाने पर आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ंदक़ खोदते समय एक कठोर चट्टान आने पर आप मुस्कुराए; कारण पूछे जाने पर आप ने फ़रमाया: “मैं उस समूह पर हँसा जिसे पूरब से ज़ंजीरों में जकड़कर लाया जाएगा और न चाहते हुए भी जन्नत की ओर ले जाया जाएगा”, और इस तरह बंदियों के मुसलमान होने की ख़बर दी।

ख़बर: ख़ंदक़, हिजरी 5; पूर्ति: विजयों का दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 379 (Hendek gazvesindeki âyetler)

2175. “अकाल (ज़बु) ने हमें खा डाला” कहकर शिकायत करने वाले व्यक्ति से आप ने फ़रमाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

“अकाल (ज़बु) ने हमें खा डाला” कहकर शिकायत करने वाले व्यक्ति से आप ने फ़रमाया: “मुझे तुम्हारे लिए अकाल से नहीं, किसी और चीज़ से डर है: दुनिया के तुम पर बरसा दिए जाने से; काश, मेरी उम्मत सोना न पहने।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: विजयों के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 186 (Kendisinden sonra olacağını haber verip öylece gerçekleşen olaylara dair mucizeler)

2176. आप ने अबुद दर्दा से फ़रमाया: “अगर तुम किसी जगह दो लोगों को एक बालिश्त ज़मीन के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अबुद दर्दा से फ़रमाया: “अगर तुम किसी जगह दो लोगों को एक बालिश्त ज़मीन के लिए झगड़ते सुनो, तो वहाँ से निकल जाना”; जब दो लोग एक बालिश्त ज़मीन का मुक़दमा उनके पास लाए, तो अबुद दर्दा को यह बात याद आई और वे शाम चले गए।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: उमर और उस्मान का दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 231 (fitnelerin Hz. Ömer'in ölümünden sonra başlayacağını haber vermesi)

2177. आप ने यह कहकर ख़बर दी कि आप की उम्मत को दुनिया पर अधिकार दिया जाएगा: “दुनिया...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर ख़बर दी कि आप की उम्मत को दुनिया पर अधिकार दिया जाएगा: “दुनिया मीठी और हरी-भरी है; अल्लाह तुम्हें उसमें ख़लीफ़ा बनाएगा और देखेगा कि तुम कैसे काम करते हो; दुनिया और स्त्रियों (के फ़ितने) से बचो” (अबू सईद की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: विजयों का दौर

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 254 (Fasl fî tertîbi'l-ahbâr bi'l-guyûbi'l-müstakbele ba'deh)

2178. आप ने अब्दुल्लाह बिन हवाला अज़्दी को ख़बर दी: “शाम, रूम और फ़ारस तुम्हारे लिए...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल्लाह बिन हवाला अज़्दी को ख़बर दी: “शाम, रूम और फ़ारस तुम्हारे लिए जीते जाएँगे; यहाँ तक कि तुममें से किसी के पास इतने-इतने ऊँट और गाय-बैल होंगे, और किसी को सौ दीनार दिए जाएँगे तो वह उन्हें कम समझकर नाराज़ होगा।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 13–21

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 258, 260 (Fasl fî tertîbi'l-ahbâr bi'l-guyûbi'l-müstakbele ba'deh)

2179. किसी काम से आई एक स्त्री से आप ने बाद में आने को कहा; उस स्त्री ने (आप की वफ़ात...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

किसी काम से आई एक स्त्री से आप ने बाद में आने को कहा; उस स्त्री ने (आप की वफ़ात की ओर इशारा करते हुए) कहा: “अगर मैं आऊँ और आप को न पाऊँ तो?”, तो आप ने फ़रमाया: “अगर मुझे न पाओ, तो अबू बक्र के पास जाना।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 266 (Fasl fî tertîbi'l-ahbâr bi'l-guyûbi'l-müstakbele ba'deh)

2180. स्वयं को नबूवत में आप का साझी बताने वाले मुसैलिमा के पत्र का आप ने यह उत्तर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

स्वयं को नबूवत में आप का साझी बताने वाले मुसैलिमा के पत्र का आप ने यह उत्तर लिखा: “धरती अल्लाह की है, वह अपने बंदों में से जिसे चाहता है उसका वारिस बनाता है; और अंतिम परिणाम परहेज़गारों के लिए है”, और परिणाम ऐसा ही हुआ (रिद्दा के युद्धों में मुसैलिमा की हार)।

ख़बर: हिजरी 10–11; पूर्ति: हिजरी 12 (633 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 269 (Fasl fî tertîbi'l-ahbâr bi'l-guyûbi'l-müstakbele ba'deh)

2181. अमवास की ताऊन (महामारी) के समय मुआज़ बिन जबल ने यह ख़बर बयान की: “मैंने अल्लाह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अमवास की ताऊन (महामारी) के समय मुआज़ बिन जबल ने यह ख़बर बयान की: “मैंने अल्लाह के रसूल ﷺ से सुना है: यह (ताऊन) तुम्हारे रब की रहमत और तुम्हारे नबी की दुआ है; अल्लाह इसके द्वारा तुम्हें शहीद करेगा और तुम्हारे कर्मों को पवित्र करेगा”; जब उन्होंने अपने लिए भी इसका हिस्सा माँगा, तो उनकी उँगली में ताऊन लग गई, और वे अपने बेटे के साथ चल बसे।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: अमवास का ताऊन (महामारी), शाम, हिजरी 18 (639 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 273-274 (bâb: gelecekteki gaybları haber vermesi; Beyhakî'nin Delâil'inden)

2182. एक सभा में फ़ितनों को गिनाते हुए आप ने फ़रमाया: “तीन ऐसे हैं जो लगभग कुछ नहीं...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक सभा में फ़ितनों को गिनाते हुए आप ने फ़रमाया: “तीन ऐसे हैं जो लगभग कुछ नहीं छोड़ेंगे; कुछ गर्मियों की हवाओं जैसे हैं, उनमें छोटे भी हैं और बड़े भी”; हुज़ैफ़ा ने कहा कि वे क़यामत तक होने वाले फ़ितनों को सबसे अच्छी तरह जानने वाले व्यक्ति हैं; बैहक़ी के अनुसार हुज़ैफ़ा पहले फ़ितने (उस्मान की शहादत) के बाद मर गए, और बाक़ी दो अली के समय में हुए।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35–40 (656–661 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 283 (Hz. Osman'ın son günleri ile Hz. Ali'nin hilâfetindeki fitneleri haber vermesi)

2183. ज़ुबैर बिन अव्वाम ने कहा कि जब “उस फ़ितने से बचो जो केवल तुम्हारे अत्याचारियों...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ज़ुबैर बिन अव्वाम ने कहा कि जब “उस फ़ितने से बचो जो केवल तुम्हारे अत्याचारियों पर ही नहीं पड़ेगा” (सूरह अल-अनफ़ाल, आयत 25) वाली आयत उतरी, तो उन्होंने पूछा था: “यह फ़ितना क्या है?”, और अंत में वह उन्हीं पर आ पड़ा; ज़ुबैर जमल से लौटते समय वादियुस सिबा में मारे गए।

ख़बर: मदनी दौर (आयत का अवतरण); पूर्ति: जमल का युद्ध, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 285 (Hz. Osman'ın son günleri ile Hz. Ali'nin hilâfetindeki fitneleri haber vermesi)

2184. आप ने एक फ़ितने का उल्लेख करके उसे बड़ा बताया, तो सहाबा ने कहा: “अगर हम उस तक...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने एक फ़ितने का उल्लेख करके उसे बड़ा बताया, तो सहाबा ने कहा: “अगर हम उस तक पहुँचे तो नष्ट हो जाएँगे”, और आप ने फ़रमाया: “नहीं, तुम्हारे लिए मारा जाना ही पर्याप्त है”; सईद बिन ज़ैद ने कहा: “मैंने अपने भाइयों को मारे जाते देखा।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35–37 (656–657 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 285 (Hz. Osman'ın son günleri ile Hz. Ali'nin hilâfetindeki fitneleri haber vermesi)

2185. आप ने मुहम्मद बिन मसलमा से फ़रमाया: “फ़ितना, फूट और मतभेद होगा; तब अपनी तलवार...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने मुहम्मद बिन मसलमा से फ़रमाया: “फ़ितना, फूट और मतभेद होगा; तब अपनी तलवार उहुद (हर्रा के पत्थर) पर मारकर तोड़ देना, अपने तीर तोड़ देना और अपने घर में बैठ जाना”; उन्होंने ऐसा ही किया और लकड़ी की तलवार रख ली (अबू बुरदा और महमूद बिन लबीद की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35–37 (656–657 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 286 (Hz. Osman'ın son günleri ile Hz. Ali'nin hilâfetindeki fitneleri haber vermesi)

2186. उहबान बिन सैफ़ी ग़िफ़ारी ने उन्हें अपने पास बुलाने वाले अली से यह कहकर अपनी...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

उहबान बिन सैफ़ी ग़िफ़ारी ने उन्हें अपने पास बुलाने वाले अली से यह कहकर अपनी लकड़ी की तलवार दिखाई: “मेरे प्रिय मित्र और आप के चचेरे भाई ने मुझे बताया था कि फ़ितना और मतभेद होगा, और मुझसे वचन लिया था: ‘अपनी तलवार तोड़ देना, लकड़ी की तलवार रख लेना और अपने घर में बैठ जाना’” (उनकी बेटी उदैसा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: अली का बसरा आना, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 287 (Hz. Osman'ın son günleri ile Hz. Ali'nin hilâfetindeki fitneleri haber vermesi)

2187. आप ने फ़रमाया: “जब लोग मतभेद में पड़ेंगे, तो इब्ने सुमैया (अम्मार) सत्य के साथ...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “जब लोग मतभेद में पड़ेंगे, तो इब्ने सुमैया (अम्मार) सत्य के साथ होगा”; अम्मार सिफ़्फ़ीन में अली के पक्ष में रहे और शाम वालों के हाथों मारे गए (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: सिफ़्फ़ीन, हिजरी 37 (657 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 294 (Hz. Osman'ın son günleri ile Hz. Ali'nin hilâfetindeki fitneleri haber vermesi)

2188. आप ने पूरब की ओर इशारा करके ख़बर दी कि वहाँ से मुँडे सिरों वाला एक समूह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने पूरब की ओर इशारा करके ख़बर दी कि वहाँ से मुँडे सिरों वाला एक समूह निकलेगा, जो क़ुरआन को ज़बान से पढ़ेगा पर वह उनके गले से नीचे नहीं उतरेगा; उनकी निशानी सिर मुँडाना है, और वे “सृष्टि में सबसे बुरे” हैं (सहल बिन हुनैफ़, अबू ज़र और अनस की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: ख़वारिज का उदय, हिजरी 37–38 (657–658 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 299 (Hâricîleri ve onlarla savaşılacağını haber vermesi)

2189. आप ने ज़ुस सुदैया का उल्लेख करके फ़रमाया: “वह गड्ढे का शैतान (शैतानुर रद्हा)...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ज़ुस सुदैया का उल्लेख करके फ़रमाया: “वह गड्ढे का शैतान (शैतानुर रद्हा) है; उसे बजीला का अशहब (या इब्नुल अशहब) नाम का एक व्यक्ति गिराएगा; वह एक अत्याचारी समूह में एक निशानी है”; साद ने कहा: “उसे अली बिन अबी तालिब (के साथियों) ने मारा” (साद बिन अबी वक़्क़ास की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: नहरवान, हिजरी 38 (658 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 300 (Hâricîleri ve onlarla savaşılacağını haber vermesi)

2190. आइशा ने कहा: “मरवा की सेना (जैशुल मरवा) और नहरवान वाले मुहम्मद ﷺ की ज़बान से...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आइशा ने कहा: “मरवा की सेना (जैशुल मरवा) और नहरवान वाले मुहम्मद ﷺ की ज़बान से लानत किए गए हैं”; मरवा की सेना को उस्मान के विरुद्ध चढ़ाई करने वालों के रूप में समझाया गया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 35 और हिजरी 38

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 300 (Hâricîleri ve onlarla savaşılacağını haber vermesi)

2191. किसरा की बेटी बूरान के सिंहासन पर बैठने की ख़बर पहुँची, तो आप ने फ़रमाया: “जो...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

किसरा की बेटी बूरान के सिंहासन पर बैठने की ख़बर पहुँची, तो आप ने फ़रमाया: “जो क़ौम अपने मामले एक स्त्री को सौंप दे, वह सफल नहीं होगी”; इसके बाद सासानी राज्य बिखर गया, और यज़्दगिर्द भागते हुए मारा गया।

ख़बर: हिजरी 8–9 (630 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 14–31 (635–651 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 79 (fasl: önceki kitaplarda Hz. Peygamber'in anılması)

2192. अली से खड़े होकर बात करते ज़ुबैर से आप ने कहा: “तुम उससे क्या कह रहे हो? अल्लाह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली से खड़े होकर बात करते ज़ुबैर से आप ने कहा: “तुम उससे क्या कह रहे हो? अल्लाह की क़सम, अरबों में से उसकी बैअत सबसे पहले तोड़ने वाले तुम होगे” (इमाम मुहम्मद बाक़िर से, जाबिर जुअफ़ी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: जमल का युद्ध, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 97 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

2193. हुदैबिया की संधि लिखते समय सुहैल बिन अम्र ने “रसूलुल्लाह” शब्द पर आपत्ति की, तो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुदैबिया की संधि लिखते समय सुहैल बिन अम्र ने “रसूलुल्लाह” शब्द पर आपत्ति की, तो आप ने अली से कहा: “जैसा वे चाहते हैं, लिख दो; मेरे बाद तुम्हारे साथ भी ऐसा ही होगा”; सिफ़्फ़ीन में मुआविया और अम्र बिन आस के “अमीरुल मोमिनीन” शब्द पर आपत्ति करने से यह पूरा हुआ (अली से, ईसा बिन अब्दुल्लाह हाशिमी की रिवायत)।

ख़बर: हुदैबिया, हिजरी 6 (628 ईस्वी); पूर्ति: सिफ़्फ़ीन की मध्यस्थता (तहकीम), हिजरी 37 (657 ईस्वी)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 1, s. 116-117 (el-Bâbü'l-evvel fî mu'cizâti nebiyyinâ Muhammed)

2194. उबई बिन कअब की रिवायत के अनुसार आप ने यह कहकर ख़बर दी कि आप की उम्मत धरती पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उबई बिन कअब की रिवायत के अनुसार आप ने यह कहकर ख़बर दी कि आप की उम्मत धरती पर प्रभुत्व पाएगी: “इस उम्मत को सम्मान, ऊँचाई, विजय और धरती पर सत्ता का शुभ समाचार दो; उनमें से जो आख़िरत का कर्म दुनिया के लिए करेगा, आख़िरत में उसका कोई हिस्सा नहीं” (सूरह अत-तौबा, आयत 33 की तफ़सीर में)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: विजयों का दौर (हिजरी 11 के बाद)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 89 (2. bâb: gayb ve gelecek haberleri)

2195. आप ने यह कहकर संकेत दिया कि आप के बाद आप की उम्मत आपस में लड़ेगी: “मेरे बाद...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर संकेत दिया कि आप के बाद आप की उम्मत आपस में लड़ेगी: “मेरे बाद एक-दूसरे की गर्दनें मारने वाले काफ़िर बनकर न लौट जाना।”

ख़बर: हज्जतुल विदा, हिजरी 10 (632 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 35 के बाद के फ़ितने

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 90 (2. bâb: gayb ve gelecek haberleri)

2196. मस्जिद में उस्मान से बात करते हुए चल रहे अबू ज़र से आप ने पूछा: “तुम उस्मान से...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिद में उस्मान से बात करते हुए चल रहे अबू ज़र से आप ने पूछा: “तुम उस्मान से क्या कानाफूसी कर रहे थे?”, और फ़रमाया: “जान लो कि वह तुमसे द्वेष रखेगा, और तुम उससे द्वेष रखोगे; तुम दोनों में से जो अत्याचारी होगा, वह आग में है”; अबू ज़र ने पूछा: “हममें से अत्याचारी कौन होगा?”, तो आप ने कहा: “ऐ अबू ज़र, सच कहो चाहे कड़वा हो; तुम अपने वचन पर रहते हुए मुझसे मिलोगे।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 30–32 (अबू ज़र का रबज़ा निर्वासन)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 489-490 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

2197. आप ने तलहा से कहा: “तुम अत्याचार करते हुए अली से लड़ोगे”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने तलहा से कहा: “तुम अत्याचार करते हुए अली से लड़ोगे।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: जमल का युद्ध, हिजरी 36 (656 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 95 (fasl fî mu'cizât akvâlihî (gayb haberleri))

2198. आप ने सलमान फ़ारसी से फ़रमाया: “तुम्हारे सिर पर किसरा का ताज रखा जाएगा”, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने सलमान फ़ारसी से फ़रमाया: “तुम्हारे सिर पर किसरा का ताज रखा जाएगा”, और विजय के समय वह ताज उनके सिर पर रखा गया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 16 (637 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 131 (Bâb 11: gaybî haberleri)

2199. आप ने अभी न जीती गई शाम की भूमि में से बैत ऐनून (हेब्रोन) के क्षेत्र को “जब...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अभी न जीती गई शाम की भूमि में से बैत ऐनून (हेब्रोन) के क्षेत्र को “जब अल्लाह मुझे धरती देगा” की शर्त के साथ तमीम दारी और उनके क़बीले को लिखित रूप में दान कर दिया (विजय की पहले से ख़बर)।

ख़बर: हिजरी 9; पूर्ति: हिजरी 15–16 (636–637 ईस्वी)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 135 (Bâb 11: gaybî haberleri)

2200. नख़अ के वफ़्द के ज़ुरारा बिन अम्र ने सपने में अपने और अपने बेटे के बीच एक आग...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नख़अ के वफ़्द के ज़ुरारा बिन अम्र ने सपने में अपने और अपने बेटे के बीच एक आग फैली देखी; आप ने इसकी ताबीर आप के बाद उठने वाले उस फ़ितने से की जिसमें मोमिन का ख़ून बहाना शहद और पानी से भी मीठा लगेगा, और फ़रमाया: “अगर तुम मर गए तो तुम्हारा बेटा उसे देखेगा, और अगर तुम्हारा बेटा पहले मर गया तो तुम देखोगे”; ज़ुरारा के अनुरोध पर आप ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे वह फ़ितना न दिखाना”; ज़ुरारा अपने बेटे से पहले चल बसे, और उनका बेटा उस्मान को ख़िलाफ़त से हटाने वालों में था।

ख़बर: नख़ा का वफ़्द, मुहर्रम हिजरी 11 (632 ईस्वी), किताब के अनुसार; पूर्ति: हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -2 (2023), "Zürâre b. Amr'ın Gelirken Yolda Gördüğü Rüyayı Peygamberimiz Aleyhisselâma Anlatıp Yordurması" (kitabın dipnotu: İbn Hacer, el-İsâbe, c:1, s:548; Halebî, İnsanu'l-uyûn, c:3, s:279)

42 · वफ़ात के बाद पूरी हुई भविष्यवाणियाँ: उमवी दौर (हिजरी 41–132)

2201. आप ने बताया कि नबूवत और ख़िलाफ़त के बाद “काटने वाली” और “ज़बरदस्ती वाली”...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि नबूवत और ख़िलाफ़त के बाद “काटने वाली” और “ज़बरदस्ती वाली” बादशाहतें आएँगी।

पूर्ति: हिजरी 41 के बाद

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.114; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 197; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 264, 341; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen)

2202. आप ने अपने नवासे हसन के बारे में फ़रमाया: “मेरा यह बेटा सरदार (सैयिद) है...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने नवासे हसन के बारे में फ़रमाया: “मेरा यह बेटा सरदार (सैयिद) है; अल्लाह इसके द्वारा मुसलमानों के दो बड़े समूहों में मेल कराएगा।”

पूर्ति: हिजरी 41 (661 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.225; İbn Kesîr s.162; 1000 Mucize no.460 (s.453); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3629; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; A'zamî, el-Câmiu'l-Kâmil, Sîre, bâb 598; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 226; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 303-304; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 313; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 142; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 122; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Sulh 9, Menâkıb 25, Fedailu'l-Ashâb 22, Fiten 20 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1746, c./s. 6/500-501]

2203. आप ने मुआविया से यह कहकर उनके शासन का संकेत दिया: “अगर तुम सत्ता में आओ, तो...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने मुआविया से यह कहकर उनके शासन का संकेत दिया: “अगर तुम सत्ता में आओ, तो अल्लाह से डरना और न्याय करना।”

पूर्ति: हिजरी 41–60

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.229; 1000 Mucize no.463 (s.456); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 198; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 305; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 106, hadis no. 97/6 sonrası

2204. आप ने सपने में देखा कि बनू उमय्या आप के मिंबर पर उछल-कूद कर रहे हैं

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि बनू उमय्या आप के मिंबर पर उछल-कूद कर रहे हैं।

पूर्ति: हिजरी 41–132 (661–750 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.298; 19. Mektup listesi (183.txt) no.20; 1000 Mucize no.988 (s.801); web: Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 200 saltanatını

haber vermesi); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 349; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 106, hadis no. 97/6 sonrası; Kütüb-i Sitte: Tirmizî

2205. आप ने ख़बर दी कि उमय्या वंश का राज्य उभरेगा, उसके अधिकांश शासक अत्याचारी होंगे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि उमय्या वंश का राज्य उभरेगा, उसके अधिकांश शासक अत्याचारी होंगे, और उनमें यज़ीद और वलीद होंगे।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 41–132 (661–750 ईस्वी)

स्रोत Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret (s. 153)

2206. आप ने अब्दुल्लाह बिन हवाला के सिर पर हाथ रखकर ख़बर दी: “जब तुम देखो कि ख़िलाफ़त...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल्लाह बिन हवाला के सिर पर हाथ रखकर ख़बर दी: “जब तुम देखो कि ख़िलाफ़त पवित्र भूमि (शाम) में उतर आई है, तो भूकंप, विपत्तियाँ और बड़ी घटनाएँ निकट आ चुकी होंगी; उस दिन क़यामत लोगों के इतनी निकट होगी जितना मेरा यह हाथ तुम्हारे सिर के निकट भी नहीं।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: ख़िलाफ़त का शाम चले जाना, हिजरी 41 (661 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 198 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2207. आप ने मुआविया से कहा: “अगर अल्लाह तुम्हें एक कुर्ता पहनाए (तुम्हें मेरी उम्मत...)”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने मुआविया से कहा: “अगर अल्लाह तुम्हें एक कुर्ता पहनाए (तुम्हें मेरी उम्मत के मामलों का शासक बनाए), तो तुम्हारा क्या हाल होगा?”; उम्मे हबीबा ने पूछा: “क्या अल्लाह मेरे भाई को यह देगा?”, तो आप ने फ़रमाया: “हाँ, पर उसमें कुछ कमियाँ (हनात) होंगी” (आइशा और उम्मे हबीबा की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 41–60 (661–680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 198 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2208. आप ने सपने में देखा कि बनू उमय्या एक-एक करके आप के मिंबर पर ख़ुतबा दे रहे हैं...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने सपने में देखा कि बनू उमय्या एक-एक करके आप के मिंबर पर ख़ुतबा दे रहे हैं, और आप दुखी हुए; इस पर सूरह अल-कौसर और सूरह अल-क़द्र उतरीं; “हज़ार महीनों से बेहतर” शब्दों को उमय्या शासन का संकेत माना गया, और क़ासिम बिन फ़ज़्ल की गणना के अनुसार वह शासन ठीक हज़ार महीने चला (हसन बिन अली की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 41–132 (661–750 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 201 (Emevîlerin (Benî Ümeyye) saltanatını haber vermesi)

2209. आप ने मुआज़ बिन जबल से फ़रमाया: “जब तक अनुदान उपहार रहे, उसे लो; जब वह दीन के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने मुआज़ बिन जबल से फ़रमाया: “जब तक अनुदान उपहार रहे, उसे लो; जब वह दीन के बदले रिश्वत बन जाए, तो न लो, पर ग़रीबी और ज़रूरत के कारण तुम उसे छोड़ न सकोगे; इस्लाम की चक्की घूम रही है; किताब और सुल्तान अलग हो जाएँगे, तुम किताब से अलग न होना; तुम पर ऐसे अमीर आएँगे कि अगर उनकी बात मानोगे तो वे तुम्हें भटका देंगे, और अगर अवज्ञा करोगे तो तुम्हें मार डालेंगे”, और उनसे ईसा के साथियों की तरह सब्र करने को कहा।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 41 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 262 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2210. आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद ऐसे सुल्तान होंगे जिनके दरवाज़ों पर फ़ितने ऊँटों के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद ऐसे सुल्तान होंगे जिनके दरवाज़ों पर फ़ितने ऊँटों के बाड़ों की तरह बैठे होंगे; वे किसी को दुनिया में से कुछ नहीं देंगे जब तक उसके दीन में से उतना ही न ले लें” (अब्दुल्लाह बिन हारिस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 41 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 262 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2211. आप ने ख़बर दी: “इस्लाम की कड़ियाँ एक-एक करके खुलती जाएँगी; जब भी कोई कड़ी...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “इस्लाम की कड़ियाँ एक-एक करके खुलती जाएँगी; जब भी कोई कड़ी खुलेगी, लोग उसके बाद वाली को पकड़ लेंगे; सबसे पहले खुलने वाली शासन (न्याय से शासन) होगी, और सबसे अंतिम नमाज़” (अबू उमामा बाहिली की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 41 से

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 265 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2212. अपने पीछे सवारी पर बैठे मुआविया से आप ने पूछा: “तुम्हारा कौन-सा अंग मुझसे छू...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने पीछे सवारी पर बैठे मुआविया से आप ने पूछा: “तुम्हारा कौन-सा अंग मुझसे छू रहा है?”, और “मेरा पेट” उत्तर पाकर दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसे ज्ञान और सहनशीलता से भर दे”; मुआविया अपनी सहनशीलता के लिए प्रसिद्ध हुए (वहशी की रिवायत)।

मदनी दौर (हिजरी 8–11); पूर्ति: हिजरी 41–60

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 293 (duaların kabulündeki mucizeler)

2213. आप ने बताया कि अब्दुल्लाह बिन सलाम जन्नती हैं और मृत्यु तक इस्लाम पर क़ायम...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अब्दुल्लाह बिन सलाम जन्नती हैं और मृत्यु तक इस्लाम पर क़ायम रहेंगे (खंभे और कड़े वाले सपने की ताबीर)।

पूर्ति: हिजरी 43 (663 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.246, 360; İbn Kesîr s.148, 167; 1000 Mucize no.452 (s.444), no.989 (s.802); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 221; c. 2, s. 301; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 248-249, 315-316; Kütüb-i Sitte:

Buharî, Menâkibu'l- Ensâr 19; Müslim, Fezâilu's-Sahabe 147, (2483) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4462, c./s. 13/8]

2214. आप ने फ़रमाया: “क़ैसर के नगर पर चढ़ाई करने वाली पहली सेना क्षमा की हुई है”; यह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “क़ैसर के नगर पर चढ़ाई करने वाली पहली सेना क्षमा की हुई है”; यह इस्तांबुल की पहली घेराबंदी में पूरा हुआ।

पूर्ति: हिजरी 49–52 (669–672 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.165; 1000 Mucize no.466 (s.459); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 190; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 309; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buhârî 2924

2215. आप ने बताया कि आप की उम्मत में सिला बिन अशयम नाम का एक व्यक्ति होगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत में सिला बिन अशयम नाम का एक व्यक्ति होगा।

पूर्ति: हिजरी पहली सदी का मध्य

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.156; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 226

2216. आप ने बताया कि क़दरिया (“इस उम्मत के मजूसी”) और राफ़िज़ा जैसे फ़िरक़े निकलेंगे

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़दरिया (“इस उम्मत के मजूसी”) और राफ़िज़ा जैसे फ़िरक़े निकलेंगे।

पूर्ति: हिजरी पहली सदी का अंत

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.340; 19. Mektup listesi (183.txt) no.88; 1000 Mucize no.564 (s.572); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 251; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Sünnet 17, (4691); Ebu Davud, Sünnet 17, (4692) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4847, c./s. 14/35; no. 4846, c./s. 14/34]

2217. आप ने बताया कि जिनके दिलों में टेढ़ापन है, वे मुहकम आयतों को छोड़कर मुतशाबिह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जिनके दिलों में टेढ़ापन है, वे मुहकम आयतों को छोड़कर मुतशाबिह आयतों के पीछे पड़ेंगे।

पूर्ति: हिजरी पहली सदी से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.338; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim

---

2218. आप ने बताया कि इराक़ अपना दिरहम और अपना माप, और शाम और मिस्र अपना दीनार और अपना...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि इराक़ अपना दिरहम और अपना माप, और शाम और मिस्र अपना दीनार और अपना माप रोक लेंगे।

पूर्ति: हिजरी पहली सदी के अंत से (एक व्याख्या के अनुसार)

स्रोत 1000 Mucize no.559 (s.569); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 189; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 261; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 33, (2896); Ebu Davud, Harac 29, (3035) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4792, c./s. 13/443]

2219. आप ने बताया कि छोटी आँखों, चपटी नाकों और ढाल जैसे चेहरों वाले तुर्कों से युद्ध...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि छोटी आँखों, चपटी नाकों और ढाल जैसे चेहरों वाले तुर्कों से युद्ध होगा।

पूर्ति: हिजरी पहली सदी – हिजरी 656 (मंगोल आक्रमण)

स्रोत İbn Kesîr s.172; 19. Mektup listesi (183.txt) no.111; 1000 Mucize no.492 (s.482); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3587; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 313-314, 312-313; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 315; Kütüb-i Sitte: Buharî, Cihad 95, 96, Menâkıb 25; Müslim, Fiten 62, (2912); Ebu Davud, Melahim 9, (4303, 4304); İbn Mâce 4099 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5017, c./s. 14/305; no. 7241]

2220. आप ने बताया कि धरती आप के लिए समेट दी गई, आप ने उसका पूरब और पश्चिम देखा, और आप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि धरती आप के लिए समेट दी गई, आप ने उसका पूरब और पश्चिम देखा, और आप की उम्मत का राज्य उन जगहों तक पहुँचेगा जो आप को दिखाई गईं; सहाबा के समय में एशिया, अफ़्रीका और यूरोप में विजयें हुईं, और फ़ारस और रूम का प्रभुत्व समाप्त हुआ।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: सहाबा के दौर की विजयें (हिजरी पहली सदी / सातवीं सदी ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.476 (s.466), no.496 (s.489); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 369; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 237, 396; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 311; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 136; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 98; al-shia.org (Farsça mucize listeleri); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 19, (2889); Tirmizî, Fiten 14, (2177); Ebu Davud, Fiten 1, (4252) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5575, c./s. 15/422]

2221. आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद एक ऐसा समूह आएगा जो एक-दूसरे को मारकर सत्ता हथियाएगा”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद एक ऐसा समूह आएगा जो एक-दूसरे को मारकर सत्ता हथियाएगा” (अम्मार बिन यासिर की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी पहली सदी और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 205 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2222. आप ने ख़बर दी: “शैतान शाम में एक चीख़ मारेगा, और वहाँ के दो-तिहाई लोग तक़दीर को...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “शैतान शाम में एक चीख़ मारेगा, और वहाँ के दो-तिहाई लोग तक़दीर को झुठलाएँगे” (अबू हुरैरा की रिवायत); क़दरिया शाम में प्रकट हुए।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी पहली सदी का अंत – दूसरी सदी का आरंभ (ग़ैलान और क़दरिय्या)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 227 (Vehb, Kurazî, Gaylân ve Velîd'i haber vermesi)

2223. मुआविया के आदमियों से भागते अम्र बिन हमिक़ ने अपने साथ के रिफ़ाआ बिन शद्दाद से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुआविया के आदमियों से भागते अम्र बिन हमिक़ ने अपने साथ के रिफ़ाआ बिन शद्दाद से कहा: “अल्लाह के रसूल ﷺ ने मुझे ख़बर दी थी कि मेरे ख़ून में जिन्न और मनुष्य साझी होंगे”; उनकी बात पूरी होने से पहले ही एक साँप ने उन्हें डस लिया, फिर पीछे से पहुँचे घुड़सवारों ने उनका सिर काट लिया, और यह इस्लाम में (एक जगह से दूसरी जगह) ले जाया गया पहला सिर था।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: लगभग हिजरी 50–51 (670–671 ईस्वी), मोसुल के आसपास

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 241 (Amr b. Hamık'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2224. आप ने ख़बर दी: “इस उम्मत का मामला तब तक ठीक चलेगा जब तक वे (मुशरिकों के) बच्चों...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “इस उम्मत का मामला तब तक ठीक चलेगा जब तक वे (मुशरिकों के) बच्चों और तक़दीर के बारे में बहस न करें”; और “तक़दीर के बारे में बात आख़िरी ज़माने में मेरी उम्मत के बुरे लोगों के लिए छोड़ दी गई है” (इब्ने अब्बास, अबू हुरैरा और अबू मूसा की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी पहली सदी का अंत और उसके बाद (तक़दीर पर बहसें)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 252 (Râfıza, Kaderiyye, Mürcie ve zındıkları haber vermesi)

2225. आप ने यह कहकर इन बातों के प्रकट होने की ख़बर दी: “मैं अपनी उम्मत के लिए तीन...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर इन बातों के प्रकट होने की ख़बर दी: “मैं अपनी उम्मत के लिए तीन चीज़ों से डरता हूँ: तारों से वर्षा की आशा रखना, सुल्तान का अत्याचार, और तक़दीर को झुठलाना” (जाबिर बिन समुरा, अनस और अबू उमामा की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी पहली सदी का अंत और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 263 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2226. आप ने बताया कि आप की पत्नी मैमूना मक्का में नहीं मरेंगी; उनकी मृत्यु सरिफ़ में...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की पत्नी मैमूना मक्का में नहीं मरेंगी; उनकी मृत्यु सरिफ़ में (जहाँ उनका निकाह हुआ था) हुई।

पूर्ति: हिजरी 51 (एक रिवायत में हिजरी 38)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.219; İbn Kesîr s.169; 1000 Mucize no.465 (s.458); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 252; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 317

2227. आप ने बताया कि शाम के अज़रा क्षेत्र में एक समूह अन्याय से मारा जाएगा (हुज्र बिन...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि शाम के अज़रा क्षेत्र में एक समूह अन्याय से मारा जाएगा (हुज्र बिन अदी और उनके साथी)।

पूर्ति: हिजरी 51 (671 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.240; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 240; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 124; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 92-93

2228. अली ने इराक़ वालों से कहा: “तुममें से सात लोग अज़रा में मारे जाएँगे; उनकी मिसाल...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली ने इराक़ वालों से कहा: “तुममें से सात लोग अज़रा में मारे जाएँगे; उनकी मिसाल अस्हाबे उख़दूद जैसी है”; हुज्र बिन अदी और उनके साथी वहीं मारे गए।

ख़बर: हिजरी 36–40; पूर्ति: हिजरी 51 (671 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 241 (Azrâ'da haksız yere öldürülecekleri haber vermesi)

2229. आप ने क़ैस बिन ख़रशा से कहा: “कोई तुम्हें हानि नहीं पहुँचा सकेगा”; उबैदुल्लाह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने क़ैस बिन ख़रशा से कहा: “कोई तुम्हें हानि नहीं पहुँचा सकेगा”; उबैदुल्लाह बिन ज़ियाद के यातना दे पाने से पहले ही क़ैस की मृत्यु हो गई।

पूर्ति: हिजरी 55–65

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.263; 1000 Mucize no.872 (s.731); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 254; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 334

2230. आप ने अपने सहाबा के एक समूह से कहा: “तुममें सबसे अंत में मरने वाला आग में है”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने सहाबा के एक समूह से कहा: “तुममें सबसे अंत में मरने वाला आग में है”; समुरा बिन जुंदुब उबलती देग में गिरकर मरे।

पूर्ति: हिजरी 58–59 (678–679 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.242; web: Heysemî, Mecmau'z-zevâid, K. Alâmâti'n-nübüvve, bâbü ihbârihî bi'l-muğayyebât, no 14077-14078; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 245; ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 95-96; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 318-319; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 132

2231. आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत का विनाश क़ुरैश के कुछ नौजवानों के हाथों होगा”; इसी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत का विनाश क़ुरैश के कुछ नौजवानों के हाथों होगा”; इसी कारण साठवें वर्ष के आरंभ से अल्लाह की शरण माँगी जाती थी।

पूर्ति: हिजरी 60 के बाद (680 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.249; 1000 Mucize no.578 (s.577); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3605; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 236; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 321, 322; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Fiten 3, Menakıb 25 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4825, c./s. 13/513]

2232. आप ने बताया कि इब्ने अब्बास बुढ़ापे में अपनी आँखें खो देंगे और बड़े आलिम होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि इब्ने अब्बास बुढ़ापे में अपनी आँखें खो देंगे और बड़े आलिम होंगे।

पूर्ति: हिजरी 60–68

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.265; 1000 Mucize no.481 (s.473); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 247; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 335; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 126; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 96

2233. आप ने ज़ैद बिन अरक़म को बताया कि वे अपनी बीमारी से ठीक हो जाएँगे, पर आप के बाद...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ज़ैद बिन अरक़म को बताया कि वे अपनी बीमारी से ठीक हो जाएँगे, पर आप के बाद अंधे हो जाएँगे।

पूर्ति: हिजरी 60–68

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.266; 1000 Mucize no.265 (s.239), no.920 (s.757); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 241; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 335; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 126; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 97; Kütüb-i Sitte (kısmen): kısmen: Ebû Dâvûd 3102 (sunnah.com)

2234. आप ने ख़बर दी कि साठवें वर्ष के बाद एक ऐसी पीढ़ी आएगी जो नमाज़ को नष्ट करेगी और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि साठवें वर्ष के बाद एक ऐसी पीढ़ी आएगी जो नमाज़ को नष्ट करेगी और अपनी वासनाओं के पीछे चलेगी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 60 के बाद (680 ईस्वी और उसके बाद)

स्रोत 1000 Mucize no.470 (s.463); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 236; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 322

2235. आप ने ख़बर दी कि एक ऐसी पीढ़ी आएगी जो क़ुरआन ऐसे पढ़ेगी कि वह उनके गले से नीचे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि एक ऐसी पीढ़ी आएगी जो क़ुरआन ऐसे पढ़ेगी कि वह उनके गले से नीचे नहीं उतरेगा, और क़ुरआन को तीन प्रकार के लोग पढ़ेंगे: मोमिन, मुनाफ़िक़ और दुराचारी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 60 के बाद (680 ईस्वी और उसके बाद)

स्रोत 1000 Mucize no.471 (s.463)

2236. आप ने फ़रमाया: “लोगों को क़ुरैश का यह क़बीला नष्ट करेगा; काश, लोग उनसे दूर रहते”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “लोगों को क़ुरैश का यह क़बीला नष्ट करेगा; काश, लोग उनसे दूर रहते।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 60 के बाद (उमवी दौर)

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3604

2237. आप ने कअब बिन उजरा से कहा: “अल्लाह तुम्हें मूर्खों की अमीरी से बचाए”, और ख़बर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने कअब बिन उजरा से कहा: “अल्लाह तुम्हें मूर्खों की अमीरी से बचाए”, और ख़बर दी कि आप के बाद ऐसे अमीर आएँगे जो आप के मार्गदर्शन पर नहीं चलेंगे और आप की सुन्नत पर अमल नहीं करेंगे (जाबिर बिन अब्दुल्लाह की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 60 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 194 (kendisinden sonra olacakları haber vermesi ve haber verdiği gibi çıkması)

2238. आप ने फ़रमाया: “बनू उमय्या के अत्याचारियों में से एक की नाक से मेरे इसी मिंबर...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “बनू उमय्या के अत्याचारियों में से एक की नाक से मेरे इसी मिंबर पर ख़ून बहेगा”; अम्र बिन सईद बिन आस की नाक से मिंबर पर ख़ून बहने लगा और वह ख़ून मिंबर की सीढ़ियों पर बह गया (अबू हुरैरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: अम्र बिन सईद की मदीना की गवर्नरी, लगभग हिजरी 60–61 (680–681 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 201 (Emevîlerin (Benî Ümeyye) saltanatını haber vermesi)

2239. सिफ़्फ़ीन से लौटते समय अली ने यह कहकर आगे की ख़बर दी: “मुआविया की अमीरी को...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सिफ़्फ़ीन से लौटते समय अली ने यह कहकर आगे की ख़बर दी: “मुआविया की अमीरी को नापसंद न करो; अगर तुमने उसे खो दिया, तो सिरों को कंधों से गिरते देखोगे” (शअबी की रिवायत)।

ख़बर: हिजरी 37–38; पूर्ति: हिजरी 60 के बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 236 (Kureyş'ten birtakım gençleri ve altmış yılının başını haber vermesi)

2240. आप ने नाम लेकर ख़बर दी: “मेरी उम्मत का मामला न्याय के साथ क़ायम रहेगा, यहाँ तक...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने नाम लेकर ख़बर दी: “मेरी उम्मत का मामला न्याय के साथ क़ायम रहेगा, यहाँ तक कि उसमें सबसे पहले दरार डालने वाला, बनू उमय्या का यज़ीद नाम का एक व्यक्ति निकले” (अबू ज़र और अबू उबैदा की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 60–64 (680–683 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 236 (Kureyş'ten birtakım gençleri ve altmış yılının başını haber vermesi)

2241. मुआज़ बिन जबल को अँधेरी रात के टुकड़ों जैसे आने वाले फ़ितने गिनाते हुए पाँचवें...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुआज़ बिन जबल को अँधेरी रात के टुकड़ों जैसे आने वाले फ़ितने गिनाते हुए पाँचवें पर पहुँचकर आप ने कहा: “यज़ीद; अल्लाह यज़ीद को बरकत न दे”, आप की आँखें भर आईं, और फ़रमाया: “मुझे हुसैन की मृत्यु की ख़बर दी गई, उसकी मिट्टी लाई गई, और उसका हत्यारा बताया गया”; दसवें पर पहुँचकर कहा: “वलीद; यह फ़िरऔन का नाम है, वह इस्लाम की शरीअत को ढाएगा, और उसका ख़ून उसके घराने का ही कोई बहाएगा।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 60–61 (यज़ीद, करबला), हिजरी 125–126 (वलीद बिन यज़ीद की हत्या)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 237 (Kureyş'ten birtakım gençleri ve altmış yılının başını haber vermesi)

2242. आप ने ख़बर दी: “निकट आती एक बुराई के कारण अरबों पर अफ़सोस: साठवें वर्ष के आरंभ...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “निकट आती एक बुराई के कारण अरबों पर अफ़सोस: साठवें वर्ष के आरंभ में अमानत को ग़नीमत और सदक़े को भारी जुर्माना समझा जाएगा, गवाही जान-पहचान के आधार पर और फ़ैसला मनमानी से दिया जाएगा” (अबू हुरैरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 60 (680 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 237 (Kureyş'ten birtakım gençleri ve altmış yılının başını haber vermesi)

2243. आप ने बताया कि आप के नवासे हुसैन फ़ुरात के किनारे (करबला में) शहीद किए जाएँगे...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप के नवासे हुसैन फ़ुरात के किनारे (करबला में) शहीद किए जाएँगे; जिब्रील ने वह मिट्टी दिखाई।

पूर्ति: हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.253; İbn Kesîr s.171; 19. Mektup listesi (183.txt) no.18; 1000 Mucize no.469 (s.462); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 212; c. 2, s. 213; c. 2, s. 214; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 324-325, 325; Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 283; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 68; c. 3, s. 904; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 93; ayrıca: N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Hz. Ali'nin ve Hz. Hüseyin'in Kerbelâ'daki Hatıraları" (kitabın dipnotu: Ahmed b. Hanbel, Müsned, c:1, s:85; Dineveri, Kitâbu'l-ahbâr, s:251-253)

2244. उम्मुल फ़ज़्ल ने हुसैन को आप की गोद में रखा, और उन्हें देखते हुए आप की आँखें भर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

उम्मुल फ़ज़्ल ने हुसैन को आप की गोद में रखा, और उन्हें देखते हुए आप की आँखें भर आईं; आप ने फ़रमाया: “जिब्रील ने आकर ख़बर दी कि मेरी उम्मत मेरे इस बेटे को मार डालेगी, और मेरे पास उसकी (शहादत की जगह की) लाल मिट्टी लाए।”

ख़बर: मदनी दौर (हिजरी 4–11); पूर्ति: हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 212 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2245. आप से मिलने की अनुमति लेकर आए वर्षा के फ़रिश्ते ने आप के कंधे पर चढ़ते हुसैन के...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप से मिलने की अनुमति लेकर आए वर्षा के फ़रिश्ते ने आप के कंधे पर चढ़ते हुसैन के बारे में कहा: “आप की उम्मत इसे मार डालेगी; आप चाहें तो मैं वह जगह दिखा दूँ जहाँ यह मारा जाएगा”, और लाल मिट्टी लाया; उम्मे सलमा ने वह मिट्टी सँभालकर रखी, और सुना गया कि वह जगह करबला है (अनस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर (हिजरी 4–11); पूर्ति: हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 212 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2246. आप ने जिब्रील की लाई मिट्टी उम्मे सलमा को देकर फ़रमाया: “इसे एक शीशी में रख लो...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जिब्रील की लाई मिट्टी उम्मे सलमा को देकर फ़रमाया: “इसे एक शीशी में रख लो; जब यह ख़ून में बदल जाए, तो जान लेना कि मेरा बेटा मार डाला गया है” (उम्मे सलमा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर (हिजरी 4–11); पूर्ति: हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 213 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2247. आप ने फ़रमाया: “मैं मानो एक चितकबरे कुत्ते को देख रहा हूँ जो मेरे अहले बैत के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मैं मानो एक चितकबरे कुत्ते को देख रहा हूँ जो मेरे अहले बैत के ख़ून में मुँह डाल रहा है”; करबला में हुसैन ने चितकबरी त्वचा वाले (सफ़ेद दाग़ वाले) शिम्र बिन ज़िल जौशन को देखकर कहा: “अल्लाह और उसके रसूल ने सच कहा था” (मुहम्मद बिन अम्र बिन हसन की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: करबला, हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 213 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2248. आप ने फ़रमाया: “मेरा यह बेटा करबला नाम की जगह पर मारा जाएगा; तुममें से जो वहाँ...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरा यह बेटा करबला नाम की जगह पर मारा जाएगा; तुममें से जो वहाँ हो, वह इसकी सहायता करे”; यह सुनने वाले अनस बिन हारिस करबला गए और हुसैन के साथ शहीद हुए।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: करबला, हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 213 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2249. हुसैन की क़ब्र जहाँ बनने वाली थी, उस जगह पहुँचकर अली ने कहा: “यही वह जगह है...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुसैन की क़ब्र जहाँ बनने वाली थी, उस जगह पहुँचकर अली ने कहा: “यही वह जगह है जहाँ उनकी सवारियाँ बैठेंगी, उनका सामान उतारा जाएगा और उनका ख़ून बहाया जाएगा; आले मुहम्मद के नौजवान इस मैदान में मारे जाएँगे, और आसमान और धरती उन पर रोएँगे” (असबग़ बिन नुबाता की रिवायत)।

ख़बर: हिजरी 36–40; पूर्ति: करबला, हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 214 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2250. अल्लाह ने आप की ओर वह्य की: “मैंने यहया बिन ज़करिय्या के बदले सत्तर हज़ार लोगों...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अल्लाह ने आप की ओर वह्य की: “मैंने यहया बिन ज़करिय्या के बदले सत्तर हज़ार लोगों को मारा; और तुम्हारी बेटी के बेटे के बदले सत्तर हज़ार और सत्तर हज़ार को मारूँगा” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 61 के बाद (मुख़्तार का प्रतिशोध आंदोलन, हिजरी 66–67 और उसके बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 214 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2251. आप ने बताया कि हर्रा में मदीना के लोग मारे जाएँगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि हर्रा में मदीना के लोग मारे जाएँगे।

पूर्ति: हिजरी 63 (683 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.260; 1000 Mucize no.478 (s.468); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 240; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 330-331; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 125; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 95-96; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Fiten 2, (4261); İbnu Mace, Fiten 10, (3958) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4760, c./s. 13/369-370]

2252. आप ने बताया कि जब हकम बिन अबिल आस के वंशजों की संख्या तीस तक पहुँचेगी, तो वे...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब हकम बिन अबिल आस के वंशजों की संख्या तीस तक पहुँचेगी, तो वे अल्लाह के माल को आपस में ही घुमाते रहेंगे।

पूर्ति: हिजरी 64–132

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.296; web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 200 saltanatını haber vermesi); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 347-348; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 126-127; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 97-98

2253. शिशु नुमान बिन बशीर के लिए दुआ माँगी गई, तो आप ने बताया कि वह अपने मामा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शिशु नुमान बिन बशीर के लिए दुआ माँगी गई, तो आप ने बताया कि वह अपने मामा अब्दुल्लाह बिन रवाहा की तरह सम्मान से जिएगा और शहीद होगा, शाम जाएगा और शाम के एक मुनाफ़िक़ के हाथों मारा जाएगा; हिम्स के हाकिम रहते हुए ज़ह्हाक बिन क़ैस के मारे जाने पर नुमान ने भागना चाहा, और हिम्स वालों ने उन्हें मार डाला।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: मरवान बिन हकम का दौर, लगभग हिजरी 64–65 (684 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.922 (PDF s.762); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 243

2254. आप ने अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर से फ़रमाया: “तुम्हारे कारण लोगों पर अफ़सोस, और...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर से फ़रमाया: “तुम्हारे कारण लोगों पर अफ़सोस, और लोगों के कारण तुम पर अफ़सोस।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 64–73

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2255. आप के पास आने की अनुमति माँगने वाले हकम बिन अबिल आस के बारे में आप ने फ़रमाया...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप के पास आने की अनुमति माँगने वाले हकम बिन अबिल आस के बारे में आप ने फ़रमाया: “इसे अनुमति दो; यह साँप है या साँप का बेटा; इस पर और इसकी संतान पर लानत हो, सिवाय उनके जो मोमिन होंगे, और वे थोड़े ही होंगे; वे दुनिया में सम्मान पाएँगे और आख़िरत में अपमानित होंगे” (अम्र बिन मुर्रा जुहनी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 64–132 (मरवानी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 201 (Emevîlerin (Benî Ümeyye) saltanatını haber vermesi)

2256. आप ने हकम बिन अबिल आस के बारे में फ़रमाया: “मैं मानो उसके बेटों को अपने मिंबर...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने हकम बिन अबिल आस के बारे में फ़रमाया: “मैं मानो उसके बेटों को अपने मिंबर पर चढ़ते-उतरते देख रहा हूँ” (ज़ुहरी और अता ख़ुरासानी की मुरसल रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 64–132 (684–750 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 201 (Emevîlerin (Benî Ümeyye) saltanatını haber vermesi)

2257. पास से गुज़रे हकम बिन अबिल आस के बारे में आप ने फ़रमाया: “इसकी संतान के कारण...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पास से गुज़रे हकम बिन अबिल आस के बारे में आप ने फ़रमाया: “इसकी संतान के कारण मेरी उम्मत पर अफ़सोस” (ज़ुबैर बिन मुतइम की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 64–132 (684–750 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 201 (Emevîlerin (Benî Ümeyye) saltanatını haber vermesi)

2258. आप ने फ़रमाया: “सक़ीफ़ से एक झूठा और एक विनाशकारी (मुबीर) निकलेगा”; मुख़्तार...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “सक़ीफ़ से एक झूठा और एक विनाशकारी (मुबीर) निकलेगा”; मुख़्तार सक़फ़ी और हज्जाज प्रकट हुए।

पूर्ति: हिजरी 66 और हिजरी 73–95

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.267, 273; 19. Mektup listesi (183.txt) no.14, 84; 1000 Mucize no.479-480 (s.470); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 225; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 336-337; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 321; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 142; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 122; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 44, (2221); Müslim, Fezâilu's-Sahâbe 229, (2545) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4823, c./s. 13/511; no. 4821, c./s. 13/505-506]

2259. इसी दुआ की बरकत से, उमर के पास साद की यह शिकायत करने वाले कूफ़ा के व्यक्ति (अबू...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इसी दुआ की बरकत से, उमर के पास साद की यह शिकायत करने वाले कूफ़ा के व्यक्ति (अबू सअदा) को कि “वे न्याय से नहीं बाँटते, अभियान पर नहीं निकलते”, साद ने यह बद-दुआ दी: “अगर यह झूठा है, तो इसकी आयु लंबी कर, इसकी ग़रीबी लंबी कर (इसकी आँखें अंधी कर), और इसे फ़ितनों में डाल”; वह व्यक्ति बहुत बूढ़ा और ग़रीब हो गया, और रास्तों में दासियों को छेड़ते हुए कहता: “मुझे साद की बद-दुआ लग गई” (एक रिवायत में वह अंधा हो गया और मुख़्तार के फ़ितने में मारा गया)।

बद-दुआ: हिजरी 21 (642 ईस्वी), कूफ़ा; पूर्ति: हिजरी 66–67 तक

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 280 (duaların kabulündeki mucizeler: Sa'd b. Ebî Vakkâs için duası)

2260. आप ने राफ़े बिन ख़दीज के सीने में धँसे तीर के फल के बारे में कहा: “क़यामत के...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने राफ़े बिन ख़दीज के सीने में धँसे तीर के फल के बारे में कहा: “क़यामत के दिन मैं तुम्हारे पक्ष में गवाही दूँगा”; वर्षों बाद घाव खुल गया और वे शहीद हो गए।

पूर्ति: हिजरी 73–74 (693 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.248; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 221; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 320

2261. आप ने संकेत दिया कि हज्जाज अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर को शहीद करेगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने संकेत दिया कि हज्जाज अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर को शहीद करेगा।

पूर्ति: हिजरी 73 (692 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.273; 19. Mektup listesi (183.txt) no.23; 1000 Mucize no.479-480 (s.470); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezâilu's-Sahâbe 229, (2545); Tirmizî, Fiten 44, (2221) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4821, c./s. 13/505-506; no. 4823, c./s. 13/511]

2262. इराक़ वालों ने अपने हाकिम पर पत्थर बरसाए, यह जानकर उमर क्रोधित हुए और बद-दुआ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इराक़ वालों ने अपने हाकिम पर पत्थर बरसाए, यह जानकर उमर क्रोधित हुए और बद-दुआ दी: “ऐ अल्लाह, उन पर सक़ीफ़ के नौजवान को जल्दी ले आ; वह उनके बीच जाहिलियत के क़ानून से शासन करे”; उस समय हज्जाज अभी पैदा भी नहीं हुआ था।

दुआ: उमर का दौर (हिजरी 13–23); पूर्ति: हज्जाज की इराक़ की गवर्नरी, हिजरी 75–95 (694–714 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 225 (yalancıları ve deccalleri haber vermesi)

2263. अली ने कूफ़ा वालों को बद-दुआ दी: “ऐ अल्लाह, उन पर सक़ीफ़ के नौजवान को हावी कर...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली ने कूफ़ा वालों को बद-दुआ दी: “ऐ अल्लाह, उन पर सक़ीफ़ के नौजवान को हावी कर दे; वह उनकी हरियाली खाए, उनकी पोस्तीन पहने, और जाहिलियत के क़ानून से शासन करे”, उसका वर्णन “दामन घसीटते, इठलाते नौजवान” के रूप में किया, और एक व्यक्ति से कहा: “तुम सक़ीफ़ के नौजवान को पाए बिना नहीं मरोगे”; और हज्जाज आया (हसन, मालिक बिन औस और हबीब बिन अबी साबित की रिवायतें)।

दुआ: हिजरी 36–40; पूर्ति: हिजरी 75–95 (694–714 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 225 (yalancıları ve deccalleri haber vermesi)

2264. आप ने फ़रमाया: “अगर ईमान सुरैया (कृत्तिका) तारे पर भी हो, तो फ़ारस की संतान में...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “अगर ईमान सुरैया (कृत्तिका) तारे पर भी हो, तो फ़ारस की संतान में से कुछ लोग उस तक पहुँच जाएँगे” (इसे इमाम अबू हनीफ़ा की ओर संकेत माना जाता है)।

पूर्ति: हिजरी 80–150

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.86; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 261; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 263; Kütüb-i Sitte: Buharî, Tefsir, Cum'a 1; Müslim, Fezâilu's-Sahâbe (2546); Tirmizî, Menâkıb, (3229) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4549, c./s. 13/113]

2265. आप ने अब्दुल्लाह बिन बुस्र के बारे में फ़रमाया: “यह बच्चा एक सदी जिएगा”, और वे...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने अब्दुल्लाह बिन बुस्र के बारे में फ़रमाया: “यह बच्चा एक सदी जिएगा”, और वे सौ वर्ष जिए।

पूर्ति: हिजरी 88–96

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.293; 1000 Mucize no.276 (s.255), no.916 (s.756); ayrıca: İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 101; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 345; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 39

2266. चेहरे पर एक तकलीफ़ (मस्सा) वाले उसी बच्चे के बारे में आप ने फ़रमाया: “इसके...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

चेहरे पर एक तकलीफ़ (मस्सा) वाले उसी बच्चे के बारे में आप ने फ़रमाया: “इसके चेहरे की यह चीज़ मिटने से पहले यह नहीं मरेगा”, और उनकी मृत्यु उस निशान के मिटने के बाद ही हुई।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: लगभग हिजरी 88–96 (707–715 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.917 (s.756)

2267. आप ने फ़रमाया: “लोग ज्ञान के लिए ऊँटों के कलेजे थका देंगे (दूर-दूर की यात्राएँ...)”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “लोग ज्ञान के लिए ऊँटों के कलेजे थका देंगे (दूर-दूर की यात्राएँ करेंगे), पर मदीना के आलिम से बड़ा आलिम नहीं पाएँगे” (इसे इमाम मालिक की ओर संकेत माना जाता है)।

पूर्ति: हिजरी 93–179

स्रोत İbn Kesîr s.176; 1000 Mucize no.484 (s.478); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 366; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, İlim 18, (2682) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4560, c./s. 13/131]

2268. आप ने ख़बर दी कि हिंद की ओर ग़ज़वा (सैन्य अभियान) होगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि हिंद की ओर ग़ज़वा (सैन्य अभियान) होगा।

पूर्ति: हिजरी 93 (712 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत İbn Kesîr s.166; 1000 Mucize no.468 (s.461); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 311, 311-312; Kütüb-i Sitte: Nesâî

2269. आप ने बताया कि भलाई के बाद बुराई आएगी, और उसके बाद “धुएँ वाली” (मिली-जुली) भलाई...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि भलाई के बाद बुराई आएगी, और उसके बाद “धुएँ वाली” (मिली-जुली) भलाई आएगी (इसे उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ के न्याय की ओर संकेत माना जाता है)।

पूर्ति: हिजरी 99–101 (717–720 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.280; 1000 Mucize no.602 (s.590); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3606; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 259; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 253, 341; Kütüb-i Sitte: Buharî, Fiten 11, Menakıb 25; Müslim, İmaret 51, (1847); Ebu Davud, Fiten 1, (4244-4247) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4788, c./s. 13/435-436]

2270. उमर ने कहा: “मेरे वंश से चेहरे पर घाव के निशान (शैन) वाला एक व्यक्ति निकलेगा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उमर ने कहा: “मेरे वंश से चेहरे पर घाव के निशान (शैन) वाला एक व्यक्ति निकलेगा, जो धरती को न्याय से भर देगा”; इब्ने उमर बार-बार कहते: “काश, मैं जानता कि वह कौन है”; यह उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ में पूरा हुआ, जिनकी माँ आसिम बिन उमर की बेटी थीं।

ख़बर: उमर का दौर (हिजरी 13–23); पूर्ति: हिजरी 99–101 (717–720 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 199 (Ömer b. Abdülazîz'in hilafetini haber vermesi)

2271. अली ने यह कहकर उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ की ओर संकेत किया: “बनू उमय्या पर लानत न...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली ने यह कहकर उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ की ओर संकेत किया: “बनू उमय्या पर लानत न करो; उनमें एक नेक अमीर है।”

ख़बर: हिजरी 35–40; पूर्ति: हिजरी 99–101 (717–720 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 200 (Ömer b. Abdülazîz'in hilafetini haber vermesi)

2272. सईद बिन मुसय्यब ने उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ के ख़लीफ़ा बनने से पहले ही यह कहकर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सईद बिन मुसय्यब ने उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ के ख़लीफ़ा बनने से पहले ही यह कहकर उनकी ख़िलाफ़त की ख़बर दी: “ख़लीफ़ा अबू बक्र और दो उमर हैं; दूसरे उमर को तुम जल्द ही पहचान लोगे।”

ख़बर: हिजरी 94 से पहले; पूर्ति: हिजरी 99 (717 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 200 (Ömer b. Abdülazîz'in hilafetini haber vermesi)

2273. आप ने वहब बिन मुनब्बिह और ग़ैलान क़दरी के प्रकट होने की ख़बर दी

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

आप ने वहब बिन मुनब्बिह और ग़ैलान क़दरी के प्रकट होने की ख़बर दी।

पूर्ति: हिजरी 100–125

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.288; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 227; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 343

2274. आप ने बताया कि अल्लाह इस उम्मत के लिए हर सौ वर्ष के आरंभ में एक मुजद्दिद भेजेगा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अल्लाह इस उम्मत के लिए हर सौ वर्ष के आरंभ में एक मुजद्दिद भेजेगा जो उसके दीन को नया करेगा; किताब पहली सदी के लिए उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ और दूसरी सदी के लिए इमाम शाफ़ई का नाम लेती है।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हर हिजरी सदी का आरंभ (पहला उदाहरण लगभग हिजरी 100 / 718 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.487 (s.479); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 258; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 342, 378; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd

---

2275. आप ने फ़रमाया: “आज धरती पर जो लोग हैं, उनमें से सौ वर्ष बाद कोई नहीं बचेगा”...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “आज धरती पर जो लोग हैं, उनमें से सौ वर्ष बाद कोई नहीं बचेगा”; अंतिम सहाबी की मृत्यु हिजरी 100 और 110 के बीच हुई।

पूर्ति: हिजरी 110 (728 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.291; İbn Kesîr s.174; 1000 Mucize no.482 (s.474); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 345; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fezâilu's-Sahabe 218, (2538); Tirmizî, Fiten 64, (2251) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5029, c./s. 14/320]

2276. आप ने बताया कि आप की उम्मत में वलीद नाम का एक व्यक्ति निकलेगा जो फ़िरऔन से भी अधिक हानिकारक होगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत में वलीद नाम का एक व्यक्ति निकलेगा जो फ़िरऔन से भी अधिक हानिकारक होगा।

पूर्ति: हिजरी 125–126 (743–744 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.295; 19. Mektup listesi (183.txt) no.112; 1000 Mucize no.475 (s.465); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 346; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 126; Tabersî, İ'lâmü'l-verâ, c. 1, s. 97

2277. आप ने ख़बर दी: “दुनिया की शोभा एक सौ पच्चीसवें वर्ष में उठा ली जाएगी”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “दुनिया की शोभा एक सौ पच्चीसवें वर्ष में उठा ली जाएगी” (अब्दुर्रहमान बिन औफ़ की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 125 (743 ईस्वी; हिशाम की मृत्यु, उमवी सत्ता का बिखराव)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 264 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2278. आप ने ख़बर दी: “तुम्हारे ख़ज़ाने के पास तीन लोग लड़ेंगे, तीनों ख़लीफ़ा के बेटे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “तुम्हारे ख़ज़ाने के पास तीन लोग लड़ेंगे, तीनों ख़लीफ़ा के बेटे होंगे, पर वह किसी के हाथ नहीं आएगा; फिर ख़ुरासान से काले झंडे निकलेंगे” (सौबान की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति (अध्याय के अनुसार): अब्बासी क्रांति, हिजरी 129–132 (747–750 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 202 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2279. आप ने ख़बर दी: “ख़ुरासान से काले झंडे निकलेंगे; जब तक वे ईलिया (बैतुल मक़दिस)...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “ख़ुरासान से काले झंडे निकलेंगे; जब तक वे ईलिया (बैतुल मक़दिस) में गाड़ न दिए जाएँ, कोई चीज़ उन्हें लौटा नहीं सकेगी” (अबू हुरैरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 129–132 (747–750 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 203 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2280. आप ने बनू अब्बास के शासन की ख़बर दी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बनू अब्बास के शासन की ख़बर दी।

पूर्ति: हिजरी 132 (750 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.301; 19. Mektup listesi (183.txt) no.20; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 5. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 202; ayrıca: Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, s. 283; İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 354; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 106, hadis no. 97/6 sonrası

2281. आप ने उम्मुल फ़ज़्ल को बताया कि वे गर्भवती हैं और एक बेटे को जन्म देंगी; पैदा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उम्मुल फ़ज़्ल को बताया कि वे गर्भवती हैं और एक बेटे को जन्म देंगी; पैदा हुए अब्दुल्लाह बिन अब्बास के कान में आप ने अज़ान दी और फ़रमाया: “ख़लीफ़ाओं के पिता को ले जाओ।”

ख़बर: हिजरत से लगभग 3 वर्ष पहले (लगभग 619 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 132 (अब्बासी)

स्रोत Nişancızâde, Mir'ât-ı Kâinât'tan

2282. एक रात आप ने अपने चाचा अब्बास से कहा: “आसमान की ओर देखो, क्या देखते हो?”, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक रात आप ने अपने चाचा अब्बास से कहा: “आसमान की ओर देखो, क्या देखते हो?”, और “सुरैया” उत्तर पाकर फ़रमाया: “तुम्हारी संतान में से सुरैया के तारों जितने लोग इस उम्मत के शासक बनेंगे; उनमें से दो फ़ितने के समय में होंगे।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 132 (750 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 202 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2283. सफ़ेद वस्त्र पहने अब्बास आप के पास से गुज़रे, तो जिब्रील ने कहा: “यह सफ़ेद...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सफ़ेद वस्त्र पहने अब्बास आप के पास से गुज़रे, तो जिब्रील ने कहा: “यह सफ़ेद पहनते हैं, पर इनकी संतान काला पहनेगी” (इब्ने अब्बास की रिवायत); अब्बासियों ने काले वस्त्र पहने।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 132 (750 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 202 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2284. इब्ने अब्बास ने मुआविया को पहले ही ख़बर दे दी थी: “बनू हाशिम का एक राज्य होगा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इब्ने अब्बास ने मुआविया को पहले ही ख़बर दे दी थी: “बनू हाशिम का एक राज्य होगा, और उनके सहायक ख़ुरासान के लोग होंगे” (अबान बिन वलीद बिन उक़बा की रिवायत)।

ख़बर: मुआविया का दौर (हिजरी 41–60); पूर्ति: हिजरी 132 (750 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 203 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2285. आप ने ख़बर दी: “जब समय टूट रहा होगा और फ़ितने प्रकट हो रहे होंगे, तब मेरे अहले...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “जब समय टूट रहा होगा और फ़ितने प्रकट हो रहे होंगे, तब मेरे अहले बैत में से सफ़्फ़ाह नाम का एक व्यक्ति निकलेगा, जो माल मुट्ठी भर-भरकर बाँटेगा” (अबू सईद ख़ुदरी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 132–136 (750–754 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 203 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2286. इब्ने अब्बास से यह ख़बर बयान हुई: “सफ़्फ़ाह, मंसूर और महदी हममें से (अहले बैत...)”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इब्ने अब्बास से यह ख़बर बयान हुई: “सफ़्फ़ाह, मंसूर और महदी हममें से (अहले बैत में से) हैं”, और अब्बासी ख़लीफ़ा इन्हीं उपाधियों के साथ आए।

ख़बर: हिजरी 68 से पहले; पूर्ति: हिजरी 132–169 (750–785 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 203 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2287. उमर ने कहा कि बनू उमय्या इस्लाम को पहचान में न आने लायक़ बना देंगे, यह एक सौ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उमर ने कहा कि बनू उमय्या इस्लाम को पहचान में न आने लायक़ बना देंगे, यह एक सौ तीस से कुछ अधिक वर्ष चलेगा, फिर अल्लाह “बादशाहों के दूतों जैसा सुगंधित” एक समूह भेजेगा (मुग़ीरा बिन शुअबा की रिवायत)।

ख़बर: उमर का दौर (हिजरी 13–23); पूर्ति: हिजरी 132 (750 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 204 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2288. रेगिस्तान में मरे पाए साँप को दफ़नाने वाले उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ को एक जिन्न ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रेगिस्तान में मरे पाए साँप को दफ़नाने वाले उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ को एक जिन्न ने पुकारकर बताया कि अल्लाह के रसूल ﷺ ने उस साँप (सुर्रक़ नाम के जिन्न) से कहा था: “तुम रेगिस्तान में मरोगे, और उस दिन धरती का सबसे अच्छा मनुष्य तुम्हें दफ़नाएगा”, और कि वे आप से बैअत करने वाले नौ जिन्नों में से हैं।

ख़बर: मक्की दौर; पूर्ति: उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ का दौर (लगभग हिजरी 99–101)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 236 (Cinlerin İslâm'ı ve ondaki âyetler bâbı (fasıl))

2289. आप ने अबू रैहाना से यह कहकर एक ऐसी घटना की ख़बर दी जो वे आगे देखने वाले थे: “जब...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू रैहाना से यह कहकर एक ऐसी घटना की ख़बर दी जो वे आगे देखने वाले थे: “जब तुम ऐसे लोगों के पास से गुज़रोगे जो एक जीवित जानवर को बाँधकर निशाना बनाते हैं (उसे बाँधकर मारते हैं), तब तुम्हारा क्या हाल होगा?”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: अबू रैहाना का बाद का जीवन (शाम/मिस्र)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 252 (Ebû Reyhâne'ye haber vermesi)

2290. आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत में बधिया किए गए लोगों (ख़्वाजासराओं) का एक समूह...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत में बधिया किए गए लोगों (ख़्वाजासराओं) का एक समूह होगा; उनके साथ अच्छा व्यवहार करना” (मुआविया की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: उमवी और अब्बासी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 256 (ümmetinde hadımların olacağını haber vermesi)

2291. आप ने ख़बर दी: “इस्लाम को बर्तन की तरह सबसे पहले उलटने वाली चीज़ एक पेय (जो...)”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “इस्लाम को बर्तन की तरह सबसे पहले उलटने वाली चीज़ एक पेय (जो दूसरे नाम से पिया जाएगा) होगी” (अब्दुल्लाह बिन अम्र की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: उमवी दौर और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 268 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2292. आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद मेरी उम्मत में ऐसे लोग होंगे जो क़ुरआन पढ़ेंगे और दीन...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरे बाद मेरी उम्मत में ऐसे लोग होंगे जो क़ुरआन पढ़ेंगे और दीन की समझ प्राप्त करेंगे; शैतान उनसे कहेगा: ‘तुम सुल्तान के पास जाकर उनकी दुनिया में से कुछ ले लो, और अपने दीन को अलग रखो’; ऐसा नहीं हो सकता: क़ताद के पेड़ से केवल काँटे ही बटोरे जाते हैं, और उनकी निकटता से केवल गुनाह” (इब्ने अब्बास की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: उमवी दौर और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 268 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2293. आप ने बताया कि नबियों के बाद अल्लाह की किताब पर अमल करने वाले ख़लीफ़ा आएँगे, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि नबियों के बाद अल्लाह की किताब पर अमल करने वाले ख़लीफ़ा आएँगे, और उनके बाद ऐसे बादशाह आएँगे जो बदला लेंगे, लोगों को मारेंगे और माल को अपने लिए अलग कर लेंगे (अबू हुरैरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 41 के बाद

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 264 (Fasl fî tertîbi'l-ahbâr bi'l-guyûbi'l-müstakbele ba'deh)

2294. यह ख़बर: “दिन और रातें बीतने से पहले इस उम्मत का मामला चौड़े गले वाले (ज़ख़्मुल...)”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यह ख़बर: “दिन और रातें बीतने से पहले इस उम्मत का मामला चौड़े गले वाले (ज़ख़्मुल बुलऊम) एक व्यक्ति पर इकट्ठा हो जाएगा”; इसे मुआविया की ओर संकेत माना गया (सरी बिन इस्माईल से शअबी की सनद)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 41 (661 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 305 (Hasan'ın seyyidliğini ve işi Muâviye'ye bırakacağını haber vermesi)

2295. आप ने अबू ज़र से पूछा: “जब लोग मारे जाएँगे और अहजारुज़ ज़ैत ख़ून में डूब जाएगा...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अबू ज़र से पूछा: “जब लोग मारे जाएँगे और अहजारुज़ ज़ैत ख़ून में डूब जाएगा, तब तुम क्या करोगे?”, और फ़रमाया: “अपने घर में चले जाना”; “अगर मुझ पर हमला हो तो?” पूछे जाने पर आप ने हथियार न उठाने की सलाह दी (“तब तुम उनके साझी बन जाओगे”), और कहा कि अगर तलवार की चमक से डर लगे, तो अपना चेहरा ढक लेना।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हर्रा की घटना, हिजरी 63 (683 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 330 (Yezîd zamanındaki Harre vakasını haber vermesi)

2296. आप ने फ़रमाया: “सत्तरवें वर्ष के आरंभ से और लड़कों की अमीरी से अल्लाह की शरण...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “सत्तरवें वर्ष के आरंभ से और लड़कों की अमीरी से अल्लाह की शरण माँगो” (अबू हुरैरा की रिवायत); इब्ने कसीर ने इसे यज़ीद की मृत्यु और मरवान तथा अब्दुल मलिक के समय से जोड़ा।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 60–70 के दशक (680–690 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 332 (Yezîd zamanındaki Harre vakasını haber vermesi)

2297. उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ ने सपने में अल्लाह के रसूल ﷺ को अबू बक्र, उमर, उस्मान और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ ने सपने में अल्लाह के रसूल ﷺ को अबू बक्र, उमर, उस्मान और अली के साथ देखा; आप ने फ़रमाया: “पास आओ”, और उनसे कहा: “तुम इस उम्मत का मामला सँभालोगे; उनके साथ न्याय करना”, और वे ख़लीफ़ा बने (क़तादा की रिवायत)।

सपना: हिजरी 99 से पहले; पूर्ति: हिजरी 99–101 (717–720 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 342 (Ömer b. Abdülazîz'in devletine nebevî işaret)

2298. मरवान बिन हकम के पैदा होने पर उसे दुआ के लिए आप के पास लाया गया, तो आप ने दुआ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मरवान बिन हकम के पैदा होने पर उसे दुआ के लिए आप के पास लाया गया, तो आप ने दुआ नहीं की और फ़रमाया: “ज़रक़ा का बेटा; मेरी उम्मत का विनाश इसके और इसकी संतान के हाथों होगा।”

ख़बर: मदनी दौर (मरवान का जन्म); पूर्ति: हिजरी 64–132 (684–750 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 348 (Emevî halifelerine dair toplu haberler)

2299. यह ख़बर: “जब बनू उमय्या का युवा ख़लीफ़ा शाम और इराक़ के बीच अन्याय से मारा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यह ख़बर: “जब बनू उमय्या का युवा ख़लीफ़ा शाम और इराक़ के बीच अन्याय से मारा जाएगा, तो आज्ञापालन को हल्का समझा जाता रहेगा और अन्याय से ख़ून बहाया जाता रहेगा” (अबुद दर्दा से; इसे वलीद बिन यज़ीद की हत्या पर लागू किया गया)।

ख़बर: हिजरी 32 से पहले; पूर्ति: वलीद बिन यज़ीद की हत्या, हिजरी 126 (744 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 352 (Emevî halifelerine dair toplu haberler)

2300. यह ख़बर: “उस्मान के बाद बनू उमय्या में से बारह बादशाह होंगे” (हुज़ैफ़ा से; इस...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यह ख़बर: “उस्मान के बाद बनू उमय्या में से बारह बादशाह होंगे” (हुज़ैफ़ा से; इस पर ज़ोर दिया गया है कि “ख़लीफ़ा” नहीं, “बादशाह” कहा गया)।

ख़बर: हिजरी 36 से पहले; पूर्ति: उमवी दौर, हिजरी 41–132

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 362 (hepsi Kureyş'ten olan on iki imamı haber vermesi)

2301. आप ने बुरैदा असलमी से फ़रमाया: “मेरे बाद सेनाएँ भेजी जाएँगी; तुम ख़ुरासान जाने...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बुरैदा असलमी से फ़रमाया: “मेरे बाद सेनाएँ भेजी जाएँगी; तुम ख़ुरासान जाने वाली सेना में रहना, फिर मर्व नगर में बस जाना; उसे ज़ुलक़रनैन ने बसाया और उसके लिए बरकत की दुआ की; उसके निवासियों को कोई बुराई नहीं छूती” (बुरैदा मर्व में बसे और वहीं उनकी मृत्यु हुई)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: ख़ुरासान की विजय और बुरैदा की मर्व में वफ़ात (हिजरी 62–63)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 89 (2. bâb: gayb ve gelecek haberleri)

2302. आप अली और फ़ातिमा के घर गए, (हरीसा, और उम्मे ऐमन के भेजे घी और खजूर का) भोजन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप अली और फ़ातिमा के घर गए, (हरीसा, और उम्मे ऐमन के भेजे घी और खजूर का) भोजन किया, फिर वुज़ू करके क़िबले की ओर मुँह करके दुआ की, और फिर आँसुओं के साथ सजदे में गिर पड़े; हुसैन के पूछने पर आप ने फ़रमाया: “आज मैं तुम लोगों के साथ इतना प्रसन्न हुआ जितना पहले कभी नहीं हुआ था; मेरे मित्र जिब्रील ने आकर ख़बर दी कि तुम मारे जाओगे और तुम्हारी मृत्यु की जगहें (तुम्हारी क़ब्रें) एक-दूसरे से दूर होंगी; मैं दुखी हुआ और तुम्हारे लिए भलाई की दुआ की”; “जब हमारी

क़ब्रें बिखरी होंगी, तो हमारी ज़ियारत कौन करेगा?" इस प्रश्न के उत्तर में आप ने फ़रमाया: "मेरी उम्मत का एक समूह मेरे प्रति भलाई और निष्ठा के लिए तुम्हारी ज़ियारत करेगा; क़यामत के दिन मौक़िफ़ (हिसाब के मैदान) में मैं उनसे मिलूँगा, और उनकी बाँहें पकड़कर उन्हें उस दिन की भयावहता से बचा लूँगा।"

ख़बर: मदनी दौर (हिजरी 4–11); पूर्ति: हिजरी 40 (कूफ़ा), हिजरी 50 (मदीना), हिजरी 61 (करबला)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 94-95 (2. bâb: gayb ve gelecek haberleri)

2303. आप ने मरवान के बेटे अब्दुल मलिक के बारे में फ़रमाया: "चार अत्याचारियों का पिता..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने मरवान के बेटे अब्दुल मलिक के बारे में फ़रमाया: "चार अत्याचारियों का पिता (अबुल जबाबिरतिल अरबआ)"; अब्दुल मलिक मुआविया के पास आकर गया, तो उसके जाने के बाद मुआविया ने इब्ने अब्बास से क़सम के साथ इसकी पुष्टि करवाई (अब्दुल मलिक के चार बेटे, वलीद, सुलैमान, यज़ीद और हिशाम, ख़लीफ़ा बने)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 86–125 (705–743 ईस्वी)

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 98 (2. bâb: gayb ve gelecek haberleri)

2304. अली, फ़ातिमा, हसन और हुसैन आप के चारों ओर बैठे थे, तब आप ने फ़रमाया: "जब तुम..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली, फ़ातिमा, हसन और हुसैन आप के चारों ओर बैठे थे, तब आप ने फ़रमाया: "जब तुम धरती पर गिरा दिए जाओगे और तुम्हारी क़ब्रें अलग-अलग जगहों पर होंगी, तब तुम्हारा क्या हाल होगा?"; हसन ने पूछा: "स्वाभाविक मृत्यु से या मारे जाकर?", तो आप ने कहा: "मेरे बेटे, तुम्हें ज़हर देकर अन्याय से मारा जाएगा, तुम्हारे भाई को (प्यासा) अन्याय से, और तुम्हारे पिता को अन्याय से मारा जाएगा; तुम्हारी संतान धरती पर बिखर जाएगी"; हुसैन ने पूछा: "हमारी ज़ियारत कौन करेगा?", तो आप ने उत्तर दिया: "मेरी उम्मत का एक समूह मेरे प्रति भलाई और निष्ठा के लिए तुम्हारी ज़ियारत करेगा; क़यामत के दिन मैं उनके पास आकर उन्हें उस दिन की भयावहता से बचा लूँगा।"

ख़बर: मदनी दौर (हिजरी 4–11); पूर्ति: हिजरी 40, हिजरी 50, हिजरी 61

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 2, s. 491 (14. bâb: fî a'lâmi'n-nebî ve'l-eimme)

2305. आप ने फ़रमाया: "क़ुस्तुंतुनिया की चारदीवारी के नीचे मेरे सहाबा में से एक नेक..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: "क़ुस्तुंतुनिया की चारदीवारी के नीचे मेरे सहाबा में से एक नेक व्यक्ति दफ़्न किया जाएगा"; इसकी आशा रखने वाले अबू अय्यूब अंसारी अपनी वसीयत के अनुसार चारदीवारी के नीचे दफ़्न किए गए; क़ैसर ने कहा: "तुम्हारे जाने के बाद मैं इसे निकालकर कुत्तों के आगे डाल दूँगा", तो उससे कहा गया: "अगर इसकी क़ब्र खोली गई, तो अरब देशों में एक भी गिरजाघर नहीं बचेगा"; इस पर उसने उनकी क़ब्र पर गुंबद बनवाया, और उस क़ब्र की ज़ियारत की जाने लगी।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 49–52 (669–672 ईस्वी)

स्रोत İbn Şehrâşûb, Menâkıbü Âl-i Ebî Tâlib (Necef 1376/1956 baskısı), c. 1, s. 122 (fasl fîmâ zahara min mu'cizâtihî ba'de vefâtihî)

2306. आप ने जाबिर बिन अब्दुल्लाह अंसारी से फ़रमाया: "तुम तौरात में बाक़िर नाम से जाने..."

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने जाबिर बिन अब्दुल्लाह अंसारी से फ़रमाया: “तुम तौरात में बाक़िर नाम से जाने जाने वाले मुहम्मद बिन अली बिन हुसैन को पाओगे; उन्हें मेरा सलाम कहना”; वर्षों बाद जाबिर ने अली बिन हुसैन के पास एक बच्चे को देखा और (उसकी चाल को अल्लाह के रसूल ﷺ की चाल जैसी पाकर) उसे पहचान लिया, उसके पैर चूमे और उसे अल्लाह के रसूल का सलाम पहुँचाया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: जाबिर का बुढ़ापा (लगभग हिजरी 60–74)

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 104-105, hadis no. 97/6 (bâb 1, fasıl 14: gaybdan haber vermesi)

43 · वफ़ात के बाद पूरी हुई भविष्यवाणियाँ: अब्बासी दौर और उसके बाद (हिजरी 132 के बाद)

2307. आप ने बताया कि बग़दाद बसाया जाएगा, और उस पर क्या-क्या बीतेगा

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बग़दाद बसाया जाएगा, और उस पर क्या-क्या बीतेगा।

पूर्ति: हिजरी 145 (स्थापना), हिजरी 656 (मंगोल आक्रमण)

स्रोत 19. Mektup listesi (183.txt) no.110; web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 365; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 113, 141; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 69; İbn Şehrâşûb, Menâkıb, c. 1, s. 121

2308. आप ने फ़रमाया: “क़ुरैश का आलिम धरती को ज्ञान से भर देगा” (इसे इमाम शाफ़ई की ओर...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “क़ुरैश का आलिम धरती को ज्ञान से भर देगा” (इसे इमाम शाफ़ई की ओर संकेत माना जाता है)।

पूर्ति: हिजरी 150–204

स्रोत İbn Kesîr s.176; 19. Mektup listesi (183.txt) no.86; 1000 Mucize no.485 (s.478); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Questions on Islam, "His Information related to the Future Turn out True"

2309. आप ने बताया कि ऐसे लोग निकलेंगे जो अपनी गद्दी पर टेक लगाकर “हमारे लिए क़ुरआन...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसे लोग निकलेंगे जो अपनी गद्दी पर टेक लगाकर “हमारे लिए क़ुरआन काफ़ी है” कहकर सुन्नत को ठुकराएँगे।

पूर्ति: हिजरी दूसरी सदी से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.341; 1000 Mucize no.694 (PDF s.632); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 21; Ebû Dâvûd 4604, İbn Mâce 12, Tirmizî 2664 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5991, c./s. 16/484]

2310. आप ने बताया कि तीन सबसे अच्छी पीढ़ियों के बाद झूठ फैलेगा, बिना माँगे गवाही दी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि तीन सबसे अच्छी पीढ़ियों के बाद झूठ फैलेगा, बिना माँगे गवाही दी जाएगी, और मोटापा बढ़ेगा।

पूर्ति: हिजरी तीसरी सदी से

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.345; 1000 Mucize no.632 (s.606); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 368-369; Kütüb-i Sitte: Buharî, Şehâdât 9, Fezâilu'l-Ashâb 1, Rikak 7, Eymân 27; Müslim, Fezâilu's- Sahâbe, 214, (2535); Tirmizî, Fiten 45, (2222); Ebu Dâvud, Sünnet 10, (4657) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4363, c./s. 12/411]

2311. आप ने कहा कि आप को आशा है कि आप की उम्मत को आधे दिन की मोहलत दी जाएगी; साद बिन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने कहा कि आप को आशा है कि आप की उम्मत को आधे दिन की मोहलत दी जाएगी; साद बिन अबी वक़्क़ास ने आधे दिन को पाँच सौ वर्ष बताया, और उम्मत इस अवधि से आगे तक जीवित रही।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी 500 (1107 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत 1000 Mucize no.488 (s.480); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 258; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 371; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Mehalim 18, (4350) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5963, c./s. 16/441]

2312. कभी न देखने के बावजूद आप ने बसरा के पास की दजला नदी और उस पर के पुल का नाम लेकर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

कभी न देखने के बावजूद आप ने बसरा के पास की दजला नदी और उस पर के पुल का नाम लेकर उल्लेख किया; और बताया कि चौड़े चेहरों और छोटी आँखों वाले बनू क़ंतूरा (तातारी) वहाँ उतरेंगे, और मुसलमान तीन समूहों में बँट जाएँगे।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: बसरा की स्थापना उमर के दौर में (लगभग हिजरी 14–17 / 635–638 ईस्वी); तातारों वाले भाग के लिए किताब क्रमांक 492 का हवाला देती है (हिजरी सातवीं सदी)

स्रोत 1000 Mucize no.442 (s.433); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 204; ayrıca: Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 113, 141; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 69; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Mehalim 10, (4306) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4768, c./s. 13/403-404]

2313. आप ने क़सम खाकर ख़बर दी कि चौड़े चेहरों और छोटी आँखों वाली एक क़ौम ("तुर्क") आप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने क़सम खाकर ख़बर दी कि चौड़े चेहरों और छोटी आँखों वाली एक क़ौम ("तुर्क") आप की उम्मत को तीन बार अरब प्रायद्वीप तक खदेड़ेगी, और अपने घोड़ों को मुसलमानों की मस्जिदों के खंभों से बाँधेगी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी सातवीं सदी (तेरहवीं सदी ईस्वी), मंगोल आक्रमण

स्रोत 1000 Mucize no.493 (s.485); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 205; Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd 4305 (sunnah.com)

2314. आप ने ख़बर दी कि तुर्क कटे (चिरे) कानों वाले घोड़ों पर आएँगे और उन्हें फ़ुरात...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि तुर्क कटे (चिरे) कानों वाले घोड़ों पर आएँगे और उन्हें फ़ुरात के किनारे बाँधेंगे (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: हिजरी सातवीं सदी (मंगोल आक्रमण, 1258 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 205 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2315. आप ने बताया कि हिजाज़ से एक ऐसी आग निकलेगी जो बुसरा के ऊँटों की गर्दनों को रोशन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि हिजाज़ से एक ऐसी आग निकलेगी जो बुसरा के ऊँटों की गर्दनों को रोशन कर देगी।

पूर्ति: हिजरी 654 (1256 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.177; 1000 Mucize no.494 (s.485), no.543 (s.563); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 256; ayrıca: İbn

Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 372-374; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buharî, Fiten 24; Müslim, Fiten 42, (2902) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5027, c./s. 14/317]

2316. आप ने फ़रमाया: “क़ुस्तुंतुनिया अवश्य जीता जाएगा; उसे जीतने वाला सेनापति कितना...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “क़ुस्तुंतुनिया अवश्य जीता जाएगा; उसे जीतने वाला सेनापति कितना अच्छा सेनापति है।”

पूर्ति: हिजरी 857 (1453 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.165; 19. Mektup listesi (183.txt) no.15, 85; web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen)

2317. “पहले क़ुस्तुंतुनिया जीता जाएगा या रोम?” इस प्रश्न पर आप ने फ़रमाया: “पहले...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

“पहले क़ुस्तुंतुनिया जीता जाएगा या रोम?” इस प्रश्न पर आप ने फ़रमाया: “पहले हिरक़्ल का नगर जीता जाएगा” (अब्दुल्लाह बिन अम्र की रिवायत)।

पूर्ति: हिजरी 857 (1453 ईस्वी)

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2318. यह रिवायत: “एक सौ चौवनवें वर्ष के बाद तुममें से किसी का एक पिल्ला पालना अपनी...”

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

यह रिवायत: “एक सौ चौवनवें वर्ष के बाद तुममें से किसी का एक पिल्ला पालना अपनी संतान में से एक बच्चा पालने से बेहतर होगा।”

ख़बर: मदनी दौर; आशय: हिजरी 154 (771 ईस्वी) के बाद

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 365 (Abbâsî devletinde olan bazı işleri haber vermesi)

2319. आप ने फ़रमाया: “दो सौवें वर्ष के बाद तुममें सबसे अच्छा वह है जो ख़फ़ीफ़ुल हाज़...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “दो सौवें वर्ष के बाद तुममें सबसे अच्छा वह है जो ख़फ़ीफ़ुल हाज़ (हल्की पीठ वाला) हो”, और पूछने वालों को समझाया: “जिसके न परिवार हो, न माल, न संतान” (हुज़ैफ़ा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; आशय: हिजरी 200 (815 ईस्वी) के बाद

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 367 (iki yüz yılından sonra insanların en hayırlısını haber vermesi)

2320. आप ने फ़रमाया: “निशानियाँ (क़यामत के चिह्न) दो सौ के बाद हैं” (अबू क़तादा की रिवायत)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “निशानियाँ (क़यामत के चिह्न) दो सौ के बाद हैं” (अबू क़तादा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; आशय: हिजरी 200 के बाद

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 368 (insanların tabakalarını haber vermesi)

2321. यह ख़बर: “अब्बास के वंश का सातवाँ व्यक्ति लोगों को कुफ़्र की ओर बुलाएगा, पर वे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यह ख़बर: “अब्बास के वंश का सातवाँ व्यक्ति लोगों को कुफ़्र की ओर बुलाएगा, पर वे उसकी बात नहीं मानेंगे; उसके घराने वाले कहेंगे: ‘क्या तुम हमें हमारी रोज़ी से वंचित करोगे?’, वह कहेगा: ‘मैं तुम्हारे बीच अबू बक्र और उमर का तरीक़ा चलाऊँगा’; वे नहीं मानेंगे, और बनू हाशिम का उसका एक शत्रु उसे मार डालेगा, फिर सुफ़यानी के निकलने तक उनमें मतभेद चलता रहेगा”; इब्ने कसीर ने इसे क़ुरआन के मख़लूक़ होने (ख़ल्क़ुल क़ुरआन) की ओर बुलाने वाले अब्दुल्लाह मामून पर लागू किया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति (एक व्याख्या के अनुसार): मामून का दौर, हिजरी 198–218 (813–833 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 370 (insanları küfre çağıracak halifeyi haber vermesi)

2322. अबू सालबा ख़ुशनी ने मुआविया की ख़िलाफ़त के समय फ़ुस्तात में कहा: “यह उम्मत आधे...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू सालबा ख़ुशनी ने मुआविया की ख़िलाफ़त के समय फ़ुस्तात में कहा: “यह उम्मत आधे दिन से असमर्थ नहीं रहेगी; जब तुम शाम को एक व्यक्ति और उसके घर वालों का दस्तरख़्वान (बना हुआ) देखो, तो क़ुस्तुंतुनिया की विजय तभी होगी।”

ख़बर: मुआविया का दौर (हिजरी 41–60); पूर्ति: क़ुस्तुंतुनिया की विजय (स्रोत में तिथि नहीं दी गई)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 371 (Kostantiniyye gazvesini haber vermesi)

2323. आप ने ख़बर दी कि रय के लोगों का शासक अब्दुल्लाह बिन अज़ीज़ नाम का एक व्यक्ति...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि रय के लोगों का शासक अब्दुल्लाह बिन अज़ीज़ नाम का एक व्यक्ति बनेगा, उसे बंदी बनाकर तबरिस्तान ले जाया जाएगा, क़ुर्बानी की ईद के दिन उसकी गर्दन मारी जाएगी, उसका सिर एक पेड़ पर लटकाया जाएगा और उसकी लाश कुएँ में फेंक दी जाएगी; मुहम्मद बिन अली बिन अत्ताब ने यह हदीस तूस में अली रज़ा की क़ब्र के पास एक बूढ़े से (जिसने रज़ा से, और उन्होंने अपने पूर्वजों के द्वारा नबी ﷺ से) सुनी और अब्दुल्लाह बिन अज़ीज़ को सुनाई, और यह ख़बर ठीक वैसे ही उस पर पूरी हुई।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: नबी ﷺ के सदियों बाद (अली रज़ा की वफ़ात [हिजरी 203] के बाद; स्रोत कोई वर्ष नहीं देता)

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 100-101, hadis no. 92/1 (bâb 1, fasıl 14: gaybdan haber vermesi)

2324. आप ने अपने चाचा अब्बास से फ़रमाया: “मेरी उम्मत को तुम्हारी संतान से कष्ट उठाना...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अपने चाचा अब्बास से फ़रमाया: “मेरी उम्मत को तुम्हारी संतान से कष्ट उठाना पड़ेगा”; अब्बास ने कहा: “क्या मैं अपने को बधिया कर लूँ?”, तो आप ने फ़रमाया: “यह तक़दीर में लिखी हुई बात है”, और बनू अब्बास सत्ता में आए।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: हिजरी 132 (750 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 119 (Bâb 11: gaybî haberleri)

44 · वफ़ात के बाद पूरी हुई भविष्यवाणियाँ: तिथि अनिश्चित या जारी

2325. आप ने बताया कि अरब प्रायद्वीप में सोना (धन) भरपूर हो जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अरब प्रायद्वीप में सोना (धन) भरपूर हो जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.623 (s.604)

2326. आप ने बताया कि क़यामत तक आप की उम्मत में सत्य पर क़ायम और प्रभावी एक समूह हमेशा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़यामत तक आप की उम्मत में सत्य पर क़ायम और प्रभावी एक समूह हमेशा रहेगा।

पूर्ति: जारी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.316; 1000 Mucize no.689 (s.625); web: Buhârî, Menâkıb, no. 3640-3641; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 258; c. 2, s. 371; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buhârî, İ'tisâm 10, Menâkıb 27, Tevhid 29; Müslim, İmâret 171, (1921) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4523, c./s. 13/86]

2327. आप ने बताया कि कुछ खानों को लोगों में सबसे बुरे लोग चलाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि कुछ खानों को लोगों में सबसे बुरे लोग चलाएँगे।

पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.322; 1000 Mucize no.747 (s.662)

2328. आप ने बताया कि आप की उम्मत के लोग अपना माल और संतान क़ुर्बान करके भी आप को एक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत के लोग अपना माल और संतान क़ुर्बान करके भी आप को एक बार देख लेने की कामना करेंगे।

पूर्ति: जारी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.327; 1000 Mucize no.608 (s.595); Kütüb-i Sitte: Müslim, Cennet (2832) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4527, c./s. 13/90]

2329. आप ने उन समूहों की ख़बर दी जो आप को देखे बिना ईमान लाएँगे ("मेरे भाई")

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उन समूहों की ख़बर दी जो आप को देखे बिना ईमान लाएँगे ("मेरे भाई")।

पूर्ति: जारी

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.327; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 260; Kütüb-i Sitte: Müslim

2330. आप ने मदीना के लिए वैसी ही बरकत की दुआ की जैसी इब्राहीम ने मक्का के लिए की थी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने मदीना के लिए वैसी ही बरकत की दुआ की जैसी इब्राहीम ने मक्का के लिए की थी, और बताया कि नगर के हर रास्ते पर फ़रिश्ते पहरा देते हैं, उसमें महामारी और दज्जाल प्रवेश नहीं कर सकेंगे, और जो उसके निवासियों का बुरा चाहेगा, अल्लाह उसे ऐसे मिटा देगा जैसे नमक पानी में घुल जाता है।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: उल्लेख नहीं

स्रोत 1000 Mucize no.199 (s.175), no.490 (s.481); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 319; c. 2, s. 350; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Fezailu'l- Medine 9, Tıbbı 30, Fiten 27; Müslim, Hacc 485, 486, (1379), 1380); Tirmizî, Fiten 51, (2244) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4606, c./s. 13/188]

2331. आप ने यह कहकर फ़ितनों के उठने की दिशा बताई: “ईमान यमनी है; और फ़ितना उधर है...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर फ़ितनों के उठने की दिशा बताई: “ईमान यमनी है; और फ़ितना उधर है, शैतान का सींग वहीं से निकलता है”; किताब के अनुसार फ़ितने इराक़, नज्द और उनके आस-पास से उठे।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: वफ़ात के बाद इराक़ और नज्द की ओर से उठे फ़ितने

स्रोत 1000 Mucize no.326 (s.302); Kütüb-i Sitte: Buhârî ; Buharî, Menakıb 1, Megazî 74, Bed'ü'l-Halk 14; Müslim, İman 84, (52) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4803, c./s. 13/471; no. 4627, c./s. 13/210]

2332. आप ने बताया कि आप को अपनी उम्मत के लिए ग़रीबी से नहीं, बल्कि इस बात से डर है कि...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप को अपनी उम्मत के लिए ग़रीबी से नहीं, बल्कि इस बात से डर है कि दुनिया उनके सामने बिछा दी जाएगी और वे उसके लिए होड़ करके नष्ट हो जाएँगे; आप की उम्मत का फ़ितना माल है, और आप ने पुरुषों के लिए स्त्रियों के फ़ितने से अधिक हानिकारक कोई फ़ितना नहीं छोड़ा; किताब के अनुसार यह आप की वफ़ात के तुरंत बाद पूरा हुआ।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: वफ़ात के तुरंत बाद (किताब के शब्द)

स्रोत 1000 Mucize no.419 (s.413); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 185; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 255; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buharî, Rikâk 7, Cizye 1, Megâzî 11; Müslim, Zühd 6, (2961); Tirmizî, Kıyâmet 29, (2464) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1147; no. 395, c./s. 3/168-; no. 3308, c./s. 10/97-98]

2333. आप ने जाबिर से पूछा: “क्या तुम्हारे पास अनमात (बिछौने की चादरें या क़ालीन)...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने जाबिर से पूछा: “क्या तुम्हारे पास अनमात (बिछौने की चादरें या क़ालीन) हैं?”, और “हमारे पास कहाँ!” उत्तर पाकर फ़रमाया: “आगे चलकर तुम्हारे पास अनमात होंगे”; बाद में जाबिर ने अपनी पत्नी से घर के अनमात हटाने को कहा, तो उसने उन्हें यह बात याद दिलाई।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: जाबिर के जीवनकाल में, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.420 (s.415); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3631; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 185; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 255, 376; Kütüb-i Sitte: Buharî, Menakıb 25, Nikah 62; Müslim,

Libas 39; Ebu Davud, Libas 45, (4145); Tirmizî, Edeb 26, (2775); Nesâî, Nikah 83, (6, 136) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5576, c./s. 15/423]

2334. आप ने ख़बर दी कि मदीना के घर इहाब (या यहाब) नाम की जगह तक फैल जाएँगे; नगर अपने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मदीना के घर इहाब (या यहाब) नाम की जगह तक फैल जाएँगे; नगर अपने केंद्र से मीलों तक फैल गया।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: बाद की सदियाँ (आज का समय)

स्रोत 1000 Mucize no.491 (s.482); Kütüb-i Sitte: Müslim

2335. अभियान में शामिल होने के लिए मदीना आए हबीब बिन मसलमा फ़िहरी को आप ने उनके पीछे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अभियान में शामिल होने के लिए मदीना आए हबीब बिन मसलमा फ़िहरी को आप ने उनके पीछे आए पिता मसलमा के साथ वापस भेज दिया और फ़रमाया: “तुम्हारे पिता इस वर्ष मर सकते हैं”, और मसलमा की उसी वर्ष मृत्यु हुई।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित (ख़बर और पूर्ति एक ही वर्ष में)

स्रोत 1000 Mucize no.935 (s.769)

2336. आप ने ख़बर दी कि रूमी ज़माने के अंत तक पीढ़ी-दर-पीढ़ी (ज़ातु क़ुरून) बने रहेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि रूमी ज़माने के अंत तक पीढ़ी-दर-पीढ़ी (ज़ातु क़ुरून) बने रहेंगे।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: जारी

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2337. आप ने ख़बर दी कि अंसार कम होते जाएँगे और भोजन में नमक जितने रह जाएँगे; उनका...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि अंसार कम होते जाएँगे और भोजन में नमक जितने रह जाएँगे; उनका मामला बिखरता गया, और उनका समूह न रहा।

ख़बर: हिजरी 11 (अंतिम ख़ुतबा); पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2338. आप ने फ़रमाया: “यह दीन हर उस जगह पहुँचेगा जहाँ रात और दिन पहुँचते हैं; अल्लाह...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “यह दीन हर उस जगह पहुँचेगा जहाँ रात और दिन पहुँचते हैं; अल्लाह कच्ची ईंट और बालों (तंबू) का कोई घर ऐसा नहीं छोड़ेगा जिसमें इसे दाख़िल न कर दे” (तमीम दारी की रिवायत)।

पूर्ति: जारी

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2339. आप ने ख़बर दी: “मुज़र क़बीला अल्लाह के नेक बंदों को मारता और फ़ितने में डालता...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मुज़र क़बीला अल्लाह के नेक बंदों को मारता और फ़ितने में डालता रहेगा; अंत में अल्लाह अपनी सेनाओं में से एक सेना उन पर हावी कर देगा” (हुज़ैफ़ा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 205 (Abbâsîlerin hilafetini haber vermesi)

2340. आप ने ख़बर दी: “लोगों में तुम्हारे विरुद्ध सबसे कठोर रूमी हैं; उनका विनाश...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “लोगों में तुम्हारे विरुद्ध सबसे कठोर रूमी हैं; उनका विनाश क़यामत के साथ ही होगा” (मुस्तौरिद बिन शद्दाद की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बाइज़ेंटाइन और रूमियों का सदियों तक बने रहना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 217 (Rumların helakinin kıyametle birlikte olacağını haber vermesi)

2341. आप ने ख़बर दी: “इस उम्मत में रूप बिगड़ना (मस्ख़), धरती में धँसना (ख़स्फ़) और...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “इस उम्मत में रूप बिगड़ना (मस्ख़), धरती में धँसना (ख़स्फ़) और पत्थर बरसना (क़ज़्फ़) होगा; यह तक़दीर को झुठलाने वालों और ज़िंदीक़ों में होगा” (इब्ने उमर की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 252 (Râfıza, Kaderiyye, Mürcie ve zındıkları haber vermesi)

2342. मदीना में एक ख़ाली ज़मीन को देखकर आप ने फ़रमाया: “इस जगह कितनी ही क़समें खाई...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मदीना में एक ख़ाली ज़मीन को देखकर आप ने फ़रमाया: “इस जगह कितनी ही क़समें खाई जाएँगी जो अल्लाह तक नहीं उठेंगी”; रावी ने बाद में वहाँ दासों और पशुओं के व्यापारियों (नख़्ख़ासीन) का बाज़ार देखा (अबू हुरैरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बाद के वर्ष, मदीना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 261 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2343. आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत में जाहिलियत की तीन बातें नहीं छोड़ी जाएँगी: तारों...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत में जाहिलियत की तीन बातें नहीं छोड़ी जाएँगी: तारों से वर्षा की आशा रखना, वंश पर ताना मारना, और मृतक पर विलाप करना” (जुनादा अज़्दी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: जारी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 263 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2344. आप ने ख़बर दी: “इस दीन का एक उत्थान (इक़बाल) है और एक पतन (इदबार)”: उत्थान में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “इस दीन का एक उत्थान (इक़बाल) है और एक पतन (इदबार)”: उत्थान में पूरा क़बीला दीन की समझ रखने वाला होगा और एक-दो दुराचारी दबे रहेंगे; पतन में पूरा क़बीला अज्ञानी होगा और एक-दो दीन के ज्ञाता दबे रहेंगे, और शराब और अश्लीलता खुलेआम होगी (अबू उमामा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 264 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2345. आप ने ख़बर दी: “जब तुम देखो कि मेरी उम्मत अत्याचारी से ‘तुम अत्याचारी हो’ कहने...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “जब तुम देखो कि मेरी उम्मत अत्याचारी से ‘तुम अत्याचारी हो’ कहने से डरती है, तो समझो कि उनसे विदा ले ली गई है” (अब्दुल्लाह बिन अम्र की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 264 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2346. आप ने ख़बर दी: “लोगों पर ऐसा समय आएगा कि वे मस्जिदों में घेरा बनाकर बैठेंगे, और...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “लोगों पर ऐसा समय आएगा कि वे मस्जिदों में घेरा बनाकर बैठेंगे, और उनकी चिंता केवल दुनिया होगी; अल्लाह को उनकी कोई आवश्यकता नहीं, उनके साथ न बैठना” (अनस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 264 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2347. आप ने ख़बर दी: “लोग आज बिना काँटों वाले, पत्तों भरे पेड़ जैसे हैं; जल्द ही वे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “लोग आज बिना काँटों वाले, पत्तों भरे पेड़ जैसे हैं; जल्द ही वे बिना पत्तों वाले, काँटों भरे पेड़ जैसे हो जाएँगे” (अबू उमामा बाहिली की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बाद की पीढ़ियाँ

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 266 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2348. आप ने ख़बर दी: “मामला और कठोर ही होता जाएगा, माल बढ़ता ही जाएगा, और लोग कंजूस...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मामला और कठोर ही होता जाएगा, माल बढ़ता ही जाएगा, और लोग कंजूस ही होते जाएँगे” (अबू उमामा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 266 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2349. जिब्रील की ख़बर के आधार पर आप ने बताया कि आप की उम्मत में तीन ऐसे काम देखे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिब्रील की ख़बर के आधार पर आप ने बताया कि आप की उम्मत में तीन ऐसे काम देखे जाएँगे जो पिछली उम्मतों ने नहीं किए (क़ब्रों को लूटना और स्त्रियों का स्त्रियों से संतुष्ट होना इन्हीं में से हैं) (उबैद जुहनी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 268 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2350. आप ने बताया कि आप की उम्मत में अबदाल होंगे: आदम के दिल जैसे दिल वाले तीन सौ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत में अबदाल होंगे: आदम के दिल जैसे दिल वाले तीन सौ, मूसा के दिल जैसे चालीस, इब्राहीम के दिल जैसे सात, जिब्रील के दिल जैसे तीन, और इस्राफ़ील के दिल जैसा एक व्यक्ति (इब्ने मसऊद); धरती ख़लीलुर्रहमान जैसे चालीस लोगों से कभी ख़ाली नहीं होगी (अनस); अबदाल तीस लोग हैं (उबादा बिन सामित)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: जारी

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 372 (ümmetine özgü hususiyetler bâbları)

2351. आप ने अंसार को ख़बर दी: “लोग बढ़ते जाएँगे, और अंसार घटते जाएँगे”, और ऐसा ही हुआ

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अंसार को ख़बर दी: “लोग बढ़ते जाएँगे, और अंसार घटते जाएँगे”, और ऐसा ही हुआ।

ख़बर: मदनी दौर (वफ़ात के क़रीब); पूर्ति: बाद की सदियाँ

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 245 (İhbâruhû bimâ vakaa alâ hakîkatih)

2352. आप ने ख़बर दी: “मुझसे पहले के हर नबी के हवारी (निष्ठावान साथी) हुए; फिर उनके...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मुझसे पहले के हर नबी के हवारी (निष्ठावान साथी) हुए; फिर उनके बाद ऐसे बुरे उत्तराधिकारी (ख़ुलूफ़) आते हैं जो वह कहते हैं जो करते नहीं, और वह करते हैं जिसका उन्हें आदेश नहीं दिया गया।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: वफ़ात के बाद के दौर

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 264 (Fasl fî tertîbi'l-ahbâr bi'l-guyûbi'l-müstakbele ba'deh)

2353. आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत के पाँच स्तर हैं: चालीस वर्ष तक भलाई और तक़वा वाले...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत के पाँच स्तर हैं: चालीस वर्ष तक भलाई और तक़वा वाले; एक सौ बीस तक दया और रिश्तेदारी का ध्यान रखने वाले; एक सौ साठ तक एक-दूसरे से मुँह मोड़ने और संबंध तोड़ने वाले; फिर हर्ज, हर्ज (मार-काट); बचो, बचो” (अनस की रिवायत; दूसरी सनद में हर स्तर चालीस वर्ष का है)।

ख़बर: मदनी दौर; आशय: हिजरी 40, 120, 160 और उसके बाद

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 368 (insanların tabakalarını haber vermesi)

2354. आप ने यह कहकर ख़बर दी कि आप के बाद कुछ लोग दीन को बदल देंगे: “मैं हौज़ पर...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर ख़बर दी कि आप के बाद कुछ लोग दीन को बदल देंगे: “मैं हौज़ पर तुम्हारा अग्रदूत हूँ; जो आएगा वह पिएगा, और जो पिएगा वह फिर कभी प्यासा नहीं होगा; कुछ ऐसे समूह मेरे पास आएँगे जिन्हें मैं पहचानता हूँ और जो मुझे पहचानते हैं, फिर मेरे और उनके बीच रुकावट डाल दी जाएगी; मैं कहूँगा: ‘वे मेरे हैं’; कहा जाएगा: ‘आप नहीं जानते कि आप के बाद उन्होंने क्या-क्या नई बातें गढ़ीं’; मैं कहूँगा: ‘दूर हों वे जिन्होंने मेरे बाद बदल डाला।’”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: वफ़ात के बाद

स्रोत Tabersî, İ'lâmü'l-verâ bi-a'lâmi'l-hüdâ, c. 1, s. 90 (2. bâb: gayb ve gelecek haberleri)

2355. आप ने रूमिया (रोम) के जीते जाने की ख़बर दी और फ़रमाया: “जब उसे जीतो, तो पूर्वी...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने रूमिया (रोम) के जीते जाने की ख़बर दी और फ़रमाया: “जब उसे जीतो, तो पूर्वी गिरजाघर को मस्जिद बना देना; फ़र्श के सात पत्थर गिनकर आठवाँ उठाना; उसके नीचे मूसा की लाठी और (एक नबी के) वस्त्र हैं।”

पूर्ति: अभी नहीं / व्याख्या पर निर्भर

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 132 (Bâb 11: gaybî haberleri)

2356. आप ने अली को ख़बर दी: “ऐसे फ़ितने होंगे कि मोमिन उन्हें न अपने हाथ से बदल...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अली को ख़बर दी: “ऐसे फ़ितने होंगे कि मोमिन उन्हें न अपने हाथ से बदल सकेगा, न अपनी ज़बान से”; अली ने पूछा: “क्या उस दिन उनमें मोमिन होंगे? क्या यह उनके ईमान में से कुछ घटाएगा?”, तो आप ने फ़रमाया: “नहीं, बस उतना ही जितना वर्षा की बूँद चट्टान से घटाती है” (उबादा बिन सामित की रिवायत)।

पूर्ति: वफ़ात के बाद (व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 144-145 (Bâb 12: kendisinden sonra olacakları haber vermesi)

2357. आप ने अली को ख़बर दी कि कुछ फ़ितने प्रकट होंगे, और बताया कि उनसे बचाव अल्लाह की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने अली को ख़बर दी कि कुछ फ़ितने प्रकट होंगे, और बताया कि उनसे बचाव अल्लाह की किताब है, जिसमें पहले वालों और बाद वालों की ख़बरें और उनके बीच का फ़ैसला है।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: वफ़ात के बाद (किताब में उल्लेख नहीं)

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "HZ. MUHAMMED ALEYHİSSELÂM'IN EN BÜYÜK VE EN DEVAMLI MU'CİZESİ KUR'ÂN-I KERÎM'DİR" (kitabın dipnotu: Cin:1-2); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fezâilü'l-Kur'ân 14, (2906) (kitapta kaynak gösterilmemiş; Canan'da bulunamadı)

45 · वफ़ात के बाद देखी गई घटनाएँ: सहाबा और ताबिईन की करामतें, अहले किताब की गवाहियाँ

2358. अबुल क़ासिम बिन मामून ने कहा: “हमारे पास नबी ﷺ के प्यालों में से एक (क़सआ) था...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबुल क़ासिम बिन मामून ने कहा: “हमारे पास नबी ﷺ के प्यालों में से एक (क़सआ) था; हम उसमें बीमारों के लिए पानी डालते थे, और वे उससे शिफ़ा पाते थे।”

नबी ﷺ के सदियों बाद (हिजरी चौथी–पाँचवीं सदी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

2359. झूठे नबी असवद अंसी ने अबू मुस्लिम ख़ौलानी को आग में फिंकवाया, पर वे नहीं जले

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

झूठे नबी असवद अंसी ने अबू मुस्लिम ख़ौलानी को आग में फिंकवाया, पर वे नहीं जले।

हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.180; 1000 Mucize no.850 (s.712); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 133; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 403-405; İbn Hamza et-Tûsî, es-Sâkıb, s. 114, hadis no. 111/14

2360. अला बिन हज़रमी की दुआ से रेगिस्तान में पानी निकला, और वे अपनी सेना के साथ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अला बिन हज़रमी की दुआ से रेगिस्तान में पानी निकला, और वे अपनी सेना के साथ समुद्र (खाड़ी) को बिना भीगे पार कर गए।

हिजरी 11–12 (633 ईस्वी)

स्रोत İbn Kesîr s.178; web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.52-53; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 492; c. 2, s. 111; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 183-184, 385-387, 428

2361. रूम के देश में रास्ता भटके आप के आज़ाद किए हुए सेवक सफ़ीना ने अपने सामने आए शेर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

रूम के देश में रास्ता भटके आप के आज़ाद किए हुए सेवक सफ़ीना ने अपने सामने आए शेर से कहा: “मैं अल्लाह के रसूल ﷺ का आज़ाद किया हुआ सेवक हूँ”, और शेर ने उन्हें रास्ता दिखाया।

हिजरी 11 के बाद

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.501; İbn Kesîr s.66; 19. Mektup listesi (183.txt) no.73; web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.45; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 19. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles Shown on Animals"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 108; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 163; Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 17, s. 409-410; Râvendî, el-Harâic, c. 1, s. 136-138

2362. अस्मा बिंत अबी बक्र ने एक चोग़ा निकालकर कहा: “अल्लाह के रसूल ﷺ इसे पहनते थे; हम...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अस्मा बिंत अबी बक्र ने एक चोग़ा निकालकर कहा: “अल्लाह के रसूल ﷺ इसे पहनते थे; हम इसे बीमारों के लिए धोते हैं और शिफ़ा की आशा रखते हैं।”

नबी ﷺ के बाद (हिजरी 11–73)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl (kerâmât, berekât, dokunduğu şeylerin dönüşmesi)

2363. अला बिन हज़रमी (एक रिवायत में उनके साथी) की अभियान में मृत्यु हुई और उन्हें...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अला बिन हज़रमी (एक रिवायत में उनके साथी) की अभियान में मृत्यु हुई और उन्हें दफ़्न किया गया; उस जगह से, जिसके बारे में कहा गया कि दरिंदे लाश निकाल लेंगे, उन्हें ले जाने के लिए क़ब्र खोली गई, तो लाश नहीं मिली, और लहद जहाँ तक नज़र जाती थी, चमचमाते नूर से भरी दिखी।

बहरैन का अभियान, हिजरी 11–12 (633 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.53

2364. (आप की उम्मत की करामत) ख़ौलान के एक व्यक्ति को, जो मुसलमान हो गया था, उसकी क़ौम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) ख़ौलान के एक व्यक्ति को, जो मुसलमान हो गया था, उसकी क़ौम ने धर्म से फेरने के लिए आग में डाल दिया, और उसके शरीर का केवल वह भाग जला जहाँ वुज़ू का पानी नहीं पहुँचा था; अबू बक्र ने उससे दुआ करवाई, और शाम में उसकी उपमा इब्राहीम से दी गई।

अबू बक्र का दौर, हिजरी 11–13

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 133 (Cansız varlık türlerindeki mucizeleri: ateşin yakmaması)

2365. ख़ालिद बिन वलीद ने हीरा में बिस्मिल्लाह कहकर ज़हर पी लिया, और उन्हें कोई हानि नहीं हुई

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

ख़ालिद बिन वलीद ने हीरा में बिस्मिल्लाह कहकर ज़हर पी लिया, और उन्हें कोई हानि नहीं हुई।

हिजरी 12 (633 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.420, 421; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 494; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 412

2366. यमामा में शहीद हुए साबित बिन क़ैस ने सपने में एक सहाबी को अपने कवच की जगह बताई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यमामा में शहीद हुए साबित बिन क़ैस ने सपने में एक सहाबी को अपने कवच की जगह बताई और वसीयत की, और अबू बक्र ने उस वसीयत को लागू किया।

हिजरी 12 (633 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.129; İbn Kesîr s.147

2367. यमामा में शहीद हुए साबित बिन क़ैस बिन शम्मास को क़ब्र में रखते समय उन्हें यह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यमामा में शहीद हुए साबित बिन क़ैस बिन शम्मास को क़ब्र में रखते समय उन्हें यह कहते सुना गया: “मुहम्मद रसूलुल्लाह, अबू बक्र अस-सिद्दीक़, उमर अश-शहीद, उस्मान अल-बर्रुर रहीम”; देखा गया तो वे मृत थे (अब्दुल्लाह बिन उबैदुल्लाह अंसारी: “मैं उन्हें दफ़नाने वालों में था”)।

यमामा का युद्ध, हिजरी 12 (633 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 20. fasıl (ölülerin diriltilmesi, çocukların konuşması)

2368. यमन के एक मुजाहिद (नख़ई) का गधा रास्ते में मर गया, और उनकी दुआ से फिर जीवित हो गया

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यमन के एक मुजाहिद (नख़ई) का गधा रास्ते में मर गया, और उनकी दुआ से फिर जीवित हो गया।

हिजरी 13–23 (उमर का दौर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.504; İbn Kesîr s.72; web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.48-49; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 114; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 181-182, 457-458

2369. मदीना में जुमे का ख़ुतबा देते समय उमर ने अचानक तीन बार पुकारा: “ऐ सारिया, पहाड़...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मदीना में जुमे का ख़ुतबा देते समय उमर ने अचानक तीन बार पुकारा: “ऐ सारिया, पहाड़ की ओर!”; यह आवाज़ दूर की सेना में सुनी गई, हारने ही वाले सारिया के सैनिकों ने पहाड़ की ओट ली और विजयी हुए, और एक महीने बाद आए दूत ने इसकी पुष्टि की।

उमर की ख़िलाफ़त (हिजरी 13–23), लगभग हिजरी 23 (644 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.832 (s.694); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 497

2370. उमर मस्जिद में सो रहे थे, तब उनके सिरहाने शहादत देता एक रूमी बितरीक़ (सेनापति)...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उमर मस्जिद में सो रहे थे, तब उनके सिरहाने शहादत देता एक रूमी बितरीक़ (सेनापति) प्रकट हुआ; उसने बताया कि उसने मुसलमान बंदियों में से एक को “व मन युतिइल्लाहा व रसूलहू...” (सूरह अन-नूर, आयत 52) आयत पढ़ते सुना और उस पर विचार किया, और यह देखकर कि इस एक आयत में दुनिया और आख़िरत के बारे में ईसा पर उतरी बातें इकट्ठी हैं, वह मुसलमान हो गया।

उमर का दौर (हिजरी 13–23)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, i'câzü'l-Kur'ân fasılları

2371. कअबुल अहबार ने रोते हुए एक यहूदी विद्वान को क़समें दिलाकर एक-एक बात की पुष्टि...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कअबुल अहबार ने रोते हुए एक यहूदी विद्वान को क़समें दिलाकर एक-एक बात की पुष्टि करवाई कि मूसा ने तौरात में अहमद की उम्मत के गुण पढ़कर उन पर रश्क किया था।

उमर का दौर और उसके बाद (हिजरी 13–32)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 21 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

2372. इब्ने मसऊद के साथियों ने हज के रास्ते में कस्तूरी की सुगंध वाले एक सफ़ेद साँप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इब्ने मसऊद के साथियों ने हज के रास्ते में कस्तूरी की सुगंध वाले एक सफ़ेद साँप को दफ़नाया; शाम को चार स्त्रियाँ आईं और बोलीं: “अम्र को किसने दफ़नाया? वह रोज़ा रखने वाला, नमाज़ पढ़ने वाला मोमिन था; उसने तुम्हारे नबी के गुण उनके भेजे जाने से चार सौ वर्ष पहले आसमान में सुने थे और ईमान ले आया था”; उमर ने यह कहकर पुष्टि की: “तुमने सच कहा, मैंने अल्लाह के रसूल ﷺ से ऐसा ही सुना है।”

उमर का दौर (हिजरी 13–23)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl (hicret yolundaki âyetler), no. 257

2373. अबू बक्र ने मृत्यु के समय वसीयत की: “मुझे अल्लाह के रसूल ﷺ की क़ब्र पर ले जाना...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र ने मृत्यु के समय वसीयत की: “मुझे अल्लाह के रसूल ﷺ की क़ब्र पर ले जाना, और अनुमति माँगकर कहना: ‘अबू बक्र आप के पास दफ़्न होना चाहता है’” (रिवायत का शेष भाग सारांश में कटा हुआ है)।

हिजरी 13 (634 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 491 (Vefatından sonra görülen âyetler)

2374. (आप की उम्मत की करामत) उमर बक़ीअ के क़ब्रिस्तान से गुज़रे और कहा: “तुम पर सलाम...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) उमर बक़ीअ के क़ब्रिस्तान से गुज़रे और कहा: “तुम पर सलाम हो ऐ क़ब्र वालो; हमारे यहाँ की ख़बर यह है: तुम्हारी पत्नियों ने विवाह कर लिए, तुम्हारे घरों में दूसरे बस गए, तुम्हारे माल बाँट लिए गए”, तो एक हातिफ़ ने उत्तर दिया: “हमारे यहाँ की ख़बर यह है: जो हमने आगे भेजा वह पा लिया, जो हमने ख़र्च किया उसका लाभ देख लिया, और जो पीछे छोड़ा वह खो दिया।”

उमर का दौर, हिजरी 13–23

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 112 (Ölülerin diriltilmesi ve konuşması bâbı)

2375. (आप की उम्मत की करामत) उमर इबादत में लगे रहने वाले एक युवक की क़ब्र पर गए और यह...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) उमर इबादत में लगे रहने वाले एक युवक की क़ब्र पर गए और यह आयत पढ़ी: “जो अपने रब के सामने खड़े होने से डरता है, उसके लिए दो जन्नतें हैं” (सूरह अर-रहमान, आयत 46), तो युवक ने अपनी क़ब्र से उत्तर दिया: “मेरे रब ने मुझे वे जन्नत में दो बार दीं।”

उमर का दौर, हिजरी 13–23

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 113 (Ölülerin diriltilmesi ve konuşması bâbı)

2376. (आप की उम्मत की करामत) उमर के समय में हर्रा से निकली आग को उमर के कहने पर तमीम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) उमर के समय में हर्रा से निकली आग को उमर के कहने पर तमीम दारी ने अपने हाथ (या अपनी चादर) से हाँककर एक घाटी (गुफा) में धकेल दिया; उमर ने तीन बार कहा: “देखने वाला न देखने वाले जैसा नहीं होता।”

उमर का दौर, हिजरी 13–23

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 134 (Cansız varlık türlerindeki mucizeleri: ateşin yakmaması)

2377. हिम्स की घेराबंदी में मुसलमानों के एक साथ तकबीर कहने से रूमी काँप उठे, दीवारें...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिम्स की घेराबंदी में मुसलमानों के एक साथ तकबीर कहने से रूमी काँप उठे, दीवारें गिर पड़ीं, और लोग डर के मारे संधि माँगने के लिए अपने सरदारों के पास दौड़े।

हिम्स की घेराबंदी, उमर का दौर, लगभग हिजरी 15 (636 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.830 (s.694)

2378. हिम्स की घेराबंदी में मुसलमानों की दूसरी तकबीर से नगर के घर ढह गए, और लोगों ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हिम्स की घेराबंदी में मुसलमानों की दूसरी तकबीर से नगर के घर ढह गए, और लोगों ने अपने सरदारों से कहा: “क्या तुम नहीं देखते कि अल्लाह का अज़ाब हम पर उतर आया है?”

हिम्स की घेराबंदी, उमर का दौर, लगभग हिजरी 15 (636 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.831 (s.694)

2379. कअबुल अहबार ने शाम में उमर से कहा कि पिछली किताबों में लिखा है कि ये नगर एक ऐसे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कअबुल अहबार ने शाम में उमर से कहा कि पिछली किताबों में लिखा है कि ये नगर एक ऐसे नेक व्यक्ति के हाथों जीते जाएँगे जो “मोमिनों पर दयालु, काफ़िरों पर कठोर, और भीतर-बाहर एक जैसा” होगा; बैतुल मक़दिस के लोगों ने ख़ालिद बिन वलीद से कहा: “इसे तुम नहीं, उमर जीतेंगे; किताबों के अनुसार क़ैसारिया पहले जीता जाएगा।”

हिजरी 15–17 (636–638 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 53 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2380. यरमूक में रूमी सेनापति माहान के दूत जुर्जीर (जरजा) ने मुसलमानों की नमाज़ देखी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

यरमूक में रूमी सेनापति माहान के दूत जुर्जीर (जरजा) ने मुसलमानों की नमाज़ देखी, कुछ प्रश्न पूछे, और फिर यह कहकर मुसलमान हो गया: “ईसा ने हमें ऊँट पर सवार होने वाले व्यक्ति का शुभ समाचार दिया था; तुम्हारे नबी ने सच कहा है।”

यरमूक, हिजरी 15 (636 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 496 (Vefatından sonra ashabının gazvelerinde görülen âyetler)

2381. साद ने अपनी निंदा में कविता कहने वाले एक व्यक्ति के लिए दुआ की: “ऐ अल्लाह, उसकी...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद ने अपनी निंदा में कविता कहने वाले एक व्यक्ति के लिए दुआ की: “ऐ अल्लाह, उसकी ज़बान और उसके हाथ को जैसे चाहे मुझसे दूर रख”; क़ादिसिया के दिन वह व्यक्ति मारा गया और उसकी ज़बान और हाथ कट गए (क़बीसा बिन जाबिर की रिवायत)।

क़ादिसिया, हिजरी 15 (636 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 281 (dualaın kabulündeki mucizeler: Sa'd b. Ebî Vakkâs için duası)

2382. क़ादिसिया के रास्ते में (मुसलमानों की) ज़ुरैब बिन बरसमला (ईसा के वसी) से भेंट हुई; यह उसी का क़िस्सा है

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

क़ादिसिया के रास्ते में (मुसलमानों की) ज़ुरैब बिन बरसमला (ईसा के वसी) से भेंट हुई; यह उसी का क़िस्सा है।

हिजरी 16 (637 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.366; web: Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 5-6. fasıl, no. 54; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 495

2383. दजला पहुँची सहाबा की सेना में से एक व्यक्ति (कहा जाता है कि वे हुज्र बिन अदी...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दजला पहुँची सहाबा की सेना में से एक व्यक्ति (कहा जाता है कि वे हुज्र बिन अदी थे) ने “बिस्मिल्लाह” कहकर अपना घोड़ा नदी में उतार दिया, और बाक़ी लोग भी उनके पीछे पानी के ऊपर से पार हो गए; शत्रु “शैतान!” कहते हुए भाग गया, और काठी से बँधे एक पानी के बर्तन के सिवा कुछ भी नहीं खोया।

मदाइन की विजय, लगभग हिजरी 16 (637 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.845 (s.707); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.54; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 493; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 185, 388-389

2384. एक व्यक्ति ने सपने में देखा कि महशर में नबी दो-दो नूरों के साथ आए, और मुहम्मद ﷺ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक व्यक्ति ने सपने में देखा कि महशर में नबी दो-दो नूरों के साथ आए, और मुहम्मद ﷺ के सिर और चेहरे का हर बाल एक अलग नूर के साथ आया; कअबुल अहबार ने कहा: “यह ठीक तौरात में बताया गया वर्णन है।”

उमर और उस्मान का दौर (हिजरी 17–32)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 28 (Tevrat ve İncil'de anılması bâbı)

2385. आप की वफ़ात के बाद भी आप की बरकत सहाबा पर दिखाई दी: उमर ने आप के चाचा अब्बास के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की वफ़ात के बाद भी आप की बरकत सहाबा पर दिखाई दी: उमर ने आप के चाचा अब्बास के साथ (उन्हें वसीला बनाकर) वर्षा की दुआ की, और वर्षा हुई; बहुत से लोगों ने आप के वंश से बरकत ली।

रमादा (राख) का वर्ष, हिजरी 18 (639 ईस्वी)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 29. fasıl (doğumundaki ve sonrasındaki alâmetler)

2386. हबीब बिन मसलमा ने “ला हौला व ला क़ुव्वता इल्ला बिल्लाह” कहकर क़िला जीत लिया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हबीब बिन मसलमा ने “ला हौला व ला क़ुव्वता इल्ला बिल्लाह” कहकर क़िला जीत लिया।

हिजरी 20–40

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.429; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 498

2387. उमर के भेजे अनुदान को कपड़े के नीचे से मुट्ठी भर-भरकर रिश्तेदारों और अनाथों में...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

उमर के भेजे अनुदान को कपड़े के नीचे से मुट्ठी भर-भरकर रिश्तेदारों और अनाथों में बाँटने वाली ज़ैनब बिंत जहश ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, इसके बाद उमर का अनुदान मुझ तक न पहुँचे”, और कुछ ही समय बाद उनकी मृत्यु हो गई।

उमर की ख़िलाफ़त, लगभग हिजरी 20 (641 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.844 (s.706)

2388. उस्मान को सुनाई गई घटना: रेगिस्तान में दो बवंडर टकराए, फिर कस्तूरी की सुगंध...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उस्मान को सुनाई गई घटना: रेगिस्तान में दो बवंडर टकराए, फिर कस्तूरी की सुगंध वाला एक पतला पीला साँप मिला, जिसे एक व्यक्ति ने अपनी पगड़ी में लपेटकर दफ़नाया; एक अदृश्य आवाज़ ने कहा: “ये बनू शैसबान और बनू उक़ैश के जिन्न थे; जिसे तुमने दफ़नाया, वह अल्लाह के रसूल ﷺ से वह्य सुनने वालों में से था और शहीद हुआ।”

उस्मान का दौर (हिजरी 23–35)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl (hicret yolundaki âyetler), no. 256

2389. कअबुल अहबार ने उमर से कहा: “मैं आप को (किताबों में) जहन्नम के दरवाज़ों में से...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कअबुल अहबार ने उमर से कहा: “मैं आप को (किताबों में) जहन्नम के दरवाज़ों में से एक पर खड़ा पाता हूँ, जो लोगों को उसमें गिरने से रोकते हैं; आप के मरने के बाद वे क़यामत तक उसमें कूदते रहेंगे”, और ख़बर दी कि ज़ुल हिज्जा समाप्त होने से पहले वे जन्नत में प्रवेश करेंगे; उमर उसी महीने शहीद किए गए।

ज़ुलहिज्जा हिजरी 23 (644 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 230 (fitnelerin Hz. Ömer'in ölümünden sonra başlayacağını haber vermesi)

2390. ज़ैद बिन ख़ारिजा ने अपनी मृत्यु के बाद बोलकर अल्लाह के रसूल ﷺ की नबूवत और पहले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ज़ैद बिन ख़ारिजा ने अपनी मृत्यु के बाद बोलकर अल्लाह के रसूल ﷺ की नबूवत और पहले तीन ख़लीफ़ाओं के सत्य पर होने की गवाही दी।

हिजरी 24–35 (उस्मान का दौर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.512; İbn Kesîr s.76; web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.55-57; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 20. fasıl; Questions on Islam, "The Miracles concerning Resurrected Corpses"; ayrıca: İbn Kesîr,

Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 187-189, 458

2391. ज़ैद बिन ख़ारिजा के बाद बनू ख़त्मा का एक व्यक्ति भी मरा, और ढके जाने के बाद...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ज़ैद बिन ख़ारिजा के बाद बनू ख़त्मा का एक व्यक्ति भी मरा, और ढके जाने के बाद उसके सीने से आवाज़ आई और वह बोला: “बनू हारिस बिन ख़ज़रज के भाई (ज़ैद) ने सच कहा।”

उस्मान का दौर (हिजरी 24–35)

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.55

2392. आप की वफ़ात के बाद अपनी ज़रूरत के लिए उस्मान के पास जाकर भी ध्यान न पाने वाले...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप की वफ़ात के बाद अपनी ज़रूरत के लिए उस्मान के पास जाकर भी ध्यान न पाने वाले एक व्यक्ति को उस्मान बिन हुनैफ़ ने वही तवस्सुल की दुआ सिखाई; दुआ पढ़कर जाने पर दरबान उसका हाथ पकड़कर उस्मान के पास ले गया, और उस्मान ने उसे अपने पास बिठाकर तुरंत उसकी ज़रूरत पूरी कर दी।

उस्मान की ख़िलाफ़त, हिजरी 24–35 (644–656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 347 (onunla Allah'a tevessül edilmesi (âmânın duası) bâbı)

2393. आप के बाद आप की अँगूठी अबू बक्र, उमर और उस्मान के हाथ में रही; उस्मान की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप के बाद आप की अँगूठी अबू बक्र, उमर और उस्मान के हाथ में रही; उस्मान की ख़िलाफ़त के छठे वर्ष के बाद वह अँगूठी अरीस के कुएँ में गिर गई और तीन दिन खोजने पर भी नहीं मिली, और उसके बाद हालात बदल गए और फ़ितनों के कारण प्रकट होने लगे (आलिमों के अनुसार इसमें सुलैमान की अँगूठी जैसा एक रहस्य था)।

लगभग हिजरी 30 (650–651 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 143 (Mübarek elinin değdiği yerde görülen eserler (saçın ağarmaması vb.) bâbı)

2394. समुद्री जिहाद में जहाज़ पर मरे अबू तलहा को दफ़नाने के लिए सात दिन बाद ही कोई...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

समुद्री जिहाद में जहाज़ पर मरे अबू तलहा को दफ़नाने के लिए सात दिन बाद ही कोई द्वीप मिला, फिर भी उनका शरीर ज़रा भी नहीं बिगड़ा।

लगभग हिजरी 34 (654 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 499 (Vefatından sonra ashabının gazvelerinde görülen âyetler)

2395. उस्मान के हाथ की लाठी (अल्लाह के रसूल ﷺ की लाठी) को अपने घुटने पर तोड़ने वाले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उस्मान के हाथ की लाठी (अल्लाह के रसूल ﷺ की लाठी) को अपने घुटने पर तोड़ने वाले जहजाह ग़िफ़ारी के घुटने में सड़न (गैंग्रीन) हो गई और वह मर गया।

हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.841 (s.704); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 23. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 498

2396. कअबुल अहबार और एक बिशप ने उमर को तौरात में उनका वर्णन “लोहे का सींग, कठोर अमीर”...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कअबुल अहबार और एक बिशप ने उमर को तौरात में उनका वर्णन “लोहे का सींग, कठोर अमीर” बताया, और ख़बर दी कि उनके बाद का ख़लीफ़ा (उस्मान) अत्याचारियों के हाथों मारा जाएगा, और उसके बाद वाले (अली) की ख़िलाफ़त ख़ून-ख़राबे में बीतेगी।

उमर की ख़िलाफ़त (हिजरी 13–23); पूर्ति: हिजरी 35–40

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 54 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2397. अब्दुल्लाह बिन सलाम ने घेरने वालों से कहा: “उस्मान को न मारो, वे वैसे भी चालीस...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन सलाम ने घेरने वालों से कहा: “उस्मान को न मारो, वे वैसे भी चालीस दिन (बाद में कहा पंद्रह रातों) के भीतर मर जाएँगे; ज़ुल हिज्जा पूरा होने से पहले उनकी मृत्यु का समय आ जाएगा”, और बताया कि किताबों में लिखा है कि क़यामत के दिन उस्मान अपने हत्यारे और साथ छोड़ने वाले पर अमीर होंगे।

हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 54 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2398. घिरे हुए और रोज़े से उस्मान ने सपने में अल्लाह के रसूल ﷺ को देखा; आप ने उन्हें...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

घिरे हुए और रोज़े से उस्मान ने सपने में अल्लाह के रसूल ﷺ को देखा; आप ने उन्हें पानी पिलाया और फ़रमाया: “आज शाम हमारे पास इफ़्तार करना”, और उस्मान उसी दिन शहीद किए गए (मुहाजिर बिन हबीब और नाइला बिंत फ़राफ़िसा की रिवायतें)।

ज़ुलहिज्जा हिजरी 35 (656 ईस्वी), मदीना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 209 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2399. जिस दिन उस्मान मारे गए, उस दिन अदृश्य से एक आवाज़ सुनी गई: “इब्ने अफ़्फ़ान को...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस दिन उस्मान मारे गए, उस दिन अदृश्य से एक आवाज़ सुनी गई: “इब्ने अफ़्फ़ान को शुभ समाचार हो...” (अदी बिन हातिम की रिवायत)।

ज़ुलहिज्जा हिजरी 35 (656 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 209 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2400. रात में उस्मान को दफ़नाते समय जनाज़ा उठाने वालों के पीछे एक छाया आती दिखी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रात में उस्मान को दफ़नाते समय जनाज़ा उठाने वालों के पीछे एक छाया आती दिखी (रिवायत के अनुसार आवाज़ आई: “डरो मत, हम उनके जनाज़े में शामिल होने आए हैं”; इन्हें फ़रिश्ते माना गया)।

ज़ुलहिज्जा हिजरी 35 (656 ईस्वी), मदीना (बक़ीअ)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 209 (Hz. Osman'ın öldürüleceğini haber vermesi)

2401. आइशा ने अपना ऊँट मारने वाले ऐमन बिन सासआ को बद-दुआ दी: “ऐ अल्लाह, उसका पर्दा...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आइशा ने अपना ऊँट मारने वाले ऐमन बिन सासआ को बद-दुआ दी: “ऐ अल्लाह, उसका पर्दा खोल दे (उसका भेद खोल दे)”; अली के समय में वह व्यक्ति बसरा का हाकिम बनकर आया, और जिस रात वह एक घर में ठहरा, शौचालय में गिरकर मर गया और नंगी हालत में पाया गया।

जमल के युद्ध के बाद, अली की ख़िलाफ़त (हिजरी 36–40 / 656–661 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.843 (s.706)

2402. सिफ़्फ़ीन (या जमल) के दिन मृतकों के बीच दफ़नाए जाने वाले अंसार के एक व्यक्ति ने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सिफ़्फ़ीन (या जमल) के दिन मृतकों के बीच दफ़नाए जाने वाले अंसार के एक व्यक्ति ने बोलकर कहा: “मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं, अबू बक्र अस-सिद्दीक़, उमर अश-शहीद, उस्मान अर-रहीम”, और फिर चुप हो गया।

सिफ़्फ़ीन या जमल, हिजरी 36–37 (656–657 ईस्वी)

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.58

2403. साद ने अली को गालियाँ देने वाले एक व्यक्ति को बद-दुआ दी; एक ऊँट आया और उसने उस...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

साद ने अली को गालियाँ देने वाले एक व्यक्ति को बद-दुआ दी; एक ऊँट आया और उसने उस व्यक्ति को कुचल दिया (उसे पत्थरों पर पटका, और उसका भेजा बिखर गया); इस पर साद ने एक दास को आज़ाद किया और क़सम खाई कि फिर कभी किसी को बद-दुआ नहीं देंगे (क़ैस और मुसअब बिन साद की रिवायतें)।

हिजरी 36 और 55 के बीच, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 281 (duaların kabulündeki mucizeler: Sa'd b. Ebî Vakkâs için duası)

2404. सिफ़्फ़ीन पहुँचकर कअबुल अहबार रुक गए और बोले: “इस जगह इतना मुसलमानों का ख़ून...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सिफ़्फ़ीन पहुँचकर कअबुल अहबार रुक गए और बोले: “इस जगह इतना मुसलमानों का ख़ून बहेगा जितना कहीं और नहीं बहा; तौरात में धरती के हर बालिश्त पर होने वाली बातें लिखी हैं।”

ख़बर: उमर और उस्मान का दौर; पूर्ति: हिजरी 37 (657 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 56 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2405. आप ने तेज़ सिरदर्द से पीड़ित बनू लैस के फ़िरास बिन अम्र की दोनों आँखों के बीच...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने तेज़ सिरदर्द से पीड़ित बनू लैस के फ़िरास बिन अम्र की दोनों आँखों के बीच की त्वचा पकड़कर खींची; दर्द चला गया, और जहाँ आप ने पकड़ा था वहाँ बालों का एक गुच्छा उग आया; जब फ़िरास ने ख़ारिजियों से मिलना चाहा, तो वे बाल झड़ गए, और तौबा करने पर फिर उग आए।

घटना: मदनी दौर; बाल का झड़ना: हिजरी 37–38 (ख़वारिज का उदय)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 141-142 (Mübarek elinin değdiği yerde görülen eserler (saçın ağarmaması vb.) bâbı)

2406. सिफ़्फ़ीन में शाम की सेना का एक लदा हुआ ऊँट अपने सवार और बोझ को गिराकर सफ़ों को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सिफ़्फ़ीन में शाम की सेना का एक लदा हुआ ऊँट अपने सवार और बोझ को गिराकर सफ़ों को चीरता हुआ अली के पास आया, अपनी नाक उनके सिर और कंधे के बीच रखी और अपनी ठुड्डी रगड़ी; अली ने कहा: “अल्लाह की क़सम, यह मेरे और अल्लाह के रसूल ﷺ के बीच की निशानी है” (हारिस की रिवायत)।

सिफ़्फ़ीन, हिजरी 37 (657 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 234 (Sıffîn vakasını ve iki hakemi haber vermesi)

2407. अब्दुल्लाह बिन सलाम ने अल्लाह के रसूल ﷺ से कहा: “हम किताबों में आप को क़यामत के...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन सलाम ने अल्लाह के रसूल ﷺ से कहा: “हम किताबों में आप को क़यामत के दिन आप के रब के सामने खड़ा पाते हैं, आप के बाद आप की उम्मत के कामों के कारण आप के गाल लाल हैं”; और अली के शहीद होने पर उन्होंने कहा: “यह चालीसवें वर्ष का आरंभ है, इसके बाद संधि होगी।”

मदनी दौर; हिजरी 40–41 (661 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 55 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2408. जिस सुबह अली शहीद किए गए, उस सुबह बैतुल मक़दिस में उठाए गए हर पत्थर के नीचे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस सुबह अली शहीद किए गए, उस सुबह बैतुल मक़दिस में उठाए गए हर पत्थर के नीचे ताज़ा ख़ून मिला (ज़ुहरी और सईद बिन मुसय्यब की रिवायतें)।

रमज़ान हिजरी 40 (661 ईस्वी), यरूशलम

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 211 (Hz. Ali'nin öldürüleceğini haber vermesi)

2409. मरवान ने कहा: “यह माल हमारा है, हम जिसे चाहें देंगे”, तो साद ने बद-दुआ के लिए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मरवान ने कहा: “यह माल हमारा है, हम जिसे चाहें देंगे”, तो साद ने बद-दुआ के लिए हाथ उठाए; मरवान अपनी जगह से उछल पड़ा और गिड़गिड़ाया: “ऐ अबू इसहाक़, अल्लाह के वास्ते बद-दुआ न कीजिए; यह अल्लाह का माल है” (इब्नुल मुसय्यब की रिवायत)।

मुआविया का दौर (मरवान की मदीना की गवर्नरी, लगभग हिजरी 42–49)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 281 (duaların kabulündeki mucizeler: Sa'd b. Ebî Vakkâs için duası)

2410. आप ने बताया कि ताबिईन के श्रेष्ठ लोगों में से एक मरने के बाद बोलेगा, और रबी बिन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ताबिईन के श्रेष्ठ लोगों में से एक मरने के बाद बोलेगा, और रबी बिन हिराश बोले।

हिजरी पहली सदी का उत्तरार्ध

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.237; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 253; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 190

2411. अबू मुस्लिम ख़ौलानी अपनी सेना के साथ दजला के ऊपर से चलकर पार हो गए

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू मुस्लिम ख़ौलानी अपनी सेना के साथ दजला के ऊपर से चलकर पार हो गए।

हिजरी पहली सदी

स्रोत 1000 Mucize no.852 (s.715); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.54; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 494; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 185, 389-391, 428

2412. अबू मुस्लिम ख़ौलानी पर झूठा आरोप लगाने वाली स्त्री उनकी बद-दुआ से अंधी हो गई...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू मुस्लिम ख़ौलानी पर झूठा आरोप लगाने वाली स्त्री उनकी बद-दुआ से अंधी हो गई, और तौबा करने पर ठीक हो गई।

हिजरी पहली सदी

स्रोत 1000 Mucize no.851 (s.714); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 466

2413. अबू रैहाना की समुद्र में गिरी सुई उनकी दुआ से लौट आई

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू रैहाना की समुद्र में गिरी सुई उनकी दुआ से लौट आई।

हिजरी पहली सदी

स्रोत 1000 Mucize no.869 (s.729)

2414. मुतर्रिफ़ बिन अब्दुल्लाह पर झूठा आरोप लगाने वाला व्यक्ति उनकी दुआ से तुरंत मर गया

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

मुतर्रिफ़ बिन अब्दुल्लाह पर झूठा आरोप लगाने वाला व्यक्ति उनकी दुआ से तुरंत मर गया।

हिजरी पहली सदी

स्रोत 1000 Mucize no.860 (s.722)

2415. अपने पास न आने के कारण उनकी गर्दन मारने की क़सम खाने वाले मदीना के हाकिम से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने पास न आने के कारण उनकी गर्दन मारने की क़सम खाने वाले मदीना के हाकिम से बचने के लिए सईद बिन मुसय्यब ने दुआ की कि वह उन्हें भूल जाए; हाकिम मदीना में रहने तक उन्हें कभी याद नहीं कर सका, और अपनी क़सम उसे बाद में वुज़ू करते समय ही याद आई।

उमवी दौर, हिजरी पहली सदी का अंत (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.846 (s.708)

2416. अबू मुस्लिम ख़ौलानी की दासी लंबे समय तक उनके भोजन में ज़हर मिलाती रही, पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू मुस्लिम ख़ौलानी की दासी लंबे समय तक उनके भोजन में ज़हर मिलाती रही, पर “बिस्मिल्लाह... उसके नाम के साथ कोई चीज़ हानि नहीं पहुँचाती” दुआ से भोजन आरंभ करने के कारण उन पर ज़हर का असर नहीं हुआ; एक रिवायत में उन्होंने उस दासी को आज़ाद कर दिया।

ताबिईन का दौर, हिजरी पहली सदी (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.848 (s.711)

2417. पास से गुज़रते एक हिरन को पकड़ने के लिए दुआ माँगने वाले बच्चों के लिए अबू...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पास से गुज़रते एक हिरन को पकड़ने के लिए दुआ माँगने वाले बच्चों के लिए अबू मुस्लिम ख़ौलानी ने दुआ की, और हिरन पकड़ लिया गया।

ताबिईन का दौर, हिजरी पहली सदी (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.849 (s.712)

2418. यात्रा में बहुत भूखे हुए और किसी से माँगना न चाहने वाले सिला बिन अशयम ने दुआ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

यात्रा में बहुत भूखे हुए और किसी से माँगना न चाहने वाले सिला बिन अशयम ने दुआ की, तो उन्हें अपने पीछे एक कपड़े में लिपटा खजूरों से भरा बर्तन मिला; उन्होंने जिस राहिब को उनमें से खजूरें दीं, उसकी बोई गुठलियों से सुंदर खजूर के पेड़ उगे।

ताबिईन का दौर, हिजरी पहली सदी (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.855 (PDF s.720)

2419. अबू रजा उतारिदी ने एक पानी के स्रोत के पास अपने तंबू में घुसे साँप को पानी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू रजा उतारिदी ने एक पानी के स्रोत के पास अपने तंबू में घुसे साँप को पानी पिलाया, और उसके मरने पर उसे कफ़न देकर दफ़नाया; अगले दिन हज़ारों आवाज़ों ने सलाम किया और कहा: “वह अल्लाह के रसूल ﷺ से बैअत करने वाले जिन्नों में अंतिम था।”

वफ़ात के बाद (हिजरी पहली सदी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl (hicret yolundaki âyetler), no. 255

2420. मक्का के रास्ते में भटककर मौत के सामने खड़े एक समूह के सामने अल्लाह के रसूल ﷺ...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का के रास्ते में भटककर मौत के सामने खड़े एक समूह के सामने अल्लाह के रसूल ﷺ से क़ुरआन सुनने वाले जिन्नों में से एक प्रकट हुआ, उसने यह हदीस सुनाई: “मोमिन मोमिन का भाई है, वह उसे बेसहारा नहीं छोड़ता”, और उन्हें पानी और रास्ता दिखाया।

वफ़ात के बाद (हिजरी पहली सदी)

स्रोत Ebû Nuaym el-İsfahânî, Delâilü'n-nübüvve, 17. fasıl (hicret yolundaki âyetler), no. 258

2421. सफ़वान बिन मुअत्तल ने हज के रास्ते में एक मरा हुआ साँप पाकर दफ़नाया; काबा में...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सफ़वान बिन मुअत्तल ने हज के रास्ते में एक मरा हुआ साँप पाकर दफ़नाया; काबा में उनके पास आए एक व्यक्ति की ख़बर से पता चला कि वह आप से क़ुरआन सुनने वाले नौ जिन्नों में अंतिम, अम्र बिन जाबिर था।

वफ़ात के बाद (हिजरी पहली सदी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 234 (Cinlerin İslâm'ı ve ondaki âyetler bâbı (fasıl))

2422. बैतुल मक़दिस के रास्ते में एक राहिब ने बसरा के एक यात्री से कहा: “हमारी किताब...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बैतुल मक़दिस के रास्ते में एक राहिब ने बसरा के एक यात्री से कहा: “हमारी किताब में लिखा है कि तुम्हारे दीन का एक समूह अज़रा में मारा जाएगा, और उनके लिए न हिसाब है न अज़ाब”; कुछ ही समय बाद हुज्र बिन अदी और उनके साथी अज़रा में मारे गए।

हिजरी 51 (671 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 57 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2423. उबैदुल्लाह बिन ज़ियाद के क़ैद किए अपने भतीजे के लिए बसरा के बड़े लोगों से कोई...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उबैदुल्लाह बिन ज़ियाद के क़ैद किए अपने भतीजे के लिए बसरा के बड़े लोगों से कोई परिणाम न पाने वाले सफ़वान बिन मुहरिज़ से सपने में कहा गया: “अपनी ज़रूरत माँगो”, तो वे उठे, नमाज़ पढ़ी और दुआ की; उसी रात इब्ने ज़ियाद की नींद उड़ गई, उसने क़ैदख़ाना खुलवाया और भतीजे को छोड़ दिया।

बसरा, उबैदुल्लाह बिन ज़ियाद की गवर्नरी (हिजरी 55–64 / 675–684 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.854 (s.716)

2424. साद बिन अबी वक़्क़ास ने दुआ की: “मेरे बच्चे छोटे हैं; उनके बड़े होने तक मेरी...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद बिन अबी वक़्क़ास ने दुआ की: “मेरे बच्चे छोटे हैं; उनके बड़े होने तक मेरी मृत्यु टाल दे”, और उनकी मृत्यु बीस वर्ष टल गई।

तिथि अनिश्चित (साद की वफ़ात हिजरी 55 में)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 282 (duaların kabulündeki mucizeler)

2425. इब्ने अब्बास ने दोपहर को सपने में अल्लाह के रसूल ﷺ को बिखरे बालों, धूल से भरे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इब्ने अब्बास ने दोपहर को सपने में अल्लाह के रसूल ﷺ को बिखरे बालों, धूल से भरे और हाथ में ख़ून से भरी एक शीशी लिए देखा, और आप ने फ़रमाया: “यह हुसैन और उसके साथियों का ख़ून है; आज इसे इकट्ठा कर रहा हूँ”; वह दिन लिख लिया गया, और पता चला कि हुसैन उसी दिन मारे गए थे।

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 214 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2426. उम्मे सलमा ने सपने में अल्लाह के रसूल ﷺ को सिर और दाढ़ी में मिट्टी भरे देखा, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे सलमा ने सपने में अल्लाह के रसूल ﷺ को सिर और दाढ़ी में मिट्टी भरे देखा, और आप ने फ़रमाया: “मैं अभी-अभी हुसैन के मारे जाने के समय वहाँ था।”

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी), मदीना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 214 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2427. जब हुसैन मारे गए, तो आसमान से ख़ून बरसा; सुबह तंबू, मटके और हर चीज़ ख़ून से भरी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब हुसैन मारे गए, तो आसमान से ख़ून बरसा; सुबह तंबू, मटके और हर चीज़ ख़ून से भरी पाई गई (नज़रा या बसरा अज़्दिया की रिवायत)।

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 214 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2428. जिस दिन हुसैन मारे गए, उस दिन बैतुल मक़दिस में (एक रिवायत में शाम में) उठाए गए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिस दिन हुसैन मारे गए, उस दिन बैतुल मक़दिस में (एक रिवायत में शाम में) उठाए गए हर पत्थर के नीचे ताज़ा ख़ून मिला (ज़ुहरी और उम्मे हिब्बान की रिवायतें)।

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 214 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2429. हुसैन के मारे जाने के दिन से दुनिया तीन दिन तक अँधेरी रही, और जिसने भी अपने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुसैन के मारे जाने के दिन से दुनिया तीन दिन तक अँधेरी रही, और जिसने भी अपने चेहरे पर केसर लगाया, उसका चेहरा जल गया (उम्मे हिब्बान की रिवायत)।

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 214 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2430. हुसैन के मारे जाने के दिन उनके पड़ाव से लिए गए ऊँटों को काटकर पकाया गया, तो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुसैन के मारे जाने के दिन उनके पड़ाव से लिए गए ऊँटों को काटकर पकाया गया, तो उनका मांस इंद्रायण (अबू जहल का तरबूज़) जैसा कड़वा हो गया और खाया न जा सका (जमील बिन मुर्रा की रिवायत)।

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी), करबला

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 215 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2431. जब हुसैन मारे गए, तो (उनके पड़ाव से लिया गया) वर्स (रंग देने वाली घास) राख बन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब हुसैन मारे गए, तो (उनके पड़ाव से लिया गया) वर्स (रंग देने वाली घास) राख बन गया, और मांस ऐसा हो गया मानो उसके भीतर आग हो (सुफ़यान की दादी की रिवायत)।

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 215 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2432. जब हुसैन मारे गए, तो आसमान कई दिनों तक जमे हुए ख़ून जैसा (लाल) रहा (अली बिन...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जब हुसैन मारे गए, तो आसमान कई दिनों तक जमे हुए ख़ून जैसा (लाल) रहा (अली बिन मुसहिर की दादी की रिवायत)।

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 215 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2433. हुसैन के मारे जाने में शामिल जुअफ़ी क़बीले के दो लोगों को दंड मिला: एक का (अंग)...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हुसैन के मारे जाने में शामिल जुअफ़ी क़बीले के दो लोगों को दंड मिला: एक का (अंग) लंबा हो गया, और दूसरा पानी की मशक मुँह से लगाकर पूरी पी जाता, फिर भी उसकी प्यास नहीं बुझती थी (सुफ़यान की रिवायत)।

हिजरी 61 के बाद (680 ईस्वी के बाद)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 215 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2434. हुसैन के मारे जाने पर जिन्नों को कविता में विलाप करते सुना गया; उम्मे सलमा ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

हुसैन के मारे जाने पर जिन्नों को कविता में विलाप करते सुना गया; उम्मे सलमा ने कहा: “अल्लाह के रसूल ﷺ की वफ़ात के बाद से मैंने आज रात के सिवा कभी जिन्नों का विलाप नहीं सुना; मेरा बेटा मार डाला गया होगा” (हबीब बिन अबी साबित की रिवायतें)।

मुहर्रम हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 215 (Hz. Hüseyin'in öldürüleceğini haber vermesi)

2435. हर्रा के दिनों में मस्जिद में अकेले रह गए सईद बिन मुसय्यब नमाज़ के समय आप की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हर्रा के दिनों में मस्जिद में अकेले रह गए सईद बिन मुसय्यब नमाज़ के समय आप की पवित्र क़ब्र से अज़ान और इक़ामत की आवाज़ सुनते थे।

हर्रा की घटना, हिजरी 63 (683 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 490 (Kabrinde hayatı, namazı ve selamın ulaştırılması)

2436. कअब ने अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर को ख़बर दी कि सक़ीफ़ का एक व्यक्ति उन्हें मारेगा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कअब ने अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर को ख़बर दी कि सक़ीफ़ का एक व्यक्ति उन्हें मारेगा (हज्जाज); अब्दुल्लाह बिन अम्र ने कहा कि किताबों में एक ऐसे व्यक्ति का उल्लेख है जो "ख़ून बहाएगा और काबा को पत्थर-पत्थर उखाड़ देगा", और हज्जाज के समय में यह देखा गया।

पूर्ति: हिजरी 73 (692 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 56 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2437. हज्जाज के क़ैद किए मुवर्रिक़ के लिए मुतर्रिफ़ ने दुआ की और उनके साथियों ने आमीन...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

हज्जाज के क़ैद किए मुवर्रिक़ के लिए मुतर्रिफ़ ने दुआ की और उनके साथियों ने आमीन कहा; अगले दिन हज्जाज ने अपने सामने आने वालों में मुवर्रिक़ के पिता को देखा, तो पहरेदारों से कहा: "इस बूढ़े के साथ क़ैदख़ाने जाओ और इसका बेटा इसे सौंप दो।"

इराक़, हज्जाज की गवर्नरी (हिजरी 75–95 / 694–714 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.861 (s.723)

2438. हज्जाज के समय में हज को जाते हुए सालिहीन का अधिकारी बिना अनुमति किसी को आगे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

हज्जाज के समय में हज को जाते हुए सालिहीन का अधिकारी बिना अनुमति किसी को आगे नहीं जाने देता था; ज़र्र हमदानी ने अपने साथियों से वुज़ू करवाकर नमाज़ पढ़वाई और दुआ करवाई, और अधिकारी ने केवल उन्हें जाने दिया।

हज्जाज का दौर (हिजरी 75–95 / 694–714 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.863 (s.725)

2439. (आप की उम्मत की करामत) बूढ़े सहाबी इरबाज़ बिन सारिया दमिश्क़ की मस्जिद में अपनी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) बूढ़े सहाबी इरबाज़ बिन सारिया दमिश्क़ की मस्जिद में अपनी मृत्यु के लिए दुआ कर रहे थे, तब हरे वस्त्र पहने एक सुंदर युवक आया और बोला: "ऐसी दुआ न करो; यह कहो: 'ऐ अल्लाह, कर्म को सुंदर कर, और निर्धारित समय तक पहुँचा'"; कौन है, पूछे जाने पर उसने कहा: "मैं रताईल हूँ, जो मोमिनों के सीनों से दुख दूर करता है", और ग़ायब हो गया।

सहाबा का दौर, हिजरी 75 (694 ईस्वी) से पहले

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 159-160 (Ashabının melekleri görmesi ve sözlerini işitmesine dair mucizeler)

2440. वलीद बिन अब्दुल मलिक के सामने बुस्र बिन सईद के विरुद्ध यह झूठी गवाही देने वाले...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

वलीद बिन अब्दुल मलिक के सामने बुस्र बिन सईद के विरुद्ध यह झूठी गवाही देने वाले व्यक्ति के बारे में कि उन्होंने बनू मरवान को गालियाँ दी हैं, बुस्र ने कहा: "ऐ अल्लाह, अगर मैं सच कह रहा हूँ, तो इसमें मुझे कोई निशानी दिखा", और वह व्यक्ति ज़मीन पर गिरकर छटपटाते हुए मर गया।

वलीद बिन अब्दुल मलिक की ख़िलाफ़त (हिजरी 86–96 / 705–715 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.847 (s.710)

2441. अनस बिन मालिक ने वह मैला रूमाल (तौलिया), जिससे अल्लाह के रसूल ﷺ अपना चेहरा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अनस बिन मालिक ने वह मैला रूमाल (तौलिया), जिससे अल्लाह के रसूल ﷺ अपना चेहरा पोंछते थे, जलते तंदूर में डलवाया, और रूमाल जला नहीं, दूध जैसा उजला होकर निकला; अनस ने कहा: "आग उस चीज़ को नहीं जलाती जो नबियों के चेहरे से छुई हो।"

अल्लाह के रसूल ﷺ की वफ़ात के बाद (अनस के जीवनकाल में, हिजरी 93 से पहले)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 134 (Resûlullah'ın yüzünü sildiği mendilin yanmayıp ateşten bembeyaz çıkmasına dair fâide)

2442. अमरा बिंत अब्दुर्रहमान मृत्यु-शय्या पर थीं (उरवा और क़ासिम उनके पास थे), तब छत...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अमरा बिंत अब्दुर्रहमान मृत्यु-शय्या पर थीं (उरवा और क़ासिम उनके पास थे), तब छत से एक बड़ा काला साँप उन पर उतरा, और जब एक सफ़ेद काग़ज़ गिरा जिस पर लिखा था: "कअब के रब की ओर से कअब के नाम: नेक लोगों की बेटियों पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं", तो वह पीछे हटकर चला गया।

लगभग हिजरी 98–106 (ताबिईन का दौर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 499 (Vefatından sonra ashabının gazvelerinde görülen âyetler)

2443. एक राहिब ने घटनाओं की ख़बर फैलने से पहले ही बताया कि सुलैमान बिन अब्दुल मलिक मर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

एक राहिब ने घटनाओं की ख़बर फैलने से पहले ही बताया कि सुलैमान बिन अब्दुल मलिक मर गया है और उसकी जगह "अशज्ज" (माथे पर घाव वाले) उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ आए हैं, और चार वर्ष बाद बताया कि उन्हें ज़हर दिया गया है; तौरात में लिखा है कि आसमान और धरती उन पर चालीस वर्ष रोएँगे।

हिजरी 99–101 (717–720 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 56 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2444. क़ारी यज़ीद बिन क़अक़ाअ की मृत्यु के समय उनके सीने पर मुसहफ़ के पन्ने जैसा नूर दिखाई दिया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़ारी यज़ीद बिन क़अक़ाअ की मृत्यु के समय उनके सीने पर मुसहफ़ के पन्ने जैसा नूर दिखाई दिया।

लगभग हिजरी 130

स्रोत 1000 Mucize no.866 (s.727)

2445. कअब ने ख़बर दी कि बनू अब्बास के काले झंडे निकलकर शाम में उतरेंगे; और अहले किताब...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

कअब ने ख़बर दी कि बनू अब्बास के काले झंडे निकलकर शाम में उतरेंगे; और अहले किताब में से सर्ह यरमूकी ने ख़बर दी कि किताब के अनुसार इस उम्मत में उसके नबी सहित बारह सरदार होंगे, और संख्या पूरी होने पर उनके बीच युद्ध छिड़ जाएगा।

पूर्ति: हिजरी 132 (750 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 57 (ashabının önceki kitaplarda anılması bâbı)

2446. सुलैमान तैमी वुज़ू (या दुआ) से बीमारी से छुटकारा पा गए

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सुलैमान तैमी वुज़ू (या दुआ) से बीमारी से छुटकारा पा गए।

हिजरी दूसरी सदी

स्रोत 1000 Mucize no.859 (s.722)

2447. मक्का में एक नेक काले दास की दुआ से वर्षा हुई (इब्नुल मुबारक का क़िस्सा)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का में एक नेक काले दास की दुआ से वर्षा हुई (इब्नुल मुबारक का क़िस्सा)।

हिजरी दूसरी सदी

स्रोत 1000 Mucize no.857 (PDF s.723)

2448. सुलैमान तैमी ने जो कपड़ा उधार लेकर लौटाया, उसमें कस्तूरी की सुगंध बनी रही; एक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

सुलैमान तैमी ने जो कपड़ा उधार लेकर लौटाया, उसमें कस्तूरी की सुगंध बनी रही; एक झगड़े में उनका पेट पकड़कर खींचने वाले व्यक्ति का हाथ लकवाग्रस्त हो गया।

हिजरी दूसरी सदी का पूर्वार्ध (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.858 (s.721)

2449. मक्का में अबू क़ुबैस पहाड़ पर फ़ुज़ैल बिन इयाज़ ने कहा: “अगर किसी का तवक्कुल...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मक्का में अबू क़ुबैस पहाड़ पर फ़ुज़ैल बिन इयाज़ ने कहा: “अगर किसी का तवक्कुल (अल्लाह पर भरोसा) सच्चा हो, तो यह पहाड़ हिल जाए”, और पहाड़ हिल उठा; उन्होंने पहाड़ को संबोधित किया तो वह फिर थम गया।

मक्का, हिजरी दूसरी सदी का उत्तरार्ध (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.864 (s.726)

2450. पानी ढोने वाले उनके गधे के खो जाने की ख़बर मिली, तो फ़ुज़ैल बिन इयाज़ मेहराब...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पानी ढोने वाले उनके गधे के खो जाने की ख़बर मिली, तो फ़ुज़ैल बिन इयाज़ मेहराब में बैठ गए, और गधा अपने आप आकर मस्जिद के दरवाज़े पर खड़ा हो गया।

हिजरी दूसरी सदी का उत्तरार्ध (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.865 (s.727)

2451. अत्ताफ़ बिन ख़ालिद की मौसी ने उहुद के शहीदों की क़ब्रों को सलाम किया, तो...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अत्ताफ़ बिन ख़ालिद की मौसी ने उहुद के शहीदों की क़ब्रों को सलाम किया, तो उन्होंने अपने सलाम का यह उत्तर सुना: “हम तुम्हें ऐसे पहचानते हैं जैसे एक-दूसरे को पहचानते हैं।”

ताबिईन का दौर (हिजरी दूसरी सदी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 364 (Uhud gazvesindeki âyetler)

2452. मस्जिदे ख़ैफ़ में क़िस्से सुनाने वाला एक व्यक्ति, जाँच करने पर, शैतान निकला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मस्जिदे ख़ैफ़ में क़िस्से सुनाने वाला एक व्यक्ति, जाँच करने पर, शैतान निकला (सुफ़यान की रिवायत); और मस्जिदे हराम में अली तक सनद पहुँचाकर हदीसें लिखवाने वाला एक बूढ़ा उसके पास आयतुल कुर्सी पढ़े जाने पर ग़ायब हो गया (ईसा बिन अबी फ़ातिमा फ़ज़ारी की रिवायत)।

हिजरी दूसरी सदी (मिना और मक्का)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 244 (hadis uyduran yalancıları ve şeytanları haber vermesi)

2453. बसरा में जिस घर में सुफ़यान सौरी छिपे थे, वहाँ उन्होंने एक पक्षी माँगकर आज़ाद...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बसरा में जिस घर में सुफ़यान सौरी छिपे थे, वहाँ उन्होंने एक पक्षी माँगकर आज़ाद कर दिया; वह पक्षी हर शाम घर लौटता, सुफ़यान के मरने पर उनके जनाज़े के साथ चला, अपनी मृत्यु तक हर दिन उनकी क़ब्र पर आता रहा, और अंत में उनकी क़ब्र के पास दफ़नाया गया।

बसरा, लगभग हिजरी 161 (778 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत 1000 Mucize no.856 (s.718)

2454. क़ुरआन का परिवर्तन से सुरक्षित रहना: मामून की सभा के एक यहूदी ने तौरात, इंजील...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़ुरआन का परिवर्तन से सुरक्षित रहना: मामून की सभा के एक यहूदी ने तौरात, इंजील और क़ुरआन की ऐसी प्रतियाँ बेचने के लिए रखीं जिनमें उसने कुछ घटाया-बढ़ाया था; पहली दोनों ख़रीद ली गईं, पर क़ुरआन की प्रतियों के बदलाव को किताबें बेचने

वालों (वर्राक़ों) ने पहचान लिया और नहीं ख़रीदा, इस पर वह यहूदी मुसलमान हो गया; सुफ़यान बिन उयैना ने इसकी व्याख्या “हम ही इसकी रक्षा करने वाले हैं” (सूरह अल-हिज्र, आयत 9) आयत से की (यहया बिन अक्सम की रिवायत)।

मामून का दौर, हिजरी 198–218 (813–833 ईस्वी)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 316 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2455. अम्मूरिया जीते जाने पर एक गिरजाघर के दरवाज़े पर सोने से लिखा एक लेख मिला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अम्मूरिया जीते जाने पर एक गिरजाघर के दरवाज़े पर सोने से लिखा एक लेख मिला, जिसमें गुफा के साथी (अबू बक्र), उमर, उस्मान और अली की प्रशंसा थी, और बूढ़े राहिब ने कहा: “यह तुम्हारे नबी से दो हज़ार वर्ष पहले लिखा गया था”; रूम के एक गिरजाघर में भी नबूवत से 600 वर्ष पहले लिखा हुआ यह शेर मिला: “क्या हुसैन को मारने वाली उम्मत उसके नाना की शफ़ाअत की आशा रखती है?”

खोज: हिजरी 223 (838 ईस्वी) और उसके बाद

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 62 (eski taşlarda adının bulunması bâbı)

2456. तरसूस जा रहा एक व्यक्ति रास्ते में अपने क़ाफ़िले से बिछड़ गया, तो उसने अहमद बिन...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तरसूस जा रहा एक व्यक्ति रास्ते में अपने क़ाफ़िले से बिछड़ गया, तो उसने अहमद बिन हंबल की सिखाई दुआ “ऐ भटके हुओं के मार्गदर्शक...” पढ़ी और फिर से अपने क़ाफ़िले से जा मिला।

हिजरी तीसरी सदी का पूर्वार्ध (अहमद बिन हंबल का दौर; तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.868 (s.728)

2457. एक यात्रा में सबका बोझ उठाने वाले अपने आज़ाद किए हुए सेवक से आप ने कहा: “तुम...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

एक यात्रा में सबका बोझ उठाने वाले अपने आज़ाद किए हुए सेवक से आप ने कहा: “तुम सफ़ीना (नाव) हो”, और यही नाम उनका पड़ गया।

मदनी दौर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.4 s.503; 1000 Mucize no.274 (s.251); web: Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.47; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 121)

2458. अबू नस्र की दुआ से आसमान से टिड्डियाँ बरसीं

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबू नस्र की दुआ से आसमान से टिड्डियाँ बरसीं।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.862 (s.724)

2459. मुसलमान होकर नबी ﷺ के पास जाने निकलीं दौस क़बीले की उम्मे शरीक को उनका सहयात्री...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुसलमान होकर नबी ﷺ के पास जाने निकलीं दौस क़बीले की उम्मे शरीक को उनका सहयात्री यहूदी तब तक पानी नहीं देता था जब तक वे यहूदी न बन जाएँ; रात को आसमान से एक डोल उतरा, उन्होंने दूध से उजला और शहद से मीठा पानी जी भरकर पिया, अपनी सुराही भर ली, और डोल आसमान की ओर खींच लिया गया।

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.344 (s.330); web: İbn Kesîr, el-Bidâye ve'n-Nihâye, c. 6, s. 104 — Delâilü'n-nübüvve: yağın çoğalması; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 31, Devs heyeti bâbı; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 78

2460. रूम के अभियान में अबू मुस्लिम ख़ौलानी ने “बिस्मिल्लाह कहकर पार हो जाओ” कहकर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

रूम के अभियान में अबू मुस्लिम ख़ौलानी ने “बिस्मिल्लाह कहकर पार हो जाओ” कहकर सेना को ऐसी उफनती नदी से पार कराया जिसे पशु भी पार नहीं कर सकते थे; किसी ने जान-बूझकर पानी में जो थैला फेंका था, वह नदी में एक खूँटे से अटका मिला।

रूम (बाइज़ेंटाइन) के विरुद्ध अभियान, उमवी दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत 1000 Mucize no.853 (s.715); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 390-392

2461. दृष्टिहीन अबू मुआविया असवद जब क़ुरआन पढ़ने के लिए मुसहफ़ खोलते, तो देखने लगते...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

दृष्टिहीन अबू मुआविया असवद जब क़ुरआन पढ़ने के लिए मुसहफ़ खोलते, तो देखने लगते, और मुसहफ़ बंद करते ही उनकी आँखें पहले जैसी हो जातीं।

तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.867 (s.728)

2462. अपने ऊपर अन्याय से तीन सौ दिरहम का दावा करने वाले व्यक्ति के लिए हबीब अबू...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अपने ऊपर अन्याय से तीन सौ दिरहम का दावा करने वाले व्यक्ति के लिए हबीब अबू मुहम्मद ने दुआ की: “ऐ अल्लाह, अगर यह सच्चा है तो इसका क़र्ज़ चुका दे, और अगर झूठा है तो इसका हाथ सुखा दे”, और अगले दिन वह व्यक्ति आधे लकवे की हालत में लाया गया।

बसरा, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.870 (s.729)

2463. झूठे दावे के कारण लकवाग्रस्त हुए व्यक्ति ने अपना अपराध स्वीकार किया और कहा कि...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

झूठे दावे के कारण लकवाग्रस्त हुए व्यक्ति ने अपना अपराध स्वीकार किया और कहा कि फिर ऐसा नहीं करेगा, तो हबीब अबू मुहम्मद ने दुआ की, और वह व्यक्ति ऐसे उठ खड़ा हुआ जैसे कभी बीमार ही न हुआ हो।

बसरा, तिथि अनिश्चित

स्रोत 1000 Mucize no.871 (s.729)

2464. अली बिन अब्दुल्लाह हाशिमी रक़्क़ी ने हिंदुस्तान के एक गाँव में गुलाब का एक काला...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अली बिन अब्दुल्लाह हाशिमी रक़्क़ी ने हिंदुस्तान के एक गाँव में गुलाब का एक काला पेड़ देखा जिसकी पंखुड़ियों पर सफ़ेद अक्षरों में लिखा था: “ला इलाहा इल्लल्लाह मुहम्मदुर रसूलुल्लाह, अबू बक्र अस-सिद्दीक़, उमर अल-फ़ारूक़”; उन्होंने एक बंद कली खोली, तो उसमें भी वही लेख पाया।

हिजरी तीसरी–चौथी सदी (रावी का अपना अवलोकन)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 14 (bâb (Kehf hazinesi, Süleyman'ın yüzüğü))

2465. अबुद दर्दा और सलमान फ़ारसी एक ही प्याले से खा रहे थे, तब प्याला और उसके भीतर का...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अबुद दर्दा और सलमान फ़ारसी एक ही प्याले से खा रहे थे, तब प्याला और उसके भीतर का भोजन तस्बीह करने लगा; पत्र-व्यवहार में वे एक-दूसरे को यह बात याद दिलाते थे (क़ैस बिन अबी हाज़िम की रिवायत)।

सहाबा का दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Beyhakî, Delâilü'n-nübüvve, c.6 s.63

2466. फ़ातिमा ख़ुज़ाइया ने हमज़ा की क़ब्र को सलाम किया, तो यह उत्तर सुना: “व...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

फ़ातिमा ख़ुज़ाइया ने हमज़ा की क़ब्र को सलाम किया, तो यह उत्तर सुना: “व अलैकुमुस्सलाम व रहमतुल्लाह।”

ताबिईन का दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 364 (Uhud gazvesindeki âyetler)

2467. तलहा बिन उबैदुल्लाह ने रात को अब्दुल्लाह बिन अम्र बिन हराम की क़ब्र के पास...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तलहा बिन उबैदुल्लाह ने रात को अब्दुल्लाह बिन अम्र बिन हराम की क़ब्र के पास क़ब्र से क़ुरआन का सुंदर पाठ सुना; आप ने फ़रमाया: “वह अब्दुल्लाह है; शहीदों की रूहें ज़बरजद के दीपकों में हैं।”

उहुद के बाद, मदनी दौर

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 364 (Uhud gazvesindeki âyetler)

2468. अबू मूसा अशअरी की कमान वाले समुद्री सरिय्या में रात को जहाज़ चल रहा था, तब ऊपर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

अबू मूसा अशअरी की कमान वाले समुद्री सरिय्या में रात को जहाज़ चल रहा था, तब ऊपर से एक पुकारने वाले ने आवाज़ दी: “जो कोई गर्म दिन में अल्लाह के लिए प्यासा रहेगा, अल्लाह ने अपने ऊपर ले लिया है कि प्यास के दिन उसे तृप्त करेगा।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 429 (Ebû Mûsâ seriyyesi)

2469. ख़ालिद बिन वलीद के सामने आई शराब की एक मशक उनकी इस दुआ से: “ऐ अल्लाह, इसे शहद...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

ख़ालिद बिन वलीद के सामने आई शराब की एक मशक उनकी इस दुआ से: “ऐ अल्लाह, इसे शहद (एक रिवायत में सिरका) बना दे”, शहद (या सिरका) बन गई।

अबू बक्र और उमर का दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 495 (Vefatından sonra ashabının gazvelerinde görülen âyetler)

2470. अनस बिन मालिक ने सूखे से सूखती अपनी ज़मीन के लिए नमाज़ पढ़कर दुआ की, तो गर्मी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अनस बिन मालिक ने सूखे से सूखती अपनी ज़मीन के लिए नमाज़ पढ़कर दुआ की, तो गर्मी के दिन एक बादल आया और इतना बरसा कि उनका हौज़ भर गया, और वर्षा उनकी ज़मीन की सीमा से बाहर नहीं गई।

सहाबा का दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 497 (Vefatından sonra ashabının gazvelerinde görülen âyetler)

2471. साद बिन अबी वक़्क़ास ने बनू उज़रा की जिस स्त्री से विवाह किया था, उसके बिस्तर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

साद बिन अबी वक़्क़ास ने बनू उज़रा की जिस स्त्री से विवाह किया था, उसके बिस्तर पर उन्हें एक साँप मिला जो बहुत पहले से उस स्त्री का पीछा करता था; साद ने उससे कहा: “यह मेरी हलाल (पत्नी) है; अगर लौटे तो तुम्हें मार डालूँगा”, और साँप निकल गया और फिर कभी नहीं आया।

सहाबा का दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 499 (Vefatından sonra ashabının gazvelerinde görülen âyetler)

2472. इब्ने अब्बास ज़मज़म के पास बैठे थे, तब एक साँप आया, उसने काबा का सात बार तवाफ़...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इब्ने अब्बास ज़मज़म के पास बैठे थे, तब एक साँप आया, उसने काबा का सात बार तवाफ़ किया, मक़ामे इब्राहीम पर दो रकअत पढ़ीं, और जब इब्ने अब्बास ने कहा: “अल्लाह ने तुम्हारी इबादत (नुसुक) पूरी करा दी”, तो वह आसमान की ओर उठकर चला गया।

सहाबा का दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 500 (Vefatından sonra ashabının gazvelerinde görülen âyetler)

2473. अब्दुल्लाह बिन अम्र ने हरम में एक चितकबरा साँप देखा, जिसने बैतुल्लाह का सात बार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अब्दुल्लाह बिन अम्र ने हरम में एक चितकबरा साँप देखा, जिसने बैतुल्लाह का सात बार तवाफ़ किया और मक़ाम पर नमाज़ पढ़ी; जब उन्होंने कहा: “तुमने अपनी इबादत पूरी कर ली, मुझे हमारे नगर के मूर्खों से तुम्हारे लिए डर है”, तो वह कुंडली मारकर आसमान की ओर उठ गया।

सहाबा का दौर (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 500 (Vefatından sonra ashabının gazvelerinde görülen âyetler)

2474. (आप की उम्मत की करामत) अली मदीना के क़ब्रिस्तान में गए, क़ब्र वालों को सलाम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) अली मदीना के क़ब्रिस्तान में गए, क़ब्र वालों को सलाम करके उन्हें दुनिया में उनकी पत्नियों, उनके माल और उनकी विरासत का हाल बताया, और उनसे उत्तर सुना।

अली का दौर या उससे पहले, तिथि अनिश्चित

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 113 (Ölülerin diriltilmesi ve konuşması bâbı)

2475. (आप की उम्मत की करामत) अहमद बिन अबिल हवारी ने अपने गुरु अबू सुलैमान (दारानी) को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) अहमद बिन अबिल हवारी ने अपने गुरु अबू सुलैमान (दारानी) को बताया कि तंदूर गरम कर दिया गया है, तो उन्होंने कहा: “जाओ, उसके भीतर बैठ जाओ”; अहमद धधकते तंदूर में जाकर बैठ गए, और आग उनके लिए ठंडक और सलामती बन गई।

हिजरी दूसरी–तीसरी सदी (तिथि अनिश्चित)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 405 (İbrâhîm el-Halîl'e verilenler)

2476. (आप की उम्मत की करामत) अबू मुस्लिम ख़ौलानी अपने हाथ की तस्बीह (सुब्हा) से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) अबू मुस्लिम ख़ौलानी अपने हाथ की तस्बीह (सुब्हा) से ज़िक्र करते हुए सो गए; तस्बीह उनकी बाँह पर लिपटकर घूमने लगी और यह तस्बीह करने लगी: “सुब्हानका या मुंबितन नबात व या दाइमस सबात”; उन्होंने अपनी पत्नी उम्मे मुस्लिम को बुलाया, उन्होंने भी यह देखा, और उनके बैठते ही तस्बीह चुप हो गई।

ताबिईन का दौर, हिजरी पहली सदी (तिथि अनिश्चित)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 419 (Mûsâ'ya verilen âyetler; Mûsâ'nın asâsı ile çakılların tesbihinin mukayesesi)

2477. (आप की उम्मत की करामत) ताबिईन में से मुतर्रिफ़ बिन अब्दुल्लाह जुमे के लिए नगर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) ताबिईन में से मुतर्रिफ़ बिन अब्दुल्लाह जुमे के लिए नगर आते-जाते, तो कभी-कभी उनके कोड़े के सिरे पर नूर दिखाई देता; एक रात घोड़े पर क़ब्रिस्तान से गुज़रते हुए उन्होंने हर क़ब्र वाले को अपनी क़ब्र पर बैठे देखा; “क्या तुम जुमे के दिन को जानते हो?” पूछने पर उन्होंने कहा: “हाँ; हम यह भी जानते हैं कि उस दिन पक्षी क्या कहते हैं: वे कहते हैं ‘सलाम, सलाम...’।”

ताबिईन का दौर, हिजरी पहली सदी (तिथि अनिश्चित)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 426 (Mûsâ'ya verilen âyetler; Mûsâ'nın asâsı ile çakılların tesbihinin mukayesesi)

2478. (आप की उम्मत की करामत) अबू मुस्लिम ख़ौलानी अपने साथियों के साथ दमिश्क़ के ग़ूता...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

(आप की उम्मत की करामत) अबू मुस्लिम ख़ौलानी अपने साथियों के साथ दमिश्क़ के ग़ूता से रसद और पानी लिए बिना हज के लिए निकले; हर पड़ाव पर दो रकअत नमाज़ पढ़ते ही खाना, पानी और जानवरों का चारा तैयार आ जाता (दिन में दो बार दस्तरख़्वान), और जाने और लौटने के पूरे रास्ते यही होता रहा।

ताबिईन का दौर, हिजरी पहली सदी (तिथि अनिश्चित)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 431, 467-468 (Kıssatü Ebî Mûsâ el-Havlânî; Îsâ'nın mâidesi ve ona denk düşen mucizeler)

2479. उम्मे मअबद के तंबू वाले उस पेड़ की बाद की दशाएँ: अली के मारे जाने पर उसने फल...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

उम्मे मअबद के तंबू वाले उस पेड़ की बाद की दशाएँ: अली के मारे जाने पर उसने फल देना बंद कर दिया; वर्षों बाद उसकी जड़ से ताज़ा ख़ून फूट पड़ा और उसके पत्ते मुरझा गए, और कुछ ही समय बाद हुसैन के मारे जाने की ख़बर आई (हिंद बिंत जौन की रिवायत का शेष भाग)।

हिजरी 40 (661 ईस्वी) और हिजरी 61 (680 ईस्वी)

स्रोत es-Sâkıb fi'l-menâkıb (Kum 1412), s. 112, hadis no. 107/10 (bâb 1, fasıl 15: muhtelif konularda âyetleri)

2480. अबू बक्र ने हिरक़्ल के पास जो दूत भेजे थे, उनसे दमिश्क़ में ग़स्सानी जबला बिन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र ने हिरक़्ल के पास जो दूत भेजे थे, उनसे दमिश्क़ में ग़स्सानी जबला बिन ऐहम ने कहा: “क्या तुम सुमरा हो? वे ऐसी क़ौम हैं जो रातों को नमाज़ पढ़ती और दिनों में रोज़ा रखती है”; दूतों ने कहा कि वे वही हैं और अपनी नमाज़ और रोज़े का वर्णन किया, तो उसका चेहरा एकदम काला पड़ गया।

अबू बक्र का दौर, लगभग हिजरी 13 (634 ईस्वी), दमिश्क़

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kayser Herakliyus'un Çekmecesinde Sakladığı Peygamber Resimlerini İslâm Elçilerine Gösterişi" (kitabın dipnotu: Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:50-53; Zehebî, Târîh, s:529,532-535; Beyhakî, Delâil, c:1, s:386-387388; Dineverî, Kitâbu'l-ahbâr, s:18; Muhyiddin b. Arabî, Muhâdarâtu'l-ebrâr, c:1, s:100; Alâüddin Ali, Kenz, c:12, s:466-467-469; Ebu'l-Fidâ, Tefsîr, c:2, s:252)

2481. अबू बक्र के दूतों ने क़ुस्तुंतुनिया में क़ैसर के महल के सामने और उसके दरबार में...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

अबू बक्र के दूतों ने क़ुस्तुंतुनिया में क़ैसर के महल के सामने और उसके दरबार में “ला इलाहा इल्लल्लाहु वल्लाहु अकबर” कहा, तो महल (तीन बार) ऐसे हिल उठा जैसे हवा खजूर के पेड़ को हिलाती है; क़ैसर के पूछने पर दूतों ने कहा कि ऐसा न उनके अपने देश में होता है, न शत्रुओं के देश में, केवल उसके पास हुआ है।

अबू बक्र का दौर, लगभग हिजरी 13 (634 ईस्वी), क़ुस्तुंतुनिया

स्रोत N. İçel, Hz. Muhammed'in (sas) Mucizeleri -1 (2023), "Kayser Herakliyus'un Çekmecesinde Sakladığı Peygamber Resimlerini İslâm Elçilerine Gösterişi" (kitabın dipnotu: Ebu Nuaym, Delâil, c:1, s:50-53; Zehebî, Târîh,

s:529,532-535; Beyhakî, Delâil, c:1, s:386-387388; Dineverî, Kitâbu'l-ahbâr, s:18; Muhyiddin b. Arabî, Muhâdarâtu'l-ebrâr, c:1, s:100; Alâüddin Ali, Kenz, c:12, s:466-467-469; Ebu'l-Fidâ, Tefsîr, c:2, s:252)

46 · क़यामत की निशानियाँ: धार्मिक जीवन और ज्ञान में बिगाड़

2482. आप ने बताया कि मुसलमान अपने से पहले के यहूदियों और ईसाइयों के रास्ते पर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मुसलमान अपने से पहले के यहूदियों और ईसाइयों के रास्ते पर बालिश्त-बालिश्त चलेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.556 (s.567); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 249; ayrıca: Râvendî, el-Harâic, c. 3, s. 934; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 3994; Buhârî, Müslim (satırdaki künye) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7200]

2483. आप ने बताया कि ज्ञान उठा लिया जाएगा और अज्ञान फैल जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ज्ञान उठा लिया जाएगा और अज्ञान फैल जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.335; 1000 Mucize no.618 (s.601), no.619 (s.601); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 261; Kütüb-i Sitte: Buhârî, İlm 34, İ'tisam 7; Müslim, İlm 13, (2573); Tirmizî, İlm 5, (2654) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4138, c./s. 11/522]

2484. आप ने बताया कि आलिम और नेक लोग एक-एक करके चले जाएँगे, और पीछे भूसे जैसे लोग रह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आलिम और नेक लोग एक-एक करके चले जाएँगे, और पीछे भूसे जैसे लोग रह जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.594 (s.583); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 259; c. 2, s. 267; Kütüb-i Sitte: Buhârî (satırdaki künye)

2485. आप ने बताया कि ज्ञान छोटों (अयोग्य लोगों) से माँगा जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ज्ञान छोटों (अयोग्य लोगों) से माँगा जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.617 (s.600)

2486. आप ने बताया कि लोग इतने व्यर्थ प्रश्न करेंगे कि कहेंगे: “हर चीज़ को अल्लाह ने...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोग इतने व्यर्थ प्रश्न करेंगे कि कहेंगे: “हर चीज़ को अल्लाह ने पैदा किया, तो अल्लाह को किसने पैदा किया?”

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.337; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 261; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim, Ebû Dâvud [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2233, c./s. 10/66]

2487. आप ने बताया कि इस्लाम अजनबी के रूप में शुरू हुआ और फिर अजनबी बन जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि इस्लाम अजनबी के रूप में शुरू हुआ और फिर अजनबी बन जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.599 (s.587); Kütüb-i Sitte: Müslim (satırdaki künye); İbn Mâce 3987 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 52, c./s. 2/322-325; no. 7195]

2488. आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब अपने दीन को थामने वाला हथेली पर अंगारा थामने वाले जैसा होगा

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब अपने दीन को थामने वाला हथेली पर अंगारा थामने वाले जैसा होगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.609 (s.595); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 265; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Melahim 17, (4341); Tirmizî, Tefsir, Mâide, (3060); İbnu Mace, Fiten 21, (4014); Tirmizî 2260 (satırdaki) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4758, c./s. 13/365-366]

2489. आप ने बताया कि मस्जिदों को आम रास्ते की तरह इस्तेमाल किया जाएगा

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मस्जिदों को आम रास्ते की तरह इस्तेमाल किया जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.567 (s.574); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 272

2490. आप ने बताया कि लोग मस्जिदों को सजाने पर गर्व करेंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोग मस्जिदों को सजाने पर गर्व करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.605 (s.593); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 272; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Salat 12, (449); Nesai, Mesacid 2, (2, 32) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5523, c./s. 15/335]

2491. आप ने बताया कि मुसहफ़ों को सजाया जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मुसहफ़ों को सजाया जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.674 (s.617)

2492. आप ने बताया कि मस्जिदों में मेहराबें (मज़ाबिह) बनाई जाएँगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मस्जिदों में मेहराबें (मज़ाबिह) बनाई जाएँगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.638 (s.612); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 356)

2493. आप ने बताया कि दुआ और पवित्रता में हद से आगे बढ़ने वाला एक समूह निकलेगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि दुआ और पवित्रता में हद से आगे बढ़ने वाला एक समूह निकलेगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.560 (s.569); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd (listedeki kaynağa göre)

2494. आप ने बताया कि जब ज़माना निकट आ जाएगा, तो मोमिन का सपना लगभग कभी झूठा नहीं...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब ज़माना निकट आ जाएगा, तो मोमिन का सपना लगभग कभी झूठा नहीं निकलेगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.611 (s.597); Kütüb-i Sitte: Buharî, Ta'bir 26; Müslim, Rüya 8, (2263); Tirmizî,Rüya 1, (2271); Ebu Dâvud, Edeb 96, (5019) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 957, c./s. 4/510]

2495. आप ने उस समय की ख़बर दी जब क़ुरआन पढ़ने वाले (क़ुर्रा) दुराचारी होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब क़ुरआन पढ़ने वाले (क़ुर्रा) दुराचारी होंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.666 (s.616); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 268

2496. आप ने बताया कि बाद में आने वाले पहली पीढ़ी (सहाबा) पर लानत करेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बाद में आने वाले पहली पीढ़ी (सहाबा) पर लानत करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.590 (s.580); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 266; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211); İbn Mâce 263 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046; no. 6070, c./s. 16/554]

2497. आप ने उस समय की ख़बर दी जब ख़तीब बढ़ जाएँगे और फ़क़ीह (दीन के ज्ञाता) घट जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब ख़तीब बढ़ जाएँगे और फ़क़ीह (दीन के ज्ञाता) घट जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.793 (s.676)

2498. आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब आदेशित बातों का दसवाँ भाग करने वाला भी मुक्ति पा जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब आदेशित बातों का दसवाँ भाग करने वाला भी मुक्ति पा जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.787 (s.676); Kütüb-i Sitte: Tirmizî (listedeki kaynağa göre)

2499. आप ने बताया कि माल में अल्लाह के हक़ (ज़कात) की उपेक्षा की जाएगी (अली से वर्णित...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि माल में अल्लाह के हक़ (ज़कात) की उपेक्षा की जाएगी (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.789 (s.676)

2500. आप ने बताया कि क़ुरआन की क़सम खाई जाएगी, फिर भी उसके आदेश छोड़ दिए जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़ुरआन की क़सम खाई जाएगी, फिर भी उसके आदेश छोड़ दिए जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.719 (s.646)

2501. आप ने बताया कि मस्जिदें नमाज़ियों से भरी होंगी, पर हिदायत से ख़ाली

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मस्जिदें नमाज़ियों से भरी होंगी, पर हिदायत से ख़ाली।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.720 (s.646)

2502. आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने के आलिम आसमान के नीचे रहने वालों में सबसे बुरे होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने के आलिम आसमान के नीचे रहने वालों में सबसे बुरे होंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.721 (s.646)

2503. आप ने उस समय की ख़बर दी जब धनी लोग सैर-सपाटे के लिए हज करेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब धनी लोग सैर-सपाटे के लिए हज करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.722 (s.647)

2504. आप ने उस समय की ख़बर दी जब मध्यम वर्ग के लोग व्यापार के लिए हज करेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब मध्यम वर्ग के लोग व्यापार के लिए हज करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.723 (s.647)

2505. आप ने उस समय की ख़बर दी जब क़ारी दिखावे और प्रसिद्धि के लिए हज करेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब क़ारी दिखावे और प्रसिद्धि के लिए हज करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.724 (s.647)

2506. आप ने उस समय की ख़बर दी जब ग़रीब लोग भीख माँगने के लिए हज करेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब ग़रीब लोग भीख माँगने के लिए हज करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.725 (s.647); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 268

2507. आप ने उस समय की ख़बर दी जब बुराई का आदेश दिया जाएगा और भलाई से रोका जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब बुराई का आदेश दिया जाएगा और भलाई से रोका जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.728 (s.649); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 264

2508. आप ने बताया कि ज़ुह्द (संसार-त्याग) केवल सुनाई जाने वाली एक कहानी बनकर रह जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ज़ुह्द (संसार-त्याग) केवल सुनाई जाने वाली एक कहानी बनकर रह जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.756 (s.665)

2509. आप ने बताया कि वरअ (तक़वा) केवल दिखावा बनकर रह जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि वरअ (तक़वा) केवल दिखावा बनकर रह जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.757 (s.665)

2510. आप ने बताया कि अज्ञानी लोग मिंबरों पर चढ़ेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अज्ञानी लोग मिंबरों पर चढ़ेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.675 (s.618)

2511. आप ने बताया कि अल्लाह के आदेशों की उपेक्षा की जाएगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अल्लाह के आदेशों की उपेक्षा की जाएगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.679 (s.618)

2512. आप ने बताया कि हर क्षेत्र मुनाफ़िक़ों से भर जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि हर क्षेत्र मुनाफ़िक़ों से भर जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.751 (s.663)

2513. आप ने बताया कि सत्य का इनकार किया जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि सत्य का इनकार किया जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.761 (s.666)

2514. आप ने बताया कि छोटे बच्चे मिंबरों पर चढ़ेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि छोटे बच्चे मिंबरों पर चढ़ेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.764 (s.666)

2515. आप ने बताया कि नमाज़ की सफ़ें भरी होंगी, पर इख़्लास (निष्ठा) कम होगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि नमाज़ की सफ़ें भरी होंगी, पर इख़्लास (निष्ठा) कम होगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.765 (s.666)

2516. आप ने बताया कि सच्चा मोमिन समाज में तुच्छ समझा जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि सच्चा मोमिन समाज में तुच्छ समझा जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.769 (s.666)

2517. आप ने बताया कि मोमिन का दिल अपने देखे बुरे कामों के सामने ऐसे घुल जाएगा जैसे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मोमिन का दिल अपने देखे बुरे कामों के सामने ऐसे घुल जाएगा जैसे नमक पानी में घुलता है।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.770 (s.666)

2518. आप ने बताया कि आलिम स्वार्थ के लिए शासकों के आगे झुकेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आलिम स्वार्थ के लिए शासकों के आगे झुकेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.794 (s.676)

2519. आप ने बताया कि मनमानी के अनुसार फ़तवे दिए जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मनमानी के अनुसार फ़तवे दिए जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.795 (s.677)

2520. आप ने बताया कि क़ुरआन को रोज़ी और व्यापार का साधन बनाया जाएगा

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़ुरआन को रोज़ी और व्यापार का साधन बनाया जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.796 (s.677); Kütüb-i Sitte: Tirmizî 2917 (sunnah.com)

2521. आप ने बताया कि ख़तीब मिंबरों पर झूठ बोलेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ख़तीब मिंबरों पर झूठ बोलेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.817 (s.679)

2522. आप ने ख़बर दी कि आप की उम्मत में मतभेद और फूट होगी, और एक ऐसा समूह आएगा जिसकी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि आप की उम्मत में मतभेद और फूट होगी, और एक ऐसा समूह आएगा जिसकी बातें अच्छी पर काम बुरे होंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.703 (s.638); Kütüb-i Sitte: Ebu Dâvud, Sünnet 31, (4765); Buhâri, Fezailu'l-Kur'ân 36, Menâkıb 25; Müslim, Zekât 143-148, (1064) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4816, c./s. 13/494]

2523. आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने में कीड़ों (केंचुओं) जैसे क़ारी निकलेंगे, और उस...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने में कीड़ों (केंचुओं) जैसे क़ारी निकलेंगे, और उस समय को पाने वाला शैतान से अल्लाह की शरण माँगे; उस दिन अपने दीन को थामने वाला हथेली पर अंगारा थामने वाले जैसा होगा, और उसे सहाबा में से पचास लोगों का सवाब दिया जाएगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.737 (s.656); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Melahim 17, (4341); Tirmizî, Tefsir, Mâide, (3060); İbnu Mace, Fiten 21, (4014) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4758, c./s. 13/365-366]

2524. आप ने ख़बर दी कि इस दीन की सहायता ऐसे लोगों के हाथों भी होगी जिनका अल्लाह के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि इस दीन की सहायता ऐसे लोगों के हाथों भी होगी जिनका अल्लाह के यहाँ कोई हिस्सा नहीं (किताब अनाथालयों और मस्जिदों के निर्माण में सहायता करने वाले ग़ैर-मुसलमानों का उदाहरण देती है)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.562 (s.571); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Cihad 182, Megâzî 38, Kader 5; Müslim, İman 173, (111) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4936, c./s. 14/147]

2525. आप ने ख़बर दी कि केवल सुंदर आवाज़ में क़ुरआन पढ़ने के कारण कम समझ और कम उम्र...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि केवल सुंदर आवाज़ में क़ुरआन पढ़ने के कारण कम समझ और कम उम्र वाले लोगों को इमाम बनाया जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.576 (s.576)

2526. लिखित रचनाओं के बढ़ जाने को क़यामत की निशानी माना गया (किताब एक ही विषय वाली...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

लिखित रचनाओं के बढ़ जाने को क़यामत की निशानी माना गया (किताब एक ही विषय वाली किताबों के बार-बार छापे जाने का उदाहरण देती है)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.577 (s.577)

2527. आप ने ख़बर दी कि ज़कात को एक जुर्माना या बोझ समझा जाएगा, और या तो दी नहीं जाएगी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ज़कात को एक जुर्माना या बोझ समझा जाएगा, और या तो दी नहीं जाएगी या सही जगह पर नहीं दी जाएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.580 (s.578); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2528. आप ने ख़बर दी कि मस्जिदों में आवाज़ें ऊँची होंगी (झगड़े और चीख़-पुकार होगी)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मस्जिदों में आवाज़ें ऊँची होंगी (झगड़े और चीख़-पुकार होगी)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.583 (s.578); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2529. आप ने ख़बर दी कि ज्ञान दीन के लिए नहीं, दुनिया के लिए सीखा जाएगा (किताब...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ज्ञान दीन के लिए नहीं, दुनिया के लिए सीखा जाएगा (किताब प्राच्यविदों और दुनिया के पीछे भागने वाले विद्यार्थियों का उदाहरण देती है)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.586 (s.579); Kütüb-i Sitte: Tirmizî (listedeki kaynağa göre)

2530. आप ने ख़बर दी कि दुआ और पवित्रता (वुज़ू) में हद से आगे बढ़ने वाला एक समूह आएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि दुआ और पवित्रता (वुज़ू) में हद से आगे बढ़ने वाला एक समूह आएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.595 (s.584); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd (listedeki kaynağa göre)

2531. आप ने ख़बर दी कि ऐसे शासक आएँगे जो मुसलमानों की बुरी समझी जाने वाली बात को भली...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ऐसे शासक आएँगे जो मुसलमानों की बुरी समझी जाने वाली बात को भली और भली समझी जाने वाली बात को बुरी मानेंगे, और यह भी कि अल्लाह की अवज्ञा करने वाले की आज्ञा का पालन नहीं है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.614 (s.599)

2532. आप ने ख़बर दी कि इस उम्मत से सबसे पहले ख़ुशू (विनम्रता) उठाया जाएगा, और ख़ुशू...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि इस उम्मत से सबसे पहले ख़ुशू (विनम्रता) उठाया जाएगा, और ख़ुशू वाला कोई दिखाई नहीं देगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.616 (s.600); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, İlm 5, (2655) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4139, c./s. 11/524-525]

2533. आप ने ख़बर दी कि ज़माना सिमटता जाएगा, ज्ञान उठा लिया जाएगा, फ़ितने उठेंगे और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ज़माना सिमटता जाएगा, ज्ञान उठा लिया जाएगा, फ़ितने उठेंगे और कंजूसी फैल जाएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.620 (s.602); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 18, (157); Buhârî 7061 (listedeki kaynağa göre) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5023, c./s. 14/313]

2534. आप ने ख़बर दी कि लोगों से सबसे पहले अमानतदारी उठाई जाएगी, और उनके दीन में से...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि लोगों से सबसे पहले अमानतदारी उठाई जाएगी, और उनके दीन में से सबसे अंत में नमाज़ उठाई जाएगी; और कितने ही नमाज़ पढ़ने वाले ऐसे होंगे जिनका अल्लाह के यहाँ कोई हिस्सा नहीं होगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.621 (s.602)

2535. भलाई को छोड़ दिया जाएगा और उसका आदेश नहीं दिया जाएगा (भलाई का आदेश देना त्याग दिया जाएगा)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

भलाई को छोड़ दिया जाएगा और उसका आदेश नहीं दिया जाएगा (भलाई का आदेश देना त्याग दिया जाएगा)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.643 (PDF s.616)

2536. बुराई खुलेआम की जाएगी और उससे रोका नहीं जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बुराई खुलेआम की जाएगी और उससे रोका नहीं जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.644 (s.614)

2537. आप ने ख़बर दी कि ज्ञान अल्लाह के लिए नहीं, पद और दुनिया पाने के लिए सीखा जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ज्ञान अल्लाह के लिए नहीं, पद और दुनिया पाने के लिए सीखा जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.645 (s.614)

2538. नमाज़ की उपेक्षा की जाएगी और उसे छोड़ दिया जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

नमाज़ की उपेक्षा की जाएगी और उसे छोड़ दिया जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.648 (s.615)

2539. दीन को दुनिया के बदले बेच दिया जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

दीन को दुनिया के बदले बेच दिया जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.652 (s.615); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 262; Kütüb-i Sitte: Müslim, İman 186, (118); Tirmizî, Fiten 30, (2196) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4743, c./s. 13/418-419]

2540. आप ने ख़बर दी कि मस्जिदें सजाई जाएँगी और मिंबर ऊँचे किए जाएँगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मस्जिदें सजाई जाएँगी और मिंबर ऊँचे किए जाएँगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.676 (s.618); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Salat 12, (448), (449); Nesai, Mesacid 2, (2, 32); Buhârî Salat 62 (muallak) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5522, c./s. 15/334; no. 5523, c./s. 15/335]

2541. आप ने ख़बर दी कि मेहराबों को सजाना क़यामत की निशानी है

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मेहराबों को सजाना क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.677 (s.618)

2542. आप ने अपनी उम्मत को सावधान किया कि यहूदियों की तरह अल्लाह की हराम की हुई चीज़ों...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अपनी उम्मत को सावधान किया कि यहूदियों की तरह अल्लाह की हराम की हुई चीज़ों को चालबाज़ियों से हलाल न समझें (किताब इसे क़सम, सूद, पर्दे और इबादत में की जाने वाली चालबाज़ियों के रूप में पूरा हुआ मानती है)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.698 (s.633)

2543. आप ने ख़बर दी कि आप को उस व्यक्ति से डर है जो क़ुरआन पढ़ेगा और उस पर इस्लाम की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि आप को उस व्यक्ति से डर है जो क़ुरआन पढ़ेगा और उस पर इस्लाम की शोभा दिखाई देगी, फिर वह उससे अलग होकर अपने पड़ोसी को मारने निकलेगा और उस पर शिर्क का आरोप लगाएगा; और शिर्क के अधिक निकट आरोप लगाने वाला ही होगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार मुसलमानों को काफ़िर ठहराने वाले समूह)

स्रोत 1000 Mucize no.699 (s.634)

2544. आप ने ख़बर दी कि एक ऐसा समूह निकलेगा जो क़ुरआन को ऐसे पिएगा जैसे दूध पिया जाता...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि एक ऐसा समूह निकलेगा जो क़ुरआन को ऐसे पिएगा जैसे दूध पिया जाता है (किताब इसकी व्याख्या क़ुरआन को कंठस्थ करने वाले हाफ़िज़ों की अधिकता से करती है)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.700 (s.635)

2545. आप ने ख़बर दी कि आप के बाद ऐसे लोग शासक बनेंगे जो सुन्नत को बुझा देंगे, बिदअत...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि आप के बाद ऐसे लोग शासक बनेंगे जो सुन्नत को बुझा देंगे, बिदअत करेंगे और नमाज़ को उसके अंतिम समय तक टालेंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार अल्लाह की निर्धारित सज़ाएँ लागू न करने वाले शासक)

स्रोत 1000 Mucize no.705 (PDF s.642); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 2865; kısmen: Müslim 648a (sunnah.com)

2546. आप ने बुरे लोगों के ऊँचा उठाए जाने, अच्छे लोगों के नीचा किए जाने, और क़ुरआन के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बुरे लोगों के ऊँचा उठाए जाने, अच्छे लोगों के नीचा किए जाने, और क़ुरआन के सिवा लिखी गई किताबों (मसनात) के समाज में फैल जाने को क़यामत के निकट आने की निशानी बताया।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज की अधार्मिक किताबें और पत्रिकाएँ)

स्रोत 1000 Mucize no.709 (s.640)

2547. आप ने बताया कि जब मुसलमान अपने आलिमों से द्वेष रखेंगे, तो अल्लाह उन पर चार...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब मुसलमान अपने आलिमों से द्वेष रखेंगे, तो अल्लाह उन पर चार विपत्तियाँ डालेगा (अकाल, अत्याचारी शासक, विश्वासघाती न्यायाधीश, और आक्रमण करने वाला शत्रु)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.715 (s.644); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 265

2548. आप ने बताया कि आप की उम्मत का एक समूह आलिमों से उलझाने वाले (व्यर्थ, जिनसे...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत का एक समूह आलिमों से उलझाने वाले (व्यर्थ, जिनसे निकलना कठिन हो) प्रश्न पूछेगा, और वे उम्मत के सबसे बुरे लोग हैं।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.726 (s.648)

2549. आप ने यह कहकर संकेत दिया कि धार्मिक पद अयोग्य लोगों के हाथ में चले जाएँगे: “जब...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर संकेत दिया कि धार्मिक पद अयोग्य लोगों के हाथ में चले जाएँगे: “जब दीन के ऊपर उसके योग्य लोग हों, तो उस पर न रोओ; जब उसके ऊपर अयोग्य लोग आ जाएँ, तब उस पर रोओ।”

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.729 (s.650)

2550. आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में बताया कि बुद्धियाँ कमज़ोर हो जाएँगी और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में बताया कि बुद्धियाँ कमज़ोर हो जाएँगी और हिकमत खो जाएगी, हत्याएँ बढ़ जाएँगी, भलाई की निशानियाँ उठ जाएँगी और फ़ितने उठेंगे।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.730 (s.651)

2551. आप ने तारों से भविष्य बताने पर विश्वास, तक़दीर को झुठलाना, अमानत को ग़नीमत और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने तारों से भविष्य बताने पर विश्वास, तक़दीर को झुठलाना, अमानत को ग़नीमत और सदक़े को जुर्माना या बोझ समझना, और व्यभिचार का फैलना गिनाकर फ़रमाया: “तब तुम्हारी क़ौम नष्ट हो जाएगी।”

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.735 (s.654)

2552. आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने में अज्ञानी इबादत करने वाले और दुराचारी क़ारी प्रकट होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने में अज्ञानी इबादत करने वाले और दुराचारी क़ारी प्रकट होंगे।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.736 (s.655)

2553. मुआज़ बिन जबल की ख़बर के अनुसार, एक समुदाय में क़ुरआन वैसे ही पुराना पड़ जाएगा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मुआज़ बिन जबल की ख़बर के अनुसार, एक समुदाय में क़ुरआन वैसे ही पुराना पड़ जाएगा जैसे कपड़ा पुराना पड़ता है; वे उसे बिना सोचे-विचारे पढ़ेंगे, भेड़ियों जैसे दिलों पर भेड़ की खाल ओढ़ेंगे, और गुनाह करने पर कहेंगे: “जब तक हम अल्लाह के साथ शिर्क न करें, हमें क्षमा कर दिया जाएगा।”

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.738 (s.656)

2554. आप ने ख़बर दी कि लोग भय के समय अपने आलिमों के पास दौड़ेंगे और उन्हें बंदरों और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि लोग भय के समय अपने आलिमों के पास दौड़ेंगे और उन्हें बंदरों और सूअरों में बदला हुआ पाएँगे; मकहूल के कथन में भी है कि ऐसा समय आएगा जब आलिम सड़ी लाश से भी अधिक दुर्गंध वाला होगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.739 (s.657)

2555. आप ने बताया कि मेहराबें सजाई जाएँगी और दिल उजाड़ हो जाएँगे (इब्ने मसऊद की रिवायत)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मेहराबें सजाई जाएँगी और दिल उजाड़ हो जाएँगे (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.750 (s.663)

2556. आप ने बताया कि जब तक आप के सहाबा में से किसी एक को खोए जानवर की तरह खोजा न जाए...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब तक आप के सहाबा में से किसी एक को खोए जानवर की तरह खोजा न जाए और वह न मिले, क़यामत नहीं आएगी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: सहाबा की पीढ़ी का समाप्त होना (लगभग हिजरी पहली सदी का अंत)

स्रोत 1000 Mucize no.758 (s.665)

2557. आप ने बताया कि नमाज़ नष्ट की जाएगी और मनमानी इच्छाओं के पीछे चला जाएगा (विदाई...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि नमाज़ नष्ट की जाएगी और मनमानी इच्छाओं के पीछे चला जाएगा (विदाई हज, सलमान की रिवायत)।

ख़बर: हज्जतुल विदा, हिजरी 10 (632 ईस्वी); पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.759 (s.666), no.768 (s.666)

2558. आप ने सदक़ा न दिए जाने को क़यामत के निकट होने की निशानी बताया

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने सदक़ा न दिए जाने को क़यामत के निकट होने की निशानी बताया।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.774 (s.669)

2559. आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब लोग मस्जिदों में दुनिया की बातें करेंगे, उनका...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब लोग मस्जिदों में दुनिया की बातें करेंगे, उनका अनुसरण न किया जाए, और अल्लाह को उनकी कोई आवश्यकता नहीं।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.775 (s.670)

2560. आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब आप की उम्मत नमाज़ पढ़ना चाहेगी, पर इमामत कर सकने...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब आप की उम्मत नमाज़ पढ़ना चाहेगी, पर इमामत कर सकने वाला कोई नहीं मिलेगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.776 (s.670); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd; İbn Mâce (listedeki kaynağa göre)

2561. आप ने बताया कि दीन को कभी अपनाया जाएगा और कभी छोड़ दिया जाएगा; छोड़े जाने की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि दीन को कभी अपनाया जाएगा और कभी छोड़ दिया जाएगा; छोड़े जाने की निशानी यह है कि पूरा क़बीला ज्ञान से ख़ाली हो जाएगा और उसमें केवल एक-दो फ़क़ीह रह जाएँगे।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.777 (s.671)

2562. आप ने बताया कि क़बीले में बचे एक-दो फ़क़ीह तुच्छ समझे जाएँगे और बोलने पर दबा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़बीले में बचे एक-दो फ़क़ीह तुच्छ समझे जाएँगे और बोलने पर दबा दिए जाएँगे; उम्मत के बाद वाले पहले वालों पर लानत करेंगे, शराब खुलेआम पी जाएगी और रास्ते के बीच व्यभिचार किया जाएगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.778 (s.671); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2563. अल्लाह के सिवा दूसरों के नाम की क़सम खाई जाएगी (अली से वर्णित क़यामत की...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

अल्लाह के सिवा दूसरों के नाम की क़सम खाई जाएगी (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.802 (s.677)

2564. इब्ने मसऊद की ख़बर के अनुसार, किसी व्यक्ति का मस्जिद के भीतर से गुज़र जाना और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इब्ने मसऊद की ख़बर के अनुसार, किसी व्यक्ति का मस्जिद के भीतर से गुज़र जाना और तहिय्यतुल मस्जिद की नमाज़ न पढ़ना क़यामत की निशानी है।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.827 (s.682); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd (listedeki kaynağa göre; doğrulanmadı)

2565. इब्ने मसऊद की ख़बर के अनुसार, पचास लोगों का नमाज़ पढ़ना और उनमें से किसी की भी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

इब्ने मसऊद की ख़बर के अनुसार, पचास लोगों का नमाज़ पढ़ना और उनमें से किसी की भी नमाज़ स्वीकार न होना क़यामत की निशानी है।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.828 (s.682)

2566. बताया गया कि ऐसा समय आएगा जब लोग मस्जिदों में इकट्ठा होकर नमाज़ पढ़ेंगे, फिर भी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बताया गया कि ऐसा समय आएगा जब लोग मस्जिदों में इकट्ठा होकर नमाज़ पढ़ेंगे, फिर भी उनमें एक भी मोमिन नहीं होगा (अब्दुल्लाह बिन अम्र की रिवायत)।

आख़िरी ज़माना

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2567. आप ने ख़बर दी: “लोगों पर ऐसा समय आएगा कि वे कुछ देर प्रतीक्षा करेंगे, पर उन्हें...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “लोगों पर ऐसा समय आएगा कि वे कुछ देर प्रतीक्षा करेंगे, पर उन्हें नमाज़ पढ़ाने वाला कोई इमाम नहीं मिलेगा” (सलामा बिंत हुर्र की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 263 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2568. आप ने फ़रमाया: “उम्मत तब तक शरीअत पर रहेगी जब तक ये तीन बातें न दिखें: ज्ञान का...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “उम्मत तब तक शरीअत पर रहेगी जब तक ये तीन बातें न दिखें: ज्ञान का उठ जाना, व्यभिचार से पैदा बच्चों का बढ़ जाना, और सक़्क़ारून का प्रकट होना”, और सक़्क़ारून की व्याख्या की: “आख़िरी ज़माने के वे लोग जो मिलने पर सलाम के बजाय एक-दूसरे पर लानत करेंगे” (मुआज़ बिन अनस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 265 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2569. आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत पर ऐसा समय आएगा कि दुनिया के लालच में उनके भीतर बुरे...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत पर ऐसा समय आएगा कि दुनिया के लालच में उनके भीतर बुरे और बाहर सुंदर होंगे; उनके काम दिखावा होंगे, उनके भीतर (अल्लाह का) भय नहीं होगा; अल्लाह उन्हें एक अज़ाब से घेर लेगा, वे डूबते व्यक्ति जैसी दुआ करेंगे, पर वह स्वीकार नहीं होगी।”

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (आख़िरी ज़माना)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 146 (Bâb 12: kendisinden sonra olacakları haber vermesi)

2570. आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत पर ऐसा समय आएगा कि क़ुरआन का केवल लिखित रूप और...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “मेरी उम्मत पर ऐसा समय आएगा कि क़ुरआन का केवल लिखित रूप और इस्लाम का केवल नाम बचेगा; उनकी मस्जिदें आबाद होंगी पर हिदायत से उजाड़; उस समय के फ़क़ीह आसमान के नीचे के सबसे बुरे फ़क़ीह होंगे, फ़ितना उन्हीं से निकलेगा और उन्हीं की ओर लौटेगा।”

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (आख़िरी ज़माना)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 146 (Bâb 12: kendisinden sonra olacakları haber vermesi)

47 · क़यामत की निशानियाँ: शासन, न्याय और अर्थव्यवस्था में बिगाड़

2571. आप ने बताया कि अमानतदारी दिलों से उठा ली जाएगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अमानतदारी दिलों से उठा ली जाएगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.635 (s.608); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 267; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim, Tirmizî [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 85, c./s. 2/371-372]

2572. आप ने बताया कि नंगे पाँव चरवाहे ऊँची इमारतें बनाने में होड़ करेंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि नंगे पाँव चरवाहे ऊँची इमारतें बनाने में होड़ करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.615 (s.599); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Müslim 8 (satırdaki künye; Canan'da künye metinde yok) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 14, c./s. 2/215-218]

2573. आप ने बताया कि ऐसे लोग निकलेंगे जिनके हाथों में गाय की पूँछ जैसे कोड़े होंगे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसे लोग निकलेंगे जिनके हाथों में गाय की पूँछ जैसे कोड़े होंगे जिनसे वे लोगों को मारेंगे, और ऐसी स्त्रियाँ होंगी जो “कपड़े पहने हुए भी नग्न” होंगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.323; 1000 Mucize no.603 (s.592); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 256 haber vermesi); c. 2, s. 265; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 375; İbnü'l-Cevzî, el-Vefâ, s. 320; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Müslim, Cennet 53, (2857), 52, (2128) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5969, c./s. 16/449-450]

2574. आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब मनुष्य को इसकी परवाह नहीं होगी कि उसने अपना माल...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब मनुष्य को इसकी परवाह नहीं होगी कि उसने अपना माल हलाल से कमाया या हराम से।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.326; web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 260; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Büyû 7, 23; Nesâî, Büyû' 2, (7, 243) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5166, c./s. 14/499]

2575. आप ने बताया कि व्यापार फैल जाएगा और स्त्री व्यापार में अपने पति की साझेदार बनेगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि व्यापार फैल जाएगा और स्त्री व्यापार में अपने पति की साझेदार बनेगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.569 (s.574)

2576. आप ने बताया कि “धोखे भरे वर्ष” आएँगे: झूठे को सच्चा और सच्चे को झूठा माना...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि “धोखे भरे वर्ष” आएँगे: झूठे को सच्चा और सच्चे को झूठा माना जाएगा, विश्वासघाती को अमानतदार और अमानतदार को विश्वासघाती समझा जाएगा, और “रुवैबिज़ा” (तुच्छ लोग) बात करने के अधिकारी बनेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.561 (s.570); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 266; c. 2, s. 270; Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 4036 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7217]

2577. आप ने बताया कि बाज़ार एक-दूसरे के निकट आ जाएँगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बाज़ार एक-दूसरे के निकट आ जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.656 (s.616)

2578. आप ने बताया कि बुरे और अत्याचारी शासक सत्ता में आएँगे, और भले और बुरे दोनों तरह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बुरे और अत्याचारी शासक सत्ता में आएँगे, और भले और बुरे दोनों तरह के काम दिखाई देंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.558 (s.568); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 261; Kütüb-i Sitte: Buharî, Fiten 11, Menakıb 25; Müslim, İmaret 51, (1847); Ebu Davud, Fiten 1, (4244-4247) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4788, c./s. 13/435-436]

2579. आप ने उस समय की ख़बर दी जब वज़ीर (प्रशासक) झूठे होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब वज़ीर (प्रशासक) झूठे होंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.663 (s.616)

2580. आप ने उस समय की ख़बर दी जब सुरक्षा कर्मचारी (शुरत) अत्याचार करेंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब सुरक्षा कर्मचारी (शुरत) अत्याचार करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.665 (s.616); Kütüb-i Sitte: Müslim, Cennet 53, (2857), 52, (2128) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5969, c./s. 16/449-450]

2581. आप ने बताया कि नाप-तौल में धोखाधड़ी फैल जाएगी (अली से वर्णित क़यामत की...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि नाप-तौल में धोखाधड़ी फैल जाएगी (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.788 (s.676)

2582. आप ने बताया कि धनी लोगों का सम्मान केवल उनके माल के कारण किया जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि धनी लोगों का सम्मान केवल उनके माल के कारण किया जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.654 (s.615)

2583. आप ने बताया कि शासक रिश्वत और भ्रष्टाचार में लिप्त होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि शासक रिश्वत और भ्रष्टाचार में लिप्त होंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.670 (s.617)

2584. आप ने बताया कि अत्याचार धरती पर छा जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अत्याचार धरती पर छा जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.686 (s.620); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Mehdî 1, (4282); Tirmizî, Fiten 52, (2231, 2232) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5006, c./s. 14/275]

2585. आप ने बताया कि दास और सेवक शासन अपने हाथ में ले लेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि दास और सेवक शासन अपने हाथ में ले लेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.687 (s.624)

2586. आप ने बताया कि अयोग्य लोग परामर्श के पदों पर पहुँचेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अयोग्य लोग परामर्श के पदों पर पहुँचेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.762 (s.666)

2587. आप ने बताया कि बाज़ार धोखेबाज़ों से भर जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बाज़ार धोखेबाज़ों से भर जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.752 (s.663)

2588. आप ने बताया कि धरती की आबाद जगहें उजड़ जाएँगी और उजड़ी जगहें आबाद हो जाएँगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि धरती की आबाद जगहें उजड़ जाएँगी और उजड़ी जगहें आबाद हो जाएँगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.753 (s.664), no.754 (s.664)

2589. आप ने बताया कि शासन स्त्रियों के हाथ में चला जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि शासन स्त्रियों के हाथ में चला जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.763 (s.666)

2590. आप ने बताया कि फ़ैसले अनुमान और मनमानी से किए जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि फ़ैसले अनुमान और मनमानी से किए जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.815-816 (s.679)

2591. मदीना में “खजूरों ने हमारे पेट जला दिए” कहकर शिकायत करने वाले व्यक्ति को आप ने...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मदीना में “खजूरों ने हमारे पेट जला दिए” कहकर शिकायत करने वाले व्यक्ति को आप ने ख़बर दी कि आगे वे काबा के ग़िलाफ़ जैसे वस्त्र पहनेंगे और उनके सामने बड़े-बड़े थालों में भोजन परोसा जाएगा; पर उनकी आज की हालत बेहतर है, क्योंकि आज वे भाई-भाई हैं, और उस दिन वे एक-दूसरे को मारेंगे।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: विजयों के बाद की समृद्धि और आंतरिक संघर्ष, व्याख्या पर निर्भर

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.314; 1000 Mucize no.745 (s.661); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 185; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 377

2592. आप ने ख़बर दी कि दीनार और दिरहम इस उम्मत को भी वैसे ही नष्ट करेंगे जैसे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि दीनार और दिरहम इस उम्मत को भी वैसे ही नष्ट करेंगे जैसे उन्होंने पिछली उम्मतों को नष्ट किया; आप की उम्मत का फ़ितना माल है, और अँधेरी रात जैसे फ़ितनों में आदमी सुबह को मोमिन और शाम को काफ़िर होगा, और अपने दीन को दुनिया की थोड़ी-सी चीज़ के बदले बेच देगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.702 (s.637); Kütüb-i Sitte: Müslim, İman 186, (118); Tirmizî, Fiten 30, (2196); Tirmizî (K395, künye metinde yok) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4743, c./s. 13/418-419; no. 395, c./s. 3/168-]

2593. आप ने यह कहकर ख़बर दी कि शासन अयोग्य, सबसे नीच और दुराचारी लोगों को सौंप दिया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर ख़बर दी कि शासन अयोग्य, सबसे नीच और दुराचारी लोगों को सौंप दिया जाएगा: “जब अमानत अयोग्य को सौंप दी जाए, तो क़यामत की प्रतीक्षा करो।”

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: लेखक के अनुसार आज व्यापक (कोई निश्चित तिथि नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.551 (s.565); Kütüb-i Sitte: Buharî, İlm 2, Rikak 35 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5038; no. 86, c./s. 2/372]

2594. आप ने क़यामत की निशानी के रूप में ख़बर दी कि भरोसेमंद (अमीन) व्यक्ति को...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने क़यामत की निशानी के रूप में ख़बर दी कि भरोसेमंद (अमीन) व्यक्ति को विश्वासघाती समझा जाएगा और उस पर अमानत में ख़यानत का आरोप लगाया जाएगा; इसका आधार क्रमांक 555 के अंतर्गत दी गई हदीस है।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: लेखक के अनुसार आज व्यापक (कोई निश्चित तिथि नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.554 (s.566), no.555 (s.566); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 4036 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7217]

2595. आप ने ख़बर दी कि शासन सँभालने वाले कुछ लोग कामना करेंगे: “काश, हम आसमान से गिर...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि शासन सँभालने वाले कुछ लोग कामना करेंगे: “काश, हम आसमान से गिर पड़ते, पर कोई पद न लेते।”

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.565 (s.573); Kütüb-i Sitte: Buhârî (kitabın nispeti, künye yok)

2596. आप ने ख़बर दी कि पुलिस (शुरता) बढ़ जाएगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि पुलिस (शुरता) बढ़ जाएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.573 (s.575)

2597. आप ने ख़बर दी कि फ़ैसले (शासन) ख़रीदे और बेचे जाने लगेंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि फ़ैसले (शासन) ख़रीदे और बेचे जाने लगेंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.574 (s.576)

2598. आप ने ख़बर दी कि मुसलमानों का साझा माल (सार्वजनिक धन) कुछ लोगों की निजी संपत्ति...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मुसलमानों का साझा माल (सार्वजनिक धन) कुछ लोगों की निजी संपत्ति बन जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.579 (s.577); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2599. आप ने ख़बर दी कि समाज का सबसे नीच व्यक्ति उनका अगुवा बनेगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि समाज का सबसे नीच व्यक्ति उनका अगुवा बनेगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.584 (s.579); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2600. आप ने ख़बर दी कि किसी व्यक्ति का सम्मान उसकी बुराई के डर से किया जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि किसी व्यक्ति का सम्मान उसकी बुराई के डर से किया जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.585 (s.579); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2601. बताया गया कि इराक़ वालों से अजमी लोग माप (क़फ़ीज़) और दिरहम रोक लेंगे, और शाम...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बताया गया कि इराक़ वालों से अजमी लोग माप (क़फ़ीज़) और दिरहम रोक लेंगे, और शाम वालों से रूमी लोग दीनार और माप रोक लेंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार 1991 से इराक़ पर लगी पाबंदी; शाम वाला भाग अभी पूरा नहीं हुआ)

स्रोत 1000 Mucize no.597 (s.586); ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 262; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 67, (2913) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4790, c./s. 13/441]

2602. आप ने ख़बर दी कि जब वे ईना का सौदा (सूद का छल-सौदा) करेंगे, गायों की पूँछें...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब वे ईना का सौदा (सूद का छल-सौदा) करेंगे, गायों की पूँछें पकड़ लेंगे, खेती से संतुष्ट हो जाएँगे और अल्लाह की राह में जिहाद छोड़ देंगे, तो जब तक वे अपने दीन की ओर न लौटें, उन पर अपमान थोप दिया जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.606 (s.594); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Büyû 56, (3462) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5952, c./s. 16/422]

2603. आप ने ख़बर दी कि जब तक दुनिया में सबसे भाग्यशाली व्यक्ति “नीच का बेटा नीच” न बन...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब तक दुनिया में सबसे भाग्यशाली व्यक्ति “नीच का बेटा नीच” न बन जाए, क़यामत नहीं आएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.622 (s.603); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 267; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 332, 357; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 37, (2210) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5036]

2604. मनुष्य को उसके परिवार के बजाय किसी शासक या धनी व्यक्ति से जोड़कर पहचाना जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

मनुष्य को उसके परिवार के बजाय किसी शासक या धनी व्यक्ति से जोड़कर पहचाना जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.641 (PDF s.616)

2605. लोग ऊँची मीनारें (बुर्ज) बनाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

लोग ऊँची मीनारें (बुर्ज) बनाएँगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.649 (s.615)

2606. लोग ऊँची इमारतें बनाएँगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

लोग ऊँची इमारतें बनाएँगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.650 (s.615); Kütüb-i Sitte: Müslim (Cibrîl hadisi; Canan K14, künye metinde yok) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 14, c./s. 2/215-218]

2607. सूद (रिबा) खाया जाएगा (किताब मुस्लिम जगत के सूद पर आधारित अर्थव्यवस्था और...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सूद (रिबा) खाया जाएगा (किताब मुस्लिम जगत के सूद पर आधारित अर्थव्यवस्था और बैंकों पर निर्भर होने का उदाहरण देती है)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.653 (s.615); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd ve Nesâî [İ. Canan, Kütüb-

i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 309, c./s. 3/100]

2608. शासक दुराचारी (पापी) होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

शासक दुराचारी (पापी) होंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.662 (s.616)

2609. जिन पर भरोसा किया जाता है, वे विश्वासघात करेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

जिन पर भरोसा किया जाता है, वे विश्वासघात करेंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.664 (s.616)

2610. दीनार (सोने) का बोलबाला होगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दीनार (सोने) का बोलबाला होगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.672 (s.617)

2611. दिरहम (चाँदी) की माँग बढ़ जाएगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दिरहम (चाँदी) की माँग बढ़ जाएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.673 (s.617)

2612. आप ने ख़बर दी कि बच्चों का शासक बनना और स्त्रियों का छल-कपट करना क़यामत की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि बच्चों का शासक बनना और स्त्रियों का छल-कपट करना क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.682 (s.619)

2613. आप ने ख़बर दी कि विश्वासघाती को भरोसेमंद और भरोसेमंद को विश्वासघाती समझा जाना...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि विश्वासघाती को भरोसेमंद और भरोसेमंद को विश्वासघाती समझा जाना क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.684 (s.619); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 4036 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7217]

2614. आप ने ख़बर दी कि दुनिया उनके सामने खोल दी जाएगी और वे अपने घरों को ऐसे सजाएँगे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि दुनिया उनके सामने खोल दी जाएगी और वे अपने घरों को ऐसे सजाएँगे जैसे काबा पर ग़िलाफ़ चढ़ाया जाता है, पर सहाबा की उस दिन की हालत अधिक अच्छी थी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.701 (s.636); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 186; c. 2, s. 191; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Kıyamet 36, (2478) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2079, c./s. 7/455]

2615. आप ने ख़बर दी कि ऐसे शासक आएँगे जिनके चारों ओर कुछ लोग घेरा डाले रहेंगे, जो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ऐसे शासक आएँगे जिनके चारों ओर कुछ लोग घेरा डाले रहेंगे, जो अत्याचार करेंगे और झूठ बोलेंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.704 (s.638); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Salât 433. (614); Nesâî, Bey'ât 35, 36, (7, 160) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1733, c./s. 6/449]

2616. आप ने ख़बर दी कि जब तक धरती अत्याचार से न भर जाए, क़यामत नहीं आएगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब तक धरती अत्याचार से न भर जाए, क़यामत नहीं आएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार पूरी हुई)

स्रोत 1000 Mucize no.711 (s.641); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Mehdî 1, (4282); Tirmizî, Fiten 52, (2231, 2232); İbn Mâce 4082 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5006, c./s. 14/275; no. 7233]

2617. आप ने बताया कि मुसलमानों का बाज़ारों को रौनक़ देने (व्यापार) में डूब जाना...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि मुसलमानों का बाज़ारों को रौनक़ देने (व्यापार) में डूब जाना विपत्तियों का कारण बनेगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.716 (s.644)

2618. आप ने बताया कि माल जमा करने की लालसा से विवाह करना अकाल, अत्याचारी शासक...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि माल जमा करने की लालसा से विवाह करना अकाल, अत्याचारी शासक, विश्वासघाती न्यायाधीश और शत्रु के आक्रमण का कारण बनेगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.717 (s.644)

2619. आप ने बताया कि शासक लोगों के हक़ न देकर अत्याचार करेंगे, इसी कारण लोग एक-दूसरे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि शासक लोगों के हक़ न देकर अत्याचार करेंगे, इसी कारण लोग एक-दूसरे को मारेंगे; और मुक्ति इसमें है कि हाथ रोककर सब्र किया जाए (हक़ मिले तो ले लिया जाए, न मिले तो छोड़ दिया जाए)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (हदीस में 'तुम्हारे कुछ ही समय बाद' कहा गया है; लेखक के अनुसार पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.732 (s.652)

2620. आप ने बताया कि जब शासक भले, धनी उदार और मामले परामर्श (शूरा) से तय हों, तो धरती...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब शासक भले, धनी उदार और मामले परामर्श (शूरा) से तय हों, तो धरती का ऊपरी भाग बेहतर है; और जब शासक बुरे, धनी कंजूस हों और मामले स्त्रियों पर छोड़ दिए जाएँ, तो धरती का निचला भाग बेहतर होगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.733 (s.653); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 78, (2267) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4785, c./s. 13/431]

2621. आप ने बताया कि धनी (माल वाले) को ऊँचा माना जाएगा; ज़कात को लूटा जाएगा, झूठे को...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि धनी (माल वाले) को ऊँचा माना जाएगा; ज़कात को लूटा जाएगा, झूठे को सच्चा और विश्वासघाती को भरोसेमंद समझा जाएगा (विदाई हज, सलमान की रिवायत)।

ख़बर: हज्जतुल विदा, हिजरी 10 (632 ईस्वी); पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.760 (s.666); Kütüb-i Sitte (kısmen): kısmen: İbn Mâce 4036 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7217]

2622. आप ने बताया कि जब तुम देखो कि मज़दूरी पर (भाड़े के सैनिकों से) युद्ध लड़ा जा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब तुम देखो कि मज़दूरी पर (भाड़े के सैनिकों से) युद्ध लड़ा जा रहा है, तो क़यामत दो उँगलियों की तरह निकट है।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.772 (s.669)

2623. आप ने किसी व्यक्ति के अपनी अमानत से ऐसे खेलने को जैसे ऊँट पेड़ से खेलता है, और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने किसी व्यक्ति के अपनी अमानत से ऐसे खेलने को जैसे ऊँट पेड़ से खेलता है, और आबाद को उजाड़ने और उजाड़ को आबाद करने को क़यामत के निकट होने की निशानी बताया।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.773 (s.669)

2624. बड़े गुनाह (सूद और रिश्वत सहित) सामान्य बात की तरह किए जाएँगे (अली से वर्णित...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बड़े गुनाह (सूद और रिश्वत सहित) सामान्य बात की तरह किए जाएँगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.797 (s.677)

2625. तरह-तरह के अत्याचार किए जाएँगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तरह-तरह के अत्याचार किए जाएँगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.798 (s.677)

2626. माल बुरे लोगों के हाथों में इकट्ठा हो जाएगा (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

माल बुरे लोगों के हाथों में इकट्ठा हो जाएगा (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.801 (s.677)

2627. सत्ता विरासत के रूप में सौंपी जाएगी (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सत्ता विरासत के रूप में सौंपी जाएगी (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.803 (s.677)

2628. वचन तोड़े जाएँगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

वचन तोड़े जाएँगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.804 (s.677)

2629. रास्ते तंग हो जाएँगे और इमारतें ऊँची हो जाएँगी (अली से वर्णित क़यामत की...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

रास्ते तंग हो जाएँगे और इमारतें ऊँची हो जाएँगी (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.807 (s.677)

2630. आप ने उस समय की ख़बर दी जब भिखारी घूमता रहेगा और उसके हाथ कुछ नहीं आएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब भिखारी घूमता रहेगा और उसके हाथ कुछ नहीं आएगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.812 (s.679)

2631. आप ने बताया कि महल और प्रासाद ऊँचे किए जाएँगे (अबू मूसा की रिवायत)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि महल और प्रासाद ऊँचे किए जाएँगे (अबू मूसा की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.818 (s.679)

2632. आप ने बताया कि एक ऐसा समूह निकलेगा जो अपनी ज़बानों से ऐसे खाएगा जैसे गाय अपनी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि एक ऐसा समूह निकलेगा जो अपनी ज़बानों से ऐसे खाएगा जैसे गाय अपनी जीभ से खाती है (चापलूसी से माल कमाएगा)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.825 (s.680); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 268

2633. आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में ख़बर दी कि प्रतिष्ठित लोग (वुऊल) नष्ट हो...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में ख़बर दी कि प्रतिष्ठित लोग (वुऊल) नष्ट हो जाएँगे और निम्न लोग (तुहूत) आगे आ जाएँगे, बुरों को ऊँचा और भलों को नीचा किया जाएगा, बातें खुलकर होंगी और कर्म छिपा लिया जाएगा (अबू हुरैरा, अब्दुल्लाह बिन अम्र और इब्ने अब्बास की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 270 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2634. आप ने ख़बर दी: “जब ज़माना निकट आएगा, तो तैलसान (चादर) पहनने वाले, व्यापार और...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “जब ज़माना निकट आएगा, तो तैलसान (चादर) पहनने वाले, व्यापार और माल बढ़ जाएँगे; धनी को उसके माल के कारण बड़ा समझा जाएगा, अश्लीलता बढ़ जाएगी; किसी व्यक्ति का पिल्ला पालना बच्चा पालने से बेहतर होगा” (अबू ज़र की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 271 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2635. आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत के अंत में एक ख़लीफ़ा होगा जो माल को बिना गिने...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “मेरी उम्मत के अंत में एक ख़लीफ़ा होगा जो माल को बिना गिने मुट्ठी भर-भरकर बाँटेगा”; रावी अबू नज़रा और अबुल अला ने कहा: “वह उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ नहीं हैं।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), tek cilt, s. 262 (Fasl fî tertîbi'l-ahbâr bi'l-guyûbi'l-müstakbele ba'deh)

2636. आप ने ख़बर दी: “लोगों पर ऐसा समय आएगा कि राज्य केवल हत्या और ज़बरदस्ती से, धन...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “लोगों पर ऐसा समय आएगा कि राज्य केवल हत्या और ज़बरदस्ती से, धन केवल छीना-झपटी और कंजूसी से, और प्रेम केवल दीन से निकलकर मनमानी के पीछे चलने से पाया जाएगा; जो उस समय को पाए और सामर्थ्य होते हुए भी ग़रीबी, शत्रुता और अपमान पर सब्र करे, अल्लाह उसे मेरी पुष्टि करने वाले पचास सिद्दीक़ों का सवाब देगा।”

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (आख़िरी ज़माना)

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 146-147 (Bâb 12: kendisinden sonra olacakları haber vermesi)

48 · क़यामत की निशानियाँ: नैतिकता, परिवार और सामाजिक जीवन में बिगाड़

2637. आप ने बताया कि व्यभिचार फैल जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि व्यभिचार फैल जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.634 (PDF s.610); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Müslim (satırdaki kaynağa göre)

2638. आप ने बताया कि व्यभिचार को (दूसरे नामों से) हलाल समझा जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि व्यभिचार को (दूसरे नामों से) हलाल समझा जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.626 (s.604); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Eşribe 6 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4787, c./s. 13/434]

2639. आप ने बताया कि पुरुष रेशम पहनना हलाल समझेंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि पुरुष रेशम पहनना हलाल समझेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.627 (s.605); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 272; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Eşribe 6 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4787, c./s. 13/434]

2640. आप ने बताया कि शराब को दूसरे नामों से हलाल समझा जाएगा और शराब की महफ़िलें बढ़...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि शराब को दूसरे नामों से हलाल समझा जाएगा और शराब की महफ़िलें बढ़ जाएँगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.628 (s.605); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 262; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Eşribe 6; İbn Mâce 3383 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4787, c./s. 13/434; no. 7005]

2641. आप ने बताया कि बाजों को हलाल समझा जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बाजों को हलाल समझा जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.629 (s.605); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Eşribe 6 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4787, c./s. 13/434]

2642. आप ने बताया कि गाने वाली स्त्रियाँ और बाजे बढ़ जाएँगे, और धरती में धँसना और रूप...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि गाने वाली स्त्रियाँ और बाजे बढ़ जाएँगे, और धरती में धँसना और रूप बिगड़ना होगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.589 (s.580); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 265; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Eşribe 6; Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4787, c./s. 13/434; no. 5046]

2643. आप ने बताया कि दासी अपने स्वामी को जन्म देगी (संतान माँ की अवज्ञा करेगी)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि दासी अपने स्वामी को जन्म देगी (संतान माँ की अवज्ञा करेगी)।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.637 (PDF s.614); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Kütüb-i Sitte: Müslim ; Buhârî 50, Müslim 8-10 (listedeki kaynağa göre) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 14, c./s. 2/215-218]

2644. आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब मनुष्य को विवशता और गुनाह में से एक चुनने पर...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ऐसा समय आएगा जब मनुष्य को विवशता और गुनाह में से एक चुनने पर मजबूर किया जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.326; 1000 Mucize no.786 (s.675); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 267

2645. आप ने बताया कि केवल जान-पहचान वालों को ही सलाम किया जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि केवल जान-पहचान वालों को ही सलाम किया जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.568 (s.574); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 271

2646. आप ने बताया कि पिछली उम्मतों का रोग (ईर्ष्या, द्वेष और इतराना) आप की उम्मत में...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि पिछली उम्मतों का रोग (ईर्ष्या, द्वेष और इतराना) आप की उम्मत में भी फैल जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.563 (s.572); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 267; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Sıfatu'l-Kıyâme 57, (2512) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1665, c./s. 6/326]

2647. आप ने बताया कि दिल एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या से भर जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि दिल एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या से भर जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.766 (s.666)

2648. आप ने बताया कि एक ऐसा समूह निकलेगा जो अपने बालों को कबूतर के सीने की तरह काला...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि एक ऐसा समूह निकलेगा जो अपने बालों को कबूतर के सीने की तरह काला रँगेगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.607 (s.595); Kütüb-i Sitte: Ebû Dâvûd, Nesâî (satırdaki kaynağa göre)

2649. आप ने बताया कि भद्दी बातें और अश्लीलता खुलेआम होने लगेगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि भद्दी बातें और अश्लीलता खुलेआम होने लगेगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.552 (s.566); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 271

2650. आप ने बताया कि “शैतानों के ऊँट और शैतानों के घर” होंगे (दिखावे के लिए पाली गई...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि “शैतानों के ऊँट और शैतानों के घर” होंगे (दिखावे के लिए पाली गई सवारियाँ और ख़ाली घर)।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.624-625 (s.604); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Cihad 62, (2568) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5980, c./s. 16/462]

2651. आप ने बताया कि भेड़ की खाल के वस्त्र पहनने वाले लोग निकलेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि भेड़ की खाल के वस्त्र पहनने वाले लोग निकलेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.667 (s.617); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Zühd 60, (2406, 2407) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 2005, c./s. 7/312]

2652. आप ने बताया कि एक ऐसी पीढ़ी आएगी जो केवल खाने-पीने और पहनने-ओढ़ने के प्रकारों...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि एक ऐसी पीढ़ी आएगी जो केवल खाने-पीने और पहनने-ओढ़ने के प्रकारों के बारे में सोचेगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.779 (s.671); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 268

2653. आप ने उस समय की ख़बर दी जब मनुष्य का विनाश उसकी पत्नी, उसके माता-पिता और उसकी संतान के हाथों होगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब मनुष्य का विनाश उसकी पत्नी, उसके माता-पिता और उसकी संतान के हाथों होगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.784 (s.674); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 269

2654. आप ने उस समय की ख़बर दी जब स्त्रियाँ सीमा लाँघेंगी और युवक दुराचारी होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब स्त्रियाँ सीमा लाँघेंगी और युवक दुराचारी होंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.727 (s.649)

2655. आप ने बताया कि स्त्रियों के मेहर बहुत अधिक बढ़ जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि स्त्रियों के मेहर बहुत अधिक बढ़ जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.570 (s.574)

2656. आप ने बताया कि समलैंगिकता फैल जाएगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि समलैंगिकता फैल जाएगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.639 (s.612)

2657. आप ने बताया कि अपने वंश को पिता के सिवा किसी और से जोड़ना आम हो जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अपने वंश को पिता के सिवा किसी और से जोड़ना आम हो जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.640 (s.612)

2658. आप ने बताया कि तलाक़ बढ़ जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि तलाक़ बढ़ जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.658 (s.616)

2659. आप ने बताया कि पवित्र स्त्रियों पर व्यभिचार का झूठा आरोप लगाना बढ़ जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि पवित्र स्त्रियों पर व्यभिचार का झूठा आरोप लगाना बढ़ जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.659 (s.616)

2660. आप ने बताया कि आपस में गाली-गलौज बढ़ जाएगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आपस में गाली-गलौज बढ़ जाएगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.660 (s.616)

2661. आप ने बताया कि लोगों के बीच आदर घट जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोगों के बीच आदर घट जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.661 (s.616)

2662. आप ने बताया कि गुनाह और ग़लतियाँ बढ़कर सामान्य बात बन जाएँगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि गुनाह और ग़लतियाँ बढ़कर सामान्य बात बन जाएँगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.669 (s.617)

2663. आप ने बताया कि दिल बिगड़ जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि दिल बिगड़ जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.678 (s.618)

2664. आप ने बताया कि लोग अपनी इच्छाओं के पीछे चलेंगे और इच्छाओं का ही राज होगा

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोग अपनी इच्छाओं के पीछे चलेंगे और इच्छाओं का ही राज होगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.651 (s.615); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Melahim 17, (4341); Tirmizî, Tefsir, Mâide, (3060); İbnu Mace, Fiten 21, (4014) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4758, c./s. 13/365-366]

2665. आप ने बताया कि ज़बानें एक-दूसरे से टकराएँगी और मतभेद करेंगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ज़बानें एक-दूसरे से टकराएँगी और मतभेद करेंगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.767 (s.666)

2666. आप ने बताया कि लड़कों की भी लड़कियों की तरह रक्षा और निगरानी करनी पड़ेगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लड़कों की भी लड़कियों की तरह रक्षा और निगरानी करनी पड़ेगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.771 (s.666)

2667. आप ने बताया कि जुआ फैल जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जुआ फैल जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.791 (s.676)

2668. आप ने बताया कि दरिंदों की खालों को बिछौना बनाया जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि दरिंदों की खालों को बिछौना बनाया जाएगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.792 (s.676)

2669. आप ने बताया कि पुरुष स्त्रियों जैसा बनने का प्रयास करेंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि पुरुष स्त्रियों जैसा बनने का प्रयास करेंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.799 (s.677)

2670. आप ने बताया कि स्त्रियाँ पुरुषों जैसा बनने का प्रयास करेंगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि स्त्रियाँ पुरुषों जैसा बनने का प्रयास करेंगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.800 (s.677)

2671. आप ने बताया कि संतान वाले दुख में होंगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि संतान वाले दुख में होंगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.813-814 (s.679)

2672. आप ने बताया कि लोगों के बीच बिना कारण शत्रुता पैदा होगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोगों के बीच बिना कारण शत्रुता पैदा होगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.819 (s.679)

2673. आप ने बताया कि लोगों के मामले आपस में उलझ जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोगों के मामले आपस में उलझ जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.820 (s.679)

2674. आप ने क़यामत की निशानी के रूप में ख़बर दी कि रिश्तेदारी तोड़ना आम हो जाएगा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने क़यामत की निशानी के रूप में ख़बर दी कि रिश्तेदारी तोड़ना आम हो जाएगा; इसका आधार क्रमांक 555 के अंतर्गत दी गई हदीस है।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: लेखक के अनुसार आज व्यापक (कोई निश्चित तिथि नहीं)

स्रोत 1000 Mucize no.553 (s.566)

2675. आप ने यह कहकर ख़बर दी कि मूर्ख (नासमझ) लोग शासक बनेंगे: “छह चीज़ों के आने से...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर ख़बर दी कि मूर्ख (नासमझ) लोग शासक बनेंगे: “छह चीज़ों के आने से पहले नेक कर्मों की ओर दौड़ो।”

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.572 (s.575)

2676. आप ने ख़बर दी कि पुरुष अपनी पत्नी की आज्ञा मानेगा और अपनी माँ की अवज्ञा करेगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि पुरुष अपनी पत्नी की आज्ञा मानेगा और अपनी माँ की अवज्ञा करेगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.581 (s.578); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2677. आप ने ख़बर दी कि मनुष्य अपने मित्र के पीछे चलेगा और अपने पिता का विरोध करेगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मनुष्य अपने मित्र के पीछे चलेगा और अपने पिता का विरोध करेगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.582 (s.578); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2678. आप ने ख़बर दी कि शराब खुलेआम पी जाएगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि शराब खुलेआम पी जाएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.587 (s.580); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Eşribe 6; Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4787, c./s. 13/434; no. 5046]

2679. आप ने ख़बर दी कि पुरुष रेशम पहनेंगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि पुरुष रेशम पहनेंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.588 (s.580); Kütüb-i Sitte: Buhârî, Eşribe 6; Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4787, c./s. 13/434; no. 5046]

2680. आप ने ख़बर दी कि आख़िरी ज़माने में आप की उम्मत के पुरुष काठी जैसी सवारियों पर...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि आख़िरी ज़माने में आप की उम्मत के पुरुष काठी जैसी सवारियों पर सवार होकर मस्जिदों के दरवाज़ों पर उतरेंगे, और उनकी स्त्रियाँ कपड़े पहने हुए भी नग्न होंगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आधुनिक वाहन)

स्रोत 1000 Mucize no.592 (PDF s.584); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte (kısmen): kısmen: Müslim, Cennet 53, (2857), 52, (2128) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5969, c./s. 16/449-450]

2681. बड़ा छोटे पर दया नहीं करेगा, और छोटा बड़े का आदर नहीं करेगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बड़ा छोटे पर दया नहीं करेगा, और छोटा बड़े का आदर नहीं करेगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.642 (PDF s.616)

2682. आप ने ख़बर दी कि संतान का (माता-पिता के लिए) क्रोध और कष्ट का कारण बनना क़यामत...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि संतान का (माता-पिता के लिए) क्रोध और कष्ट का कारण बनना क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.647 (s.614)

2683. झूठ बढ़ जाएगा

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

झूठ बढ़ जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.655 (s.616)

2684. आप ने ख़बर दी कि निर्लज्जता (अश्लीलता) का प्रकट होना क़यामत की निशानी है

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि निर्लज्जता (अश्लीलता) का प्रकट होना क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.657 (s.616)

2685. दिल सड़ी लाश से भी अधिक दुर्गंध वाले और एलुआ (सब्र की बूटी) से भी अधिक कड़वे हो जाएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दिल सड़ी लाश से भी अधिक दुर्गंध वाले और एलुआ (सब्र की बूटी) से भी अधिक कड़वे हो जाएँगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.668 (s.617)

2686. आप ने ख़बर दी कि अजनबियों से संबंध जोड़ना और रिश्तेदारी तोड़ना क़यामत की निशानी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि अजनबियों से संबंध जोड़ना और रिश्तेदारी तोड़ना क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.680 (s.619)

2687. आप ने ख़बर दी कि व्यभिचार से पैदा बच्चों का बढ़ जाना क़यामत की निशानी है

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि व्यभिचार से पैदा बच्चों का बढ़ जाना क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.681 (s.619)

2688. आप ने ख़बर दी कि कंजूसी और निर्लज्जता फैल जाएगी, विश्वासघाती को भरोसेमंद समझा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि कंजूसी और निर्लज्जता फैल जाएगी, विश्वासघाती को भरोसेमंद समझा जाएगा, स्त्रियों के ऐसे वस्त्र निकलेंगे जिनमें वे कपड़े पहने हुए भी नग्न होंगी, और निम्न वर्ग (तुहूत) को नेक और प्रतिष्ठित परिवारों (वुऊल) से ऊपर रखा जाएगा; इब्ने मसऊद पुष्टि करते हैं कि उन्होंने यह अल्लाह के रसूल ﷺ से सुना।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.688 (s.625); Kütüb-i Sitte (kısmen): kısmen: İbn Mâce 4036; Müslim, Cennet 53, (2857), 52, (2128) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7217; no. 5969, c./s. 16/449-450]

2689. बताया गया कि बनी इसराईल की स्त्रियाँ अपने पैरों के कारण, और इस उम्मत की...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

बताया गया कि बनी इसराईल की स्त्रियाँ अपने पैरों के कारण, और इस उम्मत की स्त्रियाँ अपने सिरों के कारण नष्ट होंगी; अली से भी वर्णित है कि ऐसा समय आएगा जब लोगों की चिंता पेट, उनका क़िबला स्त्री, और उनका दीन दिरहम होगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार पूरी हुई)

स्रोत 1000 Mucize no.696 (s.632)

2690. आप ने तीन बार यह कहकर उस समय की ख़बर दी जब पुरुष स्त्रियों के आगे झुकेंगे: “जब...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने तीन बार यह कहकर उस समय की ख़बर दी जब पुरुष स्त्रियों के आगे झुकेंगे: “जब पुरुष स्त्रियों की आज्ञा मानेंगे, तो नष्ट हो जाएँगे।”

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.697 (s.632)

2691. आप ने ख़बर दी कि सजावट और शृंगार का प्रदर्शन होगा (“जब दीन उलझ जाएगा, ख़ून...”)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि सजावट और शृंगार का प्रदर्शन होगा (“जब दीन उलझ जाएगा, ख़ून बहाया जाएगा, शृंगार प्रकट होगा, भाई आपस में मतभेद करेंगे और बैतुल्लाह जलाया जाएगा, तब तुम्हारा क्या हाल होगा?”)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.706 (s.640)

2692. आप ने ख़बर दी कि भाई एक-दूसरे से टकराएँगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि भाई एक-दूसरे से टकराएँगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.707 (s.640)

2693. आप ने ख़बर दी कि जब तक व्यभिचार और झूठ न फैल जाए, बाज़ार एक-दूसरे के निकट न आ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब तक व्यभिचार और झूठ न फैल जाए, बाज़ार एक-दूसरे के निकट न आ जाएँ, ज़माना सिमट न जाए और हर्ज (हत्या) न बढ़ जाए, क़यामत नहीं आएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.710 (s.641); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 18, (157); Buhârî 1036 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5023, c./s. 14/313]

2694. आप ने ख़बर दी कि आख़िरी ज़माने में एक ऐसा समूह निकलेगा जिनके चेहरे मनुष्यों के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि आख़िरी ज़माने में एक ऐसा समूह निकलेगा जिनके चेहरे मनुष्यों के और दिल शैतानों के होंगे; वे निर्दयी, ख़ून बहाने वाले, झूठे और विश्वासघाती होंगे; उनके बीच सुन्नत को बिदअत और बिदअत को सुन्नत समझा जाएगा, अल्लाह उनके बुरे लोगों को उन पर शासक बना देगा, और उनके भले लोगों की दुआ स्वीकार नहीं होगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.713 (s.642); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 267

2695. आप ने ख़बर दी कि जब तक हर क़बीले के ऊपर मुनाफ़िक़ सरदार न बन जाएँ, क़यामत नहीं आएगी

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब तक हर क़बीले के ऊपर मुनाफ़िक़ सरदार न बन जाएँ, क़यामत नहीं आएगी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.714 (s.644); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 271

2696. आप ने बताया कि जब तक स्त्रियों में स्त्री-समलैंगिकता और पुरुषों में लूत की क़ौम...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब तक स्त्रियों में स्त्री-समलैंगिकता और पुरुषों में लूत की क़ौम वाला कर्म प्रकट न हो, क़यामत नहीं आएगी; इब्ने मसऊद की रिवायत में यह भी बताया कि मस्जिदों को रास्ता बनाया जाएगा, सलाम केवल जान-पहचान वालों को किया जाएगा, पति-पत्नी व्यापार में डूब जाएँगे, और घोड़ों और स्त्रियों के दाम बहुत बढ़ जाएँगे, फिर क़यामत तक सस्ते हो जाएँगे।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.718 (s.645)

2697. आप ने उमर की दाढ़ी पकड़कर दुखी मन से “इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलैहि राजिऊन” कहा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उमर की दाढ़ी पकड़कर दुखी मन से “इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलैहि राजिऊन” कहा, और ख़बर दी कि जैसा जिब्रील ने अभी बताया है, आप के कुछ ही समय बाद आप की उम्मत क़ुरआन को लेकर बड़े फ़ितने में पड़ेगी, और क़ारी शासकों की इच्छाओं के पीछे चलकर भटक जाएँगे।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (हदीस में ‘तुम्हारे कुछ ही समय बाद’ कहा गया है; लेखक के अनुसार पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.731 (s.652)

2698. सुबह की नमाज़ के बाद “क़यामत कब आएगी?” पुकारने वाले व्यक्ति को आप ने पहले चुप...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

सुबह की नमाज़ के बाद “क़यामत कब आएगी?” पुकारने वाले व्यक्ति को आप ने पहले चुप करा दिया, फिर उजाला होने पर उसे बुलाया और बताया कि क़यामत तब आएगी जब शासक (शीर्षक के अनुसार न्यायाधीश) अत्याचार करेंगे।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.734 (s.654)

2699. आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में बताया कि सलाम केवल जान-पहचान वालों को किया...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में बताया कि सलाम केवल जान-पहचान वालों को किया जाएगा, व्यापार इतना फैल जाएगा कि स्त्री अपने पति की सहायता करेगी, रिश्तेदारी तोड़ी जाएगी, झूठी गवाही दी जाएगी और सच्ची गवाही छिपाई जाएगी, और क़लम (लिखना) फैल जाएगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.740 (s.658)

2700. उपहार में आए बकरी के मांस और थोड़े से भोजन से पकवाया गया खाना, जिसे चार लोग...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

उपहार में आए बकरी के मांस और थोड़े से भोजन से पकवाया गया खाना, जिसे चार लोग उठाते थे, उस ग़र्रा नाम के बड़े थाल पर लोगों को खिलाते हुए आप ने क़सम खाकर ख़बर दी कि फ़ारस और रूम जीते जाएँगे, भोजन भरपूर हो जाएगा, और उस पर अल्लाह का नाम नहीं लिया जाएगा।

ख़बर: मदनी दौर, तिथि अनिश्चित; पूर्ति: फ़ारस और रूम की विजयें, लगभग हिजरी 13–23 (634–644 ईस्वी); बिस्मिल्लाह के बिना खाने वाला भाग व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.744 (s.660); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 3263 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 6959]

2701. आप ने बताया कि चुग़लख़ोर और बातें इधर-उधर करने वाले बढ़ जाएँगे (इब्ने मसऊद की रिवायत)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि चुग़लख़ोर और बातें इधर-उधर करने वाले बढ़ जाएँगे (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.748 (s.663)

2702. आप ने बताया कि भेद खोले और फैलाए जाएँगे (इब्ने मसऊद की रिवायत)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि भेद खोले और फैलाए जाएँगे (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.749 (s.663)

2703. आप ने बताया कि लोग भेड़ियों जैसे दिलों पर भेड़ की खाल ओढ़ेंगे, और उस समय का...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोग भेड़ियों जैसे दिलों पर भेड़ की खाल ओढ़ेंगे, और उस समय का सबसे अच्छा व्यक्ति चापलूस (मुदाहिन) होगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.781 (s.672)

2704. आप ने ख़बर दी कि लोग अभी फल देने वाले पेड़ जैसे हैं, पर आगे चलकर काँटेदार पेड़...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि लोग अभी फल देने वाले पेड़ जैसे हैं, पर आगे चलकर काँटेदार पेड़ बन जाएँगे; तुम भागो या उन्हें छोड़ दो, वे तुम्हारा पीछा नहीं छोड़ेंगे; और बचने का उपाय यह बताया: “अपने तंगी के दिन के लिए अपनी इज़्ज़त उनसे बचाकर रखो।”

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.782 (s.673)

2705. आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने में ऐसे समूह होंगे जो बाहर से भाई और भीतर से शत्रु...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आख़िरी ज़माने में ऐसे समूह होंगे जो बाहर से भाई और भीतर से शत्रु होंगे; ऐसा इसलिए होगा कि वे एक-दूसरे से लाभ की आशा भी रखेंगे और एक-दूसरे से डरेंगे भी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.783 (s.673); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 266

2706. आप ने बताया कि आप को अपनी उम्मत के लिए सबसे अधिक डर लूत की क़ौम वाले कर्म से है

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप को अपनी उम्मत के लिए सबसे अधिक डर लूत की क़ौम वाले कर्म से है।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.785 (s.675); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 268; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Hudud 24, (1457); İbnu Mâce, Hudud 12, (2563) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 1617, c./s. 6/254]

2707. पुरुष रेशम पहनेंगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

पुरुष रेशम पहनेंगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.790 (s.676); Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Fiten 39, (2211) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5046]

2708. लोग बिरज़ौनों (भारी, बिना नस्ल के घोड़ों) पर सवार होंगे (अली से वर्णित क़यामत...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

लोग बिरज़ौनों (भारी, बिना नस्ल के घोड़ों) पर सवार होंगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.805 (s.677)

2709. तलाक़ को हल्का समझा जाएगा (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

तलाक़ को हल्का समझा जाएगा (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.806 (s.677)

2710. दिल बिगड़ जाएँगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

दिल बिगड़ जाएँगे (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.808 (s.677)

2711. आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में रिश्तेदारी के टूटने, अन्याय से माल लेने और...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में रिश्तेदारी के टूटने, अन्याय से माल लेने और ख़ून बहाने की ख़बर दी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.810 (s.679)

2712. आप ने उस समय की ख़बर दी जब रिश्तेदार अपने उस रिश्तेदार की शिकायत करेगा जो उसे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने उस समय की ख़बर दी जब रिश्तेदार अपने उस रिश्तेदार की शिकायत करेगा जो उसे कुछ नहीं देता।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.811 (s.679)

2713. आप ने बताया कि व्यभिचार, ईर्ष्या और कंजूसी प्रकट होगी और लोग नष्ट हो जाएँगे...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि व्यभिचार, ईर्ष्या और कंजूसी प्रकट होगी और लोग नष्ट हो जाएँगे (अबू मूसा की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.821 (s.680)

2714. आप ने बताया कि जब तक कोई व्यक्ति अपनी रोज़ी या माल के लिए किसी नबती स्त्री से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब तक कोई व्यक्ति अपनी रोज़ी या माल के लिए किसी नबती स्त्री से विवाह करके अपनी चचेरी बहन की ओर देखना भी न छोड़ दे, क़यामत नहीं आएगी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक के अनुसार आज के समय में पूरी हो चुकी)

स्रोत 1000 Mucize no.826 (s.681)

2715. बताया गया कि ऐसा समय आएगा जब संतान के डर से स्त्री का पेट चीरकर उसके भीतर का...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बताया गया कि ऐसा समय आएगा जब संतान के डर से स्त्री का पेट चीरकर उसके भीतर का (गर्भ) निकालकर फेंक दिया जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (स्रोत इसे गर्भपात मानता है)

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2716. आप ने बताया कि जब तक लोग रास्तों में गधों की तरह संभोग न करने लगें, क़यामत नहीं...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब तक लोग रास्तों में गधों की तरह संभोग न करने लगें, क़यामत नहीं आएगी (अब्दुल्लाह बिन अम्र की रिवायत)।

आख़िरी ज़माना

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2717. आप ने बताया कि जब आप की उम्मत पाँच चीज़ों (आपस में लानत करना, शराब, रेशम, बाजे...)

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब आप की उम्मत पाँच चीज़ों (आपस में लानत करना, शराब, रेशम, बाजे, और पुरुषों का पुरुषों से संतुष्ट होना) को हलाल समझेगी, तब विनाश आएगा (अनस की रिवायत)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2718. आप ने ख़बर दी: “लोगों पर ऐसा समय आएगा कि वे भेड़ियों जैसे हो जाएँगे; जो भेड़िया...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “लोगों पर ऐसा समय आएगा कि वे भेड़ियों जैसे हो जाएँगे; जो भेड़िया नहीं होगा, उसे भेड़िये खा जाएँगे” (अनस की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 267 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2719. आप ने ख़बर दी: “जब शिर्क (एक प्रति में: तुर्क) की टोपियाँ (क़लानिस) प्रकट...”

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “जब शिर्क (एक प्रति में: तुर्क) की टोपियाँ (क़लानिस) प्रकट होंगी, तो दिखावा (एक प्रति में: व्यभिचार) फैल जाएगा।”

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 145-146 (Bâb 12: kendisinden sonra olacakları haber vermesi)

49 · क़यामत की निशानियाँ: फ़ितने, युद्ध और प्राकृतिक घटनाएँ

2720. आप ने बताया कि क़ौमें मुसलमानों पर ऐसे टूट पड़ेंगी जैसे खाने वाले थाल पर टूट...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़ौमें मुसलमानों पर ऐसे टूट पड़ेंगी जैसे खाने वाले थाल पर टूट पड़ते हैं।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Beyhakî, Delâil c.5 s.325; 1000 Mucize no.557 (s.567); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 260; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Melahim 5, (4297) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4771, c./s. 13/417]

2721. आप ने बताया कि हत्या की घटनाएँ (हर्ज) बढ़ जाएँगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि हत्या की घटनाएँ (हर्ज) बढ़ जाएँगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.549 (s.564); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 230; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 18, (157) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5023, c./s. 14/313]

2722. आप ने बताया कि भूकंप बढ़ जाएँगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि भूकंप बढ़ जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.636 (s.609); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Cihad 37, (2535) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5044]

2723. आप ने बताया कि ज़माना सिमट जाएगा और आयु की बरकत घट जाएगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ज़माना सिमट जाएगा और आयु की बरकत घट जाएगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.593 (s.582); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 272; Kütüb-i Sitte: Tirmizî, Zühd 24, (2333); Buhârî 1036 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5041]

2724. आप ने बताया कि लोग मदीना को उसकी सबसे अच्छी हालत में छोड़कर चले जाएँगे

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोग मदीना को उसकी सबसे अच्छी हालत में छोड़कर चले जाएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.610 (s.596); Kütüb-i Sitte: Buharî, Fezâilu'l-Medine 5, Müslim, Hacc 499, (1389) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4611, c./s. 13/191]

2725. आप ने बताया कि अचानक मृत्यु की घटनाएँ बढ़ जाएँगी

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि अचानक मृत्यु की घटनाएँ बढ़ जाएँगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.633 (PDF s.610)

2726. आप ने बताया कि बिजली गिरने की घटनाएँ बढ़ जाएँगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बिजली गिरने की घटनाएँ बढ़ जाएँगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.695 (PDF s.634)

2727. आप ने अकाल के ऐसे वर्षों की ख़बर दी जिनमें वर्षा बहुत होगी, पर धरती कुछ नहीं उगाएगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने अकाल के ऐसे वर्षों की ख़बर दी जिनमें वर्षा बहुत होगी, पर धरती कुछ नहीं उगाएगी।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.823-824 (s.680); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 272; Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 44, (2904) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 5981, c./s. 16/462-463]

2728. आप ने बताया कि आप की उम्मत का अज़ाब दुनिया में फ़ितनों, भूकंपों और मारे जाने के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि आप की उम्मत का अज़ाब दुनिया में फ़ितनों, भूकंपों और मारे जाने के रूप में होगा।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.755 (s.664); Kütüb-i Sitte: Ebû Davud, Fiten, (4277) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4517, c./s. 13/78]

2729. आप ने बताया कि लोगों को भटकाने वाले बड़े फ़ितने आएँगे

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि लोगों को भटकाने वाले बड़े फ़ितने आएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत 1000 Mucize no.671 (s.617)

2730. आप ने बताया कि बनू असफ़र (रूमियों) से संधि होगी, फिर वे विश्वासघात करेंगे और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि बनू असफ़र (रूमियों) से संधि होगी, फिर वे विश्वासघात करेंगे और अस्सी झंडों के नीचे चढ़ आएँगे।

आख़िरी ज़माना (क़यामत की निशानियाँ; पूर्ति की तिथि व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत İbn Kesîr s.152; 1000 Mucize no.495 (s.487); Kütüb-i Sitte: Ebu Davud, Melahim 2, (4292, 4293); İbn Mâce 4089; Buhârî 3176 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4769; no. 7238]

2731. आप ने ख़बर दी कि मुसलमान शाम, यमन और इराक़ की सेनाओं के रूप में अलग-अलग सेनाएँ...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मुसलमान शाम, यमन और इराक़ की सेनाओं के रूप में अलग-अलग सेनाएँ बन जाएँगे, और शाम की, न हो सके तो यमन की सलाह दी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.612 (s.598); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 187; c. 2, s. 191; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 259-260; Kütüb-i Sitte: Ebû Davud, Cihad 3, (2483) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4630, c./s. 13/216]

2732. बताया गया कि एक ऐसा फ़ितना आएगा जिसमें बड़ा बूढ़ा होगा और छोटा बड़ा होगा, और जब...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

बताया गया कि एक ऐसा फ़ितना आएगा जिसमें बड़ा बूढ़ा होगा और छोटा बड़ा होगा, और जब उसे छोड़ा जाएगा तो कहा जाएगा: "सुन्नत छोड़ दी गई"; और यह तब होगा जब आलिम चले जाएँगे और क़ारी बढ़ जाएँगे, फ़क़ीह घट जाएँगे और अमीर बढ़ जाएँगे, और दुनिया आख़िरत के कर्मों से माँगी जाएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.693 (PDF s.632)

2733. आप ने बताया कि क़यामत से पहले एक फ़ितना उठेगा जिसका वर्णन आप ने "हत्या, हत्या"...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़यामत से पहले एक फ़ितना उठेगा जिसका वर्णन आप ने "हत्या, हत्या" कहकर किया; यह मुशरिकों की हत्या नहीं, बल्कि मुसलमानों का एक-दूसरे को मारना होगा: आदमी अपने पड़ोसी, अपने चचेरे भाई और अपने रिश्तेदार को मारेगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: किताब में तिथि नहीं दी गई

स्रोत 1000 Mucize no.477 (s.467); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce (kitap dipnotu)

2734. औफ़ बिन मालिक को क़यामत से पहले की छह निशानियाँ गिनाते हुए आप ने पहली निशानी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

औफ़ बिन मालिक को क़यामत से पहले की छह निशानियाँ गिनाते हुए आप ने पहली निशानी अपनी वफ़ात बताई (बाक़ी: बैतुल मक़दिस की विजय, महामारी, इतनी माल की बहुतायत कि सौ दीनार पर भी कोई संतुष्ट न हो, हर मुसलमान के घर में घुसने वाला फ़ितना, और विदेशी सेना से युद्ध-विराम तथा उनका अस्सी झंडों के नीचे, हर झंडे के नीचे बारह हज़ार सैनिकों के साथ विश्वासघात)।

ख़बर: मदनी दौर (बुख़ारी की सनद के अनुसार तबूक का अभियान, हिजरी 9 / 630 ईस्वी); पूर्ति: हिजरी 11 (632 ईस्वी)

स्रोत 1000 Mucize no.542 (s.562); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 188; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 256, 273; Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buhârî 3176

2735. आप ने ख़बर दी कि लोगों पर आने वाला हर समय अपने पिछले समय से बुरा होगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि लोगों पर आने वाला हर समय अपने पिछले समय से बुरा होगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: किताब में कोई निश्चित तिथि नहीं (जारी)

स्रोत 1000 Mucize no.544 (s.563); web: Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Kütüb-i Sitte: Buhârî, Fiten 6; Tirmizî, Fiten 35, (2207) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4822, c./s. 13/508]

2736. आप ने क़सम खाकर ख़बर दी कि दुनिया तब तक समाप्त नहीं होगी जब तक ऐसा समय (हर्ज) न...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने क़सम खाकर ख़बर दी कि दुनिया तब तक समाप्त नहीं होगी जब तक ऐसा समय (हर्ज) न आ जाए कि हत्यारा न जाने उसने क्यों मारा, और मारा गया न जाने उसे क्यों मारा गया।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: किताब में कोई निश्चित तिथि नहीं (जारी)

स्रोत 1000 Mucize no.550 (s.565); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 56, (2908) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4780, c./s. 13/427]

2737. आप ने ख़बर दी कि मुसलमान पूरब और पश्चिम को जीतेंगे, पर अल्लाह से डरने वालों के...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि मुसलमान पूरब और पश्चिम को जीतेंगे, पर अल्लाह से डरने वालों के सिवा उनके शासक जहन्नमी होंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.566 (s.573)

2738. क़यामत की निशानी के रूप में बताया गया कि घोड़े महँगे हो जाएँगे, फिर क़यामत तक...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़यामत की निशानी के रूप में बताया गया कि घोड़े महँगे हो जाएँगे, फिर क़यामत तक सस्ते हो जाएँगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.571 (s.575)

2739. आप ने ख़बर दी कि ख़ून बहाने को हल्का समझा जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ख़ून बहाने को हल्का समझा जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.575 (s.576)

2740. आप ने पूरब की ओर मुड़कर ख़बर दी कि फ़ितने वहीं से, शैतान के सींग निकलने की जगह...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने पूरब की ओर मुड़कर ख़बर दी कि फ़ितने वहीं से, शैतान के सींग निकलने की जगह से उठेंगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार इराक़ और उसके आसपास से उठी बिदअतें और फ़ितने)

स्रोत 1000 Mucize no.591 (PDF s.584); web: Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; Kütüb-i Sitte: Buhârî 5296; Müslim 2905 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4803, c./s. 13/471]

2741. आप ने ख़बर दी कि जब तक कोई व्यक्ति किसी क़ब्र के पास से गुज़रते हुए अपनी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब तक कोई व्यक्ति किसी क़ब्र के पास से गुज़रते हुए अपनी दीनदारी के कारण नहीं, बल्कि अपने ऊपर आई विपत्ति के कारण यह न कहे: “काश, मैं इसकी जगह होता”, क़यामत नहीं आएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार अभी नहीं हुई, पर निकट है)

स्रोत 1000 Mucize no.598 (s.586); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 266; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: Buhârî 7115; Müslim 157

2742. आप ने मुहाजिरों को पाँच बातों की ख़बर दी: अगर व्यभिचार खुलेआम होगा तो पहले कभी...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने मुहाजिरों को पाँच बातों की ख़बर दी: अगर व्यभिचार खुलेआम होगा तो पहले कभी न देखी गई महामारियाँ आएँगी; नाप-तौल में धोखा होगा तो अकाल और शासक का अत्याचार आएगा; ज़कात नहीं दी जाएगी तो वर्षा रुक जाएगी; अल्लाह और उसके रसूल का वचन तोड़ा जाएगा तो शत्रु चढ़ आएगा; और अल्लाह के आदेश लागू नहीं किए जाएँगे तो अज़ाब आएगा।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार ठीक वैसे ही पूरी हुई)

स्रोत 1000 Mucize no.601 (s.588); web: Yaqeen Institute, "The Prophecies of Prophet Muhammad"; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 228; ayrıca: Elshinawy, The Prophecies of Prophet Muhammad (Yaqeen); Kütüb-i Sitte: İbn Mâce 4019 [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 7208]

2743. आप ने उन तीन दौरों की ख़बर दी जिनमें युद्ध पर निकलने वालों से क्रम से पूछा...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने उन तीन दौरों की ख़बर दी जिनमें युद्ध पर निकलने वालों से क्रम से पूछा जाएगा: “क्या तुममें अल्लाह के रसूल ﷺ का कोई सहाबी / ताबिई / तबे ताबिई है?”, और हर बार विजय दी जाएगी।

पूर्ति: सहाबा, ताबिईन और तबे ताबिईन के दौर (किताब के अनुसार पूरी हुई)

स्रोत 1000 Mucize no.604 (s.593); web: Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3594; Münkız es-Sakkār, Delâilü'n-nübüvve; ayrıca: İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî, s. 262; Kütüb-i Sitte: Buhârî 3594, 2897; Müslim 2532

2744. आप ने ख़बर दी कि वर्षा का घट जाना क़यामत की निशानी है

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि वर्षा का घट जाना क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.646 (s.614)

2745. आप ने ख़बर दी कि धरती का ख़ून से तृप्त हो जाना (ख़ून-ख़राबे का बढ़ जाना) क़यामत...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि धरती का ख़ून से तृप्त हो जाना (ख़ून-ख़राबे का बढ़ जाना) क़यामत की निशानी है।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.683 (s.619)

2746. आप ने ख़बर दी कि अकाल के वर्ष (सूखा, उपज का घटना) क़यामत की निशानी हैं

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि अकाल के वर्ष (सूखा, उपज का घटना) क़यामत की निशानी हैं।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार आज के समय में दिखाई दे रही है)

स्रोत 1000 Mucize no.685 (s.620)

2747. आप ने ख़बर दी कि अल्लाह मुसलमानों के हाथ अजमियों (विदेशियों) से भर देगा, फिर वे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि अल्लाह मुसलमानों के हाथ अजमियों (विदेशियों) से भर देगा, फिर वे न भागने वाले शेर बनकर उनके योद्धाओं को मारेंगे और उनकी ग़नीमत खाएँगे।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (किताब के अनुसार खाड़ी देशों में विदेशी कर्मचारी और सैनिक)

स्रोत 1000 Mucize no.690 (s.627); web: Said Nursî, Mektubat, 19. Mektup, 6. İşaret; Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl; Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 261

2748. आप ने ख़बर दी कि दीन उलझ जाएगा, ख़ून बहाया जाएगा और बैतुल्लाह जलाया जाएगा

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि दीन उलझ जाएगा, ख़ून बहाया जाएगा और बैतुल्लाह जलाया जाएगा।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.708 (s.640)

2749. आप ने बताया कि जब तक रूमी लोगों में बहुसंख्यक न हो जाएँ, क़यामत नहीं आएगी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब तक रूमी लोगों में बहुसंख्यक न हो जाएँ, क़यामत नहीं आएगी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (लेखक: 21वीं सदी के आरंभ में ईसाई विश्व की जनसंख्या का लगभग एक-तिहाई थे)

स्रोत 1000 Mucize no.741 (s.658); Kütüb-i Sitte: Müslim, Fiten 35, (2898) [İ. Canan, Kütüb-i Sitte Tercüme ve Şerhi: no. 4551, c./s. 13/115]

2750. आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में बताया कि नया चाँद बड़ा दिखेगा और उसे “दो...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में बताया कि नया चाँद बड़ा दिखेगा और उसे “दो रात का” कहा जाएगा, मस्जिदों को रास्ता बनाया जाएगा, और अचानक मृत्यु होने लगेगी।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.743 (s.660); web: Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 271

2751. आप ने बताया कि जब ज़माना निकट आएगा, तो ख़रगोश पालना संतान पालने से बेहतर होगा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब ज़माना निकट आएगा, तो ख़रगोश पालना संतान पालने से बेहतर होगा; बड़ों का आदर और छोटों पर दया नहीं रहेगी, व्यभिचार से पैदा बच्चे बढ़ जाएँगे और रास्ते के बीच व्यभिचार किया जाएगा।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.780 (s.672)

2752. महीने घट जाएँगे (इसकी व्याख्या बरकत के उठ जाने, या गणना के चाँद देखने पर आधारित...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

महीने घट जाएँगे (इसकी व्याख्या बरकत के उठ जाने, या गणना के चाँद देखने पर आधारित न होने के रूप में की गई है) (अली से वर्णित क़यामत की निशानियों की सूची)।

ख़बर: सहाबी के कथन के रूप में रिवायत (मौक़ूफ़), तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.809 (s.677)

2753. आप ने बताया कि ज़माना सिमट जाएगा, और आयु, वर्ष और उपज घट जाएँगे (अबू मूसा की...)

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि ज़माना सिमट जाएगा, और आयु, वर्ष और उपज घट जाएँगे (अबू मूसा की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत 1000 Mucize no.822 (s.680)

2754. आप ने ख़बर दी कि जब तक बालों के जूते पहनने वाली एक क़ौम से युद्ध न हो, क़यामत...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब तक बालों के जूते पहनने वाली एक क़ौम से युद्ध न हो, क़यामत नहीं आएगी (अबू हुरैरा और अम्र बिन तग़लिब की रिवायतें; एक रिवायत में “ये बारिज़ वाले”)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (हिजरी पहली सदी की पूर्वी विजयें)

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3587, 3591, 3592

2755. आप ने ख़बर दी कि वह समय निकट है जब मुसलमान का सबसे अच्छा माल वे बकरियाँ होंगी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि वह समय निकट है जब मुसलमान का सबसे अच्छा माल वे बकरियाँ होंगी जिन्हें लेकर वह अपने दीन को फ़ितनों से बचाने के लिए पहाड़ों की चोटियों और वर्षा गिरने की जगहों पर जाएगा (अबू सईद ख़ुदरी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: फ़ितनों के दौर (हिजरी 35 के बाद), व्याख्या पर निर्भर

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3600

2756. आप ने बताया कि जब तक माल इतना न बढ़ जाए कि सदक़ा लेने वाला न मिले, और अरब की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब तक माल इतना न बढ़ जाए कि सदक़ा लेने वाला न मिले, और अरब की धरती फिर से चरागाहों और नदियों वाली न हो जाए, क़यामत नहीं आएगी।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2757. आप ने बताया कि जब तक दरिंदे मनुष्यों से बात न करने लगें, और मनुष्य को उसके...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जब तक दरिंदे मनुष्यों से बात न करने लगें, और मनुष्य को उसके कोड़े का सिरा, उसके जूते का तस्मा और उसकी जाँघ यह न बताने लगे कि उसके पीछे उसके घर वालों ने क्या किया, क़यामत नहीं आएगी (अबू सईद ख़ुदरी की रिवायत)।

पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर (स्रोत इसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मानता है)

स्रोत Yaqeen Institute (M. Elshinawy), "The Prophecies of Prophet Muhammad"

2758. आप ने ख़बर दी: “हर उम्मत की एक अवधि है; मेरी उम्मत की अवधि सौ वर्ष है; सौ वर्ष...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “हर उम्मत की एक अवधि है; मेरी उम्मत की अवधि सौ वर्ष है; सौ वर्ष बीतने पर वह चीज़ आएगी जिसका अल्लाह ने वादा किया है” (मुस्तौरिद बिन शद्दाद और सौबान की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: लगभग हिजरी 100 (व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 263 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2759. आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में ख़बर दी कि संतान क्रोध का कारण होगी, वर्षा...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने क़यामत की निशानियों के रूप में ख़बर दी कि संतान क्रोध का कारण होगी, वर्षा घुटन भरी गर्मी लाएगी, नीच लोग उमड़ आएँगे और सज्जन घट जाएँगे, और छोटा बड़े पर और नीच प्रतिष्ठित पर ढिठाई करेगा (इब्ने मसऊद और आइशा की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 270 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

2760. आप ने यह कहकर (बड़े युद्ध की) ख़बर दी: “जब तक ऐसी स्थिति न आ जाए कि न विरासत...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने यह कहकर (बड़े युद्ध की) ख़बर दी: “जब तक ऐसी स्थिति न आ जाए कि न विरासत बाँटी जाए और न ग़नीमत पर प्रसन्नता हो, क़यामत नहीं आएगी” (इब्ने मसऊद की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 272 (kendisinden sonra olacak çeşitli hâlleri haber vermesi)

50 · क़यामत की निशानियाँ: बड़ी निशानियाँ (महदी, दज्जाल, ईसा का उतरना, याजूज-माजूज)

2761. आप घबराए हुए ज़ैनब बिंत जहश के पास आए और कहा: “ला इलाहा इल्लल्लाह, निकट आती...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप घबराए हुए ज़ैनब बिंत जहश के पास आए और कहा: “ला इलाहा इल्लल्लाह, निकट आती बुराई के कारण अरबों पर अफ़सोस! आज याजूज और माजूज की दीवार में इतना छेद हो गया है”, और अपने अँगूठे और तर्जनी से घेरा बनाया; “क्या हममें नेक लोगों के होते हुए भी हम नष्ट हो जाएँगे?” इस प्रश्न पर आप ने फ़रमाया: “हाँ, जब बुराई बढ़ जाएगी।”

मदनी दौर, तिथि अनिश्चित

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3598

2762. आप ने महदी के प्रकट होने की ख़बर दी

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने महदी के प्रकट होने की ख़बर दी।

आख़िरी ज़माना (पूर्ति: प्रतीक्षित)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2763. आप ने ख़बर दी कि जब तक क़हतान का एक व्यक्ति अपनी लाठी से लोगों को हाँक न ले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि जब तक क़हतान का एक व्यक्ति अपनी लाठी से लोगों को हाँक न ले, क़यामत नहीं आएगी।

आख़िरी ज़माना (पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2764. आप ने फ़रमाया: “बैतुल मक़दिस का आबाद होना यसरिब का उजड़ना है; यसरिब का उजड़ना...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “बैतुल मक़दिस का आबाद होना यसरिब का उजड़ना है; यसरिब का उजड़ना मलहमा (बड़े युद्ध) का निकलना है; और मलहमा का निकलना क़ुस्तुंतुनिया की विजय है।”

आख़िरी ज़माना (पूर्ति: व्याख्या पर निर्भर)

स्रोत Kādî İyâz, eş-Şifâ, 1. kısım 4. bâb, 24. fasıl (gayb haberleri)

2765. आप ने ख़बर दी कि यहूदी मुसलमानों से लड़ेंगे, मुसलमान विजयी होंगे, और पत्थर...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि यहूदी मुसलमानों से लड़ेंगे, मुसलमान विजयी होंगे, और पत्थर कहेगा: “ऐ मुसलमान, मेरे पीछे एक यहूदी है, आओ उसे मारो।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (अभी पूरी नहीं हुई)

स्रोत Buhârî, Menâkıb, Alâmâtü'n-nübüvve, no. 3593

2766. इसरा की रात इब्राहीम, मूसा और ईसा के साथ क़यामत के समय पर चर्चा हुई; इब्राहीम...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

इसरा की रात इब्राहीम, मूसा और ईसा के साथ क़यामत के समय पर चर्चा हुई; इब्राहीम और मूसा ने कहा: “मुझे इसका ज्ञान नहीं”, और ईसा ने कहा कि उसका समय अल्लाह के सिवा कोई नहीं जानता, फिर उन्होंने दज्जाल के निकलने, अपने द्वारा उसे मारे जाने, पत्थर और पेड़ के “ऐ मुसलमान, मेरे नीचे एक काफ़िर है” कहकर बोलने, और याजूज-माजूज के विनाश की ख़बर दी।

इसरा और मेराज (लगभग 621 ईस्वी); ख़बर की पूर्ति: आख़िरी ज़माना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 1, s. 269 (İsrâ bâbı (İbn Mes'ûd hadisi))

2767. आप ने फ़रमाया: “ईसा बिन मरयम (उतरने के बाद) अगर मेरी क़ब्र के पास खड़े होकर ‘या...’”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने फ़रमाया: “ईसा बिन मरयम (उतरने के बाद) अगर मेरी क़ब्र के पास खड़े होकर ‘या मुहम्मद’ कहेंगे, तो मैं उन्हें उत्तर दूँगा।”

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 490 (Kabrinde hayatı, namazı ve selamın ulaştırılması)

2768. दज्जाल के बारे में आप को ऐसा ज्ञान दिया गया जो आप से पहले किसी नबी ने अपनी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

दज्जाल के बारे में आप को ऐसा ज्ञान दिया गया जो आप से पहले किसी नबी ने अपनी उम्मत को नहीं बताया था: “वह काना है; और तुम्हारा रब काना नहीं है” (अबू सईद ख़ुदरी की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 335 (korkuyla yardım, cevâmiu'l-kelim ve yeryüzü hazinelerinin anahtarları bâbı)

2769. आप ने ख़बर दी कि ईसा बिन मरयम दमिश्क़ के पूरब में सफ़ेद मीनार के पास उतरेंगे...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ईसा बिन मरयम दमिश्क़ के पूरब में सफ़ेद मीनार के पास उतरेंगे (नव्वास बिन समआन की रिवायत); इब्ने कसीर ने लिखा कि ईसाइयों की जलाई इस मीनार को उनके समय में उन्हीं के माल से फिर से बनाया गया।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (मीनार का नवीनीकरण: इब्ने कसीर का दौर, हिजरी आठवीं सदी)

स्रोत İbn Kesîr, Mu'cizâtü'n-Nebî (el-Bidâye ve'n-Nihâye'den; thk. es-Seyyid İbrâhîm), s. 379 (dinin müceddidlerini haber vermesi (devamı: Şam'ın İslâm'ın kalesi oluşu))

2770. आप ने ख़बर दी कि काबा ढाया जाएगा (ग़ैब की ख़बरों में इसे एक वाक्य में गिनाया...)

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि काबा ढाया जाएगा (ग़ैब की ख़बरों में इसे एक वाक्य में गिनाया गया है)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: स्रोत में उल्लेख नहीं

स्रोत Îcî–Cürcânî, Şerhu'l-Mevâkıf, c. 8, usul.ai baskısında s. 283 (el-Mevkıfü's-sâdis, el-Mersadü'l-evvel, el-Maksadü'r-râbi': isbâtü nübüvveti Muhammed; «el-kelâm fî sâiri'l-mu'cizât») [atıftaki s. 256 başka baskıya göre olmalı]

2771. आप ने ख़बर दी कि ईसा उतरकर आप के वंश के महदी के पीछे नमाज़ पढ़ेंगे, और महदी...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि ईसा उतरकर आप के वंश के महदी के पीछे नमाज़ पढ़ेंगे, और महदी धरती को न्याय से भर देंगे।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (प्रतीक्षित)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 907 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

2772. आप ने ख़बर दी कि आप के वंश से आने वाले महदी मक्का से कूफ़ा की ओर निकलते समय...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी कि आप के वंश से आने वाले महदी मक्का से कूफ़ा की ओर निकलते समय मूसा के (पत्थर से पानी निकालने) जैसा काम करेंगे।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरी ज़माना (प्रतीक्षित)

स्रोत Râvendî, el-Harâic ve'l-cerâih, c. 3, s. 912 (el-Bâbü's-sâbi' aşer fi'l-muvâzât beyne mu'cizâti nebiyyinâ ve mu'cizâti'l-enbiyâ)

2773. आप ने ख़बर दी: “जब तक हबशी तुम्हें छोड़े रहें, तुम भी उन्हें छोड़े रहो; उसकी...”

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

आप ने ख़बर दी: “जब तक हबशी तुम्हें छोड़े रहें, तुम भी उन्हें छोड़े रहो; उसकी क़सम जिसके हाथ में मेरी जान है, काबा का ख़ज़ाना दो पतली पिंडलियों वाला (ज़ुस सुवैक़तैन) एक व्यक्ति ही निकालेगा।”

पूर्ति: आख़िरी ज़माना

स्रोत Meclisî, Bihâru'l-envâr, c. 18, s. 145 (Bâb 12: kendisinden sonra olacakları haber vermesi)

51 · क़यामत का दिन और आख़िरत में आप का मक़ाम

2774. मृतक से क़ब्र में आप के बारे में प्रश्न किया जाता है; आप ने फ़रमाया: “जहाँ तक...”

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

मृतक से क़ब्र में आप के बारे में प्रश्न किया जाता है; आप ने फ़रमाया: “जहाँ तक क़ब्र के इम्तिहान (फ़ितने) की बात है, तुम्हारी परीक्षा मेरे द्वारा होगी और तुमसे मेरे बारे में पूछा जाएगा”; हकीम तिर्मिज़ी और इब्ने अब्दुल बर्र के अनुसार क़ब्र का प्रश्न इसी उम्मत के लिए विशेष है (आइशा की रिवायत)।

ख़साइस (कोई तिथि नहीं)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 325 (bütün peygamberlere üstün kılındığı ve kendisinden önce kimseye verilmeyen hususiyetler)

2775. बताया गया कि क़यामत के दिन आप अल्लाह के यहाँ सारी सृष्टि में सबसे सम्मानित...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

बताया गया कि क़यामत के दिन आप अल्लाह के यहाँ सारी सृष्टि में सबसे सम्मानित होंगे (इब्ने मसऊद और अब्दुल्लाह बिन सलाम की रिवायतें)।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 340 (Kur'an'dan yalnız ona verilenler ve Allah katındaki üstünlüğü bâbı)

2776. आप ने बताया कि क़यामत के दिन आप आदम की संतान के सरदार हैं, सबसे पहले आप की...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़यामत के दिन आप आदम की संतान के सरदार हैं, सबसे पहले आप की क़ब्र खुलेगी, सूर फूँके जाने के बाद सबसे पहले आप होश में आएँगे, सबसे पहले आप शफ़ाअत करेंगे और सबसे पहले आप की शफ़ाअत स्वीकार होगी (अबू हुरैरा और अनस की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 376 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2777. क़यामत के दिन आप बुराक़ पर उठाए जाएँगे; आप को जन्नत के जोड़ों में से एक जोड़ा...

हसन (अच्छी) अन्य मोजिज़े

क़यामत के दिन आप बुराक़ पर उठाए जाएँगे; आप को जन्नत के जोड़ों में से एक जोड़ा (हुल्ला) पहनाया जाएगा, और आप अर्श के दाईं ओर ऐसी जगह खड़े होंगे जहाँ कोई और खड़ा नहीं हो सकेगा; आप लोगों के अगुवा, उनके वक्ता और उनके शुभ समाचार देने वाले होंगे, और हम्द का झंडा आप के हाथ में होगा (मुआज़, अबू हुरैरा, इब्ने मसऊद, इब्ने अब्बास, उम्मे कुर्ज़ और अनस की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 377 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2778. आप को मक़ामे महमूद और सबसे बड़ी शफ़ाअत (शफ़ाअते उज़्मा) दी गई: महशर में लोग...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप को मक़ामे महमूद और सबसे बड़ी शफ़ाअत (शफ़ाअते उज़्मा) दी गई: महशर में लोग क्रम से आदम, नूह, इब्राहीम, मूसा और ईसा के पास जाएँगे और हर एक क्षमा माँग लेगा, फिर आप कहेंगे: "यह काम मेरा है", अर्श के नीचे सजदा करेंगे, उस दिन सिखाई जाने वाली हम्दों से अल्लाह की प्रशंसा करेंगे, और कहा जाएगा: "सिर उठाओ; माँगो, दिया जाएगा; शफ़ाअत करो, स्वीकार की जाएगी" (अबू हुरैरा, अनस, इब्ने अब्बास, इब्ने उमर, हुज़ैफ़ा, सलमान और उक़बा बिन आमिर की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 378 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2779. क़यामत के दिन जब नबियों के लिए सोने के मिंबर लगाए जाएँगे, तो आप इस चिंता से कि...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़यामत के दिन जब नबियों के लिए सोने के मिंबर लगाए जाएँगे, तो आप इस चिंता से कि आप की उम्मत पीछे रह जाएगी और आप जन्नत भेज दिए जाएँगे, अपने मिंबर पर नहीं बैठेंगे, बल्कि अपने रब के सामने खड़े होकर "मेरी उम्मत, मेरी उम्मत" कहकर विनती करेंगे; और सिरात के आरंभ पर अपनी उम्मत के पार होने की प्रतीक्षा करेंगे (इब्ने अब्बास और अनस की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 382 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2780. क़यामत के दिन आप जहन्नम का दरवाज़ा खटखटाकर खुलवाएँगे, भीतर जाकर ऐसी हम्दों से...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

क़यामत के दिन आप जहन्नम का दरवाज़ा खटखटाकर खुलवाएँगे, भीतर जाकर ऐसी हम्दों से अल्लाह की प्रशंसा करेंगे जो पहले किसी ने नहीं कीं, और सच्चे मन से "ला इलाहा इल्लल्लाह" कहने वालों को वहाँ से निकाल लेंगे (अबू हुरैरा की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 385 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2781. क़यामत के दिन आप लोगों के सरदार होंगे, आदम और उनके बाद के सब लोग आप के झंडे के...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

क़यामत के दिन आप लोगों के सरदार होंगे, आदम और उनके बाद के सब लोग आप के झंडे के नीचे इकट्ठा होंगे, आप नबियों के अगुवा और अंतिम नबी हैं, और जन्नत के दरवाज़े सबसे पहले आप के लिए खोले जाएँगे; सहाबा पिछले नबियों की श्रेष्ठताओं की चर्चा कर रहे थे, तब आप निकले और फ़रमाया: "मैं अल्लाह का हबीब हूँ, और यह गर्व नहीं; हम्द का झंडा मैं उठाऊँगा" (उबादा बिन सामित, हुज़ैफ़ा, जाबिर और इब्ने अब्बास की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 387 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2782. आप ने बताया कि क़यामत के दिन आप के संबंध और वंश के सिवा हर संबंध और वंश कट...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़यामत के दिन आप के संबंध और वंश के सिवा हर संबंध और वंश कट जाएगा (उमर की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 388 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2783. आप सिरात से सबसे पहले पार होने वाले और जन्नत का दरवाज़ा सबसे पहले खटखटाने वाले...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप सिरात से सबसे पहले पार होने वाले और जन्नत का दरवाज़ा सबसे पहले खटखटाने वाले होंगे; जन्नत का रखवाला कहेगा: "मुझे आदेश दिया गया है कि आप से पहले किसी के लिए न खोलूँ" (अबू हुरैरा और अनस की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 389 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2784. क़यामत के दिन जब आप की बेटी फ़ातिमा सिरात से गुज़रेंगी, तो एक पुकारने वाला...

गढ़ी हुई (मौज़ू) अन्य मोजिज़े

क़यामत के दिन जब आप की बेटी फ़ातिमा सिरात से गुज़रेंगी, तो एक पुकारने वाला आवाज़ देगा: "ऐ महशर वालो, अपनी आँखें बंद कर लो", और वे दो हरी चादरें ओढ़े गुज़रेंगी; आप के बाद जन्नत में सबसे पहले प्रवेश करने वाली फ़ातिमा होंगी (अली और अबू हुरैरा की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 389 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2785. आप को कौसर (जिसके प्याले आसमान के तारों जितने हैं) और वसीला दिया गया, जो जन्नत...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप को कौसर (जिसके प्याले आसमान के तारों जितने हैं) और वसीला दिया गया, जो जन्नत में केवल एक बंदे को मिलने वाला सबसे ऊँचा दर्जा है; और आप को नईम की जन्नतों के सबसे ऊँचे कक्ष तक उठाया जाएगा (इब्ने अब्बास, इब्ने उमर या अब्दुल्लाह बिन अम्र, और उबादा बिन सामित की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: आख़िरत

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 390 (kıyamet gününe özgü hususiyetleri bâbları)

2786. आप ने बताया कि क़यामत के दिन आप और आप की उम्मत एक टीले पर इकट्ठा होंगे, आप का...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़यामत के दिन आप और आप की उम्मत एक टीले पर इकट्ठा होंगे, आप का रब आप को एक हरा जोड़ा पहनाएगा, और यही मक़ामे महमूद है (कअब बिन मालिक की रिवायत)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 392 (ümmetinin kıyametteki hususiyetleri bâbları)

2787. आप ने बताया कि क़यामत के दिन आप की उम्मत को वुज़ू के निशानों से चमकते चेहरों और...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़यामत के दिन आप की उम्मत को वुज़ू के निशानों से चमकते चेहरों और अंगों वाली (ग़ुर्रन मुहज्जलीन) कहकर पुकारा जाएगा, और आप उन्हें दूसरी उम्मतों के बीच इसी से, उनके कर्मपत्र दाहिने हाथ में दिए जाने से, सजदे के निशान से और उनके आगे दौड़ते नूर से पहचानेंगे (अबू हुरैरा, हुज़ैफ़ा, अबुद दर्दा और अबू ज़र की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 392 (ümmetinin kıyametteki hususiyetleri bâbları)

2788. आप की उम्मत क़ब्रों से सबसे पहले उठने वाली और दूसरी उम्मतों से पहले जन्नत में...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप की उम्मत क़ब्रों से सबसे पहले उठने वाली और दूसरी उम्मतों से पहले जन्नत में प्रवेश करने वाली उम्मत है।

ख़साइस (सामान्य; तिथि अनिश्चित)

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 394 (ümmetinin kıyametteki hususiyetleri bâbları)

2789. आप ने बताया कि क़यामत के दिन नूह और दूसरे नबियों ने जो पहुँचाया था, उसकी गवाही...

सहीह (प्रामाणिक) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि क़यामत के दिन नूह और दूसरे नबियों ने जो पहुँचाया था, उसकी गवाही आप और आप की उम्मत देगी (आप की उम्मत न्यायप्रिय गवाहों के स्थान पर है; सूरह अल-बक़रह, आयत 143; अबू सईद ख़ुदरी की रिवायतें)।

ख़बर: मदनी दौर; पूर्ति: क़यामत का दिन

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 395 (ümmetinin kıyametteki hususiyetleri bâbları)

2790. आप ने बताया कि जहन्नम की गर्मी आप की उम्मत के लिए हम्माम की गर्मी जैसी होगी...

ज़ईफ़ (कमज़ोर) अन्य मोजिज़े

आप ने बताया कि जहन्नम की गर्मी आप की उम्मत के लिए हम्माम की गर्मी जैसी होगी (अबू बक्र की रिवायत)।

ख़बर: तिथि अनिश्चित; पूर्ति: आख़िरत

स्रोत Süyûtî, el-Hasâisü'l-Kübrâ, c. 2, s. 395 (ümmetinin kıyametteki hususiyetleri bâbları)